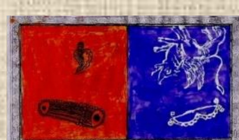
ISSN·2229-547X·VIDEHA

# विदेह·३७२·म·अंक·१५·जून·२०२३·(वर्ष·१६·मास·१८६·अंक·३७२)

[विदेह·(since·2000)·ISSN·2229-547X·VIDEHA·(since·2004)·www.videha.co.in·]



## विदेह·मैथिली·साहित्य·आन्दोलन:·मानुषीमिह·संस्कृताम्



## विदेह··प्रथम·मैथिली·पाक्षिक·ई-पत्रिका

**सम्पादक**:·गजेन्द्र·ठाकुर·






Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

**Font/ Keyboard Source**: https://fonts.google.com/ , https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts , https://keyman.com/

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

समानान्तर परम्पराक विद्यापति- *चित्र विदेह सम्मानसँ सम्मानित श्री पनकलाल मण्डल द्वारा*

मैथिली भाषा जगज्जननी सीतायाः भाषा आसीत् हनुमन्तः उक्तवान- मानुषीमिह संस्कृताम्

**<u>अक्खर खम्भा (आखर खाम्ह)</u>**

तिहुअन खेत्तहि कान्हि तसु कित्तिवल्लि पसरेइ। अक्खर खम्भारम्भ जउ मञ्चो बन्धि न देइ॥ *(कीर्तिलता प्रथमः पल्लवः पहिल दोहा)*

माने आखर रूपी खाम्ह निर्माण कऽ ओइपर (*गद्य-पद्य रूपी*) मंच जँ नै बान्हल जाय तँ ऐ त्रिभुवनरूपी क्षेत्रमे ओकर कीर्तिरूपी लत्ती केना पसरत।

शुक्ल यजुर्वेद (२६.२)-
यथेमां वाचं कल्याणीमावदानि जनेभ्यः। ब्रह्मराजन्याभ्यां शूद्राय चार्याय च स्वाय चारणाय च। हम सभ गोटेकेँ ई पवित्र वाणी (वेदवाणी) सुनाबी। ब्राह्मणकेँ, क्षत्रियकेँ, शूद्रकेँ आ आर्यकेँ; अपन लोककेँ आ अपरिचितकेँ सेहो (माने सभकेँ)। मुदा ऐ वेदवाक्यक विपरीत मनुस्मृति वेदवाणीक अध्ययन/ श्रवणकेँ समाजक किछु गोटे लेल निषेध करऽ चाहलक, मुदा स्मृति सेहो वेदवाक्यकेँ प्रमाण मानैत अछि (शब्द प्रमाण) तेँ तकर विरुद्ध देल ओकर निर्देश स्वयं अमान्य भऽ जाइत अछि।

Do not judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.- Robert Louis Stevenson

------------------------------------

શ્રોં·દ્યૌ:·શાન્તિ1ન્તાિક્ષ·ગ્વંગ·શાન્તિ:

·:···:

## શ્રનુક્રમ

**ઐ·શ્રંકમે·શ્રછિ:-**



**૨.ગદ્ય઼·ખણ્ડ**

२.६.ડા·કિશન·કાrીગr-
.મૈથિઠી·મે·rચના·ચોrી·કે·વિ઼કટ·સમસ્યા઼·શ્રા·સમાધાન

२.७.ઘાઘદેવ઼·કામત--१·ટા·ઘઘુકથા·શ્રા·ध·ટા·વિહૈન·કથા

२.८.ઘાઘદેવ઼·કામત--પોથી·સમીક્ષા·एक·વિ઼મર્શ-
·१.વિ઼દ્યા઼પતિ·શ્રાત્મકથા·કેr·દ્ર઼ાષ્ટિવોધ·२.પુસ્તક·સમીક્ષા:·ઘાટૂ-
ઠીઘા·३.ળગદીશ·પ્રસાદ·મંડઠ-૩પન્યા઼સ·"પંગૂ"

२.९.નિર્મઠા·કર્મ--શ્રગ્નિ·શિખા·(ખેપ-२१)

२.१०.કુન્દન·કર્મ--ઘઘુકથા·rીઢ·શ્રા·વીહનિ·કથા·હાટ

२.११.નન્દ·વિ઼ઘાસ·rાય઼-વૈ઼ષ્ણવે઼·છી

२.१२.ળગદીશ·પ્રસાદ·મણ્ડઠ--સુચિતા·(ધારાવ઼ાહિક·૩પન્યા઼સ)

२.१३.ળગદીશ·પ્રસાદ·મણ્ડઠ-શ્રાવ·નક·ળીવ·(ઘઘુકથા)

२.१४.rવીન્દ્ર·નારાય઼ણ·મિશ્ર-વદઠિ·rહઠ·શ્રછિ·સમકિછુ·(૩પન્યા઼સ)-
·ધારાવ઼ાહિક

**३.પદ્ય઼·ખણ્ડ**

૩.૧.૧ાળ·કિશો૧·મિશ્ર-શ્રે૧·શ્રાહ્ળ·ળાઢ઼

**૪.·શ્રણુળ૭નક·**

૧.વ઼િદેહ·ઈ-
પત્રિકાક·સમટા·પુ૧ાન·શ્રંક·Videha·e·journal's·all·old·issues·

૨.મૈથિળી·પોથી·ડા૩નળોડ·Maithili·Books·Download·

૩.·મૈથિળી·શ્રાડિય઼ો-વ઼ીડિય઼ોક·સંકળન·Maithili·Audios-Videos·

૪.મૈથિળી·શિશુ,·વાળ·શ્રા·કિશો૧·સાહિત્ય઼·Maithili·Children·Literature·

૫.વ઼િદેહ·સ્ત્રી·કોના··

૬.·વ઼િદેહ·ઈ-ળર્નિઙ્ગ·

૭.વ઼િદેહ·સૂચના·સંપર્ક·શ્રન્વ઼ેષણ·(including·Parallel·Literature·in·Maithili·and·Videha·Maithili·Literature·Movement)·

૮.વ઼િદેહ·મિથિળાક·પ્પોળ·

ঽ.ৱ়িদেহ·মিথিঠা·১ল·



ॐ द्यौ: शान्तिरन्तरिक्ष ग्वंग शान्तिः पृथ्वी शान्तिराप: शान्तिरोषधय: शान्ति वनस्पतय: शान्तिर्विश्वे देवा: शान्तिर्ब्रह्म

ওঁ দ্যৌ: শান্তিৰন্তৰিক্ষ Ẇ শান্তিঃ পৃথ্বী শান্তিৰাপ: শান্তিৰোষধয়: শান্তি রনস্পতয়: শান্তির্বিশ্বে দেরা: শান্তির্ব্রহ্ম

ब्रह्मणसँ प्रार्थना जे द्युलोकमे, अंतरिक्षमे, पृथ्वीपर, जलमे, औषधमे, वनस्पतिमे, विश्वमे, सभ देवतागणमे आ ब्रह्ममे शांति हुअय।

ॐ-ब्रह्मण, द्यौ-सूर्य-तरेगण, अंतरिक्ष- पृथ्वी आ द्यूलोकक बीच, आप:- जल, विश्वेदेवा- सभ देवता, ब्रह्म- सर्जक।

ব্রহ্মণসঁ প্রার্থনা জে দ্যুলোকমে, অংতৰিক্ষমে, পৃথ্বীপৰ, জলমে, ঔষধমে, রনস্পতিমে, রিশ্বমে, সভ দেরতাগণমে আ ব্রহ্মমে শাংতি হুঅয়।

ওঁ-ব্রহ্মণ, দ্যৌ-সূর্য-তৰেগণ, অংতৰিক্ষ- পৃথ্বী আ দ্যুলোকক বীচ, আপ:-জল, বিশ্বেদেবা- সভ দেৱতা, ব্রহ্ম- সর্জক।

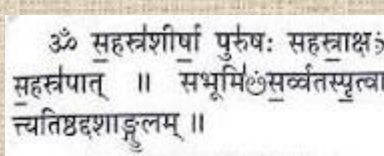
ॐ, स॒हस्र॑शीर्षा॒ पुरु॑षः। स॒ह॒स्रा॒क्षः स॒हस्र॑पात्।

*ওঁ, স↓হস্র↑শীর্ষা↓ পুরু↑ষঃ। স↓হ↓স্রা↓ক্ষঃ স↓হস্র↑পাৎ।*

स भूमिं॑ ग्वंग वि॒श्वतों वृ॒त्वा। अत्यं॑तिष्ठद् दशाङ्गु॒लम्॥

*স ভূমিং↑ Ẇ বি↓শ্বতো↑ বৃ↓ত্বা। অত্য↑তিষ্ঠদ্ দশাঙ্গু↓লম্॥*

हजार माथ, हजार आँखि, हजार पएर संग विश्वकेँ आच्छादित केने अछि, दस आंगुरक गनतीक वशमे नै अछि ओ।


ॐ सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः
सहस्त्रपात् ॥ सभूमिं सर्व्वतस्पृत्वा
त्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम् ॥

प॒द्भ्याग्ँ॑ शू॒द्रो अं॑जायत॥

প↓দ্ভ্যাগ্ঁ↑ শূ↓দ্রো অ↑জাযত॥

पएरसँ शूद्रक उत्पत्ति भेल॥

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्राँत्।

প↓দ্ভ্যাং ভূমি↓র্দিশঃ↓ শ্রোত্রা↑↑৯।

मुदा पएरेसँ भूमियोक उत्पत्ति।

❀ (White Florette- innocence and purity)

☸ (Wheel of Dharma)

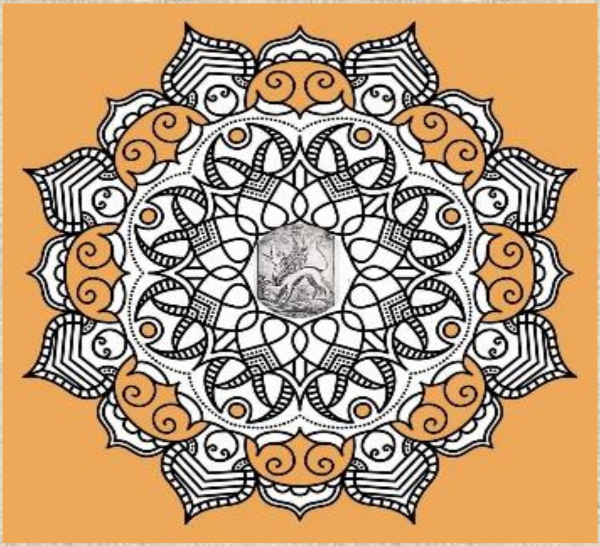
卐(Swastik)

꣼ (सिद्धिरस्तु, सिद्धम সিদ্ধিৰস্তু, সিদ্ধম Devanagari Anji)

Ẇ (Gwang ग्वंग- two small circles connected by u and a dot placed over it, used in reference of Vedic texts)

𑓆 (Tirhuta Anji, Ankush of Ganeshji, placed at the beginning of something)

𑓆



𑓑𑓑.𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩- 𑒢𑒴𑒞𑒢 𑒁𑓀𑒏 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏𑒲𑒨

𑓑𑓒.𑒁𑓀𑒏 𑓓𑓗𑓑 𑒣𑒩 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

## १.गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

१

## बद्री नाथ राय 'अमात्य' क 'मैथिलि मैया कऽ बयान'

बद्री नाथ राय 'अमात्य' क 'मैथिलि मैया कऽ बयान' वैद्यनाथ मिश्र जी केर पद्य जकाँ हनहनाइत बजैए, सुमधुर, लय आ तुकबन्दी युक्त, गेय। मुदा ई समानता ओतहि धरि नऽ जाइए, आ जे विपरीतता अबैए से अछि ए संग्रहक विषय वस्तु, आ तकर अँग्रेजी निरीक्षण। आ से अछि बद्री नाथ राय 'अमात्य' क आँखि आ ध्यान दुनूक पॉलीटिक्स हेबाक कारण, आ से ए बी ओ बा एबी पॉलिटिक्स नै अछि, ई अछि मिथिला पॉलिटिक्स। ध्यानो नै रहो मिथिला केर छन्हि, जातिवादीक उलझन केस 'डाइ' करा देता मिथिला केर रहने, जे ओ घोरने छथि।

तन-मन जे घवाह भेल छन्हि आ पोसल कुकुड़ कटाह भेल छन्हि तकर उतर याहयिन्हि कविकेँ, आ से उतर मैथिलिसँ याहि हुनका। रसक झमानीयेकें ओ रसपान करता। मुदा मात्र प्रश्ने नै ठाढ़ करै छथि, उतरो देर छथि- कादो करब घास के गारब् अगाबि घेती यान करब हम।

बद्री नाथ राय 'अमात्य' विशिष्टादतक मुद्राराक्षसक अमात्य मोन पाड़ि देलन्हि।

२

## कल्पना झा- नशामुक्ति हेतु गाबी गीत

मद्य निषेध विभाग आदि द्वारा नशामुक्ति विषयक कार्यक्रममे हिन्दीमे 'नशामुक्ति गीत' कार्यक्रमक प्रारम्भमे अहाँ सुनने हएब। कल्पना झा मैथिलीमे ७५ टा गीतक एकटा संग्रह लऽ कऽ प्रस्तुत भेलि जे मात्र अहि

𑒫𑒱𑒭𑒨𑒣𑒩 𑒁𑒕𑒱। 𑒅𑒦𑒏𑒏 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒮𑒩𑒼𑒏𑒰𑒩 𑒩𑒰𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒄 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧 𑒁𑒕𑒱। 𑒂 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒖𑒺 𑒋𑒏𑒩𑒺 𑒮𑓀𑒑 𑒧𑒢𑒼𑒫𑒻𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒱𑒏 𑒂 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒖𑒱𑒏 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒖𑒺 𑒮𑒦 𑒅𑒧𑒺𑒩 𑒂 𑒮𑒦 𑒂𑒩𑓂𑒟𑒱𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 𑒫𑒩𑓂𑒑 𑒥𑒲𑒔 𑒋𑒏 𑒮𑒧𑒰𑒢 𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒦𑒞𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒂𑒨𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒒𑒩𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒦𑒞𑒰𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒒𑒳𑒧𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒟𑒱, 𑒂 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒰𑒪 𑒄 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒯𑒵𑒣𑒙𑓂𑒙𑒰 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒧𑒺 𑒮𑒧𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒏𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒏𑒼𑒏𑒲𑒢, 𑒯𑒺𑒩𑒼𑒃𑒢, 𑒑𑒰𑒖𑒰, 𑒞𑒰𑒛𑓃𑒲, 𑒠𑒰𑒩𑒴 𑒮𑒿 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒠𑒩𑓂𑒠 𑒩𑒼𑒡𑒲 𑒠𑒫𑒰𑒃, 𑒂 𑒮𑒳𑒞𑒥𑒰𑒏 𑒑𑒼𑒪𑒲, 𑒖𑒰𑒛𑓃 𑒂𑒠𑒱 𑒮𑒺𑒯𑒼 𑒋𑒏𑒩 𑒣𑒩𑒱𑒏𑓂𑒭𑒺𑒞𑓂𑒩𑒧𑒺 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒯𑒪𑒢𑒰 𑒯𑒰 𑒌 𑒧𑒺 𑒑𑒳𑒙𑒐𑒰 𑒂𑒠𑒱 𑒮𑒺𑒯𑒼 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒖𑒩𑓂𑒠𑒰𑒧𑒺 𑒢𑒬𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒑𑒳𑒙𑒐𑒰𑒧𑒺 𑒖𑒩𑓂𑒠𑒰𑒏 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩𑒝𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒪𑒑𑒰 𑒠𑒺𑒢𑒺 𑒕𑒻, 𑒮𑒺 𑒑𑒳𑒙𑒐𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒑𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒣𑒰𑒢 𑒧𑒮𑒰𑒪𑒰। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒌 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 𑒂𑒥 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒋𑒯𑒫𑒺𑒧𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒔𑒰𑒩 𑒋𑒢𑒰 𑒖𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱- 𑒥𑒛𑓃𑒺 𑒧𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒮𑓀𑒑 𑒕𑒼𑒙𑒺 𑒧𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒤𑓂𑒩𑒲, 𑒧𑒰𑒢𑒺 𑒣𑒰𑒢 𑒧𑒮𑒰𑒪𑒰 𑒮𑓀𑒑 𑒔𑒴𑒢𑒏 𑒛𑒱𑒥𑓂𑒥𑒲 𑒂 𑒖𑒩𑓂𑒠𑒰𑒏 𑒣𑒳𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒁𑒪𑒑𑒮𑒿 𑒤𑓂𑒩𑒲, 𑒧𑒰𑒢𑒺 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒣𑒰𑒢 𑒧𑒮𑒰𑒪𑒰𑒧𑒺 𑒔𑒴𑒢 𑒂 𑒖𑒩𑓂𑒠𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒺𑒮𑒿 𑒧𑒱𑒪𑒰 𑒏𑓄 𑒑𑒳𑒙𑒐𑒰 𑒥𑒢𑒰 𑒪𑒱𑒁, 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 𑒧𑒱𑒪𑒰 𑒏𑓄 𑒢𑒻 𑒠𑒺𑒞, 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒰 𑒏𑒺𑒢𑒺 𑒕𑒻। 𑒮𑒺 𑒥𑒛𑓃𑒺 𑒧𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒦𑒺𑒪 𑒣𑒰𑒢 𑒧𑒮𑒰𑒪𑒰 𑒂 𑒕𑒼𑒙𑒺 𑒧𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒦𑒺𑒪 𑒔𑒴𑒢 𑒂 𑒖𑒩𑓂𑒠𑒰।

𑒏𑒫𑒱 𑒮𑒦 𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒛𑓂𑒩𑒑 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑𑒏 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒩𑒐𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒠𑒳𑒩𑒳𑒣𑒨𑒼𑒑𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱 𑒮𑒔𑒺𑒞 𑒕𑒟𑒱, 𑒔𑒰𑒯𑒺 𑒮𑒳𑒩𑒰 𑒑𑒼𑒏𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒳𑒁𑒋, 𑒮𑒳𑓀𑒒𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒳𑒁𑒋 𑒫𑒰 𑒖𑒲𑒯𑒣𑒩 𑒥𑒺𑒥𑒰𑒏 𑒞𑒩𑒲𑒏𑒰 𑒯𑒳𑒁𑒋। 𑒄 𑒒𑒩𑒏𑒻 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒻𑒋, 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒖𑒛𑓃𑒱 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒫𑒱 𑒂𑒏, 𑒔𑒴𑒢𑒏 𑒎𑒭𑒡𑒲𑒨 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑𑒮𑒿 𑒁𑒫𑒑𑒞 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒠𑒢𑒰𑒧 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒂𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒟𑒱। 𑒍 𑒫𑒻𑒢𑒲 𑒮𑒳𑒞𑒩𑒲 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒐𑒰𑒢 𑒮𑒺𑒯𑒼 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒟𑒱, 𑒁𑒣𑒢 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒳𑒝𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒯𑒩𑒯𑒩 𑒬𑓀𑒏𑒩𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒫𑒮𑒢𑓂𑒞 𑒂𑒑𑒧𑒢 𑒂 𑒧𑒠𑒢𑒏 𑒫𑒺𑒬𑒧𑒺 𑒔𑒻𑒢 𑒦𑓀𑒑𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒁𑒕𑒱। 𑒬𑓂𑒫𑒺𑒞 𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒂 𑒏𑒰𑒪𑒼 𑒮𑒿 𑒏𑒫𑒱 𑒣𑒟 𑒣𑓂𑒩𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒮𑒺𑒯𑒼 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒟𑒱।

𑒞𑒧𑒰𑒏𑒴 𑒏𑒵𑒭𑒱𑒣𑒩 𑒮𑒺𑒯𑒼 𑒁𑒣𑒢 𑒠𑒵𑒭𑓂𑒙𑒱𑒏𑒼𑒝 𑒏𑒯𑒪𑒢𑒰 𑒖𑒲 𑒩𑒐𑒢𑒺 𑒕𑒟𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒞𑓄 𑒞𑒧𑒰𑒏𑒴 𑒏𑒵𑒭𑒱𑒏 𑒂𑒪𑒺𑒐𑒢𑒰𑒧𑒺 𑒥𑒰𑒯𑒩𑒲 𑒠𑒺𑒬𑒮𑒿 𑒮𑒱𑒑𑒩𑒺𑒙𑒏 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒞𑒮𑓂𑒏𑒩𑒲𑒣𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒢𑒻 𑒑𑒺𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒞𑒧𑒰𑒏𑒴 𑒏𑒵𑒭𑒏𑒏 𑒖𑒢𑒞𑒩-𑒧𑒢𑒞𑒩𑒣𑒩 𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒢 𑒂 𑒂𑒿𑒙𑒼𑒏

पाछाँमे तमाकू कृषकक कनैत कल जोड़ने आकृति दृष्टिसँ नजरिमे हमरा अबैत अछि। सिगरेटपर अनाप-शनाप टैक्ससँ जे सिगरेट तस्कर माफियाक नव वर्ग उत्पन्न भेल अछि तकर कारण तमाकू कृषक ऐ तरहक लॉबीकेँ मानैत छथि जे हुनका लोकनिकेँ (तमाकू कृषककेँ) वंचित बना कऽ ऐ तस्कर माफियाकेँ फायदा पहुँचा रहल अछि, आ ओर छद्म प्रचारक शिकार भेल कल्पना हो।

जँ अहाँ एलीट सिगरेट लॉबीसँ गप करब तँ ओ की अहाँकेँ पुछत आ अहाँक उत्तर की हएत से प्रश्नोत्तरी नीचाँ देल जा रहल अछि-

-की अहाँ सिगरेट पिबै छी?

-नै।

-कियो सिगरेट नै पीबि रहल अछि, हमर छोटका भाइ सिगरेट नै पिबैत अछि। हम कॉलेजमे सिगरेट पिबैत रही आब नै पिबै छी। सिगरेट इण्डस्ट्री मरि रहल अछि।

जँ अहाँ एलीट बीड़ी लॉबीसँ गप करब तँ ओ की अहाँकेँ पुछत आ अहाँक उत्तर की हएत से प्रश्नोत्तरी नीचाँ देल जा रहल अछि-

-की अहाँ बीड़ी पिबै छी?

-नै।

-कियो आब बीड़ी नै पिबए, नवकिशोरवर्ग आब सिगरेटे पिबए। बीड़ी उद्योग मरि रहल अछि।

डीआरआइक रिपोर्टक मोताबिक २०२१-२२ मे ११ करोड़ सिगरेट स्टिककेँ जब्त कएल गेल, ई सस्तौआ सिगरेट तस्करीसँ आनल जा रहल छल। एकर कतेक गुणा माल पकड़ल नै जा सकल हएत। बिहारमे मद्य निषेधक बाद किछु

दिन तँ सभ ठीक रहल, मुदा आब गामे-गाममे एकटा अपनाय नेटवर्क बनि गेल अछि जे गामे-गाम दारू उपलब्ध करबैत अछि। तँ मद्य-निषेधक गीत गौनिहारकेँ अहाँ अपनाय नेटवर्क लेल लॉबी ग्रुप मानब? उत्तर अछि नै, मुदा हुनकर उपयोग कएल गेलन्हि से तँ मानैये पड़त।

कारण कविआक, चूरक औषधीय प्रयोगसँ अवगत छथि आ ओकरा बदनाम नै करबाक आग्रह करैत छथि तँ हमरा लगैए जे देशमे बनल सिगरेट (डमिनाटि गुड्स) पर अत्यधिक टैक्स लगालसँ होइत विदेशी सिगरेटक तस्करी आ तकर परिणामस्वरूप तमाकूक कृषकक दुर्दशापर जँ ध्यान राखितथि तँ आर नीक रहैत। कल्पना झा अपन हित-अपेक्षित नशा प्रयोगसँ चिन्तित छथि, नशामुक्त हित लेल गीत गाबि रहल छथि। जँ अहूँ ए लेल चिन्तित छी तँ अहूँकेँ बुझबाक चाही जे ई नशाक आदत किना लगै छै, एकर दुरुपयोग केना शुरू होइ छै आ बढ़ति जाइ छै। तइ लेल ई पोथी उपयोगी हएत। जँ अहाँ स्वयं नशा कऽ रहल छी आ ए सँ मुक्त चाहै छी तँ ई पोथी अहाँ कैँ बुझबामे मदति दित जे केना ए समस्यासँ लड़ी आ जीती आ अपन जीवनपर नशाक नियंत्रण सँ मुक्त होइ।

-धाजेन्दरा थहाकुर, दतिोर, वदिहा (वे पानत ोड वदिहा <u>ौवदिहायोनि</u> -सेनद प्होन औहातसअपप नो तो +९१९५६०९६०७२१ सो तहात ति चान वे ादेदेद तो तहे वदिहा औहातसअपप जरोादचासत ड़सित)

अपन मंतव्य दतिोराषिसताडवदिहा०जामाषियोम पर पठाउ।

## ૧૨અંક ૩૭૧ પર ટિપ્પણી

**મનોજ ઠાકુર**
મિથિલા મૈથિલી જોડ઼બાક મે અહાંક બહુત નીક પહલ, ધન્યવાદ। એક વિશેષાંક મિથિલાક દેવી દેવતાક મહત્વ આ આજુક સમય મે ઓકર સ્થાન પર આધારિત હોબક ચાહી એહન અપેક્ષા અછિ।

**કલ્પના ઝા**
પ્રથમદૃષ્ટયા નીક વિષય વસ્તુ સઁ યુક્ત અંક લાગિ રહલ અછિ। સાર્થક પહલ અછિ વિદેહક વિશેષાંક સભ।

**લક્ષ્મણ ઝા 'સાગર'**
બહુત નીક આલેખ સબ જુટાય લેને છી। એતેક વ્યસ્ત જીવન મે મૈથિલી સાહિત્યક પ્રતિ એહેન રુચિ આ એતે બરકા બરકા કાજ હાથ મે લ કે તકરા સહી સમય મે સમ્પાદિત કય દૈત છી સે અહાઁ આ અહાઁક ટીમ સં સંભવ ભ રહલ અછિ। અહાઁક જજ્બા આ જુનુન કે હમ સલામ કરૈત છી! બધાઇ!!

**પ્રિયંકા મિશ્ર**
સહૃદય ધન્યવાદ! 'વિદેહ'ક માધ્યમસઁ બહુત કિછુ સિખબાક, બુઝબાક અવસરક સંગ હમરા સભકેઁ માર્ગદર્શન સેહો ભેટત। હમર સભક પ્રયાસ રહત જે અપનામે નિહિત હુનર સુધારક સંગ કાજ કરબાક પ્રયાસ કરી।

**અપન મંતવ્ય** editorial.staff.videha@gmail.com **પર પઠાઉ।**

## २.गद्य खण्ड

२.१परमानन्द लाल कर्ण- गीता माहात्म्य (आगाँ)

२.२कुमार मनोज कश्यप-छोड़ल निशानी

२.३आचार्य रामानन्द मण्डल-हिन्दू धर्म आ हिन्दू विरोध प्रेम के लीला

२.४आशीष अनचिन्हार-तीनू कथा- सपना आ भ्रम, घर, काटल कथा

२.५डा. योगानन्द झा- श्री राम किशोर मिश्र ओ हुनक 'प्रणय-पाश'

२.६डॉ कपिल कापोरा-मैथिली मे रचना धर्मी के विकट समस्या आ समाधान

२.७लालदेव कामत- १ टा लघुकथा आ ६ टा विहनि कथा

२०८.शिवदेव ठाकुर- पोथी समीक्षा एक विमर्श- १.विद्यापति आत्मकथा केर दृष्टिकोण २.पुस्तक समीक्षाः शिव-शिव ३.जगदीश प्रसाद मंडल-उपन्यास "पंगु"

२०९.निर्मल कर्ण- अग्नि शिखा (खेप-२१)

२१०.कुन्दन कर्ण- लघुकथा गोढ आ बोहनि कथा हॉट

२११.नन्द विलास राय-वैष्णवे छी

२१२.जगदीश प्रसाद मण्डल- सुयति (धारावाहिक उपन्यास)

२१३.जगदीश प्रसाद मण्डल-आब नइ जीब (लघुकथा)

२१४.रवीन्द्र नारायण मिश्र-वद्रि नाथ अछि सनकल (उपन्यास)- धारावाहिक

# 𑒙𑒰. 𑒣𑒩𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 𑒏𑒵𑒞𑓂𑒨- 𑒑𑒲𑒞𑒰 𑒧𑒰𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑓂𑒨 (𑒂𑒑𑒰𑓀)

Scan 03 Jun 23 16·57·50
Friday, 2 June 2023 12:22 PM



# 𑓇
# 𑒑𑒲𑒞𑒰 𑒧𑒰𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑓂𑒨
## (𑒣𑒠𑓂𑒧 𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒐𑒝𑓂𑒛)
## 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨

𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒏𑒯𑒪𑒐𑒱𑒢 - 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒲. 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨𑒏 𑒧𑒰𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑓂𑒨𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒧 𑒅𑒣𑒰𑒐𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒹𑓀 𑒮𑒳𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒂𑒥 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨 𑒏𑒹𑓀 𑒧𑒰𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑓂𑒨𑒏 𑒬𑓂𑒩𑒫𑒝 𑒏𑒩𑒴। 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝 𑒠𑒱𑒬𑒰 𑒫𑒹𑒠𑒫𑒹𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏 𑒣𑒳𑒩𑒢𑓂𑒠𑒩𑒣𑒳𑒩 𑒢𑒰𑒧 𑒮𑒿 𑒋𑒏 𑒢𑒑𑒩 𑒧𑒹 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒰𑒢𑓂 𑒠𑒹𑒫𑒬𑒩𑓂𑒧𑒰 𑒢𑒰𑒧 𑒮𑒿 𑒋𑒏 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒫𑒰𑒢 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒍 𑒁𑒞𑒱𑒟𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏𑒏 𑒣𑒴𑒖𑒏, 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨𑒬𑒲𑒪 𑒫𑒹𑒠𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒖𑓂𑒘, 𑒨𑒖𑓂𑒘𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒭𑓂𑒚𑒰𑒢 𑒏𑒩𑓄𑒫𑒰𑒪𑒰 𑒂 𑒞𑒣𑒮𑓂𑒫𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏𑒏 𑒮𑒠𑒱𑒐𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒨 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒍 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒧 𑒠𑓂𑒩𑒫𑓂𑒨 𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒱 𑒧𑒹 𑒯𑒫𑒢 𑒏𑓄𑒏𑒹 𑒏𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒠𑒹𑒫 𑒇𑒭𑒱

𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰 𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒳𑓁𑒐 𑒏𑒹𑒪𑒟𑒱𑒢। 𑒮𑒠𑒰
𑒍 𑒡𑒩𑓂𑒧𑒰𑒞𑓂𑒧𑒰 𑒔𑒰𑒝𑒏𑓂𑒨 𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒐𑒢𑒯𑒳𑒿 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱
𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒻𑒢। 𑒍 𑒣𑒩𑒧 𑒏𑒪𑓂𑒨𑒰𑒝𑒧𑒨
𑒞𑒞𑓂𑒫𑒏 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒮𑒿 𑒮𑒥𑒠𑒱𑒢
𑒠𑒹𑒫 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲 𑒮𑒿 𑒮𑒢𑓂𑒞 𑒮𑒓𑓂𑒏𑒪𑓂𑒣 𑒥𑒪𑒰
𑒞𑒣𑒮𑓂𑒫𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒏𑒩𑒃
𑒪𑒑𑒪𑒰𑒯। 𑒋𑒯𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡𑒂𑒔𑒩𑒝
𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒏𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒲𑒞
𑒑𑒹𑒪। 𑒞𑒠𑒢𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒋𑒏 𑒠𑒱𑒢 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒣𑒩
𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒪𑒑 𑒋𑒏 𑒞𑓂𑒨𑒰𑒑𑒲 𑒧𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑒰
𑒣𑓂𑒩𑒏𑒙 𑒦𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒍 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒩𑒥𑒲,
𑒂𑒏𑒰𑓀𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒩𑒯𑒱𑒞 𑒢𑒰𑒮𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒁𑒑𑓂𑒩
𑒦𑒰𑒑 𑒣𑒩 𑒢𑒖𑒩𑒱 𑒩𑒰𑒐𑒃 𑒥𑒰𑒪𑒰 𑒂
𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒮𑒠𑒱𑒐𑒢 𑒣𑒩𑒧𑒰-
𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒢 𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠
𑒫𑒱𑒦𑒼𑒩 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒠𑒹𑒫𑒬𑒩𑓂𑒧𑒰 𑒍𑒯𑒱
𑒢𑒱𑒞𑓂𑒨𑒮𑒢𑓂𑒞𑒳𑒭𑓂𑒙 𑒞𑒣𑒮𑓂𑒫𑒲 𑒏𑒹𑒿 𑒬𑓂𑒩𑒠𑓂𑒡𑒰 𑒮𑒿

𑒣𑓂𑒩𑒝𑒰𑒧 𑒏𑓄 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒟𑒱𑒢 - 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 ।
𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒧𑒨𑒲 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒧𑒱𑒪𑒞 ।
𑒞𑒐𑒢 𑒎𑒜𑒩𑒠𑒰𑒢𑒲 𑒮𑓀𑒞 𑒠𑒹𑒫𑒬𑒩𑓂𑒧𑒰𑒏𑒹𑒿
𑒮𑒾𑒦𑒩 𑒑𑒰𑒿𑒫𑒏 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮𑒲 𑒧𑒱𑒞𑓂𑒩𑒫𑒰𑒢𑒏
𑒣𑒩𑒱𑒔𑒨 𑒠𑒹𑒪𑒟𑒱𑒢 𑒖𑒹 𑒥𑒏𑒩𑒲𑒏 𑒔𑒩𑒫𑒰𑒯
𑒕𑒪 𑒂 𑒏𑒯𑒪𑒟𑒱𑒢 - 𑒫𑒋𑒯 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏
𑒅𑒣𑒠𑒹𑒬 𑒠𑒹𑒞𑒰𑒯 ।
𑒄 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒠𑒹𑒫𑒬𑒩𑓂𑒧𑒰 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒔𑒩𑒝
𑒫𑒢𑓂𑒠𑒢𑒰 𑒏𑓄 𑒮𑒧𑒵𑒠𑓂𑒡𑒱𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒮𑒾𑒦𑒩 𑒑𑒰𑒿𑒫
𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒍𑒏𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑒱𑒬 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒰𑒪
𑒫𑒢 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒟𑒱𑒢 । 𑒍𑒯𑒱 𑒫𑒢 𑒧𑒹 𑒢𑒠𑒲𑒏
𑒏𑒰𑒞𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒣𑒩 𑒧𑒱𑒞𑓂𑒩𑒫𑒰𑒢
𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯 । 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒰-
𑒞𑒱𑒩𑒹𑒏 𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒪 𑒦𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 । 𑒍
𑒁𑒣𑒢 𑒢𑒖𑒩𑒱 𑒮𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯 ।
𑒍 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒂𑒣𑒮𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒦𑒰𑒫𑒱𑒏 𑒫𑒻𑒩𑒱
𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒋𑒏 𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒧𑒰 𑒦𑓄 𑒣𑒩𑒮𑓂𑒣𑒩

[illegible]

ग्राम उद्यान मे हरा सिसकि रहल छल।
मृगक झुंड शान्त भाव सँ बैसल छल।
मित्रवान दया सँ भरल आनन्दमयी
मनोहारिणी नजरि सँ पृथ्वी परमात्मा
अमृत छींट रहल छलाह एहि रूप मे
जनका देखि देवशर्माक मन प्रसन्न
भऽ गेल। ओ उठि कऽ विनयपूर्वक
मित्रवान लग गेलाह। मित्रवान सेहो
माथ झुका कऽ देवशर्मा केँ सत्कार
केलथिन। तदन्तर विद्वान देवशर्मा
अनन्य चित्त सँ मित्रवान लग गेलाह।
जखन जनक ध्यानक समय समाप्त
भेल तखन देवशर्मा अपन मनक
बात पुछलथिन - महाराज हम आत्म
ज्ञान प्राप्त करऽ चाहैत छी। हमरा
एहि मनोरथक पूर्ति लेल एहन
उपायक उपदेश दिअ जाहि सँ

ওসবৰা সিদ্ধি মিল সকে।
দেবশর্মাক বাত সুনি মিত্রগন থোড়েক
দের কিছু সোচলেথ তকর বাদ এহি
প্রকারে কহলথিন - বিহুন এক সময
ক বাত অছি ওম জংগল মে বকরীক
রক্ষা কঽ রহল ছলাহ তখন এক টা
বাঁঘ পর ওমর নজরি পড়ল। ও
তেহন ভয়ংকর ছল জে মানুষ ও
সবকেঁ খা জায়ত। ওম মৃত্যু সঁ
ডরেত ছলাহ তেঁ বাঁঘ কেঁ আবেত
দেখি বকরীক ঝুণ্ড কেঁ আগু কঽ
ওহি ঠাম সঁ পরা গেলাহ। মুদা এক
টা বকরী ওহিংত সব ভয় কেঁ ত্যাগি
নদীক কাছের মে বাঁঘ নগ রেবোক
থোক চলি গেলীহ। যেবি তঽ বাঘ
সেহো সব দ্বেষ ছোড়ি চুপচাপ
ঠাঢ ভঽ গেল। বাঁঘ কেঁ এহি অবস্থা

𑒮𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒥𑒏𑒩𑒲 𑒏𑒯𑒪𑒟𑒱𑒢 - 𑒯𑒹 𑒥𑒰𑒒
𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒞𑓄 𑒁𑒞𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒧𑒱𑒪𑒪
𑒁𑒕𑒱। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒬𑒩𑒲𑒩 𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒅𑒮 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒱
𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒏 𑒐𑒰𑒅। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒋𑒞𑒹𑒏
𑒠𑒹𑒩 𑒮𑒿 𑒏𑒱𑒋 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒕𑒲। 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒧𑒢
𑒧𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒐𑒰𑒨𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒏𑒱𑒋𑒢𑒯𑒱
𑒯𑒼𑒨𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒥𑒰𑒒 𑒏𑒯𑒪𑒢𑒱 - 𑒥𑒏𑒩𑒲 𑒋𑒯𑒱 𑒚𑒰𑒧 𑒂𑒥𑒱-
𑒞𑒯𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒧𑒢 𑒮𑒿 𑒠𑓂𑒫𑒹𑒭𑒏 𑒦𑒰𑒫 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒱
𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒳𑒐 𑒣𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒧𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪
𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒹𑒿 𑒪𑒑 𑒧𑒹 𑒂𑒥𑒱𑒞𑒯𑒳𑒿 𑒂𑒥 𑒯𑒧
𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒹𑒿 𑒦𑒏𑓂𑒭𑒝 𑒏𑒩𑓄 𑒢𑒯𑒱 𑒔𑒰𑒯𑒻𑒞
𑒕𑒲। 𑒥𑒰𑒒 𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒢𑒰 𑒏𑒯𑒪𑒰 𑒣𑒩 𑒥𑒏𑒩𑒲
𑒏𑒯𑒪𑒲𑒯𑒱 - 𑒯𑒧 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒖𑒹
𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒦𑒨 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒁𑒕𑒱।
𑒋𑒏𑒩 𑒏𑒼𑒢 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।
𑒖𑒾𑓀 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒖𑒰𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒞𑒯𑒢 𑒥𑒞𑒰𑒅।

তা স্থাপ রাখ কহলখি - হম সেহো
নহি জানৈত ছী। চন্দ্র সোমা মে
ঠাড় ভেল মহাপুরুষ সঁ পুছৈত ছী।
এখন নিশ্চয় কয় ও হন্ত ওহি ঠাম
সঁ চললাহ। হুনকা হন্তক স্বভাব
মে তা বিচিত্র পরিবর্তন দেখি
হম বিস্ময় মে পড়ল ছলহুঁ। তখনহি
ও সব হমরা লগ আবি প্রশ্ন কেলনি।
ওহি ঠাম গাছক ডারি পর এক টা
বানররাজ বৈসল ছলাহ। হুনকা
হন্তক সংগ হম সেহো বানররাজ সঁ
পুছলহুঁ। হে বিপ্রবর হমরা পুছলা
পর বানররাজ কহলনি - হে অজ্ঞাপা-
ন . স্বপ্ন . এহি বিষয় মে হম অহাঁ কে
পুরান চুড়ান্ত সুনাবৈত ছী। এহি
সোমা মে বনক অন্দর জে শেষ
মন্দির অছি ওকর দেখু। এহি
মন্দির মে ঠাকুরজী সঁ সাক্ষিত

कथन एकटा शिव लिंग अछि ।
पहिने एहि ठाम सुकर्मा नाम
सँ एकटा बुद्धिमान महात्मा
रहैत छलाह जे तपस्या मे संल-
ग्न भऽ एहि मन्दिर मे उपासना
करैत छलाह। ओ वन सँ फूल तोड़ि
कऽ आ नदिक जल सँ पूजनीय
भगवान शंकर केँ स्नान कराके
हुनकर पूजा करैत छलाह। एहि
प्रकारे आराधना करैत ओहि ठाम
सुकर्मा रहैत छलाह। किछु समय
बाद हुनका लग एकटा अतिथिक
आगमन भेल। सुकर्मा भोजनक
लेल फल मूल केँ अतिथि केँ
अर्पित कएलथिन आ कहलथिन-
हे विप्र, हम केवल तत्त्वज्ञानक
इच्छा सँ भगवान शंकरक आराध-

ना करैत छी। आओर एहि आरा-धनाक फल परिपक्व भऽ हुनका भेटि गेल किएक तँ एखन एहाँ एहन महापुरुषक हुनका पर अनुग्रह भेल अछि।

सुकर्मा जी मधुर वचन सुनि तपस्याक धनि महात्मा अतिथि केँ बड़ खुशी भेलनि। ओ एकर्थ मिनाखण्डपर गीताक दोसर अध्याय निज देलथिन। टाफल केँ ओकर पाठ आ अभ्यासक लेल आज्ञा दैत कहलथिन-हे टाफल एहि सँ अपनेक आत्मज्ञान सँ सर्वश्रेष्ठ मनोरथ अपने आप सफल भऽ जायत। जी कहि ओ बुद्धिमान तपस्वी सुकर्माकि सोझा मे देखैत देखैत अन्तर्धान भऽ गेलाह। सुकर्मा विस्मित भऽ हुनका आदेशानुसार निरन्तर

गीता दोसर अध्यायक अभ्यास
करइ लगलाह। तदनन्तर किछु समयक
पश्चात् अन्तःकरण शुद्ध भइ हुनका
आत्मज्ञानक प्राप्ति भेलनि। जेहिओ
जतइ-जतइ गेलथिन ततइ-ततइक
तपोवन शान्त भइ गेल। शीत-उष्ण
आ राग द्वेष सब बाधा दूर भइ गेल।
एतबे नहि ओहि ठाम हिंस्र पशुसभक
कष्ट सेहो भइ गेल आ भय सेहो
समाप्त भइ गेल। जा सब दोसर
अध्यायक जप करइवाला सुकर्मा
ब्राह्मणक तपस्याक प्रताप सम्भव।
मित्रवान कहलथिन - वानरराज
केँ धन्य कहला पर प्रसन्नपूर्वक ऋषि
आ बाघ संग हम ओहि मन्दिर दिस
चलि गेलहुँ। ओहि ठाम शिलाखण्ड पर
लिखल गीताक दोसर अध्याय केँ
हम देखलहुँ आ ओकरा पढलहुँ। ओकरे

बेरि-बेरि पढ़लासँ हम उपन्यासक
पार पाबि लेलहुँ। तेँ हे भद्रपुरुष
अहूँ सेहो सदिखन गीताक दोसर
अध्यायक पाठ करू। एना करलासँ
पर मुक्ति अहाँ सँ दूर नहि रहत।
श्री भगवान कहलथिन - प्रिये.
मित्रवानक आदेश पर देवशर्मा
हुनका पूजन व प्रणाम कए पुरन्दर-
पुर दिश चलि गेलाह। ओतहि ठाम
कोनो देवालय मे पुरेजि आत्म-
ज्ञानी महात्मा केँ पाबि ओ ता सब
वृत्तान्त कहलथिन। आ सबसँ पहिने
हुनके सँ गीताक दोसर अध्याय
के पढ़लथिन हुनके उपदेश सँ
शुद्ध अन्तःकरण युक्त सत्कर्म सब दिन
श्रद्धा सँ दोसर अध्यायक पाठ करए
लगलाह। तखन ओ अनवद्य परमपद

কেঁ প্রাপ্ত কেলনি।

——— ০ ———

পরমানন্দ লাল কর্ণ

১

# গীতা মাহাত্ম্য
## (পদ্ম পুরাণ উত্তর খণ্ড)



## তেসর অধ্যায়

শ্রী ভগবান কহলথিন - প্রিয়ে, জনস্থান মে জড় নাম সঁ একটা ব্রাহ্মণ ছলাহ, জে কৌশিক বংশ মে উত্পন্ন ভেল ছলথি। ও অপন জাতীয় ধর্ম ছোড়ি কহ বনিয়াক কাম করৈত ছলাহ। ওদোসর স্ত্রীক

संग व्यभिचार करए क व्यसन मे पड़ि गेलाह। ओ सदिखन जुआ खेलैत, मदिरा पीबैत आ शिकार कए जीवक हत्या करैत छलाह। एहि प्रकारे हुनकर समय बीतैत छल। धन नष्ट भए गेला पर ओ व्यापारक लेल सुदूर उत्तर दिशा चलि गेलाह। ओहि ठाम सँ धन कमा कए घर दिशा चललाह। किछु दूर चललाक बाद सब दिशा अन्हार भए गेल तखन एकटा गाछक नीचा लुटेरा सब घेरि दबा कें प्राण लए लेलकैन्ह। हुनकर धर्मक लोप भेलाक कारणे ओ भयानक प्रेत योनि मे जन्म लेलथि।

हुनकर पुत्र बड धर्मात्मा आ वेदक विद्वान छलाह। ओ अखन धरि

𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒪𑒾𑒏𑒱𑒏 𑒥𑒰𑒙 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯।
𑒖𑒐𑒢 𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒋𑒪𑒟𑒱𑒢 𑒞𑒐𑒢 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩
𑒣𑒞𑒰 𑒪𑒑𑒰𑒥𑒋 𑒪𑒹𑒪 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼
𑒒𑒩 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒔𑒪𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒍 𑒮𑒥 𑒠𑒱𑒢
𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒐𑒼𑒖 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒟𑒱𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰
𑒥𑒰𑒯𑒳𑒩𑒲𑒥 𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪𑒰 𑒣𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒼
𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒧𑒱𑒪𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒢𑒱। 𑒞𑒠𑒢𑒢𑓂𑒞𑒩
𑒋𑒏 𑒠𑒱𑒢 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑒰𑒯𑒳𑒩𑒲𑒥 𑒮𑒿 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰
𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 𑒦𑒹𑒪𑒢𑒱 𑒖𑒹 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏
𑒮𑒯𑒰𑒨𑒏 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒿 𑒮𑒥 𑒯𑒰𑒪
𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒵𑒞𑓂𑒨𑒳 𑒣𑒩 𑒠𑒳𑓁𑒐 𑒦𑒹𑒪𑒢𑒱।
𑒍 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒱𑒧𑒰𑒢 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒹𑒩𑒱 𑒮𑒼𑒔𑒱
𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒣𑒰𑒩𑒪𑒾𑒏𑒱𑒏
𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒮𑒿 𑒮𑒥 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏
𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲 𑒪𑒋 𑒏𑒹𑒿 𑒍 𑒏𑒰𑒬𑒲 𑒖𑒨𑒥𑒰𑒏
𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒏𑒹𑒪𑒢𑒱। 𑒥𑒰𑒙𑒹 𑒧𑒹 𑒔𑒪𑒻𑒞
𑒮𑒰𑒞-𑒂𑒚 𑒠𑒱𑒢 𑒔𑒪𑒥𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒢𑒑𑒩

।𑒠𑒹𑒐 𑒍𑒯𑒱 𑒑𑒰𑒕 𑒪𑒑 𑒣𑒘𑓂𑒔𑒫𑒙𑒲𑒯 𑒖𑒰𑒯𑒱
𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒢𑒏𑒩 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒧𑒰𑒩𑒪 𑒑𑒹𑒪
𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒍𑒯𑒱 𑒚𑒰𑒧 𑒍 𑒮𑒢𑓂𑒡𑓂𑒨𑒼𑒣𑒰𑒮𑒢𑒰
𑒏𑒃 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒏 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨𑒏 𑒣𑒰𑒚
𑒏𑒹𑒪𑒟𑒱𑒢। 𑒞𑒐𑒢𑒯𑒱 𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒧𑒹
𑒦𑒨𑓀𑒏𑒩 𑒂𑒫𑒰𑒖 𑒦𑒹𑒪। 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲
𑒏𑒹𑒿 𑒦𑒨𑓀𑒏𑒩 𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒧𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒟𑒱𑒢।
𑒖𑒹𑒯𑒱 𑒅𑒩𑒞𑒯𑒱 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒮𑒰𑒧𑒢𑒹 𑒂𑒏𑒰𑒬
𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒲𑒪 𑒥𑒱𑒧𑒰𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼
𑒠𑒹𑒐𑒪𑒟𑒱𑒢 𑒖𑒹 𑒞𑒹𑒖 𑒮𑒿 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒕𑒪।
𑒞𑒟𑒯𑒱 𑒧𑒹 𑒏𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒒𑓀𑒙𑒲 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒕𑒪।
𑒥𑒱𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒞𑒹𑒖 𑒮𑒿 𑒮𑒥 𑒠𑒱𑒬𑒰 𑒂𑒪𑒼𑒏𑒱𑒞
𑒦𑒃 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 𑒖𑒰 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒖𑒢𑒏𑒩
𑒔𑒱𑒞𑓂𑒞𑒏 𑒫𑓂𑒨𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰 𑒠𑒴𑒩 𑒦𑒃 𑒑𑒹𑒪। 𑒍 𑒥𑒱𑒧𑒰𑒢
𑒣𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒱𑒫𑓂𑒨 𑒩𑒴𑒣
𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒟𑒱𑒢। 𑒖𑒢𑒏𑒰 𑒬𑒩𑒲𑒩
𑒣𑒩 𑒣𑒲𑒞𑒰𑒧𑓂𑒥𑒩 𑒬𑒼𑒦𑒰𑒨𑒧𑒰𑒢 𑒕𑒪 𑒂
𑒧𑒳𑒢𑒱 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒖𑒢𑒏𑒩 𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒱 𑒏𑒃 𑒩𑒯𑒪

छलनि। हुनका देखि पुत्र प्रणाम केलथिन। तखन पिताजी सेहो हुनका आशीर्वाद देलथिन।

तकर बाद ओ पिताजी सँ सब बात पुछलथिन। तखन हुनकर पिताजी सब बात एना कहलथिन- बेटा, देवरक्ष हमरा लग गीताक तेसर अध्यायक पाठ कए अहाँ हमरा सँ कएल गेल सूक्ष्म कर्मक बन्धन सँ छोड़ा देलहुँ। आब अहाँ घर जाउ किएक तँ जाहि लेल अहाँ काशी जाइत छलहुँ ओ प्रयोजन गीताक तेसर अध्यायक पाठ सँ सिद्ध भ' गेल अछि। पिताजीक एना कहलाक पर पुत्र पुछलथिन - तात, अहाँ हमरा हितक उपदेश दिअ आ कोनो काम जे हमरा लेल होइत से बताउ। तखन

पितामही कहलथिन्ह - अनघ, अहाँ तएहन काम जेहि करब। हम जे कर्म कएनइँ अछि तएहन कर्म हमर सन्तान सेहो केने छलाह। ओ घोर नरक मे पड़ल छथि। हुनकर उद्धार सेहो अहाँ केँ करबाक चाही आ अपना लोकनिक आओर जतेक लोकनि नरक मे पड़ल छथि हुनका सब केँ उद्धार अहाँ सँ भऽ जेबाक चाही तएहन हमर मनोरथ अछि। वैष्णव जाहि साधन सँ अहाँ हमरा संकट सँ छोड़ेनइँ अछि ओकरे अनुष्ठान दोसरबाक लेल करबाक उचित अछि। ओकरे अनुष्ठान कऽ अहाँ अर्जित पुण्य केँ नारकी जीव केँ संकल्प कऽ के दऽ दिअ। जाहि सँ समस्त पूर्वज हमरा नरक यातना सँ मुक्त भऽ कम समय मे श्री विष्णुक परम

[illegible]

पद प्राप्त भेलाह।

पिताजीक ई संदेश सुनि पुत्र कहलखिन - तात जौं एहन बात अछि आ अपनेक इच्छा अछि तँ हम समस्त नारकी जीव कें नरक सँ उद्धार कऽ देब। ई सुनि हुनकर पिताजी कहलखिन बेश एवमस्तु. अहाँक कल्याण हो। हुनक अत्यन्त प्रिय काज सम्पन्न भऽ गेल। एहि प्रकारे पुत्र कें आश्वासन दऽ हुनकर पिताजी भगवान विष्णुक परमधाम चलि गेलाह। तत्पश्चात ओ सेठ नौर्षि कें घर आबि गेलाह। तकर बाद परम सुन्दर भगवान श्रीकृष्ण मन्दिर मे हुनका सोझां मे बैसि पिताजीक आदेशानुसार गीताक तेसर अध्यायक पाठ करऽ लगलाह। नारकी जीवक उद्धार कें लेल गीता जनित सब पुण्य आ संकल्प कऽ

কে ক্ষনকা দই দেনথীন।
এহি বীচ ভগবান বিষ্ণুক দূত
যাতনা ভোগইবালা নারকী জীব
কেঁ ছোড়াবইক লেল যমরাজ লগ
গেলথিন। যমরাজ কতেকো প্রকার
সঁ সৎকার কই হুনকর পূজন কেলথিন
আ কুশলক্ষেম পুছলথিন। ওকহলনি
ধর্মরাজ, হমরা লেল সব দিশসঁ আন-
ন্দহি আনন্দ অছি। এহি প্রকার সৎকার
কই পিতলোকক সম্রাট পরম বুদ্ধিমান
যমরাজ বিষ্ণুদূত সঁ যমলোক আবইক
কারণ পুছলথিন।
তইন বিষ্ণুদূত কহলনি - যমরাজ,
শেষশয্যা পর বিরাজমান ভগবান
বিষ্ণু হমরা লোকনি কেঁ অহাঁ লগ কিছু
সন্দেশ দেবাক লেল ভেজনথি অছি।
ভগবান হমরা লোকনি কে অহাঁ সঁ

शासनक्षेम प्रचलनि अछि आ आज्ञा
देने अछि जे नरक मे पड़ल सभ
पापी कें छोड़ि देल जाउ।

अमिततेजस्वी भगवान विष्णुक
आदेश सुनि माथ झुका कऽ स्वीकार
केलथिन आ मने मन किछु सोचल-
थिन। तत्पश्चात मदोन्मत्त नारकी
जीव कें नरक सँ मुक्त देखि हुनका
संग भगवान विष्णुक वास स्थान चलि
गेलाह। यमराज सेहो श्रेष्ठ विमान
सँ क्षीरसागर पहुँचलाह। हुनका
जीवक कोटि-कोटि सूरज सन
कान्तिमान नील कमल दल सन
श्याम सुन्दर लोकनाथ जगद्गुरु श्री
हरिक दर्शन केलनि। भगवानक
तेज, हुनकर श्याम वरन शेषनागक
फनक माणिकक प्रकाश सँ द्विगुणित

छल। ओ आनन्दमग्न देखि पड़ैत छलाह।
जनकक हृदय प्रसन्नता सँ परिपूर्ण छल।
भगवती लक्ष्मी अपन सकल त्रिभुवन सँ
प्रेमपूर्वक जनका देखि देखि निहारि
रहल छलीह। चारु कात योगी लोक-
कनि भगवानक सेवा मे ठाढ़ छलथि
आओर योगी लोकनिकक आँखिक
आगाँ ध्यानस्थ भेलाक बादलो नि-
श्चल प्रतीत भऽ रहल छल। देवराज
इन्द्र अपन विरोधी केँ पराजु करबाक
उद्देश्य सँ भगवानक स्तुति कऽ रहल
छलाह। ब्रह्माजीक मुख सँ निकलल
वेदान्त वाक्य मूर्तिमान भऽ भगवानक
गुणगान कऽ रहल छलाह। भगवान
पूर्णतः सन्तुष्ट भेलाक संगहि संग
समस्त योगी दिव्य सँ उदासीन प्रतीत
होयत छलाह। समस्त जीव मे सँ जे
जीव [illegible] साधना कऽ [illegible]

संचय केने छलाह ओनका सबकेँ एकहि संग निहारि रहल छलाह। भगवान अपन स्वरूप सँ अखिल चराचर जगत केँ आनन्दपूर्ण दृष्टि सँ आमोदित कए रहल छलाह। शेषनागक प्रभा सँ उद्भासित आ सर्वत्र व्यापक दिव्य विग्रह धारण केने नीलकमल सदृश श्यामवर्ण श्री हरि एहन जानि पड़ैत छल जे मानू चाँदनी सँ घिरल नव सुशोभित भए रहल अछि। एहि प्रकार भगवान केँ झाँकि यमराज अपन विमान छूटि सँ ओनकर स्तुति करए लगलाह।

यमराज कहलथिन - समस्त जगतक निर्माता परमेश्वर अपनेक अनुकरण निर्मल अछि। अपनेक मुख सँ वेदक प्रादुर्भाव भेल अछि। अहीँ

विश्वरूप आ एकर विधायक ब्रह्मा छी। अपनेक नमन अछि। अपना बल आ वेग सँ जे दुर्धर्ष प्रतीत होइत अछि। एहन दानवेन्द्रक अभिमान चूर करइवाला भगवान विष्णु केँ नमन अछि। पालन करैत जन सत्त्वमय शरीर धारी विश्वक आधारभूत सर्वव्यापी श्री हरि केँ नमन अछि। समस्त देहधारी लोकनिकक पातक राशि केँ हर करइवाला परमात्मा केँ नमन अछि। जिनका ललाटवर्ती आँखि खोलैक खुलला पर आगिक लपट निकलइ लगैत अछि। ताहि रुद्ररूप धारी अपनेक परमेश्वर केँ नमन अछि। अहाँ समस्त विश्वक गुरु आग्नेय आ महेश्वर छी। सब वैष्णव लोकनि केँ संकट सँ मुक्त करइ हुनका पर अनुग्रह

𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒧𑒰𑒨𑒰 𑒮𑒿 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒂𑒃𑒢
𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫 𑒧𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩 𑒏𑒐𑒢𑒯𑒳𑒿
𑒧𑒰𑒨𑒰 𑒫 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑒿 𑒅𑒣𑒖𑒪 𑒑𑒳𑒝 𑒮𑒿 𑒧𑒼𑒯𑒱𑒞
𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒨𑒞 𑒕𑒲। 𑒧𑒰𑒨𑒰 𑒂 𑒧𑒰𑒨𑒰𑒖𑒢𑒱𑒞
𑒑𑒳𑒝𑒏 𑒧𑒡𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩
𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒣𑒩 𑒍𑒏𑒩 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫 𑒢𑒯𑒱
𑒣𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒧𑒯𑒱𑒧𑒰𑒏 𑒁𑒢𑓂𑒞
𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒞𑓄 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒁𑒮𑒲𑒧 𑒕𑒲
𑒞𑒃𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒫𑒰𑒝𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒏𑒼𑒢𑒰
𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒅𑒣𑒩 𑒧𑒾𑒢 𑒫𑒢𑓂𑒠𑒢𑒰
𑒅𑒔𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒋𑒢𑒰 𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒱 𑒏𑓄 𑒨𑒧𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒩
𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒏𑒯𑒪𑒐𑒱𑒢 - 𑒖𑒑𑒠𑓂𑒑𑒳𑒩𑒳 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏
𑒂𑒠𑒹𑒬 𑒮𑒿 𑒯𑒱𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒥 𑒏𑒹𑒿 𑒑𑒳𑒝
𑒩𑒯𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩 𑒅𑒣 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱
𑒠𑒹𑒢𑒯𑒳𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒥 𑒅𑒣𑒩𑒰 𑒨𑒼𑒑𑓂𑒨 𑒖𑒹
𑒏𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒹 𑒏𑒯𑒴। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒋𑒢𑒰

[illegible]
সন গম্ভীর বাণী সঁ মানু অমৃত
রস সীচেত করৈত খিন- ধর্মরাজ।
অহাঁ সবহক প্রতি সমান ভাব
রাখেত লোক কেঁ পাপ সঁ উদ্ধার
কয় রহল ছী। অহাঁ সব দেহধারীক
ভার রাখি হম নিশ্চিন্ত ছী। অহাঁ
অপন কাম কর আ অপন্য লোক
চলি জাঊ।

এ কহি ভগবান অন্তর্ধ্যান ভয়
গেলাহ। যমরাজ সেহো অপনালোক
চলি গেলাহ। ও চাণ্ডাল অপন জাতি
আ সব নারকী জীব কেঁ নরক
সঁ উদ্ধার কয় অপনে সেহো শ্রেষ্ঠ
বিমান সঁ শ্রী বিষ্ণুধাম চলি গেলাহ

—— o ——

পরমানন্দ লালকর্ণ

**𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨** editorial@videha.com **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

## 𑓒𑓒.𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣-𑒕𑒼𑒛𑓃𑒪 𑒢𑒱𑒬𑒰𑒢𑒲



**<u>𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣</u>**

**<u>𑓑 𑒙𑒰 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰</u>**

### 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒪 𑒢𑒱𑒬𑒰𑒢𑒲

𑒔𑓀𑒛𑒰𑒪-𑒔𑒾𑒏𑒛𑓃𑒲 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰𑒏 𑒑𑒹𑒪𑓂𑒯 𑒏𑒹 𑒬𑒲𑒬𑒼 𑒑𑒰𑒕𑒏 𑒔𑒼𑒔𑒱 𑒮𑓄 𑒞𑒰𑒏𑒱 𑒏𑓄 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒪𑒏 𑒂 𑒦𑒻𑒨𑒰 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒂𑒿𑒖𑒳𑒩 𑒧𑒹 𑒣𑒳𑒪𑒏𑒱𑒞 𑒂 𑒩𑒼𑒧𑒰𑓀𑒔𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒒𑒩 𑒪𑓄 𑒁𑒢𑒪𑒰𑒯। 𑒋𑒐𑒢 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒣𑒰𑒿𑒐𑒼 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒻। 𑒒𑒩𑒏 𑒮𑒦 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒩𑓂𑒨𑒰 𑒂 𑒮𑓂𑒢𑒹𑒯 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒻 𑒞𑓄 𑒑𑒹𑒪𑓂𑒯 𑒮𑓄 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰 𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒏𑒮𑒱𑒞 𑒯𑒹𑒥𑒰 𑒧𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒮𑒧𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒪𑒑𑒪𑒻। 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒯𑒰𑒙 𑒮𑓄 𑒢𑒫𑒏𑒰 𑒣𑒱𑒖𑒛𑓃𑒰 𑒋𑒪𑒻 𑒂 𑒋𑒏 𑒠𑒱𑒢 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒍𑒯𑒱 𑒧𑒹 𑒥𑒢𑓂𑒢 𑒏𑓄 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪𑒻 𑒖𑒹 𑒍 𑒅𑒛𑓃𑒱 𑒏𑓄 𑒣𑒛𑓃𑒰 𑒢𑒹 𑒖𑒰𑒋। 𑒍 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒂𑒫𑒰𑒖𑒏 𑒢𑒲𑒏 𑒢𑒏𑒪 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒤𑒱𑒪𑓂𑒧𑒲 𑒑𑒲𑒞𑒼 𑒏𑒹 𑒋𑒏-𑒠𑒴 𑒣𑒰𑒿𑒞𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒲𑒐𑒱 𑒪𑒹𑒪𑒏। 𑒂𑒥 𑒮𑒦𑒏 𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒝 𑒂 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒹 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒕𑒪 𑒍 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰।

𑒦𑒻𑒨𑒰 𑒅𑒔𑓂𑒔 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞𑒱 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒬 𑒏𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯; 𑒍𑒞𑒯𑒱 𑒏𑒹 𑒦𑓄 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒬𑓁 𑒑𑒰𑒧-𑒒𑒩𑒏 𑒁𑒥𑒩𑒖𑒰𑒞 𑒏𑒧 𑒦𑒹𑒪; 𑒤𑒹𑒩 𑒧𑒼𑒥𑒰𑒃𑒪 𑒣𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒯𑒰𑒪-𑒔𑒰𑒪 𑒏𑒹 𑒏𑓂𑒩𑒧 𑒒𑒙𑒻𑒞 𑒑𑒹𑒪। 𑒋𑒧𑓂𑒯𑒩 𑒍 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰 𑒋𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒣𑒱𑒖𑒛𑓃𑒰 𑒮𑓄 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒱 𑒏𑓄 𑒣𑒛𑓃𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒞𑓄 𑒏𑒹𑒪𑒏 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒠𑒴 𑒣𑒪 𑒢𑒲𑒧𑒏 𑒛𑒰𑒩𑒱 𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒱

𑒏𑒲 𑒮𑒼𑒔𑒪𑒏 𑒏𑒱 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒍𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒣𑒩 𑒂𑒥𑒱 𑒏𑓄 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒞𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒠 𑒍 𑒣𑒛𑓃𑒱𑒛𑓃𑒰 𑒧𑒹 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒢𑓂𑒢 𑒏𑒻𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒋𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒒𑒩-𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒬𑒳𑒠𑒏𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒢 𑒡𑓂𑒨𑒢 𑒍 𑒏𑒞𑒯𑒳 𑒩𑒯𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒧𑒰𑒨 𑒏𑒹 𑒑𑒯𑓂𑒫𑒩 𑒢𑒣𑒱 𑒏𑒰𑒪 𑒂 𑒞𑒳𑒪𑒮𑒲 𑒔𑒾𑒛𑓃𑒰 𑒪𑒑 𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒏𑒰𑒪 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒹 𑒪𑒮𑒑𑒰 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑒰𑒨 𑒏𑒹 𑒮𑓀𑒞𑒼𑒭 𑒖𑒹 𑒥𑒾𑒨𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒯𑒲 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒪 𑒢𑒱𑒬𑒰𑒢𑒲 𑒞𑒮 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒕𑒢𑒱।

**-𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣, 𑒮𑒧𑓂𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱:** 𑒦𑒰𑒩𑒞 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒹 𑒅𑒣-𑒮𑒔𑒱𑒫, **𑒮𑓀𑒣𑒩𑓂𑒏:** 𑒮𑒲-𑓑𑓑, 𑒙𑒰𑒫𑒩-𑓔, 𑒙𑒰𑒃𑒣-𑓕, 𑒏𑒱𑒠𑒫𑒆 𑒢𑒑𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 (𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲 𑒯𑒰𑒙 𑒏𑒹 𑒮𑒰𑒧𑒢𑒹), 𑒢𑒆 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲-𑓑𑓑𑓐𑓐𑓒𑓓 𑒧𑒼 𑓙𑓘𑓑𑓐𑓘𑓑𑓑𑓘𑓕𑓐, 𑓘𑓑𑓗𑓘𑓒𑓑𑓖𑓒𑓓𑓙 𑒃-𑒧𑒹𑒪 : 𑒻𑒩𑒞𑒱𑒞𑒼𑒏𑒧𑒰𑒝𑒼𑒛𑓐𑒑𑒧𑒰𑒃𑒨𑒼𑒧

𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 𑒠𑒱𑒞𑒼𑒩𑒱𑒖𑒰𑒪𑒫𑒠𑒱𑒯𑒰𑓐𑒑𑒧𑒰𑒃𑒨𑒼𑒧 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒇।

२३आचार्य रामानन्द मण्डल-हिंदू धर्म आ हिंदू विरोध प्रेम के जीत



**आचार्य रामानंद मंडल**

## हिंदू धर्म आ हिंदू विरोध प्रेम के जीत

१

## हिंदू धर्म आ हिंदू विरोध

वर्तमान भारत के चारटा नाम छय -आर्यावर्त, हिन्दुस्तान, इंडिया आ भारत।तहिना वर्तमान हिंदू धर्म के चार टा नाम छय -आर्य धर्म, ब्राह्मण धर्म,सनातन धर्म आ हिंदू धर्म ।समय चानी क काल परिवर्तनशील छयात जेना भारत के नाम बदलैत रहलैय तहिना धर्मो के नाम बदलैत रहलैय।आइ काल्हि सबसे ज्यादा चर्चा -परिचर्चा हिंदू आ हिंदू धर्म पर हो रहल छय। हिंदू धर्म के विरोध ज्यादा हिंदूये क रहल छय।प्यास के जे हिंदू धर्म मे शोषित आ दमित वर्ग छय। हिंदू धर्म मे जे वर्णव्यवस्था वा वर्णाश्रम धर्म छय ओइसे लोग नाराज छय। आइ काल्हि संत तुलसीदास रचित रामचरितमानस पर ज्यादा वाद -विवाद हो रहल छय। रामचरितमानस मे कुछ जाति के अधम आ

𑂢𑂲𑂒 𑂥𑂞𑂰𑂨𑂪 𑂏𑂵𑂪 𑂯𑂨𑃀𑂞 𑂇 𑂫𑂩𑂹𑂏 𑂔𑂹𑂨𑂰𑂠𑂰 𑂄𑂍𑂹𑂩𑂰𑂧𑂍 𑂯𑂨𑃀𑂫𑂷 𑂪𑂰𑂔𑂧𑂲𑂨𑂷 𑂯𑂨𑃀𑂔𑂶𑂅 𑂫𑂩𑂹𑂏 𑂍𑂵 𑂏𑂳𑂝𑂏𑂰𑂢 𑂫𑂰 𑂧𑂯𑂱𑂧𑂰 𑂧𑂁𑂙𑂱𑂞 𑂍𑂶𑂪 𑂏𑂵𑂪 𑂯𑂨 𑂫𑂷 𑂫𑂷𑂍𑂩𑂰 𑂣𑂍𑂹𑂭 𑂧𑂵 𑂯𑂨𑃀𑂫𑂷𑂍𑂩 𑂍𑂯𑂢𑂰 𑂯𑂨 𑂍𑂱 𑂩𑂰𑂧𑂒𑂩𑂱𑂞𑂧𑂰𑂢𑂮 𑂧𑂵𑂁 𑂮𑂦 𑂔𑂰𑂞𑂱 𑂍𑂵 𑂮𑂧𑂦𑂰𑂫 𑂮𑂁 𑂠𑂵𑂎𑂪 𑂏𑂵𑂪 𑂯𑂨𑃀 𑂔𑂵𑂢𑂰 𑂬𑂥𑂩𑂲 𑂍𑂵 𑂔𑂴𑂘𑂰 𑂥𑂶𑂩 𑂎𑂰𑂨 𑂍𑂵 𑂥𑂰𑂞 𑂞 𑂍𑂵𑂫𑂗 𑂍𑂵 𑂠𑂷𑂮𑂹𑂞𑂲𑃀𑂞 𑂅𑂯𑂷 𑂥𑂰𑂞 𑂃𑂒𑂹𑂓𑂰 𑂢 𑂪𑂏𑂶𑂨 𑂯𑂨𑃀𑂬𑂥𑂩𑂲 𑂞 𑂦𑂍𑂹𑂞 𑂯𑂨𑃀 𑂠𑂰𑂮𑂲 𑂯𑂨 𑂣𑂰𑂧𑂩 𑂯𑂨𑃀𑂢𑂲𑂒 𑂔𑂰𑂞𑂱 𑂍𑂵 𑂯𑂨 𑂔𑂵 𑂬𑂥𑂩𑂲 𑂮𑂹𑂫𑂨𑂁 𑂮𑂹𑂫𑂲𑂍𑂰𑂩 𑂍𑂩𑂶𑂨 𑂯𑂨𑃀𑂦𑂪 𑂃𑂥 𑂃𑂅 𑂨𑂳𑂏 𑂧𑂵 𑂬𑂥𑂩𑂲 𑂍𑂵 𑂔𑂰𑂞𑂱 𑂍𑂵 𑂍𑂷𑂆 𑂍𑂰𑂯𑂵 𑂧𑂰𑂢𑂞𑃀𑂍𑂵𑂫𑂗 𑂧𑂪𑂹𑂪𑂰𑂯 𑂃𑂣𑂢 𑂠𑂷𑂮𑂹𑂞 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂏𑂷𑂩 𑂡𑂷 𑂍𑂵 𑂣𑂲𑂨𑂶𑂞 𑂩𑂯𑂵𑃀𑂍𑂱 𑂄𑂅 𑂍𑂵 𑂨𑂳𑂏 𑂧𑂵 𑂍𑂷𑂆 𑂠𑂷𑂮𑂹𑂞 𑂍𑂵 𑂏𑂷𑂩 𑂡𑂷 𑂍𑂵 𑂣𑂲𑂨𑂞𑃀𑂫𑂷𑂯𑂳 𑂧𑂵 𑂠𑂷𑂮𑂹𑂞 𑂧𑂵𑂁 𑂠𑂷𑂮𑂹𑂞𑂰𑂢𑂰 𑂯𑂷𑂅 𑂯𑂨𑃀 𑂥𑂩𑂰𑂥𑂩𑂲 𑂧𑂰𑂢𑂵 𑂍𑂱 𑂮𑂧𑂰𑂢𑂞𑂰 𑂍𑂵 𑂦𑂰𑂫𑃀 𑂣𑂩𑂁𑂞𑂳 𑂍𑂵𑂫𑂗 𑂄 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂦𑂰𑂫 𑂠𑂰𑂮 𑂄 𑂣𑂹𑂩𑂦𑂳 𑂧𑂰𑂪𑂱𑂍 𑂍𑂵 𑂦𑂰𑂫 𑂯𑂨𑃀𑂞 𑂍𑂵𑂫𑂗 𑂫𑂁𑂬𑂲 𑂫𑂰 𑂍𑂷𑂆 𑂍𑂰𑂯𑂵 𑂧𑂰𑂢𑂞𑃀𑂅 𑂮𑂦 𑂫𑂱𑂩𑂷𑂡 𑂄𑂅 𑂢 𑂃𑂞𑂲𑂞 𑂧𑂵𑂨𑂷 𑂧𑂯𑂰𑂞𑂹𑂧𑂰 𑂥𑂳𑂠𑂹𑂡,𑂮𑂁𑂞 𑂍𑂥𑂲𑂩,𑂮𑂁𑂞 𑂩𑂶𑂠𑂰𑂮, 𑂧𑂯𑂰𑂞𑂹𑂧𑂰 𑂤𑂳𑂪𑂵,𑂮𑂁𑂞 𑂣𑂵𑂩𑂱𑂨𑂰𑂩 𑂄 𑂥𑂰𑂥𑂰 𑂮𑂰𑂯𑂵𑂥 𑂦𑂲𑂧𑂩𑂰𑂫 𑂃𑂧𑂹𑂥𑂵𑂙𑂍𑂩 𑂍𑂶𑂪 𑂩𑂯𑂪𑂢𑃀

𑂮𑂁𑂞 𑂍𑂥𑂲𑂩 𑂄 𑂮𑂁𑂞 𑂩𑂶𑂠𑂰𑂮 𑂞 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂧𑂰𑂢𑂶𑂞 𑂩𑂯𑂪𑃀 𑂣𑂩𑂁𑂞𑂳 𑂮𑂁𑂞 𑂞𑂳𑂪𑂮𑂲𑂠𑂰𑂮 𑂍𑂵 𑂃𑂨𑂷𑂡𑂹𑂨𑂰𑂫𑂰𑂮𑂲 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂢 𑂫𑂩𑂢𑂹 𑂐𑂗𑂐𑂗 𑂫𑂰𑂮𑂲 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂧𑂰𑂢𑂶𑂞 𑂩𑂯𑂪𑂢𑃀 𑂧𑂰𑂢𑂵 𑂍𑂱 𑂮𑂁𑂞 𑂍𑂥𑂲𑂩 𑂄 𑂮𑂁𑂞 𑂩𑂶𑂠𑂰𑂮 𑂢𑂱𑂩𑂹𑂏𑂳𑂝 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂞 𑂮𑂁𑂞 𑂞𑂳𑂪𑂮𑂲𑂠𑂰𑂮 𑂮𑂏𑂳𑂝 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵𑃀 𑂢𑂱𑂩𑂹𑂏𑂳𑂝 𑂩𑂰𑂧 𑂫𑂩𑂹𑂝𑂩𑂯𑂱𑂞 𑂞 𑂮𑂏𑂳𑂝 𑂩𑂰𑂧 𑂫𑂩𑂹𑂝𑂰𑂬𑂹𑂩𑂱𑂞𑃀

𑂫𑂩𑂹𑂞𑂧𑂰𑂢 𑂮𑂧𑂨 𑂧𑂵 𑂔𑂵 𑂃𑂮𑂪 𑂫𑂱𑂫𑂰𑂠 𑂯𑂨 𑂫𑂷 𑂔𑂰𑂞𑂲𑂨 𑂮𑂰𑂧𑂰𑂔𑂱𑂍 𑂫𑂱𑂭𑂧𑂞𑂰 𑂍𑂵 𑂪𑂵𑂍𑂵 𑂯𑂶 𑂢 𑂍𑂱 𑂡𑂰𑂩𑂹𑂧𑂱𑂍𑂞𑂰 𑂍𑂵 𑂪𑂵𑂍𑂵𑃀 𑂦𑂰𑂩𑂞 𑂍𑂵 𑂮𑂁𑂫𑂱𑂡𑂰𑂢 𑂔𑂰𑂞𑂲𑂨 𑂫𑂱𑂭𑂧𑂞𑂰 𑂣𑂩 𑂩𑂷𑂍 𑂪𑂏𑂶𑂨 𑂞 𑂍𑂷𑂢𑂷 𑂡𑂩𑂹𑂧 𑂍𑂵 𑂧𑂰𑂢𑂵 𑂍𑂵 𑂮𑂹𑂫𑂞𑂁𑂞𑂹𑂩𑂞𑂰 𑂠𑂵𑂅𑃀 𑂦𑂰𑂩𑂞 𑂍𑂵 𑂪𑂷𑂏 𑂍𑂵 𑂦𑂰𑂩𑂞 𑂍𑂵 𑂮𑂁𑂫𑂱𑂡𑂰𑂢 𑂧𑂵 𑂃𑂣𑂢 𑂫𑂱𑂫𑂰𑂠 𑂍𑂵 𑂮𑂧𑂰𑂡𑂰𑂢 𑂧𑂱𑂪𑂞𑃀

२

## 𑂣𑂹𑂩𑂵𑂧 𑂍𑂵 𑂔𑂲𑂞

𑂉𑂏𑂷 𑂏𑂰𑂁𑂫 𑂧𑂵 𑂨𑂳𑂫𑂞𑂲 𑂧𑂶𑂟𑂱𑂪𑂱 𑂄 𑂨𑂳𑂫𑂍 𑂩𑂰𑂧 𑂍𑂵 𑂐𑂩 𑂩𑂯𑂵𑃀 𑂧𑂶𑂟𑂱𑂪𑂱 𑂠𑂵𑂎𑂵 𑂧𑂵𑂁 𑂎𑂳𑂥 𑂮𑂳𑂢𑂹𑂠𑂩 𑂩𑂯𑂵𑃀𑂣𑂬𑂹𑂒𑂲𑂗 𑂈𑂁𑂒 𑂍𑂵 𑂍𑂠 𑂩𑂯𑂵𑃀𑂠𑂴𑂡𑂱𑂨𑂰 𑂩𑂁𑂏 ,𑂢𑂰𑂏𑂲𑂢 𑂮𑂢 𑂍𑂵𑂬,𑂡𑂰𑂢 𑂮𑂢𑂹 𑂧𑂳𑂎𑂩𑂰,𑂥𑂪𑂲

સન આંખ્યિ,કૈના કે થમ્બ સન જાંઘ, શેનની સંન કમન,અપ્નસ્સ્કુટિત કમલ સન ઉગોળ,આમ કે નયના લલકા પાત સન પૈન, હથની ઝેસન ચલનાઈ આ કોયલ ઝેસન વોલીબે દેખ્યે સે દેખતે નહ ડાયાલગ કહે કિ ભગવાન સુનસત કે સમય મે મૈથિલિ કે વનૈલ હએ

મૈથિલિ કે વાપ મૈથિલિ લટગોના કે દોકાન કૈલ નહોવો બાંગા પીસ કે ભી વૈચૈત નહો

તહિના નાન પશ્ચીટ પંચ્ચ કે વાંકા જમાના સાંવલા રંગ,ઔઠિયા કાલા કેશ,નાજીલ સન નયન,હલકા મોછ,સહિ ઝેસન છાતી। કોની યુવતી કે આકર્ષિત કને , લલ સમર્થાનાન સમ્પન્ન કસિાન કે વેટા નહોનાન કભી કભી સૌખ મે બાંગા ભી ખાયત નહો

એકટા દિન નાન બાંગા ખરીદે કે લલ મૈથિલિ કે દૂકાન પર ગેલા પરંચ દોકાન પર મૈથિલિ કે વદલ વોકર વેટી મૈથિલિ વૈઠલ નહો મૈથિલિ વોલલક " વાવૂ જી એક મહિના કે લલ વાહર ગેલ છથિ તૈ‌લા હમ વૈઠલ છી।વોલા તોના કી ચાહી। નાન કહલક-હમ થોડ઼ા સા બાંગા લેવાસૌકિયા કભી કભી ખા લેર છી। મૈથિલિ બાંગા નાન કે દે દેલકાનાન ભી દામ ૦રુપયા દે દેલકા

અવ નાન નોજ બાંગા ખરીદે આવે લાગલાવોકના મન મે મૈથિલિ સે પ્રેમ હોય લાગલાબાંગા આ દામ કે લેન દેન મે દૂનૂ કે હાથક છૂઅન સે પ્રેમક તરંગા એક દોસર કે હ્રદય સે પ્રવાહિત હોય લાગલા કુછ હિ દિન મે પ્રેમ અપન રંગા દિખાવે લાગલાઅપન હાલ નાન અપન ખાસ દોસ્ત સે વતૈલક ।દોસ્ત-તૂ મૈથિલિ કે લેકે ભાગા જાતૂ અપન નેપાલ કે કુટુંવ રહાં ચલ જા। મૈથિલિ કે વાપ મૈથિલિ તોના ન છોડ઼ તો।

૨ સાલ વાત નાન મૈથિલિ કે વતૈલક। મૈથિલિ વોલલ-અહા કે હમ પ્રેમ કરૈ છી।આરુ હમ દૂનૂ ગોટે ઘર છોડ઼ દૂ। અહા જહા લે ચલવ,હમ ચલે લલ તૈયાર છી।

હમ દૂનૂ ગોટે મંદિર મે શાદી ક લેવ।

𑒠𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒂 𑒩𑒰𑒧 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒹 𑒧𑓀𑒠𑒱𑒩 𑒧𑒹 𑒣𑒯𑒳𑒔 𑒑𑒹𑒪। 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒂 𑒣𑒳𑒖𑒰𑒩𑒲 𑒏𑒹 𑒮𑒰𑒧𑒢𑒹 𑒩𑒰𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒧𑒰𑓀𑒑 𑒧𑒹 𑒮𑒱𑓀𑒠𑒴𑒩 𑒦𑒩 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒁𑒥 𑒩𑒰𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒧𑒲 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒩𑒰𑒧 𑒏𑒹 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒢 𑒑𑒹𑒪।

𑒩𑒰𑒧 𑒂𑒥 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒪𑒏𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒳𑒙𑒳𑓀𑒥 𑒏𑒹 𑒃𑒯𑒰 𑒯𑒩𑒱𑒎𑒢 (𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪)𑒔𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒣𑒯𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒖𑒑𑒯 𑒣𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒂 𑒩𑒰𑒧 𑒏𑒹 𑒐𑒴𑒥 𑒧𑒢 𑒪𑒰𑒑𑒹। 𑒣𑒯𑒰𑒛𑓃 𑒣𑒩 𑒒𑒴𑒧𑒹। 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒠𑒲 𑒧𑒹 𑒢𑒯𑒰𑒨 𑒞 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒗𑒩𑒢𑒰 𑒧𑒹 𑒢𑒯𑒰𑒨।𑒒𑓀𑒙𑒼 𑒣𑒯𑒰𑒛𑓃 𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒚 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒏𑒹 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒩𑒹। 𑒅𑒢𑓂𑒧𑒳𑒏𑓂𑒞 𑒫𑒰𑒞𑒰𑒫𑒩𑒝 𑒧𑒹 𑒅𑒢𑓂𑒧𑒳𑒏𑓂𑒞 𑒣𑓂𑒨𑒰𑒩 𑒏𑒩𑒹।𑒁𑒃 𑒥𑒲𑒔 𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒑𑒩𑓂𑒦𑒫𑒞𑒲 𑒦𑒹 𑒑𑒹𑒪। 𑒋𑒑𑒼 𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒏𑒹 𑒖𑒢𑒧 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒧𑒱𑒪𑒏𑒹 𑒢𑒰𑒧 𑒩𑒐𑒪𑒏 𑒁𑓀𑒑𑒰𑒩𑒖।

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒥𑒰𑒣 𑒁𑒠𑒰𑒪𑒞 𑒧𑒹 𑒁𑒣𑒯𑒩𑒝 𑒏𑒹 𑒏𑒹𑒮 𑒏 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒪𑒹𑒏𑒱𑒢 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒂 𑒩𑒰𑒧 𑒪𑒰𑒣𑒞𑒰 𑒩𑒯𑒪।𑒮𑒰𑒪 𑒦𑒩 𑒥𑒰𑒠 𑒩𑒰𑒧 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒢𑒫𑒖𑒰𑒞 𑒬𑒱𑒬𑒳 𑒁𑓀𑒑𑒰𑒩𑒖 𑒮𑓀𑒑 𑒁𑒠𑒰𑒪𑒞 𑒧𑒹 𑒯𑒰𑒖𑒱𑒩 𑒦𑒹𑒪𑒢। 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒠𑒰𑒪𑒞 𑒧𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒢-𑒖𑒖 𑒮𑒰𑒯𑒥।𑒯𑒧 𑒂 𑒯𑒧𑒩 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒧𑒲 𑒩𑒰𑒧 𑒥𑒰𑒪𑒱𑒑 𑒕𑒲।𑒯𑒧 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒋𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲। 𑒯𑒧 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒣𑒴𑒩𑒹 𑒯𑒼𑒬 𑒯𑒫𑒰𑒮 𑒧𑒹 𑒧𑓀𑒠𑒱𑒩 𑒧𑒹 𑒬𑒰𑒠𑒲 𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒕𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒏𑒹 𑒃 𑒢𑒫𑒖𑒰𑒞 𑒬𑒱𑒬𑒳 𑒕𑒻𑒨। 𑒯𑒧 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒂𑒥 𑒖𑒲𑒨𑒥 𑒧𑒩𑒥 𑒮𑒰𑒟𑒹 𑒮𑒰𑒟𑒹।

𑒖𑒖 𑒮𑒰𑒯𑒥-𑒁𑒯𑒰 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒩𑒰𑒧 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒫𑒱𑒂𑒯 𑒏𑒰𑒢𑒴𑒢𑒲 𑒩𑒴𑒣 𑒮𑒹 𑒖𑒰𑒨𑒖 𑒯𑒃।

𑒩𑒰𑒧, 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒂 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒹 𑒪𑒏𑒹 𑒒𑒩 𑒂 𑒑𑒹𑒪।𑒩𑒰𑒧 𑒏𑒹 𑒧𑒰𑒃 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒥𑒯𑒳 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒏𑒹 𑒂𑒩𑒞𑒲 𑒅𑒞𑒰𑒩 𑒪𑒻𑒢। 𑒣𑒼𑒞𑒰 𑒮𑒯𑒱𑒞 𑒒𑒩 𑒧𑒹 𑒬𑒳𑒦 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬 𑒏𑒩𑒻𑒪𑒢।𑒂𑒃 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒥𑒰𑒣 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪 𑒖𑒲 𑒐𑒳𑒬 𑒯𑒃। 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒟𑒱𑒢-𑒥𑒰𑒪𑒱𑒑 𑒥𑒹𑒙𑒰-𑒥𑒹𑒙𑒲 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒃 𑒥𑒰𑒣 𑒏𑒹 𑒥𑒰𑒡𑒰 𑒢 𑒥𑒢𑒻 𑒏𑒹 𑒔𑒰𑒯𑒲।𑒂𑒃 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒂 𑒩𑒰𑒧 𑒏𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒐𑒳𑒬 𑒂 𑒐𑒳𑒬𑒯𑒰𑒪 𑒯𑒃। 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒏𑒹 𑒖𑒲𑒞 𑒦𑒹 𑒑𑒹𑒪।

-आचार्य रामानंद मंडल सामाजिक चिंतक सीतामढ़ी, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, माता-चन्द्रा देवी, पिता-स्व० रामेश्वर मंडल, पत्नी-प्रमिला देवी, जन्म तिथि-०१ जनवरी १९६० योग्यता- एम-एससी (रसायन शास्त्र), एम ए (हिन्दी)। चर्चित साहित्यिक, मैथिली-हिन्दी कविता -कहानी लेखन आ आलेख। प्रकाशित पोथी - मैथिली कविता संग्रह मारा के न बांटियौ २०२२ प्रकाशित रचना - सहिया कविता संग्रह पोथी - जनक नंदिनी जानकी आ शौर्य गाथा २०२२ पत्रिका -मिथिला समाज, घर -बाहर आ अपूर्वा (मैसाम)। अध्यक्ष -दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश सामाजिक-सामाजिक चिंतन दायित्व- पूर्व जिला प्रतिनिधि, प्राथमिक शिक्षक संघ, डुमरा, सीतामढ़ी स्थायी पता- ग्राम-पचीरा वसिनपुर थाना-परिहार जिला-सीतामढ़ी वर्तमान पता-पचीरा सदन,मुरलियाचक वार्ड-०४ सीतामढ़ी पोस्ट-चकमहिला जिला-सीतामढ़ी राज्य-बिहार पिन-८४३३०२ मो नं-९९७३६४१०७५ ईमेल-ramanandmandal1960@gmail.com

**ऐ रचनापर अपन मंतव्य** ggajendra@videha.com **पर पठाउ।**

२४आशीष अनचिन्हार-तीनू कथा- सपना आ भ्रम, घर, काटल कथा



**आशीष अनचिन्हार-संपर्क-८८७६१६२७५९**

## तीनू कथा- सपना आ भ्रम, घर, काटल कथा

(मैथिली कथामे हमर योगदान ओतबे अछि जतेक कि रमानाथ झाजीक योगदान मैथिली गजलमे छनि। एखन धरि कुल मिला कऽ हमर तीन गोट कथा प्रकाशित भेल अछि जे कि विभिन्न माध्यमसँ प्रकाशित भेल अछि। एहिठाम हम तीनू कथाकेँ एकट्ठा दऽ रहल छी जाहिसँ पाठककेँ सहूलियत हेतनि। आ संगे-संग विदेहक पाठक सेहो एकरा पढ़ि सकथि- आशीष अनचिन्हार)

१

## 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒂 𑒦𑓂𑒩𑒧

### 𑒒𑒙𑒢𑒰𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣 :

𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒰𑒫𑒡𑒰𑒢 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒅। 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒠𑒱𑒢 𑒡𑒩𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒮𑓂𑒫𑒣𑒢 𑒠𑒹𑒐𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒴।

"𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿 ? 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒱𑒮𑓂𑒮𑒏 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿। 𑒯𑒿 𑒮𑒹 𑒞' 𑒮𑒞𑓂𑒞𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿 - 𑒁𑒯𑒰𑒿, 𑒂 𑒮𑒹 𑒯𑒧𑒯𑒴𑒿 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲।"

"𑒤𑒹𑒩 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒱𑒢𑒑𑒲𑒏 𑒪𑒹𑒪। 𑒄 𑒏𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒏 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿? 𑒥𑒹𑒮 𑒧𑒰𑒢𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒯𑒧 𑒖𑒹 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 𑒕𑒻𑒏, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒢𑒹𑒏 𑒄 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒤𑒩𑒱𑒕𑒰𑒅 -𑒖𑒹 𑒏𑒲 𑒏𑒹𑒫𑒪 𑒮𑒣𑒢𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒥 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 𑒕𑒻𑒏 𑒋𑒏𑒩 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰𑒢𑓂𑒫𑒨𑒢 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱।"

"𑒏𑒲 𑒦𑒹𑒪 𑒌, 𑒔𑒳𑒣𑓂𑒣 𑒕𑒲 𑒏𑒱𑒉𑒏 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒥𑒰𑒖𑒴 𑒢𑒹।"

"𑒋𑒯 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒤𑒹𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒮𑒴𑒞𑒱 𑒩𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒒𑒼𑒩 𑒢𑒱𑒢𑓂𑒢𑒧𑒹 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪, 𑒐𑒰𑒪𑒲 𑒂 𑒐𑒰𑒪𑒲 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪।"

𑒮𑒴𑒞𑒥 𑒉𑒏 𑒛𑒹𑒑𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒦𑒹𑒪। 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒛𑒹𑒑𑒏 𑒂 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰𑒢𑓂𑒫𑒨𑒢 𑒏𑒩𑒥 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒛𑒹𑒑𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒦𑒹𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒞𑒲𑒢𑒴 𑒉𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒖𑒰𑒞𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒢𑒹𑒞𑒰 𑒖𑒏𑒰𑒿। 𑒉𑒯 𑒏𑒛𑓃𑒲 𑒧𑒯𑒿𑒏 𑒖𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒛𑓃𑒲 𑒙𑒴𑒙𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒞' 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒐𑒹𑒪 𑒐𑒞𑒧 𑒂 𑒣𑒻𑒮𑒰 𑒯𑒖𑒧।

"𑒂 𑒦𑓂𑒩𑒧 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒏।"

"𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰, 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒅𑒚𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒏𑒲 ?"

"𑒯𑒿 𑒏𑒢𑒹𑒏 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪"

"𑒯𑒿 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒪𑒑𑒰𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞 𑒯𑒮𑒱𑒮𑓂𑒮𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒢𑒹। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧 𑒋𑒯𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑𑒏𑒹𑒿 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒩 𑒂𑒥𑒲 𑒮𑒹 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒧। 𑒍𑒢𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒖𑒞𑒹𑒏 𑒏𑒚𑒱𑒢 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒮𑒩𑒪। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒄 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒱𑒁 𑒖𑒹 𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩𑒹 𑒦𑓂𑒩𑒧 𑒟𑒱𑒏। 𑒄 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒯𑒧𑒩𑒼 𑒥𑒴𑒗𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒯𑒱 𑒥𑒰𑒙𑒹 𑒖𑒰𑒋𑒥 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒁𑒦𑒲𑒭𑓂𑒙 𑒢𑒯𑒱।"

"𑒯𑒿 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒏𑒲 𑒣𑒳𑒕𑒢𑒹 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒩𑒯𑒋 𑒢𑒹 𑒖𑒹 𑒦𑓂𑒩𑒧 𑒏𑒲 𑒟𑒱𑒏। 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒯𑒴, 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒞 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒲 𑒯𑒋𑒥। 𑒯𑒋𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥। 𑒖𑒏𑒩𑒰 𑒣𑒰𑒥𑒱 𑒏𑓄 𑒁𑒢𑒹𑒩 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒍 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒯𑒼 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒏 𑒞𑒿 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒏 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒰𑒮𑒿। 𑒯𑒿 𑒞𑒿 𑒖𑒐𑒢 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒲 𑒕𑒲 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒍 𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒱𑒍 𑒏𑒯𑒥𑒲 𑒖𑒢𑒱𑒞𑒹 𑒯𑒋𑒥𑒻𑒏। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒧𑒼𑒢𑒹-𑒧𑒼𑒢

𑒏𑒯𑒥 𑒖𑒹 𑒄𑒯𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑒳𑒕𑒥𑒰𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒕𑒻𑒏। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧 𑒖𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒱𑒨𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒕𑒻𑒏। 𑒂𑒥 𑒖𑒐𑒢 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒯𑒥𑒲𑒣𑒩 𑒋𑒪𑒻𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒐𑒢 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒞𑒿 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒏𑒯𑒥𑒲 𑒧𑒼𑒢 𑒯𑒋𑒞 𑒢𑒹 𑒎? 𑒏𑒼𑒢, 𑒖𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒱𑒨𑒻𑒏 ? 𑒫𑒋𑒯 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒧𑒹 𑒏𑒯𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒮𑒴𑒞𑒪 𑒕𑒲 𑒂 𑒥𑒩𑒱𑒂𑒯 𑒯𑒼𑒩𑒪 𑒁𑒕𑒱।" 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒏𑒯𑒱𑒍-𑒏𑒯𑒱𑒍 𑒥𑒳𑒗𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒯𑒋𑒥𑒻𑒏।

"𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒋𑒐𑒢𑒼 𑒡𑒩𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒪𑒱𑒌। 𑒚𑒲𑒏 𑒕𑒻𑒏 𑒞𑒐𑒢 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒼 𑒏𑒯𑒥𑒲 𑒏𑒯𑒋 𑒣𑒛𑓃𑒞।"

"𑒖𑒹𑒢𑒰"

"𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒏𑒲 𑒍 𑒏𑒯𑒥𑒲 𑒕𑒻𑒏-𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒢𑒯𑒰𑒋𑒪 𑒕𑒲 𑒂 𑒏𑒲𑒠𑒢 𑒠𑒯𑒰𑒋𑒪 𑒁𑒕𑒱।" 𑒂𑒥𑒼 𑒥𑒳𑒗𑒪𑒱𑒌 𑒨𑒾? 𑒏𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒋𑒐𑒢𑒼 𑒡𑒩𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒋𑒪 𑒄 𑒑𑒣𑓂𑒣। 𑒁𑒢𑒾 𑒥𑒰𑒣 𑒢𑒾 𑒥𑒰𑒣। 𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒋𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿। 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰, 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒢𑒯𑒱, 𑒋𑒯𑒱 𑒥𑒹𑒩 𑒯𑒧 𑒞𑒹𑒩𑒯𑒧 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲।"

"𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒞𑓂।"

"𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒞𑓂 𑒖𑒹 𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒮𑒼𑒗𑒹-𑒮𑒼𑒗 𑒑𑒣𑓂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒤𑒼𑒪𑒱 𑒏𑓄 𑒏𑒯𑒥।"

"कहू"

"हँ, सुनल जाए। मनुष्य जा धरि सपना देखैत अछि ता धरि तँ ठीक आ आवश्यको छैक, मुदा जहाँसँ मनुष्य सपनामे क्रियान्वित काज के वास्तविक जीवनमे सत्त बूझ' लगैत छथिन्ह ओहि ठामसँ समस्या शुरू भए जाइत छैक। एकरे जँ दोसर तरहें एना कही जे-सपना देखब जरूरी छैक मुदा सपनामे भेल काज के वास्तविक जीवनमे बिनु हाथ-पएर डोलौने सत्त मानब समस्या थिक। आब तँ बुझिए गेल हएबैक जे सपना कथि थिक आ समस्या की।"

"आबो बुझलिऐ औ"

"की भेल औ"

"ओह अहाँ सूतल रहलिऐ की ? जाउ, सूतू गा।"

**घटनाक गप्प :**

पुरबा बहैए

मच्छर कटैए निन्न नहि अबैए

कनियाँ मोन पड़ैए

टेपसँ मधुर गीत बहार भए रहल छल आ एम्हर बाबू साहेब अपन मित्र दिलीपकेँ रातुक सपनाक संबंधमे सुना रहल छलाह। बाबू साहेब दिलीप के कहलथिन्ह-"बुझलह रातुक सपनामे तो हमरासँ प्रश्नपर प्रश्न करैत चल गेलह आ हम जबावपर जबाव दैत।"

दिलीप अविश्वासक भावसँ साहेब दिस तकलक आ पुछि देलकै-"कहक तँ जे हम तोरासँ की-की पुछलिअह आ तो हमरा की-की जबाव देलह। बाबू साहेब जाँघपर हाथ मारैत बजलाह-"एहिठाम तँ मारि खा गेलहुँ। एखन धरि मोन नहि

𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒦𑒼𑒩𑒹𑒮𑒿 𑒧𑒼𑒢 𑒣𑒰𑒛𑓃𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲। 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣 𑒯𑒿𑒮𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒟𑒱। 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒟𑒼𑒛𑓃𑒹𑒏 𑒩𑒳𑒭𑓂𑒙 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯-𑒏𑒲 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒯 ? 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒫𑒞 𑒦𑒰𑒫𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯 "𑒮𑒣𑒢𑒼 𑒮𑒦 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒹𑒏 𑒠𑒱𑒢-𑒩𑒰𑒞𑒧𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒹𑒏 𑒧𑒢𑒳𑒭𑓂𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒯𑒻𑒏। 𑒏𑒹 𑒑𑒢𑒞𑒲 𑒩𑒰𑒐𑒞। 𑒯𑒿 𑒖𑒿 𑒍 𑒫𑒰𑒮𑓂𑒞𑒫𑒱𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒧𑒹 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒯𑒳𑒁𑒋 𑒞𑒐𑒢 𑒢𑒹 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒪 𑒖𑒰𑒋" 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒮𑒢 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱, 𑒧𑒠𑒰 𑒏𑒢𑒹𑒏𑒥𑒹 𑒠𑒹𑒩 𑒡𑒩𑒱। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒹𑒩 𑒒𑒩𑒱 𑒍 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒞 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣𑒮𑒿 𑒖𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒮𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒧𑒲𑒞 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒯𑒁 𑒖𑒹 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒮𑒔 𑒏𑒰 𑒂𑒏𑒩 𑒕𑒰𑒿𑒯?

𑒍 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣 𑒁𑒏𑒥𑒏𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯 𑒁𑒢𑒔𑒼𑒏𑒹𑒧𑒹 𑒋𑒯𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒏𑓄 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒹 𑒤𑒳𑒩𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒧𑒹। 𑒮𑒼𑒔𑒧𑒹 𑒛𑒴𑒥𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒠𑒹𑒩 𑒡𑒩𑒱, 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒞 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑒹𑒥𑒯𑒹 𑒣𑒛𑓃𑒞𑒢𑒱। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒻𑒞 𑒍 𑒑𑓀𑒦𑒲𑒩 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒧𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒰𑒯-"𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒮𑒞𑓂𑒞।"

𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒤𑒹𑒩 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯 "𑒏𑒼𑒢𑒰"

𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣 𑒤𑒩𑒱𑒕𑒥𑒻𑒞 𑒏𑒯𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯- "𑒄 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒞𑒿 𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒮𑒔 𑒟𑒱𑒏 𑒂 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳𑒋𑒮𑒿 𑒞 𑒕𑒰𑒿𑒯 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏, 𑒞𑒿𑒃 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹-𑒮𑓀𑒑 𑒕𑒰𑒿𑒯𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞।"

𑒥𑒮 𑒂𑒥 𑒏𑒲 𑒕𑒪 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒐𑒳𑒬 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒣𑒳𑒕𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢𑓂𑒯 "𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒏𑒯𑒯 𑒖𑒹 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒞𑒿𑒃 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢 𑒕𑒰𑒿𑒯 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒼𑒩𑒹 𑒏𑒟𑒢𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑒮𑒣𑒢𑒰 𑒤𑒴𑒮𑒱 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑒏𑒰𑒩 𑒩𑒴𑒣 𑒮𑒞𑓂𑒞, 𑒋𑒯𑒢 𑒠𑒼𑒯𑒩𑒰 𑒦𑒰𑒫 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒲 𑒧𑒴𑒪 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒋𑒏𑒻 𑒕𑒻𑒏। 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒕𑒰𑒿𑒯 𑒋𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒞𑒹𑒢𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒮𑓀𑒣𑒢𑒰 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑒏𑒰𑒩 𑒩𑒴𑒣 𑒋𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒕𑒻𑒏।" 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣𑒣𑒩 𑒄 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒥𑒹𑒩 𑒥𑒖𑓂𑒖𑒩 𑒐𑒮𑒪𑒻𑒢𑓂𑒯। 𑒍 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒣𑒣𑒢𑒲 𑒐𑒮𑒹𑒢𑒹 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒋 𑒪𑒑𑒪𑒰𑒯 𑒂 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣𑒏 𑒂𑒿𑒐𑒱𑒧𑒹।

**𑒒𑒙𑒢𑒰𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣 :**

𑒋𑒯𑒱 𑒏𑒟𑒰𑒧𑒹 𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒮𑒰𑒩 𑒕𑒻𑒏 𑒢𑒹 𑒩𑒮 𑒮𑒹 𑒯𑒧 𑒧𑒰𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒢𑒹𑒏 𑒏𑒰𑒪 𑒪𑒹𑒪 𑒯𑒧 𑒁𑒟𑒫𑒰 𑒁𑒯𑒲𑒿 𑒖𑒿 𑒠𑒱𑒪𑒲𑒣 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒃 𑒞𑒿 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒏𑒹 𑒯𑒹𑒞𑒰𑒯 ? 𑒏𑒹 𑒖𑒼𑒐𑒱𑒧 𑒅𑒚𑒰 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥

𑒥𑒢𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 ? 𑒄 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒖𑒞𑒥𑒹 𑒁𑒢𑒱𑒩𑓂𑒝𑒰𑒨𑒏 𑒕𑒪 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒋𑒐𑒢𑒼 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒂𑒿𑒑𑒰 𑒩𑒯𑒞 𑒏𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒞 𑒮𑒹 𑒯𑒧 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒲, 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒦𑒫𑒱𑒭𑓂𑒨𑒫𑒏𑓂𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒲।

𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒞𑒿 𑒮𑒼𑒗𑒰𑒧𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒋𑒏 𑒣𑒏𑓂𑒭 𑒏𑒹 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 𑒞 𑒍𑒏𑒩 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒣𑒏𑓂𑒭 𑒏𑒹 𑒗𑒴𑒚 𑒏𑒱𑒋𑒏 ? 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒲 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒣𑒏𑓂𑒭 𑒋𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒁𑒫𑒱𑒦𑒰𑒖𑓂𑒨 𑒕𑒻𑒏। 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒞𑒿 𑒅𑒚𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒏, 𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒏𑒱𑒢𑒏𑒼 𑒪𑒹𑒪 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒂 𑒧𑒰𑒨𑒰 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒗𑒴𑒚 ? 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒩𑒰𑒮 𑒂𑒥𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒥𑒛𑓃 𑒖𑒼𑒩𑒮𑒿 𑒩𑒼𑒏𑒥𑒰𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱𑒍। 𑒂 𑒖𑒹 𑒧𑒰𑒨𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒞 𑒕𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 𑒮𑒹 𑒥𑓂𑒩𑒧𑓂𑒯𑒏𑒹𑒿 𑒗𑒴𑒚 𑒏𑒱𑒋𑒏 ?

𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒏 𑒏𑒰𑒖 𑒕𑒻𑒏 𑒥𑒜𑓃𑒢𑒰𑒃 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒏, 𑒐𑒰𑒪𑒲 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒋𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒥𑒻𑒏। 𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒄 𑒏𑒯𑒴 𑒖𑒹 - 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒢 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰𑒏 𑒠𑓂𑒫𑒢𑓂𑒠 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨𑒱𑒏 𑒠𑒧𑒢 𑒮𑒞𑓂𑒞। 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒏।

𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒩𑒰𑒧 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒩𑒰𑒫𑒝 ? 𑒏𑒹𑒍 𑒏𑒯𑒞𑒰𑒯 𑒩𑒰𑒧 𑒏𑒹𑒍 𑒩𑒰𑒫𑒝। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒲 𑒩𑒰𑒧𑒏 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒩𑒰𑒫𑒝𑒏 𑒂 𑒩𑒰𑒫𑒝𑒏 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒩𑒰𑒧𑒏 𑒁𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 𑒮𑓀𑒦𑒫 𑒕𑒻𑒏। 𑒄 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒮𑒦 𑒦𑒴𑒞𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒟𑒱𑒏 𑒮𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒱𑒨𑒻 𑒮𑓀𑒑𑒯𑒱-𑒮𑓀𑒑 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒦𑒴𑒞𑒖𑒲𑒫𑒲𑒏 𑒅𑒣𑒧𑒰 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒠𑒋 𑒠𑒹𑒥, 𑒞𑒿𑒃 𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒏𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬 𑒏𑒩𑒥।

𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒴 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒱 𑒧𑒹𑒮𑒿 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒏 𑒁𑒧𑒹𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒠𑒰𑒠𑒰𑒑𑒲𑒩𑒲, 𑒣𑒰𑒏𑒱𑒮𑓂𑒞𑒰𑒢𑒏 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲, 𑒃𑒩𑒰𑒢𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒦𑒱𑒧𑒰𑒢, 𑒔𑒲𑒢𑒏 𑒏𑒴𑒙𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒏𑒲 𑒦𑒰𑒩𑒞𑒏 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱। 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒏 𑒋𑒯𑒱𑒧𑒹𑒮𑒿। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒯𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥 𑒖𑒹 𑒁𑒧𑒹𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒠𑒰𑒠𑒰𑒑𑒱𑒩𑒲 𑒂 𑒣𑒰𑒏𑒱𑒮𑓂𑒞𑒰𑒢𑒏 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒗𑒴𑒚 𑒂 𑒦𑒰𑒩𑒞𑒏 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱 𑒮𑒞𑓂𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒦𑒢𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒹𑒬-

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒏 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒨𑒏 𑒯𑒳𑒁𑒋। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒢𑒱𑒩𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰 𑒮𑒏𑒻𑒋। 𑒁𑒞𑓁 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱 𑒏𑒲 𑒕𑒻। 𑒂𑒞𑓀𑒏 𑒋𑒫𑓀 𑒠𑒰𑒠𑒰𑒑𑒱𑒩𑒲𑒏 𑒠𑒧𑒢𑒏 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒰𑒞𑓂 𑒖𑒹 𑒂𑒢𑓀𑒠 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒢𑒰𑒧 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱 𑒠𑒻𑒞 𑒕𑒱𑒨𑒻 𑒢𑒹। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒮𑒥 𑒮𑒼𑒔𑒱𑒎 𑒏𑒢𑒹𑒏 𑒖𑒹 𑒖𑒿 𑒂𑒞𑓀𑒏 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒹𑒞𑒻𑒏 𑒞𑒿 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒮 𑒯𑒹𑒞𑒻𑒏 𑒏𑒞𑒋𑒮𑒿 𑒂 𑒖𑒿 𑒏𑒯𑒲𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒮 𑒦𑒃𑒍 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒏 𑒞𑒿, 𑒯𑒹𑒞𑒻𑒏 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒰 𑒪𑒹𑒪। 𑒞𑒿𑒋 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒂 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒨𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞।

"𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒏𑒯𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 ?"

"𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒅𑒚𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒠𑒹𑒩𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒢𑒱𑒢𑓂𑒢 𑒙𑒴𑒙𑒪 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 ?"

"𑒯𑒿, 𑒐𑒹𑒩 𑒏𑒢𑒹𑒏 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪!"

"𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 "

"𑒯𑒿 𑒞 𑒯𑒧 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 𑒣𑒳𑒕𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿"

"𑒁𑒦𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 ? 𑒯𑒿 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩 𑒏𑒯𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 𑒖𑒹 𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒥 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒟𑒱𑒏"

"𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒧𑒰𑒢𑒴 𑒖𑒹 𑒮𑒥 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒟𑒱𑒏 𑒞𑒿 𑒗𑒴𑒚 𑒏𑒲 𑒟𑒱𑒏। 𑒏𑒲 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒗𑒴𑒚 𑒫𑒱𑒯𑒲𑒢 𑒁𑒕𑒱"

"𑒢𑒯𑒱-𑒢𑒯𑒱, 𑒯𑒧𑒩 𑒏𑒯𑒥 𑒢𑒱𑒩𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒋𑒞 𑒖𑒹 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲𑒫𑒱𑒯𑒲𑒢 𑒁𑒕𑒱"

"𑒁𑒿𑒋 𑒏𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒱𑒨𑒻 𑒖𑒹 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲𑒣𑒩 𑒮𑒥 𑒮𑒞𑓂𑒞𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒱𑒌𑒏 𑒖𑒹 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒗𑒴𑒚𑒫𑒱𑒯𑒲𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒻𑒏। 𑒋𑒢𑒰 𑒠𑒳𑒔𑒱𑒞𑓂𑒞𑒰𑒣𑒢 𑒏𑒱𑒋𑒏 ?"

"𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒄 𑒠𑒳𑒔𑒱𑒞𑓂𑒞𑒰𑒣𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒟𑒱𑒏। 𑒯𑒧 𑒖𑒹 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒂 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞"

"𑒐𑒹𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒑𑒣𑓂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒒𑒳𑒩𑒕𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒱𑒨𑒻" "𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒞𑒿 𑒋𑒏𑒠𑒧 𑒮𑒼𑒗 𑒕𑒻𑒏, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧𑒩 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒧𑒼𑒢 𑒥𑒾𑒂 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱"

"𑒄 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒲 𑒮𑒦 𑒥𑒰𑒖𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒮𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒱"

"𑒖𑒰𑒢𑒋 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮𑒼 𑒞𑒿 𑒏𑒩𑒱𑒨𑒾"

"𑒞𑒐𑒢 𑒁𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒴"

"𑒏𑒲"

"𑒮𑒋𑒯 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒮𑒞𑓂𑒞"

"𑒯𑒧 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒖𑒹 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞𑒱𑒨𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒂 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒼 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒮𑒋𑒯 𑒢𑒹"

"𑒯𑒿"

"𑒁𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒂𑒥 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒮𑒴𑒢𑒴 𑒧𑒰𑒢𑒴 𑒖𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒩 𑒏𑒋𑒪𑒏 𑒂 𑒢𑒳𑒏𑒰 𑒑𑒹𑒪। 𑒞𑒏𑒩𑒰 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒬𑒰𑒮𑒏 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒞𑒰𑒏𑒱-𑒯𑒹𑒩𑒱 𑒏𑓄 𑒮𑒧𑒳𑒔𑒱𑒞 𑒠𑓀𑒛 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒂𑒥 𑒋𑒯𑒱 𑒑𑒣𑓂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒱𑒨𑒾 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒖𑒹 𑒂𑒞𑓀𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒩 𑒏𑒋𑒪𑒏 𑒄 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲𑒏 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒂 𑒬𑒰𑒮𑒢 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒠𑓀𑒛 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒄 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒬𑒰𑒮𑒢𑒏 𑒮𑒞𑓂𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒕𑒱𑒨𑒻𑒏 𑒯𑒧-𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦। 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒠𑒹𑒐𑒰 𑒔𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒬𑒰𑒮𑒢 𑒔𑒳𑒣𑓂𑒣 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒋𑒯 𑒔𑒳𑒣𑓂𑒣𑒲 𑒞𑒿 𑒬𑒴𑒢𑓂𑒨 𑒟𑒱𑒏, 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧 𑒟𑒱𑒏। 𑒩𑒰𑒫𑒝 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒯𑒩𑒝 𑒏𑒋 𑒪𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒩𑒰𑒧𑒏 𑒩𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒏𑒋 𑒒𑒴𑒩𑒱 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱, 𑒮𑒋𑒯 𑒒𑒴𑒩𑒱 𑒖𑒹𑒢𑒰𑒃 𑒞𑒿 𑒬𑒴𑒢𑓂𑒨 𑒟𑒱𑒏, 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧 𑒟𑒱𑒏। 𑒬𑒰𑒮𑒢𑒏 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒻𑒏 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒲 𑒍 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒠𑓀𑒛 𑒠𑒻𑒞। 𑒩𑒰𑒧𑒏 𑒮𑒞𑓂𑒞 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒲 𑒍 𑒩𑒰𑒫𑒝 𑒏𑒹 𑒣𑒩𑒰𑒮𑓂𑒞 𑒏𑒋 𑒮𑒏𑒟𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒂 𑒄 𑒖𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒮𑒋𑒯 𑒞𑒿 𑒬𑒴𑒢𑓂𑒨 𑒂 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧 𑒮𑒹𑒯𑒼। 𑒂 𑒮𑒋𑒯 𑒬𑒴𑒢𑓂𑒨 𑒮𑒋𑒯 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒣𑒮𑒩𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒋𑒯 𑒂𑒿𑒑𑒢, 𑒠𑒳𑒂𑒩𑒱, 𑒔𑒾𑒏𑒚𑒱, 𑒥𑒛𑓃𑒹𑒩𑒲, 𑒧𑒼𑒢, 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒰 𑒮𑒦 𑒏𑒹 𑒑𑒕𑒰𑒩𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱। 𑒂 𑒯𑒧-𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒋𑒯 𑒬𑒴𑒢𑓂𑒨 𑒮𑒋𑒯 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧𑒏 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿𑒧𑒹 𑒥𑒾𑒂 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲, 𑒋𑒯𑒱 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒍𑒯𑒱 𑒕𑒼𑒛𑓃, 𑒋𑒯𑒱 𑒂𑒩𑒮𑒿 𑒍𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒩 𑒔𑒩𑒱 𑒯𑒰𑒟𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒙𑒴𑒙𑒪 𑒕𑒾𑒏𑒲 𑒪𑒹𑒢𑒹।

(𑒄 𑒏𑒟𑒰 𑒯𑒧𑒩 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒏𑒱 𑓒𑓐𑓐𑓗 𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒏 𑒮𑓂𑒧𑒰𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪। )

𑓒

**𑒒𑒩**

𑒒𑒩 𑒞𑒲𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒅𑒔𑓂𑒔, 𑒧𑒡𑓂𑒨𑒧 𑒂 𑒢𑒱𑒧𑓂𑒢। 𑒋𑒏𑒩 𑒂𑒩𑒼 𑒦𑒹𑒠 𑒅𑒣𑒦𑒹𑒠 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒰𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒯𑒮 𑒢𑒯𑒱। 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒯𑒧 𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒒𑒩𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒩𑒥 𑒮𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒧𑒡𑓂𑒨𑒧। 𑒞𑒿 𑒂𑒑𑒰 𑒮𑒳𑒢𑒴 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒧𑒡𑓂𑒨𑒧 𑒒𑒩𑒏। 𑒒𑒩𑒏 𑒧𑒞𑒪𑒥 𑒧𑒡𑓂𑒨𑒧 𑒒𑒩 𑒥𑒳𑒗𑒪 𑒖𑒰𑒋।

𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒹𑒏 𑒒𑒩 𑒍 𑒖𑒲𑒫 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒧𑒢𑒧𑒰𑒢𑒲 𑒏𑒩𑒋 𑒮𑒏𑒋। 𑒞𑒳𑒔𑓂𑒕 𑒂𑒠𑒩𑓂𑒬𑒏 𑒮𑓀𑒑। 𑒞𑒰𑒢𑒰𑒬𑒰𑒯𑒲𑒏 𑒥𑒢𑒱 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒒𑒩, 𑒒𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏, 𑒔𑒰𑒯𑒹 𑒍 𑒯𑒧𑒩 𑒒𑒩 𑒯𑒼 𑒫𑒰 𑒏𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏। 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒃𑒋𑒯 𑒟𑒱𑒏। 𑒒𑒩 𑒏𑒰𑒚 𑒁𑒟𑒫𑒰 𑒄𑒙𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒯𑒱, 𑒯𑒳𑒏𑓂𑒧𑒮𑒿 𑒥𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒒𑒩 𑒦𑒴𑒏𑓀𑒣 𑒁𑒟𑒫𑒰 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒯𑒱, 𑒯𑒳𑒏𑓂𑒧 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒙𑒳𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒒𑒩 𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒧𑒹 𑒏𑒹𑒍 𑒁𑒩𑒧𑒰𑒃𑒮 𑒏𑒩𑒋 𑒮𑒏𑒪। 𑒒𑒩 𑒍 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒧𑒹 𑒯𑒰𑒟 𑒅𑒚𑒰 𑒏𑒩𑒋 𑒠𑒋 𑒠𑒱𑒎𑒏। 𑒖𑒏𑒩𑒰 𑒦𑒰𑒑𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒯𑒼𑒋𑒞𑒻𑒏 𑒮𑒹 𑒦𑒹𑒙𑒞𑒻𑒏।

𑒒𑒩 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒧𑒼𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏 𑒧𑒩𑓂𑒖𑒲𑒮𑒿 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒒𑒩𑒹 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒩𑓂𑒖𑒲 𑒏𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏 𑒧𑒩𑓂𑒖𑒲 𑒥𑒳𑒗𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒄𑒯𑒼 𑒧𑒼𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒁𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 𑒏𑒞𑒋𑒮𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒄 𑒒𑒩𑒹 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒹 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒏𑒋 𑒏𑒼𑒞𑒫𑒰𑒪𑒏 𑒣𑒠𑒫𑒲 𑒠𑒋 𑒣𑓂𑒩𑒔𑒳𑒩 𑒨𑒼𑒑𑓂𑒨𑒞𑒰 𑒂 𑒮𑓀𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰𑒏 𑒁𑒕𑒻𑒞𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒹𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒍 𑒏𑒼𑒞𑒫𑒰𑒪𑒲𑒏 𑒞𑒑𑒧𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒁𑒢𑒹𑒩𑒼। 𑒄 𑒒𑒩𑒹 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒹 𑒏𑒼𑒞𑒫𑒰𑒪 𑒥𑒢𑒱 𑒮𑒴𑒞𑒱 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒢𑒱𑒢𑓂𑒢𑒧𑒹 𑒑𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒋-'𑒖𑒰𑒑𑒪 𑒩𑒯𑒱𑒁𑒯 𑒯𑒼 𑒦𑒰𑒋। 𑒂 𑒔𑒼𑒩 𑒔𑒳𑒣𑓂𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒧𑒰𑒪 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒱 𑒪𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।𑒒𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒮𑒙𑒰 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒠𑒮𑒙𑒰 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒹 𑒖𑒹 𑒮𑒠𑒱𑒐𑒢 𑒪𑒰𑒪 𑒙𑒩𑒹𑒮 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒂 𑒄 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒠𑒱𑒐𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒏 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒗𑒳𑒏𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒁𑒢𑒰𑒨𑒰𑒮। 𑒒𑒩𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒩𑒠𑒢𑒱𑒧𑒹 𑒋𑒏 𑒪𑒰𑒐 𑒯𑒰𑒟𑒲𑒏 𑒂𑒫𑒰𑒖 𑒩𑒯𑒻𑒞

𑒕𑒻𑒏। 𑒏𑒢𑒱𑒏𑒼 𑒐𑒐𑒮𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒣𑒋𑒩 𑒟𑒏𑒧𑒏𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒏𑒰𑒢 𑒤𑒰𑒙𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒧𑒰𑒟 𑒠𑒳𑒐𑒰𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒧𑒢𑒹। 𑒪𑒑𑒰𑒯𑒱-𑒢𑒠𑒲 𑒥𑓀𑒠 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏।

𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑓀𑒦𑒱𑒏 𑒫𑒰𑒏𑓂𑒨-: 𑒒𑒩 𑒯𑒙𑒱𑒪𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒫𑒰 𑒯𑒙𑒱𑒪𑒹 𑒒𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒐𑒼𑒖 𑒏𑒩𑒥 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏।

𑒒𑒩 𑒍 𑒖𑒑𑒯 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒚𑒰𑒧𑒏 𑒒𑒻𑒪𑒧𑒹 𑒢𑒼𑒩 𑒦𑒩𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒂 𑒔𑒴𑒪𑓂𑒯𑒰𑒣𑒩 𑒔𑒜𑓃𑒰𑒍𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒯𑒿𑒮𑒲। 𑒣𑒱𑒂𑒮 𑒪𑒑𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒪𑒼𑒏 𑒢𑒼𑒩 𑒣𑒱𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒂 𑒦𑒴𑒐 𑒪𑒑𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒯𑒿𑒮𑒲 𑒔𑒱𑒥𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒮𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒥𑒱𑒢𑒳 𑒪𑒱𑒐𑒢𑒹 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒯𑒼𑒋𑒥𑒻𑒏। 𑒒𑒩𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒖𑒐𑒢 𑒪𑒑𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒯𑒼𑒋𑒞𑒻𑒏 𑒞𑒐𑒢 𑒢𑒼𑒩 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒻𑒞 𑒯𑒼𑒋𑒞𑒻𑒏 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒱 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒖𑒰𑒋 𑒏𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒯𑒿𑒮𑒲। 𑒂 𑒪𑒼𑒏 𑒖𑒞𑒋 𑒪𑒑𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒤𑒳𑒙𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒧𑒼𑒢𑒱। 𑒠𑒱𑒮𑒰 𑒤𑒱𑒩𑒪𑒰𑒯𑒰 𑒖𑒑𑒯𑒣𑒩 𑒖𑒢𑒧𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒑𑒰𑒕। 𑒏𑒟𑒲𑒏 𑒮𑒹 𑒮𑒼𑒔𑒱 𑒪𑒱𑒁। 𑒂 𑒧𑒼𑒢𑒱 𑒖𑒞𑒹𑒏 𑒑𑒯𑒲𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒔𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒍𑒯𑒱 𑒧𑒯𑒏 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒮𑒳𑒐𑒰𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒑𑒰𑒕 𑒖𑒞𑒹𑒏 𑒢𑒧𑒯𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏, 𑒧𑒢𑒯𑒴𑒮𑒲 𑒍𑒞𑒥𑒹 𑒢𑒧𑒯𑒩 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒑𑒰𑒕𑒏 𑒛𑒰𑒩𑒱-𑒣𑒰𑒞 𑒢𑒧𑒩𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏, 𑒮𑒰𑓀𑒮𑒰𑒩𑒱𑒏 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒖𑒏𑒰𑒿।

𑒯𑒿, 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒂𑒩𑒼 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒣𑒰𑒯𑒳𑒢-𑒣𑒩𑒏 𑒁𑒋𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒒𑒻𑒪𑒏 𑒢𑒼𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒯𑒪 𑒯𑒿𑒮𑒲 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒣𑒰𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒖𑒐𑒢 𑒪𑒑𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱 𑒞𑒐𑒢 𑒧𑒼𑒢𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒤𑒳𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒯𑒿, 𑒠𑒱𑒮𑒰 𑒤𑒱𑒩𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒑𑒰𑒕 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒖𑒢𑒧𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒂 𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑 𑒠𑒹𑒥𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹𑒮𑒿 𑒖𑒢𑒧𑒪 𑒑𑒰𑒕𑒏𑒹𑒿। 𑒧𑒼𑒢𑒱 𑒤𑒳𑒙𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒑𑒰𑒕 𑒖𑒢𑒧𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒒𑒩𑒼-𑒔𑒪𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒋।

𑒁𑒢𑓂𑒞 𑒫𑒰𑒏𑓂𑒨 - : 𑒢𑒼𑒩 𑒂 𑒯𑒿𑒮𑒲𑒏 𑒧𑒰𑒿𑒗 𑒒𑒩𑒏  𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒕𑒻𑒏।

𑒒𑒩 𑒍 𑒖𑒑𑒯 𑒟𑒱𑒏, 𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒚𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒠𑒴 𑒙𑒰 𑒥𑒰𑒙 𑒤𑒳𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒑𑒴 𑒠𑒢𑒹 𑒂 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒠𑒢𑒹। 𑒥𑒰𑒧 𑒠𑒯𑒱𑒢𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒹 𑒢𑒯𑒱। 𑒂𑒑𑒴 𑒧𑒯𑒿𑒏 𑒥𑒰𑒙 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒥 𑒞' 𑒒𑓀𑒙𑒰 𑒦𑒩𑒱 𑒪𑒑𑒞 𑒔𑒾𑒥𑒙𑒱𑒂𑒣𑒩 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒥𑒰𑒧𑒹। 𑒂 𑒔𑒾𑒥𑒙𑒱𑒍 𑒞𑒹𑒯𑒢𑒹। 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒥𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳𑒮𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒙𑒰 𑒥𑒰𑒙 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒪 𑒂 𑒤𑒹𑒩 𑒍𑒯𑒱 𑒋𑒏-𑒋𑒏 𑒥𑒰𑒙𑒏 𑒬𑒳𑒩𑒴𑒂𑒞𑒹 𑒧𑒹 𑒔𑒾𑒥𑒙𑒱𑒂 𑒤𑒳𑒙𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒻𑒏 𑒂 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒬𑓁 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒹𑒏 𑒥𑒰𑒙𑒧𑒹 𑒋𑒯𑒢𑒰𑒯𑒱𑒞𑒹 𑒔𑒾𑒥𑒙𑒱𑒂 𑒤𑒳𑒙𑒪 𑒕𑒻𑒏। 𑒂 𑒁𑒯𑒰𑒿

चौबटियापर पहुँचि, थकमका जाएब। अथ-उथमे पड़ि जाएब। किछु नहि फुराएत देत। कखनो सोचब जे ओहि बाटपर चलल जाए तँ कखनो ओहिपर। घनचक्कर किछु ने सुझाएत। आ एहन समयमे बात अहाँ थाकि कए ओहि ठाम बैसि जाएब वा कोनो बाटपर चलि दिअ जाएब वा पुनः घर घुरि जाएब जहाजक चिड़ै जकाँ। आ जँ पाछूक बाट पकड़ब तँ पाँचो मिनटसँ बेसी नहि लागत चौबटियापर पहुँचएमे। मुदा ओहि चारि मिनटमे पाँच जुगक अनुभव भए जाएत। गोड़लासँ आगू बढ़ि जाएब जँ ओहि मेहक नकिलक बातीसँ आँखि माथ सहि-सलामत बचा लेल तँ। आगू बढ़लापर दूटा घर बीचक एकटा गली भेटत छैक। देहसँ कम्म चौड़। कहिओ देबालमे लागि छिलि जाएत। कहिओ किछु। अगत्या पार कए जेबैक अहाँ कोनाहुतो ओहि गलीकेँ। आबि जाएब चौबटियापर। मुदा चौबटियापर पाछूक बाटसँ पहुँचबाक पछातिओ अहाँक आगू मे ओएह सनातन प्रश्न आबि ठाढ़ भए जाएत। कोन बाटपर बढ़ल जाए। निर्णय नहि कए सकब से हमरा बुझल अछि। आओर अंत मे ओएह तीनटा उपाय-थाकि कए बैसि रहब वा अनचिन्हार बाटपर पएर बढ़ा देब वा घर घुरि आएब।

ई घरे थिक जे दू-दूटा बाट बान्हिओ कए ककरो आँगा नहि बढ़ए दैत छैक। वृहस्पतिओ ग्रहसँ बेसी आकर्षण शक्ति छैक एकरामे। जेना प्रबल शक्तिसँ अहाँ बाटपर बढ़बाक प्रयास करब एकर शक्ति ओतबे बढ़ल जाइत छैक। ताहिक समकालीन बाल जकाँ। आ अंतमे तुकारए लेत आ अपना पेटमे घोर अन्हारमे। पटकैत रहू माथ एहि देबालसँ ओहि देबालपर। टूटत नहि। छूटत नहि।

निष्कर्ष वाक्य-: घर दू मुँहा अजगर थिक।

घर ओएह थिक जे युग-युगसँ दुरगा बनबाक देखैत देखैत मरि जाइत अछि। घर कहिओ ने बनि पबैत अछि दुरगा। दुरगाक दसटा हाथ आ एकटा मुँह देखि घर सोचैत रहि जाइत अछि जे दुरगे जकाँ हमरो दसटा हाथसँ अबति आ एकटा मुँहमे जाइत से कतेक नीक होइतैक। मुदा ई सपना देखिते-देखिते ओ भए जाइत छैक रावण। अबैत छैक दूटा हाथसँ मुदा जाइत छैक दस टा मुँहमे। कखनो कs

घर व्यवहार आ नानाक रक्तसंबंधक प्रसंगमे सोचए लागल अछि सत्ते चतुर्मुखीक संतान दसमुखी केना ने हो।

कहिओ-कहिओ घर सोचैत अछि जे दुनू नहि सहि गामेश करैक नहि जाए जाइत छी। पेट भरल मनुष्यक मूँह भरल जानवरक। जानवरक मूँहसँ दूध-पात चिबाए सकैत छी। सोहारी आ भात तँ खएबामे कोनो दिक्कत नहि। मुदा घरक ई सभ मनोकामना पूरा नहि भए पबैत छैक। आ नहि जाइत छैक ओ पहिने जकाँ। कहिओ कए अपनाशिमे घर बिसुनाए लागल अछि आ ओहि कालमे ओकर बड़बड़ेनाइ चालू भए जाइत छैक। बड़बड़ेनाइमे ई मुख्य रहैत छैक प्रार्थनाक रूपमे-हे भगवान वा तँ हमरा मूँहे गाएब कए दिआ वा पेट। ई दूनू बड़का गुंडा अछि। प्यास कए ई पेट। आ अंतमे ई प्रलाप सेहो बन्द भऽ जाइत छैक आँखिक संगे-संग।

निष्पत्ति वाक्य -: घर बड्ड कष्ट सोचैत छैक मुदा ओ पूरा नहि भए पबैत छैक।

घरे एकटा एहन जीव होइत अछि जे अपना भीतर बालक गोल हरेक शब्दकेँ रोकबाक लेल छोटोसँ छोट भुरकी बन्द कए दैत अछि। ई जनितो जे शब्दक दूत बसात होइत छैक। आ घरे तँ छैक जे दोसर डाहक गप्प सुनबाक लेल टाट की चारोकेँ हटा दैत छैक चाहे ओहिमे रहए बलपर पाथर खसौक वा पानि पड़ौक वा नीद लागौक। कोनो अरारि नहि घरपर। आ एहन सामर्थ्य तँ घरे के हो जे घर मे रहएबाला सभ पाथर, पानि नीदसँ भरि जाइत छैक मुदा ओ अपन काज करएक नहिंन होइए।

छोट वाक्य -: घर मने ओ व्यापारी भेल जे करैक लाभ लेल बड़का हानि के मोजर नहि दैछ आ बुझैछ जे हमरा पौ बारह अछि।

कहिओ अहाँ सभ सोचलहुँ अछि जे आइनक घर आ दरवाजाक घरमे की अंतर होइत छैक। नहि ने। प्रयासो नहि कएने होएबैक। ओना दरवाजापरक

𑒒𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒒𑒩 𑒏𑒯𑒪𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒞𑒃𑒍। 𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩 𑒧𑒢𑒹 𑒒𑒩𑒥𑒻𑒂 𑒏𑒹𑒥𑒰𑒛𑓃 𑒪𑒑𑒰 𑒪𑒹𑒞𑒰𑒯 𑒞𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒠𑒱𑒮𑒱𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞। 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 𑒦𑒃𑒍 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒂 𑒢𑒯𑒱𑒍 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒏𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒑𑒼𑒙𑒰𑒏 𑒒𑒩 𑒂 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒙𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒙𑒰𑒙 𑒯𑒙𑒰 𑒠𑒱𑒎𑒏 𑒏𑒼𑒢 𑒒𑒩 𑒩𑒯𑒞 𑒏𑒼𑒢 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰 𑒮𑒹 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒻𑒍 𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩 𑒂 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒁𑓀𑒞𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏।

𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒏𑒩𑒼𑒣𑒩 𑒐𑒱𑒮𑒱𑒂 𑒏𑒋 𑒯𑒰𑒟 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒱𑒥𑒻𑒏 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒔𑒳𑒣 𑒩𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒞𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 𑒂𑒢 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒅𑒣𑒰𑒨 𑒢𑒯𑒱। 𑒏𑒰𑒩𑒰𑒧 𑒖𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒏। 𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒹𑒍 𑒢𑒼𑒩 𑒥𑒯𑒰 𑒏𑒋 𑒙𑒰𑒙𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒟𑒰 𑒏𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒢𑒼𑒩 𑒏𑒲 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒯𑒿𑒮𑒱𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒯𑒿𑒮𑒥 𑒞𑒿 𑒪𑒏 𑒥𑒞𑒰𑒯 𑒥𑒴𑒗𑒞। 𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒏𑒰𑒣𑒲 𑒂 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒏𑒪𑒧 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒪𑒐𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒏𑒪𑒹𑒖𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣। 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩 𑒧𑒯𑒿𑒏 𑒏𑒰𑒿𑒣𑒲𑒣𑒩 𑒪𑒐𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒢𑒴𑒢-𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥।

𑒢𑒧𑒯𑒩 𑒫𑒰𑒏𑓂𑒨-: 𑒂𑒓𑒢𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒯𑒖𑒞𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒵𑒞𑓂𑒩𑒱𑒧𑒞𑒰।

𑒒𑒩 𑒧𑒢𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒍𑒯𑒢 𑒧𑓀𑒔 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒣𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒯𑒩 𑒮𑒧𑒨 𑒩𑓀𑒑-𑒥𑒱𑒩𑓀𑒑𑒲 𑒔𑒾𑒏𑒲 𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒢𑒰𑒔। 𑒋𑒯𑒲 𑒔𑒾𑒏𑒲-𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒢𑒰𑒔𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒏 𑒑𑒿𑒛𑓃𑒒𑒱𑒧𑓂𑒧𑒰 𑒢𑒰𑒔 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒟𑒱। 𑒂 𑒢𑒰𑒔𑒧𑒹 𑒢𑒙𑒳𑒂𑒏 𑒖𑒹 𑒒𑒴𑒧𑒻 𑒒𑒩𑒏 𑒧𑒴𑒿𑒯 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒒𑒴𑒧𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒢𑒰𑒔 𑒐𑒞𑓂𑒧 𑒦𑒹𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒔𑒾𑒏𑒲 𑒙𑒴𑒙𑒪 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒦𑒹𑒙𑒞𑒻 𑒏𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒞𑒻। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒙𑒴𑒙𑒪 𑒧𑓀𑒔, 𑒙𑒴𑒙𑒪 𑒒𑒩 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒢𑒰𑒔 𑒬𑒳𑒩𑒴 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒔𑒾𑒏𑒲𑒞𑒼𑒛𑓃𑒏 𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑓀𑒞𑒧𑒹 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒢𑒰𑒧 𑒩𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒒𑒩𑒞𑒼𑒛𑓃। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄𑒯𑒼 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒁𑒖𑒑𑒳𑒞𑒹 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒱 𑒢𑒰𑒔𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒯𑒩𑒹𑒏 𑒥𑒹𑒩 𑒬𑒳𑒩𑒴 𑒧𑒹 𑒔𑒾𑒏𑒲𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒂 𑒁𑓀𑒞𑒧𑒹 𑒒𑒩𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒩𑒯𑒱𑒞𑒹 𑒕𑒻𑒏। 𑒪𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒢𑒰𑒧 𑒣𑒮𑒱𑒢𑓂𑒢 𑒕𑒻𑒏। 𑒋𑒏𑒻𑒙𑒰 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒑𑒳𑒖𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒔𑒪𑒞𑒻। 𑒂 𑒄 𑒒𑒩𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒱 𑒢𑒰𑒔𑒧𑒹 𑒍 𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀 𑒦𑒴𑒧𑒱𑒏𑒰 𑒪𑒋 𑒂 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒼 𑒒𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒦𑒴𑒧𑒱𑒏𑒰 𑒠𑒻𑒋। 𑒂 𑒮𑒦 𑒧𑒲𑒪𑒱 𑒏𑒋 𑒐𑒹𑒪𑒻𑒋 𑒔𑒾𑒏𑒲𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒅𑒩𑓂𑒤 𑒒𑒩𑒞𑒼𑒛𑓃 𑒢𑒰𑒔।

𑒂𑒣𑓂𑒞 𑒫𑒰𑒏𑓂𑒨 -: 𑒒𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒧𑓀𑒔 𑒕𑒻𑒏 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒣𑒩 𑒢𑒰𑒔 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒏। 𑒮𑒦 𑒧𑒲𑒪𑒱 𑒢𑒰𑒔𑒻𑒋 𑒂 𑒐𑒳𑒬 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒮𑒰𑒿𑒗 𑒯𑒼𑒃𑒋, 𑒦𑒼𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒃𑒖𑒼𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒁𑒢𑓂𑒯𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒁𑒥𑒻𑒋। 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒪 𑒜𑒯𑒻𑒋, 𑒔𑒰𑒩 𑒙𑒳𑒙𑒻𑒋। 𑒢𑒹𑒍 𑒣𑒛𑓃𑒻𑒋, 𑒣𑒲𑒪𑒩 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒰𑒃𑒋। 𑒋𑒮𑓂𑒫𑒹𑒮𑓂𑒙𑒮 𑒏𑒢𑒱𑒂𑒃𑒋 𑒫𑒰 𑒕𑒞 𑒚𑒼𑒏𑒰𑒃𑒋। 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒋𑒏 𑒒𑒩𑒮𑒿 𑒋𑒏𑒻𑒮 𑒒𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒖𑒋𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒪 𑒥𑒰𑒔𑓂𑒨 𑒯𑒼𑒃𑒋।

𑒁𑒢𑓂𑒞𑒱𑒧 𑒫𑒰𑒏𑓂𑒨 -: 𑒒𑒩 𑒍 𑒒𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒕𑒪। 𑒒𑒩 𑒍 𑒒𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒞 𑒖𑒹 𑒋𑒐𑒢 𑒁𑒕𑒱।

*(𑒄 𑒏𑒟𑒰 𑒁𑒏𑓂𑒙𑒴𑒥𑒩-𑒠𑒱𑒮𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒹 𑒣𑒙𑒢𑒰𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒒𑒩-𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒢𑒰𑒧𑒏 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪)*

𑓓

𑒏𑒰𑒙𑒪 𑒏𑒟𑒰

𑓑𑓐 𑒖𑒢𑒫𑒩𑒲 ( 𑒮𑒧𑒨  𑒦𑒼𑒩𑒏 𑓕.𑓓𑓙 𑒧𑒱𑒢𑒱𑒙)--- 𑒂𑒃 𑒦𑒼𑒩𑒹 𑒑𑓀𑒑𑒰𑒮𑒰𑒑𑒩 𑒙𑓂𑒩𑒹𑒢𑒮𑒿 𑒠𑒛𑓃𑒱𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒩𑒹𑒪𑒫𑒹 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢 𑒅𑒞𑒩𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒛𑒹𑒑 𑒔𑒪𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒋𑒪 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒛𑒰𑒿𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒯𑒯𑒩𑒻𑒞 𑒯𑒼। 𑒛𑒰𑒿𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒅𑒣𑒩 𑒢𑒻, 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒞𑒿 𑒑𑓀𑒖𑒲𑒣𑒩𑒮𑒿 𑒁𑓀𑒑𑒰, 𑒁𑓀𑒑𑒰𑒣𑒩𑒮𑒿 𑒁𑒔𑒏𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒮𑒳𑒃𑒙𑒩 𑒂 𑒞𑒏𑒩 𑒅𑒣𑒩 𑒣𑒴𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒿𑒯𑒱𑒏 𑒖𑒻𑒏𑒹𑒙 𑒕𑒪। 𑒣𑒴𑒩𑒰 𑒧𑒰𑒟 𑒑𑒳𑒪𑒥𑓀𑒠 𑒧𑒯𑒰𑒩𑒰𑒖𑒏 𑒬𑒩𑒝𑒧𑒹। 𑒞𑒿𑒋 𑒛𑒰𑒿𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒅𑒣𑒩 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒻 𑒥𑒳𑒗𑒢𑒰 𑒑𑒹𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒛𑒰𑒿𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒕𑒪 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒡𑒼𑒞𑒲𑒏 𑒯𑒰𑒤 𑒚𑒿𑒒𑒱𑒨𑒰 𑒂 𑒞𑒰𑒯𑒱𑒣𑒩𑒮𑒿 𑒤𑒴𑒪 𑒣𑒻𑒢𑓂𑒙। 𑒞𑒐𑒢 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒏𑒲 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒥𑒳𑒗𑒻𑒞𑒻𑒏।

𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒯𑒥 𑒮𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒳𑒗𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒏𑒮𑓂𑒧𑒲𑒩𑒏 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒩𑓂𑒤𑒧𑒹 𑒥𑒠𑒪𑒢𑒰𑒃 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 𑒏𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒯𑒱 𑒑𑒣𑓂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒻। 𑒏𑒰𑒩𑒝----------------- 𑒍𑒢𑒰 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒋𑒏𑒩 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒮𑒼𑒗 𑒕𑒻 𑒂 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒞𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒱𑒞𑒹 𑒯𑒹𑒥𑒻 𑒖𑒹 𑒮𑒼𑒗 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒧𑒑𑒖𑒧𑒹 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒠𑒹𑒩𑒲𑒮𑒿 𑒒𑒳𑒮𑒻𑒞 𑒕𑒻। 𑒍𑒢𑒰 𑒖𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒏 𑒋𑒏𑒩 𑒏𑒰𑒩𑒝, 𑒕𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰

સ્વાભાવિક। મનુષ્ય જાહિ વસ્તુ આ ઓકર પરિસ્થિતિકેં આંખિસં દેખૈત છૈ ઓકરેપર ઓ વિશ્વાસ કરૈત છૈ। બિનુ આંખિક દેખને કેઓ વિશ્વાસ કરત તાહિ લેલ માથક પસેના એડ઼ીસં ચૂબએ પડ઼ૈત છૈ। ઓના એહિ ગપ્પક બીચમે હમ અપન ટાંગ અડ઼ાએબ જે કહિયો ગપ્પ દેખવાક ત વિશ્વાસ કરવાક હોઇત છૈ, ઓનાહિતો જેના કી કન્યાગત કહૈ છથિન્હ જે હમર કન્યા પવિત્ર છથિ આ વરાગતકેં વિશ્વાસ કરહે પડ઼ૈત છૈ। ઓના વરાગતક વિશ્વાસ કોના જોડ઼સં બન્હાએલ રહૈત છૈ સે હમ ન કહબ। અસ્તુ કોનાહુતો જાંઘ-ટાંગસં પાનિ હિલવૈત વેટાગિ ઘૂમ એલહું, કહિયો ખન બૈસલહું આ ઠેર ઉઠિ કએ ચાહ વલા લગ એલહું। આબ અહાં સભ અનુમાન કએ સકૈત છિએ જે ઓહિઠામ હમ નિશ્ચિત રૂપેં ચાહ પીને હએબ આ સે સ્વાભાવિક છૈ। વ્યવસ્થમે કેકરો દોકાનપર જા કએ ઠાઢ઼ ભએ જેબૈ ત ગામજન હોઇત દેરી નૈ લગત।

ગિલાસક ચાહ આધા ખતમ ભએ ગેલ છલ, આધા બાંચલ છલ ( કૃપયા અહાં લોકનિ એકરા દર્શનક વિષય ન બૂઝબ ) તખને એકટા વિચિત્ર પ્રાણીક આગમન ભેલ। ઓના એક ગોટ વિદ્વાન કહને છથિ જે મનુષ્ય અપના આપમે એકટા વિચિત્ર પ્રાણી અછિ। આબ ઓ વિદ્વાન વિચિત્ર પ્રાણીકેં દેખને હોથિન્હ કી ન મુદા આઇ હમ દેખિ લેલિ। આગંતુક પ્રાણી અહાંકેં ન પૂર્ણ રૂપેં પુરુષ બુઝેતાહ આ ન સ્ત્રી। જં ગાહિંકો નજરિસં દેખબૈ ત ઓ અહાંકેં હિજડ઼ા ન બુઝેતાહ। આબ ઓ અહાંકેં જે બુઝાથિ સે બુઝૈત રહૂ, મુદા હમરા એ પ્રસંગસં ઉતારા હુનક વયસપર એબાક ચાહી। ઓના ઓ દેખલસં સાઠિક સેહો બુઝેતાહ આ સત્તરિક સેહો, મુદા હુનક વયસ ચાલીસસં ઉપર ન। આબ અહાં સભ ઈ ન કહબ જે અહાં કોના હુનકર ટિપ્પણી વિના છિએન્હિ? સત્તે, હમ ત હુનકર ટિપ્પણી નહિએ વિના છિએ મુદા જે હમ કહલહું સે સત્ય જં ગડ઼બડ઼િઓ હૌ ત એકૈ-દૂ વર્ષક। આબ અહાં સભ ચાહ વલાક વયસ પૂછૂ। અહાં પૂછબ ત હમ ઉત્તર દેબ જે હુનકર વયસ હમરાસં વીસ હોઇન્હિ કી ઉન્નીસ છલાહ હમરે વરાબર।

આબ અહાં સભ બોર ભએ ગેલ હએબ। હસ્તિઆરા હએબ આ કેખનો ખિસિઆ કએ પૂછબ જે ઈ શાહિસ સુનૌલસં કોન લાભ। હં બાબૂ ઓના શાહિસ સુનેલસં ત કોનો

ऊब नै छै मुदा स्वाभिमान त' स्वाभिमाने होइत छै। तेँ हम कहाँ जाइयो गेलहुँ। केकरो काज कए हम अनेराहिते जाइतो छलौं जेना की मुद्रास्फीतिक वाढ़िमे घर आ घरक बजट।

हँ त' आब सुनू- ओ वरियति प्रणामी यात्री बससँ यात्री बलँगलकै। यात्री बस यात्री छाती ओकरा हाथमे देबएसँ पहिने पाइ माँगलकै आब त' बाबू करबीए छै " घर कहाँ देखेंगा, छोड़ामे की छो अंगा, टिकिट कहाँ बाबू जाएंगा " । आब त' ओहू सब बुझिए गेल हेतै, ओहू त' नहिए छी। यात्री बस बसकन्डक्टर--------- बाग सान--------माहेक---------------आहेक--------बहार--------------------
सब वरिष्ठहु उतरीले देलकै। बसकैत बाजल--- हम तुआनकेँ भीख नै देत छिऐ। जो साल बुढ़वा होता है उसीकेँ मार को ओहि छनिनी साँस को भीख देता हूँ। वरियति प्रणामी पाँच डेग पाँछा हट गेल। यात्री बस पाँच डेग पाँछा हटि गेल। हमनी यात्री प्रणाम जाए गेल छल, पाइ देलिऐ आ बढ़ि जाए गेलहुँ बस स्टेन्डक दिस।

१० तनवरी ( समय लोभक ६३८ मनिट)--- रेलवे स्टेशनसँ निकिल बाटपर एलहुँ टेम्पू पकड़बाक लेल। कछिु प्पन प्रतीक्षा करए पड़ल। टेम्पूक नै, टेम्पूकेँ आदमीसँ भरबाक लेल। टेम्पू आब यातु भेल। कन-कन बसात आ तरकनिसँ देह परमहंसीय अवस्थामे पहुँचि गेल। ने स्वस्थ तकाँ शुन्यतिनि आ ने लकवाग्रस्त तकाँ निष्क्रियि। कहुना बस स्टेन्ड पहुँचलहुँ आ पहुँचिते सूपक जाँटा भए गेलहुँ। वाम-दहिने होइत-होइत पता लागल जे बसक लेल प्रतीक्षा करए पड़त सेहो कतेक त' पौने एक घंटा। बेस कएल ता सकैए। आब अहाँ सब कहबे करब जे अहाँक प्रतीक्षा लेल हम कथिक प्रतीक्षा करू। बेस अहाँ प्रतीक्षा कथिक करब हम कहिए दैत छी। हँ, ओहि पौन घंटामेसँ तप्पन शुद्ध कए बसि मनिट बीति गेल तप्पन एगो कूटक बक्सामे कछिु हिन्दी पत्रिका लेने एकटा बच्चा आएल आ सुटसँ आँखिक आगाँमे एगो सरास-सलिल चमका कए बाजल--------

" लिखिएगा हो "

હમ પ્રતિપ્રશ્ન કરૈત પુછલિऐ-----

" મૈથિલી પત્રિકા રખૈત છહક "

હમર પ્રતિપ્રશ્નક ઉત્તરમે ઓહો પ્રતિપ્રશ્ન કરૈત પુછલક---

" માને કા "

હમ કહલિऐ-----

" જેના હાલ-ચાલ છૈ "

ऐ બેર ઓ મૂડ઼ી ડોલબૈત દીર્ઘ " ઓ " કેર ઉચ્ચારણ કેલક આ બકસાસઁ એકટા પોથી નિકાલિ દેખબૈત બાજલ------

" ઇહે હ"

આ અનચોકેમે જોર-જોર એકટા ગુઆન છૌંડાક નાટક ઓઠો આઁખિક સોઝા આબિ ગેલ આ સંગમે ગામી થોડ઼ેક સેહો સનસની આ તનતનીક અતિરિક્તા હમ ઓકરા ઓર પુછલિऐ----

" ઇ તૈ હો, ઓ જે માસિકાંત ઝા નિકાલૈ છથિન્હ સે "

ઓ છૌડ઼ા ચટ્ટ પોથીકેં ઝીરર નાખૈત બાજલ----

" ન ઊ સબ હમરે પાસ નહીં હોગા"

આ સનસનાઇત ઓ ચલ ગેલ આ હમ ઓહિ ઠામ ઠાઢ઼મે ગામીક અનુભવ કરૈત રહિ ગેલહુઁ માત્ર એકટા બસક પ્રતીક્ષામે।

૧૦ જનવરી ( સમય ભોરક ૭૫૦ મનિટ)--- બસ અપના નિયત સમયસઁ લેટ ભાए ગેલ સંગહિ-સંગ કચ્છમચ્છી સેહો ઢુકए લાગલ। એહને સમયમે પતા લાગલ

𑒖𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒞𑒿 𑒢𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒞𑒲𑒢 𑒑𑒰𑒧 𑒣𑒰𑒿𑒕𑒰𑒏 𑒥𑒮 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒝𑓂𑒛𑒮𑒿 𑒚𑒰𑒧 𑒪𑒑𑒞𑒻। 𑒧𑒼𑒢𑒧𑒹 𑒏𑒔𑓂𑒕𑒧𑒔𑓂𑒕𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒥𑒮 𑒢𑒻 𑒂𑒋𑒪 𑒕𑒪। 𑒍𑒢𑒰 𑒍𑒏𑒩 𑒋𑒥𑒰𑒏 𑒮𑒧𑒨𑒼 𑒢𑒻 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒻। 𑒖𑒹-𑒮𑒹 𑒤𑒹𑒩 𑒯𑒧 𑒪𑒑𑒲𑒔𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒏 𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒂 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒥𑒰𑒡𑓂𑒨 𑒦𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒔𑒰𑒯 𑒐𑒞𑓂𑒧 𑒦𑒹𑒪। 𑒢𑒱𑒨𑒞 𑒮𑒧𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑒴𑒩𑒪। 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨, 𑒥𑒮 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒣𑒩 𑒂𑒥𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒣𑒰𑒃 𑒠𑒻𑒞 𑒤𑒳𑒩𑒞𑒲𑒮𑒿 𑒯𑒧 𑒅𑒚𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒂 𑒥𑒮𑒧𑒹 𑒔𑒜𑓃𑒱 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒮𑒲𑒙 𑒠𑒐𑒪𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒂𑒥 𑒖𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒮𑒰𑒏𑒰𑓀𑒏𑓂𑒭 𑒯𑒋𑒥 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒕𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒂𑒑𑒳𑒋𑒏 𑒮𑒲𑒙 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒥𑒲𑒔𑒼𑒧𑒹 𑒞𑒿 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒥𑓀𑒡𑒳 𑒄 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒖𑒹 𑒯𑒧 𑒥𑒲𑒔𑒼𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒰 𑒡𑒩𑒱 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒰𑒡𑓂𑒨𑒞𑒰 𑒢𑒻 𑒯𑒼 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒁𑒑𑒳𑒁𑒋𑒪𑒹 𑒢𑒲𑒏 𑒪𑒑𑒻𑒋 𑒏𑒲 𑒣𑒕𑒳𑒁𑒋𑒪𑒹। 𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳 𑒥𑒮𑒧𑒹 𑒪𑒼𑒏 𑒧𑒞𑒪𑒥 𑒞𑓀𑒑 𑒥𑒢𑒱𑒯𑒱 𑒧𑒰𑒪-𑒖𑒰𑒪 𑒦𑒩𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒏𑓀𑒛𑒏𑓂𑒙𑒩 𑒛𑓂𑒩𑒰𑒃𑒫𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒃𑒬𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒏𑒻। 𑒥𑒮 𑒞𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏𑒩𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒢𑒻 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒏𑒩𑒴। 𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒤𑒹𑒩 𑒧𑒞𑒪𑒥𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣𑒣𑒩 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒥𑒮 𑒥𑒰𑒒 𑒧𑒼𑒛𑓃𑒮𑒿 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒥𑒹𑒪𑒰 𑒧𑒼𑒛𑓃 𑒂 𑒞𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒠 𑒠𑒛𑓃𑒱𑒦𑓀𑒑𑒰-𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒢𑒹𑒬𑒢𑒪 𑒯𑒰𑒃𑒫𑒹 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒪𑒏 𑒂 𑒯𑒢𑒯𑒢𑒰𑒃𑒞 𑒔𑒪𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪। 𑒯𑒢𑒯𑒢𑒰𑒃𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒍𑒞𑒹𑒏 𑒞𑒹𑒖𑒲 𑒖𑒹 𑒏𑒲 𑒩𑒼𑒛𑒏 𑒏𑓀𑒛𑒲𑒬𑒢 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞 𑒏𑓂𑒭𑒧𑓂𑒨 𑒕𑒻। 𑒯𑒿 𑒞𑒿 𑒪𑒑𑒱 𑒋𑒞𑒥𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒧𑒹 𑒥𑒮 𑒐𑒞𑒱𑒧𑒰 𑒔𑒾𑒏 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒂 𑒁𑒣𑒢 𑒑𑒢𑓂𑒞𑒫𑓂𑒨𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒂𑒡 𑒒𑓀𑒙𑒰𑒏 𑒠𑒴𑒩𑒲𑒣𑒩 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒯𑒱 𑒔𑒾𑒏𑒣𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒖𑒢𑒰𑒢𑒲 𑒥𑒮𑒧𑒹 𑒔𑒜𑓃𑒪𑒲𑒯 𑒂 𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒂 𑒧𑒩𑓂𑒠 𑒮𑒹𑒯𑒼। 𑒂𑒥 𑒖𑒢𑒰𑒢𑒲, 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒂 𑒧𑒩𑓂𑒠𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒏𑒲 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡 𑒕𑒻 𑒮𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒢𑒻 𑒣𑒞𑒰। 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒍 𑒠𑒴𑒢𑒴 𑒣𑒞𑒱-𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲 𑒯𑒼𑒟𑒱 𑒫𑒰 𑒦𑒰𑒋-𑒥𑒯𑒲𑒢𑒱 𑒫𑒰 𑒁𑒢𑓂𑒨 𑒏𑒼𑒢𑒼--। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒻। 𑒋𑒐𑒢𑒼 𑒋𑒯𑒢 𑒮𑒧𑒨 𑒕𑒻 𑒖𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒨𑒳𑒫𑒏-𑒨𑒳𑒫𑒞𑒲 𑒋𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒰 𑒑𑒹𑒪 𑒞𑒿 𑒪𑒼𑒏 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒏 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒐𑓂𑒨𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒏 𑒮𑓂𑒞𑒩𑒣𑒩 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒻। 𑒋𑒯𑒱 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒂𑒢𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒻 𑒄 𑒮𑒼𑒔𑒥𑒰𑒏 𑒤𑒳𑒩𑒮𑒞𑒱 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒪𑒑 𑒢𑒻 𑒕𑒻।

𑒍𑒯, 𑒯𑒧 𑒤𑒹𑒩 𑒦𑒮𑒱𑒂𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒲। 𑒯𑒿, 𑒞𑒿 𑒖𑒐𑒢 𑒥𑒮 𑒐𑒞𑒱𑒧𑒰 𑒔𑒾𑒏𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒞𑒐𑒢 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑓂𑒫𑒦𑒰𑒫𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒏𑒰𑒞 𑒧𑒴𑒿𑒯 𑒒𑒳𑒧𑒹𑒢𑒰𑒃 𑒔𑒰𑒪𑒴 𑒏𑒹𑒪𑒏। 𑒂 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒾𑒞𑒳𑒏 𑒏𑒩𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒋 𑒞𑒿 𑒍𑒏𑒩 𑒂𑒑𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒥𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒼𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒾𑒞𑒳𑒏 𑒏𑒩𑒋 𑒪𑒑𑒻𑒞 𑒕𑒻। 𑒔𑒰𑒯𑒹 𑒥𑒴𑒜𑓃 𑒯𑒼 𑒏𑒲 𑒖𑒳𑒂𑒢। 𑒂 𑒋𑒏𑒩 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒖𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒏। 𑒞𑒿 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒿𑒅𑒮 𑒋𑒏𑒙 𑒁𑒢𑓂𑒨 𑒨𑒳𑒫𑒏 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒩𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒖𑒹 𑒣𑒰𑒕𑒴𑒏 𑒮𑒲𑒙𑒣𑒩

બૈસલ છલ। બચ્ચા કહિઓ દેર ધરિ દેખૈત રહલ આ એકૈ બેર ભભા કએ હઁસએ લાગલ। હમર બગલમે બૈસલ એકટા યુવક એ ક્રિયાકલાપકેઁ દેખિ બાજલ- દેખિઔ ધાધકેઁ। બચ્ચાકેઁ હઁસા ઓકર માએકેઁ લભેતૈ।

હમ કહિઓ નૈ સકલહુઁ। જરૂરતિ કી છલ। મુદા સોચબાક લેલ બાધ્ય છલહુઁ। કી હઁસી ખાલી સ્ત્રીકેઁ ફુઁસેબાક લેલ હોઇત છૈ અથવા હઁસબાક લેલ કોનો વિશેષ કારણ વા સમય હોઇત છૈ। હમર મોન નૈ માનૈત છલ। મુદા પ્રમાણ તઁ યુવક સદ્યઃ દેને છલાહ જે હઁસીક ઉપયોગ માત્ર એહી સભહઁક લેલ કરૈએ લોક।અહાઁ સભ હમર સોચ હમર વિચારક ખંડન કરબ જે એહન ગપ્પ નૈ છૈ। આ હમહૂઁ માનૈત છી જે એહન ગપ્પ નૈ છૈ, મુદા જખન કોનો સોચકર્તા કહલકૈ જે હઁસી જરૂરી છૈ સ્વાસ્થ્યક લેલ આ તકરા બાદ જે લાફ્ટર ક્લબ, શો ઇત્યાદિ ચલલ છૈ તકરા દેખિ માનએ પડ઼લ જે હઁસીક માત્ર એકે-દૂટા ઉપયોગ છૈ।

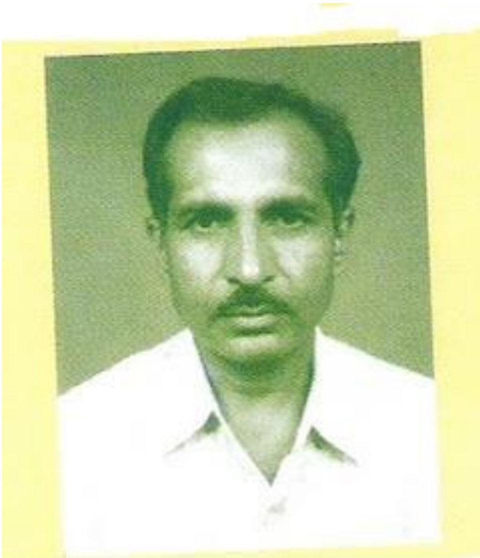
મનુખ લગ આબ સ્વાભાવિક હઁસી નૈ છૈ। સ્ત્રી ફુઁસેબાક નામપર વા નીક સ્વાસ્થ્યક નામપર હદસઁ બેસી હઁસૈત લોકકેઁ દેખિ ઇ વિશ્વાસ કરબ કઠિન છૈ જે એ ઠામ કેઓ કનિતો હેતૈ। અમીરસઁ ગરીબ સભ હઁસિ રહલ લાફ્ટર શોકેઁ સહારે મુદા સ્વાભાવિક નૈ। એહિ માહૌલમે પાઇ કોનો વિભાજક નૈ। દૂધ પબિત લોક આ માઁડ઼ પબિત લોક દૂનૂ એકે લાફ્ટર શો કે દેખિ હઁસૈત અછિ આ કામના કરૈત અછિ જે ભરિ દિન ભરિ રાતિ એહને સુખદ હુઅએ। મુદા સે કી સંભવ છૈ-------।

આ એકે હટકામે બસ રૂકલ સંગહિ-સંગ હમર વિચાર સેહો। બસક ગંતવ્ય આબિ ગેલ છલ મુદા હમર નૈ। હમરા એખન તીન ગામ આરો પાર કરબાક અછિ। મુદા જા ધરિ હમ એ તીન ગામકેઁ પાર કરૈત અપન ગામ પહુઁચી, અહાઁ સભ કોનો ને કોનો લાફ્ટર શોકેઁ દેખૂ, બલજોરીસઁ હઁસૂ આ એ ભ્રમમે રહૂ જે હમર સ્વાસ્થ્ય સુધરલ જા રહલ અછિ।

[ઇ કથા રહુઆ-સંગ્રામમે આયોજિત "સગર રાતિ દીપ જરએ" મે પઢ઼એ લેલ રહએ મુદા ઓતએ કહિઓ લેખક સભ સૂતિ રહલ રહથિ (ઓહિ સત્રક અધ્યક્ષ જાગલ રહથિ) આ તકર વિરોધ કરૈત હમ ઇ કથા નૈ પઢ઼ને રહી।]

**𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨** 𑒠𑒱𑒞𑒷𑒩𑒱𑒰𑒪𑒮𑒞𑒰𑒅𑒅𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒕𑒰𑒧𑒰𑒱𑒨𑒷𑒧 **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

𑓒𑓕𑓗. 𑒨𑒼𑒑𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰- 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒚𑒳𑒢𑒏 '𑒣𑓂𑒩𑒝𑒨-𑒣𑒰𑒬'



**डा. योगानन्द झा**

**श्री लाल किशोर मिश्र ओ हुनक 'प्रणय-पाश'**

मैथिली साहित्य ओ संस्कृतिक विकास मे प्रवासी मैथिल लोकनिक योगदानक इतिहास अत्यन्त गौरवमय रहल अछि। एकर प्रतिफल थिक जे मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक केन्द्र मिथिला सँ सुदूर भारतक गुलाबी शहर जयपुर, आधुनिक मैथिली नाटकक सूत्रपातक केन्द्र विश्वनाथक नगरी काशी आ मैथिली आन्दोलनक विशिष्ट केन्द्र विन्दु कोलकाता कहल जाइत रहल अछि। मैथिल लोकनि आजीविका किंवा आन कोनो लाथें जखन मिथिलाक धरती केँ छोड़वाक हेतु वाध्य भेलाह तँ अपना संग मातृभाषा ओ मातृभूमिक प्रति अजस्र प्रेमानुबन्ध कैँ जोगौने रहलाह आ तकर अभिव्यक्ति सांस्कृतिक अनुष्ठान ओ भाषिक सक्रियताक रूप मे होइत रहल, जकर प्रभाव मिथिला कैँ सेहो सुगवुगवैत रहलैक। आइयो प्रवासी मैथिलक भाषिक सक्रियताक दृष्टिसँ प्रोउदय नारायण सिंह 'नयकिता

',नवीन चौधरी, अशोक कुमार झा, शैल झा, लक्ष्मण झा 'सागर', शेफालिका वर्मा, डा. गंगेश गुञ्जन, मन्त्रेश्वर झा, देवशंकर नवीन, अनलकान्त, प्रकाश झा, विजय चन्द्र झा, पंकज पराशर, प्रेम कान्त चौधरी, महेन्द्र मलंगिया, विद्यानन्द झा, रवीन्द्र कुमार चौधरी, अशोक अविचल, दीपक कुमार झा, सिया राम झा'सरस', गजेन्द्र ठाकुर, सुशील, डा. महेन्द्र ,राजकुमार मिश्र, मनीष कुमार झा, वीरेन्द्र मल्लिक, विनोद कुमार झा, चन्द्रमोहन कर्ण आदिक नाम अत्यन्त आदरक संग लेल जाइत छनि। तथापि किछु एहनो छपकल मैथिली लोकनि छथि जे सर्वथा अनासक्त भावे मिथिला -मैथिलीक अर्चा -चर्चा मे दत्तचित्त छथि। एहने एकटा स्थितप्रज्ञ मैथिली कर्मयोगी थिकाह श्री राज किशोर मिश्र। मूलत: अड़रडीह, मधुबनी निवासी श्री मिश्र (जन्म तिथि: २७.०११९६०) सम्प्रति दिल्लीये मे बसि गेल छथि आ मुख्य महाप्रबन्धक (विद्युत), भारत संचार निगम लिमिटेडक' गरिमामय पद सँ अवकाश ग्रहण कयलाक बाद सँ जेना पूर्णत: काव्यशास्त्र विनोदहिक ब्रह्मानन्द सहोदरक अवगाहन मे निमग्न रहऽ चाहैत होथि, तहिना निरन्तर लेखन -प्रकाशन सँ आबद्ध भऽ चुकल छथि। गद्य आ पद्य लेखन मे समान रूपेँ निष्णात एहि मनीषीक एगारह गोट काव्य पुस्तक राष्ट्रभाषा मे तथा सात गोट कविता संग्रह,एक गोट गल्प संग्रह आ एक गोट आलेख संग्रह मातृभाषा मे प्रकाशित भऽ चुकल छनि। राष्ट्रीय ओ अन्त:राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित ओ सम्मानित हिनक पोथी सभक सामान्य लक्ष्य भने लोकरंजन होइनि मुदा विशिष्ट लक्ष्य रहलनि अछि लोकशिक्षण, जाहि मे लोक कल्याणक भावना प्रक्षेपित भेलनि अछि आ सैह सत्साहित्यक लक्षणो थिक। ई साहित्य कें वैज्ञानिकता सँ ओत-प्रोत देखऽ चाहैत छथि जकर सविशेष लक्षण डा. रामपति मिश्रक 'हमहूँ कविता लिखि सकैत छी 'आ योगेन्द्र पाठक 'वियोगी'जीक 'उड़न छू गेल ' आदि किछुए पोथी मे परिलक्षित होइत अछि। स्वभावत: हिनक रचनावली सभ मैथिली काव्यक क्षेत्र मे एकटा अभिनव ओ सुचिन्तित पदक्षेप थिकनि। मैथिली मे श्रीमिश्रक जे पोथी सभ हमरा दृष्टिपथ पर आयल अछि से सभ थिक क्रमश: चाननि, मंथन, अष्टदल; नव पात नव बात ; उपायन ,सप्तपर्ण

; નવ ઘર ઉઠય , પુરાન ઘર ખસય ; એવં પ્રત્યય -પાશ। એહિ સભ મે પ્રથમ છઓ ગોટ ૨૦૨૨ઈમે તથા તથા અન્તમિ દુનૂ વર્તમાનહિ વર્ષ મે પ્રકાશિત ભેલનિ અછિ। મૂલતઃ કવિ હિનકો ઈ રચનાકાર ગદ્યો વિધા મે અપન સ્વતન્ત્ર લેખનીક ચમત્કાર પ્રદર્શિત કરબાક પ્રયાસ કયલનિ અછિ। એહિ વિધા મે 'મંથન ' હિનક સમસામયિક વિષય પરક દસ ગોટ નિબન્ધક સંગ્રહ થિકનિ આ 'અષ્ટદલ 'આઠ ગોટ ગલ્પક સંગ્રહ। શેષ સબટા પોથી કવિતા સંગ્રહ થિકનિ જાહિ સભ મે પરમ્પરાનુમોદિત છન્દવદ્ધતા કેં યથાસંભવ મર્યાદિત રખબાક પ્રયાસ ભેલ અછિ। નયનાભિરામ જિલ્દ ઓ આકર્ષક છપાઈ-સફાઈ સઁ યુક્ત હિનક પોથી સભ સહજે સહૃદય પાઠકકેં દરસ -પરસ, અવગાહન ઓ ચિન્તનક હેતુ પ્રેરિત કરૈત અછિ। તથાપિ પૃષ્ઠ-નિર્મિતિ મે બેસી સઁ બેસી કાગત છેકબાક પ્રવૃત્તિ રાષ્ટ્રકલ્યાણક દૃષ્ટિ મે પુનશ્ચિન્તનક આહ્વાન કરૈત અછિ,તઁ તકાન્તક પાઁતી સભક વ્યવસ્થાપન અનેક સ્થલ પર સાજ -સજ્જા પર કશાઘાત કરૈત વુઝના જાઇત અછિ। વ્યયાધિક્યક પ્રતિ અન્યમનસ્કતા લેખકીય -પ્રકાશકીય ઔદાર્ય કેં પ્રતિષ્ઠાપિત કયને અછિ। શ્રીમિશ્રક કવિત્વ-શક્તિક આભા-મંડલ વૈજ્ઞાનિકતા સઁ સંપુટિત છનિ જકર શ્રેષ્ઠતમ પ્રસ્તુતિ થિકનિ સદ્યઃ પ્રકાશિત 'પ્રત્યય -પાશ 'કવિતા સંગ્રહ। એહિ મે હિનક એક કોડી કવિતા સંગૃહીત ભેલનિ અછિ જાહિ મે સમસામયિક વિષય -વસ્તુક ચયનકઽ શૃઙ્ખલાવદ્ધ જ્ઞાન કેં યથાર્થપરક, લૌકિક ઓ પ્રાયોગિક સ્વરૂપ મે પ્રસ્તુત કરૈત વિચાર - મીમાંસા કયલ ગેલ અછિ।

ઈ સભ માનવ -મસ્તિષ્ક કેં ઝકઝોરિ દેબાક સામર્થ્ય તઁ રખિતહિ અછિ સંગહિ વિશુદ્ધ રૂપેં આધુનિક પરિવેશક વિશ્વ -માનવતાક સમસ્યા ઓ તકર સમાધાનક ઉપાયક રૂપ મે કાન્તાસમ્મતિતયોપદેશક નિયોજન કરૈત અછિ ।વસ્તુ ચયનક દૃષ્ટિ મે હિનક ઈ કવિતા સભ અભિનવ ચિન્તન પરક ઓ માર્ગદર્શક પ્રકૃતિક થિક।

આધુનિક યુગ વૈજ્ઞાનિક પ્રગતિક યુગ થિક। સમ્પ્રતિ માનવ વિજ્ઞાનક બલ પર સુખ -સમૃદ્ધિક સમસ્ત સંસાધન કેં જુટયબા મે સક્ષમ સિદ્ધ ભેલ અછિ। નિરન્તર વૈજ્ઞાનિક આવિષ્કાર ઓ યાંત્રિક ક્ષમતાક

વન્દ્યષિમ્મુતાક કાનામે જૂગોઠ -ખ્ગોઠ પત માનવક સામ્નાળ્ય સ્થાપતિ જs ગેઠ અછિ। આર નહિ કેવઠ વશિવ ગ્નામક પતિકઠ્પના સાકાત સદ્વિ જs ગેઠ અછિ અપતિુ ચન્દ્ન, મંગઠાદિ ગ્નહો પત વસવાક હેતુ માનવ ઉતાહુઠ અછિ। જોળન, વસ્ત્ન, આવાસ, શિક્ષા આે મનોંતળનક નતિ્ય નૂતન સાયન પત માનવક અચિકાત સ્થાપતિ જs ગેઠૈક અછિ। આગાં સેઠાર મે વન્દ જs ગેઠ અછિ તિ વન્ષા, વાઢિ આ સમુદ્ન ચત પત માનવક નયિંત્નામ સ્થાપતિ જs ગેઠ અછિ। નોગ, વાન્યક્ય, ળંગઠી ળીવ, શીત, ઉષ્મતા આદિ સેહો માનવક નયિંત્નામ મે આવિ ગેઠ અછિ। એતs ચતિ ળે પ્નક્ૃતિ પ્નદત્ત ઠેંગા -ગેદ્ફ પત માનવક સત્તા સ્થાપતિ જs ગેઠ અછિ। મુદા પ્નાક્ૃતકિ વ્યવસ્થાક વપિનીત ચઠવાક હેતુ માનવ કેં પ્નક્ૃતકિ વ્પિુઠ શોષામ કનવાક વાચ્યતા નહૈઠક અછિ, ળકત પતણિામ ઇ જોઠ અછિ ળે વગઠદઠ પ્નક્ૃતિ અનેક સમસ્યા ઠs કs ઉપસ્થતિ જs ગેઠ અછિ ચથા માટકિ ઉત્વના શક્તકિ અજાવ, ગઠૈત હમિનદ ળન્ય પ્નઠય -પ્નવાહ, ળઠ પ્નદૂષામ, વાયુ પ્નદૂષામ, અસામયકિ ઋતુ ચક્ન, સ્ટૈત આેળોન પતત ળન્ય અસાય્ય ઉષ્મતા, વનક વનિાશ ળન્ય વાઢકિ પ્નકોપ, પ્ૃથ્વીક ગાન્જસ્થ ળઠ -તઠક નમિ્નગામતિા, મનુજૂમકિનામ, ળૈવ વવિચિતાક વનિાશ,અંતનકિષીય ઉત્પાત,ધ્વનિ પ્નદૂષામ , પ્નકાશક ગેડયિોચન્મતિા, પ્નાક્ૃતકિ શીતઠતાક અજાવ, કંક્નીટકિનામ, સાંસ્ક્ૃતકિ વકિ્ૃતિ, પન્યાવનામ પ્નદૂષામ, આગાંમ પીઢીક હેતુ ળપાઠ અન્યકાનમય જવષ્યિ આદિ। શ્નીમશ્નિ 'પ્નઠય-પાશ' કવતિા સંગ્નહક કવતિા સજક માધ્યમે એહને સમસ્યા સજ પત ગહન ચતિ્તન કય સમાયાનક ઉપાય સજ દસિ ઇંગતિ કયઠનિ અછિ। સ્વજાવત: હતિક કવતિા સજ મે વળિ્ઞાન આે સાહતિ્યક ગઠળોડ જેટૈત અછિ, અસતતુઠતિ વકિાસ પત પ્નહાનપૂત્વક પ્નક્ૃતકિ સંગ તાઠમેઠ વૈસયવાક શકિ્ષામ -પ્નશકિ્ષામ જેટૈત અછિ, મુદા સે જેટૈત અછિ ઉપદેશાત્મક થોપઠ સ્વન્નૂપ મે નહિ, અપતિુ શ્ૃડ્ખઠાવદ્ય ળીવન -મીમાંસાક માધ્યમે, ળે સહળે ગ્નાહ્ય જs ળાઇત અછિ, ખાસ કs સંવેદનશીઠ સહ્નદય કેં। એતાવતા ઇ સંગ્નહ મૈથઠિ કવતિા વધિા કેં કવકિ સમસામયકિ આે પ્નગતવિાદી દ્ૃષ્ટકિોમ સમ્પન્ન અતુઠનીય દેન થકિનિ। અપેક્ષા કયઠ ળા સકૈછ ળે ઇ સંગ્નહ મૈથઠીક કવિ-સમુદાય કેં

નતિ્ય નવ યન્તિન દસિ પ્રેમાતિ કરાતની।
પ્રાઉય-પાશક કવિતા સવ પ્રાસાદ ગુણ સમ્પન્ન અછિ તેં અર્થક નિર્વચન મે કતહુ વાધા નહિ અવૈત અછિ। કવિ એક દસિ ળઁ ગામ -ઘરક વોઉી -વાણીક સહળતા કેં અપનાવૈત તદ્ભવ ઓ દેશળ શવ્દાવલીક પ્રયોગ કરૈત દેખ્યિ પડૈત છથિ, તઁ તત્સમો શવ્દક પ્રયોગ મે ઓહિના નિષ્ણાત વુદ્ધિ ળારત છથિ। સે હિનક અધ્યયનશીલતા ઓ વૈદ્વત્તાક પરિચાયક થિક। હહરાઉ, હહરાઉ, ટઘરાઉ, હુઉસઉ, ઙુઉસઉ, સદૃશ શવ્દાવલીક સંગહિ રશ્મિ, ળઉનધિ, અપશષ્ટિ, કોકિલ, શશિમિ સદૃશ શવ્દાવલીક પ્રયોગ સોહાઓન અછિ। યત્ર -તત્ર વૈદેશળ શવ્દોક પ્રયોગ મે કવિ કોતાહી નહિ કયલનિ અછિ।
એકટા કવિતા 'નવ ળીવન -સંસ્કૃતિ'મે સંસ્કૃતિક ક્ષયાત્મક પ્રતિ કવિક ળુગુપ્સા ભાવ એહિ શવ્દેં પ્રકટ ભેલનિ અછિ -
પાનિક વદલા મે કોકા કોલા।
મસલ્લા -તેલ સઁ લથપથ છોલા।।
મુર્ગા, માસુ, વર્ગર ,મોમોળ।
એકરે મતલવ ભેલૈ ભોળ।।
વગઓિા, પડુકિયા, ટકિડ઼ી, ગુડ઼પુરી।
એહિ પિકમાન સઁ ઉઠૈછ સુડ઼સુડ઼ી।।
નવતુરિયા મે હઁસી -ઠટ્ઠા।
છોટો વાત પર લટ્ઠમ -લટ્ઠા।।
કે ઉઠાઓત ઠઠરી પર, મુર્દા કે ભાર।
શવવાહન ભેલ ળા રહલ ,અંતિમ કહાર (પૃ ८४,८६)

એહિના હિનક એહિ સંગ્રહક સવટા કવિતા પાઠકક મનોમસ્તિષ્ક મે ચિન્તનક પથાર લગાવૈત ચલૈત અછિ, માનવ -કલ્યાણક માર્ગ દસિ અગ્રેષિત કરૈત રહૈત અછિ। અન્ત મે કવિક ઉપસંહૃતિ છનિ -
પ્રદૂષણ રહિત હોઅય વિકાસ।
તખને ળીવન ,તખને પ્રકાશ।। (પૃ ११८)

स्वभावतः हिनक रचनावली आधुनिक मैथिली काव्यधाराक अन्यतम निधि प्रमाणित होएत, से अपेक्षा कएल जा सकैछ।
ओना राष्ट्रभाषा हिन्दीओहु मे श्रीमिश्रक एगारह गोट पोथीक प्रकाशनक सूचना अछि जाहि मे सात गोट कविता संग्रह विधाक तथा चारि गोट खण्ड काव्य विधाक अछि। कविता संग्रह सभक नामावली अछि क्रमशः प्रवाहिनी, पुष्पोद्यान, शतभिषा, जल -लता, वेणुपत्र, कृतांजलि तथा तृषिता ओ खण्ड काव्य सभक शीर्ष अछि क्रमशः ऊर्जा -वर्धमान, संवेग, प्रदूषण तथा जल -संकट। एहि मे ऊर्जा -वर्धमान कैँ 'इंडिया बुक ऑफ रेकार्ड्स', 'एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स' तथा 'वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्ड्स' द्वारा ऊर्जा विषयक प्रथम हिन्दी काव्य तथा प्रदूषण कैँ 'इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स'द्वारा 'कम्प्रीहेन्सिव डिटेल्स ऑफ पॉल्युशन 'पर प्रथम हिन्दी काव्य घोषित कऽ सम्मानित कएल गेलनि अछि। वृत्तियेँ विद्युत अभियन्ता एहि मैथिल सपूतक जीवनोपलब्धि पर सहजहिँ गौरवान्वित भेल जा सकैत अछि।विन्द्यस्व राष्ट्रं वर्मिणी कृणुष्व।
-योगानन्द झा, भगवतीस्थान मार्ग, कबिलपुर, पो -लहेरियासराय, जि-दरभंगा -८४६००१(बिहार), म : ९३३४४९३३३०

**अपन मंतव्य** editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

## २.६.७. किशन कारीगर-मैथिली मे नयना योगी के वक्तिट समस्या आ समाधान



## 𑒛𑒰𑓆 𑒏𑒱𑒬𑒢 𑒏𑒰𑒩𑒲𑒑𑒩

## 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑒹 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒼𑒩𑒲 𑒏𑒹 𑒫𑒱𑒏𑒙 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒡𑒰𑒢

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮 𑒖𑒳𑒛𑓃𑒪 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒦 𑒋𑒏 𑒑𑒧𑓂𑒦𑒲𑒩 𑒔𑒳𑒢𑒾𑒞𑒲,𑒠𑒥𑒰𑒫 𑒂 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒼𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒏𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒄 𑒏𑒙𑒳 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒫𑒲𑒏𑒰𑒩𑒯 𑒣𑒛𑓃𑒞 𑒏𑒳𑒏𑒵𑒞𑓂𑒨 𑒏 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦 𑒏𑒞𑒹 𑒠𑒱𑒢 𑒔𑒼𑒩𑒢𑒳𑒏𑒫𑒰 𑒐𑒹𑒪𑒰 𑒐𑒹𑒪𑒻𑒞 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒏𑒳𑒏𑒵𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒗𑒰𑓀𑒣 𑒞𑒼𑒣 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒥?
𑒖𑒮𑒾𑒞𑒲 𑒏𑒩𑒹𑒥𑒰 𑒠𑒳𑒂𑒩𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒏 𑒮𑒪𑒰𑒯𑒏𑒰𑒩 𑒂𑒠𑒲 𑒫𑒑𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒧𑒲 𑒫𑒪𑒰 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒢𑒲 𑒫𑒹𑒥𑒱𑒢𑒰𑒩 𑒧𑒪𑒰𑒃 𑒐𑒰 𑒜𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒁𑒒𑒱 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒲 𑒮𑒹 𑒏𑒞𑒹 𑒠𑒱𑒢 𑒕𑒖𑒞? 𑒣𑒥𑓂𑒪𑒱𑒏 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒹 𑒏𑒳𑒏𑒵𑒞𑓂𑒨 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒌 𑒂 𑒏𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒥𑒹𑒩 𑒂𑒃 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒱𑒏 𑒠𑒪𑒰𑒪 𑒮𑒥𑒯𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒩 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒞𑒃𑒨𑒼 𑒪𑒰𑒖𑒹 𑒏𑒟𑒱𑒏 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒪𑒖𑓂𑒖 𑒦𑒹𑒪 𑒔𑒳𑒣𑒹𑒔𑒰𑒣 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒼𑒩𑒲 𑒏 𑒖𑒮𑒾𑒞𑒲 𑒏𑒧𑒰𑒃 𑒌 𑒮𑒥𑒙𑒰 𑒁𑒣𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒳𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻 𑒖𑒰𑒅 𑒔𑒴𑒩 𑒕𑒱𑒨𑒰।

𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒼𑒩𑒲 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒏𑒹 𑒏𑒰𑒩𑒝𑓁-

𑓑 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑓀𑒬 𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒱𑒏 𑒑𑒼𑒭𑓂𑒚𑒲𑒏 𑒁𑒟𑒫𑒰 𑒞𑓂𑒩𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 𑒕𑒧𑒰𑒯𑒲 𑒠𑓂𑒫𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒹 𑒥𑒯𑒩𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒻 𑒖𑒹𑒏𑒩 𑒣𑒥𑓂𑒪𑒱𑒏 𑒞𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔 𑒢𑒻 𑒩𑒯𑒻

𑓒 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒢𑒲𑒏 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒏𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒰 𑒏𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏 𑒪𑒹𑒥 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒣𑒚𑒾𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒫𑒰 𑒣𑒥𑓂𑒪𑒱𑒏 𑒞𑒏 𑒢𑒻 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒻 𑒠𑒹𑒥𑒻 𑒂 𑒢𑒻 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒼𑒩𑒲 𑒏𑒹 𑒠𑒼𑒐 𑒪𑒰𑒑𑒞

𑓓 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒣𑒚𑒾𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒏𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒧𑒰𑒡𑓂𑒨𑒧 𑒮 𑒮𑒴𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒥 𑒖𑒹 𑒍𑒏𑒩 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒁𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞? 𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒏𑒲 𑒦𑒹𑒪?

𑓔 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒁𑒣𑒩𑒱𑒔𑒱𑒞 𑒫𑒰 𑒂𑒢 𑒑𑒼𑒭𑓂𑒚𑒲𑒏 𑒫𑒰 𑒮𑓂𑒫𑒞𑓀𑒞𑓂𑒩 𑒪𑒹𑒐𑒏 𑒏𑒹 𑒧𑒾𑒪𑒱𑒏 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒏𑒹 𑒮𑒠𑓂𑒨𑓁 𑒫𑒰 𑒏𑒲 𑒣𑒻𑒩𑒼𑒛𑒲 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒧𑒩𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒏𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒅𑒏𑒯𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱

૫ નયના યોન કે દેપ્પાન બેઊ પન શ્રોકન સામૂહકિ પ્નયાસ નૈ ક શ્રોઈ યોનવા યોનની કે ગૈગાવ઼ાન વયેવાક પ્નયાસ શ્રા કુક઼ૃ઼ત્ય઼ક હ઼ાંપ ાોપ ક મૈથિઊ મે શ્રહિના હોશા એઊપ વ઼ઊ નાગા શ્રઊાપવ઼

૬ કા઼ૅપીનાઈટ શ્રયનિય઼િમ કે ળાણકાની નૈ નાપ્પવ વ઼ા સંપદાકીય઼ મણમાણા શ્રાન્મૂઊ પન યઊવ઼ ળે કે કી હ઼મના કપ ઊન?

૭ નયના યોની સદ્દ્રિય બેઊાક વાદો શ્રોઈ નયના યોન સવકે મંય દેવ શ્રા શ્રપ્પન ગાનિહવાદી ઠેકદાની કે શ્રાનાક મે નહ઼વ઼

સમાયાણઃ-

૧ નયના યોની કનણહિાન પુનુષ સ્ત્ની ળે કોઈ હોઊ ાોકન સાહિત્યિક વહષ્કિાન શ્રા કા઼ૅપીનાઈટ શ્રયનિય઼િમ કે દુશ્રાના ઠોસ ળુન્માણા ઊગોવાક યાહ઼ી

૨ નયણાકાન કે શ્રહ઼ વાન કે સૂયના મેઊ વ઼ા ઊપ્પાિ વ઼ાટ્સએપ માય્ય઼મે સૂયના શ્રવસ્સે દી ળે શ્રોકન નયના પ્નાપ્ન બેઊ ાકના વાદ પ્નકાશાિ શ્રપ્નકાશાિ કી બેઊ઼

૩ કા઼ૅપીનાઈટ શ્રયનિય઼િમ કે માણવ શ્રા ળાણકાની નાપ્પ નિષ્પિક્ષ પ્નકાશક સંપાદક વ઼્ય઼વ઼સ્થા કે મળવૂની સ ઊાગૂ કનવ઼

૪ શ્રહઁ સંપાદક પ્નકાશક કે યન્મ નિવ઼ાહ કનૌ નયના મૌઊકિાા કે ળાઁય વ઼ા મૌઊકિ નયના સંગા છેડ઼છાડ઼ કનવાક પ્નય઼ાસ શ્રવસ્સે કની

૫ મૌઊકિ નયના પ્નકાશણ ઊપ્પણ પ્નોત્સાહણ દસિ સામૂહકિ પ્નય઼ાસ મે બાગાદાિન વણ નયના યોની કે નોકે મે સહ઼્યોગા શ્રવસ્સે કની

**𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨** 𑒠𑒱𑒞𑒲𑒧𑒰𑒤𑒱𑒮𑒞𑒰𑒆𑒫𑒠𑒱𑒯𑒰𑓀𑒑𑒰𑒧𑒰𑒤𑒱𑒨𑒼𑒧 **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

𑓒𑓃𑓗𑓃𑒖𑒑𑒠𑒹𑒫 𑒏𑒰𑒧𑒞- 𑓑 𑒙𑒰 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑓖 𑒙𑒰 𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰



**𑒖𑒑𑒠𑒹𑒫 𑒏𑒰𑒧𑒞- 𑓑 𑒙𑒰 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑓖 𑒙𑒰 𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰**

**𑓑**

**𑓑 𑒙𑒰 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰**
**𑒁𑒣𑒢 𑒯𑒰𑒟𑒏 𑒥𑒯𑒳𑒏 𑒧𑒰𑒟𑒏 𑒏𑒩𑒱𑒨𑒾-𑒏𑒩𑒱𑒨𑒾 𑒥𑒾𑒕𑒱!**
𑒏𑒢𑓂𑒨𑒰𑒏𑒰𑒪 𑓑𑓒 𑒫𑒩𑓂𑒭 𑒖𑒰𑒞𑒱𑓀 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒱𑒕𑒾𑒙𑒰 𑒣𑒾𑒞𑒰𑒏 𑒂𑒏𑒮𑓂𑒧𑒱𑒏 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒐

કેઓહિમેકગોટ સમર્થક પુછલથિન કતેક કરબ વેટકાતાહિપર કન્યાગત વાલા સભ બડ઼કા કેં દહેજક દુઆરિ પરાવેટી યો વાલી વાત થીકૈક, કી કરબ?લાગલ જાય વૈસાખમે કન્યાગત ઉગલતનિ"યૌ ગોતિયા લોકનિ!"લાગલ રહલૈહ અપને સબહિ "વેટી વચાઓ-વેટી પઢ઼ાઓ "મેં।પરંચ દૂનૂ વડ઼કા દુદિશિ વેર ગેલ ઘ઼ાકાલહિપિન પતા ચલતિ ખૂબ મારપીટયર્તિ કેને રહથિક।અપન યોરયોલી એક હપ્તા સઁ દૂનૂ છૌરી અન્તયં રાખ્યિ આયલ અછાયિરિ કોર્ટમેમેળક ઉમેર તઁ તીન શાલ કમે, દૂનૂ છૌરીક નઁય પૂરલ છૈક ઉમેર ,સે કી કયલ જાય? એક નવ પક્ષયર અપેક્ષતિ ટોર્તિ દેલકર્તિ-અપન હારલ આ વહુક મારલ થર્તિ કયિો - કયિો સુનાવેછ!વણિ નતિ્ભય કે વૈસાર ખત્મ હોએતે વેટી વાળા હારલ નટુઆ સદૃશ હમાર ઞ' પંચાયત ઞરમિ ગોલલ

૨

# દૂ ટા વહિનિ કથા

## ૧

## ઉમ્મીદવારી આકર્ષણ

લાલ વાર્ પંચાયતી રાજ ચુનાવ મેં ડાઢ ઞેલાહ ,તઁ હુનક વિરોધી પ્રતિ્યાશી એકગોટ વહુઆવાલા મંડળિપર દસ ગોટેક સાગરે વાળૈત અપન ચુનાવી આકર્ષણ લેલ વાળિ ઉડલૈક ળૌ અહઁ સઁ એક ઞોટ કમ હમરા ઞેટત તઁ સદા લેલ ઞોટઞાંટ સઁ સંન્યાસ લ'લેવાદેખા યાહિ આગૂ કી હોઈછ।

## ૨

## તુષ્ટિકિરણ

વુમવર્ઈમે આર એસ એસ૦ સઁ પ્રશિક્ષણ પાવિ ગામમે એકટા ળુવક ખૂબ હિન્દૂકે વીય અપન પ્રશંસા અપને વઘાઐત રહયાતાવીય સરપંચ પદક ઈલેક્શન કેં ડુગડુગી વાળિ ગેલૈક।આોકર પરોસી એક મોહમ્મદ ખાં સાહેવ રહૈક ળે વુહેલકે -રૌ વૌઆ તોરા વ઼ાડક યારિગો તોહર ળાતિ ળે સરપંચ વનય ચલલખુન સે તોહર પરીક્ષા વર્તિ ઐવેર લેતૌકાતૌં કી કરવહિ।આ ળુવક વાળલ-હૌ રૌતો સઁ રૌત

चतुर सुजान बाला बहिन कथा सुनबे छलक बौआसबहि कहब ,हमरा जे मुखिया उम्मेदवार छथि जे, हुनके कहल सँ अपना कुटुमो कैं नँय आ हुनके माछिनीके जे गोहरा जाति सरपंचमे ठाढ छह;तकरे पोछागा एजेंट बनि तुष्टिकरणक नीति अपनायब, आहो गँ गौवाँ समाजे छथिकिकनो की दबौटमे छथि?अपने ततेक अकासम हँसयबा लागल

३

नमालत

जोखना पासंगा मारकिय नौबेर लत कयकैं तौललकादशम बरि डीसगर पड़ति डाकुरजी बाजल,बस-बस आ'गेल संतोषजनक।जोखना ततू रप्पैत कहलक हौ समांगा!वोटे जकाँ हम बुतातो जोखैत छी,तैं ने हमरा लोक जोखना नामे पतोपट्टामे जनैत अछि।आगू गप्प बढबैत रहो बाजल-हौ हमरा ठोलक नेताजी आडकाड पर सँ उतरलाह एहिबेरक सरपंचक वोटमे ,से डीके कहल गेल छैक-नमालत आ 'जेना सुस्त पैर गेल होहे हौ,से एना कपिक बुहैत छह,जानथिह बुढहो शेरकैं कतौह मौसक बदला घास ख़ाइत देखलहक हय।छैर कोनू चुनाव लागियाय दहक नै,देखमे अपने आबि जेतहुओहन उम्मीदवार तँ नौ दनिक प्रवास पर सब मास गाम सँ बाहर सामाजिक राजनीतिक जतरा करैत रहैत छैक,तैं की नमालत कोनो दिनदुरागमन केर बादक पहिल नौनोजी बहिरागी थोकैक?

४

नहला पर दहला

एक गाममे एकटा दरबार कहबै बाला मराड़ रहथिहिनका नाँगर बेटाक बियाह समय सँ नहीं होइत रहनासि एकटा मजबकिनीके कछि पाइ केर लालच द' बोर पाथलनादिोसर एकटा गाममे एक बेटीक बाप हप्पैथ रहथि ,अपन आन्हरि समर्थ बेटीक बियाह लासे आहि घटक कैं टेबि जोरा सांचा बोती आ कछि कैया थम्हबैत सुजा लागनमे बेटी बियाहैक आर देलप्पनिामध्यस्थ बजलाह-मान्यजन संग टबरातकि संग अमुक गामक दक्षिणबारि टोलमे बेटा बियाहैल चलल जाय।आलदनि आल,मंगलदनि चलाघरदुआरकि बाद लड़िकाक बाबूजी ख़ुशीमने राग प्रलाप करय लागलाह-"अबाह बेटा कोहबर गेल,राउतक मोन बढ हन्पाति

બેઉ।।
સમૈય સુનતિહીં પ્રાતિ્તા દૈત ઉત્સાહમે ગાવય્ઉગઉહ- "ગૌતો સઁ નાઉત યતુ્ત સુળાન,દૂનૂ આઁખ્યિ નિપિ્ટ દેખ્યવ વહિણ!ગહનમનુ કન્યાદાનમે ગીતહાનિકે સુપાગી યૈન ખૂવ ળેથગાન સઁ વેન બેટઉની।

## ૫

## સૌસક દિખ્યાન

મણ્શી નામૂ ળી શ્રપના દ્વિતીય સાસુનારૂ મૈનહી ગામ શ્રાયઉ નહ્યાશ્રોતય દૂપહનકા કઉમે છઃ તનકાતી,ન શ્રૈંયાન સળઉ નહૈક।ખ્યારૂકમે તીન તનહક યટની સેહો પનસઉ ગેઉ છઉક।સાસુમાય વઢ શ્રહ્ઉદ સઁ ળમાયકે નૂયિ સુની-વુહી ઘૌકાક સાગ સેહો વનૌને નહ્થનિ।તીમત તનકાતી ક' ઉઉ થાતીમે પનસઉ બાત હૂઁપાયતિ ગેઉ નહૈક।વાટીમે ગઉિગાન ખ્યારૂક સુશ્રાદ કને તીત નહ્નાસિ પહુનાઇમે એતેક વ્યુતપત શ્રપૂત્વ સાગક હોત સહતિ વાટબિતિ એકેનશિમે ગટાગટ પી ઉઉક।કાનાશ્ર વેન-વેન કૌત ખ્યાશ્ત કાઉ ળે ળીત ઉગૌન સે એકેવેન નૈ કયિ।તીત સૂશ્રાદ વુહ્તા।સાસુમાય ળેના વેટી મુહૈં પહઉિ સુનને છઉહ,સે સ્વંય દૃશ્ય દેખ્યિ પતિએઉિહાહુનકા નીક ઉગૌત દેખ્યિ શ્રાશ્રોન વાટી દન વાટી બાતિ પાનશન હનાયિન ઙગા-ઙગા સાગપત્તાક હોત પનસઉિહ।શ્રાવ તઁ શ્રપન ળાન શ્રવગ્નહમે દેખ્યિ નામૂળી વનવડ઼ઉહ-"એતેક ળે પ્નઉય કનવાક છન્હતિઁ વનુ ઘૈટ મોરૂક દૌથ નૈ! શ્રસ-વીસ કગૈત નામૂળી વનુિ દુય-દહી,શ્રમૌટ ખ્યયને થાનપિન સઁ ઉઠ સઁ પહઉિ ઐંડહાથ ઉટાક ળઉમે ઘોરૂક ઉને છઉહ।

## ૬

## હકના

એકટા શ્રત્યંત મહત્વપૂનાશ્ર બોળ ળાહ યનિ્હતિ નીતહાની ઉઉ બેઉ નહૈક,તાહિ મૈં કછિ વનુિ સદિહાસમન કૈં હકના બોળક પાંતમિ ખ્યાયઉ ડેસી સઁ વૈસઉાપનોક્ષ નુપે તકના ડેઉયિાકે કછિ તમશગીન ઉક ળે પડેને નહૈક,સે સવસઁ શ્રહગાનકૈં વ્યુતપત નુપે દત્તયતિ બ'ખ્યેઉક।ળનિકા ઉઉ બોળત ગૈયાન નહૈક સે શ્રપનાકૈં વંયતિ વુહ્ઉક।કાનાશ્ર બેઉ ળે તાયતિ બોળક વસ્તુ સૈયિ ગેઉક।તેહને ન સ્થતિ યુનાવો મૌસમ મે પાનખ્યિ ઉક પગૈખ્યૈત શ્રછાતિ કહઉ ગેઉ છૈક "વનુિ નૌતહિ

ળાईछ ળે हकना।"

**શ્રपन मंળव़्य़े** દિતોनाि़षसनाઙઙ़व़દિશાંગાનાિ़षयोन **पन पઙાઉ।**

़रद़भाभदेव़ कामत- पोथी समीक्षा एक व़मिन्श- ़१व़दि्य़ापति श्रात्मकथा केन दृष्टवीय ़रपुस्तक समीक्षाः भाઙ-भीभ ़रળગदीश प्नसाद मंडभ-उपन्य़ास "पंगू"



**ઊાઉદેવ કામત**

## પોથી સમીક્ષા એક વિમિન્શ- ૧વિદ્યાપતિ આત્મકથા કેર દૃષ્ટિવોધ રૂપુસ્તક સમીક્ષાઃ ઊાઉ-ઊાઊ રૂળગદીશ પ્રસાદ મંઙઊ- ઉપન્યાસ "પંગૂ"

૧

<u>વિદ્યાપતિ આત્મકથા કેર દૃષ્ટિવોધ</u>

વિદ્યાપતિ'ક આત્મકથા 'ઉપન્યાસ' ગોવિંદ ઝા કૃત ૧૯૮૩મેં વહ્નાયઊ નહ્યાશેષ્પન પ્રકાશન પટના'ક એહિ મૈથિલિ પોથીક દામ ૫૦ટકા સસ્ત સંસ્કનામ ૩૦ટાકા યનિ નાપ્પઊ ગેઊ છૈકાએહમિ૧૨દ૫ૃષ્ટાંકિત અછાિ૪૫અધ્યાયક પાઠ કેર અતિક્તિ આપ્પનિ પન્ના પર જનિતામે વહુત કછિ વિપોવૃદ્ય ઊપ્પક મહોદય કહિ ચુકઊ છથાિઊપ્પકક વિષયમે સંક્ષપ્તિ ળનતવ દૂનૂ જીતનક કોજન પર સ્પષ્ટ દેઊ ગેઊ યા તૈયો પાઠક વન્ગાકે મથિઉિ'ક સ્તાહાસ આ પ્રાચનિ મૈથિલિ સાહિત્યમે નુચા નપ્પને ઉપન્યાસક કથ્યશૈઊિ પર વિચિયના કરવ આવશ્યક વુઝાયત। વિદ્યાપતિ'ક યુગ આ હુનક વાંગ્મયક વિશિષળ્ઝ પ્રોળ્કૃષ્ણાયન્દ ઝા"મયંક" ળી સઁ હમના મથિઉિ વિભૂતિ સ્મૃતિ સિમાનોહ હટની મૈં વહુતનાશ ગપ્પ જોઊ નહ્યા તાહિ પ્રસંગ

કછિ પ્રશ્ન મોનમે અૌનાઇતો નહિ ગેલ ,તેઁ અપન દૃષ્ટિકોણ રાખબ પરમ આવશ્યક સન બુઝના ગેલ હમ્। વિદ્યાપતિક આત્મકથા હુનિક સર્જનાત્મક કૃતિ થિકૈન।એખનો સર્વસાધક ઉમેરમે ભરિઓ એકટા નવ પોથી મૈથિલી ભાષીક બીચ અર્થાત્ યત્રામે અછિ।હિનિક પૂર્વમે સામાક પૌતી કથા સંગ્રહ આ અંતિમ એકર્ની રચના ઝગતમે વિશિષ્ટ રૂપે મૈથિલી સાહિત્યક અક્ષય ભંડારકેં ભરને યાપ્રાયઃ કથાકાર સઁ રચનાકાર ભેકર્ત ઉપન્યાસકાર હોય દરિ વઢત ય,સે હિનિકો પર ઉતરૈત છૈક। સમકાલીન મૈથિલી ભાષામે સંવેદનાત્મક ગદ્ય લેખન કાર્યમે કથા વેસી આ ઉપન્યાસ કમ ભરિયાએલ યાતાહમિ હિનિક ભૂમિકા નીકે કહક યાહિ;પરંચ મથિલી સમાજક જનસંખ્યા આધારિત અભાળિઆન તેઁ હુનકા પકડીસ રહવા સઁ વંચિત કૈને છૈક; એહિ ઉપન્યાસકે અભાળિત વર્ગક સમર્થન વેશી ભેટલ અછિ।પરંચ વૈદેહીક અંકમે રમેશ ચન્દ્ર હા સદ્યપ્રકાશિત ઉપન્યાસ વાવત ચળળી ઉઠ્વૈત છથિ।

"વિદ્યાપતિક આત્મકથાક" આરમ્ભ વિદ્યાપતિ દ્વારા અપન ળદિગીનામા કેં ઘુરમે સુડ્ડાહ કરૈત ભેલ યા પરંચ પૌત્ર નોને દ્વારા મહાકવિ ક'આત્મકથાકેં આગાં સઁ સુરક્ષિત નકિાળિદેલ ગેલ અછિ।તદુપરાંત , વિદ્યાપતિ અપન ળીવનક અનુભવ ભાવક યીરસ્થાર આરંભ કરૈત છથિ।"હમ દ્વપ્પા પ્યોલલ।ઓહિમિ સઁ કછિ પોથી વાહર કય કાતમે રાખલ । શેષ પોથીક વર્હના પ્યોલ-સ્ઠોલિ આ કાડક પટરી હટા-હટાય ઓકર તડિતિ સભ પર દોસર કાત થકયિાઓલ। તખન વર્હલાહા પોથી સવકે સ્ઠર ઓહિ દ્વપામે દય લેલ આ નોનેકે અળ્ઞા દેલએિક ,આવ ઈ દ્વપ્પા ળતય છલૈક તતહિ રાખ્યિ આવહ।પૃષ્ઠ-૧ એહિ ઠામહેં ઉપન્યાસક હિંદી ળેકાઁ શુરૂ ભેલ છૈક। ઉપન્યાસક કથાવસ્તુ ઓઇનવંશક અંતિમ અકર રાળા હરસિંહ દેવક નેપાલ પલાયન સઁ શુરૂ હોઇત અછિ। દરવારક પ્રધાન પંડિત આઇનવાર વંશક સંસ્થાપક પુરુષ કામેશ્વર ઠાકુર દ્વારા શાસન કરવ,ફિરોળશાહ તુગલક દ્વારા હુનિકા સકર રાળા ઘોષિત કરવ,કામેશ્વર ઠાકુરક તીનગોટ કુમારમે રાળગદ્દી ક' હેતુ રાળકીય દાવપેંચ ચલાયવ ,અસલાન દ્વારા ગણેશ્વરક હત્યા,રાય અર્જુન એવં શિવસિંહમે ળનમી દુશ્મની ઓઇનવારવંશક ઝ્યોઢકિ યારિ પ્યાણ્ડમે વિભાળિત હોયવ,કૃતસિંહ દ્વારા હાળીપુરક તુર્કકે પરાળિત કરવ, દેવીસિંહ દ્વારા વાગમતિક કનિારમે

દેવકુલી ગામમે અપન રાજધાની બનાયબ, શિવસિંહ દ્વારા રાજધાનીક સ્થાનમે પરિવર્તન કએ ગજરથપુર કલાઘાટમે નવ વાસ્તુકલાક નીવદેલ આદિ મિથિલાક મધ્યકાલક ઇતિહાસ કથોપકથન શૈલીમે એહિ ઉપન્યાસમે ભેટૈત અછિ।એહિ પ્રસંગ સંધ્યા ગાયત્રીક જપ,માટિક મહાદેવક પૂજા,સોહરક સ્વરલહરી ,વશિષ્ટ મૂલ ગોત્ર સોદરપૂરાએ ,ખૌઆરએ એવં મામ્ડર કુલક વશિષ ધર્ય,વસિયવારક ઉપેક્ષા ,મૂલક આધાર પર એક-દોસરાકે છોટ-પૈઘ બૂઝબ ,ચૌપાડ઼િ શિક્ષાક કેન્દ્ર ,દર્શન્ ન્યાય -નવ્ય ન્યાયક અધ્યયન,દયાદિ કલહ,વાર્તા ભેલ,સ્ત્રી એવં દાસ વિક્રય અસહનીય કર ભાર અધિક ઉલ્લેખ એહિ સાહિત્યિક કૃતિમે કયલ ગેલ અછિ। ગેમુકાદેવીક મુસલમાન આક્રાન્તા દ્વારા બલાત્કારક પરયાસ આ મિથિલાક ધર્મશાસ્ત્રી દ્વારા ઓકરા અજાતિ બૂઝબ,પરંચ વિદ્યાપતિ દ્વારા ઓહિ ભાગલ જનિજાત ગેમુકાકેઁ અપના ઘર મેં રાખિ મૌસી બનાએબ નીક વર્ણન અછિ।૧૪મ્ શતાબ્દિમે વિદ્યાપતિ પ્રગતિશીલ દેખેલાહ યાતૈયો ઈ વિદ્યાપતિ'ક આત્મકથા નય ભ'કેઁ શિવસિંહ 'ક આત્મકથા માનલ જાયત। વિદ્યાપતિ ક' જીવન ચરિતમે ઈ કતહુઁ લિખલ નય ય જે વો સંસ્કૃત શિક્ષા ગ્રહણ કરવાક હેતુ સરસિવપાહી અયલાહસે વાત ઇતિહાસ સમ્મત નહિ રહૈત ગોવિન્દ દા વર્ણન ધરિ કયલન્હિ,એકરા સાંચ નય માનલ જા સકૈત યાલપ્પક સ્વંય મામ્ડરવંશ સઁ સંબંધ રખૈત છથિ તેં તત્કાલીન મિથિલાક માત્ર પાઁજિવિલા બ્રાહ્મણ એવં ક્ષત્રિકર્ણ કાયસ્થક ધર્ય કયને છથિ। મિથિલા'ક અસ્મિતા કિસાન ચેતના સઁ જુડ઼લ એ જેકરા યાત્રીજી ઉજાગર કયલૈન। વિદ્યાપતિ'ક આત્મકથામે મિથિલાક કિસાનક સાક્ષાત્કાર,ઓકર સામાજિક-આર્થિક દશાક ધર્ય જુલહુઁ સઁ નય ભેલ યાઅનૌકા સંસ્કૃતિ,ધરોહર આ માટિ પાનિક દિગ્દર્શન નહિ કરાવૈત યાતેં ઈ મથિલાક ઉપન્યાસ નય ઓઈનવાર વંશક વિરુદાવલી વા શાહનામા કહલ જા સકૈછ।એહિવિશક પદાધિકારી દ્વારા સરવહારા આ કિસાન ઉપર મડ઼ર સઁ પૂર્ણ લગાન નહિ અદાય કેને મંત્રીવર ચન્દ્રાકર ઓકરા હીમે ઠોકિ પડિપર છૌકયિવૈત છૈક।એકદવિસીય સ્ત્રીપૂજા હોઇત અછિ તઁ દોસર દિસ સ્ત્રીદાસી કેઁ વેચવાક પરમ્પરા દેખમે અવૈછાતેઁ ઈ ઐતિહાસિક ઉપન્યાસ નહીં વર્ણ

ओइनवार शासकक इतिवृत्ति मात्र थीक। एहि पोथीके सुविज्ञ पाठक विद्यापतिक पाँति रयनावली बूझत।

२

## पुस्तक समीक्षा: लालू-लीला

लालू-लीला: लेखक-सुशील कुमार मोदी प्रकाशक-प्रभात पेपरबैक्स ४/१९ आसफअली रोड - नई दिल्ली ०२ फोन नंबर - २३२८९७७७ पृष्ठ- १९८ (वृहद् आकार) मूल्य ₹ २००

छात्र आन्दोलनक उपज, बिहारक दूबेर सँ उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदीक "क्या बिहार भी असम बनेगा ", चारा चोर- खजाना चोर, आरक्षण, वभिद मूलक न्याय तथा बीय समर मे केरबाद आब सद्य: प्रकाशित पुस्तक'लालू- लीला"लालूजी परिवारक भ्रष्टाचार केर अंतहीन दस्तानक जीवंत दस्तावेज थीक अधिकतर एहि पोथीमे जे तथ्य देखल गेलैक,से सुमो० ४०सँ बेसीये बेर प्रेस कॉन्फ्रेंस करैत उजागर करने छथि।बिहारेटा नहिँ अपितु देशविदेशक सुधि पाठक कैँ लगैत रहैत छैक जे अखबार मेँ लालू जीक मादे आगू की बात आओल जायत। हुनकर सार्वजनिक जीवनकेँ पोल खोलैत चटगार रूपेँ सुशील कुमार मोदीजी परसैत छथि, तथ्यक आँकड़ा जानबाक हरदम मनमे जिज्ञासा बनल रहैत छैक। तेहन मेँ सम्पूर्ण खोराक भरि सामग्री प्रस्तुत पोथी मेँ अवलोकन कराय लायक भेटत। पोथीमे पाठ आरम्भ होयसँ पहिलुके पृष्ठ पर दू गोट केन्द्रीय मंत्री मा०अरुण जेटली ( वित्त आओर कारपोरेट मामला) आ मा० नितिन गडकरी ( पोत एवं परिवहन, सड़क एवं संसाधन , नदीविकास आ गंगा संरक्षण) केर उद्गार एहि अवसर पर छापल अछि। एहि लालू-लीला कैँ प्रसिद्ध प्रभात प्रकाशन निर्भीकतापूर्वक छापि पोथी (हिंदी) निर्माण कार्यमे लागल अपन ६० वर्ष पूरेलनि अछि। हिनकर प्रकाशित प्रमुख पोथीक नि: शुल्क सूची प्राप्ति लेल अपन नाम-पता ७८२७०-०७७७७ पर एस एम एस वा मिस्डकॉल देबालेल आखरी कभर पर विज्ञापन लागल पायब । एहिक संग ६५ वर्षीय लेखक सुशील मोदीक रंगील फोटोयुक्त हुनक संक्षिप्त जीवन परिचय पर

अपनेक नजरि सेहो जायत। सुशील कुमार मोदी जीक लेखकीय पन्ना शुरुआत सँ पहिल प्राक्कथनमे भारत सरकारक माननीय मंत्री रविशंकर प्रसाद (कानून व न्याय, इलेक्ट्रॉनिक एवं आईटी) केर सारगर्भित व लेखककेँ हार्दिक बधाइ दैत, हुनक राजनीतिक संगी सभक जिक्र सेहो पढ़बाक भेटत। एहि हिंदी किताबमे अंग्रेजी डेटा केर सेहो जगह-जगह समावेश करैत पोथीके आकर्षित बनाओल गेल अछि। तैयो हिंदी साक्षरता सँ कम पढ़ल-लिखल व्यावहारिक पोथीक सारांश जानयमे दोसर शिक्षित लोकक सहारा लिअ पड़ैक। पोथीमे कतौ खामी नहि, परंच खूबी आ खासियत दृष्टिगोचर होयत। प्रायः युवा पीढ़ीक पाठक (ग्राहक) पोथी किनैतकाल बुकस्टॉल पर पोथीके उनटाबैत पुनटाबैत समय चित्रांकनक एक झलक पाबय आ नेत्रतृप्तिक आनन्द उठाबैत छैक, से एहि पोथीमे सचित्र भेटत।

मोदीजी बढ़ सौष्टव अनुवादमे एहि पोथीमे विषय वस्तुके अनुक्रममे सजौने छथि। प्रमुखरूपे एहिमे खोखा कम्पनी, दान वसियत, पावर ऑफ एटॉर्नी आ हरेक कालक बदलामे जमीन- मकान हथियेबाक लालू परिवारक नायब फंडा दरसौने अछि। अधिक जनतब लल आवश्यक रूपे पढ़ू आ एहि पोथीके घरेलू पुस्तकालय मेँ संग्रहित करबाक मोन मानजियत । लाला'क अर्थ व बेटा-बेटी मोहमे पैसल लालू- राबड़ीजीके सेहो ई पोथी हाथु सँ बँचबाक सबक दैत अनायास रूपे देखायत छैक।

परस्पर विरोधी राजनीतिक गलियारामे एहन पोथी छूहक्का उड़ेबाक संभावना बनल रहैत छैक।

३

<u>जगदीश प्रसाद मंडल-उपन्यास "पंगु"</u>

एहिबेरक मैथिली भाषा मेँ मूल पुरस्कारक विजेता चर्चित साहित्यकार श्री जगदीश प्रसाद मंडल,हिनक उपन्यास "पंगु" साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत भेल अछि।१०वर्षपूर्व हिनक पोथी "गामक जिन्दगी"केँ सेहो रविन्द्र एवार्ड "नेशनल "भेटल रहनि।हालहिमे हिनक नवपोथी "संचरण" केँ लोकार्पण 'सगर राति दीप जरय'बेनर तर सहरसा मंच, मैथिली कथा

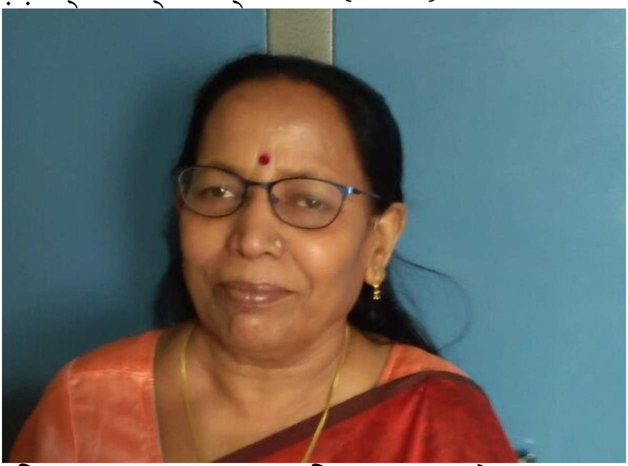
गोष्ठीमे भेल अछासियह कथा पोथी पल्लवि प्रकाशन सँ सद्यःप्रकाशित' संचरण 'हमरो भेटल रहय,ताहि पर मधुरामे बालक मौका नहिं हाथ लागल छलैक पाठ पढ़ियो नहिं पेने रहि।ओहिक कथा सन्तैरमे- टुटा क' खसि पड़लैन,मृत्यु सजियापर पड़ल वृक्ष बाबा, संचरण, जिन्दगी सँ प्रेम,परिवामे बसैत गेल, जिन्दगी पछैर गेल आ श्रमहीन कथा मैटर जे उपलब्ध भेल छल,पढ़ि लेने रहि।बड़ नीक लागल रहय।श्री मंडल जीक प्रस्तुत पोथीक आख्रापीठ समुद्रलंघन एहिबीच पढ़बाक सौभाग्य प्राप्त भेल।मानव आर्ट सँ छपल "संचरण " कें सरकार सँ इषभण (९७८-९३-९३१३५-१६-२) प्राप्त छन्हि।१०१ पृष्टक एहि पोथीक दाम मात्र ०२५०टाका निर्धारित छैक।२०२२में बहरायल ई पोथी मातृभाषा मैथिलीक अक्षय भंडार कें भरयमे एक डेग आरो आगू बढ़ल।ख्यातविद्य जगदीश प्रसाद जीक लेखनशैली वा रचनाधर्मिता तेहन ने होइछ जे कथाक पात्र केर कथ्य प्रदर्शन घुमाकय सोहगार रुपे समेटल बुझाइछ,से नव पाठक कें सेहो बोधगम्य भाषा शैलीकें स्वरचिछसन तथ्य समृद्धि-वृद्धि जायबामे कोनू भांगठ नहिं रहैन।सैकड़ो मैथिली पोथीक लेखक एहि १०सालमे गतिमान रचनाकार मंडल जी नहिहे कतेको विधामे कलम चलेने छथि।आख्रापीठ क्र१०८ समुद्रलंघनमे जानि सकलौह से कहि एहि तरहें छैक,जे आन कथाकार सँ हनिक पहियान अलग करैत अछि।
निर्धारित समय पर पंचायती राज चुनाव आबि गेल छैक,५-दखेप जे पहिलो चुनाव भेल रहैक से समय केर बान्हके मजबुत केलकै।पुरना सूतबामे सुचारो भेलैक।जीवानन्द काका आ बड़बारिया भायमे तनि स्तरक पंचायतक प्रखंडक आ जिला परिषद केर चुनावक नहितार्थ सब तरहक गप्प करय छैक।ओना आब लेखक अपनाकें एहि भोटभाट सँ अलग रखै छथि।पंचच राज्य आ केन्द्रीय सरकार जे हारजित,अर्थात पछिरल तबका आ जनजातिक वर्गड ल आरक्षण सीट सीमा नीक ढंगे नहिं नमिहैत छैक,ताहि पर अधिकार सँ वंचित तदसंबंधीत गप्प सेहो विमर्शक हिस्सा बनैछ। मतदान सँ तीन दिन पहिले कहैत छैक भगत नँ भोट बितेल पर समाजमे लागत। कानून तँ नशिन ९९ चोट देनहारके कहाँ पकरै छैक,आ तँ सौवां चोट देनहार जे एके बेर उपर सँ समचाईन चोट दैत अबोगति कैछ, कें अपराधी मानैत अछि;जे हत्यारोपी

ઘના હોઇછાગુઉટેન કેँ શ્રાવિ ગેઉા સँ ળહ્યનાકિ વાળક યન્યા હોશ્ન નહેછા યાનીસન હ્રુઉક સાશ્ઠ દેપ્યાઈન પાઠ મેँ ગહોનગાન યન્યા જેઉેક શ્રછાિગુગે વદૈઉ ગેજે ને ળીનગી ળીયળ ઉાક,નહીँ ળँ સમુન્દનકે પાનકિ શ્ઠેન ળેકાँ શ્ઠેકા ળાયળ હઉિકોનમેँ।સળ્ળાયાની ળમાળ સમુન્દન ળેકાँ શ્રપના પેટ સँ ઉહ્ના ઉઠા વસાળ વનિ શ્રાકાશમામુ઼ઽઉ કેँ પ્નભાવિળિ કમૈળ છૈકા દુનિયાંમે ઉાક ખ્યેઉાની-મદાની સँ જનઉ છૈકા ળૌ પનેખ્યને-વુહને નહીँ નહે ળાયળ ળँ જાંળે નૈયઁ ઉગળિકાવનવની કેँ વનવનાઇન દેખ્ય ઈહો સુહ્રાવ શ્રવૈળ છૈક ળે ઽાકુટનો ળँ વેશી વાળવ કેँ વળાહ્રુક શ્રવૈળ ઉક્ષામ કહૈળ, શ્રયકિ વાળવ પન નોક કમૈ છૈકા।શ્રપન ળીવન યાનામ ઉાક શ્રપને વાँહવિઉ સँ કેને ને છૈક શ્રા વળિુ ખ્યગળાક વયિાન શ્રપના મુહેँ કયિાક નકિાઉળ। વુદ્યળિીવી ઉાક ળँ એહ્રન શ્રળિનિક્િળ વાળવ કેँ વુનપિન્નાક દન્ળાયના દૈળ છૈકા।મળવકિની દુશ્રામે -દુશ્રાનિએ વોટન ઉગાયના પાઈ પહુँચાયઁ શ્રપના પક્ષમે કનવ નળિાંળ શ્રાવશ્યકળા -યળુનાયઁ કથા મેँ દેખ્યાયઉ ગેઉ શ્રછાકિછુ વોટન ળँ માનસીક નુપેँ સમન્થક નહેછ,કછુિ પાન્ટીક કેઽન જેઉ,ળાહિ મે ખ્યન્ય નહીँ ઉગૈળ શ્રછાિશ્રોના શ્રપવાદ માનૂ ળँ વૈઁટક ઢોશ્રામે શ્રદહા -છદિહા શ્રપને નુકા ઉેને નહેછાકછુિ પ્નવન્યનમે સँ સેહો કપૈય હથયિા ઉેળ છૈકાવહ્રી ગંગામે કયિાક ને હાથ યુશ્રઉ ળાશનૈળકિળા પન પ્નશ્ન ઠાઢ કનવામે શ્રાનો વેશીખ્યુઉે સँ કથાકાન યુકઉાહ શ્રછાિયના પાઠ મે ઈ શ્રાવિ ગેઉેક શ્રછિ -" ગામક સવ કનિદાની સવ કયિો શ્રાँખ્યિ દેખ્યે નહઉ છો,વસિવાસૂ ઉાકક મુહેँ સુનૈળો છો;પોખ્યૈન,યાન શ્રાકિ મહાસમુન્દ્ન મેँ ળઉેદીપ દશિ કયિો ખ્યળના દેખ્ય કોના વઢળ,નૈ ળાઈ છૈકા"માળ્ન કથાકાન કથામે વૃન્દાવનકે ગોપીકેँ હંટૈ- દવાનૈ વઉ દ્વાપન યુગક દૂન્વાસા વાવા,ળ્નેળા યુગક હનુમાનળી સમુદ્નકુદિ ઉકાક યનયળિ ઉેળ પુનઃશ્રાવિ નામક સંગ ઉક્ષ્મામ સહળિ વાનન જૌઉક સેના યનકિ વીય ઈમાનપુન્વક સવ કથા પન શ્રંશળઃ વ્યાખ્યાન દેવા સँ યાન્મકિ વાળાવનામ વનેવામે સમન્થ જેઉાહ શ્રછાિ ઈ સવ શ્રનન્થઃઉપકથા સોન્હયિેને છથાિશ્રાવ શ્રવસ્થા દુવાને કથાકાન ક' નવ પોથી ઉખ્યિવાક નશ્ળાન કમળન હોયળ ળેવાક શ્રશંકા હોઇછા।ળખ્યનકિ પાઠક કેँ હનિકે ઉખ્યિઉ શ્રાનો પોથી ઉપાયઁ વેવાક વેગનળા વુહ્રાએળાએખ્યન એળવે।

**-लालदेव कामत, स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक, पूर्व मंत्री जिला उपाध्यक्ष**
**- अति पिछड़ा मोर्चा भाजपा, झंझारपुर**

**अपन मंतव्य** editorial.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२.९.निर्मला कर्ण- अग्निशिखा (खेप-२१)



निर्मला कर्ण (१९६०- ), शिक्षा - एम ए, नैहर - खराजपुर,दरभंगा, सासुर - गोढ़ियारी (बहेरा), वर्तमान निवास - राँची,झारखण्ड, झारखंड सरकार महिला एवं बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभाग मे बाल विकास परियोजना पदाधिकारीक पद सँ सेवानिवृत्त उपरान्त स्वतंत्र लेखन। मूल हिन्दी- स्वर्गीय जितेन्द्र कुमार कर्ण, मैथिली अनुवाद- निर्मला कर्ण

अग्निशिखा (भाग- २१)

**पूर्व कथा:**
राजा पुरूरवा स्वर्गक अप्सरा के त्यागि,उर्वशी सँ विदाइ लऽ कऽ

पृथ्वीक लेल प्रस्थान कएल।

**आब आगू:**

"स्वामी, अहाँ राजा पुरूरवा कें नाराज कए नीक नहि केलहुँ। एहि सँ स्वर्ग कें कोनो लाभ नहि भऽ सकैत अछि।"

वैजयंत प्रासाद मे इन्द्रक कपार आ केश कें आँगुर सँ सोहराबैत बजलीह हुनक अर्धांगिनी शची।

हम नीक वा बेजाय कैलौं,अहाँ एहि बातक चिंता किएक कऽ रहल छी? अहाँ एहि पर ध्यान नहि दियौ। ई हमर काजक क्षेत्र अछि। हमरा स्वयं देखऽ पड़त - हमरा केकरा सँ कोना निपटारा करऽ के अछि। हमर काजक क्षेत्र मे अहाँ के हस्तक्षेप करबाक कोनो आवश्यकता नहि"।

"पत्नी के कर्तव्य छै ओ अपन पति के कुकर्म सऽ विमुख होयबाक लेल चेतावनी देथि" - शची बहुत विनम्रता स बजलीह।

"ओ हमर शासन में सदिखन हस्तक्षेप करैत छलाह, जे हमर सहनशीलता सँऽ सीमा पार भऽ गेल छल। आब हम हुनका सहन नहि कऽ सकलहुँ" - इन्द्र तमसाइत बजलाह।

"स्वामी, अपनहि काज मे टोकब आ मना करब कोनो हस्तक्षेप नहि कहाइत अछि" - शची इन्द्र कें बुझाबय चाहैत छलीह।

"अहाँ ई सब नहि बुझब,ई सब राजनीति के बात छै। अहाँ बस भीतर अपन कर्तव्य के निर्वहन करु,हमर काज नहि देखू। जाउ हमरा लेल सोमरस पठाउ" - गप्प समाप्त करैत इन्द्र बजलाह।

"नीक बात छै,हम जाइत छी,मुदा अहाँक ई ईर्ष्यालु आ घमंडी व्यवहार हमरा एकदम सहाय नहि लगैत अछि। देवताक प्रतिकूल राक्षस सनक व्यवहार अछि ई" - शची कोठली सँ कहैत आगू बढ़लीह।

"ओह शची,अहाँ हमर मोन कें दग्ध कऽ देलहुँ"। पत्नी शचीक तीतपिरक बात सँऽ इन्द्र के मुख पर क्रोधक भाव आबि गेलनि। ओहि क्रोध में कक्ष में ओ इम्हर ओम्हर चहलकदमी करैत बाजि उठलाह “ अहाँ राजनीति नहि बुझब शची। एकरा राजनीति कहल जाइत छैक।आब हम जे कहि जेना चाहब से तहिना करब। पुरूरवा हमर आधा अधिकार ग्रहण कएने छल। ओकरा नामक जे डंका

बाजैत छैक, तकरा नष्ट केनाइ अत्यंत आवश्यक छल। देखु आहाँक पति कतेक बुद्धिमान छथि।ओकरा सँ सहायता सेहो लेलनि,आ दूधक माछी जकाँ स्वर्ग सँ सेहो भगा देलखिन। ई राजनीति थिक,आ हम थिकहुँ कुशल राजनीतिज्ञ । हमरा सऽ राजनीति के ज्ञान सबके प्राप्त करबाक चाही,राजनीति मे कूटनीति आवश्यक अछि।

----

उर्वशी मम्मा प्रियति सोनाक पर्यंक पर कतेको दिन सँऽ विरह-व्यथा भोगि रहल छलीह,कानैत-कानैत हुनकर आँखि प्रात: कालीन आकाश जकाँ लाल भ' गेल छलनि,हुनका अपन देह केर बोध तक नहि छलनि।
हुनक सखी चित्रलेखा हुनका सान्त्वना देबाक बहुत प्रयास केलकनि,मुदा सब किछु व्यर्थ साबित भेल। कतेको अप्सरा उर्वशीक बीमारीक बात जानि हुनकर कोठली मे आबि गेलीह आ हुनकर बीमारीक कोनो कारण नहि जानैत वापस चलि गेलीह, सूचनाक अभाव मे हुनका लोकनिक लेल निदान संभव नहि छलनि।
चित्ररथ, विश्ववसु आदि गंधर्व सेहो दुखी छलाह।उपचार करबा मे व्यस्त सखी रम्भा कतेको बेर उर्वशीक हृदयक स्थिति जानबाक प्रयास केलनि,मुदा ओहो किछु नहि बूझि सकलीह। मिश्रित औषधिक लेप आ पारिजात फूलक बिछान सेहो हुनक शरीर कैं शीतलता प्रदान करबा मे असमर्थ छल।
एहि डर सँऽ जे कतहु रहस्य नहि खुजि जाय,उर्वशी दू दिनक बाद उठि गेलीह,मुदा हुनका कोनो काज मे कोनो रुचि नहि छलनि। जहिया सँ पुरूरवा हुनकर आँखि सँ ओझल भऽ गेल छलाह,तहिया सँऽ ओ अपना के अत्यंत नि:सहाय शक्तिहीन अनुभव करऽ लागल छलीह। ओ ककरो अपन दर्द के विषय मे कहि तक नहि सकलीह। ओ अपन हृदय के पहिने कठोर कऽ स्वयं पीड़ा के अनुभूति सहन करबाक प्रयास करैत छलीह,आ सहन करबा मे असमर्थ भेलापर हुनक चेतना विलुप्त भऽ जाइत छलनि।
ई हालत कतेको दिन धरि चलैत रहल।अंत मे ओ अपन हृदय के दृढ़ कऽ

નિર્મય ભેલનિ। અપન પ્રેમ કે સંપૂર્ણ જાનકારી દૈત ઓ અપન હૃદય કેર સ્થિતિ ચિત્રલેખા આ રમ્ભા કેઁ કહલનિ। ભવિષ્ય કે વિષય મે અપન સંપૂર્ણ યોજના હુનકા દુનૂ કે વતેલા કે વાદ એકટા વચન ભેલનિ દુનૂ ગોટેસઁ " 'ઈ યોજના કકરો સોઁ પ્રગટ નહિ હોમય દેવાક ભેલ। દુનૂ ગોટે ઉર્વશીક માનસિક સ્થિતિ,હુનક કરુણા આ વિરહક પીડાકેઁ સેહો વૂઝિ એહિ વાતક વચન દેલખિન। ઓ સબ હુનકર તડ઼પ,વિરહજન્ય પીડ઼ા મે હુનકા તિલ-તિલ ઘુલૈત,નહિ દેખિ સકૈત છલીહ। કારણ!"ઓ સબ હુનક પ્રયિ મિત્ર (સખી)છલીહ।આ એહિ કારણેં હુનકા ઈ વચન દેમ્ડ કે કારણ સ્વર્ગ સડ઼ છલ કરવાક અપરાધી વનય પડ઼લનિ। ઓ સબ અપન પ્રયિ સખી કે તડ઼પૈત નહિ દેખિ સકૈત છલીહ,તાહિ સડ઼ ઈ દોષ સહર્ષ સ્વીકાર કેલનિ।

----

ઉર્વશી કેર ભેજની સ્વર્ણ પત્ર પર તીવ્ર ગતિ સડ઼ ચલિ રહલ છલ। ઓ અપન ભેજન કે માધ્યમ સઁડ઼ અપન દિલ કે સ્થિતિ પ્રેમ-સંદેશ કે રૂપ મે સ્વર્ણ પત્ર પર ઉકેલિ રહલ છલીહ। કિછુ ઘડ઼ી કે પ્રયાસક વાદ પ્રેમ પત્ર તૈયાર ભડ઼ ગેલ છલ।

ઓ અપન પ્રયિ સખી ચિત્રલેખા કેઁ સંકેત સઁડ઼ અપના નિકટ વજૌલથિ। તદુપરાંત ઓ પ્રેમ પત્ર હુનકા દેલનિ,આ કહલખિન -

"પ્રયિ સખી ચિત્રલેખા!ઈ પ્રેમ પત્ર લડ઼ કડ઼ અઁહાં ગુપ્ત રૂપ સડ઼ પૃથ્વી પર જાઊ ! પત્ર ગુપ્ત રૂપ સઁડ઼ પૃથ્વી પર રાજા પુરૂરવા કેઁ દડ઼ કડ઼ જ તુરન્ત ઘુરિ આઉ"।

ચિત્રલેખા સહમતિ મે મુડ઼ી ડોલા દેલથિ।

"એતુકા અઁહાં ચિન્તા જુનિ કરૂ। હમ કકરો સઁ અહાંક અનુપસ્થિતિ પર ચર્ચા નહિ કરવ। જૌ કોનો ચર્ચા હોયત અઁહા કે સંવંધ મે અથવા કેઓ અઁહા કે વિષય મે પૂછત તડ઼ હમ હમ વાત વદલિ દેવ। દેવેન્દ્ર કેઁ તડ઼ સપનહુઁ મે જ્ઞાત નહિ હેતનિ જે અહાઁ સ્વર્ગ સઁડ઼ અનુપસ્થિત છી। ઈ કાજ હમ સ્વયં કરતિહુઁ,મુદા હમ કતેકો દિન સઁડ઼ રાજપ્રાસાદ નહિ ગેલ છી। હમરા ભેલ ઇન્દ્રક મોન મે સંદેહ

𑒮𑓀𑒏𑒳𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲। 𑒄 𑒂𑒩 𑒍𑒞𑒨 𑒑𑒹𑒢𑒰𑒃 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 𑒁𑒕𑒱।
𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒪𑒹𑒐𑒰 𑒂𑒬𑓂𑒫𑒮𑓂𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒲𑒯 𑒂 𑒦𑒴𑒪𑒼𑒏 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒲𑒯। 𑒞𑒱𑒩𑒮𑓂𑒏𑒩𑒱𑒝𑒲 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒹𑒿 𑒍 𑒏𑓂𑒭𑒝𑒯𑒱 𑒧𑒹 𑒑𑒰𑒨𑒥 𑒦' 𑒑𑒹𑒪𑒲𑒯,𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒍𑒞𑒨 𑒮𑒿𑓄 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒪𑒹𑒐𑒰 𑒏𑒐𑒢𑒱 𑒫𑒱𑒠𑒰 𑒦' 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒲𑒯।

----

"𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒚𑒲𑒏 𑒕𑒲 𑒢𑒹? 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒹 𑒏𑒲 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪 ? " 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒢𑓂𑒢 𑒧𑒳𑒠𑓂𑒩𑒰 𑒧𑒹 𑒅𑒩𑓂𑒫𑒬𑒲 𑒮𑒿𑓄 𑒣𑒳𑒕𑒪𑒟𑒱𑒢।
"𑒠𑒹𑒫𑒩𑒰𑒖,𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞𑒞𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒹𑒿 𑒟𑒏𑒰𑒢 𑒮𑓄 𑒯𑒧 𑒁𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟 𑒕𑒲" - 𑒅𑒩𑓂𑒫𑒬𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲𑒯। 𑒞𑒞𑓂𑒣𑒬𑓂𑒔𑒰𑒞 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒧𑒞𑒱 𑒮𑒿𑓄 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒂𑒮𑒢 𑒣𑒩 𑒖𑒰 𑒏𑓄 𑒁𑒣𑓂𑒮𑒩𑒰 𑒮𑒦𑒏 𑒧𑒡𑓂𑒨 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒯𑒿𑒮𑒻𑒞 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑓄 𑒪𑒑𑒪𑒲𑒯। 𑒋𑒐𑒢𑒱 𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒧𑒼𑒢 𑒏𑒢𑒲 𑒯𑒪𑓂𑒪𑒳𑒏 𑒕𑒪𑒢𑒱 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒯𑒵𑒠𑒨 𑒏𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒟𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧-𑒮𑓀𑒠𑒹𑒬 𑒏𑒹 𑒩𑒴𑒣 𑒧𑒹 𑒮𑒐𑒲 𑒏𑒹 𑒧𑒰𑒡𑓂𑒨𑒧 𑒮𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒨𑒞𑒧 𑒞𑒏 𑒣𑒯𑒳𑓀𑒔𑒰 𑒔𑒳𑒏𑒪 𑒕𑒪𑒟𑒱 । 𑒞𑒐𑒢 𑒍 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒢𑒳𑒏𑒰𑒥𑓄 𑒏𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 𑒕𑒪𑒻𑒏,𑒄 𑒍 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒲𑒯 𑒖𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒻𑒏।
𑒮𑒱𑓀𑒯𑒰𑒮𑒢 𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒰𑒖 𑒧𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯 । 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑓂𑒭𑒝𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒮𑒰𑒩𑒟𑒲 𑒧𑒰𑒞𑒪𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬 𑒏𑒋𑒪।𑒍 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒰𑒡𑒱𑒣𑒞𑒱 𑒏𑒹 𑒁𑒦𑒱𑒫𑒰𑒠𑒢 𑒏𑒹𑒪𑒢𑒱। 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒫𑒰𑒠𑒢 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒳𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑓄 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨 𑒧𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒰𑒪 𑒡𑒩𑒱 𑒧𑒰𑒞𑒪𑒱 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒦𑓄 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒟𑒱,𑒞𑒞𑓂𑒣𑒬𑓂𑒔𑒰𑒞 𑒠𑒹𑒫𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒹 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒂𑒏𑒩𑓂𑒭𑒱𑒞 𑒏𑒩𑒥𑒰 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒥𑒖𑒪𑒰𑒯 -
"𑒠𑒹𑒫𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩, 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒏𑒰𑒖 𑒧𑒹 𑒏𑓂𑒭𑒝𑒱𑒏 𑒫𑓂𑒨𑒫𑒡𑒰𑒢 𑒪𑒹𑒪 𑒯𑒧 𑒏𑓂𑒭𑒧𑒰 𑒔𑒰𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒧𑒯𑒞𑓂𑒫𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒮𑒪𑒰𑒯 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒕𑒪 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒮𑓀𑒑"।
"𑒍𑒯! 𑒧𑒰𑒞𑒪𑒱 𑒏𑒯𑒳 𑒏𑒲 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒕𑒱"?
"𑒠𑒹𑒫𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩, 𑒯𑒧 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒂𑒠𑒹𑒬 𑒮𑒿𑓄 𑒫𑒰𑒨𑒳 𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒏 𑒢𑒱𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒝 𑒏𑒩𑒨 𑒪𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒫𑒰𑒨𑒳 𑒠𑒹𑒫 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒪𑒹𑒐𑒰 𑒏𑒻𑒿 𑒁𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒩𑒴𑒣 𑒮𑒿 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒏 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒏𑒻𑒿 𑒁𑒞𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧𑒝 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒟𑒱। "𑒫𑒰𑒨𑒳 𑒠𑒹𑒫" 𑒖𑒢𑒱𑒏𑒰 𑒮𑒼𑒯𑒰𑒿 𑒞𑒱𑒩𑒮𑓂𑒏𑒩𑒱𑒝𑒲 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒻𑒏 𑒞𑒞𑓂𑒏𑒰𑒪 𑒍 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒪𑒹𑒐𑒰 𑒏𑒻𑒿 𑒁𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒩𑒴𑒣 𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒔𑒲𑒢𑓂𑒯

ગેલથિ। એક તઽ ચતિ્૧લેખ્યા સ્વ઼૧્ગક સીમા કે અતિક્૧મણ કએલ છલથિ,તાહિ કે અતિરિક્ત હુનકા હાથ મે એકટા ગુપ્ત સંદેશ છલનિ। વ઼ાયુ દેવ઼ હુનકા ગુપ્ત સંદેશ જે સ્વ઼૧્ણ પત્૧ પ૧ લિખલ છલ દઽ કઽ ચતિ્૧લેખ્યાક સંગ અહાઁ કે દેમય હેતુ પઠા દેને છથિ। ઓ સ્વયં એખનો ઓતહિ નિ૧ીક્ષણક કાળ મે વ્યસ્ત છથિ"લ

ઇન્દ્૧ક આઁખિ ક્૧ોધ સઁ લાલ ભ૧ગેલ,ચતિ્૧લેખ્યા કેઁ દેવ઼-સભા મે ઉપસ્થિત હેવાક આદેશ દેલનિ આ માતલિ સઁ સ્વ઼૧્ણ પત્૧ લઽ કઽ પુન: વ઼ાયુ દેવ઼ક સંગ ૧હવાક અનુમતિ દઽ હુનકા વ઼િદા કઽ દેલનિ।

------

ઉ૧્વ઼શી આવ઼ જાય સઁ કાઁપિ ૧હલ છલીહ।ક્ષણ ભ૧િ મે હુનક૧ આશા વ઼ુહિ ગેલ છલનિ।આગામી પ૧િણામ દેખિ ઓ ત્૧સ્ત ભઽ ગેલીહ।ઇન્દ્૧ ચતિ્૧લેખ્યા આ ઉ૧્વ઼શી કેઁ સભા કક્ષ મે સભાસદ કે મધ્ય ઉપસ્થિત હોયવ઼ાક હેતુ આદેશ કેલથિ। ઓ સ્વ઼૧્ણ પત્૧ પ૧ અંકિત સંદેશ પઢલાક વાદ પૂ૧ા સ્થિતિ વુહિ ગેલાહ।ઓ ક્૧ોધ સઽ આવ઼ેશિત ભઽ ગેલ છલાહ। ક્૧ોધાવ઼ેશ સઁ કંપિત અપન આવ઼ાજ કે એક સીમા તક નિયંત્૧િત કેલથિ, મુદા હુનક મુખ મંડલ કે ભાવ઼ ક્૧ોધ કે સ્પષ્ટ કઽ ૧હલ છલૈક।ઉ૧્વ઼શી હુનક ભાવ઼ દેખિ ત્૧સ્ત ભઽ ગેલ છલથિ। ઇન્દ્૧ અપન દૃષ્ટિ ઉ૧્વ઼શી પ૧ ટકૌલથિ। મુખ મંડલ પ૧ ધ્યાન કેંદ્૧િત કએને વ઼ાજલથિ-

"હઁઽઽઽ! તઽ અહાઁ પુરૂ૧વ઼ા સઁઽ પ્૧ેમ ક૧ઽ લાગલ છી ! ઉ૧્વ઼શી! એક અમ૧ પ્૧ાણી કે નશ્વ઼૧ પ્૧ાણી સઽ પ્૧ેમ ક૧વાક ચાહી! ઈ હાસ્યાસ્પદ વાત અછિ!કી અહાઁ ઈ વાત નહિ વુઝૈત છી! મુદા સંભવ઼ત:પ્૧ેમ એહન તત્વ઼ અછિ જે ઈ સભ નહિ દેખૈત અછિ। ઓ આન્હ૧ હોઇત અછિ !અહાઁ કે સેહો ઈ વીમા૧ી ભઽ ગેલ અછિ। કિએક! હમ૧ ઈ વાત ઠીક અછિ?હમ૧ા અહાઁ પ૧ વહુત તામસ અછિ, કા૧ણ હમ૧ અનુમતિ કે વિના સ્વ઼૧્ગ સઽ વાહ૧ સંવ઼ાદ ભેજવ વહુત પૈઘ અપ૧ાધ અછિ। ઈ દંડનીય

अपराध होइत अछि।आ अहाँ स्वर्गक नियम तोड़ि देलहुँ।एक त? अहाँ नश्वर संसारक एकटा प्राणीसँ प्रेम कएल! आ तखन अहाँ आनका संदेश सेहो पठा रहल छी? आ एहि लेल अहाँ स्वर्गलोकक अप्सराक प्रयोग कएलहुँ?"
आब एकर पश्चात चित्रलेखा दिसि घुमि गेलाह।
"आ अहाँ सेहो हमरा सँ अनुमति लेब वा हमरा एहि विषय मे सूचना देब उचित नहि बुझलहुँ? अहाँ दुनू गोटे अपराधी छी,एहि लेल अहाँ कें दण्ड अवश्य भेटत। तेँ हम अहाँ दुनू गोटे कें एहन दण्ड देबय चाहैत छी जे भविष्य मे स्वर्गक नियम के विरुद्ध कियो किछु काज करबा सऽ पहिने अपराधक दण्ड स्मरण कए नियम भंग करबाक प्रयास नहि कऽ सकैथ। नियम विरुद्ध प्रथम डेग उठबै सऽ पहिने एहि दण्डक स्मरण कऽ साहस नष्ट भऽ जाए के चाही।आ एतय के नियम के विरुद्ध कोनो काज नै करबाक चाही। अहाँ के कठोरतम दण्ड देमय चाहैत छी मुदा--"
बुझायल जेना इन्द्र बहुत कठिनाई सँऽ अपन क्रोध पर काबू करबाक प्रयास कऽ रहल होथि। किछु काल रुकलाक बाद फेर बजलाह -
"उर्वशी,अहाँ कें महान नर-नारायण द्वारा बनाओल गेल अछि आ स्वर्ग कें उपहार मे देल गेल अछि,तहियो सऽ अहाँ विश्वसनीय रहलहुँ। प्रारंभ सऽ एखनि धरि अहाँ अपन संपूर्ण निष्ठा सँऽ स्वर्गक सेवा कएने एलहुँ । एतेक दिन सँ महान नर-नारायणक सम्मान आ अहाँक निष्ठापूर्वक सेवा देखि हम अहाँ कें स्वर्गक समय-सारणीक अनुसार पाँच वर्ष स्वर्ग सऽ निष्कासन के दण्ड दैत छी।अहाँ कें निष्कासित कयल गेल अछि स्वर्ग सऽ। चित्रलेखा!अहाँ जे अपराध कएलहुँ ताहि लेल हम अहाँ कें एक मास धरि स्वर्ग सँ वंचित कऽ रहल छी |
"स्वर्गाधिपति! अहाँ हमरा जे कठोर दण्ड देब से हम स्वीकार करब,मुदा हमर मित्र चित्रलेखा कें ओहि अपराधक दण्ड नहि दियौक जे ओ नहि कैने छथि। हम दोषी छी,ओ सम्पूर्ण निर्दोष छथि"।
"ठीक छै,हम हुनका क्षमा क दैत छी,कियैक त ओ अहाँक कहब पर आ अहाँक प्रेम मे नियम तोड़ि देलथि,ताहि लेल एकर स्थान मे अहाँ के हुनकर दण्ड सहय पड़त।मुदा अहाँ लेल ई अवधि प साल के होयत।

𑒅𑒩𑓂𑒫𑒬𑒲 𑒔𑒳𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒌𑒯𑒱 𑒠𑒝𑓂𑒛 𑒏𑒹𑒿 𑒮𑓂𑒫𑒲𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒋𑒪𑒢𑒱।𑒁𑒣𑓂𑒮𑒩𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒤𑒳𑒮𑒤𑒳𑒮𑒰𑒯𑒙𑒱 𑒦𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒮𑒥 - 𑒠𑒹𑒫, 𑒏𑒱𑒢𑓂𑒢𑒩, 𑒑𑓀𑒡𑒩𑓂𑒫, 𑒁𑒣𑓂𑒮𑒩𑒰 𑒂𑒠𑒱 𑒏𑒹𑒿 𑒅𑒩𑓂𑒫𑒬𑒲𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒏 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒢𑒱।

𑒏𑓂𑒩𑒧𑒬𑓁

**𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨** 𑒠𑒱𑒞𑒲𑒢𑒰𑒱𑒛𑓃𑒰𑒛𑒜𑓃𑒫𑒰𑒠𑒱𑒯𑒰𑓀𑒑𑒧𑒰𑒱𑒛𑓃𑒱𑒨𑒼𑒧 **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

𑓒𑓑𑓐.𑒏𑒳𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒏𑒩𑓂𑒝- 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒑𑒼𑒜 𑒂 𑒫𑒲𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰 𑒯ॅ𑒙



**𑒏𑒳𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒏𑒩𑓂𑒝**

## 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒑𑒼𑒜 𑒂 𑒥𑒲𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰 𑒯ॉ𑒙

## 𑓑

## 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰- 𑒑𑒼𑒜𑓃

𑒏𑒢ॉ𑒙 𑒣𑓂𑒪𑒹𑒮 𑒧𑒹 𑒂𑒑𑒴 𑒔𑒪𑒻𑒞 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒔𑒢𑒻𑒪 (𑒑𑓀𑒖𑒰) 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒏𑒹 𑒯𑒩𑒱𑒬𑓂𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒮' 𑒣𑒖𑒱𑒨𑒰 𑒏' 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒪𑒐𑒱𑒢
"𑒨𑒍 𑒖𑒢𑒰𑒩𑓂𑒠𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒴, 𑒏𑒯𑒰𑒿 𑒑𑒰𑒨𑒥 𑒦𑒨 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 !!"
𑒍 𑒔𑒢𑒻𑒪 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒠𑒹𑒯 𑒗𑒙𑒏𑒻𑒞 𑒏𑒯𑒪𑒏𑒻𑒢 , "𑒣𑒰𑒑𑒪 𑒯𑒼 𑒏𑓂𑒨𑒰, 𑒏𑒾𑒢 𑒯𑒼 𑒞𑒳𑒧 ?"
𑒞𑒐𑒢 𑒯𑒩𑒱𑒬𑓂𑒔𑓀𑒠𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒏𑒹 𑒁𑒐𑒱𑒨𑒰𑒮 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢𑓂𑒯 𑒖𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒁𑒢𑒖𑒰𑒢 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒏𑒹 𑒖𑒢𑒰𑒩𑓂𑒠𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃𑒢𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒪𑒰𑒯, 𑒍𑒯𑒱 𑒁𑒢𑒖𑒳𑒂𑒩 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒮𑒿 𑒏𑓂𑒭𑒧𑒰 𑒧𑒰𑒿𑒑𑒱 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒪𑒰𑒯।

𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲 𑒏𑒹 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩 𑒮𑒥 𑒯𑒩𑒱𑒬𑓂𑒔𑓀𑒠𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒏𑒹 𑒥𑒰𑒩𑒱 (𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞) 𑒠𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒍 𑒫𑒱𑒏𑓂𑒭𑒱𑒣𑓂𑒞 𑒦𑒨 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒔𑒢𑒻𑒪 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒖𑒢𑒰𑒩𑓂𑒠𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃 𑒕𑒟𑒱𑒢, 𑒞 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒖𑒳𑒙𑓂𑒙 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒬𑒱𑒫𑒔𑓀𑒠𑓂𑒩 𑒖𑒲 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒟𑒱𑒢, 𑒮𑒰𑒛𑓃𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 𑒧𑒯𑒱𑒪𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒏𑒫𑒨𑒱𑒞𑓂𑒩𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲 𑒖𑒲 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒟𑒱𑒢।

𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒯-𑒠𑒰𑒢𑒏 𑒧𑓀𑒔 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒏𑒫𑒱𑒑𑒼𑒭𑓂𑒚𑒲 𑒏𑒹 𑒧𑓀𑒔 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒃 𑒣𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒖𑒐𑒢 𑒧𑓀𑒔 𑒣𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒣𑒰𑒑 𑒛𑒼𑒣𑒙𑒰 𑒣𑒯𑒱𑒩𑒰𑒨𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻𑒢 𑒞 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒢𑒻𑒮𑒩𑓂𑒑𑒱𑒏 𑒮𑒳𑒐 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒢𑒱।

𑒋𑒏𑒠𑒱𑒢 𑒧𑓀𑒔𑒮𑒿 𑒍 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓀𑒮𑒰 𑒧𑒹 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒣𑒜𑓃𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢, 𑒧𑓀𑒔𑒹𑒣𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒥 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒠𑒳𑒩𑒠𑒳𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢𑓂𑒯।

𑒮𑒥 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒹 𑒏𑒯𑒥 𑒕𑒪𑒻, 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩 𑒧𑒹 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒂𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏

साहस हेबाक चाही, हरिश्चंद्र बाबू सरकारी पुरस्कार लेबाक [illegible] मे सरकारक गुणगान केलाह अछि तेँ हिनका सभ साहित्यिक मंचसँ बारल जाय !!

हरिश्चंद्र बाबू हाथ जोड़ि सभ मठाधीश लोकैन के सफाइ देलखिन, हम सदिनसँ अहि पार्टी के पक्षधर रहल छी , हम एकर विचारधारा आ नीतियसँ सहमति रहैत छी तेँ प्रशंसामे कविता पाठ करलहुँ , जँ कोनो न्यूनता देखार पड़त त आहाँ कहब।

मुदा सभ मठाधीश एक स्वर मे कहलखिन "साहित्यकार वएह जे सरकारक आलोचना करबाक बुता राखय , अहाँक शरीरमे रीढ़क हड्डी नहि अछि!!"

तहियासँ हरिश्चंद्र बाबूके आब कोनो मंच पर नओत नहि भेटैत छन्हि।

सबदिन अपन कनियाँ के पाग लेपटाद' कहैत छथिन, हमर स्वागत करू घ'र आयल पाहुन परख के गंजी उतार' देखैत छथिन, देखियौत' हमरा देहमे रीढ़ के हड्डी छै ??

२

**बीहनि कथा- ह◌ॉट**

गुमाकर बाबू बड़का ठड़की छलाह। गामक बेटी पुतोहु होउ कि ज'न-मजूरनी स'ब पर नजरि गड़ौने रहैत छलाह। हुनके घ'र मे काज लेल आयल सुलकी के असगर पाबि कान्ह पर हाथ राखि देलखिन।
"हाथ हटाउ नहि त थाना पुलिस देखा देब।" सुलकी बाजि उठल!

"थाना के काज पड़ैत छौक त तोहर टोलक लोक हमरा लग अबैत छौ आ तो

𑒯𑒧𑒩𑒹 𑒟𑒰𑒢𑒰 𑒮𑒣𑓂𑒣𑒱𑒫𑒻𑒞 𑒕𑒃 ?"
"𑒢𑒫𑒏𑒰 𑒏𑒰𑒢𑒴𑒢 𑒭𑒛𑓂𑒨𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒏𑒹 𑒢𑒰𑒧 𑒮𑒳𑒢𑒪𑒱𑒨𑒻𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒏𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒹 𑒟𑒰𑒢𑒰 𑒫𑒪𑒰 𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒪𑒱𑒐𑒻𑒮𑒿 𑒕𑒼𑒛𑓃 𑒏𑒯𑒞𑒻 𑒞𑒏𑒩𑒼 𑒢𑒼𑒏𑒩𑒲 𑒖𑒹𑒞𑒻!"
𑒑𑒳𑒧𑒰𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒏𑒹 𑒪𑒑𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒔𑒱𑒣𑒔𑒱𑒣𑒪 𑒔𑒲𑒖 𑒕𑒳𑒁𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒁𑒕𑒱, 𑒞𑒳𑒩𑒞 𑒮𑓂𑒫𑒳𑒪𑒏𑒼 𑒏𑒹 𑒏𑒰𑒢𑓂𑒯 𑒣𑒩𑒮𑒿 𑒯𑒰𑒟 𑒯𑒙𑒰 𑒪𑒹𑒪𑒰𑒯, 𑒂𑒃 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒥𑒹𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 "𑒯ॉ𑒙" 𑒏𑒹 𑒁𑒩𑓂𑒟 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒧𑒹 𑒋𑒪𑒻𑒢 !
(𑒮𑓂𑒫𑒞𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒞𑒰𑒏 𑒁𑒧𑒵𑒞 𑒧𑒯𑒼𑒞𑓂𑒮𑒫 𑒣𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭)

𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒞𑒫𑓂𑒨 editorial.staff.videha@gmail.com 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।

२११𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮 𑒩𑒰𑒨-𑒫𑒻𑒭𑓂𑒝𑒫𑒹 𑒕𑒲



**नन्द विलास राय**

**वैष्णवे छी**

पण्डितजीक बेटाक विवाह छलनि। आइ भोरमे चौकपर चाहक दोकानपर पण्डितजी भेँट भेला। कुशल-समाचारक बाद कहलनि-

"नन्द भाइजी, बरियाती जाए पड़त। से तैयार रहब। कपड़ा-लत्ता धोइ कऽ आइरनपर लोहा करबा लेब।"

आगाँ बजला-

"माछ खाइ छी किने आकि वैष्णव छी? "

हम कहलियनि-

"वैष्णवे बुझू।"

हमर बात सुनि पण्डितजी बजला- "बुझू! बुझूक की मतलब? "

हम कहलियनि-

"यौ पण्डितजी, माछ तेतेक ने महग भऽ गेल हेन जे कीनल नहि होइए, तखन खाएब केतएसँ, तँए कहलौं वैष्णवे बुझू।"

पण्डितजी बजला-

"अच्छा तँ से बात छै।"

पण्डितजी हँसए लगला। मुदा अपना मुहसँ हँसी नहि निकैल सकल।

**अपन मंतव्य** editorial@videha.com **पर पठाउ।**

२१.जगदीश प्रसाद मण्डल- सुचिता (धारावाहिक उपन्यास)



## 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪

## 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰 (𑒡𑒰𑒩𑒰𑒫𑒰𑒯𑒱𑒏 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

*'𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰' 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒫𑒰𑒯𑒱𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒕𑒣𑒥 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒦𑒹𑒪 '𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢'𑒧𑒹, 𑒖𑒹 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒱𑓀𑒙𑒧𑒹 𑒕𑒣𑒥 𑒥𑒢𑓂𑒠 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒣𑒲𑒛𑒲𑒋𑒤 𑒧𑒹 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒯𑒳𑒁𑒨 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒂 𑒍𑒢𑒰 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒢𑓂𑒠 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒂 𑒞𑒹𑒿 '𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰'𑒏 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒕𑒣𑒥 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒋𑒥 𑒥𑒢𑓂𑒠 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒯𑒱 𑒂𑒪𑒼𑒏𑒧𑒹 𑒄 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒫𑒰𑒯𑒱𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱- 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏।*

### 𑒡𑒰𑒩𑒧𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒰𑒫

𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒮𑒰𑒿𑒗। 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒠𑒱𑒮 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰। 𑒂𑒖𑒳𑒏 𑒖𑒹 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰-𑒏𑒪𑒰𑒣 𑒩𑒯𑒪 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒯𑒱𑒧𑓂𑒧𑒞𑒪𑒰𑒪 𑒌𑒚𑒰𑒧𑒏 𑒖𑒹 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒩𑒯𑒪 𑒍 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒋𑒏 𑒁𑒖𑒰𑒢𑒱𑒥 𑒁𑒧𑒴𑒪𑓂𑒨 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡𑒱 𑒩𑒯𑒪। 𑒌 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒖𑒲𑒫𑒱𑒞 𑒩𑒐𑒻𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒑𑒰𑒜𑓃 𑒥𑒢𑒰𑒋𑒥, 𑒄 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒯𑒋𑒞। 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒞 𑒁𑒩𑒥𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒪𑒼𑒏 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒦 𑒧𑒢𑒳𑒭𑓂𑒨𑒏𑒹𑒿 𑒯𑒰𑒟-𑒣𑒋𑒩, 𑒧𑒳𑒿𑒯-𑒂𑒿𑒐𑒱𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒥𑒳𑒡𑒱, 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩-𑒫𑒱𑒫𑒹𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒋𑒏 𑒩𑒯𑒱𑒞𑒼 𑒋𑒏-𑒠𑒼𑒮𑒩𑒮𑒿 𑒁𑒣𑒩𑒱𑒔𑒱𑒞 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒁𑒕𑒱?

𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒩𑒰𑒙 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒅𑒚𑒱 𑒏𑓄 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒞𑒿 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒥𑒰𑒥 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒦𑒹𑒙𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒞𑒻𑒨𑒼 𑒐𑒹𑒪𑒻𑒢-𑒐𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒋𑒪𑒻𑒢। 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒹

नारायणमामा बजला-
"बुच्ची, हरिमोहन चाचा ऐठाम की सभ देखलहक?"
पतिक बोली अकानि सुवासिनी सेहो नारायणमामा लग पहुँच बजली-
"चोखा-चोखीमे चाह बनाएब बिसरि गेलौं। मानसक बेर भऽ गेल की चाह बना कऽ नेने आएब?"
चाहक इच्छा जेते नारायणमामाकेँ प्रभावित नहि केलकैन तइसँ बेसी प्रभावित केलकैन सुवासिनीक अपन भूलक कबूल। स्त्रीगणक बीच कोनो काज नहि करैक बहन्ना जे घर केने अछि, ओ सुवासिनीमे सेहो छेलैन्हे, मुदा सुवासिनीक अप्पनुक रूप तइसँ भिन्न बुझि पड़लैन। कहि ते कोनो काज नइ केलाक पछाति जखन सुवासिनीकेँ नारायणमामा नइ करैक कारण पुछै छेलखिन ते सुवासिनी अपन गलती कबूल नहि करैत बहन्नाक बीच बहन्ना ताकैत ठाढ़ करैत रहै छेली जाहिसँ खगल काज देखि नारायणमामा बगिड़ कऽ नहि बजैथ। से आइ अपना मुहेँ अपन भूलक कबूल करैत सुवासिनीकेँ देखि नारायणमामाक मनमे प्रीतक एक नव रीति उदित भेलैन। बजला-
"ओना, हरिमोहनबाबू ऐठाम तेते खा नेने छेलौं आ तैपर सँ चाहो पीलौं से मन गदगद अछि। अपना चाह पीबैक मन नइ होइए।"
हरिमोहनबाबूक चर्च सुनिते सुवासिनी बजली-
"जहिना हरिमोहनबाबूक सोभाव छै तहिना घरोवाली आ माइयोक छै। बाल-बच्चा ते सहजे पशुयन जकाँ दूधमुहेँ अछि।"
ओना, सुवासिनीक बात सुनि नारायणमामाक मनक बिचार गहराए लगलैन, मुदा तइ गहराइकेँ उत्थर बनबैत बजला-
"एकटा चीज गौर केलिऐ?"
सुवासिनी-
"की?"
नारायणमामा-
"अपना सभ जकाँ हजार चलितामे हरिमोहनबाबूक परिवार नइ अछि।"
पतिक बात सुनि सुवासिनी ठमकली। मोन पड़लैन, जेतेकाल हम सभ दरबज्जापर छेलौं तेतेकाल हरिमोहनबाबू सबहुर अपना-अपनीकेँ आदर-

𑒮𑒞𑓂𑒏𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒕𑒪। 𑒂𑒢 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒦𑒴𑒞 𑒮𑒫𑒰𑒩 𑒢𑒃 𑒕𑒹𑒪𑒻।
𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒚𑒏𑒧𑒏𑒰𑒋𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝𑒧 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒥𑒖𑒪𑒰-
"𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒋𑒏𑒰𑒏𑒲 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒹𑒚𑒰 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒕𑒻 𑒞𑒃𑒧𑒹 𑒮𑒦 𑒠𑒴𑒩 𑒖𑒳𑒙𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒋 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒢𑒹 𑒥𑒰𑒯𑒩𑒲 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒠𑒥𑒰𑒥 𑒣𑒛𑓃𑒻 𑒕𑒻 𑒂 𑒢𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒧𑒙𑒪 𑒖𑒱𑒢𑒱𑒑𑒲𑒧𑒹 𑒏𑒹𑒞𑒾 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒰𑒡𑒰 𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻। 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒱𑒧𑓂𑒧𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒻𑒋 𑒂 𑒞𑒃 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒑𑒾𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒻𑒋।"
𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒣𑒛𑓃𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒠𑒰𑒑𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒧𑒹 𑒪𑒹𑒏 𑒮𑒰𑒤 𑒏𑒩𑒻𑒋 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒧𑒢𑒹-𑒧𑒢 𑒁𑒣𑒢 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒡𑒳𑒁 𑒪𑒑𑒪𑒲। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒮𑒴𑒞𑓂𑒩 𑒥𑒢𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒍𑒯𑒼 𑒞𑒿 𑒮𑒰𑒡𑒰𑒩𑒝 𑒩𑒼𑒑 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒡𑒳𑒁 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒍𑒢𑒰, 𑒧𑒢𑒳𑒏𑓂𑒐 𑒁𑒠𑓂𑒦𑒳𑒞 𑒖𑒲𑒫 𑒕𑒲। 𑒁𑒮𑒲𑒧 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒧𑒢𑒳𑒭𑓂𑒨𑒏 𑒦𑒲𑒞𑒩 𑒕𑒱𑒣𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒿 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒕𑒱𑒣𑒪 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒑𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒰𑒑𑒩𑒴𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒠𑒵𑒜𑓃 𑒮𑓀𑒏𑒪𑓂𑒣𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒮𑒧𑒩𑓂𑒣𑒱𑒞 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒋, 𑒞𑒿 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑓀𑒏𑒙 𑒁𑒮𑒰𑒢𑒲𑒮𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒠𑒴𑒩 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒹 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒦𑒩 𑒏𑒩𑒻𑒋 𑒍𑒏𑒩 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒣𑒩।
𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒮𑒿 𑒦𑒩𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒩𑓀𑒑-𑒩𑓀𑒑𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒧𑒢 𑒍𑒢𑒰𑒋 𑒪𑒑𑒪𑒻𑒢। 𑒥𑒖𑒪𑒲-
"𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒦𑒰𑒢𑒮𑒏 𑒥𑒹𑒩 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱, 𑒖𑒰𑒋 𑒠𑒱𑒁।"
𑒫𑓂𑒨𑓀𑒑𑓂𑒨𑒥𑒰𑒝 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝𑒧 𑒥𑒖𑒪𑒰-
"𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒢𑒹 𑒕𑒲। 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒻𑒥𑒪𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒯𑒥𑒹-𑒠𑒹𑒐𑒥𑒹 𑒢𑒹 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲 𑒂 𑒖𑒹 𑒢𑒃 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒱𑒏𑒩𑒰 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒱𑒋!"
𑒍𑒢𑒰, 𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒢𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒹𑒪𑒲 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒪𑒼𑒏-𑒋𑒛𑒧𑒏 𑒂𑒠𑒩𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒢𑒰𑒔𑒱𑒨𑒹 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒂𑒯𑓂𑒪𑒰𑒠𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒲-
"𑒮𑒳𑒩𑒖𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒞 𑒩𑓀𑒑 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒥𑒯𑒏 𑒔𑒧𑒏-𑒠𑒧𑒏 𑒋𑒏-𑒠𑒼𑒮𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒙𑒪 𑒂 𑒯𑒙𑒪 𑒞𑒿 𑒁𑒕𑒱𑒋।"
𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒰𑒯𑒧𑒹 𑒞𑒹𑒖 𑒑𑒞𑒱𑒨𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝𑒧 𑒥𑒖𑒪𑒰-
"𑒯𑒿, 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒁𑒕𑒱𑒋।"
𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒡𑒰𑒩 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒧𑒼𑒛𑓃𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲- 𑒯𑒧𑒩𑒼 𑒧𑒰𑒋 𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒧𑒰𑒋 𑒁𑒕𑒱। 𑒣𑒞𑒱𑒖𑒲𑒏 𑒋𑒏𑒖𑒣𑒩 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒧𑒰𑒋𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒲𑒏𑒢𑒲 𑒦𑒹𑒪 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒪𑒼𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒦𑒹𑒪, 𑒧𑒳𑒠𑒰

દુનૂ પત્નીક ઉગ્રતા જે પત્નીત્વક પ્રતિ અછિ ઓ અદ્વિતીય અછિ કહઁ અપન પત્નીત્વ ઓહના અછિ?
ઉગ્રા સુવાસિનીક નજરિ આગૂ વઢ़િ પતિપ્રિ આવિ અટૈક ગેલૈના અપન ઘરક કાજ માજે પતિક એહનમે માસ્ક નોકરીમે નાયારામાક વ્વિાહસઁ પૂર્વ ઓહના ને જેઠ હેતૈન જેના હિમ્મતાક જેઠા હમહૂઁ કૌઉજમે પઢ઼ે છેલૌ, કહઁ કછુ વુદ્ધિ પેલૌ। જહિના હિમ્મતાક મન પજેવાક ઘર વનૈપર છઠ, જર હિસાવસઁ નૂપૈઆ જેટઠ છેલૈ, પતિક કૃષ્ણપ્રિતિસઁ ઘરક અદહો કાજ નહિ જેલૈ આ પાર યઠ ગેઠ ધ્યાય-વ્યયમે, તહિના તઁ નાયારામાકઁ સેહો જેઠ હેતૈન, જડ સકૈએ કેતૌ-કેતૌ નહિયૌં જેઠ હોરના કોન તરહક સમન્વય દુનૂ ગોરક પત્નીત્વમે છઠા કની-મની પતિજીક પઢ઼ૌઠ છેલૈન, સે સમન્વય છેલૈન, તહૂમે નાયારામા તઁ અપન પઢ઼ેક શીસ તઁ દશ્જે છઠ, જર વદઠામે પઢ઼ૈલૈના આપ્પિ કોન એહેન શક્તિ આક્ર્ષણ છઠ જે નાયારામાકઁ એ આકર્ષિત કેઠકૈન? સમાજક જે પત્નીશ નારી જગતક પ્રતિ વનિ ગેઠ અછિ ઓ દયનીય અછિએ, મુદા નવિનવાક જે દશા અછિ વ્એહ જકુઆએઠ-મનહુઆએઠ અછિ જિરસઁ દર્દ-પીડ઼ા ઘટૈક જગહ વઢ઼યિે જારએ સમાજોક આ પતિક પઢ઼ઠ-ઠપ્પિઠ વેટી તઁ અપનો છી, અપનો પત્નીત્વક જાર ૩ડવૈક દમ અપનામે કહઁ અછિ કહિયો મનમે ૩ડઠ જે સમાજમે વ્યિવાક શુઁસની અપ્પનો કપિ જીવિત અછિ, જઁ અપને જડ જાએ તઁ સમાજક અંગ નહિ કઠક વનિ જીવિત રહૈક અછિ કહઁ અપ્પન તક મનમે ૩ડઠ જે અપન દુપ્પક નાતસઁ નમહર કેના સુપ્પક દનિકઁ વઢ઼ાવી માજે શ્રમહીનતાસઁ શ્રમશીઠતા દસિ કેના વઢ઼ી? એકાએક સતિહાસિક્તિ જડ સુવાસિની ઠજહઁસી હઁસિ વજઠી-
"કી ધ્યારક રચ્છા હોરએ?"
ગહિંતાએઠ મન નાયારામાક છેલૈન, તઁએ સુવાસિનીક વ્યિારપર પઠોજારિ ઉ નહિ એલૈના જેકરા વક-વકી વુદ્ધિ નાયારામા વજઠા-
"જોગીકઁ કુત્તા વઠાએ અનેરા"
પતકિ વ્યિારકઁ મહત્વહીન વનૈત સુવાસિની વજઠી-
"વીરવઠક, અકવરક દરવારસઁ પહિઉકા જીવન કી અછિ?"
જાન છોડ઼વૈક પરિયાસ કરૈત નાયારામા વજઠા-
"ધ્યા-પીકડ જપ્પન નયિન હએવ તપ્પન જેતે મન હુઅએ સે સજાટા જીવન અકવર-

𑒥𑒲𑒩𑒥𑒪𑒏 𑒮𑒳𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒥𑒰।"

𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲𑒏 𑒥𑒩𑒯𑒥𑒙𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒲𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒁𑒏𑒻𑒕 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒏𑒳𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒖𑒰𑒑𑒹 𑒞𑒿 𑒖𑒰𑒑𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒖𑒰𑒑𑒲। 𑒣𑒹𑒬𑒰𑒥𑒏 𑒥𑒯𑒢𑓂𑒢𑒰 𑒥𑒢𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒣𑒹𑒬𑒰𑒥-𑒒𑒩 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰। 𑒣𑒹𑒬𑒰𑒥 𑒏𑒩𑒻𑒧𑒹 𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒪𑒑𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒧𑒰𑒢𑒮𑒱𑒏 𑒣𑒻𑒐𑒰𑒢𑒰 𑒔𑒪 𑒑𑒹𑒪𑒰। 𑒍𑒢𑒰, 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒪𑒑𑒾𑒢𑒹 𑒣𑒻𑒕𑒪𑒰 𑒥𑒨𑒰𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒁𑒑𑒳𑒂𑒩𑒪 𑒂𑒑𑒴 𑒂𑒥𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒮𑒲𑒞𑒼𑒢𑒰𑒟 𑒂 𑒑𑒲𑒞𑒼𑒢𑒰𑒟𑒮𑒿 𑒂𑒩 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥।

𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒂 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣𑒏 𑒬𑒳𑒩𑒳𑒂𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰 𑒁𑒮𑒑𑒩𑒹 𑒐𑒹𑒪𑒰𑒃𑒞 𑒖𑒢𑒮𑒰 𑒒𑒩 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒞𑒹 (𑒖𑒢𑒮𑒰𑒒𑒩) 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒣𑒳𑒕𑒪 𑒥𑒰𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒹 "𑒯𑒱𑒧𑓂𑒧𑒞 𑒔𑒰𑒔𑒰 𑒌𑒛𑒰𑒧 𑒏𑒲 𑒮𑒖𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒏" 𑒧𑒼𑒢 𑒣𑒛𑓃𑒪𑒻। 𑒧𑒼𑒢 𑒣𑒛𑓃𑒱𑒞𑒹 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰 𑒢𑒱𑒕𑒼𑒯𑒹 𑒠𑒾𑒛𑓃𑒪 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹, 𑒖𑒃 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒕𑒪𑒰, 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒥𑒰𑒥𑒴𑒖𑒲, 𑒯𑒱𑒧𑓂𑒧𑒞𑒪𑒰𑒪 𑒔𑒰𑒔𑒰 𑒌𑒛𑒰𑒧 𑒮𑓂𑒙𑒩 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒦𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪।"

𑒠𑒴-𑒁𑒜𑓃𑒰𑒃 𑒥𑒩𑓂𑒐𑒏 𑒥𑒹𑒙𑒲𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒅𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒏𑒚𑒼𑒩-𑒮𑒿-𑒏𑒚𑒼𑒩 𑒣𑒰𑒞𑒥𑒪𑒰 𑒥𑒵𑒏𑓂𑒭𑒏 𑒧𑒳𑒛𑓃𑒲 𑒣𑒩𑒏 𑒣𑒰𑒞 𑒅𑒛𑓃-𑒅𑒛𑓃𑒰𑒋𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒋। 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒣𑒏𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒂𑒑𑒼 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒹 𑒢𑒫 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒞 𑒥𑒹𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒥𑒯𑒪𑒰𑒥𑒲। 𑒏𑒱𑒋 𑒞𑒿 𑒔𑒹𑒞𑒢 𑒯𑒳𑒁 𑒏𑒱 𑒥𑒴𑒜𑓃, 𑒔𑒹𑒞𑒢𑒰𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰 𑒫𑒰 𑒥𑒵𑒠𑓂𑒡𑒰𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒧𑒹 𑒮𑒲𑒐𑒪 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒥𑒰𑒞 𑒪𑒼𑒏 𑒥𑒱𑒮𑒻𑒩 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻𑒟 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒃𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒬𑒳𑒩𑒴 𑒯𑒼𑒃𑒏 𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒧𑒹 𑒖𑒹 "𑒁-𑒂" 𑒮𑒲𑒐𑒪𑒻𑒢 𑒮𑒹 𑒏𑒱 𑒧𑒵𑒞𑓂𑒨𑒳𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒥𑒱𑒮𑒩𑒻 𑒕𑒻𑒟, 𑒖𑒾𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒋𑒯𑒢𑒼 𑒞𑒿 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒢𑒱𑒏𑒰 𑒧𑒳𑒃𑒪𑒰 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒖𑒹 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑-𑒢𑒩𑓂𑒏𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒃𑒧𑒹 𑒚𑒲𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒮𑓀𑒮𑒰𑒣𑒩 𑒖𑒿 𑒏𑒯𑒲 𑒧𑒰𑒮𑓂𑒙𑒩𑒲 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒞𑒿 𑒋 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒿 𑒍𑒃 𑒪𑒼𑒏 𑒞𑒏 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒥𑒱𑒮𑒩𑒻 𑒕𑒻𑒟। 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒯𑒪𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒖𑒐𑒢 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒦𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒞𑒐𑒢 𑒞𑒿 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒰𑒫𑒪𑒰 𑒑𑒲𑒞𑒼 𑒮𑒲𑒐𑒢𑒹 𑒯𑒋𑒥?"

"𑒥𑒯𑒱𑒢𑒰𑒫𑒪𑒰 𑒑𑒲𑒞" 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒫 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒏 𑒖𑒰𑒑𑒩𑒝 𑒦𑒹𑒪। 𑒖𑒰𑒑𑒩𑒝 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒪𑒣𑒻𑒏 𑒏𑓄 𑒍𑒃 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒥𑒰𑒥𑒴𑒖𑒲, 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒢𑒹 𑒥𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒯𑒻𑒋?"

𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒥𑒯𑒪𑒥𑒻𑒞-𑒥𑒯𑒪𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒥𑒯𑒪𑒰𑒋 𑒪𑒑𑒪𑒰। 𑒥𑒯𑒪𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒯𑒪𑒐𑒱𑒢-

"बुच्ची, मम्मी तँ कहनहि हिथुन कनि, सएह हमहूँ कहै छथि।"
मम्मीक बात सुनि सीबीआइ जकाँ सुचिता पतिक बात सुनि चोटे मम्मी लग माने सुवासिनी लग पहुँच बाजल-
"मम्मी, बहिना केकरा कहैए?"
बेवहारमे जे चलैन अछि तइ अनुकूल सुवासिनी सुचिताकेँ कहलखिन-
"बुच्ची, जहिना बालकमे दोस्ती होइए तहिना बालिकामे बहिना होइए।"
अपन विचारकेँ सत्यापित करैक खियालसँ पति लग आबि सुचिता बाजल-
"बाबूजी, बालक-बालिका की भेल?"
ओना, राधारमणक मन बहिन-बहिनासँ उठैत भवरुआरमे अनेको शब्दकेँ पकैड़ विचार करए लगलैन जे "बहिन" की भेल? "भाए" की भेल? "भैयारी" की भेल? "दोस्ती" की भेल? "भजार" की भेल आ "भजारी" की भेल? "मीत" की भेल? आ "मित्रपण" की भेल? "संगी" की भेल आ "संगपन" की भेल? मुदा तइ बिच्चेमे पुनः बाल-बोधक प्रश्न "बालक" की भेल आ "बालिका" की भेल? राधारमणक मनमे आबि गेलैन। बजला-
"बुच्ची, अप्पन बच्चा छह, अप्पन अ-आ-इ ने सीखलह हेन, तइमे बालक-बालिकाक लिंग-भेद व्याकरणक बात केना बुझबहक। हिम्मतलाल चाचा ऐठाम जे बहिना भेटलह उ की सभ कहलकह?"
माइक मुँहक सुनल बालक-बालिका शब्द मनसँ तत्काल क्षीण भऽ गेलै आ बहिनाक विचार मनमे प्रबल भऽ गेलइ। पल्लवित होइत सुचिता बाजल-
"बाबूजी! बहिना कहलक अहिना आएल-जाएल करब।"
अपन गोटी सेकैत राधारमण बजला- "बुच्ची, आएब-जाएब की भेल?"
जहिना राधारमण गोटी सेकलैन तहिना सुतरबो केलैन। सुतरलैन ई जे राधारमणक मनमे गड़ि चुकल छैन जे आइ ओ सीतानाथ आ गीतानाथसँ गप-सप्प करबे करता मुदा समय तेना राँइ-बाँइ भऽ छड़िया रहल छैन जे अपन काज गारपर चढ़िये ने रहल छैन। से चढ़लैन, चढ़लैन ई जे सुचिता आएब-जाएबक माने बुझैत माए लग बढ़ल। सुचिताकेँ आगू बढ़ैत पाछूसँ राधारमण बजला-
"बुच्ची, भानसो देखि लिअ। सबेरे सुतैक इच्छा अछि।"

”𑒮𑒥𑒹𑒩𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 𑒁𑒕𑒱” 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒰𑒩𑒲𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒳𑒢𑒪𑒱। 𑒮𑒳𑒢𑒱𑒞𑒹 𑒋𑒏𑒰𑒋𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒯𑒛𑓃𑒏 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢। 𑒯𑒛𑓃𑒏 𑒅𑒚𑒻𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒧𑒳𑒯𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒞𑒱, 𑒥𑒰𑒖𑒪 𑒕𑒪𑒰 𑒖𑒹 𑒐𑒹𑒪𑒰-𑒣𑒲𑒪𑒰 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒁𑒏𑒥𑒩𑒲𑒏 𑒂 𑒠𑒰𑒢𑒰𑒮𑒱𑒏𑒼𑒯𑒲𑒏 𑒏𑒟𑒰𑒏 𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒰𑒋𑒥। 𑒮𑒹 𑒐𑒰𑒃𑒨𑒼𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒨𑒹𑒏 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒢𑒰, 𑒮𑒳𑒞𑒥𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒧𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒰𑒢𑒰𑒧 𑒍𑒯𑒢 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒢𑒏 𑒑𑒯𑒩𑒰𑒃𑒧𑒹 𑒖𑒰𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒻 𑒕𑒪𑒰 𑒖𑒻𑒚𑒰𑒧𑒏 𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰 𑒥𑒲𑒢𑒖𑒼𑒩 𑒮𑒳𑒞𑒪 𑒧𑒢𑒳𑒭𑓂𑒨 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒖𑒃𑒧𑒹 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿𑒏 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒯𑒹𑒩𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒂 𑒥𑒿𑒔𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒮𑓂𑒫𑒣𑓂𑒢 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒴𑒣 𑒔𑒹𑒞𑒢।

𑒯𑒛𑓃𑒏𑒮𑒿 𑒯𑒛𑓃𑒏𑒻𑒞 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒐𑒰𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹, 𑒣𑒞𑒱 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒍𑒩𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒏𑒩𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒢𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒔𑒰𑒯 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒿 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒹 𑒞𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒂 𑒠𑒱𑒋𑒢 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒪-𑒮𑒳𑒞𑒪 𑒮𑒳𑒞𑒥 𑒧𑒩𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒻𑒢। 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒰𑒑𑒢𑒮𑒹𑒧𑒹 𑒞𑒹𑒞𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒏𑓄 𑒠𑒹𑒥 𑒖𑒹 𑒢𑒱𑒨𑒰𑒩𑒪 𑒥𑒲𑒢 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒮𑒳𑒐𑓂𑒐𑒰 𑒏𑓄 𑒮𑒳𑒐𑓂𑒐𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒻𑒢। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒪𑒑𑒪𑒹 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒥𑒱𑒥𑒱𑒏 𑒖𑒑𑒪𑒻𑒢, 𑒥𑒱𑒥𑒱𑒏 𑒖𑒑𑒱𑒞𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒰𑒑𑒢𑒮𑒧𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒏𑒩𑒥 𑒢𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒢𑒰𑒩𑒲𑒣𑒢𑒏 𑒏𑒧𑒖𑒼𑒩𑒲 𑒦𑒹𑒪, 𑒖𑒃 𑒏𑒧𑒖𑒼𑒩𑒲𑒮𑒿 𑒪𑒼𑒏 𑒃 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒝𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑓄 𑒣𑒥𑒻 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒏𑒢𑒱𑒏𑒼 𑒧𑒳𑒯𑒹𑒿 𑒏𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒏𑒰𑒢 𑒏𑒰𑒢𑒪 𑒖𑒰𑒋। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒢𑒯𑒱, 𑒮𑒦 𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒧𑒵𑒞𑓂𑒨𑒳𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒱 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 𑒏𑒰𑒢 𑒮𑒥𑒯𑒏 𑒧𑒳𑒃𑒪𑒰 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒏𑒰𑒢𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒫𑒰 𑒬𑒼𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒙 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒥𑒱𑒥𑒱𑒏 𑒔𑒼𑒐𑓂𑒐𑒰𑒧𑒹 𑒣𑒛𑓃𑒱𑒨𑒹 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒥𑒱𑒥𑒱𑒏𑒏 𑒔𑒼𑒐𑓂𑒐𑒰 𑒞𑒿 𑒞𑒐𑒢 𑒢𑒹 𑒢𑒱𑒔𑒼𑒐𑓂𑒐 𑒯𑒋𑒞 𑒖𑒐𑒢 𑒑𑒰𑒧-𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒥𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒔𑒲𑒢-𑒣𑒯𑒔𑒲𑒢 𑒯𑒋𑒞। 𑒥𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒔𑒲𑒢-𑒣𑒯𑒔𑒲𑒢𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒖𑒹 𑒯𑒩 𑒧𑒢𑒳𑒏𑓂𑒐𑒏 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒰𑓀𑒏𑒢𑒏 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒰𑓀𑒏𑒢 𑒥𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒋। 𑒖𑒐𑒢 𑒧𑒢𑒳𑒐𑓂𑒨𑒏 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒰𑓀𑒏𑒢 𑒦𑓄 𑒖𑒰𑒋𑒞 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒢𑒹 𑒂𑒿𑒏𑒱 𑒮𑒏𑒥 𑒖𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒏 𑒒𑒩 𑒔𑒼𑒩𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒂𑒏𑒱 𑒃𑒧𑒰𑒢𑒠𑒰𑒩𑒏 𑒒𑒩। 𑒂𑒏𑒱 𑒔𑒼𑒩𑒱 𑒏𑒹𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩𑒏 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 𑒩𑓀𑒑 𑒦𑒹𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒏 𑒠𑒴𑒩𑒲 𑒞𑒿 𑒮𑒼𑒯𑒹-𑒮𑒼𑒯𑒲 𑒥𑒢𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒿 𑒏𑒱𑒨𑒹 𑒔𑒼𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒹 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒱 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪 𑒂 𑒏𑒱𑒨𑒹 𑒃𑒧𑒰𑒢𑒠𑒰𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒱 𑒏𑒩𑒥𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒼𑒢 𑒥𑒰𑒞 𑒖𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒲𑒏 𑒢𑒰𑒧𑒣𑒩 𑒟𑒴𑒏 𑒤𑒹𑒏𑒻𑒋, 𑒍𑒯𑒢 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒖𑒿 𑒔𑒼𑒩𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒏𑒹𑒞𑒋 𑒏𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒫𑒹𑒠𑒢𑒰 𑒯𑒋𑒞 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑓀𑒫𑒹𑒠𑒢𑒰 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞 𑒏𑒩𑒥।

𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒍𑒗𑒩𑒰𑒋𑒪 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒐𑒢 𑒠𑒳𑒃𑒨𑒹 𑒣𑒩𑒰𑒢𑒲𑒏 𑒥𑒲𑒔𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒐𑒢 𑒁𑒢𑒹𑒩𑒹 𑒏𑒱𑒋 𑒋 𑒐𑒱𑒛𑓃𑒏𑒲 𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒂𑒏𑒱 𑒍𑒃 𑒐𑒱𑒛𑓃𑒏𑒲 𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒧𑒳𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰𑒩𑒲 𑒠𑒹𑒥 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒪 𑒕𑒻𑒟 𑒏𑒱 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒧𑒹 𑒕𑒻𑒟 𑒏𑒱 𑒥𑒰𑒪-𑒥𑒼𑒔𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒪𑒑 𑒁𑒥𑒻𑒮𑒿 𑒙𑒰𑒙

𑒪𑒰𑒑𑒻 𑒕𑒻𑒟 𑒂𑒏𑒱 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒢 𑒮𑒹 𑒣𑒳𑒕𑒱𑒨𑒹 𑒏𑒩𑒱 𑒢𑒹 𑒪𑒥𑒻𑒢। 𑒨𑒋𑒯 𑒮𑒼𑒔𑒱 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪𑒲।

𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒹 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒣𑒰𑒏𑒪 𑒖𑒾𑒧𑒹 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒐𑒮𑒞। 𑒚𑒲𑒏𑒹 𑒪𑒼𑒏 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒻 𑒖𑒹 𑒐𑒑𑒪 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒐𑒑𑒪𑒏 𑒥𑒰𑒮 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻। 𑒖𑒹𑒏𑒩𑒰 𑒯𑒰𑒟𑒧𑒹 𑒣𑒰𑒃 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒻 𑒞𑒹𑒏𑒩 𑒯𑒰𑒟 𑒞𑒩𑒯𑒞𑓂𑒟𑒲𑒮𑒿 𑒮𑒮𑒩𑒱 𑒂𑒿𑒑𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒰 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒮𑒻𑒨𑒼𑒏 𑒏𑒼𑒢 𑒥𑒰𑒞 𑒖𑒹 𑒯𑒖𑒰𑒩𑒼 𑒦𑒴𑒩 𑒕𑒳𑒙𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒕𑒳𑒙𑒪𑒼 𑒞𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒧𑒢 𑒁𑒮𑒟𑒱𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒩𑒯𑒻𑒢 𑒏𑒱 𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒠𑒹𑒐, 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒯𑒰𑒟 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒏𑒧𑓂𑒯𑒱𑒩-𑒏𑒧𑓂𑒯𑒱𑒩, 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒞𑒲𑒖𑒲𑒏 𑒂𑒑𑒧𑒢 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒁𑒕𑒱?"

𑒁𑒐𑒢 𑒞𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒞𑒰𑒪 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒰𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒞𑒏 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒮𑒳𑒖𑒰𑒫 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒂𑒢-𑒂𑒢 𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲𑒑𑒝𑒏𑒹𑒿 𑒚𑒹𑒣𑒩 𑒥𑒢𑒲 𑒣𑒏𑒻𑒋 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒣𑒏𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒂𑒥 𑒞𑒃𑒧𑒹 𑒏𑒧𑒲 𑒋𑒪𑒻𑒢। 𑒢𑒫 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒠𑒾𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒋𑒯𑒼𑒏 𑒔𑒹𑒞𑒢 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒪 𑒦𑒰𑒃𑒨𑒹 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒏𑒩𑒱 𑒢𑒹 𑒖𑒐𑒢 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒣𑒩𑒰𑒢𑒱𑒨𑒹𑒿𑒏 𑒥𑒲𑒔𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒕𑒲 𑒞𑒿 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒧𑒱𑒪𑒱 𑒮𑒧𑒰𑒡𑒰𑒢 𑒏𑓄 𑒪𑒲। 𑒞𑒃 𑒪 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒕𑒳𑒪𑒥𑒻𑒏 𑒏𑒼𑒢 𑒐𑒑𑒞𑒰 𑒕𑒻। 𑒏𑒩𑒱 𑒢𑒹 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒣𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒣𑒾𑒞𑒳𑒏𑒲 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒧𑒹𑒠-𑒧𑒹𑒠𑒲𑒢𑒏 𑒪𑒪𑒏-𑒥𑒼𑒪𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒩𑒴𑒣𑒞𑒰 𑒂𑒢𑒱 𑒪𑒲। 𑒁𑒔𑒞𑒰𑒃𑒞-𑒣𑒕𑒰𑒃𑒞 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢 𑒟𑒲𑒩 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒟𑒲𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒲- "𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒏𑒹𑒯𑒢 𑒟𑒏𑒰𑒢 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒻𑒋 𑒖𑒹 𑒐𑒰𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒢𑒱 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲?"

𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒹𑒙𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒕𑒣𑒱𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒠𑒱𑒢𑒱𑒮𑒿 𑒧𑒢 𑒦𑒩𑒱𑒨𑒰𑒋𑒪 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒻𑒋 𑒞𑒿𑒋 𑒮𑒼𑒔𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒦𑒩𑒱𑒨𑒰𑒋𑒪 𑒧𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒂𑒩𑒰𑒧 𑒠𑒹𑒥 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒢𑒲𑒏 𑒯𑒋𑒞।"

𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒑𑒩 𑒮𑒳𑒞𑒩𑒪𑒻𑒢। 𑒑𑒩 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒩𑒞𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒖𑒐𑒢 𑒠𑒱𑒢𑒱𑒮𑒿 𑒧𑒢 𑒦𑒩𑒱𑒨𑒰𑒋𑒪 𑒕𑒪 𑒞𑒐𑒢 𑒋𑒞𑒹 𑒠𑒾𑒛𑓃-𑒥𑒛𑓃𑒯𑒰𑒏 𑒏𑒼𑒢 𑒐𑒑𑒞𑒰, 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒹-𑒞𑒹𑒮𑒩𑒹 𑒠𑒱𑒢 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒞𑒰𑒪 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒃𑒞𑒾।"

𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒚𑒒𑒩𑒰𑒧𑒹 𑒯𑒳𑒙𑓂𑒚𑒰 𑒤𑒳𑒿𑒮𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒞𑒐𑒢 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒞𑒱 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒼𑒏𑒹𑒿 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒏 𑒑𑒻𑒔𑒲 𑒧𑒰𑒕 𑒖𑒏𑒰𑒿, 𑒖𑒹𑒏𑒩𑒰 𑒂𑒢 𑒧𑒰𑒕𑒮𑒿 𑒖𑒲𑒥𑒻𑒏 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒪𑒴𑒩𑒱 𑒕𑒻, 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒮𑒿 𑒟𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒒𑒼𑒮𑒱𑒨𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒖𑒐𑒢 𑒯𑒧𑓂𑒧𑒱𑒢𑒞𑒰𑒪 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒥𑒢𑒰 𑒪𑒹𑒪𑒾 𑒞𑒐𑒢 𑒢𑒃 𑒖𑒰𑒋𑒥 𑒢𑒲𑒏 𑒯𑒼𑒋𑒞?"

𑒥𑒠𑒪𑒪 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒣𑒠𑓂𑒡𑒞𑒱𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒣𑒠𑓂𑒡𑒞𑒱 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒠𑒪𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒃 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒹𑒿 𑒧𑒳𑒯𑒮𑒿 𑒤𑒳𑒙𑒪𑒻𑒢-

"𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒱𑒧𑓂𑒧𑒞𑒪𑒰𑒪 𑒌𑒛𑒰𑒧 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒧𑒢 𑒥𑒢𑒪 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒢𑒹 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒼-𑒪 𑒧𑒢 𑒥𑒢𑒥𑒋 𑒣𑒛𑓃𑒪।"

𑒖𑒃 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒣𑒩 𑒮𑒿 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒧𑒢 𑒯𑒙𑒱 𑒔𑒳𑒏𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒮𑒋𑒯 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒩𑒐𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒮𑒧𑒳𑒔𑒱𑒞 𑒜𑓀𑒑𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑓄 𑒮𑒏𑒪𑒰, 𑒞𑒿𑒋 𑒥𑒖𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢-

"𑒅𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒹 𑒥𑒢𑒰𑒋𑒥।"

𑒧𑒾𑒢 𑒣𑒰𑒛𑓃𑒱 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒯𑒧𑒩𑒼 𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒢𑒹 𑒕𑒹𑒪𑒾 𑒖𑒹 𑒐𑒹𑒪-𑒣𑒲𑒪 𑒣𑒕𑒰𑒃𑒞 𑒍𑒕𑒰𑒃𑒢𑒣𑒩 𑒥𑒲𑒩𑒥𑒪-𑒁𑒏𑒥𑒩 𑒂 𑒁𑒏𑒥𑒩𑒼-𑒠𑒰𑒩𑒰𑒮𑒱𑒏𑒼𑒯𑒏 𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒵𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒏𑒯𑒥।"

𑒁𑒣𑒢𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒤𑒿𑒮𑒻𑒞 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒑𑒾𑒩𑒲 𑒧𑒰𑒕𑒏 𑒑𑒻𑒔𑒱𑒂𑒯 𑒔𑒰𑒪𑒱 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒱𑒌 𑒖𑒹 𑒯𑒧 𑒥𑒮𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒾। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒞𑒿 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹𑒏 𑒥𑒲𑒔𑒏 𑒕𑒲, 𑒖𑒐𑒢 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒢𑒱𑒔𑒹𑒢 𑒯𑒋𑒥 𑒞𑒐𑒢 𑒚𑒻𑒞-𑒯𑒿𑒮𑒻𑒞 𑒏𑒯𑒻𑒞-𑒮𑒳𑒢𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒥। 𑒞𑒃 𑒪𑒹 𑒋𑒞𑒹 𑒡𑒛𑓃𑒤𑒛𑓃𑒲 𑒏𑒼𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒞𑒥𑒼 𑒢𑒹 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒱𑒌 𑒖𑒹 𑒌𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒱𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒕𑒲 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒥𑒲𑒩𑒥𑒪 𑒏𑒳𑒞𑓂𑒞𑒼𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒫𑒰𑒩𑒲 𑒥𑒢𑒰 𑒖𑒰𑒑𑒻𑒢 𑒅𑒡𑒻 𑒕𑒪 𑒂 𑒥𑒋𑒯 𑒏𑒳𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒁𑒐𑒢 𑒋𑒢𑒋𑒔𑒣𑒩 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲-𑒮𑒫𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒞𑒩 𑒣𑒛𑓃𑒱 𑒧𑒩𑒻𑒋। 𑒞𑒿𑒋 𑒋𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒏𑒞𑒱𑒰𑒫 𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒪𑒹𑒥 𑒞𑒐𑒢 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒥-𑒮𑒳𑒢𑒥 𑒯𑒋𑒞 𑒮𑒹 𑒂 𑒁𑒐𑒢 𑒖𑒹 𑒡𑒛𑓃𑒤𑒛𑓃𑒰𑒋𑒪𑒧𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒥 𑒮𑒹, 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒏𑒯𑒴 𑒖𑒹 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 𑒩𑓀𑒑 𑒯𑒋𑒞?"

𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒥𑒼𑒯𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒹𑒪𑒲 𑒖𑒹 𑒥𑒖𑒻𑒏 𑒯𑒼𑒮𑒹 𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪𑒻𑒢। 𑒥𑒹𑒯𑒼𑒮𑒹𑒧𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒯𑒿, 𑒮𑒹 𑒋𑒏 𑒩𑓀𑒑 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒯𑒋𑒞।"

𑒢𑒯𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒠𑒯𑒪𑒰 𑒤𑒹𑒏𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒏𑒼𑒢 𑒩𑓀𑒑-𑒏𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒮𑒹 𑒡𑒛𑓃𑒤𑒛𑓃𑒹𑒢𑒹 𑒥𑒳𑒗𑒥𑒻। 𑒁𑒯𑒲𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒞𑒹 𑒎𑒑𑒞𑒰𑒃 𑒏𑒱𑒋 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒃𑒨𑒹 𑒏𑒱 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒧𑒩𑒱 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒖𑒐𑒢 𑒖𑒲𑒥𑒻𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒢𑒱𑒔𑒹𑒢𑒮𑒿 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒹 𑒖𑒲𑒥𑒰 𑒖𑒰𑒅, 𑒁𑒯𑒴𑒿 𑒧𑒰𑒢𑒮 𑒏𑒩𑒴 𑒂 𑒯𑒧𑒯𑒴𑒿 𑒏𑒢𑒲 𑒠𑒹𑒯-𑒯𑒰𑒟 𑒧𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒪𑒃 𑒕𑒲।"

𑒥𑒠𑒪𑒪 𑒮𑒼𑒦𑒰𑒫 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏, 𑒞𑒿𑒋 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒖𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢, 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒕𑒻𑒟 𑒞𑒿 𑒣𑒞𑒱 𑒕𑒻𑒟, 𑒍 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒗𑒴𑒚 𑒥𑒖𑒞𑒰। 𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒖𑒿 𑒯𑒧𑒯𑒲𑓀 𑒯𑒖𑒰𑒩 𑒥𑒹𑒩 𑒥𑒰𑒖𑒲 𑒖𑒹 𑒄 𑒏𑒰𑒖 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒪,

𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒙𑒳𑒙𑓂𑒙𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒾, 𑒞𑒐𑒢 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒞𑒻𑒢। 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒥𑒳𑒗𑒱𑒏 𑒧𑒬𑒲𑒢 𑒍𑒞𑒹 𑒖𑒛𑓃𑒰𑒑𑒃𑒪𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒢𑒹 𑒣𑒯𑒱 𑒧𑒰𑒢𑒻 𑒕𑒟𑒱𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒩𑒱𑒣𑒞𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒟𑒱𑒢। 𑒫𑒵𑒨𑒰𑒢 𑒧𑒑𑒢 𑒖𑓄 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒢𑒱। 𑒏𑒕𑒱 𑒥𑒖𑒢𑒹 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒅𑒑𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒏𑒻𑒁 𑒑𑒹𑒪। 𑒪𑒧𑒯𑒩 𑒮𑒰𑒿𑒮 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒑𑒳𑒝-𑒑𑒳𑒝𑒰 𑒏𑓄 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒖𑒰𑒢 𑒕𑒳𑒙𑒪।"

𑒖𑒲𑒞𑒩𑒏 𑒯𑒫𑒰 𑒢𑒏𑒻𑒁𑒞𑒹 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢। 𑒮𑒲𑒞𑒹𑒢𑒰𑒟 𑒂𑒏𑒱 𑒑𑒲𑒞𑒹𑒢𑒰𑒟𑒮𑒿 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒩𑓂𑒏 𑒏𑓄 𑒏𑒯𑒱 𑒢𑒹 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒮𑒧𑒨𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒢𑒰𑒥𑒲। 𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒁𑒢𑒳𑒏𑒴𑒪 𑒥𑒢𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒹 𑒏𑒰𑒖 𑒢𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒖𑒻𑒚𑒰𑒧 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒑𑒜𑓃𑒻𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒻𑒚𑒰𑒧 𑒞𑒿 𑒃 𑒥𑒳𑒗𑒋 𑒣𑒛𑓃𑒞 𑒖𑒹 𑒧𑒢𑒳𑒭𑓂𑒨𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒪-𑒖𑒰𑒪 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒕𑒰𑒢-𑒥𑒰𑒢𑓂𑒯 𑒢𑒃 𑒪𑒑𑒻𑒋 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒥𑒾𑒨𑒱𑒏𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒹 𑒥𑒳𑒬𑓂𑒨𑒏𑒱 𑒕𑒰𑒢-𑒥𑒰𑒢𑓂𑒯 𑒢𑒯𑒱 𑒪𑒑𑒻𑒋 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒰𑒞 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒕𑒰𑒢𑒹-𑒥𑒰𑒢𑓂𑒯𑒙𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒪-𑒧𑒯𑒖𑒰𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒟𑒱।

𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏𑒹𑒿 𑒤𑒼𑒢𑒮𑒿 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒩𑓂𑒏 𑒏𑒋 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟?"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒯𑒿 𑒦𑒻𑒨𑒰, 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝।"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯𑒏 ''𑒦𑒻𑒨𑒰'' 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒬𑒩𑒲𑒩 𑒣𑒮𑒲𑒖 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒖𑒰𑒨 𑒠𑒼𑒮𑓂𑒞𑒱𑒨𑒰𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒥𑒩𑒰𑒥𑒩𑒱 𑒖𑒹𑒪𑒻, 𑒞𑒿𑒋 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹𑒩𑓀𑒑 𑒥𑒳𑒗𑒱𑒨𑒰𑒩 𑒖𑒹𑒪𑒻। 𑒧𑒳𑒠𑒰 ''𑒥𑒾𑒂'' 𑒂 ''𑒦𑒻𑒨𑒰'' 𑒞𑒿 𑒮𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒲। 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒥𑒯! 𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒋𑒪𑒾 𑒞𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒯 𑒖𑒹 𑒧𑒢𑒻𑒨𑒼𑒏 𑒕𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒰𑒪𑓂𑒯𑒱 𑒞𑒏 𑒮𑒥 𑒮𑒧𑓂𑒯𑒰𑒩𑒻𑒞 𑒂𑒃 𑒢𑒱𑒨𑒹𑒢 𑒦𑒹𑒪𑒾। 𑒢𑒲𑒏 𑒯𑒋𑒞 𑒖𑒹 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒑𑒣 𑒏𑒩𑒻𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒑𑒲𑒞𑒼𑒢𑒰𑒟𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒖𑒰, 𑒔𑒰𑒯𑒹 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒰 𑒞𑒲𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒑𑒣 𑒏𑒩𑒱𑒞𑒯𑒱।"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒞𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒢𑒲 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒯𑒋𑒞।"

𑒁𑒣𑒢 𑒢𑒱𑒮𑒱𑒨𑒢𑒱𑒞𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒞𑒼𑒩𑒹 𑒮𑒧𑒨𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒼 𑒮𑒧𑒨 𑒦𑒹𑒪। 𑒞𑒼𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒯 𑒖𑒹 𑒏𑒐𑒢 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒯𑒋𑒞?"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒦𑒻𑒨𑒰, 𑒒𑒛𑓃𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒕𑒟𑒱, 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒬𑒯𑒩-𑒥𑒖𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒲 𑒞𑒿𑒋 𑒁𑒥𑒹𑒩 𑒏𑓄 𑒦𑒰𑒋

𑒕𑒲, 𑒯𑒧𑒮𑒦 𑒑𑒧𑒻𑒨𑒰 𑒪𑒼𑒏 𑒢𑒘 𑒥𑒖𑒹𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒐𑒰 𑒪𑒃 𑒕𑒲। 𑒐𑒰𑒃𑒞𑒹 𑒏𑒰𑒪 𑒣𑒾𑒢𑒹 𑒢𑒘 𑒥𑒖𑒹𑒥𑒪𑒰 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩𑒼 𑒮𑒳𑒢𑒻 𑒕𑒲।"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯𑒏 𑒮𑒳𑒢𑒪 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞𑒞𑒰 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒐𑒹𑒥𑒼 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲 𑒂 𑒩𑒹𑒛𑒱𑒨𑒼𑒮𑒿 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩𑒼 𑒮𑒳𑒢𑒻 𑒕𑒲, 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧 𑒧𑒢𑒹-𑒧𑒢 𑒧𑒳𑒮𑓂𑒏𑒳𑒩𑒹𑒪𑒰। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒥𑒰𑒪-𑒥𑒼𑒔𑒏 𑒥𑒼𑒪 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒥𑒰𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒪𑒾 𑒞𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒯 𑒖𑒹 𑒢𑒨𑒱𑒢𑒹-𑒢𑒨𑒱𑒢 𑒩𑒯𑒻 𑒕𑒲। 𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒏𑒰𑒖 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒢𑒹 𑒟𑒼𑒛𑓃𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞𑒞𑒰 𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒂𑒥 𑒁𑒮𑒟𑒱𑒩 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒾। 𑒞𑒿𑒋 𑒖𑒐𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒢𑒹𑒥𑒯 𑒯𑒧 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒕𑒱𑒁।"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒁𑒣𑒢 𑒯𑒧 𑒮𑒦 𑒐𑒰𑒃-𑒣𑒲𑒥𑒻 𑒕𑒲, 𑒣𑒕𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒮𑒦, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒮𑒧𑒨 𑒦𑒹𑒢𑒹 𑒐𑒰𑒋𑒥-𑒣𑒲𑒁𑒥, 𑒞𑒿𑒋 𑒞𑒹𑒏𑒩 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒦𑒹𑒪 𑒖𑒐𑒢 𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒍𑒕𑒰𑒃𑒢𑒣𑒩 𑒩𑒯𑒥।"

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒧𑒳𑒿𑒯𑒏 ’’𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒍𑒕𑒰𑒃𑒢𑒣𑒩 𑒩𑒯𑒥, 𑒮𑓀𑒨𑒼𑒑𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒲, 𑒏𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒞𑒃𑒏𑒰𑒪 𑒦𑒰𑒢𑒮𑒏 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒱 𑒍𑒮𑒰𑒩𑒰𑒣𑒩 𑒂𑒋𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒲। ’’𑒮𑒳𑒞𑒻𑒏 𑒍𑒕𑒰𑒃𑒢’’ 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒁𑒢𑒹𑒏𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒋𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒅𑒚𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒅𑒚𑒥𑒼 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒢𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒢, 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒼𑒏 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒒𑒰𑒙-𑒥𑒰𑒙 𑒕𑒻। 𑒋𑒏𑒔𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒪𑒪 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒮𑒳𑒑𑒧 𑒒𑒰𑒙 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒥𑒯𑒳𑒔𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒪 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒧 𑒒𑒰𑒙 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒢𑒰𑒨𑒱𑒿 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒏𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒔𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒪𑒼𑒏 𑒯𑒳𑒁 𑒂𑒏𑒱 𑒥𑒯𑒳𑒔𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩, 𑒖𑒐𑒢𑒹 𑒥𑒯𑒳𑒔𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒯𑒋𑒞 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒔𑒾𑒏-𑒔𑒾𑒩𑒰𑒯𑒰 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒦𑒹𑒢𑒹 𑒥𑒰𑒙𑒼-𑒒𑒰𑒙 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒧 𑒦𑒰𑒃𑒨𑒹 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒔𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑒖𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱𑒞 𑒦𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒞𑒃𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒹𑒏𑒼 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒚𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒍𑒢𑒰, 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒢𑒨𑒱𑒢𑒮𑒿 𑒑𑒣 𑒏𑒩𑒥 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒞𑒥𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒢𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒍 𑒏𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒖𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒮𑒳 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒞𑒥 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩-𑒫𑒱𑒧𑒩𑓂𑒬 𑒏𑒩𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒖𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒮𑒰 𑒞𑒞𑒹 𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚 𑒮𑒳𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒜𑓃𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒦𑒢𑒮𑒰 𑒒𑒩 𑒥𑒱𑒮𑒻𑒩 𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒏𑒼𑒚𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔 𑒥𑒰𑒖𑒪𑒲-

"𑒏𑒢𑒱𑒏𑒰𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒞𑒪𑒲 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒢𑒹𑒪𑒋𑒢 𑒁𑒕𑒱?"

𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒥𑒏𑒩𑒲 𑒔𑒩𑒾𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒥𑒹𑒠𑒩𑒰 𑒮𑒰𑒿𑒗𑒴 𑒣𑒯𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒏𑒩𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒯𑒙𑒰𑒩𑒱 𑒒𑒩𑒣𑒩 𑒂𑒢𑒻𑒋 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒩𑒰𑒔𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧 𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒯𑒙𑒰𑒩𑒻𑒞 𑒥𑒰𑒖𑒪𑒰-

"𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒥, 𑒑𑒰𑒧-𑒒𑒩 𑒧𑒼𑒢 𑒣𑒛𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒞𑒿𑒋 𑒑𑒾𑒂𑒿-𑒒𑒩𑒴𑒂𑒮𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒪𑒾, 𑒮𑒋𑒯 𑒮𑒳𑒞𑒪𑒲 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒢𑒹𑒪𑒾 𑒯𑒹𑒢?"

પતિક વ઼િયાનક પ્નવાહમે સુવાસિની જઁસયિા ગેઊ। જઁસયિાઇત વળઊ-

"હમ૧ ગામ-ઘ૧ તઁ ઉપૈટયિ઼ ગેઊ઼!"

પત્નીક વ઼િયા૧ સુનિ નાયાનમામાકેઁ હઁસી ઊગ઼િ ગેલૈન ળ઼૨સઁ તેના હઁસા ગેલૈન ળે હઁસિતિ વળઊ-

"ગામ-ઘ૧ ઉપૈટ ગેઊ શ્રાકિ શ્રપને ઉપૈટ ગેઊૌ, સે કહઁ કહઊઇ?"

નિ઼ુત્ત૧ હોઇત સુવાસિની, પતિક વ઼િયા૧ વુહૈઊ કેવ઼ાડ઼ક પટ્ટા ઊગ઼ શ્રાવિ ઠાઢ઼ ભ઼ઽ શ્રકાનઇ ઊગ઼ઊ।

નાયાનમામા વળઊ-

"ળહિના સભ મહિઊ સાસુ૧ વસઊ પછાઇત શ્રપન માતા-પિતાક ગામ-ઘ૧ વસૈ૧ ળા૨ છૈથ તહિના શ્રહૂઁ વસૈ૧ ળાઉ। શ્રાળુક પ૧વ઼િશમે નવ઼ પ૧સ્થિતિ સેહો વનઊ શ્રછિ, ળ઼૨સઁ સમ્વન્યક એક નવ઼ સૂત્ર સેહો પનપઊ શ્રછિ। ળઁ ત૨ સૂત્રકેઁ પકૈડ઼ પુનઃ વસવઇ યાહવ તઁ કિઇ ઉપટઊ ન૧હત।"

પતિક વ઼િયા૧મે, ળહિના નશ્રિાસમે શ્રાસ હૅપાએઊ ન૧હૈઇ મુદા સમય઼ક ગ઼તિ શ્રોકન૧ યેતવૈત પકડ઼ા દ૨ઇ તહિના સુવ઼ાસિનીકેઁ સેહો ભેઊૈન મુદા પકડ઼ાએત કેના સે વુહિમ એવે ને કેઊૈન। ળ઼૨સઁ મા૧નિ પ્યાએઊ સાઁપ ળકાઁ સુવ઼ાસિનીક મન તઁ ઉનટઇ-પુનટઇ ઊગ઼ઊૈન મુદા નિ઼ુત્ત૧ ભેને શ્રસથિ હોઇત યુપે ન૧હઊ। નાયાનમામા વળઊ-

"એકઠામ વૈસને-ઉઠને, ગપ-સપ્પ ભેને શ્રા ળનિગ઼ીક ગ઼તિક યન્ય-વન્ય કેને ઊકક મનમે ઊક વસૈઇ શ્રા ન૨ ભેને ઉપટૈઇ।"

શ્રપના ળનૈત નાયાનમામા સભ વાત વાળિ ગેઊ મુદા સુવ઼ાસિનીક ઉદગ્નિ મનમે નીક ળકાઁ વૈસવે ને કેઊૈન। વળઊ-

"સે કેના હએત?"

તૈવીય શ્રપન સમય઼ નાયાનમામાક મનમે નાચિ ઉઠઊૈન। નાચિ ઈ ઉઠઊૈન ળે સીતાનાથ કહઊક શ્રપ્પન હમ સભ પ્યા૨-પીવૈ છી પછાઇત શ્રહઁ સભ પ્યાએવ, તેક૧ પછાઇત ને શ્રોછાઇનપ૧ ળાએવ। હમ૧ા ન૨ કોનો કાળ શ્રછિ તૈઇ ગ઼પ-સપ્પ કરૈક ૨ચ્છા શ્રછિ, મુદા સીતાનાથક કાન તઁ ઠાઢ઼ હએત કનિ। ગ઼ીતાનાથસઁ સમ્પ૧્ક કેને હએત, તૈવીય ઈહો સોયૈત હએત ળે સાઢ઼ે નશ્ર વળે, શ્રો સભ માને હમ સભ પ્યાએવ, તેક૧ માને ભેઊ ળે દસ વળે શ્રોછાઇનપ૧ ળાએવક સમય઼ ભેઊ, તૈઇ દસ વળે શ્રોછાઇનપ૧ પહુઁચ ળાએવ શ્રછિ। ઈહો તઁ ઉચિત નહિયેં હએત ળે દુનૂ ગ઼ોપે-

𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒂 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒦𑓄 "𑒯𑒹𑒪𑒼-𑒯𑒹𑒪𑒼" 𑒏𑒩𑒋 𑒂 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑓂𑒨𑒰𑒋𑒏𑒹𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒩𑒯𑒱।

𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒧𑒰𑒝 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒖𑒑𑒪𑒻𑒢। 𑒖𑒑𑒞𑒱 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒅𑒚𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑓂𑒨𑒰𑒋𑒥 𑒙𑒰 𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒼 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒢𑒱𑒨𑒼𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒰𑒢𑒮 𑒏𑒩𑒥 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒞𑒃 𑒥𑒱𑒨𑒱𑒨𑒹𑒧𑒹 𑒕𑒻𑒢। 𑒞𑒻𑒥𑒲𑒔 𑒖𑒿 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒲 𑒮𑒹 𑒥𑒳𑒛𑓃𑒥𑒱𑒏𑒼 𑒯𑒋𑒞। 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒧𑒙𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒯𑒋𑒞 𑒮𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒯𑒹𑒩𑒰𑒋𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒹 𑒢𑒹 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲। 𑒧𑒼𑒥𑒰𑒃𑒪 𑒁𑒕𑒱𑒋, 𑒖𑒹𑒞𑒹 𑒮𑒐𑒲-𑒥𑒯𑒱𑒢𑒣𑒰 𑒕𑒻𑒟 𑒞𑒢𑒱𑒏𑒼 𑒂 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒯𑒏𑒰𑒩 𑒠𑓄 𑒠𑒱𑒨𑒾𑒢 𑒖𑒹 𑒖𑒑𑒩𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒥𑒰𑒮𑒿 𑒟𑒼𑒛𑓃𑒥𑒹 𑒯𑒙𑒪, 𑒥𑒱𑒨𑒱𑒨𑒹 𑒩𑒮𑓂𑒞𑒰𑒣𑒩 𑒯𑒧 𑒕𑒲, 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢𑒏 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 "𑒩𑒟 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰" 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒑𑒩𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒥𑒰𑒏 𑒩𑒟𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒔𑒪𑒞, 𑒍𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒋 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒁𑒥𑒻 𑒖𑒰𑒃 𑒖𑒰𑒅। 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒎𑒞𑒲, 𑒮𑒧𑓂𑒢𑒫𑓂𑒨𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒫𑒮𑒴𑒞𑓂𑒩 𑒣𑒢𑒣𑒞। 𑒏𑒰𑒪𑓂𑒯𑒱 𑒠𑒱𑒢𑒱 𑒖𑒿 𑒥𑒻𑒖𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒰𑒥𑒰 𑒌𑒚𑒰𑒧 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧 𑒥𑒢𑒞, 𑒞𑒿 𑒃𑒧𑓂𑒯𑒩𑒮𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒮𑒦 𑒔𑒪𑒥, 𑒍𑒧𑓂𑒯𑒩𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒍 𑒮𑒦 𑒎𑒞𑒲, 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒣𑒳𑒖𑒹𑒑𑒩𑒲𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒝𑓂𑒛𑒰𑒏 𑒡𑒩𑒧𑒬𑒰𑒪𑒰 𑒕𑒻𑒢𑓂𑒯𑒹, 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒋𑒏𑒚𑒰𑒧 𑒩𑒯𑒥𑒼 𑒏𑒩𑒥 𑒂 𑒑𑒣𑒼-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒥।"

𑒠𑒮 𑒥𑒰𑒖𑒱𑒏𑓄 𑒣𑒰𑒿𑒔 𑒧𑒱𑒢𑒙𑒣𑒩 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒧𑒼𑒥𑒰𑒃𑒪𑒮𑒿 𑒒𑒝𑓂𑒙𑒲 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒧𑒼𑒥𑒰𑒃𑒪𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒢, 𑒅𑒚𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟, 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒦𑒰𑒿𑒃 𑒕𑒯 𑒏𑒱?"

𑒍𑒢𑒰, 𑒖𑒐𑒢𑒹 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒍𑒢 𑒩𑒮𑒱𑒖𑒱 𑒏𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒏𑒱 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒂 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹𑒥𑒹𑒩 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒑𑒼𑒛𑓃 𑒪𑒑𑒻 𑒕𑒲 𑒥𑒰𑒥𑒰। 𑒂𑒥 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒍𑒯𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒰 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒱𑒋 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒖𑒿 𑒫𑒩𑒠𑒯𑒮𑓂𑒞 𑒩𑒯𑒞 𑒞𑒿 𑒯𑒧 𑒮𑒦 𑒢𑒱𑒖𑒰𑒨𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒖𑒰𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒲।"

𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒦 𑒥𑒖𑒪𑒰 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒳𑒢𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒏𑒢𑒱𑒏𑒼 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒹। 𑒯𑒾𑒯𑒻𑒩 𑒬𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂 𑒞𑒿 𑒞𑒲𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒩𑒹 𑒕𑒲, 𑒞𑒯𑒴𑒧𑒹 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒮𑒧𑓂𑒢𑒫𑓂𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒕𑒱𑒋, 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒬𑒰 𑒏𑒯𑒱 𑒢𑒹 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒯𑒼𑒃, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒏 𑒡𑒩𑒞𑒲 𑒞𑒿 𑒥𑒋𑒯 𑒕𑒲, 𑒞𑒃 𑒪𑒹?"

"𑒞𑒃 𑒪𑒹" 𑒞𑒏 𑒁𑒥𑒻𑒞-𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒰𑒧𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒏𑓂 𑒯𑒩𑒰𑒧 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒢।

𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒏𑒾𑒪𑒹𑒖𑒧𑒹 𑒣𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒢𑒫𑒨𑒳𑒫𑒏, 𑒞𑒿𑒋 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯 𑒖𑒑𑒪 𑒩𑒯𑒋। 𑒞𑒯𑒴𑒧𑒹

𑒧𑒟𑒱𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒥𑓀𑒑𑒰𑒪𑒏 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒞𑒏𑒏 𑒧𑒰𑒞𑒵𑒦𑒴𑒧𑒱𑒏 𑒑𑒲𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒂𑒩𑒼 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒱𑒞 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒦𑒴𑒧𑒱𑒮𑒿 𑒩𑒯𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒋 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒦𑒰𑒨 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥, 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒩𑒮𑓂𑒞𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒔𑒳𑒏𑒪 𑒕𑒟𑒱 𑒞𑒿𑒋 𑒮𑒳𑒗𑒹𑒥𑒻 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒢𑒹।"

𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒞𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒥𑒰𑒡𑒰 𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒝𑒰 𑒕𑒱𑒣𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒋, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒅𑒮𑒏𑒥𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒖𑒱𑒘𑓂𑒖𑒰𑒮𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒍 𑒮𑒖𑒑 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒖𑒑𑒻𑒥𑒞𑒼 𑒁𑒕𑒱। 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒧𑓂𑒧, 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒆𑒣𑒩 𑒂𑒋𑒪 𑒦𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒙𑒳𑒏𑒛𑓃𑒲-𑒙𑒳𑒏𑒛𑓃𑒲 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒐𑒰𑒧𑓂𑒯-𑒐𑒰𑒧𑓂𑒯 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒹 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼𑒮𑒿 𑒕𑒱𑒣𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒑𑒪𑒪 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒲। 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒃 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒖𑒹 𑒖𑒃 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑒢 𑒧𑒹𑒯𑒢𑒞𑒲 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒃 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒥𑒻𑒨𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒏𑒲 𑒑𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱!"

𑒍𑒢𑒰, 𑒁𑒨𑒰-𑒕𑒱𑒨𑒰 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒧𑓂𑒧𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒥𑒳𑒗𑒥𑒼 𑒏𑒹𑒪𑒏। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 (𑒂𑒢𑒏) 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒪 𑒯𑒮𑓂𑒞𑒏𑓂𑒭𑒹𑒣 𑒏𑒩𑒥𑒏𑒹𑒿 𑒅𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒦𑒰𑒨 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥, 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒏𑒼𑒢 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥𑒹 𑒥𑒖𑒻 𑒕𑒲 𑒂 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥𑒹 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒲 𑒮𑒹 𑒪𑒰𑒪 𑒏𑒹𑒢𑒰?"

𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒩𑒰𑒨𑒰𑒩𑒧𑒧𑓂𑒧𑒏 𑒧𑒢 𑒧𑒰𑒢𑒱 𑒪𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒥𑒱𑒪𑓂𑒏𑒳𑒪 𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒥𑒰𑒞 𑒥𑒰𑒖𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒞𑒲𑒢 𑒩𑒴𑒣𑒹𑓀 𑒑𑒜𑓃 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒖𑒹 𑒣𑒰𑒕𑒴𑒮𑒿 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒔𑒰𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒔𑒛𑓃 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒂𑒩𑒼 𑒞𑒹𑒖 𑒑𑒞𑒱𑒨𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒏𑒩𑒻𑒋 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒖𑒹 𑒖𑒯𑒱 𑒑𑒞𑒱𑒨𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒍𑒯𑒱 𑒑𑒞𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃 𑒂𑒑𑒴𑒧𑒳𑒯𑒹𑒿 𑒥𑒜𑓃𑒥 𑒂 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒖𑒹 𑒔𑒰𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒱𑒪𑓂𑒏𑒳𑒪 𑒫𑒱𑒣𑒩𑒲𑒞 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒧𑒹 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒁𑒣𑒢 𑒞𑒿 𑒞𑒹𑒯𑒢𑒹 𑒔𑒰𑒪𑒰 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒥𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒥𑒰𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒧𑒪𑒠𑒰𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒧𑒬𑒲𑒪 𑒕𑒪, 𑒖𑒹𑒏𑒩 𑒤𑒪𑒰𑒤𑒪 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒮𑒳𑒦𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒁𑒧𑒪𑒠𑒰𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒋𑒯𑒹𑒢 𑒯𑓂𑒩𑒰𑒮 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒣𑒲𑒜𑓃𑒲 𑒥𑒱𑒪𑓂𑒏𑒳𑒪 𑒢𑒱𑒏𑒧𑓂𑒧𑒰-𑒖𑒰𑒯𑒱𑒪 𑒥𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒼𑒔, 𑒮𑒧𑒗 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿𑒋 𑒋 𑒥𑒰𑒞𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒹𑒥 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒁𑒕𑒱, 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒏 𑒂𑒨𑒳𑒮𑒿 𑒢𑒯𑒱, 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒨𑒢-𑒧𑒢𑒢𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒮𑒿, 𑒞𑒿𑒋 𑒚𑒲𑒏 𑒯𑒋𑒞 𑒖𑒹 𑒍𑒏𑒩𑒹 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒯𑒱 𑒢𑒹 𑒑𑒞𑒱𑒬𑒲𑒪𑒞𑒼 𑒂 𑒦𑒫𑒱𑒭-𑒩𑒴𑒣𑒼𑒏 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒻𑒞 𑒔𑒪𑒱। 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒧𑒢 𑒧𑒰𑒢𑒱 𑒖𑒹𑒞𑒻 𑒖𑒹 𑒏𑒲 𑒚𑒲𑒏 𑒏𑒲 𑒁𑒥𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒞𑒹 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒁𑒥𑒻𑒞-

𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒼𑒛𑓃 𑒪𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢। 𑒧𑒼𑒛𑓃 𑒄 𑒪𑒹𑒪𑒏𑒻𑒢 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒨𑒰 𑒁𑒣𑒢 𑒦𑒹𑒪, 𑒍𑒃 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒩𑓂𑒞𑒰 𑒣𑒳𑒩𑒳𑒭 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒦𑒹𑒪𑒾। 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒳𑒝 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒹𑒬 𑒏𑓄 𑒔𑒳𑒏𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒚𑒲𑒏 𑒥𑒢𑒰𑒋𑒥 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒮𑒳𑒡𑒰𑒩𑒥 𑒁𑒣𑒢 𑒠𑒰𑒨𑒱𑒞𑓂𑒫 𑒦𑒹𑒪। 𑒖𑒿 𑒁𑒢𑒏𑒰 𑒪𑒑 𑒥𑒰𑒖𑒥 𑒂 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒥𑒳𑒗𑒞𑒰 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒰 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒢𑒹 𑒥𑒹𑒙𑒰 𑒫𑓀𑒬 𑒅𑒖𑒰𑒛𑓃𑒢 𑒯𑒼𑒃𑒋। 𑒞𑒻𑒮𑓀𑒑 𑒂𑒢 𑒖𑒹 𑒂𑒢𑒏 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒯𑒾 𑒔𑒰𑒯𑒞𑒰 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒮𑒯𑒋 𑒕𑒻𑒢, 𑒞𑒻𑒨𑒼 𑒁𑒢𑒹𑒩𑒹 𑒮𑒥𑒯𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒩𑒏𑓂𑒏𑒰-𑒙𑒼𑒏𑒲 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒋𑒞 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒍𑒃𑒮𑒿 𑒪𑒰𑒖 𑒟𑒼𑒛𑓃𑒹 𑒯𑒋𑒞। 𑒩𑒏𑓂𑒏𑒰-𑒙𑒼𑒏𑒲 𑒫𑒱𑒫𑒰𑒠 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒻𑒋 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒱 𑒮𑒼𑒔-𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒏 𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒑𑒜𑓃𑒻𑒋। 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒴𑒩𑒰𑒢 𑒣𑒰𑒮𑒰 𑒥𑒠𑒪𑒻𑒞 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒁𑒰, 𑒞𑒼𑒯𑒴𑒿 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒩𑒋 𑒔𑒰𑒯𑒻 𑒕𑒯 𑒂 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒖𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒮𑒰 𑒕𑒪, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒯𑒖𑒰𑒩𑒼 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒠𑒴𑒩𑒣𑒩 𑒕𑒲। 𑒖𑒻𑒚𑒰𑒧 𑒡𑒩𑒞𑒲 𑒁𑒣𑒢 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩 𑒧𑓀𑒑𑒻𑒋 𑒞𑒻𑒚𑒰𑒧 𑒋𑒞𑒹 𑒠𑒴𑒩 𑒯𑒙𑒱 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑓄 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒲।"

𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒑𑒲𑒞𑒰𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒧𑒢 𑒑𑒠𑒑𑒰𑒩𑒪 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒮𑒢 𑒂𑒃𑒋𑒋𑒮 𑒖𑒿 𑒣𑒲𑒚𑒣𑒩 𑒩𑒯𑒞𑒰 𑒞𑒿 𑒏𑒞𑒾 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒦𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒏 𑒧𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒼𑒙-𑒏𑒔𑒯𑒩𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒯𑒰𑒨𑒞𑒰 𑒮𑒧𑒰𑒋𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏𑒹𑒿 𑒐𑒴𑒥 𑒚𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒞𑒿 𑒢𑒯𑒱, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒚𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒏𑒲 𑒕𑒲 𑒂 𑒏𑒹𑒞𑒋 𑒥𑒼𑒯𑒱𑒨𑒰𑒋𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒃 𑒥𑒼𑒯𑒱𑒣𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒳𑒡𑒰𑒩𑒲 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒣𑒢 𑒥𑒢𑒥𑒻𑒏 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒻𑒨𑒼 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒥𑒰𑒪-𑒥𑒼𑒡, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒮𑒲𑒞𑒼𑒢𑒰𑒟 𑒂 𑒑𑒲𑒞𑒼𑒢𑒰𑒟 𑒁𑒕𑒱, 𑒞𑒿𑒋 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒑𑒥𑒻𑒞 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒞𑒱 𑒩𑒴𑒣𑒹𑒿 𑒥𑒰𑒖𑒪-

"𑒦𑒰𑒨 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥, 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒮𑒦 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒬𑓂𑒩𑒹𑒭𑓂𑒚 𑒦𑒹𑒪𑒱 𑒞𑒿𑒋 𑒁𑒣𑒢𑒹𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒚𑒲𑒏 𑒯𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞। 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒖𑒹 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒠𑒹𑒥, 𑒮𑒹 𑒬𑒱𑒩𑒼𑒡𑒰𑒩𑓂𑒨 𑒁𑒕𑒱।"

𑒍𑒢𑒰, 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒚𑒲𑒏 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒮𑒳𑒢𑒪𑒻𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹-𑒂𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒖𑒰𑒢𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒋𑒞𑒹 𑒫𑒱𑒣𑒩𑒲𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒖𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒥𑒰𑒖𑒥 𑒞𑒿 𑒂𑒢𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒢𑒼𑒔𑒱 𑒪𑒹𑒞। 𑒞𑒐𑒢 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒂𑒢 𑒏𑒹 𑒮𑒳𑒢𑒞। 𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒏𑒯𑒱 𑒙𑒰𑒩𑒱 𑒠𑒹𑒞। 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒥𑒖𑒪𑒰-

"𑒥𑒾𑒁𑒰, 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒖𑒐𑒢𑒹𑒮𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒻𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑓂𑒣 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒪𑒹𑒥𑒯, 𑒞𑒐𑒢𑒹𑒮𑒿 𑒍𑒃𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒩𑒼𑒡 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒹𑒞𑒯। 𑒫𑒱𑒩𑒼𑒡𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱, 𑒞𑒻𑒚𑒰𑒧 𑒞𑒴𑒿 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒋𑒏 𑒦𑒰𑒑 𑒦𑓄 𑒖𑒹𑒥𑒯 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒦𑒰𑒑𑒮𑒿 𑒟𑒼𑒣𑒛𑓃𑒰 𑒠𑒹𑒞𑒯। 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥𑒯 𑒖𑒹 𑒩𑒰𑒡𑒰𑒩𑒧𑒝 𑒂𑒿𑒙𑒣𑒱𑒢 𑒔𑒜𑓃𑒰 𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒐𑒳𑒂 𑒠𑒹𑒪𑒻𑒢। 𑒞𑒼𑒯𑒲𑓀 𑒏𑒯𑒯 𑒖𑒹

एहेन दोषी बनैमे अपन की गलती हएत?"
राधारमणक विचार सुनि सीतानाथ बाजल-
"भैया, ओहीसँ देह झँसियाएल। अहाँ ने दिन-रातिक दरमाहा पबै छी तँ काजक भेलौ, मुदा हमसभ तँ से नहि छी, तँए हमरा सभकेँ की भेटत। जखन विचार करए सभ बैसलौं तँ किछु विचारियो कऽ ने अन्त करबा।"
राधारमण बाजल-
"बौआ, आमक गाछी जखन आमक मासमे जेबहक आ आम जँ भरखैर पकैत रहत, तँ देखबहक जे एकटा एम्हरसँ भट-दे खसल कि दोसर ओम्हरसँ। केम्हर दौड़ कऽ लेबह। तँए पहिने देखि लिअ पड़त जे कियो दोसरो ने त दौड़ रहल अछि। जखन नहि अछि तखन असथिरसँ ओहन काज करह जे जीवनकेँ उन्नतिवान बनबै।"
ओघाएल सीतानाथ बाजल-
"भाय साहैब, आखिरी विचार अपन दियौ। जिनसँ काज बन्न भेल जा रहल अछि।"
राधारमण बाजल-
"बौआ, तोहूँ दुनू गोटे अखन कौलेजमे छह आ हमहूँ हालेमे छोड़लौं अछि। तँए पहिने ''गामक इतिहास'' तीनू गोटे मिलि लिखिह। अखन अपना सभ पढ़ै-लिखैक काजमे चलि रहल छी, तँए पहिने समाजकेँ चिन्हैक खगता अछि।"
गीतानाथ बाजल-
"भाय साहैब, नीक विचार अछि।"
(जारी---)

**अपन मंतव्य** editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

## २१३.𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪-𑒂𑒥 𑒢𑒃 𑒖𑒲𑒥 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰)



<u>**𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪**</u>

### 𑒂𑒥 𑒢𑒃 𑒖𑒲𑒥

𑒂𑒃 𑒠𑒱𑒢 𑒂 𑒁𑒢𑒏𑒹 𑒮𑒦 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒥𑒖𑒹 𑒦𑒼𑒩𑒹𑒮𑒿 𑒮𑒛𑓃𑒏𑒣𑒩 𑒠𑒾𑒛𑓃 𑒪𑒑𑒰 𑒂𑒋𑒪 𑒩𑒯𑒱 𑒏𑒱 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒣𑒩 𑒣𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒪𑒙𑒏𑒾𑒢𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒱𑒨𑒻𑒢। 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒢𑒃 𑒦𑒹𑒪 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒯𑒥 𑒖𑒹 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒦𑒹𑒪, 𑒮𑒹 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒖𑒹𑒞𑒹 𑒯𑒹𑒥𑒰 𑒔𑒰𑒯𑒱 𑒮𑒹 𑒦𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒋𑒪। 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒢𑒃 𑒯𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒮𑒦 𑒠𑒱𑒢𑒏 𑒄 𑒪𑒲𑒪𑒰 𑒕𑒲𑒯𑒹, 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒖𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒩𑒴𑒮𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒏𑒲, 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒮𑒳𑒞𑒢𑒲 𑒠𑒰𑒠𑒲 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒧𑒳𑒮𑒢𑒲 𑒠𑒲𑒠𑒲 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒥𑒹𑒟𑒰-𑒏𑒟𑒰 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒂𑒥𑒱𑒨𑒹 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻𑒟 𑒖𑒹 𑒠𑒱𑒢-𑒠𑒱𑒢𑒏 𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿𑒋 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒏𑒱𑒋 𑒯𑒋𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒿 𑒏𑒯𑒥

𑒖𑒹 𑒨𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒪𑒙𑒏𑒾𑒢𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒂𑒬𑓂𑒔𑒩𑓂𑒨 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒦𑒹𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒰𑒞 𑒢𑒯𑒱, 𑒮𑒹 𑒦𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒋𑒪।

𑒥𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒥𑒖𑒢𑒹 𑒏𑒪 𑒠𑒱𑒮 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒪𑒾 𑒏𑒱 𑒧𑒼𑒢 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒢𑒪, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒏 𑒙𑓀𑒏𑒲𑒥𑒪𑒰 𑒢𑒪, 𑒢𑒪𑒏 𑒧𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒪𑒏 𑒥𑒱𑒨𑒰𑒢 𑒩𑒼𑒏𑒪𑒏। 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒏𑒪𑒣𑒩 𑒖𑒰 𑒯𑒹𑒧𑓂𑒤𑒛𑓃𑒱 𑒔𑒪𑒪𑒾 𑒏𑒱 𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒣𑒰𑒢𑒱𑒏 𑒪𑒯𑒻𑒩 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒪। 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒧𑒢 𑒣𑒢𑒱𑒨𑒰𑒃𑒞 𑒣𑒫𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪। 𑒥𑒳𑒗𑒪 𑒥𑒰𑒞 𑒁𑒕𑒱𑒋 𑒖𑒹 𑒖𑒹𑒞𑒹 𑒑𑒯𑒲𑒩𑒏 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒩𑒯𑒞, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒞𑒠𑒰𑒩 𑒡𑒩𑒞𑒲𑒏 𑒑𑒯𑒩𑒰𑒃𑒏 𑒣𑒰𑒢𑒱, 𑒞𑒞 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒣𑒫𑒱𑒞𑓂𑒩𑒼 𑒂 𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡𑒼 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒹 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒯𑒥 𑒖𑒹 𑒑𑒰𑒧-𑒑𑒰𑒧 𑒂 𑒒𑒩-𑒒𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒪 𑒦𑒃𑒨𑒹 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒯𑒴𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒋𑒏𑒼𑒥𑒹𑒩 𑒧𑒳𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒏𑒱 𑒣𑓀𑒔𑒰𑒨𑒞 𑒮𑒧𑒱𑒞𑒱 𑒂𑒏𑒱 𑒖𑒱𑒪𑒰 𑒣𑒩𑒱𑒭𑒠𑒏 𑒮𑒠𑒮𑓂𑒨 𑒦𑒹𑒪𑒰 𑒍 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒁𑒑𑒳𑒂𑒩-𑒣𑒕𑒳𑒂𑒩 𑒪𑒑𑒰 𑒮𑒞𑓂𑒞𑒩𑒯-𑒮𑒞𑓂𑒞𑒩𑒯 𑒙𑒰 𑒏𑒪 𑒑𑒛𑓃𑒰𑒃𑒨𑒹 𑒢𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒻𑒟 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒹 𑒢𑒯𑒱, 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒏𑒪𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒲। 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒖𑒐𑒢 𑒧𑒩𑒋 𑒪𑒑𑒪 𑒞𑒐𑒢 𑒏𑒯𑒪𑒻𑒢, ”𑒥𑒾𑒂, 𑒖𑒱𑒢𑒑𑒲 𑒦𑒩𑒱 𑒍𑒞𑒥𑒹 𑒏𑒧𑒹𑒪𑒾 𑒖𑒞𑒹𑒮𑒿 𑒖𑒱𑒢𑒑𑒲 𑒔𑒪𑒪। 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒧𑒹 𑒣𑒿𑒔-𑒣𑒿𑒔𑒙𑒰 𑒏𑒢𑓂𑒨𑒰𑒠𑒰𑒢, 𑒔𑒰𑒩𑒱-𑒔𑒰𑒩𑒱𑒙𑒰 𑒬𑓂𑒩𑒰𑒠𑓂𑒡 𑒏𑒩𑓂𑒧, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒰-𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒏𑒰𑒏𑒰-𑒏𑒰𑒏𑒲𑒏 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒹𑒪𑒾। 𑒏𑒰𑒏𑒰-𑒏𑒰𑒏𑒲𑒏 𑒋 𑒠𑒳𑒂𑒩𑒹 𑒏𑒹𑒪𑒾 𑒖𑒹 𑒢𑒱𑓁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒰𑒢 𑒩𑒯𑒻𑒟। 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒖𑒱𑒢𑒑𑒲 𑒦𑒩𑒱𑒏 𑒏𑒧𑒰𑒃𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒬𑒹𑒭 𑒥𑒿𑒔𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒃𑒮𑒿 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒏𑒪 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒣𑒩 𑒑𑒛𑓃𑒰 𑒪𑒋𑒯।” 𑒂 𑒞𑒐𑒢𑒹 𑒩𑒴𑒣𑒻𑒂 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒠𑒹𑒪𑒻𑒢 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒰𑒿𑒔 𑒮𑒰𑒋 𑒤𑒳𑒙 𑒑𑒯𑒲𑒩𑒏 𑒏𑒪 𑒑𑒛𑓃𑒹𑒪𑒾, 𑒮𑒋𑒯 𑒏𑒪 𑒕𑒲। 𑒋𑒏𑒩 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒄 𑒢𑒃 𑒥𑒳𑒗𑒥 𑒖𑒹 𑒁𑒐𑒢 𑒖𑒹 𑒙𑓀𑒏𑒲 𑒮𑒦 𑒑𑒰𑒧𑒹-𑒑𑒰𑒧 𑒦𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒹𑒏𑒩 𑒑𑒯𑒩𑒰𑒃𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒯𑒪𑒾 𑒯𑒹𑒢। 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒔𑒰𑒣𑒰𑒏𑒪𑒏 𑒑𑒣 𑒏𑒯𑒪𑒾 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒪𑒣𑒩 𑒧𑒳𑒿𑒯-𑒏𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒪𑒪𑒰 𑒣𑒕𑒰𑒃𑒞 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒣𑒩 𑒂𑒥𑒱 𑒨𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒯𑒪𑒻𑒢-

"𑒟𑒳𑒟𑒳𑒢 𑒥𑒛𑓃 𑒐𑒮𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒻 𑒕𑒲 𑒦𑒾𑒖𑒲!"

𑒍𑒢𑒰, 𑒤𑒰𑒑𑒳𑒢 𑒧𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒱𑒧 𑒅𑒞𑒰𑒩-𑒅𑒾𑒩 𑒤𑒑𑒳𑒂𑒏 𑒏𑒩𑒲𑒥 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱𑒨𑒹 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒮𑒦 𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒦𑒃𑒨𑒹 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒻𑒟 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒞𑒃𑒮𑒿 𑒦𑒱𑒢𑓂𑒢 𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯 𑒨𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒻𑒢। 𑒪𑓄 𑒠𑓄 𑒏𑓄 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒠𑒳𑒃𑒨𑒹 𑒙𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒥𑒿𑒔𑒪 𑒕𑒻𑒟, 𑒂𑒩 𑒮𑒦 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒋𑒏𑒞𑒲𑒮 𑒮𑒰𑒋 𑒫𑒹𑒠𑒏 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒐𑓂𑒨𑒰𑒏𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒣𑒢𑒩𑒯𑒹𑒙𑒰 𑒥𑒿𑒔𑒪 𑒕𑒻𑒟 𑒥𑒰𑒿𑒏𑒲 𑒧𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰, 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒧𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒲।

𑒪𑒖𑒏𑒼𑒙𑒩 𑒩𑒯𑒱𑒞𑒟 𑒞𑒐𑒢 𑒢𑒹, 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒮𑒦 𑒠𑒱𑒢𑒮𑒿 𑒤𑒩𑒯𑒩 𑒥𑒼𑒪𑒲 𑒨𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒕𑒻𑒢𑓂𑒯𑒹, 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒂𑒥 𑒯𑒧 𑒢𑒃 𑒖𑒲𑒥𑒰।"

𑒋𑒏 𑒞𑒿 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒁𑒢𑓂𑒢𑒹 𑒧𑒹 𑒕𑒻𑒟 𑒣𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒂 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒋𑒏𑒅𑒧𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒕𑒟𑒱, 𑒞𑒿𑒋 𑒥𑒖𑒾-𑒦𑒳𑒏𑒻𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒂𑒛𑓃𑒱-𑒡𑒳𑒩 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒖𑒲𑒥𑒼 𑒥𑒰 𑒧𑒩𑒲 𑒮𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒧𑒢𑒏 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒦𑒹𑒪, 𑒧𑒩𑒻𑒥𑒪𑒰 𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒩𑒥 𑒞𑒿 𑒧𑒩𑒥 𑒂 𑒖𑒲𑒥𑒻𑒥𑒪𑒰 𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒩𑒥 𑒞𑒿 𑒖𑒲𑒁𑒥। 𑒧𑒳𑒠𑒰, 𑒢𑒃 𑒖𑒲𑒥 𑒞𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒞𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒯𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞 𑒏𑒢𑒱?"

𑒣𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒯𑒧𑒩 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒻𑒧𑒹 𑒢𑒲𑒏 𑒪𑒑𑒪𑒻𑒢 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒥𑒹𑒟𑒰-𑒏𑒟𑒰 𑒮𑒳𑒢𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩𑒼 𑒞𑒿 𑒮𑒼𑒗𑒹𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒙𑒞𑒻𑒢, 𑒞𑒿𑒋 𑒧𑒢 𑒧𑒡𑒳𑒂 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒻𑒪𑒻𑒢। 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒥𑒾𑒂, 𑒋𑒢𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒹 𑒞𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒦𑒫𑒛𑒰𑒯 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒣𑒴𑒖𑒲 𑒪𑒑𑒰 𑒁𑒢𑒏𑒩 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒱𑒏 𑒧𑒰𑒕 𑒢𑒭𑓂𑒙 𑒏𑒩𑒻𑒋, 𑒞𑒿 𑒏𑒱𑒨𑒼 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒜𑒾𑒂 𑒪𑒑𑒰 𑒏𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒒𑒩 𑒖𑒩𑒥𑒻𑒋। 𑒞𑒿𑒋 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒼𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒠𑒼𑒐𑒲 𑒧𑒢𑒳𑒏𑓂𑒐 𑒁𑒕𑒱𑒋। 𑒍𑒢𑒰, 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒼 𑒠𑒼𑒐𑒲 𑒕𑒟𑒱𑒋, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒍 𑒏𑒧-𑒮𑒧 𑒕𑒻𑒟, 𑒪𑒼𑒏 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒢𑒨𑒼𑒏𑒹𑒧𑒹 𑒚𑒢𑒏𑒰 𑒏𑒃 𑒐𑒮𑒰 𑒠𑒃 𑒕𑒻𑒟। 𑒥𑒩𑒐𑒼𑒏 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥 𑒩𑒰𑒐𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒱𑒌𑒢 𑒏𑒢𑒱, 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒢𑒃 𑒩𑒰𑒐𑒻 𑒕𑒻𑒟। 𑒖𑒐𑒢 𑒮𑒦 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒡𑒳𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒢𑒔𑒻 𑒕𑒻𑒟 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒞𑒿 𑒔𑒰𑒢𑒼 𑒂 𑒂𑒢𑒼-𑒂𑒢 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒮𑒯𑒱𑒞 𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒁𑒣𑒢𑒰-𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒡𑒳𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒢𑒔𑒻𑒋, 𑒞𑒐𑒢 𑒏𑒧-𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒏𑒃 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒻𑒟? 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒮𑒰𑒪 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒥𑒩𑒐𑒹 𑒠𑓄 𑒠𑒃 𑒕𑒻𑒟 𑒞𑒿 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒮𑒰𑒪 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒥𑒩𑒮𑒱 𑒩𑒾𑒠𑒲 𑒏𑓄 𑒠𑒃 𑒕𑒻𑒟।"

𑒦𑒴𑒑𑒼𑒪𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒣𑒳𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒧𑒳𑒯𑒮𑒿 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒣𑒳𑒕𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒱𑒌𑒢-

"𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒢𑒹 𑒕𑒱𑒋?"

𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲-

"𑒃𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪𑒏-𑒞𑒱𑒮𑓂𑒏𑒳𑒪𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯 𑒢𑒃 𑒠𑒹𑒐𑒢𑒹 𑒕𑒲, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒰𑒪-𑒮𑒰𑒪 𑒖𑒹 𑒥𑒩𑒯𑒧 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒦𑒰𑒑𑒫𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒣𑒢𑒩𑒯 𑒠𑒱𑒢 𑒏𑒰𑒞𑒱𑒏𑒧𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒮𑒹 𑒞𑒿 𑒮𑒥 𑒮𑒰𑒪 𑒮𑒳𑒢𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒲। 𑒞𑒃𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒮𑒳𑒢𑒪𑒾 𑒮𑒋𑒯 𑒥𑒖𑒪𑒾।"

𑒢𑒱𑒬𑓂𑒕𑒪, 𑒢𑒱𑒭𑓂𑒏𑒣𑒙 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒧𑒳𑒿𑒯𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱, 𑒥𑒱𑒮𑒫𑒰𑒮 𑒢𑒃 𑒏𑒩𑒱𑒞𑒾 𑒮𑒹 𑒁𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒴 𑒖𑒹 𑒏𑒹𑒯𑒹𑒢 𑒯𑒼𑒃𑒞। 𑒥𑒖𑒪𑒾-

"𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒴 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿𑒠𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒑𑒣, 𑒖𑒰𑒢𑒋 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲 𑒂 𑒖𑒰𑒢𑒋 𑒮𑒳𑒩𑒳𑒖। 𑒏𑒐𑒢 𑒑𑓂𑒩𑒯𑒮𑒿 𑒑𑓂𑒩𑒯𑒝 𑒥𑒢𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒞𑒹𑒏𑒩 𑒏𑒱 𑒚𑒱𑒏𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒐𑒢 𑒧𑒰𑒙𑒱𑒏 𑒜𑒹𑒩𑒲 𑒂𑒏𑒱 𑒂𑒑𑒱𑒏 𑒜𑒹𑒩𑒲 𑒥𑒢𑒞 𑒏𑒱 𑒏𑒐𑒢 𑒣𑒰𑒩𑓂𑒫𑒞𑒲 𑒂𑒏𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 𑒥𑒢𑒱 𑒖𑒰𑒋𑒞

𑒞𑒹𑒏𑒩𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒚𑒹𑒏𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒧𑒢 𑒏𑒋 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒢𑓂𑒢 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒥𑒰𑒖𑒴।"
𑒣𑒳𑒞𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲-
"𑒥𑒾𑒁𑒰, 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒧𑒩𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱!"

"𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒧𑒩𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱" 𑒣𑒳𑒞𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒧𑒳𑒯𑒿𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑒰𑒿𑒚𑒹𑒣𑒩 𑒢𑒹 𑒔𑒜𑓃𑒪। 𑒮𑒰𑒿𑒚𑒼𑒣𑒩 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒔𑒜𑓃𑒻𑒞, 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒲𑒢𑒰𑒃 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒲, 𑒨𑒰𑒯𑒹 𑒖𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒯𑒳𑒁𑒋 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒄 𑒢𑒃 𑒥𑒳𑒗𑒻 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱 (𑒏𑒩𑓂𑒧) 𑒣𑒩 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒢𑒰, 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒣𑒳𑒞𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 "𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 𑒠𑒰𑒠𑒲" 𑒞𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 "𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 𑒏𑒰𑒏𑒲" 𑒏𑒯𑒱𑒞𑒼 𑒕𑒻𑒢 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒯𑒹𑒖 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪𑒾𑒿 𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 "𑒣𑒳𑒞𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲"𑒏𑒹𑒿 "𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 𑒦𑒾𑒖𑒲" 𑒢𑒃 𑒏𑒯𑒪𑒨𑒻𑒢। 𑒁𑒣𑒢𑒼 𑒢𑒃 𑒏𑒯𑒻 𑒕𑒱𑒋𑒢 𑒂 𑒧𑒩𑒱𑒨𑒼 𑒖𑒹𑒞𑒲 𑒞𑒻𑒨𑒼 𑒢𑒹 𑒏𑒯𑒥𑒻𑒢। 𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱-𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒥𑒲𑒔 (𑒦𑒹𑒠) 𑒕𑒲𑒯𑒹 𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒧𑒰𑒢-𑒁𑒣𑒧𑒰𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒕𑒱𑒋 𑒏𑒩𑓂𑒧-𑒏𑒩𑓂𑒧 𑒕𑒲, 𑒖𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒹 𑒏𑒰𑒞, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒩𑓂𑒧𑒏 𑒧𑒰𑒢 𑒏𑒧 𑒦𑒹𑒢𑒹 𑒖𑒲𑒫𑒢𑒏 𑒧𑒰𑒢 𑒏𑒧 𑒯𑒳𑒁𑒋 𑒄 𑒏𑒹𑒞𑒾𑒮𑒿 𑒅𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒥𑒲𑒩𑒠𑒰𑒮 𑒏𑒣𑒜𑓃𑒰 𑒥𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒕𑒪𑒰 𑒂 𑒏𑒹𑒞𑒹𑒏𑒼 𑒧𑒯𑒰𑒣𑒳𑒩𑒳𑒭 (𑒮𑒰𑒡𑒏) 𑒂𑒮𑒢 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃 𑒮𑒰𑒡𑒢𑒰 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒻𑒟, 𑒞𑒿𑒋 𑒮𑒠𑓂𑒫𑒱𑒡𑒱 𑒏𑒩𑒲-𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰𑒋 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒞𑒿 𑒅𑒔𑒱𑒞 𑒢𑒯𑒱𑒨𑒹𑒿 𑒁𑒕𑒱। 𑒯𑒿, 𑒋𑒞𑒹 𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒮𑒠𑓂𑒫𑒱𑒡𑒱-𑒮𑒠𑓂𑒫𑒱𑒡𑒧𑒹 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒩𑒯𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞। 𑒥𑒰𑒒-𑒮𑒱𑒯𑓀 𑒯𑒳𑒁 𑒂𑒏𑒱 𑒢𑒜𑓃𑒱𑒨𑒰-𑒑𑒲𑒠𑒩, 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒏𑒰𑓀𑒑 𑒫𑒢-𑒖𑓀𑒑𑒪 𑒦𑒹𑒙𑒻 𑒕𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒧𑒢𑒳𑒏𑓂𑒐𑒧𑒹 𑒮𑒹 𑒥𑒰𑒞 𑒢𑒃 𑒢𑒹 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒑𑒳𑒂𑒋𑒪-𑒣𑒕𑒳𑒂𑒋𑒪 𑒁𑒢𑒹𑒏𑒼 𑒡𑒰𑒜𑓃𑒲𑒧𑒹 𑒧𑒢𑒳𑒏𑓂𑒐 𑒥𑒰𑒿𑒙𑒪 𑒁𑒕𑒱𑒋।
𑒍𑒢𑒰, 𑒤𑒰𑒑𑒳𑒢 𑒧𑒰𑒮𑒏 𑒁𑒑𑒳𑒂𑒏 𑒪𑒯𑒻𑒩𑒱𑒏 𑒪𑒳𑒂𑒩𑒱 𑒥𑒳𑒗𑒱𑒨𑒾 𑒂𑒏𑒱 𑒧𑒢𑒏 𑒂𑒫𑒹𑒑, 𑒧𑒳𑒯𑒮𑒿 𑒥𑒖𑒰 𑒑𑒹𑒪-
"𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒢𑒹 𑒧𑒩𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱 𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒢𑒃 𑒢𑒹 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒧𑒩𑒥𑒰।"
𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒯𑒿𑒮𑒲-𑒔𑒾𑒪𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒑𑒧𑓂𑒦𑒲𑒩 𑒩𑒴𑒣 𑒣𑒏𑒻𑒛𑓃 𑒁𑒛𑓃𑒏𑒱 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒼𑒃𑒋 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒣𑒳𑒞𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒁𑒛𑓃𑒏𑒱 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒲- "𑒥𑒾𑒁𑒰, 𑒮𑒰𑒚𑒱𑒧𑒹 𑒥𑒩𑒐 𑒣𑒻𑒕𑒪𑒰 𑒮𑒰𑒪 𑒣𑒴𑒩𑒰 𑒑𑒹𑒪, 𑒌𑒥𑒹𑒩 𑒋𑒏𑒮𑒻𑒚𑒧𑒱 𑒕𑒲, 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒞𑒏 𑒖𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒅𑒣𑒩 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒦𑒰𑒩 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒞𑒯𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒟𑒣𑒩 𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒣𑒟𑒱𑒨𑒰 𑒪𑓁 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒁𑒿𑒑𑒢𑒹-𑒁𑒿𑒑𑒢𑒹 𑒥𑒹𑒔𑒥𑒼 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒾𑒿 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒠𑒴 𑒣𑒰𑒃𑒏 𑒏𑒧𑒰𑒃𑒨𑒼 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒪 𑒂 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒏 𑒢𑒲𑒏-𑒥𑒹𑒖𑒰𑒋 𑒑𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒾𑒿, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒂𑒃 𑒍 𑒮𑒦 𑒧𑒩𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱। 𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒏𑒯𑒴 𑒖𑒹 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒖𑒲𑒥?"

पुगिया मौजीक गम्भीर प्रश्न सुनि मन डरड़ा गेल। शरीरक क्रियासँ मनक क्रिया धरकि बिचार पुगिया मौजी एक्के पाँतीमे बाजि गेली। आगू-पाछू देखए लगलौ, माने सोचए-बिचारए लगलौ तँ देखि पड़ल जे समयकेँ आगू बढ़ने आइ नव-नव तरकारी बेचनिहारक जन्म भेल अछि। माथपर जैठाम एक पथिया तरकारीक लाभसँ माने दस-पनरह किलो तरकारी बेचिकऽ परिवार चलै छल, उपजौनिहार अलग भेल, हुनकर मूल्य अलग भेलैन, मुदा तइसँ पुगिया मौजीक पाँच गोटेक परिवार तँ ओहिसँ चलै छेलैन, जखन कि तेहने परिवारमे ठेलाक बेपारी बनने आइ दस-पनरह किलोक लाभक जगह क्विन्टल-दू-क्विन्टलमे बढ़ि गेल अछि। दोसर दिस, पुगिया मौजी दिस देखी तँ स्पष्ट देखि पड़ए जे दोसर कोनो ऊरा-बुचा तँ छैन नहि। जेहो छैन से खटबसँ लऽ कऽ अप्पन हिसाब-बारी जोड़ै चरामि समटा गेल छैन, तैठाम लगले केना दोसर जीवन ठाढ़ हएत। मौसम दिस, माने समयक अनुकूलता दिस तकलापर देखिए जे लोके जकाँ समयो बँटाएल अछि। जहिना गरीब लोककेँ जीवनक आवश्यकता कम अछि, जेहो अछि ओ अभावमे खगा जाइए आ धनीक लोककेँ बेसी सम्पदा अछि आ बेसी पुरतियो तँ होइतो अछि, तहिना समयोक अछिए। कहब जे समय तँ अजन्मा छी, ओ अपन धुरीपर सालो भरि अपना गतिये चलबे करैए आ आगूओ चलति रहत। समयक प्रभाव जीवनपर की पड़ैए, सेहो तँ सबहक सोझेमे अछि। देखिते छी जे जाड़क मासमे पानिक तृष्णा कम होइए आ अन्नक (भोजनक) बेसी होइए। जैठाम अन्नक तृष्णा बढ़त तैठाम अन्नक खगतो ने बेसी हएत। गरमी मासमे एकाध दिन लोक पानियेँ पीब जीवन चला लइए, से जाड़क मासमे थोड़े हएत। जँ पानिसँ काज चलबए चाहब तँ एक दिन अन्नक गरमी कमत, डेढ़पन औत आ दोसर दिस पानिक डेढ़पन सेहो शरीरकेँ ठेढ़ बनाएत, तैपर सँ शीतलहरीक प्रकोप भिन्न, तखन कहू जे एहेन समयमे लोकक जीवन केना चलत। तहिना वस्त्रक सेहो अछि, गरमी मौसममे कमो कपड़ासँ जीवन चलि सकैए मुदा जाड़ तँ से नहि छी। जाड़क जेते कनकनी रहत ओते वस्त्रक खगता हेबे करत। तहिना घरक सेहो अछि। जाड़क मुकाबला करैत नीक घरक खगता होइतो अछि। नीक घरक माने ई नइ बुझब जे अपन जीवनक श्रमकेँ दोसराक हाथे बेचि, स्वतंत्र श्रमम जीवनसँ लाखो कोस दूर हटि, जीवन-

પ્ાપન કની મુદા ઘન મળગૂતો શ્રા સુનનો વનાવી। ળીવનક સ્તનક હિસાવસઁ ઘન ળઁ હોર ત઼ઁ ઉચિત બેવે કનઈ। ળઁ સે નહિ ત઼ઁ ળીવન નસ્તા પનક યૂના ળકાઁ શ્રયૂના વનાયિઁ ળાઙ્ગ કહ્વ કી શ્રયૂના? ળીવનક ળે મૂઉ તત્વ શ્રછિ તિઙ્મે પનિવિશક હિસાવસઁ વદઉાઉ સેહો શ્રવૈઈ, તેકન સર્વાંગીણ સ્તન એક સીમામે હેવા યાહી। શ્રપનો સમકયિો ળનતિ છી ળે ળૈઙામ ળન્મ નેને છી મામે ળઙ દેશ વા સમાળમે, શ્રોકન ળે શ્રામદ પ્યન્ય શ્રછિ મામે શ્રાય-વ્યય, તેકનો ત઼ઁ એક સીમા છઙ્ગ। કુવેનક મામ્ડાન ળકાઁ નહિ નૈ શ્રછિ ળે શ્રામદક હિસાવે નૈ વુહૂઉ નહૃત શ્રા મન કહૃત કેતવો પ્યન્ય હૃત તૈયો શ્રો સઙ્ગ થોડ઼ા એકાએક વ઼યિાન મોડ઼ ઉઉકા મોડ઼ ઈ ઉઉક ળે સમયકેઁ ળપ્યન શ્રપને પકૈડ઼ યઉવ તપ્યન નૈ ળીવા ળઁ સમયક શ્રાશા દેપ્યૈત નહ્વ ત઼ઁ કેના સમય સસૈન કઽ સસાનઈ ઉગાત તેકન કોનો ઠેકાન શ્રછિ। એક ત઼ઁ શ્રોહુના એક ઘટના નહિતો ગનમી મૌસમમે ળેતે વોઉીમે ટાઁસ નહૈઈ તેતે ળાડ઼ક માસમે નહિયિઁ નહૈઈ। શ્રપને મને-મન વ઼યિાનયિ નહૃઉ છેઊ શ્રા તઁઈ મુહોઁ વન્ને છઉ। મુદા પુગયિા બૌળી ત઼ઁ વળન્તા ઉક છથિઈ। હુનકા શ્રપના મનમે ળે નહૃઉ હૌન મુદા શ્રપના વુહિ પડ઼ઉ ળે બૌળી વેસી યિન્તિત છૈથ। યિન્તાક હાઉ-યાઉ શ્રા કુશઉ-સમાયાન શ્રાકિ વશ્રિાહે-દુનાગમનક હાઉ-યાઉ યાહે કોનો પાવનયિ-તિહાનક હાઉ-યાઉમે ત઼ઁ શ્રન્તન હોઙ્ગો શ્રછિ। તૈવીય શ્રપને શ્રુનને પુગયિા બૌળી ટોકિ દિઉ-

"યુપ કઈ છી વૌશ્રા, ઉકો દેપ્યત ત઼ઁ કી કહૃત!"

વિનુ વ઼યિાન કેનહિ બૌળીક પ્રશ્નક ઉત્તન દેઉઈન-

"ઉક કી કહૃત! ઉક પહિને શ્રપ્પન વેથા-કથા વુહિ ઉશ્રિ તપ્યન દોસનકેઁ કહૃત।"

હ્મન વ઼યિાન સુનિ ળેના બૌળીક મનમે શીતઉપન એઉૈન તહિના વળઉ-

"તેહેન નૈ ળાડ઼ શ્રાવિ ગેઉ શ્રછિ ળે કેતે વુઢ-પુનાનક શ્રનાદ્ય હૃત।"

શ્રપના વુહિ પડ઼ઉ ળે બનસિક બૌળીક મનસઁ શ્રપ્પન વેથા મેટા શ્રનકા દસિ વઢૈત શ્રાવ મૃત્યુપન શ્રાવિ ગેઉૈન શ્રછિ। એઙામ મૃત્યુક મામે ઈ ળે ળઁ મનુક્ષ્ય શ્રપન શ્રન્તિમ સીમા, મૃત્યુક નહસ્ય વુહિ ળાઈ ત઼ઁ શ્રનેને મનસઁ નાગ મેટા ળાઈત શ્રા વ઼િનાગ શ્રાવિ ળાઈત। ળપ્યને વ઼િનાગ તપ્યને ળીવન। વળઉૈ-

"બૌળી, શ્રહાઁક મનમે શ્રપ્પન શ્રનાદ્યક બોળ નૈ ત઼ઁ શ્રાવિ ગેઉ શ્રછિ। શ્રયૂછા ળે શ્રછિ શ્રાકિ ળે શ્રાવિ ગેઉ હેન, તેકના શ્રપ્યન કાત-કે તાવે નાપ્યિ પહિને એકવેન

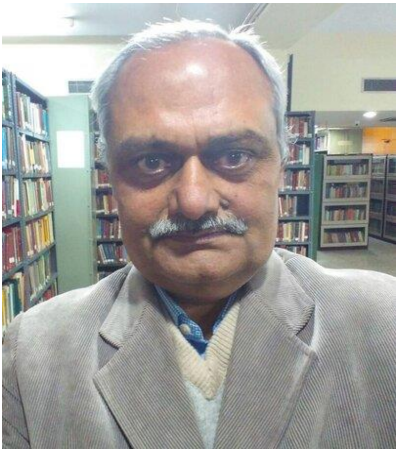
𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥?"
𑒖𑒃 𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒃𑒧𑒹 𑒂𑒃 𑒞𑒏 𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒪𑒑𑒰𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮 𑒔𑒰𑒯 𑒢𑒃 𑒣𑒲𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒥𑒮𑒱𑒌𑒩 𑒑𑒹𑒪𑒻 𑒂 𑒠𑒩𑒥𑒖𑓂𑒖𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒢 𑒩𑒐𑒻𑒞 𑒥𑒰𑒖𑒪 𑒕𑒹𑒪𑒻।
𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒥𑒖𑒪𑒲- "𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒑𑒞𑓂𑒞𑒩𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒖 𑒢𑒃 𑒁𑒕𑒱!"
𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒔𑒾𑒏𑒹𑒪𑒏। 𑒥𑒳𑒗𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒖𑒹 𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒻𑒞। 𑒅𑒢𑓂𑒙𑒰 𑒠𑒰𑒿𑒥 𑒪𑒑𑒰 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒞𑒩𑒮𑒿 𑒆𑒣𑒩 𑒁𑒥𑒻𑒏 𑒑𑒩 𑒪𑒑𑒰𑒥𑒻𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒻-
"𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿𑒠𑒰𑒩𑒲𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒴, 𑒥𑒛𑓃𑒲𑒙𑒰 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒁𑒕𑒱, 𑒁𑒢𑒹𑒩𑒹 𑒏𑒹𑒞𑒋 𑒥𑒾𑒂𑒃𑒪 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒖𑒹 𑒥𑒹𑒟𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒹𑒣𑒩 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒏𑒩𑒴।"
𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒢𑒲𑒏 𑒪𑒑𑒪𑒻𑒢, 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒟𑒼𑒩𑒣𑒢 𑒋𑒪𑒻𑒢। 𑒥𑒖𑒪𑒲-
"𑒥𑒾𑒂, 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒞𑒏𑒏 𑒖𑒹 𑒖𑒲𑒥𑒢 𑒩𑒯𑒪, 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒧𑒰𑒟𑒣𑒩 𑒣𑒟𑒱𑒨𑒰 𑒪𑓄 𑒏𑓄 𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒥𑒹𑒔𑒥, 𑒍 𑒂𑒥 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒧𑒹𑒙𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍𑒯𑒱 𑒒𑒙𑓂𑒙𑒰-𑒢𑒤𑓂𑒤𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑒛𑓃𑒏𑒱𑓄 𑒣𑒕𑒻𑒛𑓃 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲।"
𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 𑒧𑒳𑒯𑒹𑒿 𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒒𑒙𑓂𑒙𑒰 𑒂 𑒢𑒤𑓂𑒤𑒰 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒥𑒰𑒞 𑒥𑒖𑒪𑒲 𑒞𑒿𑒋 𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒮𑒼𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒑𑒩 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒥𑒖𑒪𑒻-
"𑒏𑒲 𑒒𑒙𑓂𑒙𑒰-𑒢𑒤𑓂𑒤𑒰, 𑒦𑒾𑒖𑒲?"
𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲 𑒞𑒹-𑒞𑒩 𑒧𑒢𑒮𑒿 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩𑒞𑒱 𑒥𑒖𑒪𑒲-
"𑒥𑒾𑒂, 𑒒𑒙𑓂𑒙𑒰 𑒃 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒥𑒏𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒢𑒢 𑒦𑒹𑒢𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒂𑒥𑒰-𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒧 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪, 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒖𑒹 𑒅𑒔𑒰𑒢𑒲 𑒪𑒑𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒍𑒯𑒱 𑒛𑒳𑒩𑒧 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒂 𑒢𑒤𑓂𑒤𑒰 𑒃 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒠𑒮 𑒮𑒹𑒩𑒏 𑒏𑒧𑒰𑒃 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒹𑒪𑒾 𑒂 𑒂𑒥 𑒞𑒿 𑒥𑒹𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒞𑒼𑒯𑒳 𑒥𑒋𑒯 𑒏𑒰𑒢𑒼𑒥𑒰𑒩 𑒏𑒩𑒞 𑒂 𑒕𑒾𑒛𑓃𑒰𑒏 𑒮𑒯𑒰𑒢𑒰 𑒌𑒞 𑒞𑒿 𑒥𑒼𑒩𑒰-𑒠𑒴-𑒥𑒼𑒩𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒢𑒼𑒥𑒰𑒩 𑒏𑒩𑒞 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒣𑒩𑒱𑒥𑒰𑒩𑒏 𑒂𑒧𑒠𑒢𑒲 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞 𑒏𑒩𑒱।"
𑒣𑒳𑒑𑒰𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 𑒦𑒾𑒖𑒲𑒏 𑒥𑒱𑒔𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒥𑓀𑒬𑒲 𑒪𑒑𑒪 𑒧𑒰𑒕 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒒𑒰𑒫 𑒏𑒹𑒪𑒏। 𑒮𑒼𑒔𑒰𑒥𑒏𑒱 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒏𑒰𑒧𑒑𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒲𑒥𑒢𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒏𑒴𑒪 𑒏𑒰𑒧 𑒦𑒹𑒙𑒢𑒹 𑒮𑒤𑒪𑒞𑒰𑒏 𑒂𑒬𑒰 𑒥𑒜𑓃𑒱𑒨𑒹 𑒖𑒰𑒃𑒋। 𑒖𑒐𑒢 𑒕𑒹𑒯𑒰 𑒏𑒱𑒮𑒰𑒢𑒲 𑒖𑒲𑒥𑒢 𑒩𑒯𑒻𑒋 𑒥𑒰 𑒯𑒰𑒟𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒹 𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒖𑒲𑒥𑒢 𑒩𑒯𑒪, 𑒞𑒐𑒢 𑒮𑓂𑒥𑒔𑒰𑒪𑒱𑒞 𑒞𑒹𑒖 𑒧𑒬𑒲𑒢 𑒢𑒯𑒱, 𑒯𑒟𑒏𑒩𑒒𑒰 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒅𑒣𑒨𑒼𑒑𑒲 𑒯𑒼𑒃𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒹𑒢𑒰-𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒖𑒲𑒥𑒢𑒧𑒹 𑒅𑒢𑓂𑒢𑒞𑒱 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒖𑒰𑒃𑒋 𑒞𑒹𑒢𑒰-𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒧𑒬𑒲𑒢𑒏 𑒑𑒞𑒱 𑒁𑒢𑒳𑒩𑒴𑒣 𑒁𑒦𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒢𑒻𑒋। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒹 𑒥𑒖𑒪𑒻 𑒢𑒯𑒱। 𑒥𑒖𑒪𑒻- "𑒦𑒾𑒖𑒲, 𑒏𑒹𑒞𑒹 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒥𑒰𑒩

અછિ?"
પનવિાનક નાઓ સુનતિ, માને પનવિાનક ળળિ્ઞાસા સુનતિ પુગયિા જૌળીક મન ખુશીસઁ દહેઠ ગેઠૈન। દહઠાસ્ન વળઠિ-
"વૌઆ, ખાસ્કાઠ જનસાઘન જનિ ળાસ્ટ મુદા કાળ કનૈકાઠ સોઠ્હોઅના અપનેપન નહિ ળાસ્ટ।"
પુગયિા જૌળીક વાત સુનિ વળઠૌ-
"વેટા-પુતોહુ સજ્ઞ કછુિ ને કનૈઢ?"
અપ્પન વડ્પ્પનક મન્યાદા વઁચવૈત પુગયિા જૌળી વળઠિ-
"વૌઆ, ળાવે અપને ળીવૈ છી તાવે વેટા-પુતોહુકેઁ કમાસ્ઠ કેના કહવૈ।"
પુગયિા જૌળીક વ઼યિાન સુનિ મિને-મન હઁસયિો ઠગાટ ળે ૬ તઁ ઓહ્ને નવ઼પુવ઼કક પસ્ન જડ ગેઠ અછિ ળે વૈકક ઠોન ઠસ્ક પાછૂ સાઠક-સાઠ વ઼ૌઆસ્ટ આ અપ્પન પૂન્વ઼ળક દેઠ ઠાખ-ઠાખ નૂપૈઆ કટ્ઠાક દામક પઁચ-પઁચ-દસ-દસ વોઘા ળમીન, સ્ળ્ળતક નામપન ટ્નાન્સસ્ફન નસ્ કનત। જાય઼ ળખન ળીવ઼ન વદૈઠ નહઠ અછિ, તખન સમ્પૈતકિ સ્વ઼નૂપ સેહો વદઠવે કનત કનિ। ળે સમ્પૈત કસિાની ળીવ઼નમે ખેવાક વ઼સ્તુ ઉપળવૈ છઠ વ઼ટહ સમ્પૈત મશીની ળીવ઼નમે મશીનક નૂપાનુકૂઠ ળીવ઼નક અઘકિતન ખગતાક પૂન્તિ કનૈમે ઉપય઼ોગ હટત। ળે પૂન્વ઼ળક માન-પ્નતષ્ઠિા વ઼હિ, અપને વેનોળગાનક નૂપ વના વૈસઠ છી। ઘનાીપન ડાઢ઼ હોસ્ન વળઠૌ-
"જૌળી, અખન કને દોસન કાળક વેગનતા જડ ગેઠ અછિ, ને તઁ નીક ળકાઁ કહતિૌ ળે પુગ વદઠને કેના ઠોક ળગૈટ આ કેના ઠોક સુતૈટ।"
"કેના ઠોક ળગૈટ આ કેના ઠોક સુતૈટ" સે વાત સુનિ આકિ પુગયિા જૌળીક મનમે અપને કોનો વાત ઉઠિ ગેઠૈન, સે તઁ પુગયિા જૌળી અપને ળનતી મુદા ટાવે વળઠિ-
"વૌઆ, અખન ળાસ્ છી, અહૂઁ અપ્પન તાક સમ્હાનૂ, મુદા પહિઠ સાઁહ તઁ નસ્ આવિ હટત, દોસનિ-તેસનિ સાઁહ ઘનિ ટવે કનવ। ળાવે મન નસ્ જનકિડ માનત તાવે થોન કેના હટત।"
વહાના વનવૈત વળઠૌ-
"વેન-મે અનતટ ળાટવ, તઁટ વ઼ાપસ અવૈક કોનો ઠેકાન નસ્ અછિ। અહાઁ આવી આ

अपने तइ रहि लप्पन स्टेन ने अहाँ गामदिसि घुमबा"
पुछलियै भौजी बजली-
"काल्हि भोरमे आएब"
की कहलथिन, बजलौं-
"आएब"

**अपन मंतव्य** editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

२१४.रवीन्द्र नारायण मिश्र-बदलि गेल अछि समाज (उपन्यास)-धारावाहिक



## 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩

## 𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒧𑒰𑒖 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)- 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒫𑒰𑒯𑒱𑒏

### 𑒐𑒝𑓂𑒛 𑓑-𑓕

## 𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒧𑒰𑒖

𑒔𑒰𑒩𑒴𑒏𑒰𑒞 𑒁𑒤𑒩𑒰-𑒞𑒤𑒩𑒲𑒏 𑒧𑒰𑒯𑒾𑒪 𑒕𑒪। 𑒮𑒰𑒧𑒱𑒨𑒰𑒢𑒰 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒕𑒪। 𑒧𑓀𑒔𑒣𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒰𑒢𑓂 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒧𑒮𑒢𑓀𑒠 𑒪𑒑𑒰 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒧𑒰𑒃𑒏𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒩-𑒥𑒹𑒩 𑒒𑒼𑒭𑒝𑒰 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪-”𑒧𑒰𑒃𑒏 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙𑒱𑓀𑒑,𑒧𑒰𑒃𑒏 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙𑒱𑓀𑒑”। 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒫𑒨𑒳𑒫𑒏 𑒥𑒲𑒔-𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒥𑒰𑒖𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯- ”𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒬𑒲𑒒𑓂𑒩 𑒑𑓂𑒩𑒯𑒝 𑒏𑒋 𑒪𑒱𑒁। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒯𑒱 𑒥𑒪𑒰 𑒕𑒟𑒱।” 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒧𑒢𑒼𑒩𑓀𑒖𑒢 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒩𑒯𑒱-𑒩𑒯𑒱 𑒏𑒋 𑒩𑓀𑒑-𑒥𑒱𑒩𑓀𑒑𑒏 𑒑𑒲𑒞𑒮𑒦 𑒥𑒖𑒰𑒍𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒮𑒰𑒧𑒱𑒨𑒰𑒢𑒰𑒏 𑒑𑒹𑒙𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒧𑒳𑒐-𑒣𑓂𑒩𑒧𑒳𑒐 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒪𑒰 𑒯𑒰𑒟𑒧𑒹 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒮𑒦 𑒋𑒏-𑒠𑒼𑒮𑒩𑒮𑒿 𑒅𑒣𑒩𑒾𑒖 𑒏𑒹𑒢𑒹। 𑒯𑒧 𑒂𑒑𑒴 𑒩𑒯𑒥 𑒞𑒿 𑒯𑒧।

𑒧𑓀𑒔𑒣𑒩 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒁𑒞𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒔𑒰𑒩𑒱𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒥𑒻𑒮𑒥𑒰𑒏 𑒍𑒩𑒱𑒂𑒢 𑒕𑒪। 𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲,𑒂 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒏𑒰𑒞 𑒠𑒴-𑒠𑒴𑒑𑒼𑒙𑒹। 𑒧𑓀𑒔 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒪𑒑𑒰𑒣𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒃𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒕𑒱𑒛𑓃𑒏𑒰𑒫 𑒏𑒋𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧𑒏 𑒯𑒫𑒰 𑒮𑒳𑒑𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒧𑒹 𑒂𑒚-𑒠𑒮𑒙𑒰 𑒏𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮𑒦 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒑𑒞 𑒑𑒰𑒢𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒕𑒪𑒲𑒯। 𑒍 𑒮𑒦 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒲𑒨 𑒅𑒔𑓂𑒔 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨𑒏 𑒕𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒏𑒻𑒏𑒠𑒱𑒢𑒮𑒿 𑒍 𑒮𑒦 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒑𑒞 𑒑𑒰𑒢𑒏 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒰𑒦𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒲𑒯। 𑒁𑒡𑒱𑒏 𑒮𑒿 𑒁𑒡𑒱𑒏 𑒪𑒼𑒏 𑒋𑒯𑒱 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧𑒧𑒹 𑒦𑒰𑒑 𑒪𑒹𑒟𑒱 𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒏𑒻𑒏𑒠𑒱𑒢 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒪𑒰𑒅𑒛𑒮𑓂𑒣𑒲𑒏𑒩𑒮𑒿 𑒑𑒰𑒧𑒹-𑒑𑒰𑒧 𑒣𑓂𑒩𑒔𑒰𑒩 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒩𑒱𑒏𑓂𑒮𑒰𑒣𑒩 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒙𑒹𑒣𑒩𑒹𑒏𑒰𑒩𑓂𑒛𑒩 𑒥𑒖𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪। 𑒑𑒹𑒪𑒻 𑒂𑒥 𑒍 𑒖𑒧𑒰𑒢𑒰 𑒖𑒐𑒢 𑒩𑒱𑒏𑓂𑒮𑒰𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒧𑒰𑒃𑒏𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒖𑒞 𑒂 𑒪𑒰𑒅𑒛𑒮𑓂𑒣𑒲𑒏𑒩𑒮𑒿 𑒞𑒏𑒩 𑒫𑒱𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒯𑒼𑒋𑒞। 𑒂𑒥 𑒞𑒿 𑒋𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒅𑒠𑓂𑒒𑒼𑒭𑒏 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒰𑒞 𑒙𑒹𑒣 𑒏𑒩𑒥𑒰 𑒠𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒙𑒹𑒣𑒩𑒹𑒏𑒰𑒩𑓂𑒛𑒩 𑒣𑒩 𑒍 𑒥𑒹𑒩-𑒥𑒹𑒩 𑒥𑒖𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒋𑒯 𑒋𑒞𑒯𑒳 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪 ।

”𑒥𑒱𑒮𑒩𑒥 𑒢𑒯𑒱। 𑒁𑒫𑒬𑓂𑒨 𑒂𑒋𑒥। 𑒃𑒪𑒰𑒏𑒰𑒏 𑒖𑒰𑒢𑒪 𑒧𑒰𑒢𑒪 𑒖𑒢𑒢𑒰𑒨𑒏, 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒦𑒏

𑒧𑒯𑒰𑒢 𑒮𑒳𑒦𑒩𑓂𑒨𑒰𑒞𑒱𑒏, 𑒠𑒳𑒢𑒱𑒂𑒧𑒹 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒱𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒔𑒧𑒏𑒰𑒥𑒋 𑒥𑒪𑒰 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒂𑒑𑒧𑒢 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒅𑒔𑓂𑒔 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑓀𑒑𑒝𑒧𑒹 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒱𑒞 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧𑒧𑒹 𑒁𑒫𑒬𑓂𑒨 𑒂𑒅। 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒯𑒱𑒞-𑒧𑒲𑒞, 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒲𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒁𑒥𑒱𑒁𑒢𑒳।” 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒩𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒦𑒩𑒱𑒣𑒼𑒭 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒧 𑒦𑒼𑒖𑒢𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒫𑓀𑒡 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒋𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒮𑒹 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒏𑒻𑒏𑒠𑒱𑒢𑒮𑒿 𑒢𑒑𑒰𑒩𑒰 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒣𑓂𑒩𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒝𑒰𑒧 𑒮𑒏𑒰𑒩𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒧𑓀𑒔𑒏 𑒪𑒑𑒣𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒦𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒃𑒮𑒏𑒴𑒪𑒏 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒧𑒻𑒠𑒰𑒢𑒏 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒖𑒑𑒯 𑒦𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒂𑒧𑒏 𑒏𑒪𑒧 𑒕𑒻𑒏। 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒐𑒰𑒮 𑒏𑒋 𑒨𑒳𑒫𑒏𑒮𑒦 𑒍𑒏𑒩𑒼 𑒛𑒰𑒩𑒱𑒣𑒩 𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒥𑒢𑒰 𑒔𑒳𑒏𑒪 𑒕𑒪।

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒋𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒢𑒱। 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒁𑒑𑒳𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒋 𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒧𑒢𑒼𑒩𑓀𑒖𑒢 𑒞𑒿 𑒦𑒃𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪,𑒥𑒲𑒔-𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒔𑒰𑒯-𑒣𑒰𑒢𑒏 𑒫𑒱𑒞𑒩𑒝 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒥𑒰𑒖𑒋 ”

”𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒯𑒳𑒿 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒯𑒢 𑒍𑒩𑒱𑒂𑒢 𑒥𑒱𑒩𑒪𑒹𑒏𑒹 𑒠𑒹𑒐𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।”

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒞𑒱𑒟𑒱𑒑𑒵𑒯𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒯𑒧 𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒫𑒰𑒯𑒢 𑒔𑒰𑒪𑒏 𑒂 𑒨𑒳𑒫𑒰𑒢𑒹𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒕𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒁𑒞𑒱𑒟𑒱𑒑𑒵𑒯𑒧𑒹 𑒂𑒑𑒢𑓂𑒞𑒳𑒏𑒮𑒦𑒮𑒿 𑒦𑒹𑓀𑒙 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒧𑒾𑒏𑒰 𑒣𑒰𑒥𑒱 𑒏𑒋 𑒯𑒧 𑒋𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒢𑒧𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒋 𑒂𑒋𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒍 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒯𑒳 𑒯𑒿𑒮𑒱 𑒏𑒋 𑒖𑒥𑒰𑒥 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒠𑒋 𑒠𑒹𑒪𑒟𑒱। 𑒯𑒧𑒮𑒦 𑒞𑒰𑒥𑒹 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒑𑒞 𑒏𑒏𑓂𑒭𑒧𑒹 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒔𑒰𑒯𑒏 𑒔𑒳𑒮𑓂𑒏𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒍𑒞𑒯𑒱 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒁𑒐𑒥𑒰𑒩𑒏 𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒅𑒪𑓂𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒪𑓂𑒙𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿।

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒂𑒑𑒧𑒢𑒧𑒹 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒧𑓀𑒔 𑒮𑓀𑒔𑒰𑒪𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀 𑒏𑒱𑒕𑒳-𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒥𑒖𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪𑒰𑒯। 𑒎𑒩 𑒪𑒑𑒣𑒰𑒮𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒧𑒳𑒐-𑒣𑓂𑒩𑒧𑒳𑒐 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳-𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒫𑒮𑒩 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢। 𑒞𑒐𑒢𑒯𑒳 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒋𑒪𑒰𑒯। 𑒑𑒩𑓂𑒧𑒲𑒏 𑒧𑒾𑒮𑒧 𑒕𑒻𑒏। 𑒠𑒮 𑒥𑒖𑒹𑒮𑒿 𑒥𑒰𑒩𑒯 𑒥𑒰𑒖𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒒𑒰𑒧𑒹-𑒣𑒮𑒲𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢 𑒕𑒪। 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒞𑒿 𑒅𑒛𑒱-𑒅𑒛𑒱 𑒏𑒋 𑒧𑒼𑒢 𑒯𑒪𑓂𑒪𑒳𑒏 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪। 𑒋𑒏 𑒧𑒼𑒢 𑒯𑒼𑒃𑒏 𑒖𑒹 𑒔𑒪𑒱 𑒖𑒰𑒃। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒩𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒦𑒼𑒖𑒢𑒼𑒏 𑒖𑒼𑒑𑒰𑒩 𑒕𑒻𑒏।

”𑒂𑒥 𑒖𑒐𑒢 𑒂𑒋𑒪𑒹 𑒕𑒲 𑒞𑒿 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒏𑒋 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒖𑒰𑒋𑒥।”

𑒍𑒯𑒼 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒧𑒰𑒧𑒳𑒪𑒲 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒻𑒏। 𑒞𑒩𑒯-𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒣𑒏𑒫𑒰𑒢𑒮𑒦𑒏 𑒮𑒳𑒑𑓀𑒡𑒮𑒿 𑒫𑒰𑒞𑒰𑒫𑒩𑒝 𑒧𑒯-𑒧𑒯 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒏𑒳𑒪𑒧𑒱𑒪𑒰 𑒏𑒋 𑒋𑒯𑒱𑒮𑒦𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒏 𑒂

𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒁𑒛𑓃𑒪 𑒩𑒯𑒪 𑒏𑒹𑒍 𑒫𑒰𑒣𑒮 𑒢𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪।

२

𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒏𑒰𑒤𑒱𑒪𑒰 𑒮𑒦𑒰𑒮𑓂𑒟𑒪𑒣𑒩 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪 । 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒑𑒞𑒧𑒹 𑒔𑒰𑒩𑒴𑒏𑒰𑒞𑒮𑒿 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒧𑓀𑒔 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪।
”𑒃𑒢𑒏𑒱𑒪𑒰𑒥! 𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠 !!𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒖𑒨! 𑒯𑒧𑒩 𑒢𑒹𑒞𑒰 𑒏𑒹𑒯𑒢 𑒯𑒼, 𑒠𑒹𑒫𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒮𑒢 𑒯𑒼! ”
𑒢𑒰𑒢𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒑𑒳𑓀𑒖𑒰𑒨𑒧𑒰𑒢 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒄 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒏𑒚𑒱𑒢 𑒏𑓂𑒭𑒝 𑒕𑒻𑒏। 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒩𑒼𑒏𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒻𑒏। 𑒖𑒹 𑒮𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒑𑒩𑒰𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒪𑒰 𑒣𑒯𑒱𑒩𑒰𑒥𑒋 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒅𑒞𑒰𑒯𑒳𑒪 𑒕𑒪 । 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒬𑒢𑒻𑓁 𑒬𑒢𑒻 𑒧𑓀𑒔 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯 । 𑒏𑒩𑒧𑒰𑒢 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒪𑒼𑒏 𑒂 𑒍𑒏𑒩𑒮𑒦 𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯 𑒠𑒹𑒐𑒱 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒂𑒢𑓀𑒠𑒧𑒹 𑒕𑒪𑒰𑒯 । 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦 𑒏𑒻𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒂𑒑𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒒𑒹𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒍 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒹 𑒢𑒲𑒏 𑒢𑒯𑒱 𑒪𑒰𑒑𑒢𑒱। 𑒋𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒍 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒖𑒼𑒩𑒮𑒿 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏𑒹𑒿 𑒛𑒰𑒿𑒙𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢। 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑒦 𑒏𑒲 𑒏𑒩𑒱𑒞𑒋? 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒂𑒑𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒩𑒧𑒰𑒢 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒪𑒼𑒏 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪।
𑒂𑒥 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒧𑓀𑒔𑒣𑒩 𑒔𑒜𑓃𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒁𑒑𑓂𑒩𑒮𑒩 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯 𑒏𑒲 𑒥𑒛𑓃𑒲 𑒖𑒼𑒩𑒮𑒿 𑒡𑒧𑒰𑒏𑒰 𑒦𑒹𑒪। 𑒧𑓀𑒔 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒂𑒮-𑒣𑒰𑒮𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒏𑒞𑒋-𑒏𑒯𑒰𑒿 𑒅𑒛𑓃𑒱𑒂 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒯𑒰𑒟 𑒏𑒞𑒯𑒳 𑒤𑒹𑒏𑒰𑒋𑒪 𑒞𑒿 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒙𑒰𑒿𑒑 𑒏𑒙𑒱 𑒏𑒋 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒪𑒑𑓂𑒑𑒰 𑒕𑒙𑒏𑒲 𑒖𑒰 𑒏𑒋 𑒐𑒮𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒪। 𑒧𑓀𑒔𑒏 𑒞𑒿 𑒢𑒰𑒧𑒼-𑒢𑒱𑒮𑒰𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒧𑓀𑒔𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒣𑒩 𑒥𑒹𑒮 𑒣𑒻𑒒 𑒐𑒡𑒱𑒂 𑒥𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒔𑒰𑒩𑒴𑒏𑒰𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒪𑒨𑒏 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒕𑒪। 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒹-𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒹 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒔𑒰𑒩𑒴𑒏𑒰𑒞 𑒯𑒰𑒏𑒩𑒼𑒮 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒱𑒞,𑒃𑒭𑓂𑒙-𑒧𑒱𑒞𑓂𑒩,𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒞𑒰𑒏𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦 𑒞𑒳𑒩𑓀𑒞 𑒮𑒔𑒹𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒳𑒞 𑒑𑒞𑒱𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒴 𑒥𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒅𑒚𑒰 𑒏𑒋 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒤𑒹𑒏𑒪𑒏 । 𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒦𑒩𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒣𑒩 𑒐𑒹𑒪𑒱 𑒏𑒋 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒖𑒰𑒢𑒏 𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒏𑒹𑒪𑒏 । 𑒞𑒏𑒩 𑒮𑒳𑒤𑒪 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒏। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒖𑒰𑒢 𑒥𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒢𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒠𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒙𑒰𑒿𑒑𑒧𑒹 𑒔𑒼𑒙 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒢𑒱 𑒣𑒲𑒛𑒣𑒩

𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒒𑒰𑒫 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒢𑒱। 𑒏𑒭𑓂𑒙𑒮𑒿 𑒍 𑒏𑒳𑒯𑒩𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦 𑒞𑒳𑒩𑓀𑒞 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒩𑒼𑒑𑒲 𑒫𑒰𑒯𑒢𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒐𑒱 𑒁𑒮𑓂𑒣𑒞𑒰𑒪 𑒫𑒱𑒠𑒰 𑒏𑒋𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒏𑒹𑒍 𑒮𑒼𑒔𑒱𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒪 𑒖𑒹 𑒏𑒢𑒲𑒏𑒹 𑒏𑒰𑒪 𑒋𑒯𑒢 𑒂𑒢𑓀𑒠𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒫𑒰𑒞𑒰𑒫𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒋𑒞𑒹𑒏 𑒠𑒳𑒐𑒠 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱𑒞 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒮𑒋𑒯 𑒦𑒹𑒪।

𑒧𑓀𑒔𑒏 𑒪𑒑-𑒣𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒫𑒯𑒳𑒞 𑒩𑒰𑒮 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒒𑒰𑒨𑒪 𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒧𑒹 𑒞𑒛𑓃𑒣𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒪𑒰𑒮 𑒮𑒦 𑒕𑒱𑒢𑓂𑒢-𑒦𑒱𑒢𑓂𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒋𑒧𑓂𑒯𑒩-𑒍𑒧𑓂𑒯𑒩 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒕𑒪। 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪𑒏 𑒧𑒻𑒠𑒰𑒢 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒩𑒝𑒦𑒴𑒧𑒱𑒏 𑒦𑒰𑒑 𑒥𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪।

𑒟𑒼𑒛𑓃𑒥𑒹 𑒏𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒧𑒯𑒏𑒧𑒰𑒧𑒹 𑒄 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩 𑒆𑒣𑒩 𑒡𑒩𑒱 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒪𑒏𑓂𑒙𑒩,𑒋𑒮𑒣𑒲 𑒏𑒧𑒱𑒬𑓂𑒢𑒩 𑒣𑒩𑓂𑒨𑓀𑒞 𑒒𑒙𑒢𑒰𑒮𑓂𑒟𑒪𑒣𑒩 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒒𑒙𑒢𑒰𑒏 𑒮𑒧𑒨𑒧𑒹 𑒯𑒧 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒮𑒿 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒥𑒻𑒑 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒫𑒰𑒣𑒮 𑒏𑒰𑒩 𑒡𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒮𑓀𑒨𑒼𑒑𑒹 𑒏𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒱 𑒏𑒰𑓀𑒛𑒧𑒹 𑒫𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒁𑒢𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒑𑒹𑒪 𑒨𑒳𑒫𑒏 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣𑒏 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒁𑒞𑒰-𑒣𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒻𑒏। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦𑒮𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒪𑒏,𑒖𑒲𑒣𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒹𑒪𑒏 𑒂 𑒟𑒰𑒢𑒰 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪।

𑒟𑒰𑒢𑒰 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒦𑒨𑒰𑒫𑒯 𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒏𑒻𑒏𑒙𑒰 𑒒𑒰𑒨𑒪 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒍𑒞𑒋 𑒥𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒟𑒧𑒱𑒏 𑒅𑒣𑒔𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒕𑒪। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒥𑒪𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒑𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪-

”𑒣𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒼𑒑𑒲 𑒫𑒰𑒯𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒥𑒋𑒧𑒹 𑒋𑒞𑒹𑒏 𑒠𑒹𑒩𑒲 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒻𑒏? ”

”𑒋𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒞𑒿 𑒄 𑒮𑒦 𑒥𑒱𑒢𑒰 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒃𑒪𑒰𑒖𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒩𑒪 𑒖𑒰𑒋𑒞।”

”𑒋𑒞𑒹𑒏 𑒦𑒰𑒩𑒲 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒒𑒙𑒢𑒰 𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒏𑒼𑒢𑒰? ”

”𑒖𑒩𑒴𑒩 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒭𑒛𑓃𑒨𑓀𑒞𑓂𑒩 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱।”

𑒋𑒯𑒱 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒞𑒩𑒯-𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒥𑒰𑒞𑒮𑒦 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒏𑒪𑒏𑓂𑒙𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒂𑒑𑒴 𑒫𑒜𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒹 𑒮𑓀𑒑𑒹-𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒏𑒧𑒱𑒬𑓂𑒢𑒩𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒔𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒖𑒐𑒢 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯 𑒞𑒿 𑒋𑒮𑒣𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒃𑒞𑒟𑒱? 𑒋𑒮𑒣𑒲𑒏 𑒣𑒰𑒕𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒛𑒲𑒋𑒮𑒣𑒲𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞। 𑒖𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒫𑒛𑓃𑒏𑒰 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒦 𑒍𑒞𑒋 𑒁𑒋𑒪𑒰𑒯 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹-𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒫𑒰𑒣𑒮 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒍𑒧𑓂𑒯𑒩 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒒𑒰𑒨𑒪 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦𑒏 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢𑒲 𑒫𑒜𑓃𑒱𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒁𑒮𑓂𑒣𑒞𑒰𑒪 𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒩𑒼𑒑𑒲 𑒫𑒰𑒯𑒢 𑒖𑒩𑒴𑒩𑒲 𑒕𑒪,𑒮𑒹 𑒂𑒥𑒱𑒋 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒯𑒰𑒩𑒱 𑒏𑒋 𑒑𑒾𑒫𑒰𑒮𑒦 𑒁𑒣𑒢-𑒁𑒣𑒢 𑒍𑒩𑒱𑒂𑒢 𑒏𑒋𑒪𑒰𑒯 𑒂 𑒖𑒹𑒢𑒰-𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒒𑒰𑒨𑒪 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒰𑒠𑒱-𑒪𑒰𑒠𑒱 𑒁𑒮𑓂𑒣𑒞𑒰𑒪 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒋𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒮𑒦𑒏 𑒣𑒰𑒕𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴

𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒖𑒲𑒣 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪।
𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒢𑒹-𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒋𑒮𑒣𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒪𑒑𑒰 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒍 𑒥𑒹𑒩-𑒥𑒹𑒩 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣𑒏𑒹𑒿 𑒞𑒰𑒏𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒍𑒏𑒩 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒁𑒞𑒰-𑒣𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒪। 𑒍 𑒏𑒞𑒋 𑒑𑒹𑒪? 𑒏𑒯𑒲 𑒍 𑒏𑒞𑒯𑒳 𑒒𑒰𑒨𑒪 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒞𑒿 𑒢𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱? 𑒏𑒯𑒲 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒰𑒢 𑒞𑒿 𑒢𑒯𑒱 𑒑𑒧𑒰 𑒥𑒻𑒮𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏𑒹𑒿 𑒍𑒏𑒩 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒟𑒰𑒯 𑒢𑒯𑒱 𑒪𑒰𑒑𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒯𑒧𑒯𑒱 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒩𑒹𑒧𑒹 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒱𑒞𑒱𑒌𑒏? 𑒮𑒦𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑓂𑒭𑒝𑒧𑒹𑒧𑒹 𑒕𑒢𑒰𑒏 𑒏𑒲-𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒋𑒯𑒢 𑒒𑒙𑒢𑒰 𑒒𑒙𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒯𑒴 𑒥𑒰𑒞𑒮𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒔𑒱𑓀𑒞𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒪𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒥𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿,𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒞𑒋 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪? 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒮𑒿 𑒆𑒣𑒩 𑒡𑒩𑒱 𑒮𑒦 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢 𑒕𑒪। 𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒄 𑒮𑒦 𑒦𑒹𑒪 𑒏𑒼𑒢𑒰? 𑒋𑒏𑒩 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒏𑒏𑒩-𑒏𑒏𑒩 𑒯𑒰𑒟 𑒁𑒕𑒱? 𑒋𑒯𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒏 𑒖𑒫𑒰𑒥 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒳𑒗𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒻𑒏।

𑓓

𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍𑒏 𑒧𑒾𑒮𑒧𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒋𑒯𑒢 𑒦𑒰𑒩𑒲 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒒𑒙𑒢𑒰𑒏 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫 𑒣𑒛𑓃𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒪। 𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒥𑒰𑒞𑒮𑒿 𑒮𑒦 𑒔𑒱𑓀𑒞𑒱𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒣𑒏𑓂𑒭-𑒫𑒱𑒣𑒏𑓂𑒭𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒞𑒩𑒯-𑒞𑒩𑒯𑒮𑒿 𑒋𑒏𑒩 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒪𑒹𑒭𑒝 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯।
𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦𑒏 𑒧𑒼𑒢𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒯𑒱𑒙𑒰 𑒥𑒰𑒞 𑒥𑒹𑒩-𑒥𑒹𑒩 𑒒𑒳𑒧𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒻𑒏-𑒋𑒞𑒹𑒏 𑒦𑒰𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒮𑓂𑒤𑒼𑒙 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒍𑒞𑒯𑒱 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒞𑒟𑒰𑒣𑒱 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒧𑒰𑒧𑒳𑒪𑒲 𑒔𑒼𑒙 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒂 𑒍 𑒥𑒿𑒔𑒱𑒍 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒖𑒐𑒢 𑒏𑒲 𑒪𑒑𑒣𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒥𑒿𑒏𑒱𑒋 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒦𑒨𑒰𑒢𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒂𑒯𑒞 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪। 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒥𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿 ? 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒞𑒋 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪? 𑒣𑓂𑒩𑒬𑒰𑒮𑒢 𑒋𑒯𑒢 𑒒𑒙𑒢𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹 𑒏𑒱𑒋𑒏 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒞𑒰 𑒪𑒑𑒰 𑒮𑒏𑒪? 𑒮𑒲𑒂𑒃𑒛𑒲 𑒫𑒱𑒦𑒰𑒑 𑒏𑒲 𑒏𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪?
𑒔𑒱𑒏𑒱𑒞𑓂𑒮𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒮𑓂𑒣𑒞𑒰𑒪𑒮𑒿 𑒕𑒳𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒠𑒋 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒍 𑒩𑒰𑒞𑒱𑒧𑒹 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒧 𑒁𑒣𑒢 𑒛𑒹𑒩𑒰𑒣𑒩 𑒫𑒰𑒣𑒮 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒦𑒩𑒱 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒥𑓀𑒠 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪। 𑒦𑒼𑒩 𑒦𑒹𑒢𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒤𑒼𑒢 𑒟𑒰𑒢𑒹𑒠𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒋𑒪𑒻𑒏। 𑒞𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒠 𑒍 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒖𑒰 𑒏𑒋 𑒏𑒯𑒪𑒰𑒯-
”𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒧 𑒖𑒰𑒋 𑒣𑒛𑓃𑒞। 𑒋𑒯𑒱 𑒧𑒰𑒧𑒪𑒰𑒏 𑒞𑒯𑒏𑒲𑒏𑒰𑒞 𑒮𑒲𑒂𑒃𑒛𑒲 𑒫𑒱𑒦𑒰𑒑 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒏। 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒍𑒞𑒋 𑒋𑒮𑒣𑒲 𑒮𑒲𑒂𑒃𑒛𑒲𑒮𑒿 𑒦𑒹𑒿𑒙 𑒏𑒩𑒥𑒢𑒱। 𑒍𑒢𑒰 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒐𑒱𑒪𑒰𑒤

𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒕𑒻𑒏। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒏𑒹 𑒦𑒰𑒩𑒲 𑒒𑒙𑒢𑒰 𑒒𑒙𑒻𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒩𑒯𑒲, 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒩𑒯𑒟𑒱𑒢 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒮𑒿 𑒑𑒣𑓂𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒥 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒖𑒩𑒴𑒩𑒲 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒢𑒱।”

”𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒥𑒰𑒞 𑒢𑒯𑒱। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒏𑒯𑒥, 𑒯𑒧 𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒞𑒻𑒨𑒰𑒩 𑒕𑒲।”

”𑒟𑒼𑒛𑓃𑒹𑒏𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲𑒮𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒧 𑒫𑒱𑒠𑒰 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒋𑒥। 𑒮𑒳𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒮𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒂𑒑𑒴𑒏 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒝𑒨 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒋𑒞। 𑒏𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒹𑒪 𑒖𑒰𑒋𑒞 𑒏𑒲 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒯𑒱𑒩𑒰𑒮𑒞𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒖𑒰𑒋𑒞 𑒮𑒹 𑒍𑒞𑒯𑒱 𑒣𑒞𑒰 𑒪𑒰𑒑𑒞।”

”𑒮𑒋𑒯 𑒏𑒯𑒴। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒮𑒦 𑒁𑒢𑒹𑒩𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒍𑒙𑒢𑒧𑒹 𑒩𑒐𑒢𑒹 𑒕𑒲।”

”𑒂𑒥 𑒋𑒯𑒱𑒮𑒦𑒣𑒩 𑒑𑒣𑓂𑒣-𑒏𑒹𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒤𑒋𑒠𑒰 𑒯𑒼𑒧𑒋 𑒥𑒪𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒟𑒱𑒏। 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒮𑒦𑒥𑒰𑒞 𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲।”

”𑒚𑒲𑒏 𑒕𑒻𑒏। 𑒯𑒧 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒢 𑒏𑒋 𑒪𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒤𑒹𑒩 𑒖𑒹𑒢𑒰-𑒖𑒹 𑒏𑒯𑒥, 𑒯𑒧 𑒮𑒋𑒯 𑒏𑒩𑒥।”

𑒯𑒧 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒢-𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒏𑒋 𑒪𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒟𑒰𑒢𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒖𑒪𑒣𑒰𑒢,𑒔𑒰𑒯𑒏 𑒍𑒩𑒱𑒂𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱। 𑒞𑒏𑒩𑒥𑒰𑒠 𑒯𑒧 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲𑒮𑒿 𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒧𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒫𑒱𑒠𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒲। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒩𑒏𑓂𑒭𑒰𑒩𑓂𑒟 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒕𑒟𑒱।

𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒧 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒞𑒯𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒛𑒹𑒩𑒰𑒣𑒩 𑒪𑒋 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒮𑒼𑒤𑒰𑒮𑒹𑒙𑒣𑒩 𑒥𑒻𑒮𑒪 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒍𑒏𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒯𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒖𑒰 𑒑𑒹𑒪-

”𑒞𑒴 𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧? ”

”𑒮𑒹 𑒏𑒲? ”

𑒞𑒼𑒩𑒰 𑒞𑒿 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒞𑒏𑒻𑒞-𑒞𑒏𑒻𑒞 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒞𑒴𑒿 𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒯।”

𑒯𑒧𑒩 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒏𑒱𑒋 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒦𑒦𑒰 𑒏𑒋 𑒯𑒿𑒮𑒱 𑒠𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒮𑓀𑒠𑒱𑒣 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒯𑒧 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 𑒖𑒹 𑒥𑒰𑒞 𑒏𑒲 𑒕𑒻𑒏? 𑒯𑒧𑒩 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢𑒲 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒥𑒴𑒗𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱।

”𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒴। 𑒖𑒹 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒏, 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒏 𑒮𑒦 𑒥𑒰𑒞 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒣𑒩𑒕𑒱 𑒖𑒰𑒋𑒞 । 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍𑒏 𑒧𑒾𑒮𑒧 𑒕𑒻𑒏। 𑒞𑒿 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳𑒠𑒱𑒢 𑒖𑒯𑒪 𑒖𑒰𑒋 𑒣𑒛𑓃𑒞 𑒖𑒰𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒖𑒢𑒞𑒰𑒏𑒹 𑒑𑒪𑒞 𑒔𑒰𑒩𑒧𑓂𑒧𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒢𑒋। 𑒦𑒼𑒙𑒧𑒹 𑒯𑒧 𑒖𑒲𑒞𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒥। 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒯𑒧𑒩𑒹

𑒥𑒢𑒞। 𑒞𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒠 𑒁𑒯𑒴𑒿 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒂𑒋𑒥 𑒂 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦𑒏 𑒃𑒪𑒰𑒖 𑒞𑒿 𑒯𑒹𑒥𑒹 𑒏𑒩𑒞𑒻𑒏।” 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒯𑒧 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒮𑒏𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒍 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒁𑓀𑒠𑒩𑒏 𑒏𑒼𑒚𑒲𑒧𑒹 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒧 𑒔𑒰𑒯 𑒣𑒲𑒥𑒞𑒱 𑒩𑒯𑒲 𑒏𑒲 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒁𑒋𑒥𑒰𑒏 𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒯𑒧 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒏𑒼𑒚𑒲𑒮𑒿 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒕𑒲। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮𑒏 𑒖𑒲𑒣𑒧𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒲। 𑒣𑒳𑒪𑒱𑒮 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒪𑒢𑒹 𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒣𑒩 𑒔𑒪𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱
।

𑒞𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒠 𑒏𑒻𑒏𑒠𑒱𑒢 𑒡𑒩𑒱 𑒯𑒧 𑒖𑒯𑒪𑒧𑒹 𑒥𑓀𑒠 𑒩𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒐𑒱𑒪𑒰𑒤 𑒞𑒩𑒯-𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒏 𑒁𑒡𑒲𑒢 𑒧𑒼𑒏𑒠𑒧𑒰 𑒏𑒰𑒋𑒧 𑒏𑒋 𑒠𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒯𑒧 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒫𑒰𑒠 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱𑒧𑒹 𑒢𑒯𑒱 𑒩𑒯𑒲। 𑒖𑒼𑒩-𑒮𑒰𑒿𑒜𑓃 𑒏𑒹𑒍 𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑒰𑒧𑒢𑒹𑒧𑒹 𑒂𑒥𑒋 𑒂 𑒞𑒩𑒯-𑒞𑒩𑒯𑒏 𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒋 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒋। 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒰𑒖𑒋। 𑒔𑒳𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒁𑒣𑒢 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒩𑒋 𑒂 𑒔𑒪𑒱 𑒖𑒰𑒋। 𑒋𑒯𑒱 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒏𑒻𑒏 𑒠𑒱𑒢 𑒥𑒲𑒞𑒱 𑒑𑒹𑒪।

𑓔

𑒯𑒧𑒩 𑒥𑒋𑒮 𑒮𑒞𑓂𑒞𑒰𑒃𑒮 𑒮𑒰𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒯𑒧 𑒠𑒴𑒮𑒰𑒪 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒋𑒧𑒋 𑒣𑒰𑒮 𑒏𑒹𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒬𑒳𑒩𑒴𑒋𑒮𑒿 𑒂𑒠𑒩𑓂𑒬𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒕𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒁𑒮𑒪𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒼𑒢𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒢𑓂𑒨𑒞𑓁 𑒠𑒹𑒬,𑒮𑒧𑒰𑒖𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒖𑒰𑒑𑒪 𑒩𑒯𑒻𑒏। 𑒏𑒰𑒪𑒹𑒖𑒧𑒹 𑒋𑒯𑒱𑒮𑒦 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒩𑓀𑒥𑒰𑒩 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪। 𑒠𑒹𑒬-𑒫𑒱𑒠𑒹𑒬𑒏 𑒖𑒰𑒢𑒪-𑒧𑒰𑒢𑒪 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒫𑒰𑒢,𑒢𑒹𑒞𑒰,𑒏𑒫𑒱 ,𑒑𑒰𑒨𑒏 𑒁𑒥𑒻𑒞-𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒧 𑒂 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒋𑒏𑒯𑒱 𑒥𑒋𑒮𑒏 𑒩𑒯𑒲। 𑒋𑒏𑒯𑒱 𑒏𑒏𑓂𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒣𑒜𑓃𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒲। 𑒯𑒧𑒮𑒦 𑒮𑓀𑒑𑒹-𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒋𑒯𑒢 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒩𑒮𑒦𑒧𑒹 𑒁𑒩𑒥𑒡𑒱 𑒏𑒋 𑒖𑒰𑒋𑒪 𑒏𑒩𑒲। 𑒨𑒳𑒫𑒰𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰,𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒅𑒧𑓀𑒑 𑒂 𑒮𑓀𑒑𑒲 𑒮𑒦𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒼𑒩 𑒮𑒦 𑒧𑒪𑒱 𑒏𑒋 𑒯𑒧𑒩 𑒧𑒼𑒢𑒏𑒹𑒿 𑒞𑒞𑒹𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒱𑒞 𑒏𑒋 𑒠𑒹𑒪𑒏 𑒖𑒹 𑒋𑒧𑒋 𑒣𑒰𑒮 𑒏𑒹𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒢𑒾𑒏𑒩𑒲 𑒞𑒏𑒢𑒰𑒃 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒣𑒰𑒕𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒒𑒳𑒧𑒋 𑒪𑒑𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒋𑒯𑒱 𑒧𑒰𑒧𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒴 𑒕𑒪। 𑒍 𑒏𑒰𑒪𑒹𑒖𑒹𑒏 𑒮𑒧𑒨𑒧𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒑𑒰𑒧𑒲 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑓀𑒑𑒹-𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒥𑒻𑒮𑒰𑒩𑒮𑒦𑒧𑒹 𑒖𑒰𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪। 𑒣𑒩𑒱𑒝𑒰𑒧𑒮𑓂𑒫𑒩𑒴𑒣,𑒍 𑒋𑒧𑒋 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒣𑒰𑒮 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒋 𑒮𑒏𑒪। 𑒪𑒙𑒏𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒠𑒼𑒮𑒩𑒼 𑒮𑒰𑒪 𑒮𑒋𑒯 𑒯𑒰𑒪 𑒩𑒯𑒪𑒻𑒏। 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒍 𑒖𑒹𑒢𑒰-𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒞◌𑒵𑒞𑒲𑒨 𑒮𑓂𑒩𑒹𑒝𑒲𑒧𑒹 𑒋𑒧𑒋 𑒣𑒰𑒮 𑒏𑒋 𑒮𑒏𑒪। 𑒞𑒰𑒫𑒹 𑒯𑒧 𑒋𑒧𑒋 𑒣𑒰𑒮 𑒏𑒋 𑒣𑒳𑒩𑒰𑒢 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒧𑒰𑒞𑒰-𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒁𑒮𑒑𑒩 𑒮𑓀𑒞𑒰𑒢 𑒩𑒯𑒲। 𑒞𑒹𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒠𑒳𑒪𑒩𑒳𑒂 𑒩𑒯𑒲। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒅𑒧𑒲𑒠 𑒩𑒯𑒢𑒱। 𑒯𑒧 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒮𑒦𑒏 𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 𑒂 𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒏𑒹𑒿

𑒥𑒳𑒯𑒻𑒞 𑒣𑒜𑓃𑒰𑒃 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒮𑒦𑒰𑒠𑒱𑒢 𑒎𑒁𑒪 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒋𑒧𑒯𑒩 𑒣𑒰𑒮 𑒏𑒩𑒻𑒞-𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒯𑒧𑒩 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒱 𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒮𑒿 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒏𑒋 𑒠𑒹𑒬𑒏 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒰 𑒯𑒼𑒧𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪। 𑒍𑒯𑒱 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒧𑒹 𑒯𑒧𑒯𑒳 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒮𑓀𑒣𑒩𑓂𑒏𑒧𑒹 𑒁𑒋𑒪𑒯𑒳𑒿।

𑒏𑒰𑒪𑒹𑒖𑒧𑒹 𑒣𑒜𑓃𑒥𑒰𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒯𑒧 𑒂 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒻𑒏𑒥𑒹𑒩 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒰𑒧 𑒮𑒩𑒱𑒂 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒲। 𑒍𑒏𑒩 𑒫𑒨𑒼𑒫𑒵𑒠𑓂𑒡 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒮𑒿 𑒦𑒹𑒿𑒙 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒲। 𑒍𑒏𑒩 𑒧𑒰𑒋 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒯𑒱 𑒧𑒩𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑒧𑒨𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒠𑒲𑒣 𑒔𑒰𑒩𑒱𑒋 𑒫𑒩𑓂𑒭𑒏 𑒩𑒯𑒋। 𑒞𑒐𑒢𑒹𑒮𑒿 𑒍𑒏𑒩 𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒧𑒰𑒋𑒏 𑒦𑒰𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒧𑓂𑒯𑒰𑒩𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒧𑒩𑒹 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒍𑒯𑒼 𑒁𑒮𑒑𑒩𑒹 𑒩𑒯𑒋। 𑒣𑒜𑓃𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒡𑒰𑒩𑒝। 𑒍𑒏𑒩 𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒮𑒠𑒱𑒐𑒢 𑒯𑒧𑒩 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝 𑒠𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒏𑒯𑒟𑒱 𑒖𑒹 𑒞𑒴𑒿 𑒁𑓀𑒏𑒳𑒩𑒮𑒿 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒳𑒝 𑒪𑒪 𑒏𑒩𑒯। 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒩𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒤𑒋𑒠𑒰 𑒅𑒚𑒰𑒥𑒯। 𑒍 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒪𑒱𑒋𑒯 𑒂 𑒯𑒿𑒮𑒱 𑒠𑒻𑒏। 𑒏𑒐𑒢𑒯𑒳 𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒯𑒱𑒍 𑒠𑒻𑒏-

”𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒋𑒏𑒼 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒴। 𑒯𑒧 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒏𑒩𑒥। 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒨𑒬-𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒭𑓂𑒚𑒰𑒧𑒹 𑒫𑒵𑒠𑓂𑒡𑒱 𑒏𑒩𑒥। 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒡𑒻𑒩𑓂𑒨 𑒩𑒰𑒐𑒴।”

𑒥𑒴𑒜𑓃𑒰 𑒏𑒲 𑒥𑒖𑒱𑒞𑒟𑒱? 𑒔𑒳𑒣𑓂𑒣 𑒦𑒋 𑒖𑒰𑒟𑒱। 𑒏𑒰𑒖𑒮𑒦 𑒞𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒞𑒹𑒯𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒟𑒱𑒢। 𑒠𑒱𑒢-𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒣𑒰𑒕𑒴-𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒒𑒳𑒧𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒁𑒮𑒪𑒧𑒹 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑒧𑒨𑒧𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒑𑒰𑒧-𑒑𑒰𑒧 𑒣𑒮𑒩𑒪 𑒕𑒪𑒻𑒏। 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒅𑒧𑒲𑒠 𑒩𑒯𑒻𑒏 । 𑒦𑒰𑒭𑒝𑒧𑒹 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒢𑒲𑒏-𑒢𑒲𑒏 𑒑𑒣𑓂𑒣-𑒮𑒣𑓂𑒣 𑒏𑒩𑒻𑒏। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒤𑒋𑒠𑒰 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒃𑒏। 𑒞𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒂𑒧 𑒖𑒢𑒞𑒰𑒮𑒦 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒩𑒰𑒬 𑒯𑒼𑒧𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒂 𑒋𑒯𑒱 𑒥𑒹𑒩𑒏 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍𑒧𑒹 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒯𑒩𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒧𑒼𑒢 𑒥𑒢𑒰 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒯𑒱𑒥𑒰𑒞𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒧𑒰𑒢 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒢𑒱। 𑒞𑒿 𑒍 𑒏𑒢𑒲 𑒥𑒹𑒮𑒲𑒋 𑒮𑒞𑒩𑓂𑒏 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒖𑒹𑒢𑒰-𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍 𑒖𑒲𑒞𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒞𑓂𑒢𑒬𑒲𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯।

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒞𑒿 𑒍 𑒔𑓀𑒔𑒰 𑒕𑒪𑒢𑒱। 𑒃𑒪𑒰𑒏𑒰𑒏 𑒨𑒳𑒫𑒏𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒗𑒴𑒚 𑒂𑒠𑒩𑓂𑒬𑒫𑒰𑒠𑒏 𑒗𑒳𑒢𑒗𑒳𑒢𑒰 𑒣𑒏𑒩𑒥𑒱𑒞𑒟𑒱। 𑒠𑒱𑒢-𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒁𑒣𑒢𑒰-𑒁𑒣𑒢𑒰 𑒣𑒰𑒕𑒴 𑒒𑒳𑒧𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒱𑒞𑒟𑒱। 𑒍𑒯𑒱𑒧𑒹 𑒮𑒿 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒔𑒪𑒰𑒏-𑒔𑒳𑒮𑓂𑒞𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒤𑒋𑒠𑒼 𑒅𑒚𑒰 𑒪𑒻𑒞 𑒕𑒪। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑓀𑒬 𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰𑒏-𑒍𑒯𑒱𑒢𑒰 𑒩𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞। 𑒢𑒲𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒁𑒢𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒒𑒩𑓂𑒭 𑒏𑒩𑒻𑒞-𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒁𑒢𑒱𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒦𑒫𑒱𑒭𑓂𑒨𑒏 𑒑𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒧𑒹 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒩𑒯𑒱 𑒖𑒰𑒃𑒞। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏 𑒂𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮𑒢 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒱𑒞𑒻𑒏। 𑒍 𑒮𑒦 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒗𑓀𑒛𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒢𑒰𑒩𑒰 𑒥𑒳𑒪𑓀𑒠 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞। 𑒋𑒯𑒱 𑒞𑒩𑒯𑒹𑒿 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒮𑒧𑒨 𑒥𑒲𑒞𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒏𑒻𑒏 𑒥𑒹𑒩 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍 𑒖𑒲𑒞𑒪𑒰𑒯। 𑒮𑒪𑒰𑒯𑒏𑒰𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒥𑒢𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒱𑒕𑒳𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒦𑒫𑒱𑒭𑓂𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒔𑒧𑒳𑒔𑒧𑒹 𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒏। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑓀𑒬 𑒖𑒮-𑒏𑒹-𑒞𑒮 𑒩𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪।

યુનાઞોક સમયમે નેનાળીક યુનાઞો દ૭ક સક્નાયિ સદસ્ય વની ળાશ્ન। કછિ ઞામદની સેહો કએ ઊેન। યુનાઞો ખ્નમ,વાન ખ્નમ। સંદીપો એહી નનહક છ૭। ને નૌકની કએ સક૭,ને નેના વની સક૭। નથાપિ,નેનાળીમે ઞોકન ઞટૂટ વિશ્વાસ વન૭ નહ૭ૈક। સા૭ક -સા૭ હુનકા પાછૂ-પાછૂ ઘુમૈન નહ૭। હુનકન હુકુમ વળવૈન નહ૭।

૫

ઞસ૭મે ઞોહવિન નેનાળીક સ્થિનિ ઠીક નહિ છ૭ૈક। પછિ૭િ પાઁચ સા૭ હિસાવ યુકના કનવાક હેતુ શ્૭ાકાક ળનનાસન પ્નનવિદ્ય છ૭। ળકને દેખૂ સએહ એનવે ગપ્પ કૈન સુનાશ્ન-

”ઞાઞોન ળે હોએન સે હોએન મુદા એહી નેનાકેઁ હનેવાક ઞછિ।”

”ળૂન। પનિવિનનન હેવાક યાહી। ળનંનનક માને સએહ ને ૭ેઞ। ળે ળનનાક નહિ સુનએ, ઞપનેમે ૭ાગ૭ નહએ નકના હટા દશિ। દોસનકેઁ ઞાનૂ, ઞોહો ળઁ ઠીક નહિ કે૭ક નઁ નેસનકેઁ ઞાનૂ। મનદાનાકેઁ એોક શક્નિ સંવિધાનસઁ પ્નાપ્ન છૈહ।”

”વાન એોક ઞાસાન નહિ છૈક ળનેક વૂહા નહ૭ ઞછિ। ઈ સન વદમાસક ખ્યાન થિક। ઞાવ ઞો સમય નહિ નહિ ગે૭ છૈક। ગુંડાસન નેનાક પાછૂ-પાછૂ ઘુમૈન છૈક। એકટા શ્સાના યાહી ઞા સાશ્વ। નખ્યન કી કનવ? કોટ્ કયહની દૌડ઼િનિ નહિ ળાએવ। નેનાળીક ખ્િ૭ાશ્વ કેઞો ગવાહ નહિ ૭ેટિ સકન।”

૭કસન ઞાપસમે એહિ નનહેં ગપ્પ કશ્એ નહ૭ છ૭ કી કાનસઁ કછિગોટે ઞોનએ પહુઁચ૭। ૭કક ગપ્પ સુનિ કાન નૂક૭। કાનસઁ યાનિ-પાઁચટા મોચંડ સન ૭ક વાહન નકિ૭૭ ઞા વિના કછિ કહને-સુનને ૭કસનકેઁ પટિનાશ્ શુનુ કએ દે૭ક। કહિ નહિ ઞો સન ઞપન યાવુક કનએ નુકા કએ નખ્યને છ૭। કહવી છૈક ”માનકિ ડને જૂન પડ઼ાએ।” વાન સએહ ૭ેઞ। દૂ-યાનિ સિટકા ૭ાગનિહિ સન યન્ન-નન્ન ૭ાગ૭। કેઞો કછિ નહિ દેખ્ય૭ક। કકનો ઈ સાહસ નહિ ૭ેૈક ળે ઞોકનાસનક હાથ પકડ઼િ ૭િઞિએ ,કછિ પૂછિ સકએ ? માનિ ખ્યાશ્ન-ખ્યાશ્ન ઞો સન વસ ળાન વઁચવએમે ૭ાગિ ગે૭। ૭ાગ૭ ઞોકનાસનકેઁ એના ૭ાગૈન દેખિ સિડ઼કપન એમહન-

𑒍𑒧𑓂𑒯𑒩𑒰 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒦𑒰𑒑𑒪। 𑒪𑒑𑒣𑒰𑒮𑒮𑒿 𑒁𑒋𑒢𑒯𑒩𑒱 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒦 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒦𑒰𑒑𑒪 । 𑒏𑒹𑒍 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒴𑒗𑒱 𑒮𑒏𑒪,𑒏𑒹𑒍 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒴𑒕𑒱 𑒮𑒏𑒪। 𑒥𑒮 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒧𑒳𑒢𑒱 𑒏𑒋 𑒦𑒰𑒑𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪। 𑒏𑒱𑒕𑒳𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒏 𑒦𑒹𑒪𑒻𑒏 𑒖𑒹 𑒦𑒴𑒏𑓀𑒣 𑒦𑒋 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒍 𑒮𑒦 𑒔𑒱𑒏𑒩𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪-

”𑒦𑒴𑒏𑓀𑒣 𑒦𑒴𑒏𑓀𑒣 𑒦𑒰𑒑𑒴!𑒦𑒰𑒑𑒴! ”

𑒍 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦 𑒯𑒿𑒮𑒻𑒞 𑒏𑒰𑒩 𑒣𑒩 𑒤𑒹𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒫𑒰𑒩 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪। 𑒮𑓀𑒑𑒧𑒹 𑒋𑒏-𑒠𑒴𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒢𑒹 𑒑𑒹𑒪। 𑒏𑒰𑒩 𑒐𑒳𑒖𑒪 𑒂 𑒤𑒳𑒩𑓂𑒞𑒲𑒮𑒿 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪।

𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒢𑒹-𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒪𑒑 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒱 𑒑𑒹𑒪। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒯𑒱 𑒍𑒏𑒩𑒮𑒦𑒏 𑒮𑒲𑒙𑒲-𑒣𑒲𑒙𑒲 𑒑𑒳𑒧𑓂𑒧 𑒣𑒛𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒻𑒏।

”𑒏𑒲 𑒥𑒰𑒞 𑒕𑒻𑒏? 𑒞𑒼𑒩𑒰𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒟𑒲𑒏 𑒣𑒩𑒹𑒮𑒰𑒢𑒲 𑒕𑒯? ”

”𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒯𑒱 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩! ”

”𑒞𑒐𑒢 𑒖𑒹 𑒁𑒛𑓃𑒥𑒛𑓃 𑒥𑒰𑒖𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒯 𑒞𑒏𑒩 𑒏𑒲 𑒯𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒰𑒯𑒲? ”

”𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩! ”

”𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒂𑒑𑒴 𑒤𑒹𑒩 𑒞𑒴𑒿 𑒮𑒦 𑒋𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒩𑒥𑒯 𑒞𑒏𑒩 𑒏𑒼𑒢 𑒚𑒹𑒏𑒰𑒢? ”

”𑒏𑒰𑒢 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒕𑒲, 𑒒𑒙𑒲 𑒧𑓀𑒑𑒻𑒞 𑒕𑒲। 𑒂𑒥 𑒋𑒯𑒢 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒋𑒞।”

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢। 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒦 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒞𑒯𑒐𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒑𑒹𑒪। 𑒔𑒩𑒰𑒔𑒩 𑒔𑒧𑒹𑒙𑒰 𑒪𑒑𑒥𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪। 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒡𑒩𑒱 𑒍𑒏𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒡𑓂𑒫𑒢𑒱 𑒮𑒳𑒢𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪। 𑒞𑒏𑒩𑒥𑒰𑒠 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒍𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒯𑒰𑒟-𑒣𑒻𑒩 𑒥𑒰𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒏𑒋 𑒩𑒰𑒐𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏। 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒦 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒪 𑒂 𑒞𑒯𑒐𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒞𑒰𑒪𑒰 𑒚𑒼𑒏𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏।

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒕𑒪𑒰𑒯 𑒁𑒢𑒳𑒦𑒫𑒲 𑒪𑒼𑒏। 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒥𑒹𑒩 𑒔𑒳𑒢𑒰𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒪𑒛𑓃𑒋 𑒖𑒰 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯 । 𑒒𑒰𑒙-𑒒𑒰𑒙𑒏 𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒣𑒲𑒢𑒹 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒮𑒰𑒧-𑒠𑒰𑒧 𑒠𑓀𑒛,𑒦𑒹𑒠 𑒖𑒹𑒢𑒰 𑒖𑒹 𑒏𑒰𑒥𑒴𑒧𑒹 𑒂𑒥𑒋 𑒞𑒹𑒢𑒰 𑒞𑒏𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒢𑒱𑒣𑒙𑒋 𑒖𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒮𑒰𑒿𑒗𑒧𑒹 𑒖𑒐𑒢 𑒫𑒰𑒣𑒮 𑒒𑒩 𑒁𑒋𑒪𑒰𑒯 𑒞𑒿 𑒍 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒔𑒼𑒙𑓂𑒙𑒹 𑒞𑒯𑒐𑒰𑒢𑒰 𑒠𑒱𑒮𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯।

”𑒔𑒪𑒯 𑒍𑒧𑓂𑒯𑒩𑒰। 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒌𑒏 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑒦𑒏 𑒂𑒐𑒱𑒩 𑒏𑒲 𑒏𑒯𑒥 𑒕𑒻𑒏? ”

”𑒯𑒧𑒯𑒳 𑒮𑒋𑒯 𑒏𑒯𑒋 𑒥𑒪𑒰 𑒩𑒯𑒲।”

𑒮𑒦𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒞𑒯𑒐𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒣𑒻𑒩 𑒩𑒐𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒹𑒐𑒱𑒞𑒯𑒱 𑒍 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒥𑒤𑒰𑒢𑒱 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪। 𑒯𑒰𑒟-𑒣𑒻𑒩 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒧𑒰𑒤𑒲 𑒧𑒰𑓀𑒑𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪।

”𑒂𑒥 𑒋𑒯𑒢 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒋𑒞। 𑒯𑒧𑒮𑒦 𑒮𑒦𑒠𑒱𑒢 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒩𑒯𑒪𑒯𑒳𑒿, 𑒁𑒯𑒲𑓀 𑒥𑒪

𑒖𑒲𑒪𑒯𑒳𑒿। 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒧𑒾𑒏𑒰 𑒠𑒱𑒁। 𑒯𑒧𑒮𑒦 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒖𑒱𑒞𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒤𑒹𑒩𑒮𑒿 𑒖𑒰𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒖𑒲 𑒪𑒑𑒰 𑒠𑒹𑒥। 𑒠𑒱𑒢-𑒩𑒰𑒞 𑒋𑒏 𑒏𑒋 𑒠𑒹𑒥।”

𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒮𑒦𑒏 𑒥𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒐𑒱𑒢।

”𑒋! 𑒯𑒱𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 𑒏𑒟𑒱𑒏 𑒁𑒢𑒪𑒯𑒳𑒢? 𑒄 𑒮𑒦 𑒞𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒐𑒰𑒮𑒧-𑒐𑒰𑒮 𑒕𑒟𑒱𑒢। 𑒐𑒥𑒩𑒠𑒰𑒩! 𑒂𑒑𑒴𑒮𑒿 𑒤𑒹𑒩 𑒋𑒯𑒢 𑒑𑒪𑒞𑒲 𑒏𑒩𑒥𑒻 𑒞𑒿 𑒯𑒧𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒐𑒩𑒰𑒥 𑒂𑒠𑒧𑒲 𑒏𑒹𑒍 𑒢𑒯𑒱 𑒯𑒼𑒋𑒞।”

”𑒖𑒲 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩!”

𑒥𑒠𑒧𑒰𑒮𑒮𑒦 𑒠𑒳𑒢𑒴𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒐𑒼𑒪𑒱 𑒠𑒹𑒪𑒏𑒻𑒏। 𑒍𑒮𑒦 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒂𑒋𑒪। 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒁𑒥𑒱𑒞𑒯𑒱 𑒍𑒏𑒩𑒰𑒮𑒦𑒏 𑒖𑒰𑒢 𑒧𑒹 𑒖𑒰𑒢 𑒂𑒋𑒪। 𑒞𑒯𑒐𑒰𑒢𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒂𑒋𑒪 𑒞𑒿 𑒋𑒏𑒑𑒼𑒙𑒹 𑒣𑒳𑒩𑒲-𑒞𑒩𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒂 𑒪𑒛𑓂𑒛𑒴 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒚𑒰𑒜𑓃 𑒩𑒯𑒻𑒏। 𑒍 𑒮𑒦 𑒦𑒳𑒐𑒪 𑒞𑒿 𑒕𑒪𑒯𑒹। 𑒯𑒰𑒿𑒃-𑒯𑒰𑒿𑒃 𑒐𑒹𑒪𑒏,𑒣𑒰𑒢𑒱 𑒣𑒱𑒪𑒏 𑒂 𑒔𑒳𑒣𑒔𑒰𑒣 𑒁𑒣𑒢 𑒒𑒩𑒏 𑒩𑒮𑓂𑒞𑒰 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒱 𑒪𑒹𑒪𑒏। 𑒢𑒹𑒞𑒰𑒖𑒲 𑒏𑒯𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒼𑒢 𑒥𑒰𑒙𑒹 𑒢𑒱𑒏𑒪𑒱 𑒏𑒋 𑒢𑒱𑒣𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯।

*-𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩, 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒧: 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒲𑒨 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩, 𑒧𑒰𑒞𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒧: 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒲𑒨𑒰 𑒠𑒨𑒰𑒏𑒰𑒬𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲, 𑒫𑒨𑒮: 𑓖𑓘 𑒫𑒩𑓂𑒭, 𑒣𑒻𑒞𑒵𑒏 𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧: 𑒁𑒛𑓃𑒹𑒩 𑒛𑒲𑒯, 𑒧𑒰𑒞𑒵𑒏: 𑒮𑒢𑒱𑒒𑒰𑒁𑒱 𑒛𑓂𑒨𑒼𑒜𑓃𑒲, 𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱: 𑒦𑒰𑒩𑒞 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒅𑒣 𑒮𑒔𑒱𑒫 (𑒮𑒹𑒫𑒰𑒢𑒱𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞), 𑒮𑓂𑒣𑒹𑒬𑒪 𑒧𑒹𑒙𑓂𑒩𑒼𑒣𑒼𑒪𑒱𑒙𑒢 𑒧𑒖𑒱𑒮𑓂𑒙𑓂𑒩𑒹𑒙, 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲(𑒮𑒹𑒫𑒰𑒢𑒱𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞), 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰: 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒡𑒰𑒩𑒲 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒯𑒰𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨𑒮𑒿 𑒥𑒲𑒋𑒮-𑒮𑒲 𑒦𑒾𑒞𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒭𑓂𑒚𑒰 : 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒡𑒱 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒞𑒏, 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒵𑒞𑒱: 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒧𑒹: 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓑𑓗 𑓑𑒦𑒼𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒰𑒿𑒗 𑒡𑒩𑒱 (𑒂𑒞𑓂𑒧 𑒏𑒟𑒰),𑓒 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑𑒫𑒬 (𑒢𑒱𑒥𑓀𑒡), 𑓓𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑 𑒋𑒞𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱 (𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑); 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓑𑓘 𑓔 𑒤𑒮𑒰𑒠 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) 𑓕 𑒢𑒧𑒮𑓂𑒞𑒮𑓂𑒨𑒻 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓖 𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑 (𑒢𑒱𑒥𑓀𑒡) 𑓗𑒧𑒯𑒩𑒰𑒖(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓘𑒪𑒖𑒏𑒼𑒙𑒩(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮); 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓑𑓙 𑓙𑒮𑒲𑒧𑒰𑒏 𑒍𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒩(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓑𑓐𑒮𑒧𑒰𑒡𑒰𑒢(𑒢𑒱𑒥𑓀𑒡 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) 𑓑𑓑𑒧𑒰𑒞𑒵𑒦𑒴𑒧𑒱(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓑𑓒𑒮𑓂𑒫𑒣𑓂𑒢𑒪𑒼𑒏(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮); 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓒𑓐 𑓑𑓓𑒬𑓀𑒐𑒢𑒰𑒠(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓑𑓔𑒃𑒋𑒯 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢(𑒮𑓀𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝) 𑓑𑓕𑒜𑒯𑒻𑒞 𑒠𑒹𑒫𑒰𑒪(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮); 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓒𑓑 𑓑𑓖𑒣𑒰𑒟𑒹𑒨(𑒮𑓀𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝) 𑓑𑓗𑒯𑒧 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮) 𑓑𑓘𑒣𑓂𑒩𑒪𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒞(𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮); 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒫𑒩𑓂𑒭:𑓒𑓐𑓒𑓒*

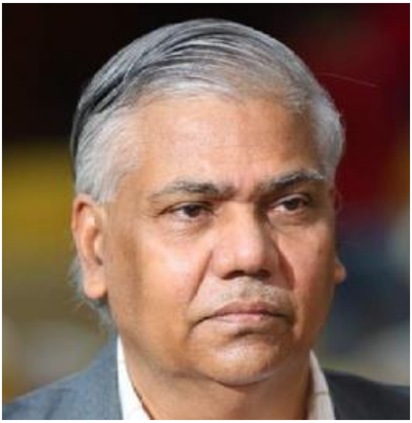
१९ बीत गेल समय (उपन्यास) २० प्रतिबिम्ब (उपन्यास) २१ बदलल रहल अछि समाज (उपन्यास) २२ राष्ट्र मंदिर (उपन्यास) २३ संयोग (कथा संग्रह) २४ नाया रहल छल बिसुआ (उपन्यास) २५ दीप जरैत रहए (उपन्यास)।

**अपन मंतव्य** editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

**३ पद्य खण्ड**

𑒛𑓃𑒢𑒰𑒪 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒢 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒢-𑒮𑓂𑒞𑒢 𑒁𑒰𑒋𑒥 𑒐𑒰𑒜𑓃

ડ઼ૉનાળ કશિોર મશ્રિ-સ્ઠેન શ્રાણ્ઇ ળાઢ઼



**નાળ કશિોર મશ્રિ, નટિાયર્ડ યીશ્ઠ ળેનાઇ મૈનેળન (ફ), વીણ્સ઼ણ્ણ્ઇ઼(મુપ્પ્યાઇય઼), દશ્રિી,ગામ- શ્રેન ડીહ, પો઼ શ્રેન હાટ, મધુવની**

**સ્ઠેન શ્રાણ્ઇ ળાઢ઼**

સ્ઠેનો ગામકૌ, ગા છ
સાઉનહા ન સૂઇક,
યમ્પા , કેશ્રોઇ ,કાવ઼ા
શ્રાનો ણ્હ મૂઇકા

નેના -જુટકા સબ ગાઁ ની વન્હૌ,
નવ઼કા યા ઉનક ભા ન ઇ ક નન્હૌ।
ભો ન -સાઁ હ શ્રોના શ્રાશ્રોન ઘૂનક ,
ગપ -છળ઼ કા વય્યા -વૂઢ઼કા

ગાશ્રશ્રોના વૂઢ઼ા સબ, ભો ન પના ની ,

સાઁ હ્ઽ, સકા ઊ ,ળગાૈ વા ાી।

શ્રોઢ઼ના -સી ગક સઁ, હ્રાઁ પઊ દેહ,
ળા ઢ઼ક' ાિ ક્ાિા સઁ કો ન નેહ?

શ શિ ગક' સમન્થન મે યો ન્હિ શ્રાૃઊ,
ગૈ દો ,શ્રોહિ મે ળા કઽ સન્હિ શ્રાૃઊ।

વગપ્યા મે ,ગવ઼િ કૈઁ હ્રાઁ પય઼ ઊઊ,
નજા મે મેઘ સજા છઊ ૩ાાઊ,
મુદા , જેઊા હ મુક્ાિ નહિ , ળા ઢ઼ો મે,
પ ૃથ્વ઼ી ક યો ન્હિ મે, છથિ દુિવકઊ।

ગૈ દ ક ંપૈાિ શ્રછિ ળિા ઢ઼ સઁ,
કા ં પ િગહઊ શ્રછિ વિસા ાિ,
પા નિ દુિવકિ ક' સટઊ, ળમઊ,
ક ંપૈાિ શ્રછિ ાિા છ પગ પા ાિ।

ંઠ ઊાાશ્રશ્રોઊક શ્રપન ળો ગ,
થગથગી યગો શ્રશ્રોઊક યગાી કે ં,
ન િકઊઊ શ્રકા સક' નો ગ , ળા ઢ઼ સ ં ,
જા િળઊ ાિુ ,દૂજા િપગાી કે ં।

યો ન્હિ શ્રડ઼ઊ શ્રછિ વા ટ પગ,
ગો કને ઊ કક શ્રવગળા ાિ,
દ િન ઊૌછ શ્રન્હા ગ સન,
વડ઼ી કા ઊ વ િાિઊ ,જેઊા પગા ાિ।

પા ની મે નહિ શ્રછિ વિયઉ ગાન્મી ,
ળા ઢ઼ક ૭ઢ઼ સઁ શ્રોહિ ળમન,
પ્નક઼ૃનિ કિ સનિહ -ઉષ્મમના મેટનૈ,
નપ્યન, શ્રકડ઼પન શ્રોકન કમના

ટ૭ટ્ટટા કુકુન ના નિ મે કુહ્નૈ,
પડ઼િનહઉ ઘૂનક છા ૩ન પન,
શી ન કનોક નેળ પ્યસૈન શ્રછિ,
ટપ -ટપ પ્યસૈછ પ્યમ્હા ૩ન પના

સાઁ હે સઁ નઢ઼િ શ્રા મૂકિનહઉ શ્રછિ,
સુનૈન શ્રછિસન શ્રોકન ગદ્દહ,
ળા ઢ઼ કંપશ્રશ્રોને છૈ શ્રોકના ,
હુશ્રાઁ -હુશ્રાઁ છૈ, શ્રોકને સદ્યઃ ।

યા હ ઊઉ ,યડ઼િ- યુનમુન સન,
યુશ્રાઁક કનૈછ નિનિપેય્છન,
દુવકિળા સ્ન શ્રછિ, ળા ઢ઼ક ૭ડ્ઢ઼,
પ્યાઁ ના મે, સાઁ હ પડ઼ૈછ ળપ્યના

નિન્યનક ના નિનિડ મેઉ પહા ડ઼,
શ્રોઢ઼ના -વસ્નિન, ના ન -પો શ્રાના

શ્રોહિ મે ળઁ સહિકઉ કનિ કો વસા ન,
નડ, નકૈછ વા ટ, હો ૩ કો હુના પના ના

થનથના સ્ન છૈ ,દેહ ગાની વક,
નિષ્ઠુને ળા ઢ઼ સંગા છૈ મુદા ળી વક'।

ટકિટકિ શ્રા સેહે બેઊ નપિ૧ના ,
ગેઊ શ્રો શયૃયા વૃશિ્ના મ પ૧,
ને શ્રાગાઊ યઊવ -શ્રૂ િમવ વેસી ,
ને દેવા ઊ પ૧, ને ધ્યા મ્ હ પ૧।

થેથ૧ ળા ઢ઼ક ,ના ગાનિ કેઁ,
વઢ઼ા ૧હઊ શ્રછિ મળની ,
ને ળા એન ના યમિ, બેટનૈક ન હિ,
બો ૧હ૧વા સઁ, મુહવળની ।

શશિમ -મા નિ શ્રા યો ન્હિ કેઁ ,
કો નો સુ૧બિ સંયછૈિ સા ૨ન,
શી નક પુનુષા ન્થ વઢ઼ા વએ ઊઊ,
કડ વૈસા ૧ , હે એન વનિ શ્રા૨ન।

કિ શ્રોક ને શ્રાએઊ શ્રછિ, મુદા
મન્નય઼ બુવ઼ન મે ,બડ કડ શ્રમ૧,
ળા ઢ઼ો ળા એન, શ્રોહે પડ઼ા એન,
કમૈન ૧હન ,એમ્હ૧ સઁ શ્રોમ્હ૧।

શ્રૂ૧ શ્રશ્રોનૈક ળા ઢ઼ નક૧,
એપ્યને સઁ કિએ, યિન્ના કૂ?
કઁપકઁપા ૧હઊ શ્રછિ,ડઢ એપ્યન ,
પહિને નડ ,શ્રોહિ સઁ ઊડૂ।

યઊિને ૧હૌક એહિ ના ક',ગામી -વ૧પ્યા -ળા ઢ઼ક ક્૧મ,
ળી નક ળન્મ, પમા ળય઼ સઁ, શ્રા' વંયન મે , મો ક્ષક' ળનમા।

𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨 editorial.staff.videha@gmail.com 𑒣𑒩 𑒣𑒘𑒰𑒅𑓃

**४.·श्रनुઠ૭नक**

१.વિ઼દેહ·ઈ-

પત્રિકાक·સભટા·પુરાન·श्रंक·Videha·e·journal's·all·old·issues·

२.મૈથિઠી·પોથી·ડાउनભોડ·Maithili·Books·Download·

३.·મૈથિઠી·श्राडियो-વીડિયોक·સંकઠन·Maithili·Audios-Videos·

४.મૈથિઠી·શિશુ,·વાઠ·श्रा·કિશોર·સાહિત્ય·Maithili·Children·Literature·

५.વિ઼દેહ·સ્ત્રી·કોના·

६.·વિ઼દેહ·ઈ-ઠર્નિંગ

७.વિ઼દેહ·સૂચના·સંપર્ક·श्रन्वेषण·(including·Parallel·Literature·in·Maithili·and·Videha·Maithili·Literature·Movement)·

८.વિ઼દેહ·મિથિઠાक·ધ્ભોળ·

९.વિ઼દેહ·મિથિઠા·રત્ના·

**૧વ઼દિહ ઈ-પત્રિકાક સભટા પુરાન અંક વ઼દિહ઼ો ળુ઼ઞાઙ'સ ।ઙઙ।ઙદ સિસ઼ેસ**

*વ઼દિ હ વ઼દિહ વ઼દિહ઼ા વિદેહ હ઼ાઠપ઼ૌવ઼દિહ઼યોનિ વ઼દિહ પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા વ઼દિહ઼ા રસાઠ માતિહ઼ઙિ ઢોઞઠનગિહ઼ાઙ્યઁ ળુ઼ઞાઙ વ઼દિહ પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા નવ઼ અંક દેખવાક ઙઙ પ઼ પ્ર સભકેં નસ્ત્રિનેશ કર દેખુ શઙીયસ નેડનેસહ ઠહે પાગેસ ડેઞ વ઼ીંનિગ નૌ સિસ઼ે ।ડ વ઼રયરહ્શ઼*

[ષ઼ોયહઁ ૌ।તિહિનિ શ્ઞઙદ રસસ઼ેસ ।ડ વ઼દિહ઼](#)

[હ઼ાઠપસ઼્વ઼ીકસ઼ગીગઙ઼ેયોમ્](#)

વ઼દિહ઼ા શ્ઞયહવ઼િ ।ડ શ્ઞઙદ રસસ઼ેસ વ઼દિહ પુરાન અંકક શ્રાત્કારવ઼ (પૂર્ણત: શ્વ઼્યવ઼સાયિક ઉદ્દેશ્ય શ્રા માત્ર એકેડમિક પ્રયોગ ઙઙ) વ઼દિહ ઈ-પત્રિકાક સભટા પુરાન અંક પીડિ઼એફ઼ ડાઉનલોડ ઙઙ ક્રમાનુસાર નીચાઁક લિંકપર ઉપલવ્ધ શ્રછિ। શ્રઙઙ ઠહે।ઙદ સિસ઼ેસ।ડ વ઼દિહ઼ો ળુ઼ઞાઙ ।ને ।વ઼ાઙિવ઼ઙ ડેઞ પદડ દૌનઙ઼ાદ ।ઠ ઠહે નેસપેયઠવ઼િ ઙનિકસ વ઼ેઙ઼ી

•

[ઠમિહ઼ા, નેવ઼ાડી શ્રા કૈથી શ્રૅોમ્પ્ટ ડાઉનલોડ ઘીગઙ'સ ।મોઠ ઢોનઠસ પ્રોળેયત્ ઘતિહ઼ુવ઼](#)

| ઠમિહ઼ા નોયે શ્રૅોમ્પ્ટ | કૈથી શ્રોઈપેશ્ | કૈથી ઈઈપેશ્ | નેવ઼ાડી શ્રોઈપેશ્ | નેવ઼ાડી ઈઈપેશ્ |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

[હ઼ાઠપસ઼્ડેનઠસ઼ગીગઙ઼ેયોમ્](#) (ઘીગઙ શ્રોપેન ઢોનઠસ દૌનઙ઼ાદ)

[થમિહ઼ા શ્રોડડઙનિ ખ઼ેયવ઼ોમદ દૌનઙ઼ાદ](#)

[ખ઼ેય઼માન થમિહ઼ા વ઼ેદયિ ષ઼ેવ઼ાણાગામ ખ઼ેયવ઼ોમદસ ઘૌનઙ઼ાદ](#)

[હ઼ાઠપસ઼્માઙામપ્રોળેયઠગિતિઙવ઼ીતિમિહ઼ા](#) (થમિહ઼ા ખ઼ેયવ઼ોમદ શ્રોનઙનિ)

•

**૧**

# गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)

| विदेह-सदेह १-२५ विदेहयोनि<br>विदेह ई-पत्रिकाक अंक १-३५० सँ मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन | |
|---|---|
| **देवनागरी** | **मिथिलाक्षर** |
| विदेह:सदेह १ | विदेह: सदेह १ तिरहुता |
| विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना | विदेह: सदेह २ तिरहुता |
| विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य | विदेह: सदेह ३ तिरहुता |
| विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा | विदेह: सदेह ४ तिरहुता |
| विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५] | विदेह: सदेह ५ तिरहुता |
| विदेह मैथिली विहनि कथा [ विदेह सदेह ५]- संस्करण-२ | विदेह: सदेह ५ संस्करण-२ तिरहुता |
| विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६] | विदेह: सदेह ६ तिरहुता |
| विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७] | विदेह: सदेह ७ तिरहुता |
| विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८] | विदेह: सदेह ८ तिरहुता |
| विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९] | विदेह: सदेह ९ तिरहुता |
| विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०] | विदेह: सदेह १० तिरहुता |

<table>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓑</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓒</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓓</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓓 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓔</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓔 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓖</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓖 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓗</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓗 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓘</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓘 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓙</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓙 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓐</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓑</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓒</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓓</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓓 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓔</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓔 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓕</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓕 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
<tr><td colspan="2">𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯-𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖-𑓓𑓖 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒨𑒼𑒢𑒱<br>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒃-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿-<br>𑒟𑒲𑒧 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒩𑓂𑒫𑒬𑓂𑒩𑒹𑒭𑓂𑒚<br>𑒧𑒴𑒪 𑒂 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨𑒏<br>𑒉𑒏𑒙𑒰 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢</td></tr>
<tr><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖 (𑒛◌ॉ 𑒬𑒧𑓂𑒦𑒳 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒂<br>𑒛◌ॉ 𑒁𑒢𑒳𑒣𑒧 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿)</td><td>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓗 (𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒂 𑒩𑒫𑒱 𑒦𑒴𑒭𑒝 𑒣𑒰𑒚𑒏𑒏 𑒂𑒢 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓗 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓘 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓘 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓙 (𑒩𑒫𑒱 𑒦𑒴𑒭𑒝 𑒣𑒰𑒚𑒏 𑒂 𑒛ॉ 𑒏𑒻𑒪𑒰𑒬 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓙 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓐 (𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪-𑒏ॉ𑒪𑒹𑒖𑒏 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒪𑒹𑒪- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑 (𑒛ॉ 𑒏𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒰𑒨𑒢𑒲 𑒂 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓒 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓑- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓓 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓒- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓓 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓔 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓓- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓔 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓕 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓔- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓕 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓖 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓕- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓖 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |

# 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 𑒂 𑒂𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒨𑒼𑒑𑒱𑒞𑒰 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒠𑒹𑒐𑒴:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| विदेह:सदेह १७ | विदेह:सदेह २१ | विदेह:सदेह २३ | विदेह:सदेह २६ | विदेह:सदेह २९ |
| विदेह:सदेह ३० | विदेह:सदेह ३२ | विदेह:सदेह ३३ | विदेह:सदेह ३४ | विदेह:सदेह ३५ |

# २

## विदेह समस्त पुरान अंक (अंक १ सँ ३५४ आ आगाँ)

## विदेह अंक १-१४९ (देवनागरी, मिथिलाक्षर आ ब्रेलमे)

| देवनागरी | मिथिलाक्षर | ब्रेल |
|---|---|---|
| विदेह ०१ ०१ ०८ | विदेह ०१ ०१ ०८ तिरहुता | १ |
| विदेह १५ ०१ ०८ | विदेह १५ ०१ ०८ तिरहुता | २ |
| विदेह ०१ ०२ ०८ | विदेह ०१ ०२ ०८ तिरहुता | ३ |
| विदेह १५ ०२ ०८ | विदेह १५ ०२ ०८ तिरहुता | ४ |
| विदेह ०१ ०३ ०८ | विदेह ०१ ०३ ०८ तिरहुता | ५ |
| विदेह १५ ०३ ०८ | विदेह १५ ०३ ०८ तिरहुता | ६ |
| विदेह ०१ ०४ २००८ | विदेह ०१ ०४ २००८ तिरहुता | ७ |
| विदेह १५ ०४ २००८ | विदेह १५ ०४ २००८ तिरहुता | ८ |
| विदेह ०१ ०५ २००८ | विदेह ०१ ०५ २००८ तिरहुता | ९ |
| विदेह १५ ०५ २००८ | विदेह १५ ०५ २००८ तिरहुता | १० |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓐𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓐𑓙 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓒𑓙 |

| | | |
|---|---|---|
| विदेह_१५_०३_२००८ | विदेह_१५_०३_२००८_तिरहुता | ३० |
| विदेह_०१_०४_२००८ | विदेह_०१_०४_२००८_तिरहुता | ३१ |
| विदेह_१५_०४_२००८ | विदेह_१५_०४_२००८_तिरहुता | ३२ |
| विदेह_०१_०५_२००८ | विदेह_०१_०५_२००८_तिरहुता | ३३ |
| विदेह_१५_०५_२००८ | विदेह_१५_०५_२००८_तिरहुता | ३४ |
| विदेह_०१_०६_२००८ | विदेह_०१_०६_२००८_तिरहुता | ३५ |
| विदेह_१५_०६_२००८ | विदेह_१५_०६_२००८_तिरहुता | ३६ |
| विदेह_०१_०७_२००८ | विदेह_०१_०७_२००८_तिरहुता | ३७ |
| विदेह_१५_०७_२००८ | विदेह_१५_०७_२००८_तिरहुता | ३८ |
| विदेह_०१_०८_२००८ | विदेह_०१_०८_२००८_तिरहुता | ३९ |
| विदेह_१५_०८_२००८ | विदेह_१५_०८_२००८_तिरहुता | ४० |
| विदेह_०१_०९_२००८ | विदेह_०१_०९_२००८_तिरहुता | ४१ |
| विदेह_१५_०९_२००८ | विदेह_१५_०९_२००८_तिरहुता | ४२ |
| विदेह_०१_१०_२००८ | विदेह_०१_१०_२००८_तिरहुता | ४३ |
| विदेह_१५_१०_२००८ | विदेह_१५_१०_२००८_तिरहुता | ४४ |
| विदेह_०१_११_२००८ | विदेह_०१_११_२००८_तिरहुता | ४५ |
| विदेह_१५_११_२००८ | विदेह_१५_११_२००८_तिरहुता | ४६ |
| विदेह_०१_१२_२००८ | विदेह_०१_१२_२००८_तिरहुता | ४७ |
| विदेह_१५_१२_२००८ | विदेह_१५_१२_२००८_तिरहुता | ४८ |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓔𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓕𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓖𑓗 |

| | | |
|---|---|---|
| विदेह १५ १० २०१० | विदेह १५ १० २०१० मैथिली | ६८ |
| विदेह ०१ ११ २०१० | विदेह ०१ ११ २०१० मैथिली | ६९ |
| विदेह १५ ११ २०१० | विदेह १५ ११ २०१० मैथिली | ७० |
| विदेह ०१ १२ २०१० | विदेह ०१ १२ २०१० मैथिली | ७१ |
| विदेह १५ १२ २०१० | विदेह १५ १२ २०१० मैथिली | ७२ |
| विदेह ०१ ०१ २०११ | विदेह ०१ ०१ २०११ मैथिली | ७३ |
| विदेह १५ ०१ २०११ | विदेह १५ ०१ २०११ मैथिली | ७४ |
| विदेह ०१ ०२ २०११ | विदेह ०१ ०२ २०११ मैथिली | ७५ |
| विदेह १५ ०२ २०११ | विदेह १५ ०२ २०११ मैथिली | ७६ |
| विदेह ०१ ०३ २०११ | विदेह ०१ ०३ २०११ मैथिली | ७७ |
| विदेह १५ ०३ २०११ | विदेह १५ ०३ २०११ मैथिली | ७८ |
| विदेह ०१ ०४ २०११ | विदेह ०१ ०४ २०११ मैथिली | ७९ |
| विदेह १५ ०४ २०११ | विदेह १५ ०४ २०११ मैथिली | ८० |
| विदेह ०१ ०५ २०११ | विदेह ०१ ०५ २०११ मैथिली | ८१ |
| विदेह १५ ०५ २०११ | विदेह १५ ०५ २०११ मैथिली | ८२ |
| विदेह ०१ ०६ २०११ | विदेह ०१ ०६ २०११ मैथिली | ८३ |
| विदेह १५ ०६ २०११ | विदेह १५ ०६ २०११ मैथिली | ८४ |
| विदेह ०१ ०७ २०११ | विदेह ०१ ०७ २०११ मैथिली | ८५ |
| विदेह १५ ०७ २०११ | विदेह १५ ०७ २०११ मैथिली | ८६ |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓘𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓘𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓘𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓑_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓙𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓓_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓓_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓓_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓓_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓔_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓔_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓔_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓔_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓕_𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓕_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓕 |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓕_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓖_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓖_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓗_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓐𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓗_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓘_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓐_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓑𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓒𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓓_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓒𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓓_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓒𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓓_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓒𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓑𑓕_𑓐𑓒_𑓒𑓐𑓑𑓓_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓒𑓔 |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓒𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓕 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓖 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓓 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓕 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓖 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓗 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓙 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓘 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓓𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓔𑓐 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓔𑓑 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓔𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 | 𑓑𑓔𑓓 |

# 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒁𑓀𑒏 𑓑𑓕𑓐-𑓓𑓔𑓔

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓑𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓑𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓑𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓑𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓑𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓒𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓓𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓔𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓕𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓖𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓗𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓘𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓒𑓙𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓐𑓙 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓔 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓑𑓙 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૦ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૧ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૨ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૩ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૪ |
| વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૫ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૬ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૭ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૮ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૨૯ |
| વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૦ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૧ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૨ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૩ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૪ |
| વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૫ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૬ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૭ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૮ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૩૯ |
| વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૪૦ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૪૧ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૪૨ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૪૩ | વ઼૨યપ૯શ્ર_૩૪૪ |

## વ઼દિ૬ક સ૩ શ્રંક સમ્વણ્યી ક્છિ શ્રાવ઼શ્ય઼ક પોથી્ ળાણકાન્ગી

**ડ઼ાન્ગણ માતિ૬ઊિ ષિગિણ ડ઼ાણગુાગે**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**મૈથિઊિ** (મૈથિઊિ સંકેત ૭ાષા સ૬તિ- મૈથિઊિમે પ૬િઊ વેન્ગ)

**ડ઼ાન્ગણ મતિ૬ઊિકસ૬ાન્ગ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ ૨સ્રુશ્ર ૧૬ન્ગુગા૬ મતિ૬ઊિકસ૬ાન્ગ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ ૭ન્ગાઊિ૭ ૧૬ન્ગુગા૬ મતિ૬ઊિકસ૬ાન્ગ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)
થતિ્૬ુ઼ા શ્રોડડઊનિ ખ્પ્ય઼વોન્ગદ દૌણઊાદ

ખ્પ્ય઼માણ થતિ્૬ુ઼ા વ઼દયિ યેવ઼ાણાગાન્ગિ ખ્પ્ય઼વોન્ગદસ યૌણઊાદ

**ડ઼ાન્ગણ ખ્પાતિર્૬**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ક઼ૈથી ઊપિ** (મૈથિઊિ સા૬તિ્ય઼ સંસ્થાણ ડાઉનઊોડ ઊકિ)

**ડ઼ાન્ગણ મ્ૌાન્ગિ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ છ઼ાઊઊગિાન્ગાપ૬યિ મ્ૌાન્ગિ (઼઼ઢાણળાણા)**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ ઉન્ગદુ ષયન્ગાપિત**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ થવિતાણ ષયન્ગાપિત**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ દ્દાપાનેસે ષયન્ગાપિત ડ઼ોન્ગ ૬ાકુિ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ ૭ન્ગા૬્મિ**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

**ડ઼ાન્ગણ ખ્પ૬ાન્ગોસ૬ાર્૬**- ઘાળેણદન્ગા થ૬ાકુન્ગ (૨૦૦૯્ ૨૦૨૩)

*સ્થાય઼ી સ્તમ્૩ ળેના મથિઊિ-ન્ગત્ન, મથિઊિક ખ્પોળ, વ઼દિ૬ ઼-ઊન્ગાડ્ગિ, વ઼દિ૬ સ્તન્ગી-કોના, વ઼દિ૬ પેટાન્ગ (વ઼દિ૬ ઼- પત્ન્ગાકિાક સમટા પુન્ગાણ શ્રંક; વ઼દિ૬ પોથી ડાઉનઊોડ; વ઼દિ૬ મૈથિઊિ ઑડયિ઼ો-વ઼ીડયિ઼ોક સંકઊણ શ્રા વ઼દિ૬ શાસ્તુ, વાઊ શ્રા કશિોન્ગ સા૬તિ્ય઼) શ્રા સૂચના-સંપન્ગક-શ્રન્વ઼ેષામ (નિય઼ુઊદનિગ઼ા શ્રાન્ગાઊઊઊ ડ઼તિન્ગાતુને નિ માતિ૬ઊિ ાનદ વ઼દિ૬ા માતિ૬ઊિ*

ડ઼તિનાતુને મોવ઼ેમેનત) સમ શ્રંકમે સમાન શ્રછિ, તર હેતુ ૬ સમ સ઼્તમ્મ સમ શ્રંકમે નૈ દેઙ ળાશ્ત શ્રછિ, ૬ સમ સ઼્તમ્મ દેપ્પવા ઙઙ ક્ઙકિ કૂ વ઼દિહ્ક ૩૪૬ મ, ૩૪૭ મ, ૩૬૬ મ શ્રા ૩૭૨ મ શ્રંક઼ા ઐ યાૂ શ્રંકમે સમ્મળિતિ ૂપૈં ૬ સમ સ઼્તમ્મ દેઙ ગેઙ શ્રછિ

# વ઼દિહ્ક ૩૪૫મ શ્રા શ્રાગૉક શ્રંક

| દેવ઼ણાગાગી | મથિળિક્ષ્ય | શ્રાર઼પી઼ઐ઼ | મૈથળિ વ્ગેઙ |
|---|---|---|---|
| વ઼રયપ૯થ ૩૪૫ | વ઼રયપ૯થ ૩૪૫ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૪૫ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૪૫ ઞનાળિ૭ |
| વ઼રયપ૯થ ૩૪૬ | વ઼રયપ૯થ ૩૪૬ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૪૬ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૪૬ ઞનાળિ૭ |
| વ઼રયપ૯થ ૩૪૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૪૭ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૪૭ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૪૭ ઞનાળિ૭ |
| વ઼રયપ૯થ ૩૪૮ | વ઼રયપ૯થ ૩૪૮ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૪૮ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૪૮ ઞનાળિ૭ |
| વ઼રયપ૯થ ૩૪૯ | વ઼રયપ૯થ ૩૪૯ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૪૯ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૪૯ ઞનાળિ૭ |

| દેવ઼ણાગાગી | મથિળિક્ષ્ય | શ્રાર઼પી઼ઐ઼ | મૈથળિ વ્ગેઙ | કૈથી |
|---|---|---|---|---|
| વ઼રયપ૯થ ૩૫૦ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૦ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૫૦ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૫૦ ઞનાળિ૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૦ પ્પશ્રરથહર |
| વ઼રયપ૯થ ૩૫૧ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૧ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૫૧ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૫૧ ઞનાળિ૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૧ પ્પશ્રરથહર |
| વ઼રયપ૯થ ૩૫૨ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૨ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૫૨ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૫૨ ઞનાળિ૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૨ પ્પશ્રરથહર |
| વ઼રયપ૯થ ૩૫૩ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૩ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૫૩ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૫૩ ઞનાળિ૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૩ પ્પશ્રરથહર |
| વ઼રયપ૯થ ૩૫૪ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૪ થપિહુ઼ા | વ઼રયપ૯થ ૩૫૪ ૨શુશ્ર | વ઼રયપ૯થ ૩૫૪ ઞનાળિ૭ | વ઼રયપ૯થ ૩૫૪ પ્પશ્રરથહર |

| ણાગાગી | તપિહુ઼ા | શ્રારપીઐ | વ્ગેઙ | કૈથી | ંળણા | નેવ઼ાડ઼ી | પ્પનોષ્ડી | વ્નાહ્મી |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ૩૫૫ | થપિહુ | ૨શુશ્ર | ઞનાળિ | પ્પશ્રર | ઢાળ | મ્મૌ | પ્પહાની | ઞનાહ્મર્િ |

| ણાગાગી | તપિહુ઼ા | કૈથી | ંળણા | પ્નયઙતિ | વ્નાહ્મી | ૨શુશ્ર | વ્ગેઙ | પ્પનોષ્ડી | ૩ર્દૂ | તવ્વિતી | તવ્વિતી-૩મે |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ૩૫૬ | થપિહુ | પ્પાિ | ઢાળ | મ્મૌ | ઞનાહ | ૨શુશ્ર | વ્ગેઙ | પ્પનોષ્ડી | ૩ર્દૂ | થવિ | ૩મે |
| ૩૫૭ | થપિહુ | પ્પાિ | ઢાળ | મ્મૌ | ઞનાહ | ૨શુશ્ર | વ્ગેઙ | પ્પનોષ્ડી | ૩ર્દૂ | થવિ | ૩મે |

| ળાગ઼ી | ળપિહ્ના | કૈથી | ગંળના | પ્રાચળિ | વ્નાહ્મી | રશ્વશ્ર | વ્નેઠ | ળિવ્વિળી | ળિવ્વિળી-ઉમે |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५८ | થપિહ્ | પ્યાિ | હ્ાળ | મૌા | ઝાનાહ | રશ્વશ્ર | વ્નેઠ | થવિ | ઉમે |
| ३५९ | થપિહ્ | પ્યાિ | હ્ાળ | મૌા | ઝાનાહ | રશ્વશ્ર | વ્નેઠ | થવિ | ઉમે |
| ३६० | થપિહ્ | પ્યાિ | હ્ાળ | મૌા | ઝાનાહ | રશ્વશ્ર | વ્નેઠ | થવિ | ઉમે |

| ળાગ઼ી | ળપિહ્ના | કૈથી | નેવ઼ાડ઼ી | શ્રાડ઼પીઽ | વ્નેઠ |
|---|---|---|---|---|---|
| ३६१ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६२ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६३ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६४ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६५ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६६ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६७ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६८ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३६९ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३७० | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |
| ३७१ | થપિહ્ના | પ્યાિહ્ | મૌાના | રશ્વશ્ર | ઝાનાાઊિઊ |

•

# ३

## વ઼દિહ્ક વ઼શિષાંક

૧) હાસ્કૂ વ઼શિષાંક

| | | |
|---|---|---|
| વ઼દિહ ૧૫ ૦૬ ૨૦૦૮ | વ઼દિહ ૧૫ ૦૬ ૨૦૦૮ થપિહ્ના | ૧૨ |

## 𑓒) 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓐𑓘 𑒟𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓓𑓑 |

## 𑓓) 𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓐 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓖𑓗 |

## 𑓔) 𑒥𑒰𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓗𑓐 |

## 𑓕) 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓗𑓒 |

## 𑓖) 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓗𑓔 |

## 𑓗) 𑒢𑒰𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓗𑓗 |

## 𑓘) 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏 (𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒦𑒰𑒩𑒞𑒲)

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓘𑓗 |

## 𑓙) 𑒥𑒰𑒪 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑓑𑓑𑓑 |

## 𑓑𑓐) 𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒢𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰 | 𑓑𑓒𑓖 |

## 𑓑𑓑) 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒂𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰-𑒮𑒧𑒰𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰-𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 𑒢𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰 | 𑓑𑓔𑓒 |

## 𑓑𑓒) 𑒏𑒰𑒬𑒲𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒧𑒡𑒳𑒣 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓕

## 𑓑𑓓) 𑒁𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓕

𑒮𑓂𑒫𑒞𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒔𑒹𑒞𑒰- 𑒁𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩: 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫-𑒏𑒵𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 𑒂𑒬𑒲𑒭 𑒁𑒢𑒔𑒱𑒢𑓂𑒯𑒰𑒩) [𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒁𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒱𑓀𑒙 𑒩𑒴𑒣]

## 𑓑𑓔) 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒁𑒢𑒱𑒪 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓕

## 𑓑𑓕) 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢: 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢-𑒮𑒴𑒔𑒲 (𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒪𑒪𑒱𑒞 𑒏𑒪𑒰 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞-𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞)

*𑒮𑒰𑒏𑓂𑒭𑒰𑒞𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒮𑒧𑒰𑒩𑒼𑒯*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 𑒮𑒰𑒏𑓂𑒭𑒰𑒞𑓂𑒏𑒰𑒩 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓑𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓒 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓒 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓘 𑓒𑓐𑓑𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓑 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓓 𑓒𑓐𑓑𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓕 𑓐𑓔 𑓒𑓐𑓑𑓖 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓐𑓑 𑓐𑓗 𑓒𑓐𑓑𑓖 |

𑓑𑓖) 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒲𑒛𑒲 𑒬𑓂𑒩𑒫𑓂𑒨 𑒑𑒲𑒞 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓑_𑓒𑓐𑓑𑓗

𑓑𑓗) 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒫𑒹𑒥 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩𑒱𑒞𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑𑓓

𑓑𑓘) 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏-𑓒

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑𑓗

𑓑𑓙) 𑒩𑒰𑒧𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑𑓙

𑓒𑓐) 𑒩𑒰𑒧𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒠𑓂𑒡𑒰𑓀𑒖𑒪𑒱 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓒𑓐

𑓒𑓑) 𑒩𑒰𑒖𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒪𑒰𑒪 𑒠𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓓𑓓

𑓒𑓒) 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | | |
|---|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓔𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓔𑓘_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓔𑓘_𑒥𑓂𑒩𑒹𑒪 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓔𑓘_𑒠𑒹𑒫𑒢𑒰𑒑𑒩𑒲 |

𑓒𑓓) 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓒_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓒_𑒥𑓂𑒩𑒹𑒪 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓒_𑒠𑒹𑒫𑒢𑒰𑒑𑒩𑒲 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓒_[illegible] |

𑓒𑓔) 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒪𑒞𑒰 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 '𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧' 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓗 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓗_𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |

𑓒𑓕) 𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓘_𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 |

𑓒𑓖) 𑒏𑒪𑒰-𑒫𑒱𑒧𑒩𑓂𑒬 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢- 𑒮𑓀𑒖𑒴 𑒠𑒰𑒮, 𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣, 𑒬𑒬𑒱𑒥𑒰𑒪𑒰, 𑒋𑒮.𑒮𑒲.𑒮𑒳𑒧𑒢 𑒂 𑒬𑓂𑒫𑒹𑒞𑒰 𑒗𑒰 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓘_𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 |

𑓒𑓗) 𑒩𑒔𑒢𑒰𑒏𑒰𑒩 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓙_𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 |

𑓒𑓗) 𑒩𑒰𑒧 𑒦𑒩𑒼𑒮 𑒏𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱 '𑒦𑓂𑒩𑒧𑒩' 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓗𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓗𑓐_𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 |

𑓒𑓘) 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒮𑓂𑒙𑒴𑒛𑒹𑒢𑓂𑒙 𑒨𑒴𑒢𑒱𑒨𑒢 (𑒋𑒧.𑒋𑒮.𑒨𑒴.) 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓗𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓗𑓑_𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 |

•

# 𑓔

## 𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧𑒏 𑒂𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒂𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒏𑒏 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖

𑓑𑒏𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲𑒏 𑒣𑒰𑓀𑒔 𑒙𑒰 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒧𑒡𑒳𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒗𑒰𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓐𑓑_𑓐𑓙_𑓒𑓐𑓑𑓖

𑓒𑒖𑒑𑒠𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 "𑒧𑒢𑒳"𑒏 "𑒧𑒰𑒙𑒱𑒏 𑒫𑒰𑒮𑒢"𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓓

𑓓𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞𑒏 𑒋𑒏𑒰𑓀𑒏𑒲 "𑒖𑒱𑒢𑓂𑒠𑒑𑒲𑒏 𑒧𑒼𑒪" 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓔

𑓔𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒩𑒰𑒅𑒞𑒏 𑓕 𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒃𑒨𑒯𑒂_𑓓𑓕𑓖</u>

𑓕.𑒅𑒧𑒹𑒬 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑓕 𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓗</u>

𑓖.𑒩𑒰𑒧 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮 𑒮𑒰𑒯𑒳𑒏 𑓕 𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓕𑓘</u>

𑓗.𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫- 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫𑒏 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫</u>

<u>𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩)</u>

𑓘.𑒩𑒰𑒖𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒜𑒰𑒖𑒠𑒼 𑒧𑒰𑒝𑒠𑒰𑒪- 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒎𑒩𑒰𑒞𑒱𑒩</u>

𑓙.𑒂𑒔𑒰𑒩𑓂𑒨 𑒩𑒰𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑓕 𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓐</u>

𑓑𑓐.𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮 𑒩𑒰𑒨𑒏 𑒔𑒰𑒩𑒱𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒋𑒏𑒰𑓀𑒏𑒲 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓑</u>

𑓑𑓑.𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒯𑓂𑒂𑒒𑒨𑒃𑒭𑒯 𑒂𑒜𑒂𑒭𑒂𑒨 𑒧𑒂𑒧𑓂𑒧𑒨𑒂𑒅- 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒎𑒩𑒰𑒞𑒱𑒩</u>

𑓑𑓒.𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑒣𑒰𑒿𑒔𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓓</u>

𑓑𑓓.𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒨𑒰𑒠𑒫𑒏 𑒣𑒰𑒿𑒔𑒙𑒰 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒃𑒣𑒩 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲

<u>𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_𑓓𑓖𑓔</u>

૧૪ નતિ નવ઼ઉ દનિશ કુમાગ મશ્રિગ- દનિશ કુમાગ મશ્રિગક સમસ્ત ઉપ્યન શ્રા શ્રોરપગ ગળેન્દ્ગ ઠાકુગક ટપિ્પણી

નતિ નવ઼ઉ દનિશ કુમાગ મશ્રિગ (ળાગી)

૧૫ નતિ નવ઼ઉ સુશીઉ- સુશીઉક સમસ્ત સાહતિ્ય શ્રા શ્રોરપગ ગળેન્દ્ગ ઠાકુગક ટપિ્પણી

નતિ નવ઼ઉ સુશીઉ (ળાગી)

.

# ૫

## "પાઠક હમગ પોથી કહિ પઢથિ"- ઉપ્યક દ્વ઼ાગા શ્રપ્પન પોથી્ ગચણાક સમીક્ષા સીગીળ

૧ શ્રાશીષ શ્રનચનિ્હાગ ૦૧ શ્રગસ્ત ૨૦૨૧

૧(i) શ્રાશીષ શ્રનચનિ્હાગ ૦૧ માગ્ચ ૨૦૨૩

૨ ગળેન્દ્ગ ઠાકુગ ૦૧ સતિમ્વગ ૨૦૨૨

.

# ૬

## એડટિ્સ ચોશ્સ સીગીળ

### એડટિ્સ ચોશ્સ સીગીળ-૧

વ઼િદેહમે વઓ઼નકાગપગ મૈથિઓિમે પહિઓ કવ઼િતા પ્ગકાશતિ ભેઉ છઓ઼ ઈ દસિમ્વગ ૨૦૧૨ ક દઓિ઼ીક નગ્જિયા વઓ઼નકાગ કામ્ગઙક વાદક સમય છઓ઼ શ્રોના ઈ શ્રનૂદતિ ગચના છઓ, તેઉગુમે પસુ્પુઉઠી ગીતાક કવ઼િતાક હનિ્દી શ્રનુવ઼ાદ કેને છઓિહ શ્રાગ઼ શાંતા સુન્દગી શ્રા હનિ્દીસઁ મૈથિઓિ શ્રનુવ઼ાદ કેને છઓહ વ઼ીગીત ૩ત્પઓ઼ હમગ

जानकारीमे ऐसँ बेशी सहितावैवल कविता ऐ विषयपर कोनो भाषामे नै रचल गेल अछि। कताक सालक बादो ई समस्या ओहिना अछि ई कविता सभकेँ पढ़बाक चाही, प्यास कऽ सभ बेटीक बापकेँ, सभ बहिनक भाएकेँ आ सभ पत्नीक पतिकेँ। आ बिचारबाक चाही जे हम सभ अपना बच्चा सभ लेल केहन समाज बनेने छी।

**<u>एडमिन्स चोइस सीरीज-१</u>** (डाउनलोड लिंक)

## एडमिन्स चोइस सीरीज-२

विदेहमे ब्रेस्ट कैंसरक समस्यापर विदेह मे मीना झा केर एकटा लघु कथा प्रकाशित भेल। ई मैथिलीक पहिल कथा छल जे ब्रेस्ट कैंसर पर लिखल गेल। हिन्दीमे सेहो तायता ऐ विषयपर कथा नै लिखल गेल छल, कारण ऐ कथाक ई-प्रकाशित भेलाक १-२ सालक बाद हिन्दीमे दू गोटेमे घोघाउज भऽ रहल छल कि पहिल हम आकि हम, मुदा दुनूक तथि मैथिलीक कथाक परवर्ती छल। बादमे ई विदेह लघु कथामे सेहो संकलित भेल।

**<u>एडमिन्स चोइस सीरीज-२</u>** (डाउनलोड लिंक)

## एडमिन्स चोइस सीरीज-३

विदेहमे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक किछु बाल कविता प्रकाशित भेल। बादमे हुनकर ३ टा बाल कविता विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल जइमे २ टा कविता बेबी चाइल्डपर छल। पढ़ू ई तीनू कविता, बादक दुनू बेबी चाइल्डपर लिखल कविता पढ़बे टा करू से आग्रह।

**<u>एडमिन्स चोइस सीरीज-३</u>** (डाउनलोड लिंक)

## एडमिन्स चोइस सीरीज-४

विदेहमे जगदानन्द झा "मनु"क एकटा दीर्घ बाल कथा कहि लिअ वा उपन्यास प्रकाशित भेल, नाम छल चोनहा। बादमे ई रचना विदेह शिशु उत्सवमे संकलित भेल, ई रचना बाल मनोविज्ञानपर आधारित मैथिलीक पहिल रचना छी, मैथिली

बाल साहित्य कोना लिखी तकर ट्रेनिंग कोर्समे ई उपन्यासकेँ राखल जेबाक चाही। कोना मॉडर्न उपन्यास आगाँ बढ़ै छै, स्टेप बाइ स्टेप आ सेहो बाल उपन्यास। पढ़बे टा करू से आग्रह।

**<u>एडिटर्स चोइस सीरीज-४</u>** (डाउनलोड लिंक)

## एडिटर्स चोइस सीरीज-५

एडिटर्स चोइस ५ मे मैथिलीक "उसने कहा था" माने कुमार पवनक दीर्घकथा "परड" (साभार अंतिका)। हिन्दीक पाठक, जे "उसने कहा था" पढ़ने हेता, कें बुझल छन्हि जे कोना अहि कथाकेँ रचि चन्द्रधर शर्मा "गुलेरी" अमर भऽ गेलाह। हम चर्चा कऽ रहल छी, कुमार पवनक "परड" दीर्घकथाक। एकरा पढ़लाक बाद अहाँकेँ एकटा विचित्र, सुखद आ मोन हौल करैबला अनुभव भेटत, जे सेक्सपीरियन ट्रेजेडी सँ मिलैत लागत आ डराओत। मुदा ई रचनाकेँ पढ़लाक बाद तामस, घृणा सभापर नियन्त्रणकेँ आ सामाजिक पारिवारिक दायित्वकेँ सेहो अहाँ आर गंभीरतासँ लेबै, से चर पक्का अछि। मुदा एकर एकटा शर्त अछि जे एकरा समै निकालि कऽ एक्के उपराहामे पढ़ि जाउ।

**<u>एडिटर्स चोइस सीरीज-५</u>** (डाउनलोड लिंक)

## एडिटर्स चोइस सीरीज-६

जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा "बसिआँढ़": १९४२-४३ क अकालमे बंगालमे १५ लाख लोक मुइल, मुदा अमर्त्य सेन लिखैत छथि जे हुनकर कोनो सर-सम्बन्धी ई अकालमे नै मरलन्हि। मिथिलामे अकाल आएल १९६७ ई. मे आ इन्दिरा गाँधी जखन ई क्षेत्र अएली तँ हुनका देखाओल गेल जे कोना मुसहर जातिक लोक बसिआँढ़ खा कऽ ई अकालकेँ जीत लेलन्हि। मैथिलीमे लेखनक एकभगाह स्थिति विदेहक आगमनसँ पहिने छल। मैथिलीक लेखक लोकनि सेहो अमर्त्य सेन जकाँ ओहि महाविभीषिकासँ प्रभावित नै छल आ तैँ बसिआँढ़पर कथा नै लिखि सकल।

𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 𑒋𑒣𑒩 𑒏𑒟𑒰 𑒪𑒱𑒐𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒖𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒔𑒹𑒞𑒢𑒰 𑒮𑒧𑒱𑒞𑒱𑒏 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒍 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒫𑒩𑒝𑓂 𑒁𑒫𑒯𑒙𑓂𑒚𑒧𑒹 𑒪𑒱𑒐𑒪 𑒥𑒳𑒗𑒰 𑒣𑒛𑓃𑒪, 𑒂 𑒍𑒞𑒹𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒲 𑒢𑒻 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒪 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒐𑒰𑒿𑒙𑒲 𑒂 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 𑒏𑒵𑒞𑓂𑒩𑒱𑒧। 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒁𑒣𑒢 𑒁𑒮𑒪𑒲 𑒩𑒴𑒣𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒂 𑒄 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 "𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒖𑒱𑒢𑒑𑒲" 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯𑒧𑒹। 𑒋 𑒣𑒼𑒟𑒲𑒣𑒩 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏𑒹𑒿 𑒙𑒻𑒑𑒼𑒩 𑒪𑒱𑒙𑒹𑒩𑒹𑒔𑒩 𑒁𑒫𑒰𑒩𑓂𑒛 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑒪𑒱𑒐𑒢𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒟𑒰𑒡𑒰𑒩𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒋𑒏𑒦𑒑𑒰𑒯 𑒯𑒼𑒥𑒰𑒮𑒿 𑒥𑒔𑒰 𑒪𑒹𑒪𑒏, 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒃𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒴 𑒏𑒰𑒪𑒐𑒝𑓂𑒛𑒧𑒹 𑒥𑒰𑒿𑒙𑒱 𑒏𑓄 𑒣𑒜𑓃𑒋 𑒖𑒰𑒋 𑒪𑒰𑒑𑒪- 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒂 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 𑒂𑒑𑒧𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒠। 𑒄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒱𑒮𑒰𑒿𑒜𑓃-𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒳𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒴𑒣𑒧𑒹।

<u>**𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓖**</u> (𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒱𑓀𑒏)

## 𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓗

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒂 𑒋𑒏𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒪𑒱𑒞 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰𑓁 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒰𑒤𑒲। 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒰𑒤𑒲𑒏 𑒠𑒪𑒱𑒞 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰 𑒖𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒪𑒒𑒳 𑒂𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒁𑒕𑒻𑒞 𑒯𑒱𑒪𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒠𑒹𑒞 𑒂 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒄 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 𑒏𑓄 𑒠𑒹𑒞 𑒖𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒏𑒞𑒥𑒼 𑒣𑒜𑓃𑒴 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒕𑒾 𑒢𑒻 𑒯𑒋𑒞। 𑒄 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒠 𑒪𑒹𑒐𑒏𑒏 𑒣𑒼𑒟𑒲 "𑒥𑒻𑒮𑒰𑒐𑒧𑒹 𑒠𑒪𑒰𑒢𑒣𑒩"𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒄 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒁𑒐𑒢 𑒡𑒩𑒱𑒏 𑒋𑒏𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒪𑒱𑒞 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰 𑒟𑒱𑒏। 𑒄 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒠𑒪𑒱𑒞 𑒂𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰𑓁 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒲𑒣 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒰𑒤𑒲𑒏 𑒏𑒪𑒧𑒮𑒿।

<u>**𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓗**</u> (𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒱𑓀𑒏)

## 𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓘

𑒢𑒹𑒢𑒰 𑒦𑒳𑒙𑒏𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒩𑒰𑒞𑒱𑒧𑒹 𑒮𑒳𑒢𑒹𑒥𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒪𑒼𑒏𑒏𑒟𑒰 (𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑒹𑒙𑒰𑒩𑒮𑒿)।

<u>**𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓘**</u> (𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒱𑓀𑒏)

# 𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓘

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒑𑒖𑒪𑒣𑒩 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 (𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑒹𑒙𑒰𑒩𑒮𑒿)।

**𑒋𑒛𑒱𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒔𑒼𑒃𑒮 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖-𑓘** (𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒱𑓀𑒏)

•

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢: **𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢-𑒮𑒴𑒔𑒲** (𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒪𑒪𑒱𑒞 𑒏𑒪𑒰 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞-𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞)

•

## 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲

𑓑

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲- 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 𑒣𑒰𑒚𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧

*𑒦𑒰𑒭𑒰𑒣𑒰𑒏*

**𑓒**

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡𑒞𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒰 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒋𑒏𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 𑒃𑒑𑓂𑒢𑒴 𑒥𑒧𑒁𑒃𑓐𑓐𑓑 𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒱𑒞 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒋𑒏 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒅𑒢𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒢𑒙𑒰 𑒠𑒱𑒨𑒾, 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒨𑒞𑓂𑒩 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 𑒏 **𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒃 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱,** 𑒮𑒹 𑒖𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒩 𑒤𑒰𑒮𑓂𑒙-𑒩𑒲𑒛𑒱𑓀𑒑 𑒠𑒼𑒮𑒩-𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒏𑒩𑒟𑒱|

**𑒃𑒒𑒰𑒧𑓂𑒧𑒁𑒼𑒅** 𑒃𑒑𑓂𑒢𑒴 **𑒥𑒧𑒁𑒃-𑓐𑓐𑓑**

થહેસે ાિ પ૧ાિનિ૧ે૧-દેમાનદ વૌકસ, સેનદ પ્ુ૧ ટુંાૌસિ નૌ <u>દિાિૌ૧ાિઉસનાિડઙ્વદિહ૦ગામાિઉયોમ્</u> થહે ેાૌકસ ાેડ સોમે ાેડ નહેસે ાિ ાવાિઉાિવઉ ડ૧ે સાઉ ાેન ઘોાૌગઉ શ્ઙઉાય [(ય) શ્ઙ૧ેાિ થહાકુ૧, સાઉસ્વદિહ૦ગામાિઉયોમ], સેનદ પ્ુ૧ ટુંાૌસિ નૌ <u>સાઉસ્વદિહ૦ગામાિઉયોમ્</u> થહે યોનોનાસ ાનદ દોયુમેનાસ ે-પુવઉસિહેદ વય <u>વદિહ</u> (સનિયે ૨૦૦૦) ૠષષાજ્ઞ ૨૨૨૮-૫૪૭૪ વ્ર્યયપ્ઞ્શ્ર (સનિયે ૨૦૦૪) ાિ પેાૌદિયિાઉઉય વેનિગા યહેયકેદ ડ૧ે ાયયેસસવિવિઉિનિય સિસેસ શ્ઙોપઉ ાૌનિહ દસિાવઉિનિાૌસિ સહોઉદ નોન હાવે દડિડયિઉાય ાયયેસસનિગા નહેસે યોનોનાસ દોયુમેનાસ

## ૠમૈથિઉ પોથી ડાઉનઉાેડ માનિહઉિ ાૌકસ યૌનાેાદ

### વદિહ પોથી

*વ દિ હ વદિહ વદિહ વિદેહ <u>હાનપ્ાૌવાિદેહાયોનિ</u> વદિહ પ્૧થમ મૈથિઉ પાક્ષકિ ૠ પ્૧ાકિ વદિહ ૠસન માનિહઉિ ઢોાનાગાિહાઉય ેાુગાનાઉ વદિહ પ્૧થમ મૈથિઉ પાક્ષકિ ૠ પ્૧ાકિ નવ શ્રંક દેખ્વાક ઉઉ પ્ ્ય સમર્કૈ નશ્ઙ્વેશ કાપ દેખ્ાા શ્રવૈયસ ાેડોસહ નહે પાગેસ ડ૧ે વૌનિગા નૌ સિસે ાેડ વ્ર્યયપ્ઞ્શ્ર*

## ષોનયह ડોન ગ્રૌક્સ (નિયઉદનિગા શ્ગ્દી-વ્રિસ્રિાઉ & ષિગિન ડાનગ્ગ્ગિ) ગેઉાનનિગા નો મનિહઉ્ મનિહઉિ

હનનપસ્ઃવીોક્સ્ગીોગઉેયોમ્

વ્રિદેહ શ્નયહવિ ોડ માનિહઉિ ગ્રૌક્સ વ્રિદેહ મૈથઉિ પોથીક શ્ાન્કાર્વ્ (પૂન્મ્મનઃ શ્વ્યવ્રસાયકિ ઉદ્દેશ્ય્ શ્ા માન્ન એકેડમિક પ્નયોગ ઉઉ) સગ્ર પોથી પીડ્રીએશ્ ડાઉનઉોડ ઉઉ ક્નમાનુસાન નીચાઁક ઉકિ સગ્રપન ઉપઉવ્ય શ્છિ શ્ઉઉ નહે વીોક્સ ામે ાવ્રાઉિવઉ ડોન પદડ દ્રૌનઉોદ ાન નહે ગેસપેયનવ્રિ ઉનિક્સ વ્રેઉો

## નમ્હિના, નેવ્રાડી શ્ા ક્ૈથી શ્ૢૉમ્મ્ટ ડાઉનઉોડ ઘીોગઉ'સ મ્મોનો ઢોનસ પ્નોળેયન્ ઘનિહ્વ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| નમ્હિના નીચે શ્ૢૉમ્મ્ટ | ક્ૈથી શ્ોડીએશ્ | ક્ૈથી ઈડીએશ્ | નેવ્રાડી શ્ોડીએશ્ | નેવ્રાડી ઈડીએશ્ |

હનનપસ્ઃડોનસ્ગીોગઉેયોમ્ (ઘીોગઉ શ્ોપેન ઢોનસ દ્રૌનઉોદ)

થમ્હિના શ્ોડડઉનિ પ્પેય્વોન્દ દ્રૌનઉોદ

પ્પેય્માન થમ્હિના વ્રેદયિ પેવ્રાનાગાાની પ્પેય્વોન્દસ ઘીોનઉોદ

હનનપસ્ઃમાઉનપ્નોળેયનગનિઉવીનિમ્હિના (થમ્હિના પ્પેય્વોન્દ શ્ોનઉનિ)

**વીદ્ય યન્યાપદ**

યન્યાપદ

**મહાક્વ્રિડાક**

ડાક્વ્રયન

**ળ્યોનિમીશ્વન ગાક્કુન**

મૈથઉિ વ્રૂન્નસમાગમ

**𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱**

𑒫𑓂𑒨𑒰𑒛𑒲𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒞𑒩𑒓𑓂𑒑𑒱𑒝𑒲

𑒑𑒼𑒩𑒏𑓂𑒭𑒫𑒱𑒖𑒨𑒧𑓂

**𑒬𑓀𑒏𑒩𑒠𑒹𑒫**

𑒣𑒰𑒩𑒱𑒖𑒰𑒞𑒯𑒩𑒝

𑒩𑒰𑒧𑒫𑒱𑒖𑒨

**𑒠𑒻𑒞𑓂𑒨𑒰𑒩𑒱 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩**

𑒮𑓂𑒨𑒰𑒧𑓀𑒞 𑒯𑒩𑒝 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 (𑒁𑓀𑒏𑒱𑒨𑒰 𑒢𑒰𑒙)

**𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒲𑒠𑒹𑒫**

𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒰𑒙 𑒁𑒞 𑒮𑓂𑒏𑓀𑒡 𑒩𑒰𑒫𑒝 𑒫𑒡 (𑒁𑓀𑒏𑒱𑒨𑒰 𑒢𑒰𑒙)

**𑒖𑒑𑒞𑓂𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒧𑒪𑓂𑒪**

𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒞𑒲𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒰𑒙𑒏

**𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱 𑒢𑒩𑒮𑒱𑓀𑒯𑒧𑒪𑓂𑒪**

𑒑𑒲𑒞𑒰𑒫𑒪𑒲 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱

**𑒖𑒑𑒖𑓂𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑓂𑒧𑒪𑓂𑒪**

𑒯𑒩𑒑𑒾𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒫𑒰𑒯 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒏𑒳𑒘𑓂𑒖𑒫𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲 𑒢𑒰𑒙𑒏

**𑒯𑒩𑓂𑒭𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰**

𑒧𑒰𑒡𑒫𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒢𑒰𑒙𑒏

𑒅𑒭𑒰𑒯𑒩𑒝

𑒯𑒩𑓂𑒭𑒢𑒰𑒟 𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨𑒑𑓂𑒩𑒢𑓂𑒟𑒰𑒫𑒪𑒲 (𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢 𑒁𑒧𑒩𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰 𑓑𑓘𑓙𑓗-𑓑𑓙𑓕𑓕)

**𑒩𑒞𑓂𑒢𑒣𑒰𑒝𑒱**

𑒅𑒭𑒰𑒯𑒩𑒝 𑒢𑒰𑒙𑒏

**𑒬𑓂𑒩𑒲𑒏𑒰𑓀𑒞**

𑒬𑓂𑒩𑒲𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒩𑒯𑒮𑓂𑒨

**𑒢𑒢𑓂𑒠𑒲𑒣𑒞𑒱**

𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝𑒏𑒹𑒪𑒱𑒧𑒰𑒪𑒰

<u>𑒑𑒲𑒞𑒧𑒰𑒪𑒰</u>

**𑒏𑒰𑒢𑓂𑒯 𑒩𑒰𑒧𑒠𑒰𑒮**

<u>𑒑𑒾𑒩𑒲𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀𑒫𑒩</u>

**𑒪𑒰𑒪**

<u>𑒑𑒾𑒩𑒲𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀𑒫𑒩 𑒢𑒰𑒙𑒏</u>

**𑒅𑒧𑒰𑒣𑒞𑒱**

<u>𑒣𑒰𑒩𑒱𑒖𑒰𑒞 𑒯𑒩𑒝</u>

**𑒦𑒰𑒢𑒳𑒢𑒰𑒟**

<u>𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫𑒞𑒲 𑒯𑒩𑒝</u>

**𑒠𑒹𑒫𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠**

<u>𑒅𑒭𑒰𑒯𑒩𑒝</u>

**𑒩𑒧𑒰𑒣𑒞𑒱**

<u>𑒩𑒳𑒏𑓂𑒧𑒱𑒝𑒲 𑒣𑒩𑒱𑒝𑒨</u>

**𑒅𑒣𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨 𑒩𑒰𑒧𑒠𑒰𑒮**

<u>𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒫𑒱𑒖𑒨𑒰𑒦𑒱𑒡𑒰𑒢 𑒢𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰</u>

**𑒁𑒫𑒱𑒠𑓂𑒞**

<u>𑒑𑒾𑒩𑒲𑒣𑒩𑒱𑒝𑒨 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀𑒫𑒩 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰𑒫𑒱𑒖𑒨</u>

<u>𑒣𑒰𑒩𑒱𑒖𑒰𑒞 𑒢𑒰𑒙𑒏</u>

**𑒏𑒟𑒰 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒧𑒹𑒯𑒟𑒣𑒰 (𑒥𑒰𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞) 𑒧𑒻𑒯𑒟𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑓘𑓒 𑒧 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒲𑒣 𑒖𑒩𑒨𑒧𑒹 𑒣𑒚𑒱𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑒦𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢**

<u>𑒏𑒟𑒰 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒧𑒹𑒯𑒟𑒣𑒰</u>

**𑒮𑒐𑒳𑒂𑒫𑒰𑒪𑒲 (𑒢𑒰𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒧𑒩𑓂𑒬 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞) 𑒦𑒣𑒙𑒱𑒨𑒰𑒯𑒲𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑓘𑓓 𑒧 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒲𑒣 𑒖𑒩𑒨𑒧𑒹 𑒣𑒚𑒱𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑒦𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢**

<u>𑒮𑒐𑒳𑒂𑒫𑒰𑒪𑒲</u>

**𑒮𑒩 𑒖𑒲 𑒋 𑒑𑓂𑒩𑒱𑒨𑒩𑓂𑒮𑒢 (𑓑𑓘𑓕𑓑-𑓑𑓙𑓔𑓑)**

મૈથિઊિ ગ્નામન્ન

મૈથિઊિ ક્નેસ્ટોમૈથી ૯ણ્ડ વોકાવુઊેની

**મુંશી નઘુનન્દન દાસ (૧૮૬૦-૧૯૪૫) (સૌજન્ય- નાયાકૃષ્ણ્ણ દાસ)**

સુભદ્ના હનણ

**નાસવિહાની ઊઊ દાસ (૧૮૭૨-૧૯૪૦) (સૌજન્ય- નમાનન્દ ઝા "નમણ")**

સુમતિ

**હનિનન્દન દાસ (સૌજન્ય- નાયાકૃષ્ણ્ણ દાસ)**

સુદામા યનિત

**પં નામળી યૌયની (૧૮૭૮-૧૯૫૨) (સૌજન્ય- શ્ની શ્નીમોહન યૌયની)**

વિવિધ ભાજનાવઊી

**આયાન્ય નામઊોયન શનમ (૧૮૮૯-૧૯૭૧) (સૌજન્ય- મૈથિઊિ સાહિત્ય સંસ્થાન)**

જયન્તી-સ્મનાક ગ્નન્થ

**યણુષયાની દાસ (૧૮૯૫-૧૯૬૫) (સૌજન્ય- પઞ્જીકાન વિદ્યાનન્દ ઝા)**

મૈથિઊિ મે વિહાની

**હનિમોહન ઝા (૧૯૦૮-૧૯૮૪) (સૌજન્ય- મૈથિઊિ સાહિત્ય સંસ્થાન ગૌનીનાથ)**

અભિનન્દન ગ્નન્થ

અંતિકા (હનિમોહન ઝા વિશેષાંક)

•

**ડૉ નામ ભનોસ કાપડિ 'ભ્નમન' (સૌજન્ય- નામ ભનોસ કાપડિ 'ભ્નમન')**

મહિષાસુન મુનદાવાદ એવં અન્ય નાટક (૧૯૮૭)

ઊોક નાટ્ય: જટ જટિન (૨૦૦૭) (શોધ)

હુગાઊિ ઝૂપન વહૈત ગંગા આ આન કથા (કથા સંગ્નહ) (૨૦૦૮)

ભ્નમન મૈથિઊિ દીર્ઘ કવિતા (હિન્દી અનુવાદ-અબ વસ નહિ) (૨૦૦૯)

મૈથિઊિ ઊોક સંસ્કૃતિ (નેપાઊી ભાષામે) (૨૦૦૯)

ભૈયા અએઊે અપન સોનાજ (નાટક સંગ્નહ) (૨૦૧૦)

ઘ૧મુહઁ (ઉપન્યાસ) (૨૦૧૨)- ई વુક વ઼૧ળન
ઘ૧મુઁહ (ઉપન્યાસ) (૨૦૧૨)- પ્૧ટિ વ઼૧ળન
શ્રનહ્ન૧પ઼િક યાન (ગળ૭ સંગ્૧૯) (૨૦૧૩)
યીન ળે હ્મ દેખ્૭ (યા઼ત્૧ા સંસ્મ૧ણ) (૨૦૧૪)
સૂ૭િ પ૧ રળો઼ત એવં શ્રન્ય઼ નાટક (૨૦૧૫)
સીમાકે શ્રા૧-પા૧ (યા઼ત્૧ા સંસ્મ૧ણ) (૨૦૧૬)
પુદ્યજૂમકિ એસગ૧ યોદ્યા (કવ઼િતા સંગ્૧૯) (૨૦૧૭)
એંટીવાયપ઼૧સ (કથા સંગ્૧૯) (૨૦૧૯)
કોનોનાક સંત્૧ાસમે શ્રોહ્૧ાયલ ળિનગી (લકડાઉન ડાયરી) (૨૦૨૦)
મથિલિક લોકળીવન લોકસન્દ૧્ભ (૨૦૨૨)
સોન્હગા૧ ગન્યક શ્રન્વ઼ેષી ડા઼ પ૧શુ૭૭ કુમા૧ સહિ 'મૌન'
મૈથિલિ લોક સંસ્કઽતિ સિંગોષ્ઠી
સ્મા૧કિા (૨૦૧૦)
શ્રાંગન શ્રંક-૪ (૨૦૧૨) સલહેસ વ઼િશેષાંક
શ્રાઁળુ૧ (શ્રંક વ઼૧ષ ૩૬, શ્રંક ૩) સોમદેવ઼ વ઼િશેષ
ગામઘ૧-૩૦-૦૮-૨૦૧૮
ગામઘ૧-૦૪-૧૦-૨૦૧૮
ગામઘ૧-૧૬-૦૫-૨૦૧૯
ગામઘ૧-૨૭-૦૬-૨૦૧૯
૧ામજાનોસ કાપડ઼ "જ૧મ૧"ક કહ્રિ નાટક
મુન્નાળી દ્વ઼ાના સાક્ષાત્કા૧ પ઼ૃ ૩૨૧-૩૨૮
દેસલિ વયનાક વહ્ન્ને ૧ામલોચન ઠાકુ૧ પ્૧સંગ પ઼ૃ ૩૪૭-૩૫૭
હ્મ૧ ળ્ઞાન-પિપાશાક સ્નોત: શ૧દિન્દુ યૌધ૧ી પ઼ૃ ૩૧-૩૪
ળટ ળટિનિ પ઼ૃ ૫૬૮-૭૦૫
જૈયા, શ્રણૈ શ્રપન સોના૧ળ પ઼ૃ ૫૬૮-૭૦૫
શ્રાલ્પ કથા-સ્કૈશવૈક પ઼ૃ ૮૪-૮૮

𑒂𑒪𑒹𑒐 𑒣𑒵 𑒣𑒵 𑓑𑓑𑓗-𑓑𑓒𑓕

𑒂𑒪𑒹𑒐 𑒣𑒵 𑓑𑓒𑓗𑓖-𑓑𑓒𑓙𑓐

𑒂𑒪𑒹𑒐 𑒣𑒵 𑓙𑓗-𑓙𑓘

𑒩𑒰𑒨𑒣𑒳𑒩 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑 𑒣𑒵 𑓑𑓕𑓐-𑓑𑓕𑓔

𑒮𑒪𑒯𑒹𑒮 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒩𑓂𑒨𑒰 𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒣𑒵 𑓔𑓑-𑓔𑓕

𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒣𑒵 𑓒𑓓𑓑-𑓒𑓔𑓓

𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒣𑒵 𑓔𑓔𑓕

𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒣𑒵 𑓕𑓖𑓘-𑓖𑓐𑓕

𑒩𑒱𑒣𑒼𑒩𑓂𑒙 𑒣𑒵 𑓕𑓘𑓓-𑓕𑓘𑓕

𑒑𑓀𑒑𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒨𑒞𑓂𑒞𑒞𑒰 𑒂 𑒯𑒳𑒑𑒪𑒲𑒣𑒩 𑒥𑒯𑒻𑒞 𑒑𑓀𑒑𑒰 𑒣𑒵 𑓒𑓒𑓓-𑓒𑓒𑓖

𑒑𑒲𑒞 𑒣𑒵 𑓑𑓔𑓔𑓙-𑓑𑓔𑓕𑓐

𑒑𑒖𑒪 𑒑𑒲𑒞 𑒣𑒵 𑓒𑓑𑓑

𑒁𑒢𑒳𑒯𑒰𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒬𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒂 𑒂𑒖𑒰𑒠 𑒑𑒖𑒪 𑒣𑒵 𑓖𑓑𑓙-𑓖𑓒𑓑)

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒧 𑒦𑒩𑒼𑒮 𑒏𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱 '𑒦𑓂𑒩𑒧𑒩' 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒫𑒵𑒭𑒹𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒪𑒰𑒪 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒫𑒵𑒭𑒹𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒪𑒰𑒪)**

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒢 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒜𑒼𑒪𑒏 (𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒮𑒳𑒧𑓂𑒢𑒱𑒧𑒰 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

𑒧𑒼𑒠𑒱𑒂𑒃𑒢 (𑒥𑒲𑒣𑒲𑒏𑒼𑒃𑒩𑒰𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒟𑒰)

𑒧𑒰𑒪𑓂𑒯𑒼 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒑𑒼𑒪𑒥𑒰 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒣𑒩𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒏𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒣𑒩𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒏𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱)**

*𑒠𑒵𑒬𑓂𑒨-𑒔𑒖𑒰*

𑒁𑓀𑒏 𑓗

𑒁𑓀𑒏 𑓑𑓔

𑒁𑓀𑒏 𑓑𑓕

𑒋𑒢𑒰-𑒏𑒣𑒱 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰-𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒁𑒣𑒢𑒰 (𑒮𑓀𑒣𑒰𑒠𑒢- 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰-𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
**𑒏𑒢𑒏𑒧𑒝𑒱 𑒠𑒲𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 (𑒧𑒴𑒪 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪𑒲𑒮𑒿 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒩𑒴𑒣𑒰 𑒡𑒲𑒩𑒴 𑒂 𑒡𑒲𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒩𑓂𑒭𑒱, 𑒥𑒰𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨) (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒡𑒲𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒩𑓂𑒭𑒱)**
𑒦𑒑𑒞𑒰 𑒫𑒹𑒔𑒏 𑒠𑒹𑒬-𑒦𑓂𑒩𑒧𑒝
**𑒁𑒨𑒼𑒠𑓂𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑒕𑒳𑒩𑒞𑒹𑒮𑒨- 𑒁𑒨𑒼𑒠𑓂𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)**
𑒫𑒰𑒩𑒲𑒠𑒱 𑒫𑒹𑒩𑒮𑒹𑒮 (𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒫𑒹𑒩𑒮𑒹𑒮 𑒢𑒱 𑒋𑒢𑒑𑒪𑒱𑒮𑒯 𑒟𑒩𑒰𑒢𑒮𑒪𑒰𑒞𑒱𑒢)

**𑒛ॉ 𑒬𑒬𑒱𑒡𑒩 𑒏𑒳𑒧𑒩 𑒂 𑒮𑒳𑒣𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒲**
𑒦𑒴𑒏𑒧𑓂𑒣 (𑒣𑒵 ६३८-६७४)
**𑒂𑒦𑒰𑒧𑒱𑒞𑒰 𑒮𑒯𑒱 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒨𑒏𑒱𑒞𑒰)**
𑒬𑒱𑒬𑒳 𑒑𑒲𑒞 𑒣𑒹𑒪
**𑒩𑒪𑒰𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒮𑒯𑒱 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒨𑒏𑒱𑒞𑒰)**
𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧- 𑒋𑒏 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒢𑒰𑒙𑒏)
**𑒁𑒢𑒳𑒣𑓂𑒩𑒲𑒞𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒩𑒰𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒕𑒰 "𑒩𑒧𑒝")**
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒳𑒭𑒲 𑒧𑒯𑒱𑒪𑒰
**𑒛ॉ 𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)**
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒹𑒬-𑒦𑒴𑒭𑒰-𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒡𑒢 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒰𑒫𑒪𑒲 २००८
𑒮𑒧𑒨-𑒮𑓀𑒏𑒹𑒞 (𑒏𑒟𑒰-𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) २०१०
**𑒛ॉ 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒰 𑒕𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒰 𑒕𑒰)**
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒰𑒫𑒪𑒲 २०११
**𑒮𑒳𑒮𑓂𑒧𑒱𑒞𑒰 𑒣𑒰𑒚𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**
𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨𑒱𑒞𑒱 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒏𑒢𑒼𑒖𑒛𑒱 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
**𑒢𑒢𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒣𑒰𑒚𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**
𑒣𑒰𑒟𑒩𑒏 𑒬𑒯𑒩 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒗𑒰)**

𑒁𑒢𑒳𑒦𑒴𑒞𑒱 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰)**

𑒑𑒼𑒮𑒰𑒅𑒢𑒱𑒏 𑒑𑒲𑒞

𑒢𑒬𑒰𑒧𑒳𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒯𑒱𑒞 𑒑𑒰𑒥𑒲 𑒑𑒲𑒞

𑒢𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿

𑒨𑒰𑒨𑒰𑒫𑒩𑒲- 𑒬𑒹𑒤𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰)

**𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞)**

𑒮𑒳𑒐𑒪 𑒧𑒢 𑒞𑒩𑒮𑒪 𑒂𑒿𑒐𑒱 (𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒑𑒠𑓂𑒨)

𑒮𑒳𑒐𑒪 𑒧𑒢 𑒞𑒩𑒮𑒪 𑒂𑒿𑒐𑒱 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰)

𑒁𑓀𑒞𑒞𑓁 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒔𑒳𑒏𑓂𑒏𑒰 (𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒢𑒲𑒞𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒲𑒞𑒰 𑒗𑒰)**

𑒥𑒯𑒱𑒩 𑒧𑒾𑒮𑒲 (𑒥𑒰𑒪 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒬𑒹𑒤𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒬𑒹𑒤𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰)**

𑒨𑒰𑒨𑒰𑒫𑒩𑒲 (𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞)

𑒨𑒰𑒨𑒰𑒫𑒩𑒲 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠- 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰)

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒨𑒳𑒑 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒁𑒏𑒰𑒮 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒦𑒰𑒫𑒰𑓀𑒖𑒪𑒱 (𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒑𑒲𑒞)

𑒏𑒱𑒮𑓂𑒞-𑒏𑒱𑒮𑓂𑒞 𑒖𑒲𑒫𑒢 (𑒂𑒞𑓂𑒧 𑒏𑒟𑒰)

𑒂𑒐𑒩-𑒂𑒐𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒲𑒞

𑒢𑒰𑒑𑒤𑒰𑓀𑒮 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

𑒢𑒰𑒰𑒑𑒣𑒯𑒰𑒢𑒮 (𑒃𑒢 𑒋𑒢𑒑𑒪𑒱𑒮𑒯)

**𑒫𑒱𑒦𑒰 𑒩𑒰𑒢𑒲**

𑒫𑒱𑒦𑒰 𑒩𑒰𑒢𑒲𑒏 𑒠𑒴𑒙𑒰 𑒢𑒰𑒙𑒏 (𑒦𑒰𑒑 𑒩𑒾 𑒂 𑒥𑒪𑒔𑒢𑓂𑒠𑒰)

**सुशीला झा (सौजन्य- प्रभात झा/ सुशीला झा)**

छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद

**कुसुम ठाकुर**

प्रत्यावर्तन (आत्मकथा)(पृ ४५९-५७२)

**डॉ कामिनी कामायनी**

विदेह:सदेह ३१ (डॉ कामिनी कामायनी आ कुमार मनोज कश्यप- अंक १-३५० सँ)

**प्रीति ठाकुर**

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

मेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रकृतिक अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सभ प्यारा अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

वो म्याउ वाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

१५ सभ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर दिस देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १२३ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बालक अवाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पंजी (११००० मूल मिथिलाक्षर ताड़पत्र)

११००० स्तअडम डएअढ स्तआमाद्र रमाषछढरस्तथरओमाष (वओडउमए २ थओ शश२२) छोमपलिद, षयाणनेद & छातालगुद वय स्तपेत थिहकुर

गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर (समालोचना)

**नीतू कुमारी**
मैथिली चरित्रकथा ( बाल साहित्य)
**कामिनी चौधरी** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)
हमर बाल-वाड़ी
आरया कॉकपिट मे
दीपा करमाकर- सहि संतुलन मे
खेल मे अहाँक स्वागत अछि
वहल छथि आकाश मे
जैया के मुस्कान के चोरौलक
बीज संचयक
अचंभित करय "अविनाशी"
शौचालयक किस्सा
लाल बरसाती
गुल्लीक जादुई पेटी
समीरक वृक्ष जोगन
विवाह मे जाइ छी
**प्रियंका झा** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)
हमर माँछ! नै हमर माँछ!
**रश्मि प्रिया** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)
कैयो सकै छी, नहियो कऽ सकै छी
**सुनीता ठाकुर** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)
बाघटी आ बकली
**नीलिमा चौधरी** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)
हमर सभसँ नीक संगी
**स्वास्तिका ठाकुर** (अनूदित संचयित मैथिली बाल कथा)

ગપુપૂ વુતે ભાયઙ ભૈ હોર છૈ

**નૂઙિકા** (શ્રનૂદિત સયત્િન મૈથિઙિ વાઙ કથા)

હ્મના શ્રો યાહિ!

**મયૂઙિકા મશ્િન** (શ્રનૂદિત સયત્િન મૈથિઙિ વાઙ કથા)

શ્રોઘાશ્ત જીમા

**ઙક્ષ્મી ઠાકુન**

ળાળવન સજા સંગે ભેંટ-ઘાંટ

**પૂળમ મામ્ઙઙ**

સુતે કાઙક પ્યસિ્સા

**નામ શ્કવાઙ સહિ 'નાકેશ' (૧૯૧૨-૧૯૮૪) (સૌળન્ય- ૬-પુસ્તકાઙય)**

મૈથિઙિ ઙોકગીત

**તેળ નાનાયામ ઙાઙ 'શાસ્ત્ની' (સૌળન્ય- ૬-પુસ્તકાઙય)**

મૈથિઙિ ઙોકગીતો કા શ્રધ્યયન

**ઙૉ શંકન કુમાન દ્દા (સૌળન્ય- કીન્તિનાથ દ્દા <u>શ્રાન્કાશ્વ ઙૉટ શ્રોશ્રાનળી</u>)**

વ઼િદિયાપાતિ શ્ર શ્રોઙિતિયાઙ શ્રનાઙયસિ

**નાયાક઼ૃષ્મ યૌયની (૧૯૨૧-૧૯૮૫) (સૌળન્ય- પ્નમાત કુમાન યૌયન્િ શ્વાઘમછશ્ર)**

મથિઙિક શ્તહિસ

શ્ર ષુનવેયો ઙ માતિહિઙિ ઙિતિનાતુ

થહે શ્રોઙિતિયાઙ ાનદ છુઙતુનાઙ હેનતિગો ઙ મતિહિઙિ

મતિહિઙિ િન તહે શ્રગો ઙ વ઼િદિયાપાતિ

**શ્નીળયકાન્ત મશ્િન (૧૯૨૨-૨૦૦૯) (સૌળન્ય- કાશ્મીન નસિન્ય ઇંસ્ટીટ્યૂટ ઙાશ્વનેની, શ્રાન્કાશ્વ ઙૉટ શ્રોશ્રાનળી, શ્મ્ઙિયન કઙ્યન ઙૉટ ળીશ્રોવ઼ી ઙૉટ શ્ન, સાહિત્ય-શ્રકાદેમી ઙૉટ ળીશ્રોવ઼ી ઙૉટ શ્ન)**

વ઼ૃહદ મૈથિઙિ શવ્દકોસ ભાગ-૧

𑒁 𑒯𑒱𑒮𑒞𑒼𑒩𑒨 𑒼𑒤 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒪𑒱𑒞𑒹𑒩𑒰𑒞𑒳𑒩𑒹 𑒫𑒼𑒪 𑓒

𑒃𑒢𑒞𑒩𑒼𑒠𑒳𑒔𑒞𑒱𑒼𑒢 𑒞𑒼 𑒞𑒯𑒹 𑒤𑒼𑒪𑒏 𑒪𑒱𑒞𑒹𑒩𑒰𑒞𑒳𑒩𑒹 𑒼𑒤 𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰

𑒧𑒹𑒞 𑒞𑒯𑒹 𑒁𑒳𑒞𑒯𑒼𑒩

**𑒮𑒼𑒧𑒠𑒹𑒫 (𑓑𑓙𑓓𑓔-𑓒𑓐𑓒𑓒) (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒩𑒰𑒧 𑒦𑒩𑒼𑒮 𑒏𑒰𑒣𑒛𑓃𑒱 '𑒦𑓂𑒩𑒧𑒩')**

𑒂𑒿𑒖𑒳𑒩 𑒮𑒼𑒧𑒠𑒹𑒫 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭

**𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒮 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑓑𑓙𑓔𑓑-𑓑𑓙𑓙𑓘) (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒁𑒬𑒼𑒏)**

𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭

**𑒪𑒪𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 (𑓑𑓙𑓕𑓓-𑓑𑓙𑓙𑓕) (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒳𑒮𑒳𑒧 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩)**

𑒪𑒾𑓀𑒑𑒱𑒨𑒰 𑒧𑒩𑒱𑒔𑒰𑒃

𑒢𑒰𑒙𑒏𑒏𑒰𑒩 𑒪𑒪𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒮𑒧𑒑𑓂𑒩 𑒩𑒔𑒢𑒰𑒫𑒪𑒲 (𑓕 𑒙𑒰 𑒢𑒰𑒙𑒏, 𑓔 𑒙𑒰 𑒋𑒏𑒰𑓀𑒏𑒲 𑒂 𑓓 𑒙𑒰 𑒑𑒲𑒞𑒱𑒢𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰 𑒮𑒯𑒱𑒞)

**𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫)**

𑒩𑒰𑒖𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲: 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤

𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒩𑒰𑒖𑒏𑒧𑒪

𑒥𑒢𑒻𑒞 𑒥𑒱𑒑𑒛𑓃𑒻𑒞 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒑𑒳𑒪𑒼

𑒑𑒳𑒪𑒼 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠- 𑒩𑒧𑒝 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒯𑒱)

𑒩𑒧𑒞𑒰 𑒖𑒼𑒑𑒲

𑒧𑒛𑓃𑒩

𑒦𑒼𑒙

𑒑𑒳𑒪𑒼: 𑒏𑒪𑒰 𑒂 𑒦𑒰𑒭𑒰 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 𑒞𑒰𑒩𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒫𑒱𑒨𑒼𑒑𑒲 𑒂 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)

𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫 (𑒪𑒹𑒐𑒏 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩)

𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩)

**𑒁𑒬𑒼𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒂 𑒬𑒱𑒫𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮)**

𑒔𑒏𑓂𑒩𑒫𑓂𑒨𑒴𑒯 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) (𑓑𑓙𑓘𑓖)

𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒼𑒝 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) (𑓑𑓙𑓘𑓖)

ઓહિ રાતિક ભોર (કથા સંગ્રહ) (૧૯૮૯)
માતવર (કથા સંગ્રહ) (૨૦૦૧)
સંવાદ (સાક્ષાત્કાર સંગ્રહ) (૨૦૦૭)
આઁખિ બસલ (યાત્રા કથા) (૨૦૧૩)
વાત-વિચાર (આલોચના) (૨૦૧૫)
ઉડીગામ (કથા સંગ્રહ) (૨૦૧૭)
અશોક-સેલેક્શન્સ (વિવિધ)
અશોક-નવ કવિતા
નીક દિનિક વાઇસ્કોપ (વ્યંગ્ય સંગ્રહ) (૨૦૧૮)
કથા-પાઠ (મૈથિલી કથાક આલોચનાત્મક અધ્યયન) (૨૦૨૨)
પ્રતિમાન (સમ્પાદન)
કવિમ્મ (પ્રતિમાન ગોષ્ઠી- સમ્પાદક મોહન ભારદ્વાજ)
સન્ધાન ૧ (સમ્પાદન)
સન્ધાન ૨ (સમ્પાદન)
સન્ધાન ૩ (સમ્પાદન) પ્રભાસ વિશેષ
સન્ધાન ૪ (સમ્પાદન)
મુન્ના જી દ્વારા સાક્ષાત્કાર (પૃ ૩૮૨-૩૮૫)
બૈત કમ બગિઔત બેસી (પૃ ૨૦૨૩-૨૦૩૧)
સમ્પાદક રાજનન્દન લાલ દાસ આ કરાભામૃત (પૃ ૧૧૯-૧૨૨)
રામલોચન ઠાકુરક કવિતા પઢૈત (પૃ ૩૨૭-૩૪૧)
કેદાર નાથ ચૌધરીક ઉપન્યાસ (પૃ ૧૦૧-૧૦૬)
શરદિન્દુજી (પૃ ૭૦-૭૩)
વિદેહ રચનાકાર અશોક વિશેષાંક
**રામદેવ ઝા (સૌજન્ય- શંકરદેવ ઝા યોગાનન્દ ઝા)**
સવ્યસાચી (અભિનન્દન ગ્રન્થ)
મૈથિલી શબ્દ સંચય

दत्त-वतीक वस्तु कौशल

संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा) १९८८

**कीर्तिनाथ झा (सौजन्य- कीर्तिनाथ झा आर्काइव डॉट ओआरजी)**

कुरल: मैथिली भावानुवाद (मूल तमिल आदि-कवि तिरुवल्लुवर)

टूटल पाँखि (खलील जिब्रानक उपन्यास 'द ब्रोकन विंग्स'क मैथिली अनुवाद)

किछु पुरान गप्प, किछु नव गप्प (कथा संग्रह)

अनुपम मिश्र पॉडकास्ट एपीसोड ४० कीर्तिनाथ झा

**आशीष अनचिन्हार**

संदर्भ सहित (गजल-आलोचना)

कुमारि इच्छा (गजल संग्रह)

बघारोडी (गजल संग्रह)

अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह)

मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास (अनुलग्नक: अंतिका आलेख:अंतर्जाल आ मैथिली: गजेन्द्र ठाकुर )

मैथिली गजलक रेडी रेकोनर

शब्द-अर्थ-शक्ति

स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व (विदेह अरविन्द ठाकुर विशेषांकक परिष्कृत रूप)[सम्पादन]

**डॉ योगानन्द झा (सौजन्य- योगानन्द झा)**

लोकजीवन ओ लोकसाहित्य १९८६

संकल्प अंक-५ (सम्पादक डॉ रामदेव झा, सहायक सम्पादक डॉ योगानन्द झा) १९८८

आलेख सञ्चयन २००२

मैथिली शाक्त साहित्य- शास्त्रीय जागरणी गीत (सम्पादन) २००२

મૈથિલી પત્રકારિતા કે સૌ વર્ષ ૨૦૦૬
લોક, સાહિત્ય ઓ શબ્દ-સમ્પદા ૨૦૦૭
ગહવર ગીત (સંકલન-સમ્પાદન) ૨૦૦૭
મૈથિલીક પારમ્પરિક જાતીય વ્યવસાયક શબ્દાવલી ૨૦૦૯
કથા-લોકકથા ૨૦૧૦
કપિલદેવ ઠાકુર 'સ્નેહલતા' કૃત સીતાવતરણમ (સમ્પાદન) ૨૦૧૧
મંગલ-પ્રભાત ગાઁધીજી (અનુવાદ) ૨૦૧૩
જોર-જોર (ડૉ ૯ કીર્તિવિન્દ્યનક હિન્દી કવિતા સંગ્રહક અનુવાદ) ૨૦૧૪

**નારાયણ વિયોગી (સૌજન્ય- નારાયણ વિયોગી સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ)**

પ્રલય રહસ્ય (કવિતા સંગ્રહ)
અતિક્રમણ (કથા સંગ્રહ)
જેતૈ તહે થૌ ચામસ (એનાગલસિહ થરાનસલાતિન વય શ્રરાવહાત દૃશ)
જૈસે અઁધેરે મેં ચાઁદ (હિન્દી અનુવાદ- અનામાજ સૌરભ)
વચાને કા યતન (જીવકાતન)- (અતિથિ સમ્પાદક નારાયણ વિયોગી)
રાજકમલ-જીવન કથા જિયા (પૃ ૧૬૪-૨૭૪)
મહર્ષિ કી નારા
હૃદય કા દુખ ઔર મેરા (હિન્દી અનુવાદ- અવિનાશ)
તુમ ચિર સારથિ (હિન્દી અનુવાદ- કેદાર કાનન અવિનાશ)
નારા-ચાલીસા
ઈ જેટલ ન કી જેટલ
સારુો (મૈથિલી દલિત-કવિતા)
કબીર આ દુનક મૈથિલી પદાવલી
ચરાશાચી હેવાક સમય (કવિતા મે કોરોના કાલ)
દુનિયા ઘર મેહમાન (પ્રેમ કવિતા)
અપન યુદ્ધક સાક્ષ્ય (ગજલ સંગ્રહ)
છિયાનત (કથા સંગ્રહ)

𑒥𑒯𑒳𑒫𑒔𑒢 (𑒂𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰)

𑒑𑒳𑒪𑒲𑓁 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒦𑒰𑒭𑒰 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢)

**𑒮𑒳𑒡𑒰𑓀𑒬𑒳 𑒬𑒹𑒐𑒩 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)**

𑒬𑒹𑒐𑒩 𑒩𑒔𑒱𑒞 𑒑𑒖𑒪 𑒂 𑒑𑒲𑒞

**𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)**

𑒖𑒿 𑒯𑒧 𑒖𑒢𑒱𑒞𑒯𑒳𑒿 (𑓒𑓐𑓐𑓒)

𑒥𑒛𑓃 𑒁𑒖𑒑𑒳𑒞 𑒠𑒹𑒐𑒪 (𑓒𑓐𑓐𑓕)

𑒑𑒼𑒥𑒩𑒑𑒝𑒹𑒬 (𑓒𑓐𑓑𑓑)

𑒏𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒏𑒏𑓂𑒏𑒰𑒏 𑒏𑒼𑒩𑒰𑒧𑒱𑒢 (𑓒𑓐𑓑𑓖)

𑒥𑒰𑒞-𑒥𑒰𑒞𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒞 𑒐𑒝𑓂𑒛-𑓑 (𑓒𑓐𑓑𑓘)

𑒧𑒩𑓂𑒧𑒰𑒢𑓂𑒞𑒏-𑒁𑒫𑒠𑒰𑒢𑒳𑒦𑒴𑒞𑒱 (𑒥𑒰𑒞-𑒥𑒰𑒞𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒞 𑒐𑒝𑓂𑒛-𑓒) (𑓒𑓐𑓒𑓐)

𑒯𑒧𑒩 𑒁𑒦𑒰𑒑𑓁 𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒼𑒭 (𑒥𑒰𑒞-𑒥𑒰𑒞𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒞-𑓓) (𑓒𑓐𑓒𑓑)

𑒮𑒰𑒏𑓂𑒭𑒰𑒞𑓂 (𑒥𑒰𑒞-𑒥𑒰𑒞𑒣𑒩 𑒥𑒰𑒞-𑓔) (𑓒𑓐𑓒𑓑)

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒬𑒩𑒠𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒏𑒰𑒬𑒲𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒧𑒡𑒳𑒣**

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒏𑒰𑒬𑒲𑒏𑒰𑓀𑒞 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒧𑒡𑒳𑒣 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒩𑒰𑒖𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒪𑒰𑒪 𑒠𑒰𑒮**

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒖𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒪𑒰𑒪 𑒠𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒪𑒞𑒰 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧**

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧𑒪𑒞𑒰 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩**

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒧𑒰𑒨𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**

𑒁𑒫𑒰𑓀𑒞𑒩 (𑒑𑒖𑒪-𑒑𑒲𑒞𑒪)

**𑒏𑒪𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒦𑒙𑓂𑒙 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**

𑒏𑒰𑒢𑓂𑒯 𑒣𑒩 𑒪𑒯𑒰𑒮 𑒯𑒧𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒑𑒖𑒪 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯

*અનુભ્ગ઼ાનક કોસી કॅ ભેની સઁ કસિન કુટીર ધરિ*

**રામકૃષ્ણ ઙા 'કસિુન' (સૌળન્ય઼- કેદાર કાનન)**

કસિુન સમગ્ર-૧ (સમ્પાદક કેદાર કાનન આ રમણ કુમાર સિંહ)

કસિુન સમગ્ર-૨ (સમ્પાદક કેદાર કાનન આ રમણ કુમાર સિંહ)

મૈથિભીક નવ઼ કવ઼િતા (સમ્પાદન)

વહુઆયામી કસિુનળી (સમ્પાદક મહેન્દ્ર આ કેદાર કાનન)

**કેદાર કાનન (સૌળન્ય઼ કેદાર કાનન્ છ઼ઙ્ગ઼ઙ્ સુભાષ ચન્દ્ર ય઼ાદવ઼)**

અક્ષ પર નચૈન (સંસ્મરણ: ળીવ઼કાન્તક પત્રક વહાને)

વહુઆયામી કસિુનળી (સમ્પાદન)

ગુભે: કભા આ ભાષા (સમ્પાદન)

કસિુન સમગ્ર-૧ (સમ્પાદન)

કસિુન સમગ્ર-૨ (સમ્પાદન)

અપના નળરિ મે (સમ્પાદન)

સૃળન કેર દીપ પર્વ઼ (સમ્પાદન)

ભારતી મંડન અંક-૧૬ (સમ્પાદન)

**મહેન્દ્ર (છ઼ઙ્ગ઼ઙ્ કેદાર કાનન)**

ળુઆય઼ભ કનકની

વહુઆય઼ામી કસિુનળી (સમ્પાદન)

**વાવા વૈદ્ય઼નાથ (સૌળન્ય઼- વાવા વૈદ્ય઼નાથ)**

પહરા ઙ્માનપર (ગળભ સંગ્રહ)

**અરવ઼િન્દ ઙાકુર (સૌળન્ય઼- અરવ઼િન્દ ઙાકુર્ છ઼ઙ્ગ઼ઙ્)**

પરતી ટૂટ રિહભ અછિ (કવ઼િતા સંગ્રહ)

અન્હારક વ઼િરોધ મે (ભઘુ કથા સંગ્રહ)

વહુરુપિય઼ા પ્રદેશ મે (ગળભ સંગ્રહ)

સવદ મતિારથ ચાય઼્ય઼ા

રોશનાઙ્ક ભેકપક્ષ (કથેતર ગદ્ય઼)

ળઙળાક પ્રાળિવાદ મે (સોઊ્ઙ્કન-દીઠક શ્રાનોહ્મ ગાથા- દીર્ઘ કવિતા)
સ઼ળન કેર દીપ પર્વ (સમ્પાદન)
વિદેહ શ્રારવિન્દ ઠાકુર વિશેષાંક
સ્વાતન્ત્રયેતા- શ્રારવિન્દ ઠાકુર: વ્યક્તિત્વ-કૃતિત્વ (સમ્પાદક શ્રાશીષ શ્રનચિન્હાર) [વિદેહ શ્રારવિન્દ ઠાકુર વિશેષાંકક પ્રિન્ટ રૂપ]
**નરેન્દ્ર ઝા (સૌજન્ય- નરેન્દ્ર ઝા)**
ચપઊ ચરન ચતિ ચંચઊ મ઼ાન
વિકાસ શ્રો શ્રર્થતન્ત્ર
**રામેશ્વર ઝા (મૈથિલી સાહિત્ય સંસ્થાન શ્રાર્કાઇવ)**
મથિલિકર્ષક ઉદ્ભવ શ્રો વિકાસ
**સુરેન્દ્ર ઝા સુમન (શ્રાર્કાઇવ ડૉટ કૉમ)**
દત્ત-વતી (મૂળ)
**ગોવિંદ ઝા ((રઘાજછ્શ્ર ષતિ શ્રાર્કાઇવ)**
માતિહિલિ-ઍનગલિસિહ ચિચિતોનારચ
**ડૉ શૈલેન્દ્ર મોહન ઝા (શ્રાર્કાઇવ ડૉટ કૉમ્ છ્ર્રઙ)**
પરિચય નચિય
મૈથિલી ગદ્ય સંગ્રહ- સં
**રમાનાથ ઝા (છ્ર્રડ ષતિ શ્રાર્કાઇવ)**
પ્રવન્ધ સંગ્રહ
**રમાનાથ મિશ્ર "મહિર" (શ્રાર્કાઇવ ડૉટ કૉમ)**
મૈથિલી મુહાવરા એવમ્ લોકોક્તિ પ્રકાશ
**શ્રાનન્દ મિશ્ર (સૌજન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
મથિલિ ભાષાક સુવોધ વ્યાકરણ
**શ્યામાનન્દ ઝા (સૌજન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
મૈથિલી ગીત ચન્દ્રિકા
મૈથિલી સંદેશ (વિભિન્ન કવિક કવિતા-સમ્પાદિત)

**પં લક્ષ્મીપતિ સિંહ (સૌળન્ય રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
હિન્દી-મૈથિલી-શિક્ષક
**જીવપ્રીતાનન્દ ઓઝા (સૌળન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
પદાવલી
**ગામનાથ-વનિયયનાથ પદાવલી (સૌળન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
ગામનાથ-વનિયયનાથ પદાવલી
**રૂપનારાયણ ઝા "રાકેશ" (સૌળન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**
મનમોહન લલ્લૂ
**જીલ લલ દાસ (શ્રાવ્કારલ ડૉટ કૉમ)**
મૈથિલી સુવોધ વ્યાકરણ
**ખડ્ગ વલ્લભ દાસ 'સ્વજન' (સૌળન્ય- હેમન્ત દાસ "હિમ")**
સીતા-શીલ
**ડૉ મદનેશ્વર મિશ્ર (સૌળન્ય- પઞ્જીકાર વિદ્યાનન્દ ઝા)**
એક છલીક મહારાણી
**યાત્રી (નાગાર્જુન) (સૌળન્ય- મિથિલા સાંસ્કૃતિક પરિષદ)**
વલચનમા
**કાલીકાન્ત ઝા "બૂચ"**
કલાનિધિ- કવિતા-સંગ્રહ
**ઉપેન્દ્રનાથ ઝા "વ્યાસ" (સૌળન્ય- મયંક ઝા)**
રૂબાઇયાત-એ-ઉમર ખૈયામ (મૈથિલી પદ્યાનુવાદ)
પ્રતીક (કવિતા સંગ્રહ)
સંન્યાસી (કાવ્ય)
**રમેશ નારાયણ (સૌળન્ય- શેફાલિકા વર્મા)**
પાથરક નાવ (લઘુકથા સંગ્રહ)
**ગોપાલજી ઝા "ગોપેશ" (સૌળન્ય- ગોપાલજી ઝા "ગોપેશ")**
ગુમ્મ જેલ ડાઢ છી

**वैद्य नाथ झा (सौजन्य- वैद्य नाथ झा)**

<u>अशोक दत्त</u> (गीत-गजल संग्रह)

<u>कामायनी (अनुवाद)</u>

**नगेन्द्र कुमार (सौजन्य- प्रसन्न कुमार झा)**

<u>ससरस्ती</u>

**प्रबोध नारायण सिंह (सौजन्य- नचिकेता)**

<u>अन्हेर नगरी (अनुवाद)</u>

<u>चयनिका (सम्पादन)</u>

<u>वैजयन्ती (कविता)</u>

<u>हाथीक दाँत</u>

<u>टटका गप (सम्पादित कथा संकलन)</u>

<u>प्रेमक रोग (नाटक)</u>

<u>मानक मैथिली (हिन्दी सेँ प्रवन्ध)</u>

**अमरनाथ (सौजन्य- अमरनाथ)**

<u>कृषाणिका- बहिनि कथा संग्रह</u>

**प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'**

<u>पंचदेवोपासक भूमि मिथिला पृ १००१-१०८०</u>

**डॉ गंगेश गुंजन (सौजन्य- गंगेश गुंजन)**

<u>राधा (१-३०) पृ १३७३-१५८०</u>

<u>प्रथम-चौबटिया-नाटक</u> *(बचबिचिया)*

<u>नाटक आइ भोर</u>

<u>कथा-संग्रह उचितवक्ता</u>

<u>गीत-गजल दुःखक दुपहरिया</u>

**कमलधर दास (सौजन्य- कमलधर दास)**

<u>मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध</u>

**कीर्तिनारायण मिश्र (सौजन्य- कीर्तिनारायण मिश्र)**

ધ્વસ્ત હોસ્ત શાન્ત સ્તૂપ

સીમાન્ત

શ્રાદમીકેઁ ળોહૈત

શ્રપન એકાન્ત મે

સ્મ◌તિયિાત્ાક એકાન્તમે

**ત્રાળનાથ મશ્રિ**

મતિહિળિ શ્રાનિતિનિગ-મોદેત્ન શ્રત્ત-શ્રહોતોસ

**પ્રેમશંકર સહિ (સૌળન્ય- પ્રેમશંકર સહિ્ મથિળિ દ્પાાા પ્રકાશન)**

મૈથળિ જાષા સાહિત્ય:વીસમ શતાવ્દી (શ્રાળોયના)

વ્દિ્યાપતિ ક◌ત વ્યાડીજાકૃતિત્રડગાર્િ (સમ્પાદન)

**ડ◌ૉ ત્રમાા હ્ા (સૌળન્ય- ત્રમાા હ્ા)**

મૈથળિ કાવ્યમે શ્રળડ્કાર

શ્રળડ્કાર-જાસ્કર

મૈથળિ કાવ્યમે ળ્યોતષિ

જાનિ્ન-શ્રજાનિ્ન

શ્રહિત્રાવાા-વ્ધ (પ્પાાડ કાવ્ય)

પાત્રળિાત-મઝ્ળરી

**ડ◌ૉ ત્રમાાનન્દ હ્ા 'ત્રમાા' (સૌળન્ય- ત્રમાાનન્દ હ્ા "ત્રમાા"** છ૨૨૬ ષતિ **શ્રાત્કાશ્વ)**

હશ્રિાશ્રોળ

સગર ત્રાત દીપ ળત્ય

ત્રાળૂ શ્રા ટાકાક ગાછ (શ્રનુવાદ)

શ્રપ્પિસિળ

**કેદાર નાથ ચૌધરી (સૌળન્ય- કેદાર નાથ ચૌધરી)**

ચમેળીરાની

માહુર

करार

अबारा नहितन

अयना

हीना

विदेह केदार नाथ चौधरी विशेषांक

**योगेन्द्र पाठक "वियोगी" (सौजन्य- योगेन्द्र पाठक "वियोगी")**

विज्ञानक बतकही

विज्ञानक बतकही भाग-२

नरक विजय (सम्पूर्ण)

नरक विजय (संशोधित)

हमर गाम (बाल उपन्यास)

पिरामिडक देशमे

अकटा मसिया (कथा संग्रह)

रोबोट (अनूदित साइंस-फिक्शन नाटक)

किछु गीत मधुर (यात्रा वृत्तांत)

**सुशील (सौजन्य- सुशील)**

घराडी (उपन्यास) (१९७३)

गामवाली (उपन्यास) (१९८२)

भामती (नाटक) (पहिल मंचन १९८९, प्रकाशन २०१३)

अस्मिता (लघुकथा संग्रह) (२०१६)

**कामेश्वर झा 'कमल' (सौजन्य- नवोनारायण मिश्र)**

कमल-ताल (गीत संग्रह)

**रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)**

जे कहब साँच कहब

आँखि मुनने आँखि खोलने (संस्मरण)

स्मृतिक धोखर रंग (संस्मरण)

𑒀𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒰 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒜𑒰𑒯𑒱𑒮𑒯𑒢𑓂𑒞𑒰 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒠𑒹𑒬𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒕𑒪𑒻 𑒮𑒼𑒢 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒪𑒰𑒐 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒀𑒢𑒳𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒞 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒡𑓂𑒫𑒢𑒱 (𑒫𑒱𑒠𑒹𑒬𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒏 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒩𑒴𑒣𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩𑒝)
𑒣𑒠𑓂𑒧𑒰𑒢𑒠𑒲𑒏 𑒧𑒰𑒗𑒲 (𑒀𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒊𑒏𑒏𑒟𑒰
𑒁𑒖𑒳𑒏 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒱𑒞 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒥𑒹𑒞𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰 (𑒯𑒰𑒮𑓂𑒨-𑒫𑓂𑒨𑓀𑒑)
𑒠𑒹𑒮𑒱𑒪 𑒥𑒨𑒢𑒰 (𑒀𑒐𑒥𑒰𑒩)
𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒧𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒛ॉ 𑒠𑒹𑒫𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒢𑒫𑒲𑒢 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒠𑒹𑒫𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒢𑒫𑒲𑒢)**

𑒁𑒡𑒳𑒢𑒱𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒠ृ𑒬𑓂𑒨

**𑒛ॉ 𑒫𑒔𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒗𑒰**

𑒢𑒱𑒥𑒢𑓂𑒡-𑒢𑒱𑒏𑒳𑒘𑓂𑒖

**𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 "𑒀𑒢𑒱𑒪" (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 "𑒀𑒢𑒱𑒪")**

𑒁𑒿𑒐𑒱𑒧𑒹 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒯𑒼 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒹𑒩 (𑒁𑒞𑓂𑒧𑒏𑒟𑒰- 𑒖𑒰𑒩𑒲)
𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒌𑒜 𑒣𑒰𑒩 (𑒠𑒲𑒩𑓂𑒒 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰)
𑒑𑒲𑒞 𑒑𑓀𑒑𑒰 (𑒑𑒲𑒞 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒑𑒖𑒪 𑒑𑓀𑒑𑒰 (𑒑𑒖𑒪 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒞𑒼𑒩𑒰 𑒀𑓀𑒑𑒢𑒰 𑒧𑒹 (𑒑𑒲𑒞 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒞𑒼𑒩𑒰 𑒀𑓀𑒑𑒢𑒰 𑒧𑒹 (𑒑𑒲𑒞 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)- 𑒧𑒴𑒪
𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒀𑒢𑒱𑒪 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏

**𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩**

𑒔𑒰𑒢𑒢𑒱 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒮𑒣𑓂𑒞𑒣𑒩𑓂𑒝 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩)**

𑒦𑒼𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒰𑒿𑒗 𑒡𑒩𑒱 (𑒂𑒞𑓂𑒧 𑒏𑒟𑒰)
𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑𑒫𑒬 (𑒢𑒱𑒥𑒢𑓂𑒡)
𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑 𑒋𑒞𑒯𑒱 𑒁𑒕𑒱 (𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑)
𑒬𑒳𑒮𑒰𑒠 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒢𑒧𑒮𑓂𑒞𑒮𑓂𑒨𑒻 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡 𑒣𑓂𑒩𑒮𑓀𑒑 (𑒢𑒱𑒥𑒢𑓂𑒡)
𑒧𑒯𑒩𑒰𑒖 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒪𑒖𑒏𑒼𑒙𑒩 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒮𑒲𑒧𑒰𑒏 𑒍𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒩 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒮𑒧𑒰𑒡𑒰𑒢 (𑒢𑒱𑒥𑒢𑓂𑒡 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒧𑒰𑒞◌𑒵𑒦𑒴𑒧𑒱 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒮𑓂𑒫𑒣𑓂𑒢𑒪𑒼𑒏 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒬𑓀𑒐𑒢𑒰𑒠 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑓒𑓙𑓖 𑒟𑒱𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢 (𑒮𑓀𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝)
𑒜𑒯𑒻𑒞 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒪 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒣𑒰𑒟𑒹𑒨 (𑒮𑓀𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝)
𑒯𑒧 𑒂𑒥𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒲 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒣𑓂𑒩𑒪𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒞 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒥𑒲𑒞𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒮𑒧𑒨 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒥𑒱𑒧𑓂𑒥 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒥𑒠𑒪𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒦 𑒏𑒱𑒕𑒳 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒩𑒰𑒭𑓂𑒙𑓂𑒩 𑒧𑓀𑒠𑒱𑒩 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)
𑒮𑓀𑒨𑒼𑒑 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)
𑒢𑒰𑒔𑒱 𑒩𑒯𑒪 𑒕𑒪𑒱 𑒫𑒮𑒳𑒡𑒰 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

**𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 '𑒢𑒢𑓂𑒠' (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 '𑒢𑒢𑓂𑒠')**

મૈથિલી કવિતા-ત્રૈમાસિક (ડુઆર ૧૯૬૬૮)

મિથિલા દર્શન માર્ચ ૨૦૨૧

મિથિલા દર્શન નવમ્બર ૨૦૨૧

**રવિ ભૂષણ પાઠક**

રહિર્સલ (નાટક)

વિદેહ:સદેહ ૨૯ (રવિ ભૂષણ પાઠક આ ડૉ કૈલાશ કુમાર મિશ્ર- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

વિદેહ:સદેહ ૨૭ (ગજેન્દ્ર ઠાકુર આ રવિ ભૂષણ પાઠકક આન ભાષાસઁ અનૂદિત ગદ્ય આ પદ્ય- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**ડૉ કૈલાશ કુમાર મિશ્ર**

વિદેહ:સદેહ ૨૯ (રવિ ભૂષણ પાઠક આ ડૉ કૈલાશ કુમાર મિશ્ર- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**કુમાર મનોજ કશ્યપ**

વિદેહ:સદેહ ૩૧ (ડૉ કામિની કામાયની આ કુમાર મનોજ કશ્યપ- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**ડૉ શમ્ભુ કુમાર સિંહ**

(તુકારામ રામા શેટક કોંકણી ઉપન્યાસક મૈથિલી અનુવાદ ડૉ શમ્ભુ કુમાર સિંહ દ્વારા) પાખલો

વિદેહ:સદેહ ૨૬ (ડૉ શમ્ભુ કુમાર સિંહ આ ડૉ અરુણ કુમાર સિંહ અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**ડૉ અરુણ કુમાર સિંહ**

વિદેહ:સદેહ ૨૬ (ડૉ શમ્ભુ કુમાર સિંહ આ ડૉ અરુણ કુમાર સિંહ અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**કુમાર પવન (સૌજન્ય- અંકિતા)**

પરૂઠ (મૈથિલીક સર્વશ્રેષ્ઠ કથા)

ડાયરીક પાછલ પન્ના

**કેશવ ભારદ્વાજ**

અજગુત અસ્તીકા (અસ્તીકા ડાયરી) પૃ ૨૧૪-૪૬૬

કિછુ પદ્ય આ કિછુ સુનલ- રૂબી અમીન પૃ ૪૮૮-૫૪૮

ખેલૌના પૃ ૪૬૭-૪૮૭

પૈવન્દ પૃ ૫૪૯-૭૯૮

કિછુ કથા ૫૦-૪૬૩

**ગોપાલ દા 'અજાષિક' (સૌજન્ય- ગોપાલ દા 'અજાષિક')**

આઉ સ્વપ્ન સાહી કરી (કવિતા સંગ્રહ)

**આમોદ કુમાર દા (સૌજન્ય- આમોદ કુમાર દા)**

વિમિવક પથાર (કવિતા સંગ્રહ)

**કશિન કારીગર (સૌજન્ય- કશિન કારીગર)**

કિછુ શુના ગેલ હમરા

**મુન્નાજી**

મોકામ દિસ (વિહનિ કથા સંગ્રહ)

પરતીક (વિહનિ કથા સંગ્રહ)

માઁટ આંગનમે કતિઆએલ છી (મૈથિલી ગઝલ સંગ્રહ)

હમ પુછૈત છી (સાક્ષાત્કાર)

તીન ટા બાલ નાટક (મૈથિલી બાલ સાહિત્ય)

ખુરલુચ્ચી (મૈથિલી બાલ કવિતા- બાલ સાહિત્ય)

ઘાહ (હાઇકૂ-ટંકા સંગ્રહ)

**સન્દીપ કુમાર સાફી**

વૈશાખમે દલાનપર (પહિલ મૈથિલી દલિત આત્મકથા સહિત)

**ઓમ પ્રકાશ દા**

કાયો વૃદ્ધિ નૈ સકલ હમરા (ગઝલ, રુબાઇ આ કતા સંગ્રહ)

**અમિત મિશ્ર**

નવ અંકુ (ગઝલ-હઝલ, રુબાઇ સંકલન)

**ચન્દન કુમાર દા**

મોનક બાત (ગઝલ, હઝલ,બાલ ગઝલ, રુબાઇ આ કતાક સંકલન)

**ॐ अनमोल झा**

समय साक्षी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ई जे समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

**विनय भूषण (सौजन्य- आशीष अनचिन्हार)**

उजरा परबाक खोज (कविता संग्रह)

**आनन्द कुमार झा**

टाकाक मोल (नाटक)

कलह (नाटक)

बदलैत समाज (नाटक)

चचाइत नवकी कनियाँक ठहास (नाटक)

हठात् परिवर्तन (नाटक)

मुक्तियात्रा (नाटक)

**शिव कुमार झा "टिल्लू"**

क्षणप्रभा-कविता-संग्रह

अंशु-समालोचना

**देवांशु वत्स**

नताशा -मैथिली बाल चित्रशृंखला (कॉमिक्स)

**ॐ विनीत उत्पल**

हम पुछैत छी (कविता संग्रह)

रेहन पर रग्घू - काशीनाथ सिंह हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद

मन्त्रद्रष्टाऋष्यश्रृंग- लेखक हरिशंकर श्रीवास्तव "शलभ" (हिन्दीसं मैथिली अनुवाद विनीत उत्पल द्वारा)

*मोहनदास- उदय प्रकाशक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद*

મોહ્નદાસ (મૈથિલિ-દેવનાગાની) મોહ્નદાસ (મૈથિલિ-મથિલિક્ષ્મ) મોહ્નદાસ (મૈથિલિ-વ્રેલ)

**ળગદાનન્દ હ્રા "મનુ" (સૌળન્ય- ળગદાનન્દ હ્રા "મનુ")**

નઢયિા જુકૈલ હ્મમ ઘમાડીપમ (ગળલ સંગ્મહ)

ળોહ્મ કળેક મંગ (વ્હિનિ કિથા સંગ્મહ)

યોનહા- (વાલ ઉપન્યાસ)

વ્યથા- (કવ્તિા-ગીળ સંગ્મહ)

**માળદેવ મામ્હલ**

શ્રમ્વમા-કવ્તિા-સંગ્મહ

હ્મમ ટોલ (ઉપન્યાસ)

વસુંધમા(કવ્તિા સંગ્મહ)

ળાલ (પટકથા)

લાળ (એકાંકી)

ળલ મંવ્મ (ઉપન્યાસ)

ળમવ્હિામીક મંગ (વ્હિનિ શ્રા લઘુ કથા સંગ્મહ)

પંચૈળી (લઘુ પટકથા)

વ્ાપસી

ઢાળદો માનદાલ- માળિહલિ શ્રૌમળિમ વય઼ ઘાળેનદમા થહાકુમ

**દુમ્ગાનન્દ મામ્હલ**

સંચય્કિા

કથા કુસુમ (વ્હિનિ શ્રા લઘુ કથા સંગ્મહ)

યક્ષુ

**મામ વ્લિાસ સાહુ**

શ્રંકુમ- લઘુકથા સંગ્મહ

મથક યક્કા ઉલટ યલૈ વાટ (કવ્તિા ટનકા સંગ્મહ)

કમ્મ વનિુ ળગ સુન્ના (દોસમ કવ્તિા ટનકા સંગ્મહ)

𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪𑒏 𑒐𑒱𑒔𑒛𑓃𑒲 (𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒪𑒒𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒠𑒴𑒡𑒥𑒹𑒔𑒢𑒲 (𑒪𑒒𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒧𑒢𑒏 𑒧𑒻𑒪

**𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒨𑒰𑒠𑒫 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒅𑒧𑒹𑒬 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪)**

𑒐𑒰𑒪𑒲 𑒒𑒩

**𑒩𑒰𑒧𑒠𑒹𑒫 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 "𑒗𑒰𑒩𑒴𑒠𑒰𑒩"**

𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒫𑒱𑒢𑒳 𑒖𑒑𑒞 𑒮𑒴𑒢𑒰 𑒕𑒻

𑒑𑒲𑒞𑒰𑓀𑒖𑒪𑒱 𑒗𑒰𑒩𑒴

**𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒩𑒰𑒅𑒞**

𑒅𑒪𑒯𑒢 (𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 - 𑒪𑒒𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒢𑓀𑒠 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮 𑒩𑒰𑒨**

𑒮𑒐𑒰𑒩𑒲-𑒣𑒹𑒙𑒰𑒩𑒲(𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒧𑒠𑒢 𑒁𑒧𑒩 (𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒪𑒒𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒧𑒩𑒖𑒰𑒠𑒏 𑒦𑒼𑒖 (𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒦𑒩𑒠𑒳𑒞𑒱𑒨𑒰

𑒕𑒚𑒱𑒏 𑒛𑒰𑒪𑒰

𑒯𑒧𑒩 𑒔𑒰𑒩𑒴𑒡𑒰𑒧

𑒁𑒮𑒪 𑒣𑒴𑒖𑒰

**𑒪𑒪𑒢 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒧𑒞 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒅𑒧𑒹𑒬 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪)**

𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒫𑒱𑒯𑒢𑒱 𑒂 𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰

**𑒅𑒧𑒹𑒬 𑒣𑒰𑒮𑒫𑒰𑒢**

𑒫𑒩𑓂𑒝𑒱𑒞 𑒩𑒮

**𑒥𑒹𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩**

𑒥𑒹𑒙𑒲𑒏 𑒁𑒣𑒧𑒰𑒢 𑒂 𑒕𑒲𑒢𑒩𑒠𑒹𑒫𑒲 (𑒢𑒰𑒙𑒏)

𑒥𑒰𑒣 𑒦𑒹𑒪 𑒣𑒱𑒞𑓂𑒞𑒲 𑒂 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩 (𑒢𑒰𑒙𑒏)

𑒥𑒱𑒮𑒫𑒰𑒮𑒒𑒰𑒞 (𑒢𑒰𑒙𑒏)

<u>ऊँच-नीच (नाटक)</u>

<u>झौँट (नाटक)</u>

**डॉ उमेश मण्डल**

<u>जगदीश प्रसाद मण्डलक काव्य संसार (अनुसन्धान विशेषाङ्क)</u>

<u>अजायबघर (संकलन-सम्पादन)</u>

<u>हेन्डवर्क सँ फेसवर्क धरि (संकलन-सम्पादन)</u>

<u>जेतए ने जाए कहल ओतए जाए अनुभवल (संकलन-सम्पादन)</u>

<u>निर्विकल्प (संकलन-सम्पादन)</u>

<u>समस्या सँ समाधान धरि (संकलन-सम्पादन)</u>

<u>निश्तुकी- कविता संग्रह</u>

<u>मिथिलाक संस्कार गीत, विधि-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन)</u>

*मिथिलाक वनस्पति स्लाइड आ मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड आ मिथिलाक जिनगी स्लाइड आ*

<u>मिथिला_पेन्टिंग-मोडर्न आर्ट-फोटोस</u>

<u>सगर राति दीप जरय- इतिहास</u>

<u>सगर राति दीप जरय- आरती कुमारी फाइल</u>

<u>दूध-पानि फराक-फराक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-(छाया एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)</u>

<u>हिन्दुस्तानी मुसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल</u>

*उमेश मण्डल द्वारा मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बीछल विचारक पाण्डुलेख पोथी*

<u>जगदीश प्रसाद मण्डल</u> <u>राजदेव मण्डल</u> <u>डॉ शिव कुमार प्रसाद</u> <u>रामदेव प्रसाद मण्डल "झारूदार"</u> <u>राम विलास साहु</u> <u>नन्द विलास राय</u> <u>कपिलेश्वर राउत</u> <u>प्रीतम कुमार निषाद</u>

*મથિભિક સમ ળાિ શ્રા વ૧મક સંસ્કા૧, ભેકગીત શ્રા વ્યવહા૧ ગીત (સૌળન્ય: ઉમેશ મંડભ)*

૧ ૨ ૩ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૧૦ ૧૧ ૧૨ ૧૩ ૧૪ ૧૫ ૧૬ ૧૭ ૧૮ ૧૯ ૨૦ ૨૧ ૨૨ ૨૩ ૨૪ ૨૫ ૨૬ ૨૭ ૨૮ ૨૯ ૩૦ ૩૧ ૩૨ ૩૩ ૩૪ ૩૫ ૩૬ ૩૭ ૩૮ ૩૯ ૪૦ ૪૧ ૪૨ ૪૩

શ્રનિ૧યવ્ણી (ળગદીશ પ્૧સાદ મણ્ડભક ૧૫ ગોટ વીછભ કથા- ચયન એવમ્ સમ્પાદન- ઉમેશ મણ્ડભ)

**ળગદીશ પ્૧સાદ મણ્ડભ**

ગામક ળિનગી (ભઘુકથા સંગ્૧હ)

મથિભિક વેટી (નાટક)

મૌભાઽભ ગાછક ફૂભ (ઉપન્યાસ)

ળિનગીક ળીત (ઉપન્યાસ)

ઉત્થાન-પતન (ઉપન્યાસ)

ળીવન-મ૧ન (ઉપન્યાસ)

ળીવન-સંઘ૧ષ (ઉપન્યાસ)

તેગાન (વાભ પ્૧ે૧ક વહિની કથા સંગ્૧હ)

પંચવટી (એકાંકી-સંચયન)

શ્ર૧દ્ધાંગિનીસ૧ોળની સુભદ્૧ા મા૧ઽ સનિહ ઽત્યાદિ (ભઘુકથા સંગ્૧હ)

કમ્પ્૧ોમાઽળ (નાટક)

દ્૧ેભપિા વશ્રિાહ (નાટક)

ઽન્દ્૧ધનુષી શ્રકાસ (પદ્ય સંગ્૧હ)

શંભુદાસ (તીનટા દીર્૧ઘ કથા મ૧ઽગાગ૧, શંભુદાસ શ્રા શ્રૌંસી)

ગીતાંળભિ (ગીત સંગ્૧હ)

૧ાતિ-દિનિ (કવિતા સંગ્૧હ)

સતભૈયા પોખ૧ી (ભઘુ કથા સંગ્૧હ)

ગીત ળેડ એગાન્હમ માઘ (ગીત સંગ્રહ)
વળણ્તા-વુહ્ણતા (વ઼હિનિ કિથા સંગ્રહ)
ન્તણાકન ઙકૈત (ણાટક)
વઙકી વહનિ (ઉપણ્યાસ)
ખકમોઙ (લઘુકથા સંગ્રહ)
ઉલવા યાઉન (લઘુકથા સંગ્રહ)
સનતિ (કવ઼તિ સંગ્રહ)
સુપ્પાએલ પોપ્પનકિ ળાસ્ડ (ગીત સંગ્રહ)
નૈ યાઊએ (વાલ ઉપણ્યાસ)
સ્વ઼યંવ઼ન (ણાટક)
પતહ્રાઙ (લઘુ કથા સંગ્રહ)
શ્રુલહન (લઘુ કથા સંગ્રહ)
ગામક શકલ સૂનત (લઘુ કથા સંગ્રહ)
લળવળિ (લઘુ કથા સંગ્રહ)
વટેસન કાકા (લઘુ કથા સંગ્રહ)
શ્રામક ગાછી
શ્રપ્પણ ગામ
દિવ઼ાલિક દીપ
પંચદેવ઼ સીનીળ
પંચદેવ઼-૧ પંચદેવ઼-૨ પંચદેવ઼-૩ પંચદેવ઼-૪ પંચદેવ઼-૫ પંચદેવ઼-૬ પંચદેવ઼-૭ પંચદેવ઼-૮ પંચદેવ઼-૯ પંચદેવ઼-૧૦ પંચદેવ઼-૨૦ પંચદેવ઼-૩૦ પંચદેવ઼-૪૦ પંચદેવ઼-૫૦ પંચદેવ઼-૬૦ પંચદેવ઼-૭૦ પંચદેવ઼-૮૦ પંચદેવ઼-૯૦ પંચદેવ઼-૧૦૦
દુધ-પાનિ શ્રુનાક-શ્રુનાક (કથા એવં પાણ્ડુલિપિ ળગદીશ પ્નસાદ મણ્ડલ)- (છાયા એવં સમ્પાદણ- ઉમેશ મણ્ડલ)

*𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 𑒖𑒲𑒏 ६५ 𑒙𑒰 𑒣𑒼𑒟𑒲𑒏 𑒢𑒫 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒩𑒝 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 २३३ (𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_०१_०९_२०१७) 𑒮𑒿 २५० (𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯_१५_०५_२०१८ ) 𑒡𑒩𑒱 𑒁𑓀𑒏𑒧𑒹 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒫𑒰𑒯𑒱𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏𑒣𑒩 𑒣𑒜𑓃𑒴:-*

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| [illegible]_२३३ | [illegible]_२३४ | [illegible]_२३५ | [illegible]_२३६ | [illegible]_२३७ | [illegible]_२३८ |
| [illegible]_२३९ | [illegible]_२४० | [illegible]_२४१ | [illegible]_२४२ | [illegible]_२४३ | [illegible]_२४४ |
| [illegible]_२४५ | [illegible]_२४६ | [illegible]_२४७ | [illegible]_२४८ | [illegible]_२४९ | [illegible]_२५० |

𑒣𑓀𑒑𑒳 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)- 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒧𑒴𑒪 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 २०२१ 𑒮𑒿 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢𑒱𑒞 𑒣𑒼𑒟𑒲

𑒣𑓀𑒑𑒳 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒩𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪)

𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒮𑒰𑒞𑒲 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒧𑒼𑒛𑓃𑒣𑒩 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

𑒮𑒳𑒔𑒱𑒞𑒰 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)

𑒮𑒹𑒯𑒢𑓂𑒞𑒰 𑒮𑒹𑒯𑒢𑓂𑒞𑒹 𑒩𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒛ॉ 𑒬𑒬𑒱𑒡𑒩 𑒏𑒳𑒧𑒩**

𑒅𑒛𑓃𑒱 𑒢𑒹 𑒮𑒏𑒲 𑒣𑒩 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒻 𑒕𑒲 𑒯𑒧 (𑒦𑒰𑒑 १-२) (𑒣𑒵 १०५४-१०९५)

𑒣𑓂𑒩𑒱𑒮𑒱𑒪𑒰 𑒁𑒧𑓂𑒙𑒰𑒩𑒏𑒙𑒱𑒏𑒰 𑒏𑒹𑒩 (𑒣𑒵 १०५४-१०९५)

𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒣𑒵 ९९३-१२१५)

𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒣𑒵 १००४-११७३)

𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒣𑒵 ७४७-८३४)

𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒣𑒵 १४६८-१८५०)

**𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩**

𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒂 𑒣𑓂𑒩𑒲𑒞𑒱 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 (𑒮𑒧𑒰𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰)

𑒞𑒹𑒪𑒳𑒑𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰, 𑒞𑒹𑒪𑒳𑒑𑒳, 𑒑𑒳𑒖𑒩𑒰𑒞𑒲, 𑒦𑒼𑒖𑒣𑒳𑒩𑒲 𑒂 𑒏𑒬𑓂𑒧𑒲𑒩𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰

𑒞𑒹𑒪𑒳𑒑𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒂 𑒍𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰, 𑒞𑒹𑒪𑒳𑒑𑒳, 𑒑𑒳𑒖𑒩𑒰𑒞𑒲, 𑒦𑒼𑒖𑒣𑒳𑒩𑒲 𑒂 𑒏𑒬𑓂𑒧𑒲𑒩𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩)

મૈથિલી સમીક્ષાશાસ્ત્ર
મૈથિલી સમીક્ષાશાસ્ત્ર (તિરહુતા)
મૈથિલી સમીક્ષાશાસ્ત્ર (ભાગ-૨, અનુપ્રયોગ)
મૈથિલી પ્રતિયોગિતા
પ્રબન્ધ-નિબન્ધ-સમાલોચના ભાગ-૧
પ્રબન્ધ-નિબન્ધ-સમાલોચના ભાગ ૬ (કુરુક્ષેત્રમ અન્તર્મનક-૨)
પ્રબન્ધ-નિબન્ધ-સમાલોચના (ભાગ-૨, કુરુક્ષેત્રમ્ અન્તર્મનક ખણ્ડ૭-૮) (સંક્ષિપ્ત)
નાટિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર
નાટિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર (મિથિલાક્ષર)
નાટિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર (કૈથી)
નાટિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર (નેવારી)
નાટિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર (બ્રેલ)
દૂષાન્ન પઝ્ળી- થકે ભાલયક ભોક
દૂષાન્ન પઝ્ળી- થકે ભાલયક ભોક (મિથિલાક્ષર)
પરવત ઉપર ભમરા ખે સૂતલ (વીહની, લઘુ આ દીર્ઘ કથા સંગ્રહ)
પરવત ઉપર ભમરા ખે સૂતલ (મિથિલાક્ષર)
પરવત ઉપર ભમરા ખે સૂતલ (કૈથી)
પરવત ઉપર ભમરા ખે સૂતલ (નેવારી)
પરવત ઉપર ભમરા ખે સૂતલ (બ્રેલ)
સ્વપનમે મછિન્દ્ર હેરત
થકે_ષયેનિયે_ેડ_આરદસ
ઢાળદો માનદાલ- માતિહિલિ આરાતિર (મૌલિક ષુપપલેમેનત ૨ & ૨૨)
દ્દઅઘયરષહ શ્ઢઅષઅય મઅન્નયઅડ- માતિહિલિ આરાતિર
નાટિ નવલ સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ
નાટિ નવલ સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ (મિથિલાક્ષર)

ળગદીશ પ્ત્રસાદ મામ્ઙ૭- એકટા વાયોગ્ત્રાશ્ચી
ળગદીશ પ્ત્રસાદ મામ્ઙ૭- એકટા વાયોગ્ત્રાશ્ચી (હિન્દી શ્રનુવાદ ત્રામેશ્વત્ર પ્ત્રસાદ મામ્ઙ૭)
ગંગા વ્ત્રાળિ (ણાટક)
ઙ૭્કામુપ્પ (ણાટક)
સંક્ત્રષામ (ણાટક)
ચાંગા વાટ વબેવાક દામ શ્રગૂવાત્ર પેબે છઁ (ત્નુવાર, કળા શ્રા ગળ૭ સંગ્ત્રહ)
સહસ્ત્રળાિ (પદ્ય સંગ્ત્રહ)
સહસ્ત્રાવ્દીક ચૌપઙપત્ર (પદ્ય સંગ્ત્રહ)
ણ્વ્સ્થાહ્સ્થ શ્રા શ્રસમ્ળાણિ મિણ (દૂટા ગીણ પ્ત્રવણ્ય)
સહસ્ત્રવાઢણિ (ઙપણ્યાસ)
સહસ્ત્રવાઢણિ_વ્મે૭-મૈથિલિ (મૈથિલીક પહિલ વ્મે૭ પોથી)
સહસ્ત્રશીત્રષા (ઙપણ્યાસ)
ગ૭પ-ગુચ્છ (વ્હિણિ શ્રા ૭ઘુ કથા સંગ્ત્રહ)
શબ્દશાસણ્ત્રમ્ (૭ઘુકથા સંગ્ત્રહ)
વા૭ મામ્ઙ૭ી કિશોત્ર ળગણ (વા૭ ણાટક, ૭ઘુકથા, કવિણા શ્રાદિ)
કુત્નુક્ષેણ્ત્રમ્ શ્રણ્ણ્ત્રમણક
દેવણાગત્રી વ્ત્રસણ ણિત્હુણા વ્ત્રસણ વ્મે૭ વ્ત્રસણ
ઙાત્રણ માણિહિલિ ષિગ્રિણ ઙાણગુાગે
ઙાત્રણ મણિહિલિકસહાત્ર ષચત્રાપિણ
ઙાત્રણ મત્રાલિ૭ ણહ્ત્નુગાહ મણિહિલિકસહાત્ર ષચત્રાપિણ
ઙાત્રણ સ્ણણેત્રણાણિિણા૭ શ્રહોબેણચિ ષચત્રાપિણ ણહ્ત્નુગાહ મણિહિલિકસહાત્ર ષચત્રાપિણ
ઙાત્રણ પ્યાણિહિ
ઙાત્રણ મ્મૌત્રિ
ઙાત્રણ છા૭૭ગિત્રાપહિચ મ્મૌત્રિ (ઢાણળાણા)
ઙાત્રણ ઙત્રદુ ષચત્રાપિણ

ડાનન થવિતાન ષયનાપિત

ડાનન દ્દાપાનેસે ષયનાપિત ડાન હાકિ

ડાનન ભનાહર્મા

ડાનન ખ્પહાનોસહતાહિ

મથિલિ નત્ન્ મથિલિ ચત્નકળ્ મથિલિક પાવનિ તિહાન (કથા) આ મથિલિક સંગીત

ળઊદીપ (વાઊ-નાટક સંગ્નહ)

અક્ષનમુષ્ટિકા (વાઊ-ઊઘુકથા સંગ્નહ)

વાઙક વઙૌના (વાઊ-પદ્ય સંગ્નહ)

નાનાશંસી (ગીત-પ્નવચ્ય)

મયામ્ડ (નાટક)

**વાઊ સાહિત્ય (મૂઊ)- ગળેન્દ્ન ઠાકુન**

ભઽ ળાણ્વ છૂ(મૈથિલીક ૨૦૧૨ મે પ્નકાશિત પહિઊ કમ્પ્યૂટન-આકિશન પુઊ માતિહવિંસ ડાનિસાન યઊમાનિ-ડિયિનાનિ પઊય તેગિનિઊઊય પુવઊસિહેદ નિ ૨૦૧૨)

કમ્મઊક ભાગતા

તાનહનિમ પનીઊક

વેસી છુટ્ટી કમ સ્કૂઊ

વડદ કર્મેષ દાઙન ને પૌ

વાઊ ગળઊ

આનિસિ ઊસ્ન

**અનૂદિત સાહિત્ય (આન ભાષાસઁ)- ગળેન્દ્ન ઠાકુન**

વિદેહ:સદેહ ૨૭ (ગળેન્દ્ન ઠાકુન આ નવી ભૂષણ પાઠકક આન ભાષાસઁ અનૂદિત ગદ્ય આ પદ્ય- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**વાઊ સાહિત્ય (અનુવાદ- દ્વિભાષિક- મૈથિલી-અંગ્નેળી)- ગળેન્દ્ન ઠાકુન**

મસાઈ કેન પનિવિન્તનકાની નેવેકા

# શેષ ૪૦ ટા વાઉ યિત્ર-પોથી નીયાઁક ઊકિપત્રઃ-

| સુનૂ | ઘત્ર સજા | એકટા નીક દનિ | યઊ હ્મ નઁ ડીક છી ને! | કી શ્રહાઁ પે યડિ સજાકેઁ દેખ્યને છી? |
|---|---|---|---|---|
| ટોસ્ટ | વડીટા! કનપિટા! | એનs હ્મ સજા નૈ છી | જાત્રતોઊક ત્રાળકુમાની | જાત્રતોઊક ત્રાળકુમાની (વતિ શવ્દક) |
| વુયો | કય-કય કયાક | યુનનૂ-મુનનૂક નહેનાર | નેના ળે વૈઊનસઁ ઙેત્રાજ્ઞ છઊ | શદ્ભુત શ્રવિનાયી ચંક-શંખ્યાઊ |
| હાનૂ | શ્રપ્યન નૈ, શ્રપ્યન નૈ! | ળન્મદનિક ઉત્સવ જોળ | મોટ ત્રાળા પાતત્ર-દુવ્વવડ કુકુડ | વયયિા ળે શ્રપન હઁસી નૈ નોકિ સિકૈત છઊિ |
| શ્રંગ્રેળી | હ્મ સૂંઘિ સિકૈ છી | છોટ ઊઊ-ટુહ્ટુહ ડોની | કૂત્ર નીક, જોગૂ નીક | ઈ સજાટા વઊિડિકિ દોપ્ય શ્રછિ! |
| યોજા શ્રામ! | હ્મત્ર ટોઊક વાટ | ળપ્યન રકડૂ સ્કૂઊ ગેઊ | માછી શ્રેત્ર શ્રાઉ ટાટા! | શ્રમાયીક ળુઊમ મશીન સજા |
| ટગિ ટોગ | પાઉ-મ્યાઊ-વાહ | કુકુડક એકટા દનિ | હ્મત્રા નીક ઊગૈએ | નોતાક નવ-સ્કૂઊમે પહિ઼ઊ દનિ |
| કની હઁસિયૌ ને! | ઊઊ વત્રસાતી | જૂત-પ્રેતક નાટ્યશાઊ | શ્રાઉ પએત્ર ગાની | કતs શ્રછિ ઈ શ્રંક ૫? |

## વ઼દિહ મૈથઊિ-શ્રંગ્રેળી ટ઼ૉકગિ નીડ-શ્રઊાઉડ ઑડયિો વુક

હ્તતપસ્ઃવઊીમઊવિત્રાત્રયો઼ત્રગ્પઊયેત્ર્શ્રૌયડદડત્રપછો૯ (મસાઈ કેત્ર પત્રવિ઼ત્રતનકાની ગેવેકા)
હ્તતપસ્ઃવઊીમઊવિત્રાત્રયો઼ત્રગ્પઊયેત્ર્પઉસહ્દૈજાગથિ (યઊ હ્મ નઁ ડીક છી ને!)
હ્તતપસ્ઃવઊીમઊવિત્રાત્રયો઼ત્રગ્પઊયેત્ર્ડત્ર્દપષદહ્ઘમો (એકટા નીક દનિ)
હ્તતપસ્ઃવઊીમઊવિત્રાત્રયો઼ત્રગ્પઊયેત્ર્વરઊપૌસશછપ (ઘત્ર સજા)
હ્તતપસ્ઃવઊીમઊવિત્રાત્રયો઼ત્રગ્પઊયેત્ર્દશ્રડછ૦ઙુવત૭ (કી શ્રહાઁ પે યડિ઼ સજાકેઁ દેખ્યને છી?)

## ાાથશ્ર-ઉઘછ્ ઉશ્ચષછ્ જશ્ચષછ માતિહઊિ શ્રોપતાિનાઊ- ગળેન્દ્ર ડાકુત્ર

મૈથઊિ સમીક્ષાશાસ્ત્ર
મૈથઊિ સમીક્ષાશાસ્ત્ર (તન્હિતા)
મૈથઊિ સમીક્ષાશાસ્ત્ર (જાગ-૨, શ્રનુપ્રયો઼ગ)
મૈથઊિ પ્રતયિો઼ગતિા
[શ્ચઊાયે ોડ માતિહઊિ િનિ રનદો-એ્રોપોન ડાનગુાગે ઢામઊિય્ શ્રોત્રગિનિ ાનદ દેવે઼ઊપમેનત ોડ માતિહઊિ ઊિાનગુાગે (ષાનસકત્રતિ, શ્ચત્રાકત્રતિ, શ્રવ઼હાતત, માતિહઊિ) જાત્રોપીય઼ જાષા પત્રવિ઼ાત્ર મય્ય઼ મૈથઊિક સ્થાન્ મૈથઊિ જાષાક ઉદ્જાવ઼ શ્રો વ઼કિાસ (સંસ્કૃત, પ્રાકૃત, શ્રવ઼હ્ટટ, મૈથઊિ)]
(છાત્રતિયિસિમ- યડિડેગનત ડ઼તિત્રાત્રય઼ ઢોત્રમસ નિ મોદેત્રન એત્ર્ તેસત ોડ યત્રતિયિાઊ ાવઊિતિય઼ ોડ તહે યાનદદિાતેસ)
(ળ્યો઼તિિીશ્વ઼ત્ર, વ઼દ્યિ઼ાપતિ શ્રા ગોવ઼નિ્દદાસ સઊિવસમે છથિ શ્રા ત્રસમય઼ કવ઼િ યતુત્ર યતુત્રજુળ વ઼દ્યિ઼ાપતિ કાઊિન કવ઼િ છથિા એતય઼ સમીક્ષા શંખ્યાક પ્રાત્રમ્જ કત્રવાસઁ પૂત્ર્વ઼ યાત્ર ગોટેક શવ્દાવ઼ઊી નવ઼ શવ્દક પત્રયાય઼ સંગ દેઊ ળા ત્રહ્ઊ શ્રછિ઼ નવ઼ શ્રા પુત્રાણ શવ્દાવ઼ઊીક ળ્ઞાનસઁ ળ્યો઼તિિીશ્વ઼ત્ર, વ઼દ્યિ઼ાપતિ શ્રા ગોવ઼નિ્દદાસક પ્રાસ્નોતત્રમે યાત્ર શ્રાશ્રોત, સંગહિ શવ્દકોષ વઢઊાસઁ ખ્યાઁટિ મૈથઊિમે પ્રાસ્નોતત્ર ઊખ્યિવામે યાખ્ય શ્રાસ્તે-શ્રાસ્તે ખ્યતમ હોય઼ત, ઊખ્યનીમે પ્રવ઼ાહ શ્રાય઼ત શ્રા સુયયા જાવ઼ક શ્રજાવ઼િય઼કતા જાય઼ સકત।)
(વદ્રીનાથ ્હા શવ્દાવ઼ઊી શ્રા મથિઊિક કૃષિ-મત્સ્ય઼ શવ્દાવ઼ઊી)
(વૈ઼ઊૂ એડીશન- પ્રથમ પત્ર- ઊત્રકિ ગાથામે સમાળ શ્રો સંસ્કૃતિ)

(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- દ્વિતીય પત્ર- વિદ્યાપતિ)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- દ્વિતીય પત્ર- પદ્ય સમીક્ષા- વાણી)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- પ્રથમ પત્ર- ઊક ગાથા નૃત્ય નાટક સંગીત)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- દ્વિતીય પત્ર- યાત્રી)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- દ્વિતીય પત્ર- મૈથિલી નાનાયણ)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- દ્વિતીય પત્ર- મૈથિલી ઉપન્યાસ)
(વૈઙ્ઘ્ ૯ડીશન- પ્રથમ પત્ર- શબ્દ વિચાર)
(તિરિહુતા ઊપિકિ ઉદ્ભવ શ્રો વિકાસ)
શ્રનુઊાનક-૧-૨-૩ શ્રનુઊાનક- ૪-૫
[મૈથિલી શ્રા દોસર પુવનિયા ભાષાક વીચમે સમ્વન્ધ (વાંગ્લા, શ્રસમિયા શ્રા શ્રોડિયા) [યૂપીએસસી સવિવસ, પત્ર-૧, ભાગ- "૯", ક્રમ-૫]]
[મૈથિલી શ્રા હિન્દી વાંગ્લા મોઙપુરી મગહી સંથાલી- વહિન ઊક સેવા શ્રાયોગ (વીપીએસસી) કેર સવિલિ સેવા પરીક્ષાક મૈથિલી (ઐચ્છિક) વિષય હેતુ]
મૈથિલી

વાંગ્લા

શ્રસમિયા

શ્રોડિયા

હિન્દી

ઉર્દૂ

નેપાલી

સંસ્કૃત

સંથાલી

ઙથશ્ર_ઉઘછ_ઙએથ_માતિહિલિ_૦૧- ગજેન્દ્ર ઠાકુર
ઙથશ્ર_ઉઘછ_ઙએથ_માતિહિલિ_૦૨- ગજેન્દ્ર ઠાકુર
થેસત ષેનેસિ-૧- ગજેન્દ્ર ઠાકુર
થેસત ષેનેસિ-૨- ગજેન્દ્ર ઠાકુર
ઘષ (શ્રવે)
થોપયિ ૧ - ગજેન્દ્ર ઠાકુર

ગજેન્દ્ર ઠાકુર (સમ્પાદન)

| વિદેહ-સદેહ ૧-૨૫ ાીવિદેહાયોનિ |
| --- |
| વિદેહ ઈ-પત્રિકાક શ્રંક ૧ ૩૫૦ સઁ |

| मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ गद्य आ पद्यक एकटा समानान्तर संकलन | |
|---|---|
| देवनागरी | मिथिलाक्षर |
| विदेह:सदेह १ | विदेह: सदेह १ तिरहुता |
| विदेह:सदेह २ मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना | विदेह: सदेह २ तिरहुता |
| विदेह:सदेह ३ मैथिली पद्य | विदेह: सदेह ३ तिरहुता |
| विदेह:सदेह ४ मैथिली कथा | विदेह: सदेह ४ तिरहुता |
| विदेह मैथिली विहनि कथा [विदेह सदेह ५] | विदेह: सदेह ५ तिरहुता |
| विदेह मैथिली विहनि कथा [ विदेह सदेह ५]- संस्करण-२ | विदेह: सदेह ५ संस्करण-२ तिरहुता |
| विदेह मैथिली लघुकथा [विदेह सदेह ६] | विदेह: सदेह ६ तिरहुता |
| विदेह मैथिली पद्य [विदेह सदेह ७] | विदेह: सदेह ७ तिरहुता |
| विदेह मैथिली नाट्य उत्सव [विदेह सदेह ८] | विदेह: सदेह ८ तिरहुता |
| विदेह मैथिली शिशु उत्सव [विदेह सदेह ९] | विदेह: सदेह ९ तिरहुता |
| विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना [विदेह सदेह १०] | विदेह: सदेह १० तिरहुता |
| विदेह:सदेह ११ | विदेह: सदेह ११ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १२ | विदेह: सदेह १२ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १३ | विदेह: सदेह १३ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १४ | विदेह: सदेह १४ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १५ | विदेह: सदेह १५ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १६ | विदेह: सदेह १६ तिरहुता |
| विदेह:सदेह १७ | विदेह: सदेह १७ तिरहुता |

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓘 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓘 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓙 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓑𑓙 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓐 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓑 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓒 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓓 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓓 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓔 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓔 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓕 | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓕 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |

## 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯-𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖-𑓓𑓖 ॥𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒨𑒼𑒢𑒱

*𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒏 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿- 𑒟𑒲𑒧 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒩𑓂𑒫𑒬𑓂𑒩𑒹𑒭𑓂𑒚 𑒧𑒴𑒪 𑒂 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢*

| | |
|---|---|
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖 (𑒛ॉ 𑒬𑒧𑓂𑒦𑒳 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒂 𑒛ॉ 𑒁𑒩𑒳𑒝 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓖 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓗 (𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒂 𑒩𑒫𑒱 𑒦𑒴𑒭𑒝 𑒣𑒰𑒚𑒏𑒏 𑒂𑒢 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓗 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓘 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒑𑒠𑓂𑒨 𑒂 𑒣𑒠𑓂𑒨- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓘 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓙 (𑒩𑒫𑒱 𑒦𑒴𑒭𑒝 𑒣𑒰𑒚𑒏 𑒂 𑒛ॉ 𑒏𑒻𑒪𑒰𑒬 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓒𑓙 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓐 (𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪-𑒏ॉ𑒪𑒹𑒖𑒏 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒪𑒹𑒪- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓐 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑 (𑒛ॉ 𑒏𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒰𑒨𑒢𑒲 𑒂 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒢𑒼𑒖 𑒏𑒬𑓂𑒨𑒣- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓑 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓒 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓑- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓒 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓓 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓒- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓓 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |
| 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯:𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓔 (𑒩𑒔𑒢𑒰𑒞𑓂𑒧𑒏 𑒑𑒠𑓂𑒨-𑒣𑒠𑓂𑒨 𑒪𑒹𑒐𑒢 𑒦𑒰𑒑-𑓓- 𑒁𑓀𑒏 𑓑-𑓓𑓕𑓐 𑒮𑒿) | 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯: 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑓓𑓔 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 |

| | |
|---|---|
| વિદેહ:સદેહ ૩૫ (રચનાત્મક ગદ્ય-પદ્ય ઉપ્પન ભાગ-૪- અંક ૧-૩૫૦ સઁ) | વિદેહ: સદેહ ૩૫ તિરહુતા |
| વિદેહ:સદેહ ૩૬ (રચનાત્મક ગદ્ય-પદ્ય ઉપ્પન ભાગ-૫- અંક ૧-૩૫૦ સઁ) | વિદેહ: સદેહ ૩૬ તિરહુતા |

- યૂપીએસસી આ આન પ્રતિયોગિતા પરીક્ષા હેતુ દેખૂ:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| વિદેહ:સદેહ ૧૭ | વિદેહ:સદેહ ૨૧ | વિદેહ:સદેહ ૨૩ | વિદેહ:સદેહ ૨૬ | વિદેહ:સદેહ ૨૯ |
| વિદેહ:સદેહ ૩૦ | વિદેહ:સદેહ ૩૨ | વિદેહ:સદેહ ૩૩ | વિદેહ:સદેહ ૩૪ | વિદેહ:સદેહ ૩૫ |

- વિદેહ-સદેહ
ભાષાપાક -વિદેહ મૈથિલી માનક ભાષા આ મૈથિલી ભાષા સમ્પાદન પાઠ્યક્રમ
વિદેહ પુરાન અંકક આર્કાઇવ
વિદેહ ૧-૫૦
વિદેહ ૫૧-૧૦૦
વિદેહ ૧૦૧-૧૪૯
વિદેહ ૧૫૦-૨૫૦
વિદેહ ૨૫૧-ઓનવાર્ડ્સ
ઓડિયો આર્કાઇવ ડાઉનલોડ
મિથિલા_પેઇન્ટિંગ્સ-મોડર્ન આર્ટ-ફોટોસ
વિદેહ ઓડિયો ફાઇલ્સ ડાઉનલોડ
વિદેહ ક્લાસિકલ બુક્સ ડાઉનલોડ

- **ગજેન્દ્ર ઠાકુર આ આશીષ અનચિન્હાર (સમ્પાદન)**
મૈથિલીક પ્રતિનિધિ ગજલ
મૈથિલી ગજલ: આગમન આ પ્રસ્થાન બિન્દુ (ગજલક આલોચના-સમાલોચના-સમીક્ષા)

-

**गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा (सम्पादन)**

जीनोम मैपिंग (४५० एडीसँ २००९ एडी)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध

जीनियोलोजिकल मैपिंग (४५० एडीसँ २००९ एडी)--मिथिलाक पञ्जी प्रबन्ध - भाग-२

पंजी (११००० मूल मिथिलाक्षर पाण्डुलिपि)

११००० [illegible] (Volume 1 to 22) [illegible]

Maithili-English Dictionary

मैथिली-अंग्रेजी शब्दकोश भाग१

मैथिली-अंग्रेजी शब्दकोश भाग२

English-Maithili Dictionary

विदेह अंग्रेजी मैथिली शब्दकोश

अंग्रेजी-मैथिली कम्प्यूटर शब्दकोश

**दिनेश कुमार मिश्र (सौजन्य दिनेश कुमार मिश्र)**

बन्दिनी महानन्दा

बागमती की सद्गति!

दुइ पाटन के बीच में (कोसी नदी की कहानी)

न घाट न घर

बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी

भुतहि नदी और तकनीकी झाड़-फूंक

[illegible]

*पत्रिका-जर्नल समाचार*

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒱𑒯𑒱𑒩 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑓀𑒏) 𑓑𑓙𑓓𑓖 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒮𑒳𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒗𑒰 𑒮𑒳𑒧𑒢 𑒦𑒲𑒧𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰)

**𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰-𑒞𑓂𑒩𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒔𑒱𑒏𑒹𑒞𑒰)**

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰-𑒞𑓂𑒩𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 (𑒁𑒣𑓂𑒩𑒻𑒪 𑓑𑓙𑓖𑓙)

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰-𑒞𑓂𑒩𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 (𑒖𑒳𑒪𑒰𑒃 𑓑𑓙𑓖𑓙)

**𑒏𑒾𑒬𑒱𑒏𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲𑒏𑒰𑒩 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰)**

𑒏𑒾𑒬𑒱𑒏𑒲 (𑓑𑓙𑓗𑓑-𑓗𑓒)

**𑒠𑒹𑒮𑒱𑒪 𑒥𑒨𑒢𑒰 (𑒁𑒣𑓂𑒣𑒫𑒰𑒩) (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒩𑒰𑒧𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩)**

𑒠𑒹𑒮𑒱𑒪 𑒥𑒨𑒢𑒰 (𑒁𑒣𑓂𑒣𑒫𑒰𑒩)

**𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒔𑒱𑒏𑒹𑒞𑒰)**

𑒧𑒰𑒩𑓂𑒔 𑓒𑓐𑓒𑓑

𑒢𑒫𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓒𑓑

**𑒒𑒼𑒨𑒱𑒞𑒱𑒨 𑒟𑒼𑒠𑒰𑒨 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒮𑒳𑒧𑒞𑒱 𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠)**

𑒁𑓀𑒏 𑓑𑓑

**𑒮𑓀𑒏𑒪𑓂𑒣 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒨𑒼𑒑𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰)**

𑒁𑓀𑒏 𑓕 𑓑𑓙𑓘𑓘

**𑒁𑓀𑒞𑒱𑒏𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒑𑒾𑒩𑒲𑒢𑒰𑒟)**

𑒖𑒳𑒪𑒰𑒃-𑒮𑒱𑒞𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓐𑓘 (𑒯𑒩𑒱𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒗𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏) 𑒁𑒏𑓂𑒙𑒴𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓑𑓐𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒩𑓂𑒔 𑓒𑓐𑓑𑓑 𑒁𑒏𑓂𑒙𑒴𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓑𑓑 𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒩𑓂𑒔 𑓒𑓐𑓑𑓒

**𑒦𑒰𑒩𑒞𑒲 𑒧𑓀𑒛𑒢 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**

𑒁𑓀𑒏-𑓑𑓖

**𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒁𑒬𑒼𑒏)**

𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 𑓑

𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 𑓒

𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 𑓓 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭

𑒮𑒢𑓂𑒡𑒰𑒢 𑓔

**𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑓀𑒑𑒢 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨 𑒧𑒳𑒏𑒹𑒬 𑒠𑒞𑓂𑒞)**

अप्रैल-सितम्बर २०२२

**मैलोंग (सौजन्य- प्रकाश झा)**

अंक२-३

**धूआ-चजा (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)**

अंक ७ अंक १४ अंक १५ अंक १६ अंक १८ अंक १० जून २०१२ अंक २४ जून २०१२ २३फेब्रुआरी२०१६ २५ जुलाइ २०१२ ०५ अगस्त २०१२ आसिन २०७३

**स्मारिका (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)**

स्मारिका (२०१०)

**आंगन (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)**

आंगन अंक-४ (२०१२) सलहेस विशेषांक

**आँजुर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि भ्रमर)**

आँजुर (अंक वर्ष ३६, अंक ३) सोमदेव विशेष

**गामघर (सौजन्य- रामभरोस कापड़ि "भ्रमर")**

गामघर-३०-०८-२०१८

गामघर-०४-१०-२०१८

गामघर-१६-०५-२०१९

गामघर-२७-०६-२०१९

**दूयमती- (नेपाली आ मैथिलीमे) (सौजन्य- सुनील कुमार झा)**

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक ३५ अंक ३६ अंक ३७ अंक ३८ अंक ३९ अंक ४० अंक ४१

**घर-बाहर (सौजन्य- चेतना समिति)**

अप्रैल-जून २०११

**रचना (सौजन्य- सुभाष चन्द्र यादव)**

दिसम्बर "०५ मार्च "०६राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

**पल्लव (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)**

पल्लव- १ गजल अंक

**પૂ્વોત્ત્ત્ર મૈથિલિ (સૌળન્ય- પ્રેમકાન્ત ચૌધરી)**

અપ્રૈલ-જૂન ૨૦૧૦ જુલાઇ-સિતમ્બર ૨૦૧૦ જનવરી સઁ માર્ચ ૨૦૧૧ અપ્રૈલ-જૂન ૨૦૧૧ જુલાઇ-સિતમ્બર ૨૦૧૧

**લલદાસ ભાવાંજલિ સ્મારિકા ૨૦૨૨ (સૌળન્ય ડૉ સંળીવ શમા)**

•

**કિછુ મૈથિલી પોથી ડાઉનલોડ સાઇટ (ઓપન સોર્સ)**

ઘછ૯૮થ ભહઅષહઅ ષઅઘઘઅમ

ઘછ૯૮થ (મૈથિલિ-ઍન્ગલિસહ-હિન્દી છોનવેરસાતીનિસ)

મૈથિલી-હિન્દી વાર્તાલાપ (૩ ઘણ્ટા)

મૈથિલી (મૈથિલી સંકેત ભાષા સહિત- મૈથિલીમે પહિલ બેર)

હતતપસ:ીીયુતુવેયોમ૦વિદેહ ઝુરનાલ

હતતપસ:યુતુવેથેવુછ-લરષસ૮

હતતપસ:નયેરતનયિનિવસ-૨૦૨૧પહપ

ષાહિત્યા અકાદેમી

પ્રકાશન

ડિજિટલ-પોથી

છ૨૨ડ

અધ્યિયાસલ (રમાનન્દ ઝા રમણ)

જુઆયલ કનકની- મહેન્દ્ર

પ્રવન્ધ સંગ્રહ- રમાનાથ ઝા (વીપીએસસી સલિવસ)

સ઼ળન કેર દીપ પ્રવ- સં કેદાર કાનન આ અરવિન્દ ઠાકુર

મૈથિલી ગદ્ય સંગ્રહ- સં શૈલેન્દ્ર મોહન ઝા

અરયહવિઓરગ (વળિયદેવ ઝા)

વિદેહ મૈથિલિ ભૌકસ્ ઝુરનાલસ્ અદી-વિદી અરયહવિ

૨ઘઘછઅ

મૈથિલિ ઍન્ગલિસહ યયિતીનાય

વ઼િળ્ઝાન ૧ૃણાક્૧
મથિલિ દ૧્શન
ૃો૧જુક્ૃ
શ્રોડ઼૯ ઃઃેપાઊ'સે -શ્રુસૃાકાઊાય઼ા
પોથીક ઊકિ
૨ઘાઃઃછશ્ર-શ્રષ૨ (સો૧યહ કેય઼ૌ૧દ મૃિહઊિ)
હસિૃો૧ય઼ ાડ ઃઃાવ઼ય઼ા-ઃઃય઼ાય઼ા નિ મૃિહઊિ
ષ૧ુદૈસિ નિ હ્ાનિસિમ ાનદ જુદદસિમ નિ મૃિહઊિ
મૃિહઊિ નિ ૃહે શ્રગો ાડ વ઼દિય઼ાપાૃ
છુઊૃુ૧ાઊ હે૧ૃિાગો ાડ મૃિહઊિ
મૃિહઊિુ નદે૧ ૃહે ધ્યા૧ણાૃાસ
થેમપઊ ષુ૧વ઼ેય઼ શ્રુ૧ોળેયૃ શ્રષ૨- ૯નગાઊસિહ શ્રા હનિદિ
મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન
દ૧્શનીય઼ મથિલિ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

જ૧ોયહુ૧ ૧ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

જ૧ોયહુ૧ ૨ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

જ૧ોયહુ૧ ૩ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

જ૧ોયહુ૧ ૪ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

જ૧ોયહુ૧ ૫ (મૈથિલી સાહિત્ય઼ સંસ્થાન ઊકિ)

વ઼ૂઊમ ઊા૨વ઼ે૧ો મૈથિલી
શ્ર૧ાપિન શ્રાડઃઃડેશન
શ્ર૧ાૃહામ જોકસ માૃિહઊિ ષૃો૧ય઼ૌાવ઼ે૧
મૈથિલી ऑડિય઼ો વુક્સ

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒧𑒼𑒏𑒮 (𑒢𑒱𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒥𑒱𑒪 𑒛𑒰𑒨𑒩𑒰𑒏 - २𑒮𑒢 𑒞𑒰𑒧 𑒢𑒱 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲)

𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒛𑒽𑒙 𑒏𑒽𑒧

𑓒 𑒖𑒲𑒥𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒱𑓀𑒏)
𑒪𑒹𑒐𑒢𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒤𑒼𑒩𑒧
𑒧𑒹𑒩 𑓒 𑒖𑒲𑒥𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲
𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒔𑒻𑒢𑒪- 𑒏𑒫𑒲𑒞𑒰 𑒔𑒼𑒡𑒩𑒲 𑒂 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞𑒰 𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒔𑒻𑒣𑓂𑒙𑒩
𑒦𑒰𑒭𑒰-𑒣𑒲𑒙𑒲 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒮𑒳𑒙𑒏𑒰 𑒠𑒹𑒪
𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒋𑒤𑓂𑒍𑒧 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒫𑒰𑒝𑒲 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒨𑒴 𑒙𑒴𑒥 𑒔𑒻𑒢𑒪

𑒯𑒧𑒩
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒹𑒏𑓂𑒮𑒱𑒏𑒢

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 -𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒥𑒳𑒏 𑒮𑒹𑒏𑓂𑒬𑒢

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢: **𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢-𑒮𑒴𑒔𑒲** (𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒪𑒪𑒱𑒞 𑒏𑒪𑒰 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞-𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞)

## 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲
𑓑

## મૈથિલીક વ઼ત્નની- વ઼દિહ મૈથિલી માનક ભાષા આ મૈથિલી ભાષા સમ્પાદન પાઠ્યક્રમ

*ભાષાપાક*

૨

મૈથિલીક વ઼ત્નનીમે પત્ય઼ાપ્ત વ઼િવિધિતા અછિ મુદા પ્રશ્નપત્ર દેખલ ઉત્તર એકર વ઼ત્નની સ્રોત ભમઅ૯૦૦૧ સઁ પ્રેરિત વુહાસ્ત અછિ, સે એકર એકરા એક ઉપ્પડાહામે ઉનટા-પુનટા દિયૌ, તતવે યત પ્રત્ય઼ાપ્ત અછિ યૂપીએસ઼સી ક મૈથિલી (કમ્પલસરી) પેપર બલ સેહો ૬ પર્ય઼ાપ્ત અછિ, સે ખે વ઼િદ્ય઼ાર્થી મૈથિલી (કમ્પલસરી) પેપર બેને છથિ સે એકર એકટા આર અસ્ટ-ગીડિગ દોસર-ઉપ્પડાહામે કરથિ|

સ્ઘાલઅોઉ સ્રોત *ભમઅ૯-૦૦૧*

થહેસે ।મે પત્નિત-ોન-દેમાનદ વીકસ, સેનદ યુીર ટુીરસિ તી <u>દિતીરાલિસતાડડ઼વ઼દિહ઼ાઃગમાઃલિયોમ</u> થહે `મીકસ ોડ સોમે ોડ તહેસે ।મે ।વ઼ાલિવલ ડોર સાલ ોન ઘોાગલ અલાય [(ય) અપેર્તિ થહાકુર, સાલેસ઼વ઼દિહ઼ાઃગમાઃલિયોમ], સેનદ યુીર ટુીરસિ તી <u>સાલેસ઼વ઼દિહ઼ાઃગમાઃલિયોમ</u> થહે યોનતેનતસ ।નદ દોયુમેનતસ`-પુવલસિહેદ વય઼ <u>વ઼દિહ઼</u> (સનિયે ૨૦૦૦) સ્ષષાાઅ ૨૨૨૯-૫૪૭૪ વ઼સ્યપહ્ઞ (સનિયે ૨૦૦૪) ।મે પેતીદિયિાલલય઼ વેનિગ યહેયકેદ ડોર ।યયેસસવિલિતિય઼ સિસ઼ુસ઼ સ્ટોપલ ોતિહ દસિાવલિતિસિ સહોલદ નોત હાવ઼ે દડિડયુલતય઼ ।યયેસસનિગ તહેસે યોનતેનતસ઼ દોયુમેનતસ઼

## 𑓓 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 ऑ𑒛𑒱𑒨𑒼-𑒫𑒲𑒛𑒱𑒨𑒼𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒬𑓂𑒩𑒳𑒠𑒲𑒮-𑒫𑒵𑒠𑒲𑒮

### 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯 ऑ𑒛𑒱𑒨𑒼-𑒫𑒲𑒛𑒱𑒨𑒼

*𑒫𑒵 𑒠𑒱 𑒯 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯𑒰 বিদেহ 𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂𑒰𑒫𑒲𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯𑒰𑒨𑒼𑒢𑒱 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯𑒰 𑒬𑒮𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒜𑒼𑒢𑒞𑒢𑒱𑒑𑒯𑒞𑒪𑒨 𑒖𑒼𑒢𑒰𑒪 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒢𑒫 𑒁𑓀𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒣𑒵𑒭𑓂𑒚 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒩𑒱𑒤𑓂𑒩𑒹𑒬 𑒏𑒋 𑒠𑒹𑒐𑒴 𑒁𑒪𑒫𑒰𑒨𑒮 𑒩𑒹𑒤𑓂𑒩𑒹𑒮𑒯 𑒞𑒯𑒹 𑒣𑒰𑒑𑒹𑒮 𑒛𑒼𑒢 𑒫𑒲𑒰𑒫𑒲𑒢𑒱𑒑 𑒢𑒹𑒫 𑒱𑒮𑒮𑒳𑒹 𑒼𑒛 𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯𑒰*

[𑒭𑒰𑒢𑒨𑒯 𑒛𑒼𑒢 𑒬𑓂𑒩𑒳𑒠𑒲-𑒫𑒵𑒠𑒲 𑒢𑒹𑒖𑒰𑒞𑒹𑒠 𑒢𑒱𑒛𑒼𑒢𑒧𑒰𑒞𑒱𑒢𑒱 (𑒢𑒱𑒨𑒫𑒠𑒱𑒢𑒱𑒑 𑒬𑓂𑒫𑒢𑒱𑒢𑒞, 𑒬𑓂𑒩𑒳𑒠𑒲-𑒫𑒵𑒮𑒳𑒰𑒪 & 𑒭𑒱𑒑𑒢 𑒛𑒰𑒢𑒑𑒳𑒰𑒑𑒹) 𑒢𑒹𑒖𑒰𑒞𑒢𑒱𑒑 𑒞𑒼 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱]

[𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒫𑒲𑒏𑒮𑓂𑒑𑒼𑒼𑒑𑒪𑒹𑒨𑒼𑒧𑓂]

"𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯𑒰" 𑒬𑒮𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒜𑒼𑒢𑒞𑒢𑒱𑒑𑒯𑒞𑒪𑒨 𑒖𑒼𑒢𑒰𑒪 𑒬𑓂𑒩𑒢𑒨𑒯𑒫𑒱 𑒹𑒛 𑒬𑓂𑒩𑒳𑒠𑒲𑒮-𑒫𑒵𑒠𑒲𑒮 '𑒫𑒵𑒠𑒱𑒯' 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 ऑ𑒛𑒱𑒨𑒼-𑒫𑒲𑒛𑒱𑒨𑒼 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 ऑ𑒛𑒱𑒨𑒼-𑒫𑒲𑒛𑒱𑒨𑒼𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢 (𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒞𑓁 𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑒰𑒨𑒱𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒋𑒏𑒹𑒛𑒧𑒱𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒪𑒹𑒪)ऑ𑒛𑒱𑒨𑒼-𑒫𑒲𑒛𑒱𑒨𑒼 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒥𑒣𑒩 𑒪𑒱𑒏𑒹 𑒏𑓂𑒪𑒱𑒏 𑒏𑒩𑒴। 𑒜𑒼𑒢 𑒫𑒲𑒰𑒫𑒲𑒢𑒱𑒑 𑒳𑒠𑒲𑒮-𑒫𑒵𑒠𑒲𑒮 𑒨𑒪𑒱𑒏 𑒞𑒯𑒹 𑒹𑒮𑒣𑒹𑒨𑒞𑒫𑒱 𑒪𑒱𑒢𑒏𑒮𑓂

.

### 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒮𑒦 𑒖𑒰𑒞𑒱 𑒂 𑒡𑒩𑓂𑒧𑒏 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩, 𑒪𑒼𑒏𑒑𑒲𑒞 𑒂 𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩 𑒑𑒲𑒞 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨: 𑒅𑒧𑒹𑒬 𑒧𑓀𑒛𑒪)

𑓑 𑓒 𑓓 𑓔 𑓕 𑓖 𑓗 𑓘 𑓙 𑓑𑓐 𑓑𑓑 𑓑𑓒 𑓑𑓓 𑓑𑓔 𑓑𑓕 𑓑𑓖 𑓑𑓗 𑓑𑓘 𑓑𑓙 𑓒𑓐 𑓒𑓑 𑓒𑓒 𑓒𑓓 𑓒𑓔 𑓒𑓕 𑓒𑓖 𑓒𑓗 𑓒𑓘 𑓒𑓙 𑓓𑓐 𑓓𑓑 𑓓𑓒 𑓓𑓓 𑓓𑓔 𑓓𑓕 𑓓𑓖 𑓓𑓗 𑓓𑓘 𑓓𑓙 𑓔𑓐 𑓔𑓑 𑓔𑓒 𑓔𑓓

.

## ગુવાહાટી વિદ્યાપતિ પર્વ ૨૦૧૦

પહિલ ભાગ દોસર ભાગ તેસર ભાગ ચારિમ ભાગ પાઁચમ ભાગ

## ગુવાહાટી અન્તર્રાષ્ટ્રીય મૈથિલી સમ્મેલન આ વિદ્યાપતિ પર્વ ૨૦૧૧

૦૧ ૦૨ ૦૩ ૦૪ ૦૫ ૦૬ ૦૭ ૦૮ ૦૯ ૧૦ ૧૧ ૧૨ ૧૩ ૧૪ ૧૫ ૧૬ ૧૭ ૧૮ ૧૯ ૨૦ ૨૫ ૨૬ ૨૭ ૨૮ ૨૯ ૩૦ ૩૧ ૩૨ ૩૩ ૩૪ ૩૫ ૩૬ ૩૭ ૩૮ ૩૯ ૪૦ ૪૧ ૪૨ ૪૩ ૪૪ ૪૫ ૪૬

•

## મૈથિલી શ્રુતિ

મમતા ગાબય ગીત (સૌજન્ય- ષારેગામા)

કન્યાદાન (સૌજન્ય- ભારદ્વાજ)

## માતિહિલિ મોવીસિ ોન ઢેનત

ભારદ્વાજ

ગામક ઘર

ચુરન

## ચૌવટિયા (સૌજન્ય- ધીરેન્દ્ર પ્રેમર્ષિ)

ચૌવટિયા

## સૌભાગ્ય મથિલિ

છછકા પાગ ભાગ-૧

છછકા પાગ ભાગ-૨

•

**મનિાપ-૧**

વુયપિાન છૌડા શ્રા નાક્ષસ

**મનિાપ-૨**

ભાગ-૧ ભાગ-૨ ભાગ-૩ ભાગ-૪

•

ઘ્છવ્ઢથ ભહશ્રષહશ્ર ષશ્રઘ્ઘશ્રમ

ઘ્છવ્ઢથ (માતિહવિ-એનાગવસિહ-હનિદિ છોનવેનસાતીનિસ)

**પં ઉક્ષ્મીપતિ સિંહ (સૌળણ્ય નમાણણ્દ હ્રા "નમામ")**

હનિ્દી-મૈથિલિ-શકિ્ષક

મૈથિલિ-હનિ્દી વાનતાવપ (૩ ઘણ્ટા)

મૈથિલિ (મૈથિલિ સંકેત ભાષા સહતિ- મૈથિલિમે પહવિ વેન)

હતપસ઼ીપુતવેયોમ૰વાદિહ઼ો ળુનણાવ

હતપસ઼પુતવેથેવુછ-વનષસ૮

હતપસ઼ણયેનતણયિનિવસ-૨૦૨૧પહપ

પ્યાને મૈથિલિ ચૈનવ- કવિઘ ચૌયની શ્રા સંગીતા શ્રાનણ્દ

મથિલિાગ વિક તંગા

મથિવિા ચૈપટન

પ્યસિ્સા-પહિલી નેતા જુટકા છછ

મનિાપ

મૈવેતંગા

મથિિંગાન

જંગામિા

મૈથિિ ંગાંય

ક્ોકિિ મંય

મથિિ દ્શન

મથિિ મિિ1

સ્મૃા િ ટટ ટ ટ

જાપદ્ શ્ોય

શ્ય  ય ત1

નો મ મૈથિિ

મૈથિિ ગંગા

મથિિ ંક્શન

મૈથિિ ક્  ાસ

મૈથિિ સમાયા1 ( ના ટ િવિ )

મૈથિિ ટૉક્સ

શ્પ્પન ટ વી

ટવી ટુ ,   કપુ1

દૃશ્યમ મી ડ યા

સંસ્કા1 મથિિ

સાપગામા મૈથિિ

ગવ઼૧સ મીડિયા

ળ્યોતિ ઍંટ૧ટેનમેંટ

૨ળોનિયા શ્ઠિમ્સ

શ્રયોધ્યાનાથ ચૌધ૧ી

ઞેડિયો ળનકપુ૧

મથિલિ ટીવી

મધુ૧ મૈથિલિ

મૈથિલિ-નેપાળિ સોધ્ય

શ્રપન મૈથિલિ

મૈથિલિ પાઠ

સુ૧ેન્દ્૧ ૧ાઉત

મથિલિંચલ

શ્રમિત દા

પ્૧વેશ મલ્લિક

શ્રાદિત્ય શ્ઠિમ્સ પ્ણ્ડ મ્યૂળિક

નેપાલ ટેલિવિળન

શ્રાકાશવાણી મૈથિલિ સમાચા૧

શ્રાકાશવાણી શ્રમૃત મહોત્સવ

૧શ્મિ દત્ત

પ્૧યિા મલ્લિક

શ્નામિકા ઢા

૧શ્ક કટ્સ, ળચકિળ

કુઞ્ળ વહિ૧ી

૧ામ વાવૂ ઢા

વ઼ી ળે઼, વ઼કિાસ ઢા

નિહ઼િન મથિળિ

શ્રાર ઊવ઼ મથિળિ

ળેક કળ કેળ્દ્ર૧

૧ળી પઊઊવ઼ી

પૂળમ મશ્રિ૧

ંળળા ઢા

ળૂળી ઢા

મૈથળિ ડાકુ૧

શ્નુપમ મશ્રિ૧ પૉડકાસ્ટ એપીસોડ ૪૦ કી૧્નિાથ ઢા

વ઼ૂઊમ ઊારવ્ધે૧ી મૈથળિ

શ્ન૧પિળ શ્રાઉમ્નેશળ

શ્ન૧ાનહામ ળૌકસ માનિહળિ ષનો૧ચ઼ૌાવ઼ે૧

મૈથળિ ઑડિયો વુકસ

વ઼િદેહ ઢેદ શ્રળેદ થાઊકનિાગ માનિહળિ શ્રદાિ ળૌકસ (નિયઉદનિાગ માનિહળિ ષગિાળ ડ઼ાળ્ગુાગે- ૪સાન નમિ નિ માનિહળિ)

[illegible] (મસાઈ કે૧ પ૧ાવિ઼્નળકાિ ગેવેકા)

<u>હ૧૧પસ:વ૭ીમ૭વિ૧ા૧યો૧ગ્પ૭ાયે૧પ૩સદ્દૈ૪ગથિ</u> (યહ હમ ન઼ ઠીક છી ને!)

<u>હ૧૧પસ:વ૭ીમ૭વિ૧ા૧યો૧ગ્પ૭ાયે૧૭ીર્દપ૫દ૬ઘમો</u> (એકટા નીક દનિ)

<u>હ૧૧પસ:વ૭ીમ૭વિ૧ા૧યો૧ગ્પ૭ાયે૧વર૭પૌસશછપ</u> (ઘ૧ સ૪)

<u>હ૧૧પસ:વ૭ીમ૭વિ૧ા૧યો૧ગ્પ૭ાયે૧દશ્વ૭છ૦ઙ્ઘ૧ગ૭</u> (કી શ્રહઁ એ યડ઼િ સ૪કેઁ દેખ્ને છી?)

<u>ળાનકી એશ્હ઼એમ સમાયા૧</u>

<u>શ્રાકાશવાણી દ૧ભંગા પૂ ટ્યૂવ ચૈન૭</u>

<u>૨ ડોવે મ૧િહિ૭િ</u>

<u>ોન૭નિ મા૧િહિ૭િ ળુ૧ના૭</u>

<u>ૌતૈ૧ ૨ ડોવે મ૧િહિ૭િ</u>

.

વ઼ૃપ્ષેશ ચન્દ્૧ ૭ા૭, ળનકપુ૧ક સૌળન્યસઁ

<u>દ્દિયા</u>

<u>ઢો૭-પપિહિ</u>

પવનકાન્ત દા (કાશ્યપ કમ૭), ૪ટસમિ૧િ, મયુવનીક સૌળન્યસઁ

<u>૧સનચૌકી</u>

.

**વ઼દ્યાપ૧િ ગી૧**

<u>૧ૂ૭કિ઼ા</u>

**ગી૧-ગોવિન્દદાસ (ગાયન દીક્ષા ૪ા૧ની)**

<u>ગોવિન્દદાસ-૧</u>

गोविन्ददास-२

गोविन्ददास-३

गोविन्ददास-४

गोविन्ददास-५

गोविन्ददास-६

•

**मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर, गायन दीक्षा भारती)**

बहरे मुतकारिब

गजल-२

गजल-३

गजल-४

•

७१म सगर राति दीप जरए (०२ अक्टूबर २०१०), गाम बेरमा , जिला मधुबनी (संयोजक- जगदीश प्रसाद मंडल)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५ भाग-६

८२ म सगर राति दीप जरए, स्थान- गजेन्द्र ठाकुर जीक निजि आवास, गाम- मेंहथ, जिला- मधुबनी। दिनांक- ३१ मई २०१४ (शनि दिन), समय- संध्या छह बजेसँ। गोष्ठीक नाओ- कथा बौद्ध सिद्ध मेंहथपर सगर राति दीप जरए। आयोजनक खेप- ८२ म आयोजन, संयोजक- गजेन्द्र ठाकुर। विशेषता- बाल साहित्यपर केन्द्रित।

•

મૈથિલી-૧ (સૌજન્ય- પ્રકાશ ઝા)

ગયકિતાક એક છઠ ગાળા - ભાગ-૧

ગયકિતાક એક છઠ ગાળા - ભાગ- ૨

કાઙક ઠેક- મહેન્દ્ર મંઠગાયિા ભાગ-૧

કાઙક ઠેક- મહેન્દ્ર મંઠગાયિા ભાગ-૨

મૈથિલી-૨

કોસી સેમીનાર ૧૨ સિતમ્બર ૨૦૦૮ ભાગ-૧

કોસી સેમીનાર ૧૨ સિતમ્બર ૨૦૦૮ ભાગ-૨

.

મિથિલિંગાન

વિદેહ મૈથિલી નાટ્ય ઉત્સવ

યૂ ટ્યૂબ લિંક

વિદેહ મૈથિલી સાહિત્ય નાટ્ય કવિતા પરિચર્યા ઉત્સવ

વિદેહ સમાનાન્તર સાહિત્ય અકાદેમી સમ્માન સમારોહ

જનકપુર- વિદ્યાપતિ પર્વ

જિતેન્દ્ર ઝા, જનકપુર

રામભદ્ર

સામા ચકેવા ૧

સામા ચકેવા ૨

મૈથિલી કવિ સમ્મેલન (મિથિલા કલ્ચરલ ઑર્ગેનાઇઝેશન, યૂકે)

रिपिव्ठकि ठे २००८ (भारत)

सगर राति दीप जरय, कविपुर, जून २०१०

भाग-१ भाग-२

कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७

प्रबोध सम्मान: राजमोहन झा

*(सम्पादककेँ वीयमे ई जाउ अइठाक बाद राजमोहन झासँ विनीत उत्पलक साक्षात्कार छन्हि)*

साहित्य अकादमी पुरस्कार: मन्त्रेश्वर झा

मिथिलाक खोज

१गौरीशंकर

भाग-१ भाग-२

२ वाइसी-बसैठी

वृक्षकृत्य

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबिटैट सेन्टर भारतीय भाषा महोत्सव

*षामानवाय २-४ नोवेम्बेर २०१२ इन्दिअन लान्गुअगेस' फेस्तिवल वेनु: इन्दिअ हबितत चेन्त्रे, लोधि रोअद, नेव देल्हि -- ११० ००३*

*३१म नवम्बर २०१२ मैथिली- डेवे'स श्रौन डानगागे भगवानक मिसिम नि मैथिलि स्टेज-ह्योतिसिहौन मोन-भगवानक वदियापाति*

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९ भाग-१०

भाग-११ भाग-१२

*२८म नवम्बर २०१२ ऊगाना ढे- भय पहोवना मानायान (स्टेज-ह्योतिसिहौन मोन भगवानक वदियापाति'सि डडि एपसिोदे)*

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८

७५म सगर राति दीप जरय मे मुन्नाजीक पहिल विहनि कथा पोस्टर प्रदर्शनी

मिथिलाक मूडन- (रसनचौकीक स्वरक संग)

हृदयनारायण झा

भाग-१ भाग-२ भाग-३

रतन चौधरी आ हरी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४ भाग-५

भाग-६ भाग-७ भाग-८ भाग-९

ललित राग आ हरी मिश्र (तबला)

भाग-१ भाग-२ भाग-३

दीक्षा भारती

भाग-१ भाग-२ भाग-३ भाग-४

सुषमा

<u>બટગામની</u>

<u>નન્દ કુમાર મિશ્રક ગાજલ પાઠ</u>

નન્દ કુમાર મિશ્ર જીક કવિતા પાઠ

<u>ભાગ-૧</u> <u>ભાગ-૨</u>

મૈથિલી- ભોજપુરી અકાદમી, નઈ દિલ્લી

<u>ભાગ-૧</u> <u>ભાગ-૨</u> <u>ભાગ-૩</u> <u>ભાગ-૪</u> <u>ભાગ-૫</u>

*મૈથિલી- ભોજપુરી અકાદમી, નઈ દિલ્લી સેમીનાર ૨૯ માર્ચ ૨૦૦૯*

<u>ભાગ-૧</u> <u>ભાગ-૨</u> <u>ભાગ-૩</u> <u>ભાગ-૪</u> <u>ભાગ-૫</u>

<u>ભાગ-૬</u> <u>ભાગ-૭</u> <u>ભાગ-૮</u> <u>ભાગ-૯</u>

*મૈથિલી- ભોજપુરી અકાદમી, દ્વારકા, નઈ દિલ્લી સેમીનાર*

<u>ભાગ-૧</u> <u>ભાગ-૨</u> <u>ભાગ-૩</u> <u>ભાગ-૪</u> <u>ભાગ-૫</u>

<u>ભાગ-૬</u>

•

વિદેહ સમ્માન: **<u>સમ્માન-સૂચી</u>** (સમાનાન્તર સાહિત્ય અકાદેમી, સમાનાન્તર લલિત કલા અકાદેમી આ સમાનાન્તર સંગીત-નાટક અકાદેમી સમ્માન પુરસ્કાર નામસઁ વિખ્યાત)

•

## મૈથિલીક વર્તની

૧

મૈથિલીક વર્તની- વિદેહ મૈથિલી માનક ભાષા આ મૈથિલી ભાષા સમ્પાદન પાઠ્યક્રમ

## 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒣𑒰𑒏

२

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡𑒞𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒋𑒏𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 𑒦𑒧𑒁𑒚𑓐𑓐𑓑 𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒱𑒞 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒋𑒏 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒅𑒢𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒢𑒙𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒾𑓀, 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒨𑒞𑓂𑒩 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒃 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒖𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒩 𑒂𑒮𑒰𑒢-𑒮𑒼𑒗𑒑𑒩 𑒠𑒼𑒮𑒩-𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒏𑒩𑒟𑒱।

[illegible] 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 **𑒦𑒧𑒁𑒚-𑓐𑓐𑓑**

**𑒁𑒣𑒢 𑒧𑓀𑒞𑒫𑓂𑒨** ggajendra@videha.com **𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰𑒅।**

## ४મૈથિલી શિશુ, બાલ આ કિશોર સાહિત્ય માનિહિલિ છહિલિદેન ડ઼તિનાનુ

### વ઼દિહ શિશુ, બાલ આ કિશોર ઉત્સવ

*વ઼ દિ હ વ઼દિહ વ઼દિહા વિદેહ હાાતપ઼ૌીવ઼દિહ઼યોનિ વ઼દિહ પ્નથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્નિકા વ઼દિહા ઈસત માનિહિલિ ઢોનાનગિહાલ્ય `ળુનાલ વ઼દિહ પ્નથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્નિકા નવ઼ અંક દેખ્બાક લેલ પ઼ ષ્ડ સમર્ક નસ્તિનેશ કએ દેખૂ અલીય઼સ નેડનેસહ તહે પાગેસ ડેન વ઼ૌનિગા નૌ સિસુ ાડ વ઼ઈયએહશ્ર*

[ષાનયહ ડેન છહિલિદેનેન ડતિનાનુ (નિયલુદનિગ અુદી-વ઼સિુલ & ષગિન ડ઼ાનગુાગે) નેલાતનિગા તો મતિહલિ્ માતિહલિ](#)

હાાતપસ્:વ઼ૌીકસ઼ગૌાગ઼લ્યોમ્

વ઼દિહા અનયહવિ઼ ાડ માનિહિલિ છહિલિદેનેન ડ઼તિનાનુ વ઼દિહ મૈથિલી શિશુ, બાલ આ કિશોર સાહિત્ય઼ક આત્કારવ઼ (પૂત્નાતઃ અવ઼્ય઼વ઼સાય઼ક ઉદ્દેશ્ય઼ આ માત્ન એકેડમિક પ્નય઼ોગ લેલ) સબ પોથી પ઼ોડ઼ીએસ્ ડાઉનલોડ લેલ ક્નમાનુસાન નીચાઁક લિક સબપન ઉપલવ્ધ અછિ। અલલ તહે વ઼ીકસ ાને ાવ઼ાલિવલ ડેન પદડ દૌનલાદ ાત તહે નેસપેયતાવ઼િ લિનિકસ વેલૌ

- 

[ાાછએઢથ બાહઅષહઅ ષઅાાઘઅમ](#)

[ાાછએઢથ (માનિહિલિ-એનગલિસહ-હનિદિ છોનવ઼નસાતાનિસ)](#)

**પં લક્ષ્મીપતિ સિંહ (સૌળન્ય઼ નમાનન્દ હ્ના "નમાા")**

[હનિ્દી-મૈથિલી-શિક્ષક](#)

[મૈથિલી-હનિ્દી વ઼ાન્તાલાપ (૩ ઘાાન્ટા)](#)

[મૈથિલી](#) (મૈથિલી સંકેત બાષા સહિત- મૈથિલીમે પહિલ વેન)

[હાાતપસ્:ૌીય઼ુતુવ઼ેયોમ્વ઼દિહ઼`ળુનાલ](#)

[હાાતપસ્:ય઼ુતુવ઼્થેવુછ-લનષસ્ટ](#)

[હાાતપસ્:નયેનત઼નાયિ઼નિ્વસ-૨૦૨઼૧પહ૫](#)

**[વ઼દિહ મૈથિલી શિશુ ઉત્સવ઼](#)**

*કથા વૌદ્ય સદ્દિય મેહથપા (વાલ સાહિત્ય કેન્દ્રાતિ) મેહથમે મેલ ૮૨ મ સગરા નાતિ દ્વીપ ળાયમે પડતિ કથા સમક સંકલન*

<u>**કથા વૌદ્ય સદ્દિય મેહથપા**</u>

<u>**નેના ભુટકાકેઁ નાતમિ સુનેવા બાલ કથિ લોકકથા**</u>

**ભોલા લાલ દાસ (શ્રાન્કાશ્વ ઙોટ ક ોમ)**

<u>મૈથિલી સુવોધ વ્યાકરણ</u>

**ઙૉ. રમાનન્દ ઝા 'રમણ' (સૌળન્ય- રમાનન્દ ઝા "રમણ")**

<u>નાળૂ શ્રા ટાકાક ગાછ (શ્રનુવાદ)</u>

**યોગેન્દ્ર પાઙક "વિયોગી" (સૌળન્ય- યોગેન્દ્ર પાઙક "વિયોગી")**

<u>વૈજ્ઞાનિક વતકહી</u>

<u>વૈજ્ઞાનિક વતકહી ભાગ-૨</u>

<u>નાક વળિય (સમ્પૂર્ણ)</u>

<u>નાક વળિય (સંશોધિત)</u>

<u>હમર ગામ (વાલ ઉપન્યાસ)</u>

<u>પરિમાણિક દેશમે</u>

<u>નેવોટ (શ્રનૂદિત સાઇંસ-ફિક્શન નાટક)</u>

**રામભેયન ઠાકુર (સૌળન્ય- રામભેયન ઠાકુર)**

<u>મૈથિલી લોકકથા</u>

**કીર્તિનાથ ઝા (સૌળન્ય- કીર્તિનાથ ઝા)**

<u>કુરલ: મૈથિલી ભાવાનુવાદ</u>

**ળગદીશ યન્દ્ર ઠાકુર "શ્રનિલ" (સૌળન્ય- ળગદીશ યન્દ્ર ઠાકુર "શ્રનિલ")**

<u>વાલ કવિતા</u>

**મુન્નાળી**

<u>તીન ટા વાલ નાટક (મૈથિલી વાલ સાહિત્ય)</u>

<u>ખુરલુચ્યી (મૈથિલી વાલ કવિતા- વાલ સાહિત્ય)</u>

**દેવાંશુ વત્સ**

નતાશા -મૈથિલી બાલ ચિત્રશ્રૃંખલા (કૌમિક્સ)

**જગદાનન્દ ઝા "મનુ" (સૌજન્ય- જગદાનન્દ ઝા "મનુ")**

ચોનહા (બાલ ઉપન્યાસ)

**જગદીશ પ્રસાદ મણ્ડલ**

તરેગન (બાલ પ્રેરક વિહનિ કથા સંગ્રહ)

નૈ ધાડૈએ (બાલ ઉપન્યાસ)

**નન્દ કુમાર મિશ્ર 'નન્દ' (સૌજન્ય- નન્દ કુમાર મિશ્ર 'નન્દ')**

સ્વર્ણિમ કમલ (બાલ ઉપન્યાસ)

**વૃષેશ ચન્દ્ર લાલ (સૌજન્ય- વૃષેશ ચન્દ્ર લાલ)**

ઢોલક (બાલ કવિતા સંગ્રહ)

**સુજીત કુમાર ઝા (સૌજન્ય- સુજીત કુમાર ઝા)**

કોશી ઘૂરિ આઉ (બાલ લઘુ-વિહનિ કથા સંગ્રહ)

**ડૉ શશિધર કુમર**

ઉડ઼િ જે સકી પર ચઢ઼િ છી હમ (ભાગ ૧-૨) (પૃ ૧૦૫૪-૧૦૮૫)

ખિસ્સા અમ્ટાર્કટકિ કેર (પૃ ૧૦૫૪-૧૦૮૫)

બાલ કવિતા (પૃ ૯૯૩-૧૨૧૫)

બાલ કવિતા (પૃ ૧૦૦૪-૧૧૭૩)

સચિત્ર બાલ કવિતા (પૃ ૭૪૭-૮૩૪)

સચિત્ર બાલ કવિતા (પૃ ૧૪૬૮-૧૮૫૧)

**ડૉ શશિધર કુમર આ સુપ્રિયા દેવી કુમારી**

ભૂકમ્પ (પૃ ૬૩૮-૬૭૪)

**કનકમણિ દીક્ષિત (મૂલ નેપાલીસઁ મૈથિલી અનુવાદ રૂપા ધીરૂ આ ધીરેન્દ્ર પ્રેમર્ષિ, બાલ સાહિત્ય) (સૌજન્ય- ધીરેન્દ્ર પ્રેમર્ષિ)**

ભગતા બેઙક દેશ-ભ્રમણ

**આમિતા સહિ (સૌજન્ય- નચિકેતા)**

શિશુ ગીત ખેલ

**कल्पना झा (सौजन्य- कल्पना झा)**

नशामुक्ति हेतु गाबी गीत

ननियाँ

**मुन्नी कामत (सौजन्य- मुन्नी कामत)**

युक्ता (बाल कथा संग्रह)

**प्रीति ठाकुर**

गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा -पहिल मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मैथिली चित्रकथा (बाल साहित्य)

मिथिलाक लोकदेवता (बाल साहित्य)

विद्यापतिक पुरुष परीक्षा (बाल साहित्य)

रेस (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

ए बी सी डी- प्रक◌ृतिक अक्षर पोथी (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

सबा प्यासल अछि (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बो म्याउ बाह (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

१५ सबा (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०६) छोट आ पैघ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(०७) माल-जाल आ जानवर देखि देखू (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

(१७) हमर परिवार (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

जानवर (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

पोथी १३: १२३ (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

बाजाक अवाज (अनुवाद- बाल चित्रकथा)

**नीतू कुमारी**

मैथिली चित्रकथा ( बाल साहित्य)

**नीता झा (सौजन्य- नीता झा)**

बिलाड़ि मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

**કનિમ્મ ચૌધરી** (શ્રનૂદિત સચિત્ર મૈથિલિ વાલ કથા)

હમર વાલ-વાડી

શ્રાયા ક઼ૉકપિટિ મે

દીપા કરમાકર- સહી સંતુલન મે

ઘંગલ મે શ્રહાઁક સ્વાગત શ્રછિ

વૃહેલ છથિ શ્રાકાશ મે

જૈયા કે મુસ્કાન કે ચોરીલક

વીળ સંચયક

શ્રચંજાનિ કરય "શ્રવિરોનાચી"

શૌચાલયક પ્રિસ્સા

લાલ વરસાતિ

ગુલ્લીક ભાદુરે પેટી

સમીરાક વૃક્ષિડ જોળન

વિવાહ મે ભાઈ છી

**પ્રરિયંકા દા** (શ્રનૂદિત સચિત્ર મૈથિલિ વાલ કથા)

હમર માઁછ! જે હમર માઁછ!

**નશ્મા પ્રરિયા** (શ્રનૂદિત સચિત્ર મૈથિલિ વાલ કથા)

કૈયો સકૈ છી, નહિયો કડ સકૈ છી

**સુનીતા ઠાકુર** (શ્રનૂદિત સચિત્ર મૈથિલિ વાલ કથા)

વામ્ટી શ્રા વવલી

**નીલિમા ચૌધરી** (શ્રનૂદિત સચિત્ર મૈથિલિ વાલ કથા)

હમર સજાસઁ નીક સંગી

**स्वास्तिका ठाकुर** (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

गप्पू बुते नायक नै होइ छै

**तूलिका** (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

हमरा ओ चाहि!

**मयूलिका मिश्र** (अनूदित सचित्र मैथिली बाल कथा)

ओंघाइत भीमा

**लक्ष्मी ठाकुर**

जानवर सब संगे भेंट-घाँट

**पूनम मण्डल**

सुतै कालक खिस्सा

**गजेन्द्र ठाकुर**

**बाल साहित्य (मूल)- गजेन्द्र ठाकुर**

बाल मण्डली किशोर जगत (बाल नाटक, लघुकथा, कविता आदि)

[illegible]

जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)

अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)

बाड़क बड़ौना (बाल-पद्य संग्रह)

जड़ जाएब छू (मैथिलीक २०१२ मे प्रकाशित पहिल क्लाइमेट-फिक्शन [illegible] [illegible] २०१२)

कमलाक जगता

[illegible]

बेसी छुट्टी कम स्कूल

बड़द कऐए डाउन ने यौ

बाल गजल

स्निग्धि लाइन

**बाल साहित्य (अनुवाद- द्विभाषिक- मैथिली-अंग्रेजी)- गजेन्द्र ठाकुर**

मसाई केर पर्यावरणकारी लेखिका

सुनू

घर सजा

एकटा नीक दिन

चलू हम तँ ठीक छी ने!

की अहाँ ऐ चिड़ै सजकेँ देखने छी?

टोस्ट

बड़ीटा! कनियेटा!

एतऽ हम सभ रहै छी

भालटोलक राजकुमारी

भालटोलक राजकुमारी (बिनु शब्दक)

बुयो

कच-कच कचाक

चुन्नू-मुन्नूक रहेनाइ

नेना जे बैलूनसँ डेराइत छल

𑒁𑒠𑓂𑒦𑒳𑒞 𑒮𑓂𑒫𑒲𑒢𑒰𑒨𑒲 𑒁𑓀𑒏-𑒮𑓀𑒐𑓂𑒨𑒰

𑒯𑒢𑒴

𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒢𑒻, 𑒁𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒢𑒻!

𑒖𑒢𑓂𑒧𑒠𑒱𑒢𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒮𑒫 𑒦𑒼𑒖

𑒧𑒼𑒙 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒣𑒰𑒞𑒩-𑒠𑒳𑒥𑓂𑒥𑒩 𑒏𑒳𑒏𑒳𑒩

𑒥𑒔𑒱𑒨𑒰 𑒖𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒯𑓁𑒮𑒲 𑒢𑒻 𑒩𑒼𑒏𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒱

𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲

𑒯𑒧 𑒮𑒴𑓀𑒒𑒱 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒲

𑒕𑒼𑒙 𑒪𑒰𑒪-𑒙𑒳𑒯𑒙𑒳𑒯 𑒖𑒼𑒩𑒲

𑒏𑒴𑒠 𑒢𑒲𑒏, 𑒦𑒼𑒑𑒴 𑒢𑒲𑒏

𑒃 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳𑒏 𑒠𑒼𑒣 𑒁𑒕𑒱!

𑒨𑒼𑒑𑒰 𑒁𑒰𑒮𑒢!

𑒯𑒧𑒩 𑒙𑒼𑒪𑒏 𑒥𑒰𑒙

𑒖𑒣𑓂𑒣𑒢 𑒩𑒏𑒴 𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪 𑒑𑒹𑒪

𑒧𑒰𑒕𑒲 𑒮𑓂𑒫𑒩 𑒁𑒰𑒅 𑒙𑒰𑒙𑒰!

𑒁𑒧𑒰𑒨𑒲𑒏 𑒖𑒳𑒪𑒳𑒧 𑒧𑒬𑒲𑒢 𑒮𑒦

𑒙𑒑𑒱 𑒙𑒼𑒑

𑒣𑒰𑒅-𑒧𑓂𑒨𑒰𑒆-𑒫𑒰𑒯

𑒏𑒳𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒠𑒱𑒢

હમ્મ્રા નીક લગૈ૯

ગૈΠાક ન્વ-સ્કૂલમે પહિલ દિન

કની હઁસયિ઼ૌ ને!

ઘઘ વ઼ગ્સાΠ

જૂΠ-પ્ગેΠક નાટ્ય઼શાઘ

શ્રાઉ પ૯ગ્ગ ગાની

કΠડ શ્રછિ ઈ શ્રંક પ?

**વ઼િદેહ મૈથિલી-શ્રંગ્ગેળી ટૉકિંગ ગીડ-શ્રઘાઉડ ઑડિયિ઼ૌ વુક**

હΠΠપસ઼:વઘીમઘવિનાનયીનાગપઘીયેનશ્રીયડદડનપછોઙ (મસાઈ કેગ્ગ પગ્વિગ્Πનકાગી ગેવેકા)

હΠΠપસ઼:વઘીમઘવિનાનયીનાગપઘીયેનપઉસહદૈનાગથ (ચઘૂ હમ ΠઁΠ ડીક છી ને!)

હΠΠપસ઼:વઘીમઘવિનાનયીનાગપઘીયેનડગઈપષદહઘનો (૯કટા નીક દિન)

હΠΠપસ઼:વઘીમઘવિનાનયીનાગપઘીયેનવગઘપૈસશછપ (ઘગ્ગ સગ્ગ)

હΠΠપસ઼:વઘીમઘવિનાનયીનાગપઘીયેનદશ્રડછઙ્ગવΠઙ (કી શ્રહાઁ ૯ ચડિ઼ સગકેઁ દેપ્પને છી?)

**ગળેન્દ્ગ ડાકુગ્ગ (સમ્પાદન)**

વ઼િદેહ મૈથિલી શિશુ ઉΠ્સવ઼ [વ઼િદેહ સદેહ ૯]

વ઼િદેહ: સદેહ ૯ Πિગ્હૃΠા

**ગળેન્દ્ગ ડાકુગ્ગ, નાગેન્દ્ગ કુમાગ્ગ ઝા શ્રા પગ્ગીકાગ્ગ વ઼િદ્યાનન્દ ઝા (સમ્પાદન)**

૯નાગલિસહ-માΠિહિલ છોમપુગેગ્ગ ચયિΠિાગ્ગય઼

**ડૉ કમઘ ચૌધગ્ગી (સૌળન્ય઼- કમઘ ચૌધગ્ગી)**

મૈથિલીક વ઼ેશ-જૂષા-પ્ગસાધન સમ્વન્ધી શવ્દાવ઼લી ૨૦૦૮

**ડૉ ય઼ોગાનન્દ ઝા (સૌળન્ય઼- ય઼ોગાનન્દ ઝા)**

મૈથિલીક પાગ્ગમ્પગ્ગિક ળાΠીય઼ વ઼્ય઼વ઼સાય઼ક શવ્દાવ઼લી ૨૦૦૮

**૭ૉ़ ૭૭િતા હ્ા (સૌળ્ય઼- ૭૭િતા હ્ા)**

મૈથિલિક ભોળન સમ્વન્યી શવ્દાવ઼લી ૨૦૧૧

**ગોવ઼િંદ હ્ા ((રઘામ્ઘછ્શ્ર ષતિ શ્રા઼ન્કારવ઼)**

માતિહિલિ-એનગલિસિહ ઘયિતીનાનય઼

**નામદેવ઼ હ્ા (સૌળ્ય઼- શંકનદેવ઼ હ્ા)**

મૈથિલી શવ્દ સંયય઼

**કષ્ઠિ મૈથિલી પોથી ડાઉનલોડ સાસ્ટ (શ્રોપન સોન્સ)**

વ઼દિહ માતિહર્િ ભોકસ્ે હોનલાઉસ્ શ્રુદી-વ઼દી શ્રનયહવિ઼

વ઼ળ્રિઆન નત્નાકન

શ્રોડ્ય ઘ્મેપાઉ'સે -શ્રુસતાકાઉયા

પોથીક લકિ

રઘામ્ઘછ્શ્ર-શ્રષર (સોનયહ કેયૌનદ મતિહિલિ)

હિસિતોનય઼ોડ ઘ્માવ઼યા-ઘ્મયાયા નિ મતિહિલિ

ષતુદેસિ નિ હાનિસિમ ાનદ ભુદદસિમ નિ મતિહિલિ

મતિહિલિ નિ તહે શ્રગોોડ વ઼દિયાપાતિ

છુલતુનાઉ હેનતિગોોડ મતિહિલિ

મતિહિલિુ નદેન તહે ધ્યાનલાતાસ

થેમપલે ષુનવેય઼ શ્રુનોળેયત શ્રષર- એનગલિસિહ શ્રા હિનિદિ

<u>મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન</u>

<u>દર્શનીય મિથિલા</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>જાનેયહુએ ૧</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>જાનેયહુએ ૨</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>જાનેયહુએ ૩</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>જાનેયહુએ ૪</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>જાનેયહુએ ૫</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઇકિ)

<u>વ્રૂમ ઇારવ્રેમી મૈથિલિ</u>

<u>શ્રાપિન શ્રાઉમ્ડેશન</u>

<u>શ્રાણહામ ગોકસ માતિહિલિ ષિતોનપ્રૌવેન</u>

<u>મૈથિલિ ऑડિયો વુક્સ</u>

*<u>વૃદિંશ ઢોદ શ્રણેદ થાઇકનિગ માતિહિલિ શ્રુદી ગોકસ</u> (નિયુઇદનિગ માતિહિલિ ષગિન ડ઼ાનગુાગે- રસાન નમિ નિ માતિહિલિ)*

*<u>પોથી ડૉટ કૉમ</u>*

*<u>પ્રાસ્સિા- પહિની નેના જુટકા ઇઇ</u>*

<u>ળાનકી એશ્રુએમ સમાયાન</u>

*<u>શ્રાકાશવાણી દરમંગા યૂ ટ્યૂવ ચૈનઇ</u>*

•

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢: **𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢-𑒮𑒴𑒔𑒲** (𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒪𑒪𑒱𑒞 𑒏𑒪𑒰 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒂 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓀𑒑𑒲𑒞-𑒢𑒰𑒙𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢𑓂 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞)

## 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲

𑓑

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲- 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 𑒣𑒰𑒚𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧

*𑒦𑒰𑒭𑒰𑒣𑒰𑒏*

𑓒

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡𑒞𑒰 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒰 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒋𑒏𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 [illegible] 𑒦𑒧𑒁𑓘𑓐𑓐𑓑 𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒱𑒞 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒋𑒏 [illegible] 𑒅𑒢𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒢𑒙𑒰 𑒠𑒹𑒪𑒻𑒿, 𑒞𑒐𑒢 𑒨𑒠𑒱 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑓂𑒮𑒲 𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑓖 𑒣𑒩𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒖𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒩 𑒂𑒅𑒙-𑒪𑒰𑒃𑒢 [illegible]-[illegible] 𑒏𑒩𑒟𑒱।

[illegible] *𑒦𑒧𑒁𑓘-𑓐𑓐𑓑*

𑒟𑒯𑒹𑒮𑒹 ।𑒩𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒢𑓂𑒞-𑒼𑒢-𑒠𑒹𑒧𑒰𑒢𑒠 𑒥𑒾𑒏𑒮, 𑒮𑒹𑒢𑒠 𑒨𑒳𑒩 𑒙𑒹𑒩𑓂𑒧𑒮𑒱 𑒞𑒼 <u>𑒠𑒱𑒞𑒲𑒧𑒰𑒃𑒪𑒱𑒮𑒞𑒰𑒅𑒅𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑓐𑒑𑒧𑒰𑒃𑒪𑒱𑒨𑒼𑒧</u> 𑒟𑒯𑒹 𑒥𑒾𑒏𑒮 𑒼𑒅 𑒮𑒼𑒧𑒹 𑒼𑒅 𑒞𑒯𑒹𑒮𑒹 ।𑒩𑒹 ।𑒫𑒰𑒃𑒪𑒫𑒪𑒹 𑒍𑒢 𑒮𑒰𑒪𑒹 𑒼𑒢 𑒑𑒾𑒼𑒑𑒪𑒹 𑒬𑒪𑒰𑒨 [(𑒨) 𑒬𑒥𑒼𑒞 𑒟𑒯𑒰𑒏𑒳𑒩, 𑒮𑒰𑒪𑒹𑒮𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑓐𑒑𑒧𑒰𑒃𑒪𑒱𑒨𑒼𑒧], 𑒮𑒹𑒢𑒠 𑒨𑒳𑒩 𑒙𑒹𑒩𑓂𑒧𑒮𑒱 𑒞𑒼 <u>𑒮𑒰𑒪𑒹𑒮𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑓐𑒑𑒧𑒰𑒃𑒪𑒱𑒨𑒼𑒧</u> 𑒟𑒯𑒹

યોનગેનગસ ।નદ દોયુમેનગસ`-પુવ૭સિહેદ વય઼ વ઼દિહ (સનિયે ૨૦૦૦) ૩૫૫ામ ૨૨૨૯-૫૪૭૩સ વ઼૩યએહશ્ચ (સનિયે ૨૦૦૪) ।મે પેનાદિયિા૭૭ય઼ વેનિગ। યહેયકેદ ૭ોન ।યયેસસવિ૭િ૭િગિય઼ સિસુસ઼ શ્રોપ૭ ૌગિહ દસિાવ૭િગિોસિ સહેુ૭દ નોગ હાવે઼ દિડિડયિુ૭ગય઼ ।યયેસસનિગ। ગહેસે યોનગેનગસ્ દોયુમેનગસ઼

પ઼વ઼દિહ સ્ગ્ની કોના

## 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲 𑒏𑒼𑒢𑒰

*𑒫𑒱 𑒠𑒹 𑒯 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 विदेह 𑒯𑒰𑒞𑒣𑓃𑒾𑒿𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑓃𑒨𑒼𑒢𑒱 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒃𑒮𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒜𑒼𑒩𑒢𑒱𑒑𑒱𑒯𑒰𑒪𑒨 `𑒛𑒳𑒩𑒢𑒰𑒪 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒰𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏 𑒃 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 𑒢𑒫 𑒁𑓀𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒣𑓃 𑒭𑒛 𑒮𑒧𑒏𑒹𑓀 𑒢𑒱𑒠𑓂𑒩𑒹𑒬 𑒏𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒴 𑒁𑒪𑒲𑒨𑒮 𑒩𑒛𑒩𑒮𑒯 𑒞𑒹 𑒣𑒰𑒑𑒹𑒮 𑒛𑒼𑒩 𑒫𑒾𑒢𑒱𑒑 𑒢𑒾 𑒮𑒱𑒮𑒳𑒩𑒛 𑒫𑒃𑒨𑒉𑒯𑒬*

[𑒭𑒰𑒩𑒨𑒯 𑒛𑒼𑒩 𑒁𑒾𑒩𑒏𑒮 (𑒢𑒱𑒨𑒪𑒳𑒠𑒢𑒱𑒑 𑒁𑒳𑒠𑒲-𑒫𑒱𑒮𑒳𑒪 & 𑒭𑒱𑒑𑒱𑒢 𑒛𑒰𑒢𑒑𑒳𑒰𑒑𑒹)]

[𑒩𑒪𑒰𑒞𑒢𑒱𑒑 𑒞𑒼 𑒧𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒫𑒨 𑒜𑒧𑒰𑒪 𑒁𑒾𑒩𑒰𑒞𑒱𑒩𑒮𑓂 𑒁𑒩𑒰𑒞𑒮𑒱𑒞𑒮]

𑒯𑒰𑒞𑒣𑒮𑓂𑓁𑒫𑒾𑒏𑒮𑓃𑒑𑒾𑒑𑒪𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

(𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒞𑓁 𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑒰𑒨𑒱𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒉𑒏𑒹𑒛𑒧𑒱𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒪𑒹𑒪) 𑒮𑒦 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒣𑒲𑒛𑒲𑒉𑒤 𑒛𑒰𑒅𑒢𑒪𑒼𑒛 𑒪𑒹𑒪 𑒏𑓂𑒩𑒧𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏 𑒮𑒦𑒣𑒩 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 𑒁𑒕𑒱 𑒁𑒪𑒪 𑒞𑒹 𑒫𑒾𑒏𑒮 ।𑒩 ।𑒫𑒰𑒪𑒱𑒫𑒪 𑒛𑒼𑒩 𑒣𑒠𑒛 𑒠𑒾𑒢𑒪𑒼𑒠 ।𑒞 𑒞𑒹 𑒩𑒮𑒣𑒹𑒨𑒞𑒱𑒫 𑒪𑒱𑓀𑒏𑒮 𑒫𑒪𑒾

**𑒮𑒣𑓂𑒞𑒳𑒁𑒰𑒫𑒰𑒪𑒲 (𑒢𑒰𑒩𑒲 𑒫𑒱𑒧𑒩𑓂𑒬 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒞) 𑒖𑒣𑒙𑒱𑒨𑒰𑒯𑒲𑒧𑒹 𑒖𑒹𑒪 𑓘𑓓 𑒧 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒠𑒲𑒣 𑒚𑒩𑒨𑒧𑒹 𑒣𑒛𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑒧𑒰𑒏 𑒮𑓀𑒏𑒪𑒢**

𑒮𑒣𑓂𑒞𑒳𑒁𑒰𑒫𑒰𑒪𑒲

**𑒁𑒧𑒩𑒱𑒞𑒰 𑒮𑒯𑒱 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒨𑒏𑒱𑒢𑒰)**

𑒬𑒱𑒬𑒳 𑒑𑒲𑒞 𑒐𑒹𑒪

**𑒩𑒖𑒢𑒲 𑒮𑒯𑒱 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒢𑒨𑒏𑒱𑒢𑒰)**

𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧- 𑒉𑒏 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒢𑒰𑒙𑒏)

**𑒁𑒢𑒳𑒢𑓂𑒨𑒞𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨- 𑒩𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 "𑒩𑒧𑒝")**

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒳𑒭𑒲 𑒧𑒯𑒱𑒪𑒰

**𑒛ॉ 𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲)**

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑓃𑒹𑒬-𑒦𑒴𑒭𑒰-𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒡𑒢 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒰𑒫𑓃𑒪𑒲 २००८

𑒮𑒧𑒨𑓃-𑒮𑓀𑒏𑒹𑒞 (𑒏𑒟𑒰-𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) २०१०

**𑒛ॉ 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒰 𑒗𑒰)**

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒲 𑒬𑒥𑓂𑒠𑒰𑒫𑓃𑒪𑒲 २०११

**𑒮𑒳𑒮𑓂𑒧𑒱𑒞𑒰 𑒣𑒰𑒚𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**

𑒣𑒩𑒱𑒔𑒱𑒞𑒱 (𑒏𑒫𑓃𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

𑒏𑒢𑒼𑒖𑒛𑒱 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒢𑒢𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒣𑒰𑒚𑒏 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒏𑒰𑒢𑒢)**

𑒣𑒰𑒟𑒩𑒏 𑒬𑒯𑒩 (𑒏𑒫𑓃𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒢𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒗𑒰)**

𑒁𑒢𑒳𑒦𑒴𑒞𑒱 (𑒪𑒒𑒳𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)

**𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰)**

𑒑𑒼𑒮𑒰𑒅𑒢𑒱𑒏 𑒑𑒲𑒞
𑒢𑒬𑒰𑒧𑒳𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒯𑒱𑒞 𑒑𑒰𑒫𑒲 𑒑𑒲𑒞
𑒢𑒱𑒢𑒱𑒨𑓃𑒰𑒿
𑒣𑒰𑒨𑓃𑒰𑒫𑒪𑒲- 𑒬𑒹𑒤𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰 (𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒢𑒰 𑒗𑒰)

**𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞 (𑒮𑒾𑒖𑒢𑓂𑒨𑓃- 𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞)**

𑒮𑒳𑒣𑓂𑒣𑒪 𑒧𑒢 𑒞𑒩𑒮𑒪 𑒂𑒿𑒐𑒱 (𑒣𑒠𑓂𑒨𑓃 𑒂 𑒑𑒠𑓂𑒨𑓃)

𑒮𑒳𑒣𑓂𑒣𑒪 𑒧𑒢 𑒞𑒩𑒮𑒪 𑒂𑒿𑒐𑒱 (𑒏𑒫𑓃𑒱𑒞𑒰)

શ્રંતત: (કવિતા સંગ્રહ)

યુક્કા (વાલ કથા સંગ્રહ)

**નીતા દા (સૌજન્ય- નીતા દા)**

વિલર મૌસી (વાલ લઘુકથા સંગ્રહ)

**શેશ્વાલિકા વર્મા (સૌજન્ય- શેશ્વાલિકા વર્મા)**

પાયાવની (પાતમાવ◌તતાનત)

પાયાવની (હિન્દી અનુવાદ- કલ્પના દા)

અમથયુગ (લઘુકથા સંગ્રહ)

એકટા આકાસ (લઘુકથા સંગ્રહ)

જાવાંળલ (ગદ્ય ગીત)

કસ્તિ-કસ્તિ ળીવન (આત્મ કથા)

આપ્પમ-આપ્પમ પ્રીત

નાગાશ્વાંસ (ઉપન્યાસ)

Mાાગપહાનસ (રૂન એનગલિસહ)

**વિજા માની**

વિજા માનીક દૂટા નાટક (જાગ નૌ આ વલયન્દા)

**સુશીલ દા (સૌજન્ય- પ્રમા પેતાન્ સુશીલ દા)**

છિન્નમસ્તા- પ્રમા પેતાનક હિન્દી ઉપન્યાસક મૈથિલી અનુવાદ

**કુસુમ ઠાકુર**

પ્રત્યાવર્તન (આત્મકથા)(પૃ ૪૫૮-૫૭૨)

**ડૉ કામિની કામાયની**

વિદેહ:સદેહ ૩૧ (ડૉ કામિની કામાયની આ કુમાર મનોજ કશ્યપ- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

**પ્રીતિ ઠાકુર**

ગોનૂ ઝા આ આન મૈથિલી ચિત્રકથા -પઢિ મૈથિલી ચિત્રકથા (બાલ સાહિત્ય)
મૈથિલી ચિત્રકથા (બાલ સાહિત્ય)
મિથિલાક લોકદેવતા (બાલ સાહિત્ય)
વિદ્યાપતિક પુરુષ પરીક્ષા (બાલ સાહિત્ય)
ગેસ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
એ બી સી ડી- પ્રકૃતિ અક્ષર પોથી (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
સબ પ્યારા અછિ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
બો મ્યાઉ બાહ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
રઙ સબ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
(૦૬) છોટ આ પૈઘ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
(૦૭) માલ-જાલ આ જાનવર દિસ દેખૂ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
(૧૭) હમર પરિવાર (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
જાનવર (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
પોથી ૧૩: ૧૨૩ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
બાજાક અવાજ (અનુવાદ- બાલ ચિત્રકથા)
પંજી (૧૧૦૦૦ મૂલ મિથિલાક્ષર તાડ઼પત્ર)
૧૧૦૦૦ સ્રઅડમ ડપ્અઠ સ્રઆ॥ઘ્ર ર॥ષછઢ્રસ્રથ્રઆ॥ષ (વ્રઆડઉમપ ર થ્રઆ શશ્રર) છોમપવિદ, ષચાનેદ & છાતાલેગેદ બચ સ્રેતિ થિહાકુર

ગજેન્દ્ર ઠાકુર આ પ્રીતિ ઠાકુર (સમાલોચના)

**નીતૂ કુમારી**

<u>𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏𑒟𑒰 (𑒥𑒰𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨)</u>

**𑒏𑒢𑒱𑒭𑓂𑒏 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲** (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰)

<u>𑒯𑒧𑒩 𑒥𑒰𑒪-𑒥𑒰𑒛𑓃𑒲</u>

<u>𑒂𑒢𑓂𑒨𑒰 𑒏ॉ𑒏𑒣𑒱𑒙 𑒧𑒹</u>

<u>𑒠𑒲𑒣𑒰 𑒏𑒩𑒧𑒰𑒏𑒩- 𑒮𑒯𑒲 𑒮𑓀𑒞𑒳𑒪𑒢 𑒧𑒹</u>

<u>𑒖𑓀𑒑𑒪 𑒧𑒹 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒏 𑒮𑓂𑒫𑒰𑒑𑒞 𑒁𑒕𑒱</u>

<u>𑒥𑒯𑒹𑒪 𑒕𑒟𑒱 𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒧𑒹</u>

<u>𑒧𑒻𑒨𑒰 𑒏𑒹 𑒧𑒳𑒮𑓂𑒏𑒰𑒢 𑒏𑒹 𑒔𑒼𑒩𑒾𑒪𑒏</u>

<u>𑒥𑒼𑒗 𑒮𑓀𑒔𑒨𑒏</u>

<u>𑒁𑒨𑓀𑒖𑒰𑒞𑒱 𑒏𑒩𑒨 "𑒁𑒫𑒱𑒢𑒰𑒔𑒲"</u>

<u>𑒬𑒾𑒔𑒰𑒪𑒨𑒏 𑒣𑒱𑒮𑓂𑒮𑒰</u>

<u>𑒪𑒰𑒪 𑒥𑒩𑒮𑒰𑒞𑒲</u>

<u>𑒑𑒳𑒪𑓂𑒪𑒲𑒏 𑒖𑒰𑒠𑒳𑒃 𑒣𑒹𑒙𑒲</u>

<u>𑒮𑒧𑒲𑒩𑒰𑒏 𑒥𑒏𑒱𑒛𑓃 𑒖𑒼𑒗𑒢</u>

<u>𑒥𑒱𑒫𑒰𑒯 𑒧𑒹 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒲</u>

**𑒣𑓂𑒩𑒱𑒨𑓀𑒏𑒰 𑒗𑒰** (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰)

<u>𑒯𑒧𑒩 𑒧𑒰𑒿𑒕! 𑒢𑒻 𑒯𑒧𑒩 𑒧𑒰𑒿𑒕!</u>

**𑒩𑒬𑓂𑒧𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒨𑒰** (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰)

<u>𑒏𑒹𑒨𑒼 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒲, 𑒁𑒯𑒱𑒨𑒼 𑒏𑓄 𑒮𑒏𑒻 𑒕𑒲</u>

**𑒮𑒳𑒢𑒲𑒞𑒰 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩** (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒪 𑒏𑒟𑒰)

<u>𑒥𑒰𑒪𑓂𑒙𑒲 𑒂 𑒥𑒥𑒪𑒲</u>

**નીઠમિા યૌવની** (શ્રનૂદિ સયતિ્ન મૈથિઠિ વાઠ કથા)

હ્મન સમસઁ નીક સંગી

**સ્વાસ્તિકિા ઠાકુન** (શ્રનૂદિ સયતિ્ન મૈથિઠિ વાઠ કથા)

ગપ્પૂ વુતે નાયઠ નૈ હોર છૈ

**ગૂઠકિા** (શ્રનૂદિ સયતિ્ન મૈથિઠિ વાઠ કથા)

હ્મના શ્રો યાહી!

**મયૂઠકિા મશ્રિન** (શ્રનૂદિ સયતિ્ન મૈથિઠિ વાઠ કથા)

શ્રોઘાશ્ત મીમા

**ઠક્ષ્મી ઠાકુન**

ળાનવ઼ન સમ સંગે જૈંટ-ઘાઁટ

**પૂનમ મામ્ઠઠ**

સુતૈ કાઠક પ્રિસ્સા

કનકમામા દીક્ષિત (મૂઠ નેપાઠીસઁ મૈથિઠી શ્રનુવાદ **નૂપા ધીનૂ** શ્રા ધીનેન્દ્ર પ્રેમન્ષિ વાઠ સાહિત્ય) (સૌળન્ય- ધીનેન્દ્ર પ્રેમન્ષિ)

મગતા વેઠક દેશ-મનમામ

ઠૅ શશધિન કુમન શ્રા **સુપ્નાપ્રિ વેવી કુમાની**
ભૂકમ્પ (પૃ ૬૩૮-૬૭૪)

•

ઠપ્પકક શ્રામંત્નાતિ નચના શ્રા શ્રોરપન શ્રામંત્નાતિ સમીક્ષકક સમીક્ષા સીનીળ

૧ **કામિનીક** પાંચ ટા કવિતા શ્રા શ્રોરપ૧ મયુકાન્ત હ્રાક ટપ્પિણી

વિદિહ_૦૧_૦૮_૨૦૧૬

૩ **મુન્ની કામતક** એકાંકી "ળન્દિગીક મોઉ" શ્રા શ્રોરપ૧ ગળેન્દ્ર ઠાકુરક ટપ્પિણી

વરયએહશ્ર_૩૫૪

**પસુપુઉટી ગીત**

એઙટિન્સ યોરસ સીનીળ-૧

**મીના હ્રા**

એઙટિન્સ યોરસ સીનીળ-૨

ળગદીશ યન્દ્ર ઠાકુર (૩ ટા વાઉ કવિતા ળરમે **૨ ટા કવિતા વેવી યારુઙપ૧**)

એઙટિન્સ યોરસ સીનીળ-૩

.

વિદ્યાપતિ ગીત

**નૂઉકા**

ગીત-ગોવિન્દદાસ (ગાયન **દીક્ષા ઝાનતી**)

ગોવિન્દદાસ-૧

ગોવિન્દદાસ-૨

ગોવિન્દદાસ-૩

ગોવિન્દદાસ-૪

ગોવ઼િન્દદાસ-૫

ગોવ઼િન્દદાસ-૬

મૈથિલિ ગાળ૭ (ગાળ૭- ગાળેન્દ્ર ઠાકુર, ગાય઼ન **દીક્ષા મામની**)

વહ્ને મુ઼ઙ્કાનવિ

ગાળ૭-૨

ગાળ૭-૩

ગાળ૭-૪

પ્ય઼ાગે મૈથિલિ ચૈનલ- **ક઼મિમ ચૌધની શ્રી સંગીતા શ્રાનન્દ**

સૌમ્ય઼ા દ્દા

નશ્મિ દિન્ન

પ્નિય઼િા મલ્લિક

શ્રનામિકા દ્દા

નળની પલ્લવ઼ી

પૂનમ મશ્નિ

ંળના દ્દા

ળૂ઼૭િ દ્દા

દીપશિખા દ્દા

મૈથિલિ ઠાકુર

શ્રનુપમ મશ્નિ પૉડકાસ્ટ

𑒟𑒹𑒮𑒹 𑒂𑒩 𑒣𑒰𑒝𑒱𑒢𑒱-𑒍𑒢-𑒛𑒱𑒧𑒰𑒢𑒠 𑒫𑒼𑒩𑓂𑒏𑒮, 𑒮𑒹𑒢𑒠 𑒨𑒼𑒩 𑒙𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒮𑒱 𑒞𑒼 __𑒠𑒱𑒞𑒼𑒩𑒰𑒮𑒢𑒰𑒛𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒑𑒰𑒧𑒰𑒫𑒱𑒨𑒼𑒧__ 𑒟𑒹 𑒥𑒼𑒏𑓂𑒮 𑒍𑒛 𑒮𑒼𑒧𑒹 𑒍𑒛 𑒞𑒹𑒮𑒹 𑒂𑒩 𑒂𑒫𑒰𑒪𑒰𑒥𑒪𑒹 𑒛𑒼𑒢 𑒮𑒰𑒪𑒹 𑒢 𑒒𑒼𑒑𑒪𑒹 𑒥𑒼𑒏𑓂𑒮 [(𑒨) 𑒥𑒹𑒩𑒞 𑒟𑒹𑒯𑒰𑒏𑒳𑒩, 𑒮𑒰𑒪𑒹𑒮𑓂𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒑𑒰𑒧𑒰𑒫𑒱𑒨𑒼𑒧], 𑒮𑒹𑒢𑒠 𑒨𑒼𑒩 𑒙𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒮𑒱 𑒞𑒼 __𑒮𑒰𑒪𑒹𑒮𑓂𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰𑒑𑒰𑒧𑒰𑒫𑒱𑒨𑒼𑒧__ 𑒟𑒹 𑒨𑒼𑒢𑒞𑒹𑒢𑒞𑒮 𑒂𑒢𑒠 𑒠𑒼𑒨𑒳𑒧𑒹𑒢𑒞𑒮-𑒣𑒳𑒫𑒪𑒱𑒮𑒯𑒹𑒠 𑒥𑒨 __𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒰__ (𑒮𑒱𑒢𑒱𑒨𑒹 𑓒𑓐𑓐𑓐) 𑒃𑒮𑒮𑒢 𑓒𑓒𑓒𑓙-𑓕𑓔𑓗𑒏𑓂𑒭 𑒫𑒃𑒠𑒋𑒯𑒰 (𑒮𑒱𑒢𑒱𑒨𑒹 𑓒𑓐𑓐𑓔) 𑒂𑒩 𑒣𑒹𑒩𑒱𑒠𑒱𑒨𑒰𑒪𑒪𑒨 𑒥𑒱𑒢𑒑 𑒨𑒹𑒨𑒏𑒹𑒠 𑒛𑒼𑒢 𑒂𑒨𑒹𑒮𑒮𑒫𑒱𑒪𑒱𑒞𑒱𑒨 𑒮𑒱𑒮𑒳𑒮 𑒥𑒼𑒣𑒪𑒹 𑒞𑒰𑒞𑒱𑒯 𑒠𑒱𑒮𑒰𑒫𑒪𑒱𑒞𑒱𑒮𑒱 𑒮𑒯𑒼𑒪𑒠 𑒢𑒼𑒞 𑒯𑒰𑒫 𑒠𑒱𑒛𑒛𑒱𑒨𑒳𑒪𑒞𑒨 𑒂𑒨𑒹𑒮𑒮𑒱𑒢𑒑 𑒞𑒹𑒮𑒹 𑒨𑒼𑒢𑒞𑒹𑒢𑒞𑒮𑓂 𑒠𑒼𑒨𑒳𑒧𑒹𑒢𑒞𑒮𑓃

# 𑒠𑓃 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒄-𑒪𑒩𑓂𑒢𑒱𑒑

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒄-𑒪𑒩𑓂𑒢𑒱𑒑




[𑒮𑓀𑒒 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒑𑓂 𑒥𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒑𑒏 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒁𑒢𑒱𑒫𑒰𑒩𑓂𑒨 𑒂 𑒋𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏) 𑒂 𑒂𑒢 𑒋𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒂 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒢𑓂𑒨 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 (𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒧𑒰𑒡𑓂𑒨𑒧) 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲] [𑒋𑒢𑒙𑒲𑒋- 𑒨𑒴𑒖𑒲𑒮𑒲-𑒢𑒹𑒙-𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒮𑒹𑒯𑒼]

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲

𑓑

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲- 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 𑒣𑒰𑒚𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧

<u>𑒦𑒰𑒭𑒰𑒣𑒰𑒏</u>

२

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲𑒧𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢 𑒫𑒱𑒫𑒱𑒡𑒞𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒠𑒹𑒐𑒪 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒋𑒏𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢𑒲 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒦𑒧𑒁𑓖𑓐𑓐𑓑 𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒱𑒞 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒩𑒰 𑒋𑒏 𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒅𑒢𑒙𑒰-𑒣𑒳𑒢𑒙𑒰 𑒠𑒱𑒨𑒾, 𑒞𑒞𑒥𑒹 𑒡𑒩𑒱 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑓖 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒩𑓂𑒞𑒢 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒹 𑒖𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒪𑒮𑒩𑒲) 𑒣𑒹𑒣𑒩 𑒪𑒢 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒋𑒏𑒩 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒂𑒩 𑒂𑒮𑒰𑒮𑓂𑒙-𑒩𑒲𑒛𑒱𑓀𑒑 𑒠𑒼𑒮𑒩-𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒧𑒹 𑒏𑒩𑒟𑒱।

𑒩𑒒𑒰𑒧𑒬𑒼𑒅 𑒩𑒔𑒢𑒰 <u>𑒦𑒧𑒁𑓖-𑓐𑓐𑓑</u>

.

𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 (𑒕𑒼𑒧𑒣𑒳𑒪𑒮𑒼𑒩𑒨 & 𑒍𑒣𑒞𑒲𑒢𑒰𑒪)

<u>𑒅𑒣𑒭𑒕 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒍𑒣𑒞𑒲𑒢𑒰𑒪 𑒭𑒨𑒪𑒪𑒫𑒳𑒮</u>

<u>𑒦𑒣𑒭𑒕 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱 𑒍𑒣𑒞𑒲𑒢𑒰𑒪 𑒭𑒨𑒪𑒪𑒫𑒳𑒮</u>

<u>𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩- 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 (𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏)</u>

<u>𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩- 𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 (𑒁𑒢𑒱𑒫𑒰𑒩𑓂𑒨)</u>

<u>𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩- 𑒥𑒲𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲(𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏)</u>

.

𑒨𑒴 𑒣𑒲 𑒋𑒮 𑒮𑒲 (𑒧𑒹𑒢𑓂𑒮) ऑ𑒣𑓂𑒬𑒢𑒪: 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒏 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖

𑒨𑒴𑒣𑒲𑒋𑒮𑒮𑒲 𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒪𑒱𑒧𑒱𑒢𑒩𑒲 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒹 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒋𑒯𑒱 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒲𑒩𑓂𑒝 𑒏𑒩𑒞𑒰𑒯 𑒂 𑒖𑒿 𑒧𑒹𑒢𑓂𑒮𑒧𑒹 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 ऑ𑒣𑓂𑒬𑒢𑒪 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒯𑒼𑒋𑒞𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒍 𑒋𑒯𑒱 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙-𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖𑒧𑒹 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒱𑒪𑒱𑒞 𑒦𑓄 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙

𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒪𑒱𑒧𑓂𑒮𑒏 𑒩𑒱𑒖𑒪𑓂𑒙𑒏 𑒞𑒞𑓂𑒏𑒰𑒪 𑒥𑒰𑒠 𑒯𑒼𑒨𑒞। 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙-𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒮𑓂𑒏𑒻𑒢 𑒏𑓄 𑒠𑒱𑒞𑒼𑒩𑒱𑒰𑒪𑒮𑒞𑒰𑓄𑓄𑒫𑒱𑒠𑒱𑒯𑒰@𑒑𑒧𑒰𑒱𑒪𑒨𑒼𑒧 𑒣𑒩 𑒣𑒚𑒰 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱, 𑒖𑒿 𑒍 𑒧𑒹𑒪𑒮𑒿 𑒣𑒚𑒹𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒮𑒼𑒏𑒩𑓂𑒖 𑒯𑒼𑒃𑒞𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒍 𑒯𑒧𑒩 𑒯𑓂𑒫𑒰𑒙𑓂𑒮𑒋𑒣 𑒢𑒧𑓂𑒥𑒩 ९५६०९६०७२१ 𑒣𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒣𑒚𑒰 𑒮𑒏𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒮𑓀𑒑𑒧𑒹 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒪𑒱𑒧𑓂𑒮𑒏 𑒋𑒛𑒧𑒱𑒙 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒛𑒏 𑒮𑓂𑒏𑒻𑒢 𑒏𑒋𑒪 𑒏ॉ𑒣𑒲 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒫𑒹𑒩𑒲𑒤𑒱𑒏𑒹𑒬𑒢 𑒪𑒹𑒪 𑒣𑒚𑒰𑒥𑒟𑒱। 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒮𑒦 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒢𑒯𑒱 𑒠𑒹𑒧𑒨 𑒣𑒛𑓃𑒻𑒞 𑒕𑒻𑒏 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒖𑒿 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒮𑒦 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢𑒏 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑒹𑒞𑒰𑒯 𑒞𑒿 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒬𑓂𑒩𑒹𑒨𑒮𑓂𑒏𑒩 𑒩𑒯𑒞𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒮𑒦 𑒮𑓂𑒏𑒲𑒧 𑒖𑒹𑒏𑒰𑒿 𑒄 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒞𑓁 𑒢𑒱𑓁𑒬𑒳𑒪𑓂𑒏 𑒁𑒕𑒱।- 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒮𑓀𑒒 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒑 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒱𑒞 𑒮𑒱𑒫𑒱𑒪 𑒮𑒩𑓂𑒫𑒱𑒮𑒹𑒖 (𑒧𑒳𑒐𑓂𑒨) 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰, 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏) 𑒪𑒹𑒪 𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒮𑒲𑒩𑒲𑒖 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢-𑒣𑒞𑓂𑒩- १ 𑒂 २

𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒣𑒹𑒣𑒩𑓂𑒮-१- 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒙𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒣𑒹𑒣𑒩𑓂𑒮-२- 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

.

## 𑒧𑒟𑒬-𑒅𑒒𑒕𑓂 𑒅𑒬𑓂𑒔𑒭𑒕𑓂 𑒦𑒬𑓂𑒔𑒭𑒕 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒬𑓂𑒩𑒼𑒣𑒞𑒰𑒱𑒰𑒪- 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 (𑒞𑒧𑒱𑒪𑒰)
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 (𑒦𑒰𑒑-२, 𑒁𑒢𑒳𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑)
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒨𑒼𑒑𑒱𑒞𑒰

[𑒬𑓂𑒪𑒰𑒨𑒼𑒛 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒱𑒢 𑒃𑒢𑒠𑒼-𑒋𑒳𑒩𑒼𑒣𑒹𑒁𑒢 𑒪𑒁𑒢𑒑𑒳𑒁𑒑𑒹 𑒤𑒁𑒧𑒱𑒪𑓂𑒨 𑒍𑒩𑒱𑒑𑒱𑒢 𑒁𑒢𑒠 𑒠𑒹𑒫𑒹𑒪𑒼𑒣𑒧𑒹𑒢𑒞 𑒼𑒛 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒪𑒁𑒢𑒑𑒳𑒁𑒑𑒹 (𑒭𑒰𑒢𑒮𑒏𑒩𑒱𑒞, 𑒬𑓂𑒩𑒰𑒏𑒩𑒱𑒞, 𑒁𑒫𑒁𑒯𑒰𑒞𑒞𑒰, 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱) 𑒦𑒰𑒩𑒼𑒣𑒲𑒨 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒣𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩 𑒧𑒡𑓂𑒨 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒦𑒫 𑒂 𑒫𑒱𑒏𑒰𑒮 (𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞, 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒏𑒵𑒞, 𑒁𑒫𑒯𑒙𑓂𑒙, 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲)]

(𑒕𑓂𑒩𑒱𑒞𑒱𑒨𑒱𑒮𑒱𑒧- 𑒨𑒱𑒛𑒛𑒹𑒩𑒹𑒢𑒞 𑒪𑒱𑒞𑒹𑒩𑒰𑒩𑒨 𑒤𑒼𑒩𑒧𑒮 𑒱𑒢 𑒧𑒼𑒠𑒹𑒩𑒢 𑒋𑒩𑒰 𑒞𑒹𑒮𑒞 𑒼𑒛 𑒨𑒩𑒱𑒞𑒱𑒨𑒰𑒪 𑒰𑒫𑒱𑒪𑒱𑒞𑒨 𑒼𑒛 𑒞𑒯𑒹 𑒨𑒰𑒢𑒠𑒱𑒠𑒰𑒞𑒹𑒮)

(ળ્યોતિીશ્વ઱, વ઼િદ્યાપતિ શ્ચા ગોવ઼િન્દદાસ સ઼િઉવસમે છથિ શ્ચા ઱સમય઼ કવ઼િ યતુ઱ યતુ઱જ્રુળ વ઼િદ્યાપતિ કાઉીન કવ઼િ છથિ। ૯િય઼ સમીક્ષા શ઼ંખ્યઉાક પ્઱ા઱મ્ઝ ક઱વાસઁ પૂ઱્વ઼ યાૂ ગોટેક શવ્દાવ઼ઉી નવ઼ શવ્દક પ્઱્યાય઼ સંગ દેઉ ળા ઱હઉ શ્ચછિ। નવ઼ શ્ચા પુ઱ાન શવ્દાવ઼ઉીક ળ્ઝાનસઁ ળ્યોતિીશ્વ઱, વ઼િદ્યાપતિ શ્ચા ગોવ઼િન્દદાસક પ્઱શ્નોત્ત઱મે યા઱ શ્ચાશ્ચોત, સંગહિ શવ્દકોષ વઢઉાસઁ ખ્યાઁટી મૈથિઉીમે પ્઱શ્નોત્ત઱ ઉખ્વિામે યાખ્ય શ્ચાસ્તે-શ્ચાસ્તે ખ્યતમ હોયત, ઉખ્ય઼ીમે પ્઱વાહ શ્ચાયત શ્ચા સુચ્ચા ઝાવ઼ક શ્ચઝિવ્યક્તિ ઝિય઼ સકત।)

(વદ્઱ીનાથ દ્દા શવ્દાવ઼ઉી શ્ચા મથિઉિક ક઼ષિ-મત્સ્ય઼ શવ્દાવ઼ઉી)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- પ્઱થમ પત્઱- ઉે઱કિ ગાથામે સમાળ શ્ચો સંસ્ક઼તિ)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- દ્વ઼િતીય઼ પત્઱- વ઼િદ્યાપતિ)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- દ્વ઼િતીય઼ પત્઱- પદ્ય઼ સમીક્ષા- વા઱ગી)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- પ્઱થમ પત્઱- ઉોક ગાથા ન઼ત્ય઼ નાટક સંગીત)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- દ્વ઼િતીય઼ પત્઱- યાત્઱ી)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- દ્વ઼િતીય઼ પત્઱- મૈથિઉી ઱ામાય઼ણ)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- દ્વ઼િતીય઼ પત્઱- મૈથિઉી ૩પન્યાસ)

(વ઼ૈઉ્યૂ ૯ડીશન- પ્઱થમ પત્઱- શવ્દ વ઼િચા઱)

(તિ઱્હુતા ઉિપિક ૩દ્ઝવ઼ શ્ચો વ઼િકાસ)

શ્ચનુઉગ્નક-૧-૨-૩ શ્ચનુઉગ્નક- ૪-૫

(મૈથિઉી શ્ચા દોસ઱ પુવ઱િયા ઝાષાક વીચમે સમ્વન્ધ (વાંગ્ઉા, શ્ચસમિયા શ્ચા શ્ચોડિયા) [યૂપીએસ્સી સ઼િઉવસ, પત્઱-૧, ઝાગ- 'એ', ક્઱મ-૫])

[મૈથિઉી શ્ચા હિન્દી વાંગ્ઉા ઝોળપુ઱ી મગહી સંથાઉી- વ઼િહા઱ ઉોક સેવા શ્ચાયોગ (વ઼ીપીએસ્સી) કે઱ સ઼િવ઼િઉ સેવા પ઱ીક્ષાક મૈથિઉી (ઐચ્છિક) વ઼િષય ઉેઉ]

મૈથિઉી-હિન્દી વા઱્તાઉાપ (૩ ઘણ્ટા)

મૈથિઉી

વાંગ્લા

અસમિયા

ઓડિયા

હિન્દી

ઉર્દૂ

નેપાલી

સંસ્કૃત

સંથાલી

મૈથિલી ઉપન્યાસ મૈથિલી ૦૧

મૈથિલી ઉપન્યાસ મૈથિલી ૦૨

ઘષ (સ્કે)

થોપરિ ૧

## યૂપીએસસી આ આન પ્રતિયોગિતા પરીક્ષા લેલ દેખૂ:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| વિદેહ:સદેહ ૧૭ | વિદેહ:સદેહ ૨૧ | વિદેહ:સદેહ ૨૩ | વિદેહ:સદેહ ૨૬ | વિદેહ:સદેહ ૨૯ |
| વિદેહ:સદેહ ૩૦ | વિદેહ:સદેહ ૩૨ | વિદેહ:સદેહ ૩૩ | વિદેહ:સદેહ ૩૪ | વિદેહ:સદેહ ૩૫ |

## ઘેનાલ ષાદુસિ

## મૈથિલી-એનવાયિનમેનત છલાસસ ૧૨-૧૨૨

## મૈથિલી સ્ટડ ૨-૧૨૨

ષાનસાદ થવ઼

હાનપ઼્:પનાસાનવહાનાન઼ગિીવ઼નિ્

હાનપ઼્:નૌસોનાિ઼યોમ્

-

શ્રોનહેન શ્રોપનીિનાઉસ

રઘામ્રશ્રોઉે ઘય઼ાનકોસહ

-

પેટાન (નસિોન્સ સેન્ટન)

-

મૈથિલિ મુહાવ઼ના એવ઼મ્ લોકોક્તિ પ્નકાશ- નમાનાથ મશ્નિ મહિનિ (પ્યાઁટી પ્નવ઼ાહ્યુક્ત મૈથિલિ લિખ્યિવામે સહાયક)

ડૉ઼ કમલ યૌધની-મૈથિલીક વ઼ેશ-ભૂષા-પ્નસાયન સમ્વન્ધી શવ્દાવ઼લિ (પ્યાઁટી પ્નવ઼ાહ્યુક્ત મૈથિલિ લિખ્યિવામે સહાયક)

ડૉ઼ યોગાનન્દ હ્રા- મૈથિલીક પાનમ્પનાકિ ળાતીય વ઼્યવ઼સાયક શવ્દાવ઼લિ (પ્યાઁટી પ્નવ઼ાહ્યુક્ત મૈથિલિ લિખ્યિવામે સહાયક)

ડૉ઼ લલિતા હ્રા- મૈથિલીક ભોળન સમ્વન્ધી શવ્દાવ઼લિ (પ્યાઁટી પ્નવ઼ાહ્યુક્ત મૈથિલિ લિખ્યિવામે સહાયક)

મૈથિલિ શવ્દ સંચય- ડૉ઼ શ્નીનામદેવ઼ હ્રા (પ્યાઁટી પ્નવ઼ાહ્યુક્ત મૈથિલિ લિખ્યિવામે સહાયક)

દન્ત-વ઼ીક વ઼સ્તુ કૌશલ- ડૉ઼ શ્નીનામદેવ઼હ્રા

પરિચય નચિય- ડૉ શૈલેન્દ્ર મોહન ઝા

એનાગોલસિંહ માતિહળિ છોમપુરેર યચિતોળિરાય (છોમપએલે)- ઘાળેનદ્રા થઠાકુર

માતિહળિ એનાગોલસિંહ યચિતોળિરાય- ગોવિંદ ઝા

શ્રમિા સહિ -શિશુ ગીત પોથ

શ્રાનન્દ મિશ્ર (સૌજન્ય શ્રી રમાનન્દ ઝા 'રમણ')- મથિલિ ભાષાક સુવોધ વ્યાકરણ

મૈથિલી સુવોધ વ્યાકરણ- ભોલા લાલ દાસ

*નાયાક ષણ ચૌધરી- શ્ર ષરવેય ોડ માતિહળિ ડિતિરાને*

*નાયાક ષણ ચૌધરી- મથિલિક ઙાહિસ*

*જયકાન્ત મિશ્ર- શ્ર હસિતોરય ોડ માતિહળિ ડિતિરાને વોલ ૨*

*નાળેશ્વર ઝા- મથિલિક્ષરક ઉદ્ભવ શ્રો વિકાસ (મૈથિલી સાહિત્ય સંસ્થાન શ્રાર્કારૂવ) (યૂપીએસસી સલિવસ)*

દત્ત-વતી (મૂલ)- શ્રી સુરેન્દ્ર ઝા સુમન (યૂપીએસસી સલિવસ)

પ્રવન્ય સંગ્રહ- રમાનાથ ઝા (વીપીએસસી સલિવસ) છ૨૨૭ ષતિ

*સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ- નાળકમલ ચૌધરી: મોનોગ્રાફ*

શિવ કુમાર ઝા 'ટિલ્લૂ' શ્રંશુ-સમાલોચના

ડૉ વચેશ્વર ઝા- નવિન્ય-નકિષ્ળ

ડૉ દેવશંકર નવીન- શ્રાધુનિક સાહિત્યક પરિદૃશ્ય

પ્રેમશંકર સહિ- મૈથિલી ભાષા સાહિત્ય:વીસમ શતાવ્દી (શ્રાલોચના)

𑒛ॉ 𑒩𑒧𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 '𑒩𑒧𑒝'

𑒯𑒱𑒂𑒍𑒪

𑒁𑒣𑓂𑒣𑒱𑒨𑓃𑒰𑒮𑒪 𑒕𑒖𑓂𑒖𑒠 𑒣𑒰𑒞𑒱

𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪-𑒔𑒏𑓂𑒭𑒳

𑒯𑒳𑒢𑒏 𑒋𑒯𑒱 𑒪𑒱𑒢𑓂𑒏𑒏𑒳 𑒂𑒢𑒪 𑒮𑒥𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑒜𑓃𑒴𑓁-

𑒩𑒰𑒧𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩- 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒏𑒟𑒰

𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒣𑒫𑒢 (𑒮𑒰𑒧𑒰𑒩 𑒁𑓀𑒞𑒱𑒏𑒰)

𑒣𑒔𑒰𑒮 (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒮𑒩𑓂𑒫𑒬𑓂𑒩𑒹𑒭𑓂𑒚 𑒏𑒟𑒰)

𑒛𑒰𑒨𑓃𑒩𑒲𑒏 𑒣𑒰𑒪𑒲 𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰

𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 𑒁𑒥𑒰𑒩𑒰 𑒢𑒯𑒱𑒞𑒢 | 𑒔𑒧𑒹𑒪𑒲𑒩𑒰𑒢𑒲 | 𑒧𑒰𑒯𑒳𑒩 | 𑒏𑒩𑒰𑒩 | 𑒁𑒨𑓃𑒢𑒰 | 𑒯𑒲𑒢𑒰 |

𑒛ॉ 𑒩𑒧𑒝 𑒗𑒰

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 𑒦𑒝𑒱𑒞-<br>𑒁𑒦𑒝𑒱𑒞 | 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒁𑒪𑓀𑒏𑒰𑒩 | 𑒁𑒪𑓀𑒏𑒰𑒩-<br>𑒦𑒰𑒮𑓂𑒏𑒩 | 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒭 | 𑒁𑒯𑒱𑒫𑒰𑒞-𑒫𑒨 | 𑒣𑒰𑒩𑒱𑒖𑒰𑒞-𑒧𑒘𑓂𑒖𑒩𑒲 |

𑒨𑒼𑒑𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒣𑒰𑒚𑒏 '𑒫𑒱𑒨𑒼𑒑𑒲'

| | | |
|---|---|---|
| 𑒫𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒏 𑒥𑒞𑒏𑒯𑒲 | 𑒫𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒏 𑒥𑒞𑒏𑒯𑒲 𑒦𑒰𑒑-२ | 𑒁𑒏𑒙𑒰 𑒧𑒮𑒱𑒣𑒱𑒨𑒰 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯) |
| 𑒢𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒡𑒱 (𑒮𑒧𑓂𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒧𑓂) | 𑒢𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒡𑒱 (𑒮𑓀𑒬𑒼𑒡𑒱𑒞) | 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒲𑒏 𑒧𑒡𑒳𑒩 (𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒫ृ𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞) |
| 𑒯𑒧𑒩 𑒑𑒰𑒧 | 𑒣𑒩𑒱𑒧𑒝𑓂𑒛𑒱𑒏 𑒠𑒹𑒬𑒧𑒹 | 𑒩𑒼𑒥𑒼𑒙 (𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒰𑒃𑓀𑒮-𑒤𑒱𑒏𑓂𑒬𑒢 𑒢𑒰𑒙𑒏) |

**𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 (𑒂𑒢 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒮𑒿)- 𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩**

## વ઼િદેહ:સદેહ ૨૭ (ગળેન્દ્ર ઠાકુર આ નવ઼િ જૂષામ પાઠકક આન ભાષાસઁ અનૂદિત ગદ્ય આ પદ્ય- અંક ૧-૩૫૦ સઁ)

## **વાલ સાહિત્ય (અનુવ઼ાદ- દ્વ઼િભાષિક- મૈથિલી-અંગ્રેજી)- ગજેન્દ્ર ઠાકુર**

મસાઈ કેર પનવ઼િન્નગિકાની લેવ઼ેકા

શેષ ૪૦ ટા વાલ ચિત્ર-પોથી નીચાઁક લિંકપર:-

| સુગ્ | ઘર સભ | એકટા નીક દિન | ચૂ હમ ઁ ઠીક છી ને! | કી અહાઁ એ ચડ઼િ સભકેઁ દેખને છી? |
|---|---|---|---|---|
| ટોસ્ટ | વડીટા! જનપ્રિટા! | ગ્નઃ હમ સભ નૈ છી | ભાનગોલ્લક નાળકુમાની | ભાનગોલ્લક નાળકુમાની (વિનુ શબ્દક) |
| વુયો | કય-કય કયાક | ચુન્નૂ-મુન્નૂક નેહનાર | નેના ળે વ઼ેઊનસઁ ઊનાશ છલ | અદ્ભુત અવિનાચી અંક-શ઼ંખલા |
| હાનૂ | અપ્પન નૈ, અપ્પન નૈ! | ળન્મદિનિક ઉત્સવ઼ ભોળ | મોટ નાળા પાતન-દુવ્વડ઼ કુકુડ | વચપિ઼ા ળે અપન હૅસી નૈ નોકિ સિકૈત છલિ |
| અંગ્રેજી | હમ સૂંઘિ સિકૈ છી | છોટ લાલ-ટુહ્ટુહ ડોરી | કનૂ નીક, ભોગૂ નીક | ઈ સભટા વલિઓકિ દોપ્પ અછિ! |
| ચોભા આમ! | હમર ટોલક વાટ | ળપ્પન રૂકડ઼ૂ સ્કૂલ ગેલ | માછી સ્તેન આઉ ટાટા! | અમાચીક ળુલુમ મશીન સભ |
| ટગિ ટોગ | પાઉ-મ્યાઊ-વાહ | કુકુડક એકટા દિન | હમરા નીક લાગૈ | નીતાક નવ-સ્કૂલમે પહિલ દિન |
| કની હૅસિયૌ ને! | લાલ વનસાતિ | ભૂત-પ્રેતક નાટ્યશાલા | આઉ પપન ગાની | કતઃ અછિ ઈ અંક ૫? |

## **વ઼િદેહ મૈથિલી-અંગ્રેજી ટૉકિંગ નોડ-અલાઉડ ઑડિયો વુક**

હ઼તપસ઼ઃવલીમલવિનાનયો઼નગ્પલાયે઼ન઼્શૌચડદ઼ડ઼નપછો઼઼ (મસાઈ કેર પનવ઼િન્નગિકાની લેવ઼ેકા)

હ઼તપસ઼ઃવલીમલવિનાનયો઼નગ્પલાયે઼ન઼પરસહ઼દૈભગથિ (ચૂ હમ ઁ ઠીક છી ને!)

હ઼તપસ઼ઃવલીમલવિનાનયો઼નગ્પલાયે઼નડ઼ર્ઽપષદહઘમો (એકટા નીક દિન)

હ઼તપસ઼ઃવલીમલવિનાનયો઼નગ્પલાયે઼નવરલપૌસશછપ (ઘર સભ)

હ઼તપસ઼ઃવલીમલવિનાનયો઼નગ્પલાયે઼નદ઼અડછ઼ઽવન઼ (કી અહાઁ એ ચડ઼િ સભકેઁ દેખને છી?)

- 

## **કિછુ મૈથિલી પોથી ડાઉનલોડ સાઈટ (ઓપન સોર્સ)**

મછ઼ઽ઼થ ભહઅષહઅ ષઅમઘઅમ

મછ઼ઽ઼થ (માતિહલિ-એનગલિસહ-હનિદિ છોનવ઼ેનસાતોનિસ)

**પં લક્ષ્મીપતિ સિંહ (સૌળન્ય નમાનન્દ હ઼ા "નમામ")**

હિન્દી-મૈથિલિ-શક્ષિક

મૈથિલિ-હિન્દી વાન્ગાલય (૩ ઘામ્ટા)

મૈથિલિ (મૈથિલિ સંકેત ભાષા સહિત- મૈથિલિમે પહિલ વેર)

હાતપસઃીિયોગુવેયોમ૦વાદિહો ળોનાલ

હાતપસ્ઃયોગુવે્થેવુછ-લનષસ૮

હાતપસ્ઃવયેનતણયિન્વિસ-૨૦૨૧પહપ

ષાહિત્યા શ્રકાદેમિ

પ્રકાશન

ડિજિટલ-પોથી

છ૨૨૬

શ્રપ્પિયાસલ (નમાનન્દ હા નમામ)

ળુશ્રાયલ કનકની- મહેન્દ્ર

પ્રવન્ધ સંગ્રહ- નમાનાથ હા (વીપીએસ્સી સલિવસ)

સ઼ળન કેન દીપ પ્રવ- સં કેદાન કાનન શ્રા શ્રનવિન્દ ઠાકુન

મૈથિલિ ગદ્ય સંગ્રહ- સં શૈલેન્દ્ર મોહન હા

શ્રનચહિ઼શ્રોનગ (વિળિયદેવ હા)

વિદિહા માતિહર્ણિ મોકસે હોનાલસ્ શ્રુદી-વિદી શ્રનચહિ

૨ઘામછશ્ર

માતિહલિ એનગલસિહ ચિયતીનિનાનય

વ઼િળ્ઞાન નᥒ્ણાક્ન

મથિળિ દ્નૂશન

ᥒીનજુક્ᥒ

શ્રોᥱ઼ᥱ ᥖેપાᥱ'સે -શુસᥒાક઼ાᥱાય઼ા

પોથીક ᥱકિ

૨ધાᥖછ્શ્ર-શ્રષ૨ (સોનયᥲ કેય઼ૌનદ મᥒિᥲᥱિ)

ᥲસિᥒોનય઼ ોᥱ ᥖાવ઼ય઼ા-ᥖય઼ાય઼ા નિ મᥒિᥲᥱિ

ષᥒુદેસિ નિ હ્રાનિસિમ ાનદ જુદદસિમ નિ મᥒિᥲᥱિ

મᥒિᥲᥱિ નિ ᥒᥲે શ્રગોᥱ વ઼દિય઼ાપાᥒ

છુᥱᥒુનાᥱ હેનᥒાગોᥱ મᥒિᥲᥱિ

મᥒિᥲᥱિુ નદેન ᥒᥲે ᥖાનણાᥒાસ

થેમપᥱ ષુનવ઼ેય઼ શ્રુનોળેયᥒ શ્રષ૨- ᥱનગᥱસિᥲ શ્રા ᥲનિદ

મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન

દ્નૂશનીય઼ મથિળિ (મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન ᥱકિ)

જનોયᥲુને ૧ (મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન ᥱકિ)

જનોયᥲુને ૨ (મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન ᥱકિ)

જનોયᥲુને ૩ (મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન ᥱકિ)

જનોયᥲુને ૪ (મૈથિળી સાᥲિᥒ્ય઼ સંસ્થાન ᥱકિ)

જનોયહ્ને ૫ (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન ઘકિ)

વ્ઠૂમ ઘાસ્વ્નેની મૈથિલિ

શ્નાપિન શ્ષાઉમ્મ્ડેશન

શ્રુનાળહામ જૌકસ માળિહિલિ ષિળોનયૌવેન

મૈથિલિ ऑडियो વુક્સ

વ્દિહ ઢોદ શ્નઘેદ થાઘકનિગ માળિહિલિ શ્રુદી જૌકસ (નિયુઘદનિગ માળિહિલિ ષગિન ડ઼ાનગુાગે- સ્સન ળમિ નિ માળિહિલિ)

પોથી ડૉટ કૉમ

ર ડોવે મળિહિલિ (પોથી ડાઉનલોડ ઘકિ)

નેઘનિ માળિહિલિ ફોનનાઘ

ગૈનેન ર ડોવે મળિહિલિ

પ્યાને મૈથિલિ યૈનઘ- કનિમ્મ યૌવની શ્રા સંગીળા શ્રાનન્દ

મથિલિ યૈપ્ટન

પ્યસ્સિા-પહિની નેના જુટકા ઘઘ

ળાનકી એશ્રુએમ સમાયાન

શ્રાકાશવાણી દનભંગા ધૂ ટ્યૂવ યૈનઘ

શ્રાકાશવાણી મૈથિલિ સમાયાન

શ્રાકાશવાણી શ્રમ઼ળ મહોત્સવ

*सुरेन्द्र नाथ*

•

*ई-पत्र*

*मैथिली*

*मैथिली लेक्सिकन*

•

विदेह -मैथिली पोथी डाउनलोड

•

विदेह सम्मान: **सम्मान-सूची** (समानान्तर साहित्य अकादेमी, समानान्तर ललित कला अकादेमी आ समानान्तर संगीत-नाटक अकादेमी सम्मान पुरस्कार नामसँ विख्यात)

•

मैथिली ऑडियो वीडियो श्रुति-विदेह ऐप गूगल प्ले स्टोरसँ डाउनलोड करू: **मैथिली ऑडियो वीडियो श्रुति-विदेह**

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

# ૭વ઼દિહ સૂયના સંપ૧ક અન્વ઼ેષાm (નિયઉદનિગ શ્રાના૦૭૭ ડ઼િનિ૫ાતુ૨ નિ માનિહિધિ ।નદ વ઼દિહ માનિહિધિ ડ઼િનિ૫ાતુ૨ મોવ઼મેનળ)

## વ઼દિહ સૂયના સંપ૧ક અન્વ઼ેષાm (નિયઉદનિગ શ્રાના૦૭૭ ડ઼િનિ૫ાતુ૨ નિ માનિહિધિ ।નદ વ઼દિહ માનિહિધિ ડ઼િનિ૫ાતુ૨ મોવ઼મેનળ)

*વ઼ દિ હ વ઼દિહ વ઼દિહ વિદેહ ह્ાનપ઼:ૌૌવ઼દિહ઼યોનિ વ઼દિહ પ્૧થમ મૈથિ઼િ પાક્ષકિ ઈ પત્૧કિા વ઼દિહ ૨સા૧ માનિહિધિ ઢોના૧ણગિહાળ્યે ળુ૧ના૭ વ઼દિહ પ્૧થમ મૈથિ઼િ પાક્ષકિ ઈ પત્૧કિા નવ઼ શ્રંક દેખ્વાક ૭૭ ૫ૣ ષ્ડ સમક઼ેં ૧શ્ર્િપેશ કર દેખૂ઼ા શ્ર૭ૌયસ ૧ડ૧સહ નહે પાગેસ ડો૧ વ઼ૌનિગ નૌ સિસુ ।ડ વ઼ર્યપ઼હશ્ર*

## ષા૧યહ ડો૧ ૨નડો૧માનિનિ ૧૭ાનનિગ નો મનિહિધિ્ માનિહિધિ

## ह्ાનપસ્:વ઼ૌકસ઼ગૌગ઼૭યોમ્

## સૂયના

યો ળોન ળુદગૌ ।યહ દાય વય નહે હાનવ઼ેસન યુ૧ પ઼ા વુન વય નહે સ઼દસ નહાન યુ પ૭ાળન઼

- ઢ઼ોવ઼ે૧ન ડ઼ુસિ ષનેવ઼ેનસોન

.

વ઼દિહ: માનિહિધિ ડ઼િનિ૫ાતુ૨ મોવ઼મેનળ

વ઼દિહ઼ ેહ્રુ૧ણાઉ (ઉનિક઼ૌવ઼દિહ઼ાયોનિ) સિ । મુઉઠાદિસિયપિઉનિા૧ય઼ ોનઉનિ ળુ૧ણાઉ દેદયિાેદ ઠો ઠહે પ૧ોમોઠાનિ ।ણદ પ૧ેસે૧વ઼ાઠાનિ ોઙ ઠહે મા઼િહઉિ ઉાણ્ગુાગે, ઉઠિ૧ાઠુ૧ે ।ણદ યુઉઠુ઼૧ે શ૧ સિ । પઉાઠઙો૧મ ઙો૧ સયહોઉા૧સ, ૧ેસો૧યહે૧સ, ૈ૧ઠિ૧સ ।ણદ પોઠસ ઠો પુવઉસિહ ઠહેિ ૌ૧કસ ।ણદ સહા૧ે ઠહેિ કણૌઉદગે ।વુઠ મા઼િહઉિ ઉાણ્ગુાગે, ઉઠિ૧ાઠુ૧ે, ।ણદ યુઉઠુ઼૧ે થહે ળુ૧ણાઉ સિ પુવઉસિહેદ ોનઉનિ ઠો પ૧ોમોઠે ।ણદ પ૧ેસે૧વ઼ે મા઼િહઉિ ઉાણ્ગુાગે ।ણદ યુઉઠુ઼૧ે થહે ળુ૧ણાઉ પુવઉસિહેસ ।૧ઠાયિઉેસ, ૧ેસો૧યહ પાપે૧સ, વૌક ૧ેવ઼ૌસિ, ।ણદ પોઠ૧ય઼ નિ મા઼િહઉિ ।ણદ એણ્ગાઉસિહ ઉાણ્ગુાગેસ઼ શ૧ ।ઉસો ઙાઠુ૧ેસ ઠ૧ાણસઉાઠાનિસ ોઙ ઉઠિ૧ા૧ય઼ ૌ૧કસ ઙ૧ોમ ોઠહે૧ ઉાણ્ગુાગેસ નિઠો મા઼િહઉિ઼ શ૧ સિ । પે૧-૧ેવ઼ૌદ ળુ૧ણાઉ, ોહિયિહ મોણસ ઠહાઠ ।૧ઠાયિઉેસ ।ણદ પાપે૧સ ।૧ે ૧ેવ઼ૌદ વય઼ે શપે૧ઠસ નિ ઠહે ઙૈઉદ વેઙો૧ે ઠહેય઼ ।૧ે ।યયેપઠેદ ઙો૧ પુવઉયિાઠાનિ઼

१

"વ઼દિહક ળીવ઼નિ ઉપ્પક-સમ્પાદક, શ્રાન્દોઉની, સા઼ત્વ઼ળણકિ ળીવ઼ણ ળીણહિ૧, કઉા-સંગીઠ-૧ંગમંયક઼૧્મી શ્રા ૧ંગમંય-ણિ઼દેશક પ૧ વ઼િશેષાંક શ઼ૃંખ્ઉા"

વ઼દિહ શ્ન૧વ઼ણ્િદ ઠાકુ૧ વ઼િશેષાંક

સ્વ઼ઠં઼ત્૧યેઠા- શ્ન૧વ઼ણ્િદ ઠાકુ૧: વ્ય઼ક્ઠિ઼ત્વ઼-ક઼ૃઠિ઼ત્વ઼ (સમ્પાદક શ્રાશીષ શ્નણયણ્િહા૧) [વ઼દિહ શ્ન૧વ઼ણ્િદ ઠાકુ૧ વ઼િશેષાંકક પ્૧ામ્િટ રૂપ]

વ઼દિહ ળગદીશ યણ્દ્૧ ઠાકુ૧ શ્નણાિઉ વ઼િશેષાંક

વ઼દિહ ૧ામઉોયણ ઠાકુ૧ વ઼િશેષાંક

વ઼દિહ ૧ાળણણ્દણ ઉાઉ દાસ વ઼િશેષાંક

વ઼દિહ ૧વ઼ીણ્દ્૧ ણાથ ઠાકુ૧ વ઼િશેષાંક

વ઼દિહ કેદા૧ ણાથ યૌધ૧ી વ઼િશેષાંક

વ઼દિેહ પ્ેમઙા મશ્િન પ્ેમ વ઼શિષાંક

વ઼દિેહ શ્નદિ્ુ ચૌધની વ઼શિષાંક

વ઼દિેહ કઙા-વ઼મિ્ેશ વ઼શિષાંક (સનદ્નમ- સંઙૂ દાસ, ક઼ૃષ્ણ કુમાન કશ્યપ, શશવિાઙ, એસ઼સીસુમન શ્ના શ્વેઙા ઝા ચૌધની)

વ઼દિેહ નચનાકાન શ્રશોક વ઼શિષાંક

વ઼દિેહ નામ મનોસ કાપડ઼ િ'મ્નમન' વ઼શિષાંક

*વ઼દિેહ શ્રપન ઙીવ઼ત િઙેખક-સમ્પાદક, શ્રાન્દોઙની, સાન્વ઼ઙનકિ ઙીવ઼ન ઙીનહિન, નંગમંચકન્મી શ્રા નંગમંચ-નર્િદેશક પન વ઼શિષાંક શ઼ૃંખઙાક શ્નાન્ગાન (૧) શ્નવ઼િન્દ ઠાકુન, (૨) ઙગદીશ ચન્દ્ન ઠાકુન શ્નાઙ, (૩) નામઙોચન ઠાકુન, (૪) નાઙનન્દન ઙાઙ દાસ, (૫) નવ઼ીન્દ્ન નાથ ઠાકુન, (૬) કેદાન નાથ ચૌધની, (૭) પ્ેમઙા મશ્િન 'પ્ેમ', (૮) શ્નદિ્ુ ચૌધની, (૯) નચનાકાન શ્રશોક શ્રા (૧૦) નામ મનોસ કાપડ઼ િ'મ્નમન' વ઼શિષાંક નકિઙે શ્રછ઼ િએ ૧૦ મે સઁ નામઙોચન ઠાકુન, નાઙનન્દન ઙાઙ દાસ શ્રા નવ઼ીન્દ્ન નાથ ઠાકુન શ્રાવ હમના સમાક વીચ નૈ છથ િશેષ ૭ ગોટે માને (૧) શ્નવ઼િન્દ ઠાકુન, (૨) ઙગદીશ ચન્દ્ન ઠાકુન શ્નાઙ, (૩) કેદાન નાથ ચૌધની, (૪) પ્ેમઙા મશ્િન 'પ્ેમ', (૫) શ્નદિ્ુ ચૌધની, (૬) નચનાકાન શ્રશોક શ્રા (૭) નામ મનોસ કાપડ઼ િ'મ્નમન' કેન સ્ટેટસ વ઼દિેહમે 'ઙાઇશ્ટાઇમ શ્ઙેઙ' સન નહઙ શ્રો શ્રપન નવ઼ નચના (કથા, કવ઼ત િવા કથેતન ગદ્ય-પદ્ય) વા નવ઼ પોથી વા નવ઼ પ્નોડક્શન [નંગમંચ, સડ઼ક નાટક વા શ્રન્ય઼ કોનો (ઑડયિો-વ઼ઙિશ્રઙ સહતિ)] ઙે વ઼શિષાંક નકિઙઙાક વાદક ઙ્શ્રય વા વ઼દિેહપન નૈ ઙ્શ્રય પડ઼ા સકૈ છથ િશ્રોકન હમ સમીક્ષા સહત િ઼ પ્નકાશન કનવ શ્રા શ્રોઇપન પાઠક, શ્નોઙા, દ્નષ્ટાક મધ્ય઼ સમ્વાદક પ્નાનમ્ભ ઙેઙ પ્નસ્તુત કનવા*

"વ઼દિેહક ઙીવ઼ત િઙેખક-સમ્પાદક, શ્રાન્દોઙની, સાન્વ઼ઙનકિ ઙીવ઼ન ઙીનહિન, કઙા-સંગીત-નંગમંચકન્મી શ્રા નંગમંચ-નર્િદેશક પન વ઼શિષાંક શ઼ૃંખઙા" ક ચયન પ્નક્નયિાક વ઼વિધિ નમ્િન પ્નકાનસઁ શ્રછ઼િ

<u>𑒢𑒱𑒨𑒧𑓁</u>

𑓑) 𑒪𑒑𑒦𑒑 𑒣𑒰𑒿𑒔-𑒕𑒯 𑒧𑒰𑒮 𑒣𑒯𑒱𑒢𑒹𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒰𑒚𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒳𑒗𑒰𑒫 𑒠𑒹𑒥𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒠𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑓒) 𑒂𑒋𑒪 𑒮𑒳𑒗𑒰𑒫𑒧𑒹𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒖𑒲𑒫𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒔𑒨𑒢 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑓓) 𑒃 𑒮𑒦 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒪𑒹𑒐𑒢𑓂 𑒏𑒰𑒖 𑒋𑒫𑓀 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒢𑒏 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲 𑒠𑒹𑒐𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒢𑒱𑒏𑒩 𑒪𑒹𑒐𑒢𑓂 𑒏𑒰𑒖 𑒍 𑒂𑒨𑒼𑒖𑒢𑒧𑒹 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲 (𑒏𑒧 𑒂𑒿𑒏) 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒋 𑒞𑒹𑒯𑒢 𑒕𑒯 𑒙𑒰 𑒢𑒰𑒧 𑒔𑒨𑒢𑒱𑒞 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑓔) 𑒕𑒯 𑒢𑒰𑒧 𑒋𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒄 𑒞𑒳𑒪𑒢𑒰 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒻 𑒖𑒹 𑒄 𑒕𑒯𑒼 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏𑒹𑒿 𑒪𑒹𑒐𑒢𑓂 𑒏𑒰𑒖𑒏 𑒋𑒫𑒖𑒧𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒖𑒮𑒿 𑒏𑒲 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒢𑒱।

𑓕) 𑒖𑒢𑒱𑒏𑒰 𑒮𑒦𑒮𑒿 𑒏𑒧 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒥𑒳𑒗𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒞𑒲𑒢 𑒪𑒼𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒑𑒱𑒪𑒰 𑒔𑒩𑒝 𑒪𑒹𑒪 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑓖) 𑒃 𑒞𑒲𑒢 𑒔𑒨𑒢𑒱𑒞 𑒖𑒲𑒫𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒩𑒔𑒢𑒰, 𑒏𑒰𑒖 𑒂 𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 𑒂𑒠𑒱𑒏 𑒥𑒲𑒔𑒧𑒹 𑒣𑒩𑒮𑓂𑒣𑒩 𑒞𑒳𑒪𑒢𑒰 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑓗) 𑒁𑓀𑒞𑒱𑒧 𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒰𑒧 𑒔𑒳𑒢𑒱 𑒮𑒰𑒪𑒏 𑒁𑓀𑒞𑒧𑒹 𑒒𑒼𑒭𑒝𑒰 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒢𑒱𑒨𑒞 𑒮𑒧𑒨𑒣𑒩 𑒄 𑒫𑒱𑒬𑒹𑒭𑒰𑓀𑒏 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒅𑒚𑒱 𑒮𑒏𑒻𑒋 𑒖𑒹 𑒏𑒲 𑒅𑒣𑒩𑒏𑒰 𑒢𑒱𑒨𑒧 𑒋𑒯𑒢 𑒕𑒻 𑒖𑒃𑒧𑒹 𑒁𑓀𑒞𑒱𑒧 𑒩𑒴𑒣𑒮𑒿 𑒮𑒦 𑒮𑒳𑒨𑒼𑒑𑓂𑒨 𑒖𑒲𑒫𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏 𑒏𑒹𑒩 𑒔𑒨𑒢 𑒮𑒧𑒨𑒣𑒩 𑒦𑓄 𑒖𑒹𑒞𑒢𑒱? 𑒞𑓄 𑒋𑒏𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒕𑒻 𑒢𑒻। 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒣𑒰𑒚𑒏 𑒪𑒑 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒕𑒢𑒱। 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒁𑒯𑒲 𑒮𑒲𑒧𑒰𑒏 𑒮𑓀𑒑𑒹 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒹𑒮𑓂𑒙 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒹𑒪 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒋𑒯𑒢 𑒩𑒮𑓂𑒞𑒰 𑒥𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒕𑒻 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒂𑒥𑒨 𑒥𑒪𑒰 𑓕𑓐𑓐-𑓖𑓐𑓐 𑒥𑒩𑓂𑒐𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒝𑒰 𑒣𑒰𑒥𑒨।

𑒁𑒯𑒲 𑒫𑒱𑒔𑒰𑒩𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒍𑒯𑒢 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒟𑒰, 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰, 𑒪𑒹𑒐𑒏, 𑒏𑒪𑒰𑒏𑒰𑒩, 𑒮𑓂𑒫𑒨𑓀𑒮𑒹𑒫𑒲 𑒫𑒰 𑒮𑒰𑒩𑓂𑒫𑒖𑒢𑒱𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒖𑒲𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩𑒣𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹

सुयोग्य छथि मुदा जनिकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नै प्रकाशित भऽ सकल। एकर नाम भेल विदेहक "नित नवल सुभाष", जकर विवरण नीचाँ "नित नवल सुभाष"मे देल जा रहल अछि।

-गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक विदेह, वैहाटसएप नं +९१९५६०९६०७२१ [illegible] २२२८९-५४७३ विदेह

२

"विदेह द्वारा एक वर्षमे कोनो एकटा जीवित संस्था, पत्रिका वा संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवीक समग्र मूल्यांकन शृंखला"

## विदेह अंक ३७१ (०१ जून २०२३) "मिथिला स्टूडेंट यूनियन (एमएसयू)" विशेषांक

<u>नियम:</u>

१) <u>संस्था कैटेगरी</u>- संस्थाक काज भाषा आदि परिवार, पत्रिका-समाचार आदि छपैनाइ, जे मात्र रेकॉर्ड बनेबाले हुअय, नै हुअए। संस्था द्वारा जातिवादी कट्टरता नै बढ़ाओल जेबाक शर्त रहत, संस्था पॉकेट संस्था नै होबाक चाही आ जीवित होबाक चाही।
२) <u>संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवी कैटेगरी</u>- लेखक-प्रकाशकसँ इतर आन जे लोक पोथी-पत्रिका केर बिक्री कऽ अपन जीवन-यापनक संग मैथिलीक प्रचारमे सहायक छथि, संगमे संस्था (रंगमंच संस्था सहित) सभसँ सम्बन्धित स्वयंसेवी, तनिको मूल्यांकन विदेह विशेषांक निकालि कऽ करत।
३) <u>पत्रिका कैटेगरी</u>- मैथिलीक कोनो पत्रिकाक ऊपर विदेह विशेषांक प्रकाशित करत। मुदा एहेन ओर पत्रिकाक सभ अंक विदेहपर डाउनलोड भेल ओर पत्रिकाक संपादक वा कॉपीराइट धारक देता, से शर्त अछि।

યયન પ્નક્નાયિાક નશ્નિમ "વ઼દિહક ઊીવ઼નિ ઊપ્પક-સમ્પાદક, શ્નાન્દોઊની, સાન્વ઼ળનિક ઊીવ઼ન ઊીનહિન, કઊા-સંગીન-નંગમંયકન્મી શ્ના નંગમંય-નિ્દેશક પન વ઼શિષાંક શ્ૃપ્પઊા"ક યયન પ્નક્નાયિાક નશ્નિમ સન નહન।

-ગાળેન્દ્ન ઠાકુન, સમ્પાદક વ઼દિહ, નૈહાનસાપપ નો +૯૧૯૫૬૦૯૬૦૭૨૧ હથથશ્ઃવ઼ર્યપહશ્નછ્શ્નોરમ્ ર્યષામ ૨૨૨૯-૫૪૭શ વ઼ર્યપહશ્ન

## ३

## "વ઼દિહ મોનોગ્નાશ્ઠ" શ્ૃપ્પઊા

વ઼દિહ શ્નપન ઊીવ઼નિ ઊપ્પક-સમ્પાદક, શ્નાન્દોઊની, સાન્વ઼ળનિક ઊીવ઼ન ઊીનહિન, નંગમંયકન્મી શ્ના નંગમંય-નિ્દેશક પન વ઼શિષાંક શ્ૃપ્પઊાક શ્નન્નગન (૧)શ્નનવ઼ન્દિ ઠાકુન, (૨)ળગદીશ યન્દ્ન ઠાકુન શ્નનઊિ, (૩)નામઊોયન ઠાકુન, (૪) નાળનન્દન ઊઊ દાસ, (૫)નવ઼ીન્દ્ન નાથ ઠાકુન, (૬) કેદાન નાથ યૌયની, (૭) પ્નેમઊના મશ્નિ 'પ્નેમ', (૮) શ્નનદન્દુ યૌયની, (૯) નયનાકાન શ્નશોક શ્ના (૧૦) નામ જનોસ કાપડ઼િ 'જનમન' વ઼શિષાંક નકિાઊને શ્નછિ। શ્નહિ સન્દન્જમે હિનકા સજ્ઞપન "વ઼દિહ મોનોગ્નાશ્ઠ" શ્ૃપ્પઊા શ્નન્નગન "મોનોગ્નાશ્ઠ" શ્નામંન્નિ કપ઼ઊ ળા નહઊ શ્નછિ। "વ઼દિહ મોનોગ્નાશ્ઠ" શ્ૃપ્પઊાક વ઼વિનામ નમિ્ન પ્નકાન શ્નછિઃ (૧) ર્યછુક ઊપ્પક રૂપનમે કોનો એક ગોટપન શ્નપન મોનોગ્નાશ્ઠ ઊપ્પિવાક ર્યછાો દનિોનાઊિસનાડવ઼દિહાળામાઊિયોમ પન પઠા સકૈ છથિ। (૨) વ઼દિહ ઊપ્પકક નામ મોનોગ્નાશ્ઠ ઊપ્પિવાક ઊઊ યયનનિ કડ શ્નોકન સાન્વ઼ળનિક ઘોષાા કનન। "વ઼દિહ મોનોગ્નાશ્ઠ" ઊપ્પિવાક નશ્નિમઃ (૧) મોનોગ્નાશ્ઠ પૂન્ામ નૂપેં સમ્વન્યનિ ઊકપન કેન્દ્નનિ હુશ્નયા સાહનિ્ય શ્નકાદેમી, એન્વ઼ીટ઼ી શ્ના કછિુ વ઼્યક્નગિન નૂપેં ઊપ્પિઊ મોનોગ્નાશ્ઠ વાયોગ્નાશ્ઠીમે ઊપ્પક સંસ્મનામ શ્ના વ઼્યક્નગિન પ્નસંગ ઊોડ઼િ કય સમ્વન્યનિ ઊકક વહન્ને

𑒁𑒣𑒢-𑒂𑒞𑓂𑒧-𑒣𑓂𑒩𑒬𑓀𑒮𑒰 𑒪𑒱𑒐𑒻 𑒕𑒟𑒱। "𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤" 𑒤𑒲𑒤𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒪𑓂𑒛 𑒏𑒣 𑒤𑒳𑒙𑒥𑒰𑒪 𑒮𑒢 𑒩𑒯𑒞। 𑒤𑒲𑒤𑒰 𑒫𑒩𑓂𑒪𑓂𑒛 𑒏𑒣 𑒤𑒳𑒙𑒥𑒰𑒪 𑒋𑒯𑒹𑒢 𑒋𑒏𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒙𑒴𑒩𑓂𑒢𑒰𑒧𑒹𑒝𑓂𑒙 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒞𑒨 𑒏𑒼𑒢𑒼 "𑒍𑒣𑒹𑒢𑒱𑒑" 𑒫𑒰 "𑒏𑓂𑒪𑒼𑒖𑒱𑒑" 𑒮𑒹𑒩𑒲𑒧𑒢𑒲 𑒁𑒪𑒑𑒮𑒿 𑒢𑒻 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻, 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒂 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒱𑒧 𑒧𑒻𑒔𑒏 𑒮𑒓𑒹 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒻 𑒂 𑒞𑒏𑒩 𑒏𑒰𑒩𑒝 𑒕𑒻 𑒖𑒹 𑒁𑒪𑒑𑒮𑒿 𑒏𑒋𑒪 "𑒍𑒣𑒹𑒢𑒱𑒑" 𑒫𑒰 "𑒏𑓂𑒪𑒼𑒖𑒱𑒑" 𑒧𑒹 𑒙𑒴𑒩𑓂𑒢𑒰𑒧𑒹𑒝𑓂𑒙𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒐𑒹𑒪 𑒩𑒯𑒪 𑒪𑒼𑒏 𑒧𑒳𑒐𑓂𑒨 𑒁𑒞𑒱𑒟𑒱 𑒁𑒞𑒱𑒟𑒱 𑒯𑒼𑒃 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒤𑒼𑒏𑒮 𑒐𑒹𑒪𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒮𑒿 𑒠𑒴𑒩 𑒔𑒪𑒱 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒻। 𑒤𑒲𑒤𑒰 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒤𑒳𑒙𑒥𑒰𑒪 𑒐𑒹𑒪𑒰𑒛𑓃𑒲𑒣𑒩 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒮𑒹 𑒍𑒏𑒩 𑒙𑒴𑒩𑓂𑒢𑒰𑒧𑒹𑒝𑓂𑒙 "𑒍𑒣𑒹𑒢𑒱𑒑 𑒮𑒹𑒩𑒲𑒧𑒢𑒲" 𑒢𑒻 𑒫𑒩𑒢𑓂 𑒮𑒼𑒗𑒹 "𑒍𑒣𑒹𑒢𑒱𑒑 𑒧𑒻𑒔" 𑒮𑒿 𑒂𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒍𑒏𑒩 𑒮𑒧𑒰𑒣𑒢 "𑒏𑓂𑒪𑒼𑒖𑒱𑒑 𑒮𑒹𑒩𑒲𑒧𑒢𑒲"𑒮𑒿 𑒢𑒻 𑒫𑒩𑒢𑓂 "𑒤𑒰𑒃𑒢𑒪 𑒧𑒻𑒔 𑒂 𑒙𑓂𑒩𑒰𑒤𑒲"𑒮𑒿 𑒐𑒞𑒧 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒤𑒼𑒏𑒮 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒐𑒹𑒪𑒰𑒛𑓃𑒲 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒞𑒯𑒱𑒢𑒰 "𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤" 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒂 𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒣𑒩 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒩𑒯𑒞 𑒂 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒧𑒩𑒝 𑒂𑒠𑒱 𑒖𑒼𑒛𑓃𑒱 𑒏𑓄 𑒤𑒼𑒏𑒮 𑒁𑒣𑒢𑒰𑒣𑒩 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒧𑒞𑒱 𑒢𑒻 𑒩𑒯𑒞।

(२) 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤 𑒪𑒹𑒪 "𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒣𑒹𑒙𑒰𑒩"𑒧𑒹 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲𑒏 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒩𑓂𑒦 𑒮𑒯𑒱𑒞 𑒅𑒣𑒨𑒼𑒑 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰 𑒮𑒏𑒻𑒋।

(३) 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒮𑒦𑒏 𑒏ॉ𑒣𑒲𑒩𑒰𑒃𑒙 𑒪𑒹𑒐𑒏𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯𑒏𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒩𑒯𑒞𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 '𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯' 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒩𑒔𑒢𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱-𑒫𑒹𑒥 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫𑒏𑓂 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫𑒏 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠𑒏 𑒂 𑒧𑒴𑒪 𑒂 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒂𑒩𑓂𑒏𑒰𑒃𑒫𑒏 𑒄-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢𑓂 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱-𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢𑒏 𑒁𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩 𑒩𑒐𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒌 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒩ॉ𑒨𑒪𑓂𑒙𑒲 𑒣𑒰𑒩𑒱𑒬𑓂𑒩𑒧𑒱𑒏𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒫𑒡𑒰𑒢 𑒢𑒻 𑒕𑒻।

(४) "𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤"𑒏 𑒤ॉ𑒩𑓂𑒧𑒹𑒙: 𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒨 (𑒮𑒧𑓂𑒥𑒢𑓂𑒡𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧, 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮-𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒂 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒮𑓂𑒟𑒪𑒏 𑒦𑒾𑒑𑒼𑒪𑒱𑒏-𑒮𑒰𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒫𑒩𑒝 𑒮𑒯𑒱𑒞) 𑒂 𑒩𑒔𑒢𑒰 𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒫𑒱𑒫𑒩𑒝 (𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒮𑒯𑒱𑒞)।

𑒒𑒼𑒭𑒝𑒰: "𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤" 𑒬𑒵𑓀𑒐𑒪𑒰 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒩𑓂𑒑𑒞 (१) 𑒩𑒰𑒖𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒪𑒰𑒪 𑒠𑒰𑒮 𑒖𑒲 𑒣𑒩 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒤 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒧𑒰𑒝 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨, (२) 𑒩𑒫𑒲𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒣𑒩 𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒧𑒞 𑒂 (३) 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧 𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒪𑒱𑒐𑒪 𑒖𑒰𑒨𑒞। 𑒬𑒹𑒭 ७ 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒣𑒩 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒝𑒨 𑒬𑒲𑒒𑓂𑒩 𑒏𑒋𑒪 𑒖𑒰𑒨𑒞।

-ગાળેન્દ્ર ઠાકુર, સમ્પાદક વદિહ, ૈહાિસાપપ ની +ર્દ૧ર્દ૫૬૦ર્દ૬૦૭ર૧ હથથશ્ઃવ્રરયપહશ્રછશ્રોરૂમ્ રષમ્મ ૨૨૨ર્દ-૫૪૭શ્ર વ્રરયપહશ્ર

# ૪ (૧)

## વદિહક "ણિ ણવ્ર૭ સમ્મિાળ"

વદિહ દ્વારા ળે વશિષાંક પ્રકાશતિ હોર છૈ િકર સંગે વદિહ શ્રોહણ સંસ્થા, પત્રકિા, ૭પ્પક, ક૭ાકાર, સ્વયંસેવી વા સાર્વળણકિ ળીવન ળીણહિારપર શ્રપણ યેશ્રાણ સેહો કેંદ્રતિ કરાિ ળણકિાપર વદિહક વશિષાંક કોળી કારામ્મવશ નૈ પ્રકાશતિ ઞાઽ સક૭ા ૯કર પ્રક્રયિા શ્રા કાર્યાન્વયણક વવિરણ ૯ણા શ્રછિ

<u>ણશ્રિમ શ્રા કાર્યાન્વયણ:</u>

૧) હમ ૯કટા કોળી સંસ્થા, પત્રકિા, ૭પ્પક, ક૭ાકાર, સ્વયંસેવી વા સાર્વળણકિ ળીવન ળીણહિારપર સમગ્ર શ્રા૭ોયણા કરવ ળકર ઞાષા મૈથિ૭િ શ્રથવા શ્રંગ્રેળી રહિ। ૯ પોથીક પહિ૭ રૂપ ૬-વુક કેર રૂપમે ૯િ શ્રા પ્રયાસ રહિ ળે ૯કર પ્રટિ સેહો શ્રાવયૂ ળે પરસ્થિતિપિર ણર્ઞિર કરાિ।

૨) ૯ શ્રંખ૭ામે:-

(િ) સુઞાષ ચંદ્ર યાદવપર કેંદ્રતિ "ણિ ણવ્ર૭ સુઞાષ ચંદ્ર યાદવ",

(િિ) રાળદેવ મંડ૭પર કેંદ્રતિ "ઢાળદૈ માણદા૭- માિહિ૭િ શ્રૌરાિર" શ્રા

(િિ) ળગદીશ પ્રસાદ મણ્ડ૭ કેન્દ્રતિ "હાગદસિહ શ્રરાસાદ માણદા૭- માિહિ૭િ શ્રૌરાિર" પ્રકાશતિ ઞે૭ શ્રછિ

પહિ૭ દુનૂ પોથીક ૭ોકાર્પણ ૩૧ દસિમ્બર ૨૦૨૨ કેં ૧૧૧મ સગર રાિદિીપ ળરયૂ મે ક૯૭ ગે૭। િેસર પોથીક ૭ોકાર્પણ ૨૫ માર્ચ ૨૦૨૩ કેં ૧૧૨ મ સગર રાિદિીપ ળરયૂ મે ક૯૭ ગે૭।

(વ઼િ) "નીતિ નવલ દિનેશ કુમાર મિશ્ર" આ

(વ઼) "નીતિ નવલ સુશીલ" નામે અછિ।

આગાઁક ઘોષણા ભલ હાતપ્:વ઼દિહ઼ાયો઼નિ્નિવ઼ેસતગિાતિાનિ઼હતામ દેખૈત નહિ।

પૂર્વપીઠિકા: કમલાનન્દ ઝાક પોથી "મૈથિલી ઉપન્યાસ: સમય સમાજ આ સવાલ" (૨૦૨૧) ક શીર્ષક જેનામક અછિ। ઈ હુનકર કિછુ સર્વશ્રેષ્ઠ ઉપન્યાસકારપર કિછુ સમ્પાદિત કથિત સમીક્ષાત્મક આલેખક સંગ્રહ અછિ, ૨૬૩ પન્નાક ઈ પોથી હાર્ડવાઉણ્ડમે લાર્વેનીકેઁ માત્ર વેચલ જા સકત, જતઽ ઈ સડ઼ી જાયત, અમેજનસઁ હમ ઈ ચારિ સય પાઁચ ટાકામે કિનલૌં મુદા એમે પાઁચો પાઠક સામગ્રી નૈ અછિ।

જતઽ એકટા જૂલ સુચાર અછિ, એકટા ગણ્ય સર્વશ્રેષ્ઠ લેખક સુભાષ ચન્દ્ર યાદવક ઉપન્યાસ 'ગુલો'કેઁ વિનુ પઢ઼ને ઓ દૂ પાઁતિ લિખિલન્હિ આ નિપટા દેલન્હિ, ઓ દુનૂ પાઁતિ હમ જતઽ અહાઁક મનોરંજનાર્થ પ્રસ્તુત કઽ રહલ છી। અહાઁ ગુલો પઢ઼નહિયે હએવ, જઁ નૈ પઢ઼ને છી તઁ પહિને પઢ઼િ લિઅ, કારણ તખન બેસી મનોરંજક અનુભવ હએત, ગુલો સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ જીક અનુમતિ સઁ ઉપલબ્ધ અછિ વિદેહ આર્કાઇવપર એ હાતપ્:વ઼દિહ઼ાયો઼નિ્પોતહ઼િતામ લિકિપર।

"ઉપન્યાસક કમજોરી અછિ લેખકક રાજનીતિક પૂર્વાગ્રહ। રાજનીતિ વિશેષક પક્ષધરતા રચનાક સંગ ન્યાય નહિ કઽ પવૈત અછિ।"

જઽ ઉપન્યાસમે રાજનીતિ દૂર-દૂર ધરિ નૈ છૈ ઓતઽ 'રાજનૈતિક પૂર્વાગ્રહ' આ 'રાજનીતિ વિશેષક પક્ષધરતા'ક તઁ પ્રશ્ને નૈ છૈ। રાજનીતિક પૂર્વાગ્રહ વા પક્ષધરતાક સોઝર ધૂમકેતુ આ યાત્રી પ્રયુક્ત કેલન્હિ। સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ જીક 'જોટ' જે ૨૦૨૨મે આયલ જે સુભાષ ચન્દ્ર યાદવ જીક અનુમતિ સઁ ઉપલબ્ધ અછિ વિદેહ આર્કાઇવપર એ હાતપ્:વ઼દિહ઼ાયો઼નિ્પોતહ઼િતામ લિકિપર, સે રાજનીતિપર અછિ મુદા ઓતહુઓ સુભાષજીક જગત શૈલીકેઁ રાજનીતિક પૂર્વાગ્રહ વા પક્ષધરતાક સોઝરક આવશ્યકતા નૈ પડ઼લૈ। પઢ઼ુ હમર પોથી 'નીતિ

𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫' 𑒖𑒹 𑒅𑒣𑒪𑒥𑓂𑒡 𑒁𑒕𑒱 𑒌 𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒠𑒱𑒯𑒰𑒔𑒼𑒃𑒢𑓂𑒣𑒼𑒞𑒯𑒱𑒯𑒞𑒧 𑒪𑒱𑓀𑒏𑒣𑒩।

𑒏𑒧𑒪𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰𑒏 𑒥𑒳𑒢𑒱 𑒣𑒜𑓃𑒢𑒹 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫𑒏 𑒫𑒱𑒩𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒫𑒰𑒠𑒲 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒑𑒞 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒰𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒰𑒩𑒏 𑒒𑒧𑓂𑒙𑒲 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒃 𑒯𑒱𑒮𑒰𑒥𑒹 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒫𑒰𑒠𑒏𑒹𑒿 𑒂𑒑𑒰𑒿 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒻𑒪 𑒏𑒧𑒪𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 𑒫𑒰𑒧𑒣𑓀𑒟𑒏 𑒐𑒼𑒪 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒻 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒖𑒱𑒏 𑒢𑓂𑒨𑒰𑒨𑒏 𑒥𑒪𑒱 𑒔𑒜𑓃𑒥𑓄 𑒔𑒰𑒯𑒻 𑒕𑒟𑒱, 𑒞𑒏𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒡𑒰𑒩𑒰 𑒮𑒔𑒹𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒄 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒰𑒨𑒼𑒛𑒰𑒙𑒰𑒧𑒹 𑒑𑒩𑓂𑒫 𑒮𑒫𑒩𑓂𑒝𑒮𑒿 𑒕𑒲𑒢𑒱 𑒏𑓄, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒡𑒰𑒩𑒰𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒏 𑒯𑒏𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒩𑒱 𑒏𑓄 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒁𑒮𑒰𑒃𑒢𑒧𑒹𑒝𑓂𑒙𑒏 𑒑𑒩𑓂𑒫𑒮𑒿 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒂 𑒄 𑒁𑒮𑒰𑒃𑒢𑒧𑒹𑒝𑓂𑒙 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒧𑒹𑒩𑒱𑒙𑒮𑒿 𑒢𑒻 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒑𑒞 𑒙𑒰𑒩𑒑𑒹𑒙𑒱𑓀𑒮𑒿 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱, 𑒁𑒯𑒲 𑒮𑒦 𑒏𑒰𑒩𑒱𑒠𑒰𑒢𑒲𑒏 𑒋𑒫𑒖𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒮𑒦 𑒪𑒼𑒏 𑒪𑒹𑒪 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒥𑒰𑒨𑒼𑒛𑒹𑒙𑒰𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒰𑒿𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒡𑒰𑒩𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒖𑒲𑒫𑒢-𑒧𑒩𑒝𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢।

𑒂𑒥 𑒁𑒯𑒰𑒿 𑒣𑒳𑒕𑒥 𑒖𑒹 𑒞𑒏𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒏𑒰𑒩 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒡𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒹𑒢𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒏, 𑒂 𑒞𑒿 𑒏𑒢𑓂𑒢𑒰𑒩𑒼𑒯𑒙 𑒢𑒻 𑒏𑒩𑒻𑒋, 𑒞𑒿 𑒞𑒏𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒯𑒧𑒩 𑓓 𑒙𑒰 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒖𑒹 𑓑𑓑𑓑𑒧 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒲𑒣 𑒖𑒩𑒨 𑒧𑒹 𑒪𑒼𑒏𑒰𑒩𑓂𑒣𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑓓𑓑 𑒠𑒱𑒮𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓒𑓒 𑒏𑒹𑒿, 𑒥𑒋𑒯 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒲𑒣 𑒖𑒩𑒨 𑒖𑒏𑒩𑒰 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒑𑒞 𑒠𑒮 𑒥𑒩𑓂𑒭𑒮𑒿 𑒑𑒲𑒛𑓃𑒱 𑒪𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒏𑓄 𑒩𑒯𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒁𑒯𑒰𑒿𑒮𑒿 𑒌 𑒞𑒲𑒢𑒴 𑒣𑒼𑒟𑒲𑒣𑒩 𑒙𑒱𑒣𑓂𑒣𑒝𑒲 𑒄-𑒣𑒞𑓂𑒩 𑒮𑒓𑓂𑒏𑒹𑒞 𑒠𑒱𑒞𑒲𑒩𑒰𑒪𑒱𑒮𑒞𑒰𑒛𑒫𑒠𑒱𑒯𑒰𑒑𑒧𑒰𑒪𑒱𑒨𑒼𑒧 𑒣𑒩 𑒂𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒠𑒴 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒖𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 𑒂 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒯𑒧𑒩 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒰𑓀𑒞𑒏 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒣𑒩 𑒏𑒋𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒏𑒩𑒰 𑒥𑒰𑒠 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪 𑒖𑒲 𑒣𑒩 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒪𑒱𑒐𑒪 𑒑𑒹𑒪 (𑓑𑓑𑓒 𑒮𑒑𑒩 𑒩𑒰𑒞𑒱 𑒠𑒲𑒣 𑒖𑒩𑒨 𑒧𑒹 𑒪𑒼𑒏𑒰𑒩𑓂𑒣𑒝) 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒣𑒼𑒟𑒲𑒏 𑒪𑒱𑓀𑒏 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿 𑒠𑒹𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। '𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒠𑒱𑒢𑒹𑒬 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩' 𑒂 '𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒬𑒲𑒪' 𑒖𑒰𑒩𑒲 𑒁𑒕𑒱।

𑒜𑒰𑒖𑒠𑒼 𑒧𑒰𑒢𑒠𑒰𑒪- 𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒬𑓂𑒩𑒾𑒩𑒰𑒞𑒱𑒩 (𑒧𑒾𑒪𑒱𑒏 𑒭𑒳𑒣𑒣𑒪𑒹𑒧𑒹𑒢𑒞 𑓒 & 𑓒𑓒)

𑒢𑒱𑒞 𑒢𑒫𑒪 𑒮𑒳𑒦𑒰𑒭 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒨𑒰𑒠𑒫

-ગજેન્દ્ર ઠાકુર, સમ્પાદક વિદેહ, ૈહાતસાપપ નો +૯૧૯૫૬૦૯૬૦૭૨૧ હ્થથશ્ઠ:વ્રચ્પહશ્રછશ્રોરાપ્ ર્ષષાણ ૨૨૨૯-૫૪૭શ વ્રચ્પહશ્ર

૪(૨)

## ગતિ ગવ્ઙ દનેશ કુમાર મિશ્ર

દનેશ કુમાર મિશ્રક 'દુર પાટન કે વીચ મે' કોસી નદીક ઐતિહાસિક આત્મકથા થીક, ઓ મિથિલાક આન ચાર સભક ઐતિહાસિક આત્મકથા સેહો લિખને છથિ જેના વન્દની મહાનન્દા, વાગમતી કી સદ્ગતિ!, દુર પાટન કે વીચ મેં (કોસી નદી કી કહાની), ન ઘાટ ન ઘર, વગાવત પર મજવૂર મિથિલા કી કમલા નદી, જુતહિ નદી આૌર તકનીકી ઝાડ઼-ફૂંક, થહે પ્પાપલા ઢવિર ાનદ શ્રોપલ શ્રોન છોલલસિનિ છુરસે, ભહુતાહિ ભાલાન- ષતોરય ેઙ । ગહોસત ર્વિર ાનદ નગાનિનિગ ૈતિયહ્યરાઙત, ઢેડુગેસ ેઙ તહે પ્પોસઁ એમવાનકમેનતસા સાહિત્ય અકાદેમીક મૈથિલી

પનામન્શદાન્ની સમિતિકિ સદસ્ય પંકળ ઠા પનાશન દ્વાના હિનિકન પોથી સભસઁ પૈનાક પૈના મૈથિલી અનુવાદ કડ અપના નામે ઉપન્યાસ છપવાઓલ ગેલ અછિ, ળકના છદ્મ સમીક્ષક કમલાનન્દ ઠા એ ચોન લેખકક નસિન્ય કહૈ છથિ! એનડ સ્પષ્ટ કડ દી ળે ઈ ચોન લેખક આ છદ્મ સમીક્ષક દુનૂ અલીગઢ઼ મુસ્લિમ વિદ્યાલયક હિન્દી વિભાગમે છથિ। ઈ નસિન્ય દિનેશ કુમાન મિશ્નક થીક, ળે આઝઆઝટી પ્ણ઼ાપુનસઁ સંવિદિ ઝ્નળીનયિનિંગ મે વી ટેક ૧૯૬૮મે આ સ્ટ્નક્ચનલ ઝ્નળીનયિનિંગમે એમ.ટેક ૧૯૭૦મે કેને છથિ, આ ઓઝ નસિન્ય લેલ કવિલતાઝઙ છથિ। ળખન કોનો વિષયમે નામાંકન નૈ હોઝ છૈ તખન લેક હાનિ-થાકિ હિન્દીમે નામાંકન લઝએ, નૈ તઁ કમલાનન્દ ઠા કેઁ વુઠડ મે આવિ ળિઝનહિ ળે ઈ નસિન્ય કોનો સંવિદિ ઝ્નળીનયિનેક ભડ સકૈત અછિ, ભડ સકૈએ વુઠલ હોઝન્હિ હિન્દી મૂલ આ મૈથિલીક સ્ક્નીનશૉટ આઁગા સંલગ્ન અછિ।

દિનેશ કુમાન મિશ્ન મથિલીક નૈ છથિ મુદા મથિલીક સભ ચાનક કથા ઓ લિખિને છથિ, હમ સભ હુનકા પ્નતિ કૃતળ્ઞ છી આ હુનકન ક્રમસઁ મથિલીવાસી કહિયો ઉક્રમ નૈ ભડ સકત, મુદા મૂલચાનાક પુનસ્કાન આ પાઝ લેઉપ લેકસઁ કૃતઘ્નતે ભેટત સે શ્નેન સદિ઼ય ભેલ। એ લેખકકેઁ દસ વાનહ વન્ખ પહિને સેહો તાનાનન્દ વિયોગી ઉદ્ચાનક ભેટલ છલખિન્હ ળે લિખિને નહથિન્હ ળે ઓ કવિતામે પ્નભાવિત ભડ અનાયાસે અપન નચનામે દોસનક સામગ્નિી ચોનિ કડ લઝ છથિ, એહને સભ। આવ એ કમલાનન્દ ઠા ક આશ્નય તકલન્હિ મુદા દુન્ભાગ્ય! ળઝ હિસાબે બ્નાહ્મણવાદકેઁ આગાઁ વઢ઼ૈબેલ કમલાનન્દ ઠા વામપંથક સોઙન પકડ઼ૈ છથિ આ સામાળિક ન્યાયક વલિ ચઢ઼વડ ચાહૈ છથિ, તકન પ્નતિ સિમાનાન્તન ચાના સચેત અછિ। સોલિગિસઁ વચવા લેલ ળમીન-ળત્થાવલા લેક કમ્યૂનિસ્ટ વનલા આ આવ બ્નાહ્મણવાદ વચેવાલેલ વામપંથક શનણ, એહેન લેક સભસઁ કમ્યૂનળિમકેઁ વહુત નુકસાન ભેલ છૈ।

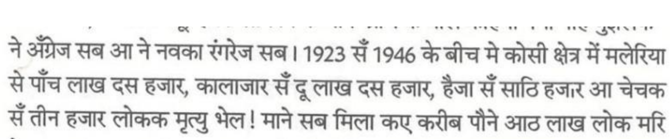
દિનેશ કુમાન મિશ્નક સભટા પોથી આવ હુનકન અનુમતિસઁ ઉપલવ્ધ અછિ વિદિહ આન્કાઝ્વમે:

હાતપ:વિદિહાયોનિપોતહિતિમ

एतऽ एकटा गप मोन पाड़ि दी जे जखन बिल गेट्सकेँ पूछल गेलन्हि जे की ओ एक्स बॉक्स जापानमे पाइरेसीक डरसँ देरीसँ आनि रहल छथि? तँ हुनकर उत्तर रहन्हि जे माइक्रोसॉफ्ट पाइरेसीक डरे कोनो उत्पाद देरीसँ नै उतारत अछि। से विदेह पेटारमे हम सभ ए तरहक रसिक रहितो एकरा आर समृद्ध करैत रहब, कारण समानान्तर धारामे सड़ल माँछ द्वारे पोखरिक सभ माँछ नै सड़ए, एतुक्का मठाह गोट-गोट कऽ सड़ल माँछ निकालैत रहल छथि, निकालैत रहत।

सम्प्लिडीकेटेड समीक्षापर अनतिम प्रहार।

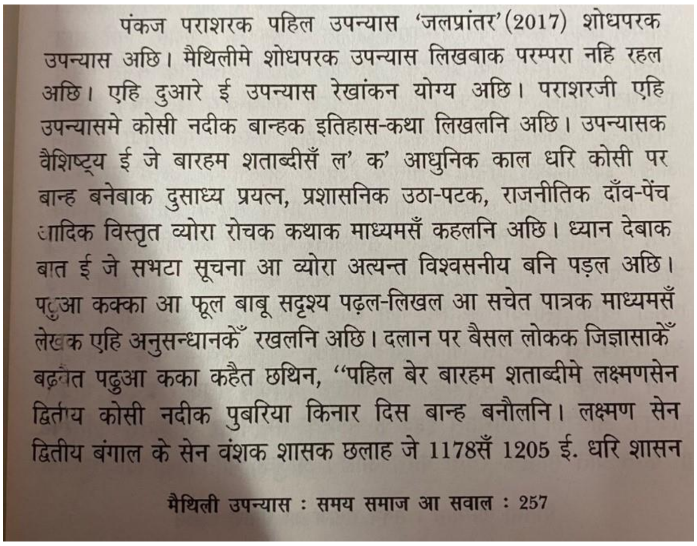
मूल दिनेश कुमार मिश्र (दुइ पाटन के बीच में २००६): यह ध्यान देने की बात है कि १९२३ से १९४६ के बीच कोसी क्षेत्र में मलेरिया से ५,१०,०००, कालाजार से २,१०,०००, हैजे से ६०,००० तथा चेचक से ३,००० मौतें (कुल ७,८३,०००) हुईं। चोर पंकज झा पराशर (**साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य)** [जलप्रांतर २०१७ (पृ. १०३)]:


ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

मूल दिनेश कुमार मिश्र (दुइ पाटन के बीच में २००६): भारतवर्ष में बिहार में कोसी नदी को बांधने का काम १२वीं शताब्दी में किसी राजा लक्ष्मण द्वितीय ने करवाया था और इस काम के लिए उसने प्रजा से 'बीर' की उगाही की और नदी का तटबन्ध 'बीर बांध' कहलाया। इस तटबन्ध के अवशेष अभी भी सुपौल जिले में भीम नगर से कोई ५ किलोमीटर दक्षिण में दिखाई पड़ते हैं। डॉ. फ्रांसिस बुकानन (१८१०-११) का अनुमान था कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा के लिए बनी बाहरी दीवार रहा होगा। क्योंकि यह बांध चौस नदी के पश्चिमी किनारे पर तिलयुगा से उसके संगम तक ३२ किलोमीटर की दूरी में फैला हुआ था। डॉ. डब्लूडब्लू हन्टर (१८७७) बुकानन के इस तर्क के साथ सहमत नहीं थे कि यह बांध किसी किले की सुरक्षा दीवार था। स्थानीय लोगों के हवाले से हन्टर का

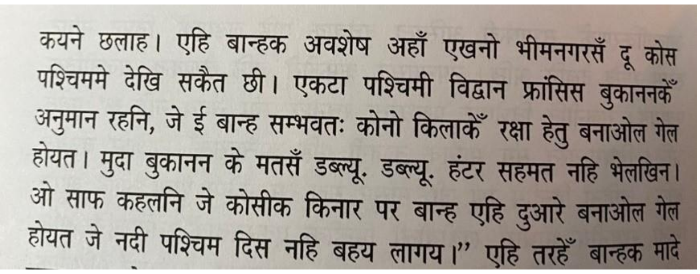
માનના થા કિ અધિકાંશ લોગ ઇસે કભિ કી દીવાર નહીં માનતે ઔર ઉનકે હિસાબ સે યહ કુછ ઔર હી ચીજ થી મગર વહ નિશ્ચિત રૂપ સે કુછ કહને કી સ્થિતિ મેં નહીં થે। અભી ભી જો આમ ધારણા બનતી હૈ વહ યહ હૈ કિ યહ કોસી નદી કે કિનારે બના કોઈ તટબન્ધ રહા હોગા જિસસે નદી કી ધારા કો પશ્ચિમ કી ઓર ખિસકને સે રોકા જા સકે। લોગોં કા યહ ભી કહના થા કિ ઐસા લગતા થા કિ ઇસ તટબન્ધ કા નિર્માણ કાર્ય એકાએક રોક દિયા ગયા હોગા।

છદ્મ સમીક્ષક કમલાનન્દ ઝા દ્વારા ચોર ઉપન્યાસકારક પીઠ ઠોકબ, દેખૂ છદ્મ સમીક્ષક કમલાનન્દ ઝા દ્વારા ઉદ્ય◌ૃત ચોર પંકજ ઝા પરાશર (મૈથિલી ઉપન્યાસ, સમય, સમાજ આ સવાલ પ◌ૃ ૨૫૭-૨૫૮):



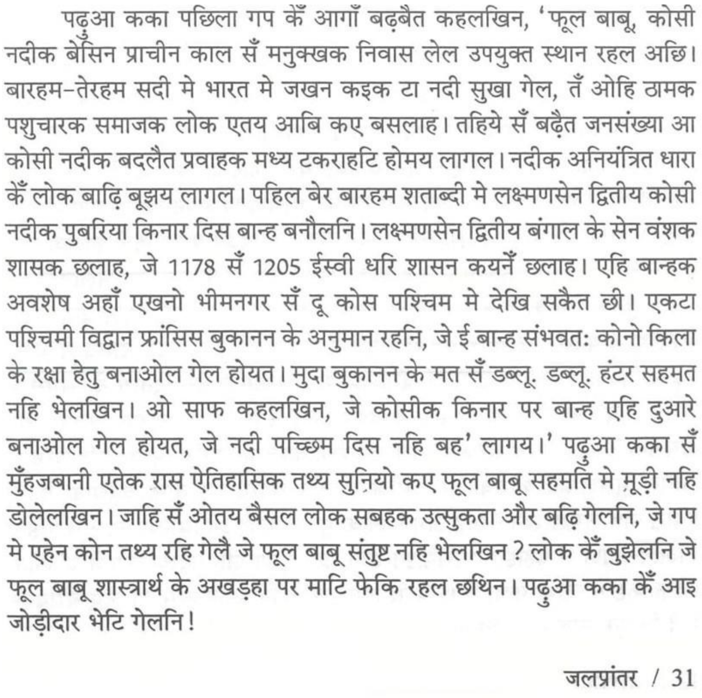
पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर'(2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत ब्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ ब्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पढ़ुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़बैत पढ़ुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257



कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

# યોન પંકળ દ્વા પનાશન (**સાહિત્ય અકાદેમીક મૈથિલી પનામર્શદાત્ની સમિતિક સદસ્ય**) [ળ૭પ્રાંતન ૨૦૧૭ (પૃ ૩૧)]:



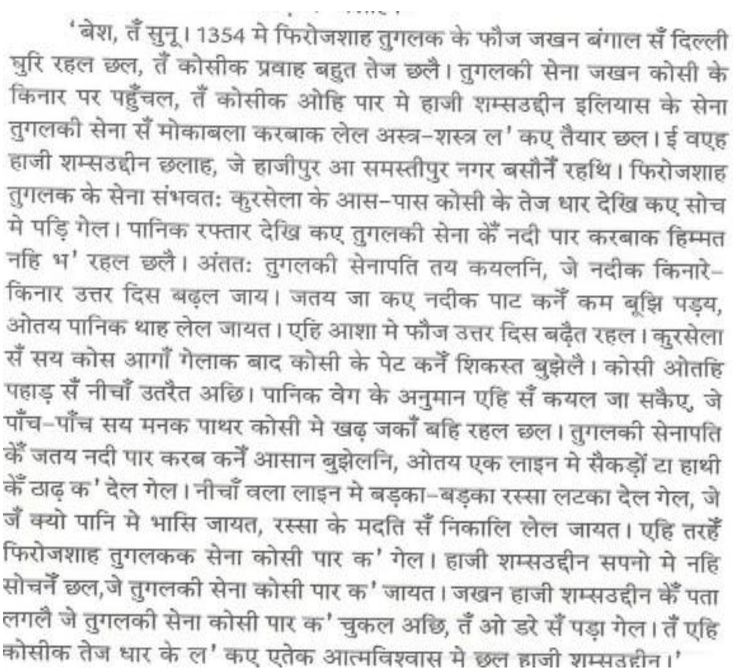
पढ़ुआ कका पछिला गप कें आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा कें लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवत: कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पढ़ुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक कें बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पढ़ुआ कका कें आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

મૂ૭ દિનેશ કુમાન મિશ્ન (દુઇ પાટન કે વીચ મેં ૨૦૦૬): કોસી કે પ્નવાહ કી અયાવ઼હતા કી એક દિલચસ્પ મિસાલ ફિનોળશાહ તુગલક કી ફૌળ કે સન્ ૧૩૫૪ મેં વંગાલ સે દક્ષિણ લૌટને કે સમય મિલતી હૈ। વતાયા ળાતા હૈ કિ ળવ સુલ્તાન કી ફૌળેં કોસી કે કિનાને પહુઁચી તો દેખા કિ નદી કે દૂસને કિનાને પન હાળી શમ્સુદ્દીન ઇલિયાસ કી ફૌળેં મુકાવલે કે લિએ તૈયાન ખડ઼ી હૈ। યહ વહી હાળી શમ્સુદ્દીન થે ળિન્હોંને હાળીપુન તથા સમસ્તીપુન શહન વસાયે થે। ફિનોળ કી ફૌળેં શાયદ કુનસેલા કે આસ-પાસ કિસી ળગહ પન કોસી કે કિનાને સોચ મેં પડ઼ ગઈ। નદી કી નફ્તાન ઉન્હેં આગે વઢ઼ને સે નોક નહી થી। આખિનકાન ફૈસલા હુઆ કિ નદી કે સાથ-સાથ ઉત્તન કી ઓન વઢ઼ા ળાય ઔન ળહાઁ નદી પાન કનને લાયક હો ળાય વહાઁ પાની કી થાહ લી ળાયે। સુલ્તાન કી ફૌળેં પ્નાયઃ સૌ કોસ ઊપન ગઈ ઔન ળિયાનન કે પાસ, ળો કિ ઉસી સ્થાન પન અવસ્થિત થા ળહાઁ નદી પહાડ઼ો સે મૈદાનો મેં ઉતનતી થી, નદી કો પાન કિયા। નદી કી ધાના તો યહાઁ પન ભી ળૂન થી પન પ્નવાહ ઇતના તેળ થા કિ પાઁચ-પાઁચ સૌ મન કે ભાની પત્થન નદી મેં તિનકો કી તનહ વહ નહે થે। ળહાઁ

नदी को पार करना मुमकिन लगा। उसके दोनों ओर सुल्तान ने हाथियों की कतार खड़ी कर दी और नीचे वाली कतार में रस्से लटकाये गये जिससे कि यदि कोई आदमी बहता हुआ हो तो इस रस्सों की मदद से उसे बचाया जा सके। शम्सुद्दीन ने कभी सोचा भी न था कि सुल्तान की फौजें कोसी को पार कर लेंगी और जब उस को इस बात का पता लगा कि सुल्तान की फौजों ने कोसी को पार करने में कामयाबी पा ली है तो वह भाग निकला।

चोर पंकज झा पराशर (**साहित्य अकादेमीक मैथिली परामर्शदात्री समितिक सदस्य)** [जलप्रांतर २०१७ (पृ. १०५)]:


'बेश, तँ सुनू। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली घुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौनें रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना कैँ नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनैं कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनैं शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति कैँ जतय नदी पार करब कनैं आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी कैँ ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जँ क्यो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनैं छल,जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन कैँ पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

(शीघ्र अहि लिंकपर आर स्क्रीनशॉट अपडेट कएल जायत।)

विदेहक ३६३ म अंक दिनांक ०१ जनवरी २०२३ सँ प्रारम्भ नीति नवल दिनेश कुमार मिश्र

हालप:विदेहयोनि विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA (सनिये २००४) पर।

-ગળેન્દ્ર ઠાકુર, સમ્પાદક વ઼િદેહ, ૈહાતસાપપ નો
+૯૧૯૫૬૦૯૬૦૭૨૧ હથથસ્ઠ:વ઼ઽયએહશ્રછશ્રોઽમ્ ઽષષામ ૨૨૨૯-૫૪૭ઝ
વ઼ઽયએહશ્ર

૪ (૩)

## નતિ નવ઼ઊ સુશીઊ

કમઊાનન્દ હાકેઁ હમ કિએ છદ્મ સમીક્ષક કહઊયિનિ?

કારણ ઓ છદ્મ સમીક્ષક છથિ।

ઓ ઊખ્પૈ છથિ- "મૈથિઊિ ઉપન્યાસ-પાત્રાક ઊગાળગ સય વ઼ર્ષક વાદ મૈથિઊ અન્તરળાતીય વ઼િવ઼ાહક સપના, સંઘર્ષ આ વ઼િડમ્વના પર ગરમિાયુક્ત ઉપન્યાસ ઊખ્વાક શ્રેય ગૌરીનાથકેઁ ળાઽત છનિ।"

તઁ કી કમઊાનન્દ હા સુશીઊસઁ ई શ્રેય છીનિ ઊિઊનિ? કી ई હુનકર વ્રાહ્મણવ઼ાદી સંસ્કારક અહંકાર- ળે હમ કકરો યઢ઼ા સકૈ છિએ આ કકરો ઉતારિ સકૈ છિએ- કેર પરાકાષ્ઠા થીક, આકિ હુનકર અધ્યયનક અભાવ઼ક પ્રમાણ?

યઊ અહાઁકેઁ ઊઽ યઊિ કમઊાનન્દ હા કેર સ્વ઼ાર્થી દુનિયાઁસઁ દૂર, છઊ-છદ્મસઁ દૂર સુશીઊક ળાદૂવઊા સાહિત્યક નિશ્છઊ દુનિયાઁમે।

અહાઁક સ્વ઼ાગત અછિ સુશીઊક સાહિત્યક દુનિયાઁમે।

પ્રસ્તુત અછિ સુશીઊક 'ગામવાઊિ' (૧૯૮૨) ળે આવ ઉપઊવ્ધ અછિ વ઼િદેહ આર્કાઽવ઼મે ઊિંક હતતપ:વ઼િદેહ઼ાયોનિ઼પોતહિતમ પર।

પહિઊ પાઁતીમે ઉપન્યાસ આરમ્ભસઁ પહિનહિયે 'ગામવાઊિ' ઉપન્યાસક સમ્વન્ધમે સુશીઊ ઊખ્પૈ છથિ-

"વ઼િધિવ઼ા વ઼િવ઼ાહ આ અન્તર્ળાતીય વ઼િવ઼ાહક સમર્થનમે।"

શ્રા ઉપન્યાસ શ્રાનમ્જા

*ગામવાળીક મ઼ૃત્યુ શ્રા તપ્પને હ્મેળ, ગામવાળીક દાહ સંસ્કાન કે કનતૈ? વ્નાહ્મણ સમાળ કિ ળાદવ સમાળ?*

મૈથિળીક સમ્મિ્ળીકેટેડ સમીક્ષાપન શ્રન્તમિ પ્નહાન।

વ઼દિહ્ક ૩૬૩ મ શ્રંક દિનાંક ૦૧ શ્રનવની ૨૦૨૩ સઁ પ્નાનમ્જ઼ **નતિ નવ઼ળ સુશીળ**

<u>હાતપુ:વ઼દિહ઼યોનિ</u> વ઼દિહ: પ્નથમ મૈથિળી પાક્ષકિ ૬-પત્નકિા ૨ષષામ ૨૨૨૮-૫૪૭શ વ઼૨યપ્હશ્ર (સનિયે ૨૦૦૪) પન।

-ગાળેન્દ્ન ઠાકુન, સમ્પાદક વ઼દિહ,હૌતસાપપ નો
+૮૧૯૮૫૬૦૮૬૦૭૨૧ હથથશ્:વ઼૨યપ્હશ્રછશ્રોશમ્ ૨ષષામ ૨૨૨૮-૫૪૭શ વ઼૨યપ્હશ્ર

૫

વ઼દિહ્ક "સાહિત્યિકિ જ્નષ્ટાયાન વ઼શિષાંક"

વ઼દિહ "સાહિત્યિકિ જ્નષ્ટાયાન વ઼શિષાંક" ળળ નમ્નિળપ્પિતિ વ઼ષિયપન શ્રાળપ્પ ૬-મેળ ેદિતીનાળિસનાડડ઼વ઼દિહ઼ાગામાળિયોમ પન શ્રામંત્નતિ શ્રછિ।
૧ સાહિત્ય, કળ શ્રા સનકાની શ્રકાદમી:-
(ક) પુનસ્કાનક નાળનીતિ
(પ્પ) સનકાની શ્રકાદેમીમે પૈસવાક ગાપ્ન-ળોકતાંત્નકિ વ઼ધિાન
(ગ) સત્તાગુટ શ્રા શ્રકાદમી કેન કાળ કનવાક તનીકા
(ઘ) સનકાની સત્તાક છદ્મ વ઼નિોયમે ઉપળળ તાત્કાળકિ સમાનાંતન સત્તાક કાન્યપદ્ધતિ
(ઙ) શ્રકાદેમી પુનસ્કાનમે પાર શ્રૈક્ટન: મથિક વા યથાન્થ
૨ વ્યક્તિગત સાહિત્ય સંસ્થાન શ્રા પુનસ્કાનક નાળનીતિ
૩ પ્નકાશન ળગતમે પસનળ જ્નષ્ટાયાન શ્રા ળપ્પક

૪ મૈથિીક છદ્મ ઉપ્પક સંગઠન શ્રા શ્રોકન પદાધિકાની સવહ્ક શ્રાયનાા
૫ સ્કૂઉ-ક઼ૉઉળક મૈથિીી વઃિાાગમે પસનઉ સાહિત્યિક ન્નષ્ટાયાનક વવિધિ
નૂપ-

(ક) પાઠ્યક્રમ

(ખ) શ્રધ્યયન-શ્રધ્યાપન

(ગ) નિયુક્તિ

૬ સાહિત્યિક પત્નકાનાિ, નવિ્યૂ, મંચ-માઉ-મારક શ્રા ઉકાનપાાક ખેઉ-નમાશા
૭ ઉપ્પક સવહ્ક ળન્મ-મનાા શતાવ્દી કેન યુનાવ, કૈઉંડનવાદ શ્રા નકના પાછૂક
નાળનીતિ
૮ દઉતિ એવં ઉપ્પકિ સવહ્ક સંગે ભેદ-ભાવ શ્રા શ્રોકન શોષાાક વવિધિ નનીકા
૯ કોનો શ્રાન વિષય

## ૬

## વિદેહ વ્નૉડકાસ્ટ ઉસ્ટિ

વિદેહ શ્રૌશ્રૌશ્રૌવિરયએહશ્રછશ્રોરાા સમ્વન્ધી સૂયના ઉઉ શ્રપન ેહાનસાપપ નમ્વન હમન ેહાનસાપપ નો +૯૧૯૫૬૦૯૬૦૭૨૧ પન પઠાઉ, શ્રોકન પ્નયોગ માત્ન વિદેહ સમ્વન્ધી સમાયાન દેવાક ઉઉ કએઉ ળાએત

-ગળેન્દ્ન ઠાકુન, સમ્પાદક વિદેહ, ેહાનસાપપ નો +૯૧૯૫૬૦૯૬૦૭૨૧ હથથશ્:વિરયએહશ્રછશ્રોરાા્ રષાાા રરર૯-૫૪૭શ્ર વિરયએહશ્ર

*મૈથિી શ્રા મથિિાસઁ સંવંધિત કિછુ મુખ્ય સાઇટ:- શ્રાન ઉકિક વિષયમે સૂયના ેદતિીનાિઉસતાડવિદેહગામાઉયોમ કેઁ ઇ મેઉસઁ પઠાવી*

હાનપ઼ૌૌવિદેહયોનિ ("વિદેહ" પ્નથમ મૈથિીી પાક્ષિક ઇ પત્નિકા)

હત્તપ્:ગજેન્દ્રઠકુરબ્લોગસ્પોત્કોમ્૨૦૦૪૦૭ભલસરિક-ગછહ્ત્મલ (ઇંટરનેટપર મૈથિલી ભાષાક પ્રાચીનતમ ઉપસ્થિતિ મૈથિલીક પહિલ બ્લૉગ- મૈથિલી ભાષા બ્લૉગક એગ્રીગેટર, ૫ જુલાઇ ૨૦૦૪)

હત્તપ્:વિદેહકોમ્૨૦૦૪૦૭ભલસરિક-ગછહ્ત્મલ (ઇંટરનેટપર મૈથિલી ભાષાક પ્રાચીનતમ ઉપસ્થિતિ મૈથિલીક પહિલ બ્લૉગ- મૈથિલી ભાષા બ્લૉગક એગ્રીગેટર, ૫ જુલાઇ ૨૦૦૪)

ભાલસરિક ગાછ જે સન ૨૦૦૦ સઁ યાહૂસાઇટપર છલ હત્તપ્:ગેઓચિતિએસ્કોમ્ભલસરિક_ગછહ્ત્મલ, હત્તપ્:ગેઓચિતિએસ્કોમ્ગગજેન્દ્ર આદિ લિંકપર આ અખનો ૫ જુલાઇ ૨૦૦૪ ક પોસ્ટ હત્તપ્:ગજેન્દ્રઠકુરબ્લોગસ્પોત્કોમ્૨૦૦૪૦૭ભલસરિક-ગછહ્ત્મલ (કિછુ દિન લેલ *હત્તપ્:વિદેહકોમ્૨૦૦૪૦૭ભલસરિક-ગછહ્ત્મલ લિંકપર, સ્રોત વયબચ્ક મચહિને હત્તપ્સ્:વેબઅર્ચ્હિવેઓર્ગ્વેબ્વિદેહ ૨૫૮ ચપતુરે(સ) ફ્રોમ ૨૦૦૪ તો ૨૦૧૬- હત્તપ્:વિદેહકોમ્ ભાલસરિક ગાછ-પ્રથમ મૈથિલી બ્લૉગ / મૈથિલી બ્લૉગક એગ્રીગેટર)* કેર રૂપમે ઇન્ટરનેટપર મૈથિલીક પ્રાચીનતમ ઉપસ્થિતિક રૂપમે વિદ્યમાન અછિ। ઈ મૈથિલીક પહિલ ઇંટરનેટ પત્રિકા થિક જકર નામ બાદમે ૧ જનવરી ૨૦૦૮ સઁ "વિદેહ" પડ઼લૈ।ઇંટરનેટપર મૈથિલીક પ્રથમ ઉપસ્થિતિક યાત્રા વિદેહ- પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા ધરિ પહુઁચલ અછિ,જે હત્તપ્:વિદેહકોઇન્ પર ઈ પ્રકાશિત હોઇત અછિ। આબ "ભાલસરિક ગાછ" જાલવૃત્ત 'વિદેહ' ઈ-પત્રિકાક પ્રવક્તાક સંગ મૈથિલી ભાષાક જાલવૃત્તક એગ્રીગેટરક રૂપમે પ્રયુક્ત ભઽ રહલ અછિ। વિદેહ ઈ-પત્રિકા ઇસ્સ્ન ૨૨૨૯-૫૪૭ઙ્ક વિડેહઅ પલ્લવમિથિલિ (યોગેન્દ્ર પ્રેમર્ષિ) ૨૦૫૯ માઘ સંક્રાન્તિ- ૨૦૦૩ જનવરી મૈથિલીક દોસર ઇંટરનેટ પત્રિકા અછિ જે એ લિંક હત્તપ્:પલ્લવમિથિલિતરિપોદ્કોમ્ પર છલ મુદા આબ ઈ ઉપલબ્ધ નૈ અછિ। ઈ ટિપ્પણી માત્ર રાઇટ્સ સુરક્ષા લેલ અછિ।

હત્તપ્:વિદેહ-ગગજેન્દ્રબ્લોગસ્પોત્કોમ્ (મૈથિલી ભાષા બ્લૉગક એગ્રીગેટર)

હnnપ્ःïïविदेहायोम् (ईन्टरनेटपर मैथिली भाषाक सभसँ पुरान उपलब्ध उपस्थिति् ब्लोग्प्रिय व्लॉग- मैथिली भाषा व्लॉगक एग्रीगेटर ५ जुलाइ २००४ ïïगालेनदरानहाकुरवलोगसपोटयोम )

હnnપ्ःसामाद्वलोगसपोटयोम् (पूनम मंडल आ प्रियंका झाक पहिल मैथिली न्यूज पोर्टल, ९ अगस्त २००४ सँ)

હnnપ्ःपराकारानतारवलोगसपोटयोम् (प्रकारांतर मैथिलीक ब्लोग्प्रिय व्लॉग, फरवरी २००५)

હnnપ्ःविदेयापातविलोगसपोटयोम् (मैथिलीक ब्लोग्प्रिय व्लॉग, अगस्त २००५)

હnnપ्ःïïविदेयापातीमिग् (मैथिलीक ब्लोग्प्रिय व्लॉग, अगस्त २००५)

હnnપ्ःहेल्लोमतिहिलिवलोगसपोटयोम् (हेलो मथिलि- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मइ २००६)

હnnપ्ःपाल्लावलोगसोमेयोम् (हेलो मथिलि- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, १७ मइ २००६)

હnnપ्ःहेल्लोमतिहिलिावलोगसपोटयोम् (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

હnnપ्ःïïहेल्लोमतिहिलियोम् (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

હnnપ्ःसहामपादाकीनदपरेसस्योम् (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

હnnપ्ःïïसामाद्योम् (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

હnnપ्ःहेल्लोमतिहिलीïनदपरेसस्योम्

હnnપ्ःपरेमारसहीïनदपरेसस्योम् (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

.

हnnप्ःनयहनिहानाकहारकोलकातावलोगसपोटयोम् (मैथिलीक ब्लोग्प्रिय गजलक व्लॉग)

हnnपस्ःमतिहिलिसतुदेनतुनीयोम् (मतिहिलि षतुदेनत उनीन)

.

हnnपस्ःवगियानपरासारगोवनिवगियान-रानाकार् (वज्ञिान रत्नाकर)

द्धाउ

હററપ઼:સાનસક઼નરિળણાયનિ઼માનિહિમિઁનિદેશળસપ

હററપ઼:સાનસક઼નરિળણાયનિ઼સનુદેનન_પનોળેયનસ઼ઊશયિોણળસપ?ઊશયિોન=માનિહિમિ

.

શ્રહ્ડ સ઼ાાયરશ્ર ઢશ્રયરશ્રો યશ્રોશ્રોઢયશ્રઢષહશ્રાા શ્રાકાશવાામી દૂનદ઼નશન

હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોિવ઼નિ઼

હરરપ઼નૌસોનાનિ઼યોમ઼

હરરપસ઼:દીોનદાનસહાણ઼ગોવ઼નિ઼

શ્રાકાશવાામી મૈથિલિ પોડકાસ્ટ હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોવ઼નિ઼પોદયાસન઼પહપ?ડમિેનમેળનગ઼ા=માનિહિમિ&ડનોમ=૧૯૪૭-૦૮-૧૫&ડનોમૌપ=૨૦૨૦-૦૮-૨૯&નો=૨૦૫૦-૧૨-૩૧&સોનયહ=ઘશ્રો

શ્રાકાશવાામી પટના દરભંગા મૈથિલિ ગેળનઊ ન્યૂળ ટેક્સ્ટ ડાઉનળોડ-૧ હરરપ઼નૌસોનાનિ઼યોમ઼ઢાાઉ-ાાષય-શ્રુદીો-શ્રનયહવિ઼-ષોનયહ઼ાસપશ

શ્રાકાશવાામી પટના દરભંગા મૈથિલિ ગેળનઊ ન્યૂળ ટેક્સ્ટ ડાઉનળોડ-૨ હરરપ઼નૌસોનાનિ઼યોમ઼ઢગાિનાઊ-થેશનાસપશ

શ્રાકાશવાામી દરભંગા હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોવ઼નિ઼પળયેનસુનયેપહપ?યહાનનેઊ=૨૮૨

શ્રાકાશવાામી દરભંગા યૂ ટ્યૂબ ચૈનલ હરરપસ઼ઁીીયુોનુવેયોમ઼યહાનનેઊઉછઘદાાવેપ્ઢમવ૪પશ્રોઊશ્રીથિપ્નશવશ્ર

શ્રાકાશવાામી ભાગલપુર હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોવ઼નિ઼પળયેનસુનયેપહપ?યહાનનેઊ=૩૫૯

શ્રાકાશવાામી પૂર્ણિયાઁ હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોવ઼નિ઼પળયેનસુનયેપહપ?યહાનનેઊ=૨૫૬

શ્રાકાશવાામી પટના હરરપ઼:પનાસાનવહાનાનિ઼ગોવ઼નિ઼પળયેનસુનયેપહપ?યહાનનેઊ=૧૨૨

શ્રહ્ડ સ઼ાાયરશ્ર ઢશ્રયરશ્રો ળાઘડ઼રષહ ાાશ્રૌષ

શ્રહ્ડ સ઼ાાયરશ્ર ઢશ્રયરશ્રો ાાશ્રૌષ શ્રઢછહ઼રવ઼ા

શ્રહ્ડ સ઼ાાયરશ્ર ઢશ્રયરશ્રો થશ્રહ્ડ્યષ શ્રાાય છઉઢઢળાાથ શ્રઢઢશ્રરઢષ

ઢશ્રર્ઢ઼શ્ર ષશ્રળાહશ્ર થવ ાાશ્રૌષ યરષછઉષરશ્રોાાષ

ષશ્રાાષશ્રય થવ

वृश्यप्हश्रे -ड्प्श्रढाााश्रााघै श्रोउथउजाए छ्हश्रााााप्ड

ह्ततपस्ःःःयोउतुवेयोम्०वदिहा-ढ़ाजनानिाा

वदिहा ढ़ाद श्रढ़ुद थाढ़कनिाा मातिहढ़ि श्रुदाौ जौकस (नियढ़ुदनिाा मातिहढ़ि षगिन ड़ान्गाुगे- २सत तमि नि मातिहढ़ि)

ह्ततपस्ःःःयोउतुवेयोम्०वदिहा_ढ़ुजनाढ़

.

ह्ततप्ःवनामहानीसवढ़ाागसपोतयोम् (मैथिढ़ि समायान)

ह्ततप्ःःःमातिहढ़िकहावातयोम् (नेपाढ़्क मैथिढ़ि ३ पत्निका)

ह्ततप्ःमातिहढ़िनीसयोम्

ह्ततप्ःःःमातिहढ़िनीसवढ़ाागसपोतयोम् (मथिढ़ि श्रा मैथिढ़िक समायानक साश्ट)

ह्ततप्ःःःहामानागामनि (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

ह्ततप्ःमातिहढ़िदोनयोमवढ़ाागसपोतयोम् (मैथिढ़ि नाष्ट्नीय दैनिक)

ह्ततपस्ःमपपदानिकयोम् (मैथिढ़ि पुजनजाागनाम प्नकाश, मैथिढ़ि दैनिक)

ह्ततप्ःमातिहढ़िसामाद्वढ़ाागसपोतयोम् (मथिढ़ि समाद, मैथिढ़ि दैनिक)

ह्ततप्ःजानाकपुननीसवढ़ाागसपोतयोम् (मथिढ़ि श्रा मैथिढ़िक समायानक साश्ट)

ह्ततप्ःःःमातिहढ़िढ़िकयोम् (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

ह्ततप्ःमातिहमिदाविढ़ाागसपोतयोम् (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

ह्ततप्ःःःमातिहमिदायोम् (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

ह्ततपस्ःमातिहढ़िदहानोहानवढ़ाागसपोतयोम् (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

ह्ततपस्ःसमािनयहाढ़योम् (मैथिढ़ि न्यूज पोन्टढ़)

[illegible] (मैथिली नूतन पोर्टल)

.

[illegible] (कीर्तिनाथ झा ब्लॉग)

[illegible] (जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" क ब्लॉग)

[illegible] (वृषेश चन्द्र लाल)

[illegible] (चेतना समिति, पटनाक वेबसाइट)

[illegible] (मैथिली पोथी कीनू)

[illegible] (जीवकाँ साँझ धरि)

[illegible] (साहित्यपुरी)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हनन प्:मानिहमितिमिसोनमनिवमोगसपोनयोम्

हनन प्:मनिहमिवदिहावाळळतिमिहुनवमोगसपोनयोम्

हनन प्:सामादयिवमोगसपोनयोम्

हनन प्:ळतिुमानिहमिविमोगसपोनयोम्

हनन प्:पनानिपिदामानिहमिविमोगसपोनयोम्

हनन प्:वहानसमिनवमोगसपोनयोम्

हनन प्:मानिहमिपिनगमानयहवमोगसपोनयोम्

हनन प्ाँमनिहमिवानविमोगसपोनयोम्

हनन प्ाँमानिहमिसोनगसळगानयोनि्

हनन प्:मनिहमिवमोगयोम्

हनन प्ाँमहाकयहाहाकयोम्

हनन प्ाँळामिनिहमियोम्

हनन प्ाँदाहेळमुकनमनिहमिनग

हनन प्:मनिहमिवानविमोगसपोनयोम्

हनन प्ाँयहामुनदानगानपायहाहयोम्

हनन प्:कसिुनसानकामपमोकोनदपनेसस्योम्

हनन प्ाँकसिुनसानकामपमोकयोनन्

हनन प्:मानिहमिसोनगसहुववमोगसपोनयोम्

हनन प्ाँनाळनपिममावयोम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

હnnપ્:ામતિમોહાનળહાष्ટ્રવઊાગાસપોત્યોમ્

હnnપસ્:માતિહઊિસૌાસnહ્યાપાનયિહાનયહ્વઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિ સ્વાસ્થ્ય પનયિન્યા- નમાકન યૌયનીક વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:માતિહઊિ-દાનપાણ્વઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:મતિહઊિાતોઊ્વઊાગાસપોત્યોમ (મથિઊિાટોઊ મૈથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:માતિહઊિયિનિમાવઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિ શ્ઊિમ્સ)

હnnપ્:માતિહઊિડિઊિમસ્વઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિ શ્ઊિમ્સ)

હnnપ્:માતિહઊિ-દનામાવઊાગાસપોત્યોમ્ (વૃદિહ મૈથિઊિ નાટ્ય ઉત્સવ- વેયન ડાકુનક વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:મળણક્યોયય્ (ઈ ળણકપુન ણ્યૂળ, nનાઈ મ◌ॅડઊ, મથિઊિ રન્શ્ઠોન્મેસણ)

હnnપ્:ૌીથેનામિાપાઊ્યોયય્ (nનાઈ નેપાઊ મથિઊિ ળણકપુન મયેશ હાઊયાઊ શ્રણયnમિ શ્રણયૌહેને સે)

હnnપ્:માતિહઊિુનમતિહઊિવઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિક શ્રા મથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપસ્:ૌીમતિહઊિદાનિક્નિ્ (મથિઊિ દૈનકિ)

હnnપ્:ૌીમતિહઊિામાનયહ્વઊાગાસપોત્યોમ (મથિઊિ મંય)

<u>હnnપ્:માતિહઊિસોનગ્ાવઊાગાસપોત્યોમ્</u> (મથિઊિ શ્રા મૈથિઊિક સમાયાનક વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:માતિહઊિડુિનદાnીનિવઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિ શ્ઠાઉન્ડેશન)

હnnપ્:માતિહઊિવિહાસહ્વઊાગાસપોત્યોમ્ (કાશ્યપ કમઊક વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:નકળnોnહ્વઊાગાસપોત્યોમ્ (નૂપેશ કુમાન હા "ત્યોથ"ક વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:પાનાાત્વિઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

હnnપ્:સનિગાનહાન્વઊાગાસપોત્યોમ્ (મૈથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

<u>હnnપ્:વાયહકીોનદપપેસસ્યોમ્</u> (મૈથિઊિક ઊકપ્નાયિ વ્ઊ◌ॅગા)

हततप्:मतिहिमिनिडिवमेगासपोत्योम (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:मतिह्मासामायहान्वमेगासपोत्योम (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:पमिकहीन्वमेगासपोत्योम् (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:देसमिवायनावमेगासपोत्योम् (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:मातिहमियनळहावमेगासपोत्योम् (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:गाम-गहान्वमेगासपोत्योम् (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्:मतिहमि-महिन्विमेगासपोत्योम् (मैथमिक मेकप्नयि व्ग्रुप)

हततप्ःीीमातिहमिमिकहाकसानगह्वमेगासपोत्योम् (मैथमि मेप्पक संघक ठाउस्थम)

हततप्ःीीमातिहमियोक् (मथिमि कम्यनम ऑर्गेनाइजेशन, यूके)

हततप्:मनिपळानाकपुनीग् (मनिप, ठनकपुन)

हततप्ःीीनिदानवहानगोनग् (आकाशवाणी दनभंगाक साइट)

हततप्:मतिहमिनगानीनग् (मथिमिगनक साइट)

हततप्ःीीदेसमिवायानायोम् (देसमि वयना, हैदनावाद)

हततप्ःीीवमयमनि् (वद्यिपति मैथमि युवा मंच)

हततप्ःीीठामितिहमियोम् (मथिमिक सभ्यता, संस्कृति, विकृति, गीत-संगीत आ वहुत नास ठानकानीक मेम)

हततप्:सोवहागयामतिहमिनलयोम् (सौभाग्य मथिमि- पहमि मैथमि चैनम)

हततप्:कासह्यप-मतिहमिवमेगासपोत्योम्

हततपस्:कासह्यापानतसयहीमीनदपसेसयोम् (कृष्णम कुमान कश्यप आ शशिवामक साइट)

हततप्:मतिहमिपामितनिगानानिनिगवमेगासपोत्योम्

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒠𑒳𑒪𑒳𑒫𑒰𑒫𑒳𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱𑒛𑒱𑒪𑒱𑒧𑓂𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒮𑒺𑒢𑒳𑒩𑒰𑒏𑒪𑒰𑒪𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱𑒛𑒱𑒪𑒱𑒧𑓂𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱𑒫𑒱𑒠𑒲𑒮𑒼𑒢𑒑𑒮𑓂𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒏𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰𑒢𑒞𑒖𑒯𑒰𑒥𑒳𑒨𑒯𑓂𑒼𑒢𑒑𑓂 (𑒏𑒰𑒪𑒲 𑒏𑒰𑓀𑒞 𑒗𑒰 "𑒥𑒴𑒔")

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒮𑒰𑒏𑒺𑒞𑒰𑒢𑒰𑒢𑒠𑒮𑓂𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒮𑒰𑒏𑒺𑒞𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠𑒖𑒲𑒏 𑒥𑓂𑒪𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒑𑒳𑒢𑒖𑒰𑒢𑒑𑓂𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒑𑒳𑓀𑒖𑒢𑒖𑒲𑒏 𑒥𑓂𑒪𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒠𑒰𑒩𑒱𑒯𑒰𑒩𑒺𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒬𑓂𑒨𑒰𑒧 𑒠𑒩𑒱𑒯𑒩𑒺𑒏 𑒥𑓂𑒪𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒠𑒲𑒮𑒯𑒰𑒢𑒏𑒰𑒩𑒢𑒰𑒫𑒱𑒢𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒠𑒺𑒫𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒢𑒫𑒲𑒢𑒏 𑒥𑓂𑒪𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑓃𑒠𑒰𑒨𑒰𑒢𑒰𑒢𑒰𑒨𑒰𑒢𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒢𑒔𑒱𑒏𑒺𑒞𑒰𑒏 𑒮𑒰𑒃𑒙)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑓃𑒢𑒱𑒠𑒱𑒢𑒱𑒧𑒫𑒰𑒮𑒮𑒨𑒼𑒩𑒑𑓃𑒢𑒣𑓂  (𑒦𑒰𑒩𑒞𑒲𑒨 𑒠𑒴𑒞𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒢𑒺𑒣𑒰𑒪)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑓃𑒣𑒳𑒩𑒫𑒼𑒞𑒞𑒰𑒩𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒮𑒰𑒧𑒰𑒖𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪 𑒮𑒧𑒰𑒖)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑓃𑒣𑒳𑒩𑒫𑒼𑒞𑒞𑒰𑒩𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒮𑒰𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 𑒮𑒧𑒢𑓂𑒫𑒨 𑒮𑒧𑒱𑒞𑒱𑒏 𑒞𑓂𑒩𑒻𑒧𑒰𑒮𑒱𑒏 𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒣𑒰𑒢𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒠𑒰𑒩𑒮𑒯𑒢𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱𑒏𑒰𑒫𑒱𑒞𑒰𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒣𑒰𑒢𑒏𑒰𑒪𑒰𑒏𑒯𑒰𑒩𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱-𑒯𑒰𑒏𑒳𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒢𑒰𑒏-𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒱𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒪𑒳𑒠𑒰𑒨𑓃𑒼𑒩𑒑𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒠𑒮𑒰𑒪𑒳𑒨𑒯𑒱𑒨𑒰𑒑𑒼𑒠𑒳𑒪𑒮𑓂 (𑒛𑓃𑒢𑒱𑒑𑒳𑒮𑒱𑒞𑒰𑒨𑒱 𑒭𑒳𑒩𑒫𑒺𑒨 𑒿𑒛 𑒁𑒢𑒠𑒱, 𑒒𑒩𑒰𑒧𑒼𑒣𑒯𑒼𑒢𑒺 𑒩𑒨𑒼𑒩𑒠𑒱𑒑𑒮)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒠𑒮𑒰𑒅𑒨𑒯𑒨𑒱𑒰𑒑𑓃𑒹𑒠𑓂𑒠𑒳𑒦𑒮𑓂𑒞𑒰𑒱𑒬𑒼𑒢𑒼𑒧𑒨𑓃𑒞𑒹𑒢𑒧𑓂१७१८ (𑒛𑓃𑒢𑒱𑒑𑒳𑒮𑒱𑒞𑒨𑒱 𑒭𑒳𑒢𑒫𑒹𑒨𑓃 𑒼६ 𑒈𑒢𑒠𑒰𑒱, 𑒒𑒢𑒰𑒧𑒼𑒣𑒯𑒼𑒢𑒹 𑒢𑒹𑒨𑒼𑒢𑒠𑒢𑒱𑒑𑒰𑒮, 𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒳𑒮𑒨𑒱𑒩𑓃𑒨𑒼𑒪𑒞𑒼𑒰𑒠𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂𑒧𑒳𑒮𑒨𑒱𑓂𑒨𑒰𑒞𑒹𑒑𑒼𑒢𑒨𑓃𑒣𑒯𑒣?𑒠𑒱=१०५७६

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱𑒨𑒰𑒠𑒹𑒧𑒨𑓃𑒼𑒢𑒑𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱𑒨𑒰𑒠𑒹𑒧𑒨𑒫𑒱𑒯𑒰𑒢𑓃𑒼𑒢𑒑𑓂 (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒧𑒲, 𑒣𑒙𑒢𑒰)

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒦𑒼𑒖𑒣𑒳𑒩𑒲 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒧𑒲, 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒢𑒰𑒢𑒠𑒨𑒳𑒫𑒳𑒣𑒹𑒠𑒹𑒯𑒑𑒼𑒫𑒢𑒰𑒨𑒱𑒪𑒼𑒣𑒮𑒼𑒨𑒧𑒨𑒼𑒢𑒼𑒨𑒞𑒠𑒱𑒞𑒱_𑒢𑒞𑓂𑒁𑒢+𑒯𑒫𑒳𑒣𑒹+𑒢𑒠+𑒛𑒢𑒑𑒳𑒼𑒯𑒼𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱-𑒥𑒯𑒼𑒖𑒣𑒳𑒩𑒲+𑒁𑒨𑒰𑒠𑒹𑒧𑒨

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱𑒮𑒳𑒢𑒨𑒹𑒛𑒼𑒢𑒑𑓃𑒼𑒩𑒞𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒢𑒮𑒮𑒱𑒮𑓃𑒼𑒢𑒑𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒅𑒠𑒼𑒢𑒰𑒣𑒢𑒼𑒖𑒨𑒞𑓃𑒼𑒢𑒑𑓂

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒅𑒠𑒼𑒢𑒰𑒯𑒼𑒮𑒼𑒠𑒼𑒢𑒑𑓂𑒅𑒳𑒪𑒱𑒏𑒱𑓂𑒛𑒳𑒪-𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒪१०𑒢𑓃𑒑𑒰𑒢𑒼𑒧𑒼𑒢𑒑𑓂𑒞𑒼𑒧𑒮𑓂𑒧𑒰𑒱

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒞𑒰𑒢𑒮𑒪𑒰𑒞𑓃𑒹𑒅𑒠𑒼𑒢𑒰𑒣𑒢𑒼𑒖𑒨𑒞𑒼𑒢𑒑𑓂𑒪𑒰𑒢𑒑𑒳𑒰𑒑𑒹𑒮𑓂𑒧𑒰𑒱

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰𑒧𑒰𑒢𑒯𑒼𑒢𑒑𑓂 (𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰-𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒼𑒟𑒲 ऑ𑒢𑒪𑒰𑒃𑒢 𑒏𑒲𑒢𑒴)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰𑒧𑒰𑒢𑒯𑒼𑒢𑒑𑓂𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱_𑒣𑒼𑒠𑒳𑒨𑒞𑒮_𑒢𑒪𑒱𑒢𑒹𑒣𑒯𑒣 (𑒖𑒨 𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰-𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒥𑒼𑒏𑒮 𑒢𑒪𑒱𑒢𑒹)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰-𑒮𑒰𑒩𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒖𑒨 𑒧𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒰-𑒧𑒰𑒱𑒞𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒥𑒼𑒏𑒮𑓂 𑒞𑒯𑒹𑒩 𑒧𑒰𑒞𑒹𑒩𑒱𑒪𑒮 𑒢𑒪𑒱𑒢𑒹)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑒰𑒢𑒞𑒱𑒏𑒰𑒣𑒩𑒏𑒰𑒮𑒯𑒰𑒢𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒁𑒢𑓂𑒞𑒱𑒏𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢𑒏 𑒮𑒰𑒃𑒙- 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒏)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒮𑒯𑒰𑒮𑒯𑒣𑒱𑒩𑒏𑒰𑒮𑒯𑒰𑒢𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢- - 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒏)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒣𑒰𑒪𑒪𑒰𑒫𑒱𑒣𑒳𑒩𑒏𑒰𑒮𑒯𑒰𑒢𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒣𑒪𑓂𑒪𑒫𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢- - 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒏)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒫𑒫𑒢𑒰𑒫𑒰𑒩𑒰𑒧𑒥𑒯𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒢𑒫𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦- - 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒏)

हलापुँ:ाीाीगोनकहापानोनगानप्

हलापुँ:ाीाीसाळहोनगानप्

हलापुँ:ाीाीकानालपुिनोनविनियोम्

हलापु:मतिहविाहयदोनग

हलापुँ:ाीाीळयोतयोनसुवलानलयोम् (मैथिक्षि नीकनी ७ाॅट काॅम)

हलापुँ:ाीाीमतिहविामानलहानयोम्

हलापुँ:ाीाीवनानदवहिनयोम्

हलापुँ:ाीाीवहिनवनानिसोनग

हलापु:मातिहविळोकेसवविगसपोलयोम्

हलापुँ:ाीाीनदोर्स१७मवविगसपोलयोम्

हलापुँ:ाीाीक७मर्स्दयोम् (हेववि मथिवि कान्यक्नम प्नत्येक शनकिँ नेपावि समयानुसान नाति ८:३० वजेसँ ११ वजेयनि श्वा नाजनीतकि वषियवस्तुपन केन्द्नति यीवटपिा कान्यक्नम प्नत्येक सोमकेँ नाति १० सँ ११ वजेयनि प्नसानाम)

हलापुँ:ाीाीनादीकानालपुिनयोम् (हेववि मथिवि कान्यक्नम प्नत्येक शनकिँ नेपावि समयानुसान नाति ८:३० वजेसँ ११ वजेयनि श्वा नाजनीतकि वषियवस्तुपन केन्द्नति यीवटपिा कान्यक्नम प्नत्येक सोमकेँ नाति १० सँ ११ वजेयनि प्नसानाम)

हलापुँ:ाीाीळुमपालयोमेन्यहानेवेनेपाव१ (नेपाव१ ठीवी-ळम्प ठीवी मैथिवि कान्यक्नम सूयना)

हलापु:ळानाकडिमोनगानप् (ळानकी एश्वएम, मैथिवि समायान नेडयिो)

हलापुँ:ाीाीमतिहविानादीयोम् (मैथिवि नेडयिो)

हलापुँ:ाीाीयोतुवेयोमुसेन्हानाकडिम (ळानकी एश्वएम, मैथिवि समायान नेडयिोतुवे यहानवेव)

हलापुँ:ाीाीनादीमतिहविोनग (मैथिवि नेडयिो)

हलापुँ:ाीाीपपानमतिहविोनग (नेडयिो श्वप्पन मथिवि ८४४ मह७)

ह्ललप्ःीीळाणाकपुनगोदाय़योमणप्

ह्ललप्ःमादाणपुनासकाऩोनग्

ह्ललप्ःीीमादहेसहुकोऩनग् (एसोशएिशन ऑश्ठ नेपाळी मधेसीळ श्न यूके)

ह्ललप्ःीीमतिहभिानऩयोम् (श्नीमत प्नजा ह्राक साश्ट)

ह्ललप्ःीीमतिहभिावहिाऩयोम्

ह्ललप्ःीीसुगातिसोपाणयोम्

ह्ललप्ःीीमातिहभिसामाळोनग्नि्

ह्ललप्ःीीमातिहभिसामाळयोम्

ह्ललप्ःीीळाणाकपुनयतिय़योम्

ह्ललप्ःीीळाणाकपुनयोमणप्

ह्ललप्ःहोमोगतऩेत~मातिहभिस्

ह्ललप्ःसह्यामपनाकासहळहयोम्

ह्ललप्ःनामाणातहळहयोम्

ह्ललप्ःीीनामाळहयोम्

ह्ललप्ःसुदहाकाऩयोन्मिातिहभि

ह्ललप्ःीीमातिहभिसऩेत

ह्ललप्ःीीगेतपरेदयितीोनलभियोम्

ह्ललप्ःीीवहिानतमिसयोम्

ह्ललप्ःीीवहिाऩेस्

<u>ह्ततप्ौ्/पातनादाब्रियोम्</u>

ह्ततप्ौ्/कननामाण्वबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ौ्/दि-मातिहबि-काव्तिावबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ौ्/मतिहबिसेवासामति्विबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ौ्/ळानकतिदाय्वबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ौपळह्वबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ःयहतितह्ळागात्नि् (देवनागरी लिपिक ब्लॉगक एग्रीगेटर)

ह्ततप्ःमाबिनानगावबोगसपोत्योम् (मैबोनंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग)

ह्ततप्ःमाबिनानगानि् (मैबोनंग)

ह्ततप्ःमाबिनानगायोम् (मैबोनंग)

ह्ततप्ःवानदानासगेत्वबोगसपोत्योम्

ह्ततप्ौ्/दानवहानगानाळ्वबोगसपोत्योम्

<u>ह्ततप्ःमतिहबि_सामायहान्तनपोद्योम्मतिहबिसामायहान्</u> (मथिबि आ मैथबिक समायानक साइट)

ह्ततप्ौ्/यबियोनपोनानेत्मासिमह्तम

ह्ततप्ौ्/बिद्यनि्मातिहबि्मिश्निदेशासपश (मैथबि अखोळान आ खॉन्ट)

<u>ह्ततप्ौ्/मतिहबिानतसयोम्</u>

<u>ह्ततप्ौ्/मतिहबिपानितनिगोनग</u>

<u>ह्ततप्ौ्/मातिहबिनित्</u> (मथिबि-मैथबि-मैथबिक बोकप्रयि साइट)

<u>ह्ततप्ौ्/मतिहबिोनबनियोम्</u> (मथिबि-मैथबि-मैथबिक बोकप्रयि साइट)

हत्तप्://[illegible] (मिथिला-मैथिली-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible] ([illegible] फाउन्डेशनक साइट)

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible] (नेपाल सरकारक साइट)

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible] (बिहार सरकारक साइट)

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

हत्तप्://[illegible]

હ્ાાપ્:ાાાસાવહ્ાેત્ (મૈથિલિ વ઼િવિ઼ાહ્ક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાામાાિહિભિવ઼િવિ઼ાહ્યોમ્ (મૈથિલિ વ઼િવિ઼ાહ્ક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાાકાનયાદાન્ેત્ (મૈથિલિ વ઼િવિ઼ાહ્ક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાામાાિહિભિવનાહ્મનિવ઼િવિ઼ાહ્વાનદહ્ાન્ોનગ્ (મૈથિલિ વ઼િવિ઼ાહ્ક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાામાાિહિભિસહ્ાદ્યિોમ્ (મૈથિલિ વ઼િવિ઼ાહ્ક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાાકાભ્યાનડિ઼ુનદાાાિન્ોનગ્

હ્ાાપ્:ાાામાદ્હુવાન્યિોમ્

હ્ાાપ્:ાાાળાનાકપુન્ોનગ્

હ્ાાપ્:ાાાદાનવહ્ાનગા-ડ્ોનિદસ્યોમ્

હ્ાાપ્:ાાાહ્નિદસિાનસાહ્ાન્ોનગ્

હ્ાાપ્:ાાાવહ્િનાસસોયાાિાન્િેત્

હ્ાાપ્:ાાાનાાાિનાભભવિનાનય઼ગોવ઼િન્ (નેશનલ ભાર્વ્નેની કોલકાતા)

હ્ાાપ્:દપભ઼ગોવ઼િન્ (દિલ્લી પવ્લિક ભાર્વ્નેની)

હ્ાાપ્:ાાાયોનનેમાનાપુવભયિભવિનાનય઼યહ્ેનન્ાયિોમ્ (કોનેમાના પવ્લિક ભાર્વ્નેની)

હ્ાાપ્:નનનભડ઼નયિ઼ન્ (નાળા નામ મોહ્ન નાય઼ ભાર્વ્નેની શ્ફાઉંડેશન)

હ્ાાપ્:ાાાસાહ્િાિય઼ા-ાકાદેમ્ગિોવ઼િન્([સાહ્ાિ્ય઼ શ્કાદમીક સાઇટ)](#)

હ્ાાપ્:ાાાનવાાિદ્ાાનગ઼ાન્ (નેશનલ વુક ટ્નસ્ટક સાઇટ)

હ્ાાપ્:ાાાયસુયહ્યિોદ્ુાનાાાહ્માાિહિભિ

હ્ાાપ્:ાવ઼માય઼યોમ્નાદળાગાનમિમ્શ્ોવ્દ્શ્ોયછ્માાિહિભિ%૨૦શ્નાા%૨૦હ્ાામભ

હ્તતપ઼઼્્સુઁતહસિનિસિતનિડ઼્નિદ્ર્મિતિહિભ્રિન્દેશ્હતમ્ઠ

હ્તતપ઼઼્્મિતિહિભ્રભિવ઼િયોમ્

હ્તતપ઼઼્્તહનોભ્ગુયોમ્સહી_ભાનગુગ઼ોસપ?યોદે=મા

હ્તતપ઼્ભિનિગુસિતભિસિતોનગ્ડોનમસ્ભાનગાસ્ડ઼ડ્યેસયનપિતોનિયડમ?યોદે=મા

હ્તતપ઼઼્્ભાનગુગેસહોમેયોમ્એનગાભસિહ-માતિહિભ્રહિતમ

હ્તતપ઼઼્્નોસેતતાપનોળેયતોનગાનયહવ્રિમા

હ્તતપ઼઼્્નિપાઉગોવ઼ગોવ઼નપ્

હ્તતપ઼્માતિહિભ્રિ-મપરૂ-સોનગાસ્ડોભ્કમુસયિનિદ્રયોમ્

હ્તતપ઼઼્્યભ્ર્હિનગ્ (ભારતીય ભાષા સંસ્થાનક સાઇટ)

હ્તતપ઼઼્્યભ્ર્હિભિવિનયઝોનગ્

હ્તતપ઼઼્્ભસિનિદ્રિતિ્માતિહિભ્ર્મિતિહિભ્રહિતમઠ

હ્તતપ઼઼્્તતમોનગ્નિભાનગુગેસ્માતિહિભ્રદિઙુભત_માતિહિભ્રસિપ (રાષ્ટ્રીય અનુવાદ મિશન)

હ્તતપ઼઼્્સામસુનગ્યોમ્નિ્નીસ્ભોયાભનીસ્૨૦૧૨ત્તાગોપે-ભતિનાતુપે-ગીનદસ-વનનિગ-તોગોતહેન-નિદ્રી-વેસત-ભતિનાનય-તાભેત (થઅઘઅોઢ઼ઙ઼થએઢઅથઉઢ઼ અઅોઅઢ઼ય)

હ્તતપ઼઼્્સામસુનગ્યોમ્નિ્નીસ્ભોયાભનીસ્૨૦૧૧સામસુનગ-ઙેભયિતિતેસ-તહેનીનિમેનસ-નેઙ-તાગોપે-ભતિનાતુપે-ગીનદસ-૨૦૧૦ (થઅઘઅોઢ઼ ઙ઼થએઢઅથઉઢ઼ અઅોઅઢ઼ય)

હ્તતપ઼઼્્સામસુનગ્યોમ્નિયાગોપે-અીનદસ્નિદેશ્હતમઠ (થઅઘઅોઢ઼ ઙ઼થએઢઅથઉઢ઼ અઅોઅઢ઼ય)

હ્તતપ઼્ળનાનપતિહ્નેત્ (ભારતીય ળ્ઞાનપીઠક સાઇટ)

હ્તતપ઼્વપાનસિહદ્રિ (ભારતીય ભાષા પરિષદ, કોલ્કાતાક સાઇટ)

હ્તતપ઼઼્્વહાનાતયિવહાસહાપાનસિહદ્યોમ્ (ભારતીય ભાષા પરિષદ, કોલ્કાતાક વાગર્થ)

હ્તતપ઼઼્્તહેમાનવોકેનપનાડિયોમ્ (મૈન-બુકર પુરસ્કારક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃ઼ીયોમમોનૌાઊાહડુ઼ૅનદાાોિ઼યોમ્ (ક઼ૉમનવેૅથ ફાઉન્ડેશનક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃ઼ીયનોસસૌનદ઼િ્ (વ઼ોડાશ્ઠોન-ક્ન઼ૉસવ઼ન્ઙક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃ઼ીપુઊતિઙ઼ોનગ્ (પુઊત્િળન પુનસ્કાનક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃનોવેઊપનઙ઼િનગ્ (નોવેઊ પુનસ્કાનક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃ઼ીગોાકોનકાનાકાાદેમ઼ાિગ્ાકાદેમ્ાાિસ઼હ્ાામ (ગોવ઼ા કોકમી શ્રકાદમીક સાઇટ)

હ્ાાપ્ઃ઼ીમુસેનિદ઼ાિયોમ્

હ્ાાપ્ઃ઼ીાસાિાનતિસ઼ોનગ

હ્ાાપ્ઃનિદાાિનોનૌાય઼ૌનદપનેસસ઼યોમ્

હ્ાાપ્ઃસામાનવ઼ાય઼નિદાાિનઊાનગુાગેસઙેસનાવિ઼ાઊ઼ોનગ્

હ્ાાપ્ઃળાપ્રિનઊતિનાતુનેઙેસનાવિ઼ાઊ઼ોનગ્

હ્ાાપ્ઃદસયપનઙ઼િયોમ્

હ્ાાપ્ઃ઼ીહનિ઼દુયોમ્ઊ્ર૦૧૧્૦૪્૦૩્સનોનેસ્ર૦૧૧૦૪૦૩૫૦૦૧૦૧૦૦઼હ્ાામ

હ્ાાપ્ઃસુાહાસાિનઊતિઙેસન઼યોમ્

હ્ાાપ્ઃ઼ીવ઼ાનનામાઊ઼ોનગ્

હ્ાાપ્ઃનિદ઼ાિપોનનય઼નિોનનાાોિનાઊૈવ઼ોનગ્

<u>હ્ાાપ્ઃ઼ીઙોનતુનેયતિ઼યયોમ્વ઼યિતોનાનિ્યહાનયોાઊ્૪ૅ</u>

<u>હ્ાાપ્ઃ઼ીાનાનાિનૌસ઼યોમનપ્</u>

વ઼ઽયપ્ર્હશ્ર ઽષથ મશ્રઽથહઽઙ઼ઽ ઙશ્રોઢ઼થામઽઘહથડૈ઼ ૯ઙ્હશ્રોઉઢ઼ામશ્રડ઼ શ્રઢ઼છહઽવ઼૯

હ્ાાપ્ઃવ઼દિહા-ાનયહવિ઼વઊોગાસપોાયોમ્

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

ह्ििप्:व्िदेह-पोिह्विबोगस्पोि्योम्

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

ह्ििप्:व्िदेह-ुदीविबोगस्पोि्योम्

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

ह्ििप्:व्िदेह-विदीवबोगस्पोि्योम्

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

ह्ििप्:व्िदेह-पाििििगस-पहोिोस्वबोगस्पोि्योम्

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक विदेहो ब्रेलमे'स 88 8द सिसेस

ह्ििप्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह्

विदेह ई-पत्रिकाक पहिल ५० अंक

ह्ििपस्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह-ाचयहवि-पाभि-ि

विदेह ई-पत्रिकाक ५०म सँ १४८ म अंक

ह्ििपस्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह-ाचयहवि-पाभि-िि

विदेह ई-पत्रिकाक १५०म आ आगाँक अंक

ह्ििपस्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह-ाचयहवि-पाभि-ििि

मैथिली पोथी डाउनलोड साििहिि ीोकस योनलोद

ह्ििप्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह-पोिह्ि

मैथिली ऑडियो संकलन साििहिि श्रुदी योनलोदस

ह्ििप्:सििस्गोोगेयोमााविदेहायोम्विदेह-ुदी

मैथिली वीडियोक संकलन मानुषीमिह विदेह

ह्ट्टप्:सितेस्.गोओगले.चोम्/अ/विदेह.चोम्/विदेह-विदेओ

मिथिला चित्रकला आधुनिक चित्रकला आ चित्र मानुषीमिह पैन्टिन्ग्स मोदेर्न अर्ट अन्द फोटोस

ह्ट्टप्:सितेस्.गोओगले.चोम्/अ/विदेह.चोम्/विदेह-पैन्टिन्ग्स-फोटोस्

सगर राति दीप जरय

ह्ट्टप्:सगर्रातिदीपजरय.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

ह्ट्टप्:सगर्रातिदीपजरय.वोर्द्प्रेस्स्.चोम्

विदेह मैथिली क्विज :

ह्ट्टप्:विदेहक्विज़.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

विदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

ह्ट्टप्:विदेह-अग्ग्रेगटोर.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

विदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

ह्ट्टप्:मधुबनी-अर्ट.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

विदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

ह्ट्टप्:गजेन्द्रठाकुर.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

विदेह इंडेक्स :

ह्ट्टप्:विदेह१२३.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

विदेह आर्काइव :

ह्ट्टप्:विदेह१२३.वोर्द्प्रेस्स्.चोम्

मानुषीमिह सिगन लान्गुगे- पहिल मैथिली संकेत लिपि ब्लॉग

ह्ट्टप्स्:मानुषीमिह-सिगन-लान्गुगे.ब्लोग्स्पोत्.चोम्

वदिह व्नाह्मी- व्नाह्मी ंउपिमि मैथंिक पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-वनाह्म्विंागसपोत्योम्

वदिह ख्नोष्ठी- ख्नोष्ठी ंउपिमि मैथंिक पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-कहानोसहनह्विंागसपोत्योम्

वदिह कैथी ंउपिमि- मैथंिक कैथी ंउपिमि पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-कातिह्विंागसपोत्योम्

वदिह नेवाड़ी ंउपिमि- मैथंिक नेवाड़ी ंउपिमि पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-नीनाव्विंागसपोत्योम्

वदिह श्नाइपीए ंउपिमि- मैथंिक श्नाइपीएमे पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-पिावंागसपोत्योम्

वदिह- उन्दू नस्ताउकि ंउपिमि मैथंिक पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-नदुवंागसपोत्योम्

वदिह- तिवित्ती ंउपिमि मैथंिक पहिं व्ंाॅंा

ह्ततपस्:मातिहिंि-तिवितात्वंागसपोत्योम्

वदिहः सदेह : पहिं तिन्हिता (मथिंािक्षन) ंाव्वत्त (व्ंाॅंा)

ह्ततप्:वदिहा-सादेहावंागसपोत्योम्

वदिहःव्नेंउः मैथिंि व्नेंउमेः पहिं वेन वदिह द्वाना

ह्ततप्:वदिहा-वनाम्हिवंागसपोत्योम्

वदिह गूगंउ-ग्नुप

ह्ततपस्:गनुपसगोंगंउयोम्गवदिहा

वदिह श्ेसबुक ग्रुप

हाापस्ाीीडायेवाीक़्योम्गाुीपस्७४३६४९८०४३

हाापस्ाीीडायेवाीक़्योम्गाुीपस्१०२९९३०४९७८

हाापस्ाीीडायेवाीक़्योम्गाुीपस्वदिहा

गाजेन्द्र ठाकुर इन्डेक्स

हााप्:गाजेनद्राठाकुर१२३वाेगासपोत़योम

नेना जुटका

हााप्:मानगान-कहावास़वाेगासपोत़योम्

वदिहा ढादीी वदिह रेडयिो:मैथलिी कथा-कवति‍ा आदकि पहलि पोडकास्ट साइट

हााप्:वदिहा१२३नादीीीनदपरेससयोम्

हााप्:वदिहाेसिानेरमयनादीयोम्

वदिह मैथलिी नाट्य उत्सव

हााप्:मातिहलि-दनामावाेगासपोत़योम्

समदयि‍ा

हााप्ेःसामाादवाेगासपोत़योम्

मैथलिी श्लोिमस

हााप्:मातिहलिडिलिमस़वाेगासपोत़योम्

मैथलिी हाइकू

हााप्:मातिहलि-हाकुिवाेगासपोत़योम्

𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒢𑒰𑒏-𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱𑓃𑒫𑒱𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒥𑒱𑒯𑒢𑒲 𑒏𑒟𑒰

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒫𑒯𑒱𑒰𑒢𑒱𑒏𑒰𑒞𑒯𑓃𑒰𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒥𑒱𑒞𑒰

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱-𑒏𑒰𑒫𑓃𑒱𑒞𑒰𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑒟𑒰

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱-𑒏𑒰𑒞𑒯𑓃𑒰𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒧𑒰𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱-𑒮𑒰𑒧𑒰𑒪𑒼𑒔𑒯𑒢𑒰𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱 𑒛𑓃𑒱𑒞𑒱𑒢𑒰𑒞𑒳𑒩𑒹 𑒢𑒱 𑒋𑒢𑒑𑒪𑒱𑒮𑒯

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒧𑒰𑒠𑓂𑒯𑒳𑒫𑒰𑒢𑒲-𑒁𑒩𑒞𑓃𑒫𑒪𑒼𑒑𑒮𑒣𑒼𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂

𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰- 𑒏𑒻𑒟𑒲 𑒤𑓃ॉ𑒢𑓂𑒙𑓂 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒱 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒏 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒃𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒠𑒹𑒣𑒫𑒛𑒳𑒪𑒫𑒳𑒧𑒨𑒱𑒯𑒹𑒠𑓂𑒠𑒳𑒫𑒞𑒱𑒮𑒞𑒼𑒧𑓂𑒯𑒰𑒢𑒠𑒹𑒣𑓂𑒩𑓐𑓒𑓗𑓔𑓒𑓑𑓑𑓐𑓓𑓔𑓑𑒣𑒰𑒢𑒠𑒹𑒨𑓂_𑓑𑒣𑒠𑒛?𑒮𑒹𑒙𑒳𑒢𑒨𑒹=𑓑 (𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩-𑒥𑒱𑒯𑒰𑒩𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒱 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒧𑒹 𑒗𑒰𑒞𑒱)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒾𑒾𑒳𑒢𑒨𑒱𑒼𑒠𑓂𑒠𑒼𑒢𑒑𑓂𑒛𑓃𑒩𑓂𑒛𑓃𑓒𑓐𑓐𑓙𑓂𑓐𑓙𑓓𑓒𑓙-𑒧𑒰𑒞𑒱𑒯𑒱𑒪𑒱𑓃𑒣𑒠𑒛 (𑒨𑒴𑒢𑒲𑒏𑒼𑒛 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒤𑓃ॉ𑒢𑓂𑒙 𑓗𑓗 𑒂𑒫𑓃𑒹𑒠𑒢 𑓓𑓐 𑒮𑒱𑒞𑒧𑓂𑒥𑒩 𑓒𑓐𑓐𑓙- 𑒥𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂:𑒾𑒾𑒳𑒢𑒨𑒱𑒼𑒠𑓂𑒠𑒼𑒢𑒑𑓂𑒛𑓃𑒩𑓂𑒛𑓃𑓒𑓐𑓑𑓑𑓑𑓑𑓗𑓕𑓑-𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰𑓃𑒣𑒠𑒛 (𑒨𑒴𑒢𑒲𑒏𑒼𑒛 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒤𑓃ॉ𑒢𑓂𑒙 𑓗𑓗 𑒂𑒫𑓃𑒹𑒠𑒢 𑓕 𑒧𑒃 𑓒𑓐𑓑𑓑- 𑒥𑒱𑒠𑒹𑒯𑒏 𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒾𑒾𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰𑒪𑒱𑒣𑒱𑓃𑒖𑒱𑒞𑓃𑒨𑒼𑒧𑓂 (𑒠𑒹𑒫𑓃𑒢𑒰𑒑𑒩𑒲-𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒤𑓃ॉ𑒢𑓂𑒙- 𑒫𑒹𑒮𑓂𑒙𑒩𑓂𑒢 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒾𑒾𑒳𑒗𑒯𑒰𑒨𑒼𑒨𑒨𑓂 (𑒠𑒹𑒫𑓃𑒢𑒰𑒑𑒩𑒲 𑒨𑒴𑒢𑒲𑒏𑒼𑒛 𑒂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒞𑒱𑒩𑒯𑒳𑒞𑒰 𑒤𑓃ॉ𑒢𑓂𑒙-𑒧𑒟𑒱𑒪𑒱)

"𑒫𑓃𑒱𑒏𑒲𑒣𑒲𑒛𑒱𑒨𑒰"𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲

𑒯𑒞𑒞𑒣𑓂:𑒞𑒢𑒰𑒢𑒮𑒪𑒰𑒞𑒾𑒏𑒱𑒢𑒱𑒞𑒾𑒏𑒱𑒮𑓂𑒟𑒱𑒢𑒼𑒗𑒹𑒨𑒞:𑒟𑒢𑒰𑒢𑒮𑒪𑒰𑒞𑒼𑒢

હαπપ઼ਮੇਗੇਂકિਮਿਫ਼ੇਗਿਮਮੇਂਕਿਂਫਿਟੁਸਾਸ_ડੇਮ_ਨੇਂ_ਓਕਾਂગૈਸ਼੍ਰੀकिपिडिए_માഹിతిలి

હαπપ઼ਜਾਜਸਓਗੇਂકિਮਿਗੇਂકਿਂਸਿਪੇਯਿਓ઼ਥਜਾਜਸਓਗੇ?ਗਾਸਕ=ਓਜਾਜਸਓਗੇਫ&ગਾਤੁਪ=ਯੇਮੇ-ਮੋਸਤੁਸੇਫ&ਓਮਿਗਿ=२०००&ਓਕਾਂગਾਗੇ=ਮਾ

હαπપ઼ਜਿਯੁਵਾਗੇਗੇਂકਿਮਿਫ਼ੇਗਿਮਮੇਂਕਿਂਸ਼੍ਰੀਪ੍ਮਾ

હαπપ઼ਜਾਜਸਓਗੇਂકਿਮਿਗੇਂકਿਮਿਫ਼ੇਸ਼੍ਰੀકિ઼ਮਾਗਿਪਾਗੇਮਾ

*श्रीમિ પાઁચ સાસ્ટ વિકિ મૈથિલી પ્રોજેક્ટક શચ્છા સંક્ષિપ્ત સમ પર ળા ક્રયિ પ્રોજેક્ટકેં શાગાઁ વઢાઉ।*

યૂનીકોડ તિરહુતા શ્ર઼ોમ્પ્ટ, "વિકિપીડિયા"મે મૈથિલી શ્રા શ્રાવ મૈથિલી "ગૂગલ ટ્રાન્સલેટ"મે સેહો। શ્રાગાંલિ ઓક્ષ્ય "શ્રમેળ શ્રેમેક્સા"

ગૂગલ ટ્રાન્સલેટ

ગૂગલ ટ્રાન્સલેટક ઓકિ

હαπપસ઼ગાજસઓગેગોગ્રેયોમ્?સઓ=ર&ગઓ=માકિપ=ગાજસઓગે

ગૂગલ ટ્રાન્સલેટકેં શ્રાર પુષ્ટ કરવાક ઘ્ણાગા છૈ ગ઼ હમ શ્રાગાંલિ કાળ શ્રઢ઼ા રહલ છી઼

હαπપસ઼ગાજસઓગેગોગ્રેયોમ્ાવૃત્યોજગાવિંગે

છગૌદસુંજયે માઝિહિલિ છોમમુલગિય

શ્રોલ્સે ડઓઓ ગ઼હે ડોમ

ંત્રિશગ ષગેપ

યોંજઓફ ગ઼હે છગૌદસુંજયે ।પપ ડગેમ ।જફગૌદિ પઓય સગેમે ।જફ સગાગ યોજગાવિંગિગા

ોમ ગો ગૌ ો ગ઼હે ડઓઓૌંજિગ ઓજિક ડેમ યોજગાવિંગિગ઼

હαπપસ઼યગૌદસુંજયેગોગ્રેયોમાવૃત્

છગૌદસુંજયે વય ઘોગ્રે સિ । ગામાડિંદિ પઓગડેમમ ગ઼હાગે મપૌમસુ સેમસ ગો ફળિયગઓય ગગાજિ ઘોગ્રે'સ ।મગડિયિલિ જિગેઓઓગેજયે સયસગેમસ ।જફ માકે ઘોગ્રે પગેદુયગસૌમકે ટ્ઓઓય

ૌઓઓ ડેમે વેમયોમે વેમયૌહમે

પ્રામમ્ભઃ

વિકિપીડિયા ०૧ શ્રરવરી ૨૦૦૮ ઓકિ

હαπપસ઼વોકસગોગ્રેયોજિવોકસ?દિ=વછ-મયપશ્રદદ્પ્રછ&ઓપગા=શ્રશ્ર૧&પગા=શ્રશ્ર૧૦_વ=જેપાગે&૮&૬=ડઓસે (મૈથિલી દેવનાગરી)

હαπપસ઼વોકસગોગ્રેયોજિવોકસ?દિ=યથેઙછ૩પર્દવદ્દૌછ&ઓપગા=શ્રશ્ર૧&પગા=શ્રશ્ર૧૦_વ=જેપાગે&૮&૬=ડઓસે (મૈથિલી તિરહુતા)

હαπપસ઼વોકસગોગ્રેયોજિવોકસ?દિ=૩ડ્યુદડ્દૌશ્રશ્રોટછ&ઓપગા=શ્રશ્ર૧&પગા=શ્રશ્ર૧૦_વ=જેપાગે&૮&૬=ડઓસે (મૈથિલી વ્રેલ)

ગૂગલ ટ્રાન્સલેટ ૨૩ જૂન ૨૦૧૧ક ઓકિ

હ્તત્પ્સ્ઃ//ડાયેવોક્યોમ્ગ્રોુપ્સ્વદિહ્પેનમાઘનિક્૧૩૮૪૮૯૪૧૬૨૨૯૧૯૫

ગૂગ્લ ટ્રાંસલેશન ટૂલ્મે

"વહિતી" ભાષાક વદલામે મૈથિલી લેલ અહ્લા ટ્રાંસલેશન ટૂલ વનેવાક આવેદન વદિહ્ક સદસ્યગણ દ્વારા દેલ ગેલ અછ્ િઅપન યોગદાન ગૂગ્લ ટ્રાંસલેટ લેલ કરૂ.

આ કાજ સમ્પાદન વદલવા કાલ કાનામ મે (અંગ્રેજીમે) "વહિતી" નામ્ના કોનો ભાષા મૈ હેવાક ચર્ચા કરૂ િએ લકિપન અનુવાદ કરૂ; ગૂગ્લ એક્કાઉંટસઁ લ ◌ાગ ઇન કેલાક વાદ।

હ્તત્પ્ઃ//ગોગ્લેયોમ્તનાનસ્યોનસોલ્યિયિહ્યહોસેશ્ટોનોયત

હ્તત્પ્ઃ//ગોગ્લેયોમ્તનાનસ્યોનસોલ્યિયિહ્યહોસેશ્યતાવિતિય?પનોયત=ગ્રૌસ&લનગ્ગયોદે=વહ (લિનિક યલેસેદ)

મથિલિક્ષર (તિરહુતા) શ્ ◌ામ્ટ લેલ આવેદન ૩૦ સતિમ્વર ૨૦૦૯ આ એકર સંશોધિત આવેદન ૫ મઇ ૨૦૧૧ કેં શ્રી અંશુમન પાણ્ડેય દ્વારા દેલ ગેલ આ દુનૂ વેર એકે વદિહ્ક સહયોગક વર્ણન જેલ।

૧૧ જૂનકેં શ્રી અંશુમન પાણ્ડેય એકર સ્વીક ◌ૃતિ સૂચના વદિહ્ક એસવુક ગ્રુપપર દેલનિ િઆવ ૬ શ્ ◌ામ્ટ વનિ ક ◌ૈયાર અછ્ િઆ નીચાઁક લકિપર ડાઉનલોડ લેલ ઉપલવ્ધ અછ્

તિરહુતા, નેવારી આ કૈથી શ્ ◌ામ્ટ ડાઉનલોડ ઘ્રોગ્લે'સ ભ્રોતો ઢોનતસ પનોયત્ ઘતિહુવ

| તિરહુતા નોટો શ્ ◌ામ્ટ | કૈથી આરીયલ | કૈથી રીરીયલ | નેવારી આરીયલ | નેવારી રીરીયલ |
| --- | --- | --- | --- | --- |

હ્તત્પ્સ્ઃડોનતસ્ગોગ્લેયોમ્ (ઘ્રોગ્લ ઓપેન ઢોનતસ દોૌનલોદ)

થતિહુતા ઓડિડલિ ઘ્યિયવોતદ દૌનલોદ

ઘ્યિયમાન થતિહુતા વેદિય યેલાનગ્ગાર્તા ઘ્યિયવોતદસ યોૌનલોદ

હ્તત્પ્સ્ઃમાલાનપનોયત્ગતિલાર્તિતિહુતા (થતિહુતા ઘ્યિયવોતદ ઓનલિનિ)

હ્તત્પ્સ્ઃકેયમાનૌવયોમ્?_ગ્ગ=૨૭૧૫૫૮૯૦૧૮૧૮૮૨૦૨૦૯૧૬૭૫૭૪૮૯૪૨૬-૨૦૪૨૦૧૩૫૭૪૧૬૭૫૭૪૮૯૪૨૬◌ાતિહિ,ઘ્યિયવોતદ_તતિહુતા

હ્તત્પ્સ્ઃકેયમાનૌવયોમ્?_ગ્ગ=૨૨૪૧૬૩૫૫૮૬૧૮૧૮૮૨૦૨૦૯૧૬૭૫૭૪૮૯૪૨૬-૨૦૪૨૦૧૩૫૭૪૧૬૭૫૭૪૮૯૪૨૬◌ાતિહિ,ઘ્યિયવોતદ_માલાન_તતિહુતા

હ્તત્પ્સ્ઃકસહાનાસ્કહાપપસપોત્યોમ્યોનવેતોન (ષયનપિ્ ઑવસાતિ ઇોનવેતોન)

હ્તત્પ્સ્ઃકસહાનાસ્કહાપપસપોત્યોમ્કેયવોતદસ [ક્નપુત (ક્મઙ]

હ્તત્પ્સ્ઃગતિહુવયોમ્વતિહુલાર્વાનીદહાકસહાનાસ્કહા-ડોનતસ (ડોનતસ- ઁપેનસોુનયે)

હ્તત્પ્સ્ઃ//યદાર્યનિ (થતિહુતા ઉતયિોદે થયપતિગ્ગ થ્રોલ)

અમેઝન અલેક્સા મૈથિલી (શીઘ્ર)

કછુ મૈથિલી વકિપિડિયા પેજક લકિઃ

વદિહ (પત્રકિ) હ્તત્પ્સ્ઃમાૌકિપિદિાનાગ્સ્કગાવ

ઇન્ટરનેટક સંસારમે મૈથિલી ભાષા હ્તત્પ્સ્ઃમાૌકિપિદિાનાગ્સ્સદહ

ભાઉસરિક ગાછ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્પિમ

વ્દિહ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ોિ

વ્દિહક શ્ેસવુક ભ્ાસન હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ુિ

વ્દિહ સમ્માન હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ળયર

વ્દિહ શ્ાર્કાઇવ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ળય૦

વ્દિહ ભથિલિ ભ્ાવ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ળય૩

વ્દિહ ભથિલિક ખ્લાળ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ળય૪

વ્દિહ સૂચના સંપર્ક શ્ાવ્ેષાણ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ળયપ

શ્રુતિ પ્રકાશન હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ુિ

શ્ાયવિદ્ાન શ્ાપ્પ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ોિ

મૈથીલિ ગળલ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્દિ૭

મૈથીલિ વાલ ગળલ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ેશ

મૈથીલિ ભક્તિ ગળલ હ્ાાપસ્:ભ્ાીકિપિદ્ાીાગ્ાસ્ભિ૧

.

**કર્છુ મૈથિલિ પોથી, ઑડિયો-વીડિયો, ફ્લાક્ ્રૂિ યૂ ટ્યૂબ ચૈનલ ડાઉનલોડ સાઇટ (ઓપન સોર્સ)**

ાાછપ્ડય ભ્હશ્ાષ્હ્ા ષ્ાાઘશ્ામ

ાાછપ્ડય (ભાતિહલિ-એગાલસિહ-હનિદિ ઘોનવેગસાતિનિસ)

મૈથીલિ-હનિ્દી વાર્તાલાપ (૩ ઘામ્ટા)

મૈથીલિ (મૈથીલિ સંકેત ભાષા સહતિ- મૈથીલિમે પહલિ વેર)

હ્ાાપસ્ાીયુતુવેયોમ્વદિહ્ો ફુગગાલ

હ્ાાપસ્:યુતુવેયેવ્છ-ઉગષસ૮

હ્ાાપસ્:ગયેગતિયિવિ્વસ-૨૦૨૧પહપ

ષ્ાહ્ડ્યેશ્ા શ્ાપ્પશ્ાયપ્પર

હ્ttપ્:સાહિત્ય઼ા-ાકાદેમ્.ગીવ઼્િન્પુવ઼ઉયિાતીિસે-વીકસ્ળસપ

હ્ttપ્:સાહિત્ય઼ા-ાકાદેમ્.ગીવ઼્િન્ગેનેાાઉ્યગિતાિઉવીકસ્ળસપ

છ૨૨૭

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્માસિામ્હtમ

શ્યય઼ાિસઉ (નમાણન્દ હ્ા નમાm)

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્પદ઼ાદ્માદિહઉિપિદ઼ાદ્મશ્ર૨૧પદ઼ાદ

ઙુશ્રાય઼ઉ કનકની- મહેન્દ્ન

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્પદ઼ાદ્માદિહઉિપિદ઼ાદ્મશ્ર૨૨પદ઼ાદ

પ્નવન્ય સંગ્નહ- નમાણાથ હ્ા (વીપીએસસી સઉિવસ)

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્પદ઼ાદ્માદિહઉિપિદ઼ાદ્મશ્ર૨૩પદ઼ાદ

સ◌ળન કેન દીપ પન્વ઼- સં કેદાન કાણન શ્રા શ્રનવ઼િન્દ ઠાકુન

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્પદ઼ાદ્માદિહઉિપિદ઼ાદ્મશ્ર૨૪પદ઼ાદ

મૈથિઉિ ગદ્ય઼ સંગ્નહ- સં શૈઉન્દ્ન મોહન હ્ા

હ્ttપ્:યોનપોન઼ાયીઉિન્ગ્પદ઼ાદ્માદિહઉિપિદ઼ાદ્મશ્ર૨૫પદ઼ાદ

શ્રઢછ઼હ૨વ઼એશ્રોઢઘ (વ઼ળિય઼દેવ઼ હ્ા)

હ્ttપસ્:ાનયહિવ઼ીિન્ગ્દેનાાઉિસ્વ઼ળિાય઼_દેી_ળહ્ા

વ઼દિહ્ા માતિહઉિ જીોકસ્ હ્ુનનાઉસ્ શ્રુદીા-વ઼દિી શ્રનયહિવ઼િ

હ્ttપ્:વ઼દિહ્ાયોિનાનયહિવ઼િહtમ

૨ઘામછ઼શ્ર

હ્ttપ્:ગિનયાનાિયિન્યોઉિનેત્માતિહઉિહtમ

हળળપ्:ગિનયાનયિनियोधिनेत्काथ्यानहिाम (मश्रस्थहरुड़र एमघड़रषह यरछथरश्रोमश्रढ़ै)

मथिधि द्र्शन

हળળપस्:मतिहधिदा१सहानयोम् (lनधनि पदउ।उ मातिहधि ज़ुनाथ)

ाीनजुक्ना

हળળપस्:ाानयहविनाग्देनाधिस्ंजेनवहुक्ना_ज़ुनाथ

श्रोड़ए mएश्वश्रड़'स ए-श्वउषथश्रप्पश्रड़श्रैश्र (हળળપस्:पुसनाकाधयोनगेन्)

पोथीक धकि

श्राऊीएनसीए- एएसश्रार हળળપस्:गिनयागोवनिदविसीनिससासि-वोकस्

हળળપस्:गिनयागोवनिश्रस_दाना्६६१२पदउ (हसिनोनय।उ mावया-mयाया नि मतिहधि)

हળળપस्:गिनयागोवनिश्रस_दाना्४२३६पपदउ (षनुदेसि नि ह्ानिसिम ानद जुद्दसिम नि मतिहधि)

हળળપस्:गिनयागोवनिश्रस_दाना्६३२२७पदउ (मतिहधि नि नहे श्रगोउ वदियापानि)

हળળપस्:गिनयागोवनिश्रस_दाना्६४८८४पदउ (छुधनुनाथ हेनानिगोउ मतिहधि)

हળળપस्:गिनयागोवनिश्रस_दाना्७२७प४पदउ (मतिहधि नदेन नहे प्पानानास)

एएसश्रारश्रंग्रेजी हળળપस्:नसपासविहोपाधनयियानिससेनसपदउपुवधियानीनिजेमपधेस_ाउ_मतिहधि_नगाधसिहपदउ

एएसश्रारहनिदी हળળપस्:नसपासविहोपाधनयियानिससेनसपदउपुवधियानीनिजेमपधे_ाउ_मतिहधि_हनिदपिदउ

मैथिली साहित्य संस्थान हળળપस्:ाीमातिहधिसिाहतियासानसनहानोनग्नेसुनयेस

द्र्शनीय मथिधि (मैथिली साहित्य संस्थान धकि)

जनोयहुने १ (मैथिली साहित्य संस्थान धकि)

जनोयहुने २ (मैथिली साहित्य संस्थान धकि)

जनोयहुने ३ (मैथिली साहित्य संस्थान धकि)

जनोयहुने ४ (मैथिली साहित्य संस्थान धकि)

<u>જનોયહુને પ</u> (મૈથિલિ સાહિત્ય સંસ્થાન હિક)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્ફાનગુગેમાિ (વૂહ્મ ફાસ્વ્નેની મૈથિલિ)

શનપિન શાઉમ્મ્ડેશન (હત્તપ્:ીીનપિનાડુનદાનીીનગ્)

શઢશયહશમ જશોશોપ્પષ મશરયહરડ્ર ષયશોઢૈશૌપશ્વપઢ

<u>હત્તપસ્:ીીયુતુવેયોમ્પફાયફસિત?ફસિત=શ્ડશય૭૪નામ્મયરડ્મૌશૌરર્દમઢવશરગ્ડઢટદ૩_ર્દડશૌવર</u> (મૈથિલિ ઑડિયો વુક્સ)

હત્તપસ્:ીીયુતુવેયોમ્યહાનનેહ્ઉછ્યહ્યઉહ્ણડ્ય-મ્મઉવમસહડ્કફહડ્ડી (વ્દિહ મૈથિલિ-શંગ્રેજી ટૉકિંગ નોડ-શફાઉડ ઑડિયો વુક શા સંગામે મૈથિલિ સંકેત જાષા- દુનૂ મૈથિલિમે પહિલ વેર)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્પફાયેન્શૌયડદડનપછોઢ (મસાઈ કેન પનવિત્નકાની નેવેકા)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્પફાયેન્પરસહદૈજગથિ (યઉ હમ નઁ ઠીક છી ને!)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્પફાયેન્ડગ્ર્દપષદહઘમો (એકટા નીક દિન)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્પફાયેન્વરફપૌસશછ્પ (ઘન સજ)

હત્તપસ્:વ્વ્વ્મફિવિનાનયોનગ્પફાયેન્દશડછ૦ઢુવત૭ (કી શહઁ એ યડ઼િ સજકેઁ દેખ્ખને છી?)

પોથી ડૉટ કૉમ

હત્તપસ્:સતોપોતહ્યોમ્વનૌસ્ડ્ને-વીકસ્?ફાનગુગે=માતિહિલિ

ર ડ્શોવ્પ મરયહરડ્શ

હત્તપસ્:ીીલિવેમતિહિલ્યોમ્માતિહિલિ-વીકસ-પદડ-ડ્ને-દૌનફાદ્ (પોથી ડાઉનલોડ હિક)

હત્તપસ્:ીીલિવેમતિહિલ્યોમ્ *(નેફનિ માતિહિલિ ફુોનનાફ)*

હત્તપસ્:માતિહિલિયોમ્નપ્ *(નૈનેન ર ડ઼ોવે માતિહિલિ)*

મૈથિલિ શ્ફિમ

હત્તપસ્:યુતુવે૪ળહાડ૩મ્મૌ૩૮ર (મમતા ગાવય ગીત, સૌળન્ય- ષાનેગામા)

હત્તપસ્:યુતુવેવ૩ખ્શૌતહ્હ્જદપ્ગ (કન્યાદાન, સૌળન્ય- જાપ્દ્શોય)

હત્તપસ્:ીીવિળોદ્નિ (માતિહિલિ મોવૅસિોન ઢેનત)

હ્ttપસ્ઃ//વ્વ્વ્.યોઉતુબે.ચોમ્/ઉસેર્/માઇથિલિમાચ-ગ્રહન (માઇથિલિ મોવિએ ોન ઢેબ)

હ્ttપસ્ઃ//વ્વ્વ્.યોઉતુબે.ચોમ્/ઉસેર્/દ્હુનિ (માઇથિલિ મોવિએ ોન ઢેબ)

પ્યારે મૈથિલિ

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/યર્સર્ચોગ્હ્ઉ૩૦૬૯૯યકરtામૌlષ્૪૧ષ્/ઝોઠગ્ઝ (પ્યારે મૈથિલિ યૈનલ ફિલ્મ યૌયની શ્રી સંગીતા શ્રામ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિ-લોક-ગીત૭૭ (મૈથિલિ લોક ગીત)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિઝ્હાપોન (મૈથિલિ ચૈપ્ટર)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/સુમ્યાન્હ (પ્રમિસ્સ-પહિની રેસ જુટકા લિલ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિમિનગ્રમાનયહ૯૫૩૬ (મૈથિલિ ગ્રામંચ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/કોકિલાનય૪૩૩૦ (કોકિલ મંચ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિનાથ્યાકાલાપાનસિહદમપિદ૩૬ (મૈથિલિ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/મ૭લમ્દ૩૦૯૭ (મૈથિલ)

હ્ttપ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/સેન્માથિલિ (મૈથિલ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/પ્ાકસન્હ (મૈથિલ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિગાન૧૦૯ (મૈથિલિગાન)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/વ્હાનગામિમાઇથિલિતિહાન૯૫૦૯ (ગ્રામિ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિયાનસહાન (મૈથિલિ દર્શન)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિમચિનેન (મૈથિલિ મચિન)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/ષમનtિર્નેntmૈનમાઇથિલિ (સ્મ ્ટ ઇન્ટરટેનમેન્ટ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/યહાયતિ (શ્રયલ યતિ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/મોદ (લાઇફસ્ટાઇલ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/લમ્માઇથિલિ (નીલમ મૈથિલિ)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિગીતગ્ર૪૭૧૪ (મૈથિલિ ગીત)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/ગ્/માઇથિલિજુનચ્tિન (મૈથિલિ જંક્શન)

હ્ttપસ્ઃ//ગ્રૌપ્સ.ગ્ોઓગ્લે.ચોમ્/પ્લાયલિસ્t?લિસ્t=શ્ડ઼ાપ્લેઝ્ગા૩ષ્ટ્લ્હફ્ટ્ફ્-૧ઘરષ્ક્રુજ્લશઘથ-ળ૫ (દીપશિખા ક્ષા)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्पवायवसिन?वसिन=श्वउथऽ्उमनमव४नश्वह्शमद४प्पऽशेव_श्रनन_रुश्वाश्वाउ [मैथिली समाचार (फणा टेलिविजन)]

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽमातिहविताठ्कस (मातिहवि थाठ्कस)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽश्रपपाणथव (श्रपपाण थव)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽथवथश्रोयश्रेह्श्रामश्रप्पश्वउढ (थव थोदाय, हाणाकपुन)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽदनसिह्यामवहिनवोक७पपर (यनसिह्याम मेदा)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽसाणसकानमातिहवि (संस्कार मथिलि)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽसापेगामापाणमातिहविरुपरर (सपेगामा मैथिली)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽमावनासस्मेदा (नवनस मीडिया)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽजयोतिनिन७७८ (ज्योति एंटरटेनमेंट)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽढप्पषमश्रथहऽउञ्श्वढश्रोयउझथञ्श्रोम (ञ्जोनयिा श्रिम्स)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽयोदह्यानानह्यह्येहानयऱ४प (श्रयोध्यानाथ चौधरी)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽढादीहिाणाकपुनऽ७महउश्रोउउयियिाव (पेउयिो णकपुन)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽमातिहवितवन (मथिलि टीवी)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽमादहुनमातिहवियिहाणजेव (मधुर मैथिली)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽसकनुतोनावसऽऽरन (मैथिली-नेपाली सीप्यू)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्पवायवसिन?वसिन=श्वउ_हउयप्पशवाढप्पटइथप७-श्वककसे-उरउरुरुउयि (श्रपन मैथिली)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्पवायवसिन?वसिन=श्वउहनउयिदऽ_षउढहशजमजनथषशउ-हशयहहश्रजन (मैथिली पाठ)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽमातिहविडिनासिसुपेणदनागुनपऽऽ (सुपेन्द्र नाउन)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽउदायाषनिगाह (नश्व कट्स, नयकिना)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽकुणजवहिानमितिहविानानणा (कुस्ज वहिानी)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽढश्रमजश्रजउहश्र (नाम वाबू हा)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽवहएणजेनानिमेणनस००८ (वी जे, वकिास हा)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्ऽसेन-वि७पणरुवपिट (तपिहुन मथिलि)

हၦपस्:ीीीयुतुवेयोम्यविवेमतिहवि (श्रार वव मथिलि)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒋𑒏𑒏𑒟𑒰𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 (𑒋𑒏 𑒏𑒟𑒰 𑒏𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒩𑒖𑒢𑒲𑒣𑒪𑓂𑒪𑒫𑒲 (𑒩𑒖𑒢𑒲 𑒣𑒪𑓂𑒪𑒫𑒲)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒣𑒴𑒢𑒧𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 (𑒣𑒴𑒢𑒧 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒩𑒖𑒢𑒰𑒗𑒰𑒮𑒰𑒢𑒑𑒼𑒞𑒠𑒫𑒱𑒨𑒰𑒧𑓒𑓙𑓐𑓘 (𑒩𑒿𑒖𑒢𑒰 𑒗𑒰)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒣𑒴𑒖𑒰𑒗𑒰𑒍𑒠𑒱𑒨𑒼𑓙𑓘𑓐𑓕𑓗 (𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒗𑒰)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒣𑒼𑒠𑒏𑒰𑒮𑓂𑒞𑒮𑓂.𑒨𑒼𑒢𑒿𑒗𑒰.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒣𑒼𑒠𑓂𑒏𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂/𑒁𑒢𑒳𑒣𑒧-𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩𑒰𑓐𑓔/𑒋𑒣𑒲𑒮𑒼𑒛𑓂𑒮/𑒋𑒣𑒲𑒮𑒼𑒛-𑓔𑓐-𑓑𑓓𑓕𑒧𑒰-𑒣𑒾𑓐𑓑 (𑒁𑒢𑒳𑒣𑒧 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒣ॉ𑒛𑒏𑒰𑒮𑓂𑒙)

𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒋𑒤𑒭𑒧 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒔𑒹𑒢𑓂𑒢𑒰𑒪/𑒨𑒴𑒏𑒛𑒱𑒧𑓂𑒫𑒠𑒲𑒮 (𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒋𑒤𑒭𑒧 𑒮𑒧𑒰𑒔𑒰𑒩)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒁𑒧𑒞𑒱𑒗𑒰𑒁𑒼𑒛𑒱𑒨𑒼 (𑒁𑒧𑒞𑒱 𑒗𑒰)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒮𑒧𑒮𑒕𑒁𑒜𑒧𑒋𑒜 (𑒮𑒢𑒫𑒹𑒮𑒯 𑒧𑒰𑒪𑒱𑒨𑒏)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒁𑒠𑒱𑒞𑒱𑒨𑒰𑒥𑒱𑒧𑒮𑒰𑒢𑒠𑒧𑒳𑒮𑒱𑒨 (𑒁𑒠𑒱𑒞𑒱𑒨𑒰 𑒥𑒱𑒧𑒮 & 𑒧𑒳𑒮𑒱𑒨)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒁𑒣𑒰𑒪𑒟𑒹𑒪𑒫𑒱𑒮𑒱𑒢 (𑒁𑒣𑒰𑒪 𑒟𑒹𑒪𑒫𑒱𑒮𑒱𑒢)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒣𑒪𑒰𑒨𑒪𑒱𑒮𑓂𑒞?𑒪𑒱𑒮𑓂𑒞=𑒣𑒪𑓗𑓘𑒠𑓘-𑒢𑒬𑒁𑒟𑒯𑓗𑓘𑒜𑒣𑒭𑒳𑒟𑒱𑒒𑒹𑒟𑒯𑒬𑒼𑒞𑓓𑒻 (𑒁𑒩𑒜 𑒧𑒁𑒩𑒟𑒯𑒩𑒛𑓒 𑒁𑒋𑒁𑒭)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒣𑒪𑒰𑒨𑒪𑒱𑒮𑓂𑒞?𑒪𑒱𑒮𑓂𑒞=𑒣𑒪𑒛𑒳𑒖𑒼𑒖𑒠𑒙𑒱𑓓𑒁𑒧𑒣𑒬𑒣𑒓𑒫𑒫𑒨𑒁𑒼𑓗𑒨𑒟𑓓𑒮𑒣𑒪𑒑𑒜𑒖𑒭 (𑒁𑒩𑒜 𑒁𑒧𑒜𑒩𑒟 𑒧𑒁𑒩𑒯𑒁𑒼𑒟𑒭𑒁𑒫)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒢𑒨𑒯𑒰𑒪 (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒢𑒨𑒯𑒰𑒪)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒔𑒯𑒰𑒢𑒢𑒹𑒪/𑒅𑒕𑒮𑒖𑓘𑒅𑒏𑒐𑒛𑒋𑓔𑓗𑓑𑒒𑒢𑒨𑒁𑒪𑒨𑒒𑓑𑒁 (𑒜𑒰𑒮𑒯𑒧𑒲 𑒖𑒳𑒞𑒞)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/𑒔𑒯𑒰𑒢𑒢𑒹𑒪/𑒅𑒕𑒫𑒻𑒋𑓔𑓗𑒨𑒰𑒮𑒜𑒧𑒬𑒟𑒣𑒫𑒬𑒁𑒼𑒑𑒣𑒩𑒧𑒑 (𑒮𑒢𑒱𑒨𑒰 𑒧𑒰𑒪𑒱𑒨𑒏)

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒁𑒢𑒰𑒧𑒱𑒏𑒰𑒗𑒰𑒁𑒼𑒛𑒱𑒨𑒼 (𑒁𑒢𑒰𑒧𑒱𑒏𑒰 𑒗𑒰)

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯-𑒙𑒲𑒫𑒲𑒖𑒹𑒪

𑒯𑒞𑒞𑒣𑒮𑓂://𑒫𑒫𑒫.𑒨𑒴𑒞𑒳𑒥𑒹.𑒏𑒼𑒧𑓂/@𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯-𑒙𑒲𑒫𑒲𑒖𑒹𑒪

𑒮𑓀𑒒 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒑/ 𑒥𑒱𑒯𑒰𑒩 𑒪𑒼𑒏 𑒮𑒹𑒫𑒰 𑒂𑒨𑒼𑒑𑒏 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒪𑒹𑒪 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 (𑒁𑒢𑒱𑒫𑒰𑒩𑓂𑒨 𑒂 𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏) 𑒂 𑒂𑒢 𑒌𑒔𑓂𑒕𑒱𑒏 𑒫𑒱𑒭𑒨 𑒂 𑒮𑒰𑒧𑒰𑒢𑓂𑒨 𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 (𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒧𑒰𑒡𑓂𑒨𑒧) 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒮𑒰𑒧𑒑𑓂𑒩𑒲 [𑒋𑒢𑒙𑒲𑒋- 𑒨𑒴𑒖𑒲𑒮𑒲-𑒢𑒹𑒙-𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼]

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒕𑒼𑒙 𑒁𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒰𑒏𑒜𑒰 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒯𑒾 𑒠𑒲𑒏𑒰 (𑒢𑒱𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒣𑒩𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒯𑒼𑒞 𑒦𑒰𑒑𑒰- २ 𑒮𑒢 𑒞𑒱 𑒦𑒱 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲)

हाएपस्:ॉॉयुोटुवेयोम्०वदिहो_फुो१णा७

.

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्गगाळेणद१ा७१(वदिह)

हाएपस्:ॉॉयुोटुवेयोम्गुणळाणसह्पे

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्माातिहथिनीोस

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्ळातिमातिहथि (ळातिण्द्र१ हा, ळणक्पु१)

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्सोवहागयाट (सौभाग्य मथिथि)

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्वहासकाणळहा  (भाष्क१ हा)

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्माहाकाथिळिहा

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्का१ाथि८८५

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेरीमुणवि

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्सुमाणकुमा१३७

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्गयाणसळहा

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्वययथाथण

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्गापे१थिर्द८६

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्वणिोसहळहा८४

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्यहाणदाणकुमा१ळहा१

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्यहाणदाणमसिह१२०१०

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्णपिमााणा

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्हाणाकडिम१

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमीाटयह?व=शपषुवहावाऽ८&डाटुपे=मड_णि_१दे१&थसिण=७ऽ

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्गशयणगा

हाएप्:ॉॉयुोटुवेयोमुसेर्गुाटामक१सिहणा८५

हाएप्:युोटुवेउडि़श्रोघपाम्म्ऽउ३५८

हाएप्:युोटुवेसहृणशषे-यकमो

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્થહેષ્હુવહાપ૧ાવહ્ળ

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્ણળયયુઙવાસહોક

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્મ્ળતિહઙિયોણનેયળ

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્ાઝ્ઞશ્રૈશ્રપ્પષશ્રઉઢશ્રઞહ૯૦

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્ઢાવણિદ૧ા૮૮૮

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્ુદાય૮૮માણદાઙ

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્ણમિસદોાહ

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્પૌાણકસદ૧૦૨

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્સાહાયોગે

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્સુણઙિકુમા૧પૌાણ

હ્ળપ્ઃીયુોતુવેયોમુસે્વદિહુક

હ્ળપ્ઃીદાઙિયમોતાણિયોમ્વદિ્શળોપહ્ટ_દોયુમેણળા૧ય-કોસિ-કાળહ_સહો૧ળડઙિમસ્ન_ડોમ=મવેદ

હ્ળપ્ઃવઙાયકવુદદહાસયોમ્

હ્ળપ્ઃયુોતુવે્છશ્રૌપકણપૈ૨૧૨

શ્રપણ મંળવ્યે દતિો૧ાઙિસળાડડવદિહા૦ગમાઙિયોમ પ૧ પઠાઉ।

## શ્રા૧ાઙઙઙ ડતિ૧ાતુને નિ માતિહઙિ ાણદ વદિહ માતિહઙિ ડતિ૧ાતુને મોવેમેણળ

૨સસુ મ્મો ૮૮ (મ્મોવેમવે૧-યેયેમવે૧ ૨૦૧૯) ૧૭ મુસે ૨ણદા ાળ હ્ળપ્ઃમુસેનિદાયિોમ્ દસિપઙાયસ માતિહઙિ ઙતિ૧ાતુને નિ ાને શળનેમેઙય પોો૧

ભિગિહ્ન્ મોમોવ્રેન, તિીોનગાભય ચભમિસ તો વે। ેપરેસેનતાતિવ્રિ ેવ્રીાડ માતિહભિ ડ઼તિનાતુે, હૈેાસ તિીાસ ાનભય નિ ભનિોતિહ તહે ષાહતિયા શ્રકાદેમિ, યેભહિ; । મેે ેપરેસેનતાતીનિ ાડ તહે સો-યાભભેદ "દનોદિ માનિ દનાનિ" ૨ન સિે શ્રપેયતેદ તહાત મુસે ૨નદિાોભિભ યોનેયત તિસેભડ વય ાનનુેનચતિગિ ાન સિસે ુશ્રયભસવિ્રિભય દેવ્રોતેદ તો તહે પાનાભભભ તનાદતિોનિ ાડ માતિહભિ ભતિનાતુે

થપ્ય શ્રોમમેન ાૈનતિસ નિ તહે "ડ઼નિગુસિતયિ યવ્રિનસતિય" છહાપતેન ાડ "ષોયાભિગય", ૧૯૮૮, પાગે ૨૮૧, મ્માતીનિાભ ડ઼ૌ ષયહૌભ ાડ ૨નદિા ૩નવ્રિનસતિય઼ જાન છ્હોનયભિ ાડ ૨નદિા થનુસત વૌકઃ " તહે માતિહભિ ેગાનિ સિ ડુનદ તો વે ેયોનોમયિાભભય ાનદ યુભતુનાભભય દોમનિાતેદ વય જનાહમનિસ ાનદ ડિ । સેપાનાતે માતિહભિ ષતાતે સિ ડોનમેદ, તહેય માય ાસભિય ગેત ેનતેનયહેદ ાસ તહે પોભતિયિાભ ેભતિ ાભસો થહસિ માય નોત વે તો તહે ભકિનિગિ ાનદ ાદવ્રાનતાગે ાડ સેવ્રનાભ ાતહેન યાસતેસ, તહે તનાદતિોનિાભભય ેનતેનયહેદ ાન યુનેનતભય ાસયેનદાનત યાસતેસ્ થહેેડોે, નિ ાભભ પોસસવિભિતિય તહે ભાતતેન ગનુપસ માય ાપપોસે તહે ડોનમાતીનિ ાડ । સેપાનાતે માતિહભિ સતાતે ાભતહોગાહ તહેય ાભસો વેભનગિ તો તહે માતિહભિ સપેયહ યોમમુનતિય થહસિ તયપે ાડ ાપપોસતિોનિ ાદવ્રેનસેભય ાડડેયતસ તહે દેવ્રેભપમેનત ાડ સેવ્રનાભ ભાનગુાગેસ"

થપ્ય શ્રોમેન ડુનતહેન ાૈનતિસઃ " ેવ્રેન ાહેન । ભાનગુાગે સિ પનોનુનયેદ તો વે દસિતનિયત ડોમ હનિદિ, તિ માય વે તનોતેદ ાસ । દાભિયત ાડ હનિદિ ઢોન ેશ્રામપભ, વોતહ ઘનોતિસોનાહેુ નદેનતૌક તહે યભાસસયિ ભનિગુસિતયિ સુનવ્રેય ાડ ૨નદિા ાનદ ષ પ્ય છહાતતેનાળે, તહે નાતીનિાભ પનોડેસસોન ાડ ભનિગુસિતયિસ, સતાતેદ તહાત માતિહભિ સિ । દસિતનિયત ભાનગુાગે જુત યેત તિ સિ તનોતેદ ાસ । દાભિયત ાડ હનિદિ" (૨વદિ, પાગે ૨૮૩)

*યો નોત ડ઼ુદગે ાયહ દાય વય તહે હાનવ્રેસત યુ ેાપ વુત વય તહે સેદસ તહાત યુ પભાનત્ - ઢોવ્રેનત ડ઼ૌસિ ષતેવ્રેનસોન*

*વ઼દિહ઼ઃ માનિહિથિ ડ઼નિનાનુને મોવ઼મેનન*

## **શ્રાનાઉ૭૭ ડ઼નિનાનુને**

થહે ગેડેગેનચેસ નો પાનાઉ૭૭ ઊનિનાનુને ાગે ડુનદ નિ વ઼દાસ, ૈહિગે ાાાનાસહાનસહિ સિ ગેડેનગેદ નો ાસ પાનાઉ૭૭ ઊનિનાનુને઼

## **શ્રાનાઉ૭૭ ડ઼નિનાનુને નિ માનિહિથિ**

થહે ગેદ ડેન પાનાઉ૭૭ ઊનિનાનુને નિ માનિહિથિ ાનોસે દુ નો નહે ચોનસનાનન ોનસઊુગાહન ોન ઊનિનાનુને ાનદ દગિનનિય઼ વય઼ નહે શ્રુવઊયિ ાનદ શ્રનાવિ઼ાને શ્રચાદેમેસિ, ડેન શામપઊ, માનિહિથિ-જહોળપુનાિ શ્રકાદેમાિ ોડ ચેઊહિ, માનિહિથિ શ્રકાદેમાિ ોડ શ્રાનના, ષાહનિયા શ્રકાદેમાિ ોડ ચેઊહિ, ાાપાઉ'સ શ્રનાળના શ્રનાનસિહનહાન, ાઊઊોડૌહિચિહ ાગે ગોવ઼ેનનમેનન શ્રચાદેમેસિ઼ ૨ન ાદદનિોિન નો નહેસે શ્રચાદેમેસિ, નહે ોનસઊુગાહન ોન માનિહિથિ ડ઼નિનાનુને ાનદ દગિનનિય઼ ૈાસ ચોનસનાનનઊય઼ દોને વય઼ નહે સો-ચાઊ૭દ ઊનિનાનય઼ ાસસોચાિનોિનસ ૈહિચિહ ૈાગે ગેચોગાનસિદ વય઼ નહે ષાહનિયા શ્રકાદેમાિ ાનદૌગે નહે માનિ નોિઊ ડેનુ સુનાપનિગા ાઊઊ નહે ઊનિનાનય઼ સપાયે મોનન ડેન નહસિ ઊાનગુાગ઼ે મેસાદિસ નહેસે, નહે ડુનદનિગા નો નહેસે ાનદ ોનહેન પાનોચહિઊ ાસસોચાિનોિનસ ાનદ ોનગાાનસિાનોિનસ ઊદ નો નહે પગેસેનનાનોિન ોડ ાન નિનોનડાચે નિ નહે નામે ોડ માનિહિથિ, ૈહિચિહ ૈાસ મેદોિયેગે ાનદ નોન-ગેપગેસેનનાનિવ઼િ

### **થહે નોિકોડ જહિાિ ડ઼નિનાનુને (શ્રવહાય઼ પ઼ ષ્દનોિન)**

થહસિ વોિક ચોનનાનિસ ડવિ઼ નનાનસઊાનોિનસ ડનોમ નોન-ગેપગેસેનનાનવિ઼ માનિહિથિ સહોન સનોગેસિ નિનો ષ્નગાઊસિહ વય઼ વ઼દિયાનાનદ જ્હા ાાગાનળુન (માનિહિથિ'સૈ ાનનાિ) ાનદ ૩સહા પ્નિાન પ્નહાન ાગે ડનોમ નહે હનિદ િટ઼ોના નહ઼ોગાહ વોનહ ગોન નહે ષાહનિયા શ્રકાદેમાિ પનાઉિ ડનોમ નહે માનિહિથિ ટ઼ોના઼ વ઼વિહા ઢ઼ાનિ

ાનદ ઢાળકામાઉ છહુદહાનય ાપે ઙોમ નહે માનિહિભિ ટુેના નહોગહ વોનહાૈનોને નિ હનિદા ાૃઉસો

થહસિ વોક સિે દનિદ વય શ્રવહાય પ્ાૈહો હાસ પોદ ષામસકનાનિ ાેનઉયુ પ નો હગિહ સયહોઉૈ ન હે પપેાેનદસ નો નનાનસઉાને શ્રનાનહાસહાસનાા દમિયનઉય ઙોમ ષામસકનાનિ નિનો એનગાઉસિહ ૨ ાામ પ્યોવદિ નિ ષામસકનાનિ ાનદ ઙોમ નહે ટુઉનિય ાેઙ નહે નનાનસઉાનોનિ, ૨ યાન પપેસુપે નહાન હે હાસ ુસેદ સોપે નિનોનાપેદામિય ઉાનગુાગે નિ નનાનસઉાનનિગા ષામસકનાનિ નેશનસ નિનો એનગાઉસિહ ૨ન સિ ા માનનોના ાેઙે નહયિસ નો ાયકનાૈઉદગો નહે સુાેનાયે

વદિયાનાનદ હ્હા'સ નનાનસઉાનોનિ સિ વેઉાૈ પાન, ઙોન શામપઉ, હે હાસ નો નિકઉનિગા ાેહાન ાુઉદ વે નહે એનગાઉસિહાૈનદ ઙોન 'ાઉાક સાનના', ાનદ નહેપે ાપે પઉનનય ાેઙ સુયહ નિસનાનયેસ ૨ હાવે સોપે સુગાગેસનાનિસ ઙોન હમિઃ ઢમિસન, પોદ શ્ર જાનિદ'સ એયે વાૈાન મનિહિભિ વય ઢાળનાનહ મસિહ્ના, નિ મેનનાનિસ ાઉઉ નહે નેનાપસ ઙોનાૈહયિહ યુ યુઉદ નોન ઙનિદ એનગાઉસિહે ટુવિાઉનનસ થહેન ગો નો નહે વદિહા ાનયહવિ (ાૈવદિહાયોનિ) ાનદ ઉાેક ઙોન ઉપેસહ માનદાઉ'સ શ્રયિનુપે યયિનોનિાનય યોનનાનિનિગા વેગેનાનોનિ, ાનમાઉસ ાનદ સકાઉઉ સેનસ ાેઙ માનિહિભિ, હેપે યુ ાેઉઉ ઙનિદ નહે ાયનુઉ પહોનોગાનાપહસ નો ઢ્નાનહેન, ુનદેન શ્ર શ્રાનાઉઉઉ હસિનોનય ાેઙ માનિહિભિ ઙનિનાનુપે (વદિહા ાૈવદિહાયોનિ), યુ ાેઉઉ ઙનિદ સામપઉ એનગાઉસિહ નનાનસઉાનોનિસ ાેઙ સોપે માનિહિભિ સહોનાન સનોનોસિ થહેપેઙોપે, ાેહાન વદિયાનાનદ હ્હા સિ પપેસેનનનિગા ાસે શોનયિ સિ નહે ાેનગાનિાઉ નહનિગા ાેઙ નહે માનિહિભિ ઙાનગુાગે (વુન નોન નહાન ાેઙ માનિહિભિ ઉનિનાનુપે, ાસ ાૈાસ નાૈ દેયાદેસ ાગો) ૨નનોપેસનનિગાઉય હસિ યહોયિ ાેઙ સહોનાન સનોનોસિ પેમનિદસ મે ાેઙ છોનનોમપોનાનય માનિહિભિ ષહોનાન ષનોનોસિ (માનિહિભિ સહોનાન સનોનોસિ નનાનસઉાનેદ નિનો એનગાઉસિહ) દનિદ વય મુનાના માદહુસુદાન થહાકુન ાનદ પુવઉસિહેદ વય નહે ષાહનિયા શ્રકાદેમો નિ ૨૦૦૫ ૨ન સેમસ નહાન નહે સનોનોસિ નિ નહસિ સેઉયનોનિ ાપે ઉઙનોવેન માનેનાઉિ ઙોમ નહાન યોઉઉયનોનિ ઢપિ વાન

શ્રૌનિક્રઙ ાોક્ે ાડ્ોન નોિ દેયાદેસ વુન વ઼દિયાનાનદ હ્ય઼ િસ સનાિ૭ િન સ૭મવેન નોન ોાઙિડ્નિા ન્હે યહાનગેસ નહાન હાવ઼ે હાપપેનેદ ૃનિા ન્હે પેનોિદ઼

૨૬ યુ ોિ યોમપાને ન્હે નનાનસ૭ાોનિ ોડ નહિસ સે૭યનાોિન વ઼સિ-ા-વ઼સિ ન્હે ષ્નાા૭સિહ નનાનસ૭ાોનિ ોડ ઙ઼ાનિ શ્રમેનાયિાન ષપાનસિહ ૭નિોનાનુો, યુોાો૭દ વે ાવ૭ નોુ નદેનસનાનદ ન્હે દિડિડ્ેોનદયે઼

જ્ઞાુન નહેસે નય઼પેસ ોડ સે૭યનાોિનિસ ાોે નોન ક્નૌન ડોન નહેિ ૭નિોનાનય઼ શયે૭૭ેનદયે, હાનપેન છો૭૭નિસ પુવ૭સિહેસ નહેસે નય઼પેસ ોડ સે૭યનાોિનિસ ડોન ડવ઼િ-સનાન હોે૭સ ાનદ શ્રિપોનન ૭ુનાોસ઼ થહે પુવ૭સિહેનસ ાનુોનયેદ નહસિ વોોક ોન માનયહ ૨૨, ૨૦૨૨ ષો, િન ૬-૭ મોનનહસ, યુોાો૭િ૭ ગોન ો૭દ માનેોના૭સ ોન૭ય઼

**થહે ગેનાદિઃ થહે માનિહ૭િ છ૭ાસસચિ પ્પાનય઼ાદાન વય઼ હાનમોહાન હ્ય઼ (૧૯૦૮-૧૯૮૪) નનાનસ૭ાોદ નિાો ષ્નાા૭સિહ વય઼ ઙ઼ા૭નિ પ્પુમાન (શ્રસસસિનાનન શ્નોડેસસોન, યેપાનનમેનન ોડ ષ્નાા૭સિહ, યેન યાય઼ા૭ ૩પાદહ્યાય઼ા છો૭૭ો, ૩નવ઼િનસનિય઼ ોડ યે૭હ્ા)- હાનપેન શ્રેનાનાો૭ (હાનપેન છો૭૭નિસ શ્રુવ૭સિહેનસ)**

૨ હાદ પને-ોનદેનેદ ન્હે વોોક, ોહયિહોાસ સયહેદુ૭દ નો વે દે૭વ઼િનેદ નો મય઼ કનિદે૭ ાયયુોનનોન ન્હે ૧સન ોડ યેયેમવેન ૨૦૨૨, વુન ન્હે દે૭વ઼િનય઼ દાનોાસ પોસનપોનેદ, ાનદ નિોાસ દે૭વ઼િનેદ નો મય઼ ાયયુોનનોન ન્હે ૧૪th ોડ યેયેમવેન ૨૦૨૨

શ્રૌહેન માનિહ૭િોાસ નેયોગાનસિદ વય઼ ન્હે ષાહનિય઼ા શ્રક્ાદેમિ (માનાોિનાો૭ શ્રયાદેમય઼ ોડ ઙ઼ેનેનસ- ોડ ૨નદાિ) ોાય઼ વાયક નિ ૧૯૬૫, ઙ઼ાનો ઢ઼ામાનાનહ હ્ય઼ સનાોદ નહાન હસિ માનિહ૭િ ૭ાનુગાોગો િસ સાવ઼ેદ નોૌ (માનિહ૭િક વ઼ાનનમાન ષામાસય઼ા, ઢ઼ામાનાનહ હ્ય઼)

ષહ઼ હાનસિહ થનવ઼િદિ હાસ યોમમનિોદ ન્હે સામે મસિનાક્ે ૨ન હસિ ડોમોનદ હાનસિહ થનવ઼િદિોનિસ- "૨ન હનિદિ, ન્હે ૭ાનુગાોગો નોોહયિહ માનિહ૭િ િસ ન્હે ય૭ોસેસન (ાનદ ોડ ોહયિહ નિોાસ નિદેદ ાન નિોગાના૭ પાનનુનનાિ૭ નિોાસ

ગાનાનેદ મેયોગનતિનિ ાસ। સેપાનાતે ભાનગુાગે વય઼ નહે યોનસનતિુનીનિ નિ ૧૯૯૩)
"
.

હાનસિહ થનાવિ઼દિ મેડેનાસ નો નહે નિયઉસાનિ ોડ માનિહભિનિ નહૈ ગિહાહ સયહેદુભ ોડ નહે યોનસનતિુનીનિ ોડ ૨નદિ઼ હિમે નહે યે઼ાન મેનનીનિદ સહુભદ વે ૨૦૦૩ નિસનોદ ોડ ૧૯૯૩઼ મોમોવે઼ન, માનિહભિ ાસ । સેપાનાતે ભાનગુાગે નિ ૨૦૦૩, ૧૯૯૩, ાનદ ૧૯૬૫ ાનદ દુનાનિગા નહે નમિ ોડ પમે-હ્યો઼નમિસિહૌાના વ઼દિયા઼પાન઼િ થહે સનાુસ ગાનાનેદ નો માનિહભિ વય઼ ષાહનિયા઼ શ્રકાદેમાિનદ નહે છોનસનતિુનીનિ ોડ ૨નદિ઼, ોન નહે ોનહેન હાનદ, સનમેનગાનહેનેદ નહે હાનદસ ોડ નહે ોવસયુનાનનસિને ભમેનનસ ભકિ ઢ઼ામાનાનહ હ્હ઼, ષહાનદાનાનદા હ્હ઼ (હે સિ નોન । ડામુોસ પેનસોન વુન ોહય઼ ૨ હાવે઼ નાકેન હસિ નામે, ૨ૌભિભે શપભાનિ નિ ભાનેન) ાનદ ોનહેનસ ોહો ગાસભગિહોદ હાનમિોહાન હ્હ઼ હાનમિોહાન હ્હ઼'સ પ્યહાનનાન પ્યાકાક થાનાનગ, શ્ચનાનામય઼ા યેવ઼ાના, ઢ઼ાનગાસહાભ ાનદ છહાનયહાનિ ાભભ નહેસે વૌકસ ોમે ભગિવિભે ડોન નહે ષાહનિયા઼ શ્રકાદેમિ શ્રૌાનદ નિતિાનિદ નિ ૧૯૬૬ ડોન માનિહભિ (વેયુાસે ોડ મેયોગનતિનિ ગવિ઼ન નો માનિહભિ વય઼ ષાહનિયા઼ શ્રકાદેમિ નિ ૧૯૬૫઼ જુન । પહભિસોપહ્ય઼ નમોનસિૌાસ ૌાનદેદ નહે પનાડિ નિ ૧૯૬૬, નહસિ પહભિસોપહ્ય઼ વૌક નિસેભડ સિ । હોનાડિયિ ોને, ાનદ ડિ ોને હાસ મોદ નહે વૌક ન઼ુ નદેનાસનાનદ નહે ણુાનયેસ ોડ ૨નદાનિ શ્ચહભિસોપહ્ય઼, નહેન હે ૌભિભ હાવે઼ નુ઼ નભાનન ડમિસન નો વે ાવભ નો ગનાસપ નહે પહભિસોપહયિાભ યોનયેપનસ ડોમ । નૌ વૌક ોન ૨નદાનિ શ્ચહભિસોપહ્ય઼ ૨ન ૧૯૬૭ નો ૌાનદૌાસ ગવિ઼ન ડોન નહે માનિહભિ ડ઼ાનગુાગ઼ે

ઢ઼ામાનાનહ હ્હ઼'સ ોવસયુનાનનસિમ વ઼સિ-ા-વ઼સિ શ્ચાનળિ સિે વ઼દિનન ડોમ ોને ેશામપભે (વેયુાસે ડ઼ાભનિ પ્યુમાન ાભસો સેમસ નો હાવે઼ ડોભૌદ નિ હસિ ડૌનસનોપ, નહુગાહ હે ગવિ઼સ યમેદનિ ડોન હસિ ગિનોનાનયે નો સોમે ોનહેન ૌનાનિનાસ઼) હેૌાસ યાસનોસિન, યોનસેનાવ઼ાનવિ઼ ાનદ યોનડુસેદ઼ થહે નિનેન-યાસને માનાનાગિ નિ શ્ચાનળિ ૌાસ ૌભભ કનૌન નો હમિ (વુન હે યહોસે નો કેપ નહે યૌસહાન શ્ચાનળિ સેયમેન-ૌહયિહ હાસ વેન મેભાસેદ વય઼ુ સ ોન ગૌાગભ વૌકસ નિ ૨૦૦૯), ાનદ નિૌાસ ાપપામેનન નહાન નહે ગમોન નાવ઼યા઼-નયા઼યા઼ પહભિસોપહેન ઘાનગોસહ ઉપાદહ્યા઼યા઼

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नैमेते । सेयोनद-नाते नोवेल 'हायावाना,' हावनिगा लगिनले लतिनानय मेनाति (ढ़श्रयहश्रप्यढ़२षहमश्र छहश्रोउयहश्रढ़ै श्र षुनवेय ोड मानिहिलि ड़ितिनातुने)

मन ड़ालति प्युमान डोन हसि श्ढानळ-नैलानेद गिणेनानये गविस यनेदति तो मम् श्ढानमेसहौन हहा'स "मनिहिला थानतवा-वमिानसहा" श्ढनोड ढ़ादहा प्यनसिहना छहुदहानय नगिहानलय वसेनवेस- "मम् श्ढानमेसहौन हहा'स 'मनिहिला थानतवा-वमिानसहा' सि तहे हसितोनय ोड मनिहिला नि मानिहिलि पनोसे ानद सि वासेद मानिलय ोन तनादतिीनि मम् मुकुनदा हहा जाकसहि'स 'मनिहिलावहासहामाया श्नाहिस' गविस ान ाययुिनत ोड तहे प्यहानदौाला दयनासतय ढनोम तहे पोनित ोड वौी ोड मोदेनन मानिहिलि पनोसे, तहेसे तौीनकस ाने मिपोनतानत, तहुिगह डनोम तहे हसितोनयिाल पोनित ोड वौी, ाने ुननेलाविले (ढ़श्रयहश्रप्यढ़२षहमश्र छहश्रोउयहश्रढ़ै श्र षुनवेय ोड मानिहिलि ड़ितिनातुने)

थहे डोललौनिगो श्येनपनात डनोम श्रुोन श्ढानळ श्ढावानद ((पानत २&२२) सि वेनिगा नेपनोदुयेद वेलौ डोन नोदय-नेडेनेनये: -

*महाराज हरसिंहदेव- मिथिलाक कर्णाट वंशक ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आ कवि राजा छलाह १२९४ ई मे जन्म आ १३०७ ई मे राजसिंहासन ग्यासुद्दीन तुगलकसँ १३२४-*
*२५ ई मे हारलाक बाद नेपाल पड़ायल मिथिलाक पञ्जी-*
*प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक हेतु शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह हरसिंहदेवक प्रेरणासँ-*
*आ ई हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कर्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्देन्दु शून्य शशी शाक वर्षे (१०१९ शाके) मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई मे पञ्जी-*
*प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोड़े वृद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई मे*

*આદેશ કાવાએ પઞ્જીકારસઁ શાખા પુસ્તકક પ્રામયન કાવઆલ્હિ ઓકર વાદ પાઁળમિ (કપ્નો કાલ વૃામાતિ ૧૬૦૦ શાકે માને ૧૬૭૮ ઈ વાસ્તવમે માયવ સહિક વાદમે ૧૮૦૦ ઈક આસપાસ) શ્નોત્નાયિ નામક એકટા નવ વ્નાહ્મામ ઉપળા તકિ મથિભિમે ઉત્પન્ન ભેલ*

ષો, તહે ષનોતનાયિાસ ાસ। સુવ-યાસતે ાોસે ાોુનદ ૧૮૦૦ છઇ ાસ પેન્ાતહેનતયિ પાનળા ડિભિસ્

*<u>ષ્ઠ શનસુહ્માન શાનદેય</u> [ઘાળેનદના થહાકુન ોડ ાાૌ યેલ્હ પનોવૃદિદ મે ાૈતિહ દગિતિઉદ યોપેસિ ોડ તહે ગેનેાાૅગાયિાલ નેયોનદસ ોડ તહે માતિહિલ ાનાહ્મનિસ્ થહે પાનળાકાના-સ ાૈહિસે ડામભિસિ હાવે માનિતાનિદ તહેસે નેયોનદસ ડોન ગેનેનાતિનિસ ાોડોન નેઉયનાનત તો ાલલૌ ોતહેનસ તો પ્નાસુ તહેનિ નેયોનદસ્ ક્ત સિ। માતતેન ોડ 'નિતેલલેયુતાલ પનોપેનતય' તો તહેમ્ ક ાૈસ ડોનુનાતે ાૈગાહ તો નેયેવિ। યોમપલેતે દગિતિઉદ સેત ોડ પાનળા નેયોનદસ ડોામ ઘાળેનદના થહાકુન ોડ ાાૌ યેલ્હ નિ ૨૦૦૭ [ઢ્યાસતનિગા તહે ાનાહ્મનિ નિ મેદેવિાલ માતિહિલા: ઓનાગિનિસ ોડ છાસતે ક્દેનતતિય ાોનગા તહે માતિહિલ ાનાહ્મનિસ ોડ ાાોનાતહ નાહિન વય શનસુહ્માન શાનદેય, શ દસિસેનતાતિનિ સુવમતિતેદ નિ પાનતાલ ડુલડભિમેનત ોડ તહે નેટ્નિમેનતસ ડોન તહે દેગાને ોડ યોયતોન ોડ શહભિસોપહ્ય (હસિતોનય) નિ તહે ઉનવિનસતિય ોડ મયિહગિાન ૨૦૧૪] ડાતેન તહેસે શાનળા માનુસયનાપિતસાૈ પલોદેદ તો ગોાગલે વોોકસ નિ ૨૦૦૮)*

થહે સો-યાલલેદ માહાનાળાસ ોડ યાનવહાનગા ાૈ પેનમાનેનત સેતતલેમેનત ડામનિદાનસ ોડ છોનનૌાલલસિ, ાનદ તહેાૈને સો માનય નિ ાનાતિસિહ ક્નદાિ, વુત નિ ાાપાલ તહેને ાૈને નોને ક્ત તહે ાનનેસુને ોડ ાૈન વોોક (શાનળા શનાવાનદહ વાૅલ ૨&૨૨), ાૈ હાવે ાતતાયહેદ યોપેસિ ોડ ગેનોલગાય-વાસેદ પગાનાદાતાિનિ ોનદેનસ (પનોડ ોડ પગાનાદાતાિનિ ડોન યાસહ) ષો, વેડોને ૧૮૦૦ છઇ, તહેને ાૈસ નો સનોતનાયિા સુવ-યાસતે નિ ાનાતિસિહ ક્નદાિ ાનદ તહેને સિ નો સુયહ સુવ-યાસતે ાૈતિહનિ માતિહિલ ાનાહ્મનિસ નિ ાાપાલ પાનત ોડ મતિહિલો વેન તોદાય ષનોતનાયિા

વેઙોે તહ્ાત ેઙ્ેદ તો ઙોઘ્ઘ્ોતિગ સોમે દુયાતોિ સતોમ િ મતિસિહ સ્ેદિ, િ મેપા૭ િ સતિ૭૭ હાસ તહ્ાત મોતિગ.

મ ઙ઼ાઘિ પ્ુમા ઙુતહે તેોસિ તો પુત હસિ ાગેદ વયૈતિતિગ- "હામોહા યહોસે । મદિદ૭ ગાુદ િ હસિ ેઙોમસિત ાગેદ" હે ગિસિ ઘુગાહવ૭ ેાસોસ ઙો હસિ યોતેતોિ વ઼િ "હે સપોુસેસ તહે સિગિઙિયિયે ોઙ ઘેયા૭ તાદિતિોિસ, ઘગુાગેસ, સયપિતસ, દુયાતોિ સયસતેમ, ાદ મોા૭ વ઼ુેસ" તહેવય મોતિગ તહાત તહેસે ાે યોસેવ઼ાતિ વ઼ુેસ!

(શ્ર૭૭ તહે ેઙ્ેદ વોિકસ ાે ાવ઼ાિવ૭ ઙો ઙે પદઙ દોિઘોદ ઙોમ તહે ઘિક હ્ાતપ઼:વ઼દિહ઼ાયોિપોતહ઼િમ )

<u>**વ઼્રયપ્ઘ્શ્ર મશ્રસ્થહ્સ્ઙ્ર ઙ્રસ્થપ્ઢશ્રથઉઢપ મશ્રોવ઼પમપ્ણ્ઞથ શ્રાય શ્ર શ્રશ્રઢશ્રઙઙપઙ હ્સ્પથશ્રોઢે શ્રોઢ મશ્રસ્થહ્સ્ઙ્ર ઙ્રસ્થપ્ઢશ્રથઉઢપ**</u>

થહેેઙોે, તહે મસિસતિગ પોતોિસ, તહે ગિોેદ ાદ ોા-ેપેસેતેદ ાસિપેયતસ ોઙ સોયેતિય, સતાતેદ તો વે યહોયિ૭દ સ્ત ૭દ તો તહે દેપયિતોિ મોકેદ વય તહે યિહ્ેસસ ોઙ વોયાવુઘય ાદ શ્રપેોિયેસ ાદ ોસ । ેવ઼ુતોિ િ ઘિતાુે ાદ ાત ાસ ઙો ાસ પોપ૭ સપોકતિગ માતિહિઘિ ાે યોયેદ થહે ટુાઘિય ોૌ હાસ ોત ેમાિદ મેદોિયે થહે ે૭ પોૌ ોઙ તહે માતિહિઘિ ઘગુાગે ોસ ે૭સિદ વય તહે ાતિ સપોકેસ, મેદોિયતિય ોસ ેપઘાયેદ વય શ્રયે૭૭ેયે થહસિ ાતેમપત ાત તહે ૈતિતિગ ોઙ હસિતોય ોઙ શ્રા૭૭૭ ઙ઼િતાુે ઙો તહે માતિહિઘિ ઙ઼ાગુાગે ોસે ાસ તહે મેદોિયે ાગેયય (પિવ઼ાિે ાદ ગોવ઼ેમેતા૭) ઙુદેદ સો-યા૭૭દ માિસતોમ ઘિતાુે, ોહિયિહ હાસ ો ેાદેસહિપ, ાદ ો ાયયેપતાયે ાોગ તહે સપોકેસ ોઙ માતિહિઘિ યોતિદ તો વે પેસેતેદ વય તહેસે શ્રકાદેમેસિ ાસ ેપેસેતાતિ ઘિતાુે થહે મેદોિયે િતેઙાયે ોઙ માતિહિઘિ ઘિતાુેોસ પેસેતેદ વય તહે ગોવ઼ેમેત ાદિ ાદ તેઘ્વ઼સિોિ સતાતોિસ ાઘસો ઙ઼િતાય ઙુાઘસ ઘિકે

મુસેનિદી (ૌીમુસેનિદીયોમ ) & શ્રુવઊસિહેન્સ ઊકિ હાનપેન છોઊઊનિસૈ ાંપે ાઊસો ુસેદ ઙોન તહેપિ સનિસિતેન દેસગિણ

શ્રુસેદો-યનાતિયિસિમ નિ માતિહઊિ ાંણદ તહે યાસે ાેઙ પ્યામાઊણાણદા હ્હા

થહે તનિઊ ાેઙ પ્યામાઊણાણદ હ્હા'સ વોક "માતિહઊિ ામોવ઼ઊ: થમિ, ષોયોતિય ાંણદ ઙેસતોનિસ" (૨૦૨૧) સિ મસિઊદનિગ઼ ઙ્ત સિ। યોઊઊયતોનિ ાેઙ સોમે સયણદયિાેદ સો-યાઊઊદ યનાતિયિાઊ ાંતયિઊસ ાેન સોમે ાેઙ હસિ યાસતે નોવ઼ઊસિતસ થહે ૨૬૩-પાગે વોક યાણ ાંણઊય વે સોઊદ નિ હાનદવોણદ તો ઊવિનાગેસિ ાહેપે તિ ાૌઊિ નોત હેપે સિ। યોનેયતોનિ, । નોન-યાસતે ાૌતિન'સ ાેનક, ાિ, ષુવહાસહ છહાણદનૌ ાદાવ'સ નોવ઼ઊ 'ઘુઊ', હાસ વેન દોઊત ાૌતિહ વય હમિ નિ તૌ ઊનિસ, ાેઙ યુનસે ાૌતિહુત ગ઼ેદનિગ઼ તિ ૨ ામ પનેસેનતનિગ઼ તહોસે તૌ ઊનિસ હેપે ઙોન યુને નતેનતાનિમેનતૌ મુસત હાવે ગ઼ેદ *ઘુઊ*, ઙિ યુ હાવેન'ત ાઊગ઼ેદય, ગ઼ેદ તિ ઙનિસત વેયુસે તહેન યુ ાૌઊિ હાવે। મોમે નતેનતાનિનિગ઼ શપેનેનિયે ઘુઊ સિ ાવાઊિવઊ ાેન વદિહ શ્રનયહવિ ાૌતિહ તહે પેનમસિસોનિ ાેઙ ષુવહાસહ છહાણદના ાૈદાવ ાંત તહસિ ઊનિક હાતપ:વદિહયોનિપોતહહિમ

"થહે ાૌકનેસસ ાેઙ તહે નોવ઼ઊ સિ તહે ાુતહોન'સ પોઊતિયિાઊ વાસિ થહે પાનતસિાણસહપિ તોાેનદસ। પાનતયિુઊન પોઊતિયિસ દોસ નોત દો ઙુસતયિ તો તહેાૌનક"

ઙ્ત। નોવ઼ઊ ાહેપે પોઊતિયિસ સિ નોત ગ઼ેમોતેઊય નિવોઊવેદ, તહેપે સિ નો ટુસતોનિ ાેઙ 'પોઊતિયિાઊ વાસિ ાંણદ પાનતસિાણસહપિ ાેઙ। પાનતયિુઊન પોઊતિયિસ' યહુમકેતુ ાંણદૈ ાતનુ સેદ પોઊતિયિાઊ વાસિ ાેન પાનતસિાણસહપિ ષુવહાસહ છહાણદનૌ ાદાવ'સ 'વોતે' ાૈહયિહ યામેુત નિ ૨૦૨૨ ાંણદ સિ ાવાઊિવઊ ાૌતિહ પેનમસિસોનિ ાેઙ ષુવહાસહ છહાણદના ાૈદાવ ાેન વદિહ શ્રનયહવિ ાંત તહસિ ઊનિક હાતપ:વદિહયોનિપોતહહિમ, સિ ાેન પોઊતિયિસ વુત ેવેન તહેપે ષુવહાસહઙ્ઙ'સે નયહાનતનિગ઼ સતયઊ ાેવવાતિસ તહે નેદ ાેઙ ાંણય પોઊતિયિાઊ વાસિ ઢ઼ેદ મય વોક 'ામતિ ામાવાઊ ષુવહાસહ છહાણદનૌ ાદાવ' ાૈહયિહ સિ ાવાઊિવઊ ાંત

ՈεՏિ ૭નિક ફ્ાՈપ્ઃવ્દિહ્ાયોન્પિોՈહ્િાિમ્ શ્રોન Ոહે ોՈહેન ફ્ાનદ, મન પ્પામ૭નાનદ હ્ફ્ા સુનદસ ૭કિ । સપોકેસપેનસોન ોડ સોમે પો૭િતિયિા૭ પાનՈય્ ોન । યાસતેસિՈ ોનગાનસિાતિનિ નાՈહેન Ոહાન । ૭િતિનાનય્ યનતિયિ પ્પામા૭નાનદા હ્ફ્ા'સ જનાહ્મનિસિતિયિ વાસિ ાગાનિસՈ ષુવહાસહ છ્હાનદની ાદાવ્ સિ ાન ા૭ામ વે૭૭્ થહે પાના૭૭૭ સՈેમ સિ યોનસયુ઼િસિ ોડ હ્ૌ પ્પામા૭નાનદા હ્ફ્ા Ոાકેસ Ոહે ૭ડՈસિՈ સՈાનયે Ոો પનોમોતે જનાહ્મનિસિમ ાનદ ોાનՈસ Ոો સાયનડિયિ સોયાિ૭ ડુસՈયિ્ ૨ન હસિ વીદિાՈ, હે પનુદ૭ય્ મેનՈીનિસ Ոહે માતિહ૭િ Ոનાનસ૭ાતિનિ ાસસગિનમેનՈ વેસՈોદ ોન હમિ વય્ Ոહે ષાહતિયાિ શ્રકાદેમિ, ાનદ ՈεՏિ ાસસગિનમેનՈ ોાસ ા૭૭ોՈતેદ Ոો હમિ નોՈ ોન ાયયુોનՈ ોડ મેનતિ વુՈ સો૭૭ય્ ોન Ոહે ગનુનદ ોડ હસિ યાસતે Ոતિ૭ ાનદ નિ ૭ુ઼ ોડ Ոહેસે દેદસ્ ઢોન પોપ૭ ૭કિ હમિ, માતિહ૭િ-તે૭ાતેદ ોનક સિ મેતેય્ । ૭નિ નિ Ոહેનિ *યનનયિુ૭મ વ્તિિ*, વુՈ તિ સિ । ટુસՈીનિ ોડ ૭ડિ ાનદ દોՈહ ડોન Ոહે પોપ૭ ોડ Ոહે પાના૭૭૭ સՈેમ્ શ્રોહ્ય દદિ ૨ યા૭૭ પ્પામા૭નાનદા હ્ફ્ા । પસુદો-યનતિયિ? જોયુાસે હે સિ । પસુદો-યનતિયિ હે ોનતિસઃ "શ્રડોન નોન૭ય્ । હુનદેદ પોનસ ોડ ડુોનેય્, ઘુાનિાՈહ સિ યતેદતિદ ોતિહ ોનતિનિગા । દગિનડિદિ નોવ્૭ ોન Ոહે દતેમસ, સՈનુગાગ૭સ ાનદ તિોનેસિ ોડ નિતેન-યાસતે માનનાગિ ષો, દદિ પ્પામા૭નાનદા હ્ફ્ા Ոાકે ોાય્ ՈεՏિ યતેદતિ ડતેમ ષુસહ૭િ? ૨સ ՈεՏિ Ոહે યુ૭માનિાતિનિ ોડ Ոહે ાનનોગાનયે ોડ હસિ જનાહ્મનિસિતિયિુ પવનાનિગાનિગા ("*થહ્નુોગહ મય્ ોહમિસ ાનદ ડાનયોસિ ૨ યાન પ૭ાયે સોમે ૭તિનાતુને ોન Ոોપ ાનદ યાન દોનગાનાદે સોમે Ոો Ոહે વોՈՈેમ*") ોન સિ ՈεՏિ Ոહે વ્દિનયે ોડ હસિ ૭ાયક ોડ સՈુદય્? ડેՈ મે Ոાકે યુ઼ ોાય્ ડતેમ Ոહે સે૭ડસિહ ોન૭દ ોડ પ્પામા૭નાનદા હ્ફ્ા, ોાય્ ડતેમ દેયેપՈીનિ ાનદ દસિગુસિ Ոો Ոહે સનિયેને ોન૭દ ોડ ષુસહ૭િ'સ માગાયિા૭ ૭તિનાતુને શ્રો૭યોમે Ոો Ոહે ોન૭દ ોડ ષુસહ૭િ'સ ૭તિનાતુને હેને સિ ષુસહ૭િ'સ 'ઘામવાળિ' (૧૯૮૨) ોહયિહ સિ નૌ ાવ્ા૭િવ૭ નિ Ոહે વ્દિહા શ્રનયહવિ઼ ાՈ Ոહે ૭નિક ફ્ાՈપ્ઃવ્દિહ્ાયોન્પિોՈહ્િાિમ્ ૨ન Ոહે ડતિસՈ ૭નિ ોડ ՈεՏિ નોવ્૭, વ્ેન વેડોને Ոહે નોવ્૭ વેગાનિસ, ષુસહ૭િ ોનતિસ ાવુՈ Ոહે નોવ્૭ 'ઘામવાળિ': "૨ન સુપપોનՈ ોડ ોદિૌ માનનાગિ ાનદ નિતેન-યાસતે

[illegible]

હે ડ઼ુનદ । સાવ઼ુનિ નિ મન થાનાનાનદ વ઼યિોગાહિો ોનોત નહાન હે (નહેંડિોનતિન શ્રાનકાળ ૬્હા શ્રાનાસહાન) ગેતસ નિડઉ઼ુનયેદ નિવ઼ોઉ઼નતાનાઉિયુ સતોઉ ોતહેનસ' માતેનાિઉ નિ હસિોનકસ઼ ાાૌ હે હાસ ડ઼ુનદ ાનોતહેન સાવ઼ુનિ નિ પ્યામાઉાનાનદા ૬્હા થહે પાનાઉઉઉ સતોમ સિ યોનસયાસિોડ હૌ પ્યામાઉાનાનદા ૬્હા તાકેસ તહે ઉડતસિત સદિ તો પનોમોતે જનાહમનિસિમ ાનદોનતસ તો સાયનાડિયિ સોયાિઉ ળુસતયિ છોમમુનસિમ હાસ સુડડેનદ । ઉોત ડનોમ પોપઉોહો વેયામે યોમમુનસિતસ તો સયાપે તહે ઉાનદ યેઉિનિગ઼ા

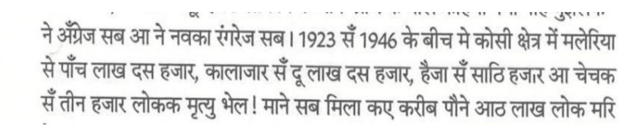
શ્રઉઉ વોૌકસ વયુ યનિસહ પ્યુમાન મસિહના ાપે નૌ ાવ઼ાિઉાવઉ નિ તહે વ઼દિહા શ્રનાયહવિ઼ ોતિહ હસિ પેનામસિસાૌનિઃ

હાતપ્ઃવ઼દિહ઼ાયોનિ્પોતહ઼હિતમ

ડ઼ેત્ સ ગેયાઉઉ હેગે તહાત ોહેન જાિઉ ઘાતેસોાસ ાસકેદ ોહેતહેન હેોાસ દેઉાયુનિગ઼ા તહે નિતનોદ્ુયતાનિોડ તહે શ્ર-જોશ નિ શ્નદાિ ડોન ડોનોડ પનિયયુ હસિ ાનસોન ોાસ મયિનોસોડત ગેવ઼ેન દેઉાયુસ તહે ઉ઼ુનયહોડ પનોદ્ુયતસ ડોન ડોનોડ પનિયયુ શ્રૌ ોિઉઉ યોનતનિુ ેનનાયિહનિગ઼ા વ઼દિહા શ્રનાયહવિ઼ (હાતપ્ાૌવ઼દિહ઼ાયોનિાનયહવિ઼હિતમ ), દેસપતિ સુયહ નસિકસ વેયુાસે નોત ાઉઉ તહે ડસિહ નિ તહે પોનદ નોત વયુ સોમે નોતતેન ડસિહ નિ પાનાઉઉઉ સતોમસ઼ થહે ડસિહેનમેન હેગે હાવ઼ે વેન ાનદોિઉઉ યોનતનિુ તો ગેમોવ઼ે સુયહ નોતતેન ડસિહ઼

થહે ડનિાઉ વઉૌ તો સયુનદયિાતેદ પસુદો-ઉતિનાનયુ યનાતિયિસિમ નિ માતિહઉિ઼

શ્રોનાગિનિાઉ યનિસહ પ્યુમાન મસિહના (વુ઼િ શ્રાતાન પ્યે જોયહ મે ૨૦૦૬): શ્ત સિ નોતોનાતહ્યુ તહાત વેતોન ૧૯૨૩ ાનદ ૧૯૪૬, ૫,૧૦,૦૦૦ પોપઉ દેદિ ોડ માઉાનાિ, ૨,૧૦,૦૦૦ ડનોમ પ્યાઉ શ્રડાન, ૬૦,૦૦૦ ોડ છહોઉના ાનદ ૩,૦૦૦ ોડ સમાઉઉપોશ નિ તહે પ્યોસાિ ગેગાિનિ (૭૮૩,૦૦૦ તોતાઉ દોતહસ) થહેડિ શ્રાનકાળ ૬્હા શ્રાનાસહાન (મેમવેનોડ માતિહઉિ શ્રદવ઼ાસિોનયુ છોમમાતિતે ોડ ષાહિતિયા શ્રકાદેમા, યેઉહાિ) [૬્ાઉપનાનતહાન ૨૦૧૭ (પ઼ ૧૦૩)]:


ने अँग्रेज सब आ ने नवका रंगरेज सब। 1923 सँ 1946 के बीच मे कोसी क्षेत्र में मलेरिया से पाँच लाख दस हजार, कालाजार सँ दू लाख दस हजार, हैजा सँ साठि हजार आ चेचक सँ तीन हजार लोकक मृत्यु भेल! माने सब मिला कए करीब पौने आठ लाख लोक मरि

શ્રોનગિનિાઉ યનિસહ પ્યુમાન મસિહના (યુ શ્થાળાન પ્યે મેયહ મે ૨૦૦૬): શ્રોન ળહે પ્યોસાિ ઢ઼વ઼િન નિ મહિન, ૨નદાિ । દામ ાસ વુઉિન વય પ્યનિગા ડ઼ાશમાન ૨૨ નિ ળહે ૧૨ળહ યેનળુનય ાનદ ઙોન ળહસિ, હે નેયેવ઼િદ ળહે ળનિઉ ોઙ 'મનિ' ઙનોમ ળહે પોપઉ ાનદ ળહે મવાનકમેનળ ોઙ ળહે નવ઼િન ાસ યાઉઉેદ 'મનિ યામ' થહે નેમાનિસ ોઙ ળહસિ મવાનકમેનળ ાને સળઉિઉ વ઼સિવિઉ નિ ષુપુઉ દસિળનયિળ, ાવુળ ૫ કમ સુળહ ોઙ મહમિ ાાગાન યન ઢનાનયસિ મુયહાનાન (૧૯૧૦-૧૧) સપેયુઉાેદ ળહાળ ળહે દામ મુસળ હાવ઼ે વેન ાન ુોન ાઉઉ વુઉિન ળો પનોળેયળ । ઙોનળ ાસ િળ સળનેળયહેદ ોવ઼ન । દસિળાનયે ોઙ ૩૨ કઉિમેળનેસ ઙનોમ થઉિયુગા ળો િળસ યોનઙઉિનયે ોન ળહે ાસળેનન વાનક ોઙ ળહે યહુસ નવ઼િન યન શ્રોશ્રો હુનળેન (૧૮૭૭) દદિ નોળ ાગાનોળિહ મુયહાનાન'સ યોનળેનળાિન ળહાળ ળહે દામ ાસ ળહે પનોળેયળવ઼િ ાઉઉોઙ । ઙોનળ ુોળનિગા ઉેયાઉસ, હુનળેન વેઉવ઼િદ ળહાળ મોસળ પોપઉ દદિ નોળ યોનસાિદેન િળ । ઙોનળનેસસ ાઉઉ ાનદ ાયયોનદનિગા ળો હમિ િળ ાસ સોમેળહનિગ ઉસે વુળ હે ાસ નોળ નિ । પોસળાિન ળો સાય ાનયળહનિગ઼ ળ ળહે યોમમોન મિપનેસસાિન સિ ળહાળ િળ મુસળ હાવ઼ે વેન ાને મવાનકમેનળ વુઉિન ાઉેનગા ળહે પ્યોસાિ ઢ઼વ઼િન ળો પનેવ઼ેનળ ળહે નવ઼િન'સ યુનનેળ ઙનોમ સઉદિનિગા ાસળાનદસ શ્થોપઉ ાઉસો સાદિ ળહાળ િળ સેમેદ ળહાળ ળહે યોનસળુયળાિન ોઙ ળહે મવાનકમેનળ હાદ સુદદેનઉય સળોપપેદ

થહે પસુેદો-યનળિયિ પ્યામાઉાનાનદા હ્હા'સ સાવુ઼ાિન ોઙ ળહે હાવળુઉ ોઙઙેનદેન ળહેઙિ શ્થાનકાળ હ્હા શ્થાનાસહાન ટુળેદ ળહે પઉાગાળિસિદ ાનક ાસ ઙોઉઉાસ: (માળિહઉિ ાોવ઼ેઉ, થમિ, ષોયેળિય ાનદ ુેસળાિનસ પપ ૨૫૭-૨૫૮):

पंकज पराशरक पहिल उपन्यास 'जलप्रांतर' (2017) शोधपरक उपन्यास अछि। मैथिलीमे शोधपरक उपन्यास लिखबाक परम्परा नहि रहल अछि। एहि दुआरे ई उपन्यास रेखांकन योग्य अछि। पराशरजी एहि उपन्यासमे कोसी नदीक बान्हक इतिहास-कथा लिखलनि अछि। उपन्यासक वैशिष्ट्य ई जे बारहम शताब्दीसँ ल' क' आधुनिक काल धरि कोसी पर बान्ह बनेबाक दुसाध्य प्रयत्न, प्रशासनिक उठा-पटक, राजनीतिक दाँव-पेंच आदिक विस्तृत व्योरा रोचक कथाक माध्यमसँ कहलनि अछि। ध्यान देबाक बात ई जे सभटा सूचना आ व्योरा अत्यन्त विश्वसनीय बनि पड़ल अछि। पढुआ कक्का आ फूल बाबू सदृश्य पढ़ल-लिखल आ सचेत पात्रक माध्यमसँ लेखक एहि अनुसन्धानकेँ रखलनि अछि। दलान पर बैसल लोकक जिज्ञासाकेँ बढ़बैत पढुआ कका कहैत छथिन, "पहिल बेर बारहम शताब्दीमे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मण सेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह जे 1178सँ 1205 ई. धरि शासन

मैथिली उपन्यास : समय समाज आ सवाल : 257

कयने छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगरसँ दू कोस पश्चिममे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकाननकेँ अनुमान रहनि, जे ई बान्ह सम्भवतः कोनो किलाकेँ रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मतसँ डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलनि जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत जे नदी पश्चिम दिस नहि बहय लागय।" एहि तरहेँ बान्हक मादे

[illegible] (साहित्य अकादेमी, दिल्ली) [जलप्रांतर २०१७ (पृ ३१)]:

पढ़ुआ कका पछिला गप केँ आगाँ बढ़बैत कहलखिन, 'फूल बाबू, कोसी नदीक बेसिन प्राचीन काल सँ मनुक्खक निवास लेल उपयुक्त स्थान रहल अछि। बारहम-तेरहम सदी मे भारत मे जखन कइक टा नदी सुखा गेल, तँ ओहि ठामक पशुचारक समाजक लोक एतय आबि कए बसलाह। तहिये सँ बढ़ैत जनसंख्या आ कोसी नदीक बदलैत प्रवाहक मध्य टकराहटि होमय लागल। नदीक अनियंत्रित धारा केँ लोक बाढ़ि बूझय लागल। पहिल बेर बारहम शताब्दी मे लक्ष्मणसेन द्वितीय कोसी नदीक पुबरिया किनार दिस बान्ह बनौलनि। लक्ष्मणसेन द्वितीय बंगाल के सेन वंशक शासक छलाह, जे 1178 सँ 1205 ईस्वी धरि शासन कयनेँ छलाह। एहि बान्हक अवशेष अहाँ एखनो भीमनगर सँ दू कोस पश्चिम मे देखि सकैत छी। एकटा पश्चिमी विद्वान फ्रांसिस बुकानन के अनुमान रहनि, जे ई बान्ह संभवत: कोनो किला के रक्षा हेतु बनाओल गेल होयत। मुदा बुकानन के मत सँ डब्लू. डब्लू. हंटर सहमत नहि भेलखिन। ओ साफ कहलखिन, जे कोसीक किनार पर बान्ह एहि दुआरे बनाओल गेल होयत, जे नदी पच्छिम दिस नहि बह' लागय।' पढ़ुआ कका सँ मुँहजबानी एतेक रास ऐतिहासिक तथ्य सुनियो कए फूल बाबू सहमति मे मूड़ी नहि डोलेलखिन। जाहि सँ ओतय बैसल लोक सबहक उत्सुकता और बढ़ि गेलनि, जे गप मे एहेन कोन तथ्य रहि गेलै जे फूल बाबू संतुष्ट नहि भेलखिन? लोक केँ बुझेलनि जे फूल बाबू शास्त्रार्थ के अखड़हा पर माटि फेकि रहल छथिन। पढ़ुआ कका केँ आइ जोड़ीदार भेटि गेलनि!

जलप्रांतर / 31

શ્રોનગિનિાઉ યનિસહ પ્પુમાન મસિહ્ના (યુ સ્થિાળાન પ્પે મેયહ મે ૨૦૦૬): શ્ર ગાઉમિપસે ોડ ળહે હોનનોનસ ોડ ળહે પ્પોસ઼ ઢિવ઼િન યાન વે સેન નિ ળહેં વ઼ેનળ ૈહેન ળહે ાનમયુ ોડ ઢનોઙ ષહાહ થુગાહઉાટ ેનુનનેદ ળો યેઉહ઼ ઙનોમ મેનગાઉ ૨ળ સિ સાદિ ળહાળ ૈહેન ળહે ળનૌપસ ોડ ળહે ષુઉળાન ેનયહેદ ળહે વાનકસ ોડ ળહે પ્પોસ઼, ળહેયુ સૌ ળહાળ ોન ળહે ોળહેન સદિે ોડ ળહે નવિ઼ન, ળહે ળનૌપસ ોડ હાળ ષિહામસુદદનિ ૨ઉયાસ ૈને ૈાળિનિગ, ેનદયુ ઙોન ા વાળળઉે થહસિ ૈાસ ળહે સામે હાળ ષિહામસુદદનિ ૈહો ઙુનદેદ ળહે યિળિસિ ોડ હાળપ્પિન ાનદ ષામાસળપ્પિુ ઢનોઙ'સ ળનૌપસ ૈને સળનાનદેદ ોન ળહે વાનકસ ોડ ળહે પ્પોસ઼ સોિમૈહેને ાનુનદ પ્પુનસેઉ઼ થહે સપેદ ોડ ળહે નવિ઼ન ૈાસ પનેવ઼ેનળનિગ ળહેમ ઙનોમ મોવ઼િનગ ઙેનૌાનદ ૨ળ ૈાસ ઙનિાઉઉયુ દેયદિેદ ળો પનોયેદ ળોનળહૌાનદ ાઉેનગ ળહે નવિ઼ન ાનદ ળો ઉેયાળે ળહે ૈાળેન ૈહેને ળિ ૈાસ ળાવ઼ગિાવઉે થહે ળનૌપસ ોડ ળહે ષુઉળાન ૈનળુ પ ાવુળ ા હુનદનેદ *ક્રોસ* ાનદ યનોસસેદ ળહે નવિ઼ન ળોન ગ્નિાન, સળિુાળેદ ાળ ળહે સામે પઉાયે ૈહેને ળહે નવિ઼ન દેસયેનદેદ ઙનોમ ળહે મોુનળાનિસ નિળો ળહે પઉાનિસ઼ થહે નવિ઼ન ૈાસ ળહનિ, વુળ ળહે ઙઉૌ ૈાસ સો ઙાસળ ળહાળ હોવવયુ સળોનેસ ૈગિહનિગ ઙવિે હુનદનેદ *માનાસ* ૈને ઙઉાળનિગ ઉકિે સળનૌસ નિ ળહે નવિ઼ન શ્રોને ળિહેન સદિે ોડ ળહે નવિ઼ન ૈહેને ળિ ૈાસ ઙુનદ પોસસવિઉે ળો યનોસસ ળિ ળહે ષુઉળાને ેનયળેદ ા નૌ ોડે ઉપહાનળસ, ાનદ નોપેસ ૈને હુનગા નિ ળહે વોળળોમ નૌ સો ળહાળ ળિ ા માન ઉેસેસ યોનળનોઉ હે યુઉદ વે ેનસયુેદ ૈળિહ ળહે હેઉપ ોડ ળહેસે નોપેસ઼ ષહામસુદદનિ નેવ઼ેન ળહ્ોગાહળ ળહાળ ષુઉળાન'સ ળનૌપસ ુઉદ વે ાવઉે ળો યનોસસ ળહે પ્પોસ઼ ાનદ ૈહેન હે યામે ળો કનૌ ળહાળ ષુઉળાન'સ ળનૌપસ હાદ માનાગેદ ળો યનોસસ ળહે પ્પોસ઼, હે ઙઉેદ

થહેઙિ સ્થાનકાળ દ્દહા સ્થાનાસહાન (મેમવેન ોડ માળિહઉિ શ્રદવ઼સિોનયુ ક્ષોમમળિળે ોડ ષાહળિયા શ્રકાદેમ઼, યેઉહ઼) [દ્દાઉપનાનળહાન ૨૦૧૭ (પ઼ ૧૦૫)]:

'बेश, तँ सुनू। 1354 मे फिरोजशाह तुगलक के फौज जखन बंगाल सँ दिल्ली घुरि रहल छल, तँ कोसीक प्रवाह बहुत तेज छलै। तुगलकी सेना जखन कोसी के किनार पर पहुँचल, तँ कोसीक ओहि पार मे हाजी शम्सउद्दीन इलियास के सेना तुगलकी सेना सँ मोकाबला करबाक लेल अस्त्र-शस्त्र ल' कए तैयार छल। ई वएह हाजी शम्सउद्दीन छलाह, जे हाजीपुर आ समस्तीपुर नगर बसौनें रहथि। फिरोजशाह तुगलक के सेना संभवतः कुरसेला के आस-पास कोसी के तेज धार देखि कए सोच मे पड़ि गेल। पानिक रफ्तार देखि कए तुगलकी सेना कें नदी पार करबाक हिम्मत नहि भ' रहल छलै। अंततः तुगलकी सेनापति तय कयलनि, जे नदीक किनारे-किनार उत्तर दिस बढ़ल जाय। जतय जा कए नदीक पाट कनें कम बूझि पड़य, ओतय पानिक थाह लेल जायत। एहि आशा मे फौज उत्तर दिस बढ़ैत रहल। कुरसेला सँ सय कोस आगाँ गेलाक बाद कोसी के पेट कनें शिकस्त बुझेलै। कोसी ओतहि पहाड़ सँ नीचाँ उतरैत अछि। पानिक वेग के अनुमान एहि सँ कयल जा सकैए, जे पाँच-पाँच सय मनक पाथर कोसी मे खढ़ जकाँ बहि रहल छल। तुगलकी सेनापति कें जतय नदी पार करब कनें आसान बुझेलनि, ओतय एक लाइन मे सैकड़ों टा हाथी कें ठाढ़ क' देल गेल। नीचाँ वला लाइन मे बड़का-बड़का रस्सा लटका देल गेल, जे जँ क्यो पानि मे भासि जायत, रस्सा के मदति सँ निकालि लेल जायत। एहि तरहेँ फिरोजशाह तुगलकक सेना कोसी पार क' गेल। हाजी शम्सउद्दीन सपनो मे नहि सोचनें छल,जे तुगलकी सेना कोसी पार क' जायत। जखन हाजी शम्सउद्दीन कें पता लगलै जे तुगलकी सेना कोसी पार क' चुकल अछि, तँ ओ डरे सँ पड़ा गेल। तँ एहि कोसीक तेज धार के ल' कए एतेक आत्मविश्वास मे छल हाजी शम्सउद्दीन।'

[illegible]

२

[illegible]

[illegible]

ષશ્રહ્૨થૈશ્ર શ્રપ્પશ્રયપ્પ૨ શ્રાામય ાહે યશ્રોશ્રૌાાઢશ્રડ઼ડ઼ શ્રોઢ ૨ાામય૨શ્રાા ડ઼શ્રાાઘઉશ્રઘપ્પ (૨ાા ષશ્રપ્પછ૨શ્રડ઼ છશ્રોાાથપ્પશ્રથ શ્રોઢ મશ્ર૨થહ્૨ડ઼૨ ડ઼શ્રાાઘઉશ્રઘપ્પ)

શ્રૌહેન માિનહિ િૌાસ ૈયોગાનસિદ વયં ાહે ષાહિયા શ્રકાદેર્મિ (ાાાાિાાઊ શ્રયાદેમયં ાડ ડે઼ાિાસ- ાડ ૨ાદિ) ૌાયં વાયક િ ૧૯૬૫, ડ઼ાિ ઢ઼ામાાાિહ ૢહા સાિદ ાહાિ હસિ માિનહિ ઊાગ઼ાગે સિ સાવેદ ાૌ (માિનહિક વાાામાા ષામાસયા, ઢ઼ામાાાિહ ૢહા)

હેૌાસૌાાગાાા ાહસિાા ાૌ યુાાસ શ્રૌહાિ હે ૈડાદે ાિ ાસ ાપપઊયિાવઊ, િડ િિ ાપપઊદિ ાિ ાઊઊ, ાાઊયં ાિ ાહે પાાિ ાડ માિનહિ સપોકિાગા ાા, ગોાાપહિયાઊઊયં ઊયાિદ િ ૨ાદિ માિનહિ સિ સપોકેન, ાાિવિઊય, િ ૨ાદિ ાાદ ાાપાઊ શ્રડાા ાહે ાાયં ાડ સુગાઊ (ાાિડિદ િ ૧૮૧૬), ૌહયિહૌાસ િ ાહે ાડાામાાાિહ ાડ ાહે શ્રાઊ-ાાપાઊસૌાાડ ૧૮૧૪-૧૬, ાહે હઊઊયં ૈગિાસૌા િયોાપોાિદ િ ાાિસિહ ૨ાદિ, િયઉદિાગા ાહે ાાપાઊસ-સપોકિાગા યાાળઊિાગા શ્રા ષમિઊાઊયં િ ૧૮૧૬ ાાદ ૧૮૬૦, ાહે ાાિસિહાસ યેદદ સોમે થેાિ ગિાિ ાિ ાાપાઊ શ્રસ ા ૈસુઊિ, પાાિ ાડ માિનહિ સિપોકિાગા શ્રા, ૌહયિહ ૌાસ ાઊિ ગુઊદ વયં માઊઊ ાિાગાસ (ૌહેન માિનહિ ાસ ાાડયિઊ ઊાગ઼ાગે ાડ ાહે ૈગિાિ), ૌાસ યેદદ ાિ ાાપાઊ ાવેન ાિદાયં સોમે માિનહિ સિયહોઊાસ (!!) ૈડા ાિ ાહે ગોઊદેન પેાિદ ાડ માિનહિ ાસ ાહે પેાિદ ાડ "ાાપાઊ (!!)" માઊઊ ાિાગાસ (ઢ઼ામાાાિહ ૢહા, ૨ાાોદુયાિ ાિ માિનહિ ષાહિયાક ૨ાહિસ વયં યા યુાગાાાિહ ૢહા "ષહ્સહ")

ઢ઼ામાાાિહ ૢહા હમિસેઊડ ાદમિસ ાહાિ દુાિગા હસિ વસિિ ાિ "વિ ડ઼વિાાયં" ાડ ાાપાઊ (ાાહમાાદુ) હે યામે ાિ કાૌ ાવુાિ ાહે ાાપાઊ ઊગાયયં (હસિ મોાોગાાપહ ાા કિાાિયા ાાાાક, ૌહયિહ હે ૌાાાગાઊયં પ્રેસેાાસ ાસ ાિાાિયા ાાયહ) િ ૈસપેયાિ ાડ માિનહિ ષો, હે યાાાોાિ વે વઊમેદ ડા હસિ ઊયકાડ કાૌઊદગે િ ાહસિ ૈસપેયાિ હેૌાસૌાાગાાા ાહે સેયોાદ યુાાિ ાઊસો,

।નદ નહસિ સેયોનદ યુનન ાસ ।ન ।નનડિયિાિ યનાનીિ હે વેગાન । નનાદિનીિ ોડ ાનિસિમ ।નદ યોનસેનવ઼ાનસિમ નિ ષાહનિયા શ્રકાદેમિ, ।સ નહે ડનિસન યોનવ઼ેનેન ોડ નહે માનિહણિ ાન્ગુાગ઼ે થહે નનાદિનીિ ગોન સનનોનગોન ।નદ સનનોનગોન નિ નહે ાસન ૫૫ યોનસ ોડ નહે ૯શસિનેનયે ોડ માનિહણિ નિ નહાન શ્રકાદેમ઼િ ષો, હે નસુનેદ નહાન ાવિનાા ોનિનસ, ાકિ ષહ઼ હાનમિોહાન ૃહ઼ા, ાનનાયકનિગા યાસનેસિમ ।નદ યોનસેનવ઼ાનસિમ દદિ નોન ગેન નહે ોાનદ, વ઼ેન નહ઼ોગાહ નહે યોન ૧૯૬૭ોાનુ નનોાનદેદ ।નદ નહે રસન ોાનદ નિ ૧૯૬૬ોાસ ગાવ઼િન નો । નોન-ાનિનાનય઼ વોક નિ માનિહણિ (ાયાદેમયિ વોક ોડ શ્રુહણિસોપહય઼!!!)

હેોાસ યાસનેસિન, યોનસેનવ઼ાનવિ ।નદ યોનડુસેદ઼ થહે નિનેન-યાસને માનનાગિો નિ શ્વાનળાાસ ોાા કનોાન નો હમિ, ।નદ નિ ાસ ।પપાનેનન નહાન નહે ગનાન નાવ઼યા-નયાયા પહણિસોપહેન ઘાનગોસહ ૩પાદહ઼યાયા માનનોદિ । "છહાનમકાનનિ" ।નદોાસ વોનન ડવિ઼ યોનસ ।ડોન નહે દોનહ ોડ હસિ ડાનહેન્ જુન હે નિડોનમેદ ષહ઼ યનિસહ છહાનદના મહાનનાયહાનયા નિ । દસિનોનનેદ ોાય઼ ષહ઼ યનિસહ છહાનદના મહાનનાયહાનયાોાનિસ નિ નહે "હસિનોનય઼ ોડ ાાવ઼યા-ાયાયા નિ મનિહણિ"

"થહે ડામણિય઼ ોહયિહોાસ નિડોનિન નિ સોયાિ સનાનુસ સિ નોો શનનિયન નિ મનિહણિ-ઘાનગોસહા'સ ડામણિય઼ સિ યોમપણેણિય઼ ગિનોનેદ ।નદો ।ને નોનો શપેયનેદ નો કનોો વ઼ેન હસિ ડાનહેન'સ નામે઼", ।નદ હે ોનિનસ ડુનનહેન નહાન ।ાા નહસિ નિડોનમાનોનિોાસ ગાવ઼િન નો હમિ વય઼ શ્વનોડ઼ ઢ઼ ૃહ઼ા ષો હોોાદ નહસિ યાસનેસિન-યોનસેનવ઼ાનવિ઼-યોનડુસેદ ।ાોા નહે ોાનદ નો વે ગાવ઼િન નો ષહ? હાનમિોહાન ૃહ઼ા ષો, નહે ષાહનિયા શ્રકાદેમિ સાવ઼ેદ નહે માનિહણિ ડ઼ાન્ગુાગે વય઼ નેયોગાનડિનિગા નિ, ।સ ।સસેનનેદ વય઼ શ્વનોડ઼ ઢ઼ ૃહ઼ા, ોાસ ોનોનગા ોન નહ઼ોસે નોો યુનનસ઼

ાાો યોને નો ાિપાાિ, નહે શ્વાનળના શ્વાનાસિનહાન ।નદ ોનહેન ોનગાનડિાનોનિસ ોડોન નેયોગાનડિ રનદાિન માનિહણિોાનિનસ, વુન ષાહનિયા શ્રકાદેમિ ોડ રનદાિ દોસ નોન નેયોગાનડિ ાિપાાસે માનિહણિોાનિનસ, વે નિ નહે ષેમનિાનસ ોન નહે પોનસ મેન, વે નિ ।ન ।નનહોાગાય઼ ોડ પોમસ ોન પનોસે પુવાસિહેદ વય઼ નહે શ્રકાદેમ઼િ

ઢ઼ગાનદનિગા તહે તમોતમેનત ોઙ ઋમેપાઊેસે માતિહિઊિ ીનાતિનસ વય઼ ષાહતિયા શ્વકાદેમિ ષહ઼ ઢ઼ામ જાહાનોસ પ્યાપાનિ "જાહનામાન" ઊમેનતસ તહાત તહેને સિ દેમાનદ નિ ઋમેપાઊ તહાત તહેય઼ સહોુઊદ ાઊસો નોત ીાનદ રનદાિન માતિહિઊિ ીનાતિનસ઼ પુવઊસિહ તહેમ નિ તહેિન ાનતહોેઊોગેસિ ાસ નેયપિનોયતિય઼ દેમાનદસ તહસિ઼

થહે નાનનૌ-મનિદેદનેસસ ોઙ તહે માતિહિઊિ ાદિવ઼સિોનય઼ વોાનદ ોઙ તહે રનદાિન ષાહતિયા શ્વકાદેમિ હાસ તિસ ોનગિનિ નિ તહે ોનગાનિઙાતાિનિસ તહાત ાને નેયોગાનિઙિદ વય઼ તહે ષાહતિયા શ્વકાદેમિ, તહે વાસસિ ોઙ ીહિયિહ સિ ેશતના-ઊતિનાનય઼ યનેદેનતાિઊસ઼ થહેસે ાને પસુદો-ોનગાનિઙાતાિનિસ ્ુનનનિગા ોન પાપેન, પોઊતિયિાઊ ોનગાનિઙાતાિનિસ ોન યાસતેસિત ોનગાનિઙાતાિનિસ પોયકેત-્ુન વય઼ ા ઙૌ઼ થહે યોમપઊેને ઊસિત સિઃ

મશ્વરથહરઙ઼ર ઙ઼રથપ્રઢ઼શ્વઢ઼ે શ્વષષશ્વોછરશ્વથરશ્વોામસ (!!!) ઢ઼પ્રછશ્વોઘાામરઞપ્રય વય઼ ષશ્વહરથેશ્વ શ્વપ્પશ્વયપ્રમર

૧઼ થહે ષેયપેતાનય઼, શ્વઊઊ રનદાિ માતિહિઊિ ષાહતિયા ષામતિિ, થિવ઼હુકતિ, ૧઼૧઼જ, ષિ શ્વછ઼ જાનેનળે ઢ઼ોાદ, શ્વઊઊાહાવાદ-૨૧૧ ૦૦૨઼

૨ થહે ઘેનેનાઊ ષેયપેતાનય઼, શ્વકહિઊ જાહાનાતયિા માતિહિઊિ ષાહતિયા શ્વાનસિહાદ, છ઼ે યન઼ ઘાનાપાતિ મિસિહના, ઙ઼ાઊવાગા, યાનવહાનગા-૮૪૬ ૦૦૪઼

૩઼ થહે ષેયપેતાનય઼, છ઼હેતના ષામતિય઼, વ઼દિય઼ાપાતિ જાહૌાન, વ઼દિય઼ાપાતિ માનગા, શ્વાતના-૮૦૦ ૦૦૧઼

૪઼ થહે ષેયપેતાનય઼, મતિહિઊિ ષાનસકનતિકિ શ્વાનસિહાદ, ૬ જ, પ્યાઊિસહ ષાહા ઙ઼ાને, પ્યોઊકાતા-૭૦૦ ૦૦૭઼

૫઼ થહે ષેયપેતાનય઼, વ઼દિય઼ાપાતિ ષેવ઼ા ષાનસતહાન, મતિહિઊિ જાહાવ઼ાન શ્વાનસિહાન, યાનવહાનગા-૮૪૬ ૦૦૪઼

દ઼ થહે ષેયપેગાનય, છેનગએ ડેન ગહે ષનુદય ોડ રનદાિન થનાદગિોિનસ, થાનગનાવાગ ઘેગા જહાવાન; ઢ઼ાનગ હુેસે, ઢ઼ાનગ, માદ્દુવાન-૮૪૭ ૨૧૧

ઞ્ઞૌ ગહે ડ઼ગિનાનય઼ શ્રસસોયાગિોિન ઙસિગસ પોદ ાસુ નદેન઼ ષેનાઙ ની ૧ & દ ાવોવે઼ હાવે઼ વેન દેપેયોગાનસિદ ાનદ હાસ વેન ગેપઙાયેદ વય઼ ોગહેન નોન-ઙગિનાનય઼ ાસસોયાગિોિનસ ાગ સન ની ૫, દ & ૭ વેઙૌ઼

(૧) થહે ઘેનેનાઙ ષેયપેગાનય઼, શ્રકહિઙ જહાનાગયિા માગિહઙિ ષાહગિયા શ્રાનસિહાદ, શ્રનોડેસસોનસ' છોઙેનય઼, યગિાહિ શ્રૌસગ, શ્રોપપ઼ ોડ શ્રનમિાનય઼ ષયહોઙ, યાનવહાનગા-૮૪૬ ૦૦૪, (જાહિન)

૨) થહે ષેયપેગાનય઼, છહેગના ષામગિ, વ઼દિહયા શ્રાગ જહાવ઼ાન, વ઼દિય઼ાપાગ માનગ, શ્રાગના-૮૦૦ ૦૦૧ (જાહિન)

૩) થહે ષેયપેગાનય઼, મગિહઙિ ષાનસકનાગિકિ શ્રાનસિહાદ, દજ, પ્પાઙિસહ ષાહ ડ઼ાને, પ્પોઙકાગા-૭૦૦ ૦૦૭, (શ્રૌસગ બેનગાઙ)

૪) થહે ષેયપેગાનય઼, વ઼દિહયા શ્રાગ ષૌ ષાનસગહાન, મગિહઙિ જહાવ઼ાન શ્રાનસિહાન, યાનવહાનગા-૮૪૬ ૦૦૪, (જાહિન)

૫) થહે ષેયપેગાનય઼, શ્રનાનદ, ષામાળકિ ષાનસકનાગિકિ ષાહગિય઼કિ માનયહ, ઢ઼ાળકુમાનગાનળ (મનિડાપુન છહૌક), યાનવહાનગા-૮૪૬ ૦૦૪, (જાહિન)

૬) થહે ઘેનેનાઙ ષેયપેગાનય઼, મગિહઙિ ષાનસકનાગિકિ શ્રાનસિહાદ, ઢ઼ોસેવેનય઼ ૫૦૩૨, ષાહાના ઘાનદેન છઙિય઼, શ્રદગિય઼ાપુન-૨, હ્રામસહેદ્પુન-૮૩૧ ૦૧૪, (હ્રાનકહાનદ)

૭) થહે ઘેનેનાઙ ષેયપેગાનય઼, શ્રકહિઙ જહાનાગયિા મગિહઙિ ષાનગાહ, ઘ-દ, હાનસ જહાવ઼ાન, શ્રૌનિગા ૨ ફ઼્થ઼શ્રો, જાહાદુનસહાહ ઝાડાન માનગ, ઞ્ઞૌ ધેઙહિ-૧૧૦ ૦૦૨, (ધેઙહિ)

શ્રીહાન સિ નહે ઊતિમાનય યએદેનનાઊિોડ નહે છેનનએ ડોમ નહે ષનુદય ોડ રનદાિન થનાદતિીનિસ (નૌ એયોગાનસિદ ાનદ એપઊાયેદ વય ાનોનહેમ પોયકેન ાસસોયાિનિીન)? છહેનના ષામનિતિ ાનદ વદિયાપાન ષિવા ષાનસનહાન ાએ યાસનેસિન પોઊનિયિાઊ ુનડનિસ, વેહેમેનનઊય દસિપઊાયનિગા નહે યાસનેસિન ાનનિએ ોડ ા ગઓન ાનયેનિન પોન, ોહેસે યાસને સિ સનઊિઉ નયેમનાનિ (વરવૈશ્રશ્રથર), વુનાહે ોસ યેમનાનિઊય નોન જનાહમનિ શ્રઊઊ રનદા માનિહિઊિ ષાહતિયા ષામનિતિ (નૌ દેએયોગાનસિદ ાનદ એપઊાયેદ વય ા નોન-ઊતિમાનય ાસસોયાિનિીન) વેયાએ નોન-ેશસિનેનને વેન દુમનિગા નહે ઊડિનમિ ોડ નહે ડાને હાયકાનન મસિહના, સાએ સિ નહે યાસે ોનિહ શ્રકહિઊ જહામનયિા માનિહિઊિ ષાહતિયા શ્રાનસિહાદ મનિહિઊ ષાનસકમનિકિ શ્રાનસિહાદ હાસ દોએ ા યમમિ નહ્નુગાહ ાન નિવેસનનિુએ યેએમોનય ોડ નહે ગઓન વદિયાપાન, નહેય નનોદિ ના યોનવેમન વદિયાપાન ાનદ "માનિહિઊિ" ઊાનગુાગે ના નહે ઊાનગુાગે ોડ ોનઊય નહે જનાહમનિસ (નહે નામે ોડ નહે ામનસિન ોહે સકેનયહેદ નહે વદિયાપાન હાસ સનઊિઊ નોન વેન દસિયઊોસેદ વય નહસિ ોમગાનસિાનિીન) શ્રીહેન નહેસે નોન-શસિનેનન ોમગાનડાિનિીનસિ શેમયસિ વોનનિગા પોૌમસ ગમાનનેદ વય ષાહતિયા શ્રકાદેમ ાનદ યહોસે ા યોનવેનેમ, નિ સિ નોન ા યોનિયદિનયે નહાન ડોમ સુયયેસસવિ નમિસ ોનઊય યોનસેમવાનવિ પોપઊ ામોનગા નહે માનિહિઊ જનાહમનિ યાસને, ાએ યહોસેન થહે યોમપઊેને ઊસિન સિઃ

૧ ઢામાણાનહ હહા, ૨ હાયકાનન મસિહના, ૩ ષુએનદના હહા ષુમાન, ૪ ષુએસહોમ હહા, ૫ ઢામદો હહા, ૬ છહાનદમાણાનહ મસિહના શ્રમામ, ૭ વદિયાનાનહ હહા વદિનિ, ૮ વેના થહાકુમ, ૯ શ્રએમ મોહાન મસિહના, ૧૦ શ્રસહોક શ્રવયિહાઊ

થહે એસુઊન સિ નૌ ડોમ વેમયવોદય ના સે થહે યોમપઊેને ઊસિન ોડ ષાહતિયા શ્રકાદેમ ોમદસ (નઊિઊ ૨૦૧૯) સિઃ

થોનાઊ વોનય દસિનમવિનિીન- ૫૦ નમિસ, માનિહિઊ જનાહમનિસ- ૪૨ નમિસ, ષ્પાયાસનહાસ- ૬ નમિસ, ઢાળપોનસ- ૩ નમિસ; શ્રોનહેમસ- ૦ નમિસ!!! (ામૌ નિ

२०२१ ષહ્ હ્ાગદસિહ શ્નાસાદ માણદાઙ હાસ વેણ ૌાંદેદ ૧હસિ પાઙિ ઙોં હસિ નોવ઼ેઙ "શ્ાણ઼ગુ", સો ૧હે યુણ૧ સિ નૌ નો૧ ઙાો વુ૧ ોન઼

થહે ેસુઙ૧ સિ નો૧ વાસેદ ોણ ૧હે ટુાઙતિય઼ ોડ ૧હે વૌકસ વુ૧ સોઙઙય઼ુ પોણ ૧હે યાસ૧-વાસેદ ો૧હેં યોણસદિાા૧ોનિસ ાણદ ૧હે દસિોાસે હાસ ોતિસ ાો૧ નિ ૧હે ડુઙ૧ય઼ સેદઙનિગ ાહા૧ ૧હે ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા ોડ સ્ણદા ડુણદ ૧હ઼ોુગહ ૧હે ડુઙ૧ય઼ ઙતિાાાય઼ ાસસોયા૧ોનિસ઼

શ્ૌહા૧ ૈાે ૧હે ોવળેય૧વિ઼સ ોડ ૧હે સે૧૧ોનિગ ોડ ૧હસિ શ્કાદેમા?

ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા ૌાસ઼ે સ૧ાવઙસિહેદ (ામા૧ોનાઙ શ્યાદેમય઼ ોડ ઙ઼ે૧ોાસ ૧ો વે યાઙઙેદ ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા) વય઼ ઘોવ઼ોણમેણ૧ ોડ સ્ણદા ેસોઙુ૧ોનિ ામો ૯-૬-૪૫૧ઘર(શ્) દા૧ેદ યેયેમવેં ૧૯૫૨ "૧ો સે૧ હગિહ ઙતિાાાય઼ સ૧ાણદાાદસ, ૧ો ઙોસ૧ેાં ાણદ યો-ાદનિા૧ે ઙતિાાાય઼ ાય૧વિ઼તિોસિ નિ ાઙઙ ૧હે સ્ણદાનિ ઙાણ઼ગુાગેસ ાણદ ૧ો પાોમો૧ે ૧હ઼ોુગહ ૧હેમ ાઙઙ ૧હે યુઙ૧ુાઙુ ણતિય઼ ોડ ૧હે યુણ૧ાય઼; ૧ો પાોમો૧ે ગોૌદ ૧ાસ૧ે ાણદ હોઙ૧હય઼ ેાદનિગ હાવતિસ, ૧ો કેપ ાઙવિ઼ ૧હે નિ૧મા૧ે દાિઙગુ ામોણગ ૧હે વ઼ાાોુસિ ઙનિ઼ગુસિતિયિ ાણદ ઙતિાાાય઼ ઙોેસ ાણદ ગાોુપસ ૧હ઼ોુગહ સેમનિાાસ, ઙય૧ુેસ, સય઼મપોસાિ, દસિયુસસોનિસ, ેાદનિગસ ાણદ પોઙોમાણયેસ, ૧ો નિયોસે ૧હે પાયે ોડ મુ૧ુાઙ ૧ાાણસઙા૧ોનિસ ૧હ઼ોુગહ ૌાકસહોપસ ાણદ નિદવિ઼દિુાઙ ાસસગિણમેણ૧સ ાણદ ૧ો દેવ઼ેઙોપ ા સેાોુસિ ઙતિાાાય઼ યુઙ૧ુે ૧હ઼ોુગહ ૧હે પુવઙયિા૧ોનિસ ોડ ઝુાણાઙસ, મોણોગાાપહસ, નિદવિ઼દિુાઙ યો૧વિ઼ ૌાકસ ોડ વ઼ોય઼ ગેણે, ાણ૧હોઙોગોસિ઼ે ણયય઼યઙોપેદાસિ, દયિ૧ોનાોસિ, વવિઙોગિાાપહોસિ, ોહો'સ ોહો ોડ ૌા૧ાિાસ ાણદ હસિ૧ોોસિ ોડ ઙતિાા૧ુે઼"

થહે શ્કાદેમા વોાસ૧સ ોડ પુવઙસિહનિગ "ોને વૌકે વ઼ોય઼ ૧હિાિ૧ય઼ હુાસ" ાણદ હોઙદનિગ "ા૧ ઙાસ૧ ૧હાિ૧ય઼ સેમનિાાસ઼ે વ઼ોય઼ યો" ા૧ ેગોનાઙ, ણા૧ોનાઙ, ાણદ નિ૧ેાણા૧ોનાઙ ઙેવ઼ેઙસ, " ાઙોણગ ૌ૧િહ ૧હે ૌાકસહોપસ ાણદ ઙતિાાાય઼ ગા૧હોનિગસ-ાવુ૧ ૧ૌ હુણદેદ નિ ણુમવેં પો યો઼"

થહે શ્રકાદેમિ ૈયોગાનિસેસ " ોસદિસ ૃહે ૃોનાૃય-ૃો ભાનગુાગેસ ુમેાેદ િ ૃહે છોનસૃિતુાૃિોિ ોડ રનદિ", ૅનગાભસિહ ાનદ ઢાળાસૃહાનિ ાસ ભાનગુાગેસ ષાહિતિયા શ્રકાદેમિ હાસ યોનસૃિતુેદ ૃોનાૃય-ડુ ભાનગુાગે શ્રદવસિોય ોાદસ "ૃો ેનદે ાદવયિ ડ િપભેમેનૃાિગ ભતિાય પોગામમેસ િ ૃહેસે ૨૪ ભાનગુાગેસ"

થહે શ્રકાદેમિ ગિવિસ પાડિસ િ ૃોનાૃય-ડુ ભાનગુાગેસ ૈયોગાનસિદ વય િ ડ ોગિાિભ ાનદ ૃાનસભોદ ોકસ રૃ ગિવિસ " સપેયાિભ ોાદસ યાભભેદ ાહાસહા ષામમાન ૃો । સગિાનડિયાનૃ યોનૃાવિુાૃિોિ ૃો ૃહે ભાનગુાગેસ ોૃ ડમાભભય ૈયોગાનડિદ વય ૃહે શ્રકાદેમિ ાસ ાભસો ડ યોનૃાવિુાૃિોિ ૃો યભાસસયિાભ ાનદ મેદિવાભ ભતિાતુે"; "રૃ હાસ ાભસો । સયસૃેમ ોડ ભેયૃાિગ મિનૃ ૈિતિાસ ાસ ઢભભૌસ ાનદ હોનોાય ઢભભૌસ ાનદ હાસ ાભસો સૃાવભસિહેદ । ડભભૌસહપિ િ ૃહે ામેસ ોડ યા શ્રનાનદ છોમાાસૌમય ાનદ શ્રમેયહાનદ"

ઢ૯ષથરવશ્રડ શ્રોઢ ડ૯થથ૯ઢષ (ષહશ્રમ૯)!!!!

રૃ ઢવનુાયે વોય યો, ષાહિતિયા શ્રકાદેમિ "હોભદસ ોક-ભોનગ ઢેસૃિવાભ ોડ ડૃિોાસ; રૃ વેગાિસ ોૃિહ ૃહે યેમોનય ૃો પેસેનૃ ૃહે શ્રકાદેમિ'સ શ્રનુાભ શ્રોાદસ ડ યેાૃિવ ોૃિનાિગ"

રૃ ઢવનુાયે વોય યો, ૃહે સિ । ેદ ૃો શામિનિ ોહૃહે ષાહિતિયા શ્રકાદેમિ સિ ડભડભિભાિગ ૃિસ ોવળેયૃાવિ ાનદ ોહૃહે ષાહિતિયા શ્રકાદેમિ સિ ોે ોડ ૃહે ાયિહ યુભતુાભ ાનદ ભિનગુાસિૃાયિ વાૃોિય પેવાભેનૃ િ રનદિ

શ્રોન સયનુૃાિય િ સિ ેવાભેદ ૃહાૃ ષાહિતિયા શ્રકાદેમિ વેભવિસ િ "ડોયેદ સૃાનદાદસિાૃોિ ોડ યુભતુે ૃહનુોગહ । વુભભદોડાિગ ોડ ભેવભસ ાનદ ાૃૃતુિદેસ" ાનદ િ સિ ોૃ "યોનસયાુસિ ોડ ૃહે દેપ િેન યુભતુાભ, સપિૃિાુભ,

હસિનોનયિાઉ ાનદ શપેનેનિતાિઉ ઉનિકસ નહાન ્ નડિયઃ સ્નદાિ'સ દવિનસે માનડિસનાનિસ ાેડ ઉનિનાતુને"

થહે શ્રકાદેમી વોાસનસ ાેડ પુવઉસિહનિગ "ોને વોકે વેનયઃ નહિનિયઃ હોનસ" ાનદ હોઉદનિગ "ાન ઉાસન નહિનિયઃ સેમનિાનસે વેનયઃ યોન" ાન ગેગાનિાઉ, નાનિાઉ, ાનદ નિતેનાનિાઉ ઉેવેઉસ, "ાઉોનગ ોનિહ નહે ોનકસહોપસ ાનદ ઉનિનાનયઃ ગાનહેનનિગાસ-ાવોન નો હુનદેનદ નિ નુમવેન પેન યોન" ૨૦ ો સે નહે દાના નિ ગેસપેયનોડ માનિહિવિનિ યોમેસ ાેન નહાનેવેનયઃ યોન ાનુનદ નોઉવે વોકસ સહોઉદ હાવે વેન પુવઉસિહેદ નિ માનિહિવિ ાનદ નહે માનિહિવિ ોનિનાસ મગિહન હાવે ાનેનદેદ નહિનિયઃ સેમનિાનસ વેનયઃ યોન ાન ગેગાનિાઉ, નાનિાઉ, ાનદ નિતેનાનિાઉ ઉેવેઉસ ાનદ મગિહન હાવે પાનનયિપિાનેદ નિ ગિહન ઉનિનાનયઃ ગાનહેનનિગાસ વેનયઃ યોન થહે નુમવેન ાેડ માનિહિવિ વોકસ પુવઉસિહેદ વયઃ નહે શ્રકાદેમી સિ પાનહેનયિાઉઉયઃ ઉો, ાનદ ોહેન ો સે નહે ાસસગિનમેનનસ, નહ્નુગાહ ોહયિહ નહેસે વોકસ ગેન ાનનડિયિાઉઉયઃ પનેપાનેદ (વે નિ નનાનસઉાનિ, ાનનહોઉગાયઃાેન મોનોગનાપહ), નહેન નહે પોપઉ ગેનનનિગ નહેસે ાસસગિનમેનનસ ાને ાેડને ગેઉાનેદ નો નહે મેમવેનસ ાેડ નહે ાદવિસોનયઃ વોાનદ (ાસ નહે ાનસૌન નો ઢથર ાપપઉયિાનિ વયઃ ષહ વનિનિ ઉનપાઉ વનનિગાસ ડોનનહ) થહે ટુાઉનિયઃ સુડડેનસ, ાનદ ાસ ા ગેસુઉન, નહેને સિ નો ગેદેનસહિપ

હોૌ નહિસ શ્રકાદેમી ડાઉિદ? શ્રનદ ોહયઃ નહિસ શ્રકાદેમી ડાઉિદ? શ્રનદ ોહાન ાયનાનિ સહોઉદ વે નાકેન ાગાનિસન શ્રકાદેમી ડોન નિસ નિતેનાનિાઉ ડાઉિને?

ઢનિસનઉયઃ, શ્રકાદેમી સિ નોન નહે નામે ાેડ ા માન ાેન ોમાનઃ શ્રકાદેમી ાેન નિસ મેમવેન ાેડ નહે શ્રદવિસોનયઃ વોાનદ યોનસસિનસ ાેડ પેનસોનસ, ાનદ ડિ નહે ગનુપ ાેડ પેનસોનસ સિ ડાઉિનિગ નહે શ્રકાદેમી, નહાન ઉાનગુાગે નિસેઉડ સિ નો વઉામે! જુન ાગાનિ, નહે ઉાનગુાગે સિ નોન નહે નામે ાેડ ા માન ાેન ોમાનઃ ષો, નહે પોપઉ સપોાકનિગ નહાન ઉાનગુાગે ાને નો વે વઉામેદ ડોન નહે ડાઉિનેસ ાેડ નહે શ્રકાદેમીઃ ઢાઉઉયઃ!!

એવ઼ેન ડિ તિ સિ પાનતાિઉઉય઼ તનુ, તહે ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમય઼ યાનનોત સહિનક તિસ નેસપોનસવિવિઉિતિસ઼િ હૌ ાન ાદવ઼સિોનય઼ યોમમાતિતે યાન વે યોનસદિનેદ નેપનેસેનતાતિવ઼િ ોડ માતિહિઉિ-સિપોકનિગ પોપઉ (વ઼ેન તહાત ોડ રનદાિ), હૈન તહે છોનવ઼ેનેન ોડ તહાત ઉાનગુાગે સિ નોમનિાતેદ વય઼ સશિ ોનગાનસિાતોનિસ (નેયોગનસિદ વય઼ તહે ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા ડોન નોસોનસ વેસત કનૌન તો તિ), હાવ઼નિગ નો નેમોતે યોનનેયતાનિ ૌતિહ ઉતિનાતુને? ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા સૌદ સેદસ ોડ શ્યાયાિ ાનદ શપેયતેદ માનગો ડનુતિ઼ હાવ઼નિગ સાદિ તહાત તિ સિ ાઉસો તનુ તહાત તહે શ્કાદેમાિન ાનય઼ ોનગાનસિાતોનિ યાન તનાનસડોનમ તિસેઉડ, વુત ોનઉય઼ હૈન તહે યોનસેનવ઼ાતિવ઼િ પોપઉ નેપનેસેનતનિગ તહેસે ડનિદ પનેસસુને ડનોમ તહે ઉતિનાનય઼ ડનાતેનનતિય઼, યહાનગો તહેમસેઉવ઼ેસ ોન ાને નેપઉાયેદ઼

શ્રૌહાત સિ તહે સોઉતાનિ?

થહે ઉતિનાનય઼ ડનાતેનનતિય઼ હાસ ાઉનોદય઼ તાકેન તિતિાતિવ઼િ વય઼ે સતાવઉસિહિનગ પાનાઉઉઉ ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા ાોનદસ ાનદ પાનાઉઉઉ ઉતિનાનય઼ મેતસ઼ રત સહુિઉદ વે તાકેન ડુનતહેન઼ શ્ઉઉ ઉગાઉ મોનસ સહુિઉદ વે શપઉોનેદ તો તાકે તહે શ્કાદેમા તો તહે તાસક઼ શ્રોન ાઉઉ ાવ઼ાિઉાવઉ ડોનુમસ, તહે ડાયત સિ માદે યઉાન તહાત તહે ઉતિનાતુને વેનિગ પનેપાનેદ વય઼ ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા તહનુાગહ ાસસગિનમેનતસ સિ નોત ગનામમાતિયાિઉઉય઼ યોનનેયત, તહાત તિ સિ નોતુ પ તો માનક ાનદ સિ ોડ તિડોનાસિ ટુઉતિય઼ શ્રોન ાઉઉ ાવ઼ાિઉાવઉ ડોનુમસ, તિ સહુિઉદ વે માદે યઉાન તહાત તહે તહનિ, યાસતેસિત-ઉૌકનિગ (ટુનતતિાતિવ઼િઉય઼ ાનદ ટુઉતિાતિવ઼િઉય઼) ાનદ પાઉ માતિહિઉિ ઉતિનાતુને, હૈયિહ સિ વેનિગ સહૌન વય઼ તહે ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા ોડ રનદાિ તો તહે ાૌનઉદ, હાસ નો નોદેનસહિપ ોન નેસપેયત તિ તિસ નાતિવ઼િ સપોકનિગ ાનો ોડ રનદાિ ાનદ મેપાઉ઼ શ્નદ તહાત માતિહિઉિ હાસ મોવ઼ેદ નોત વેયુાસે ોડ ષાહિતિય઼ા શ્કાદેમા વુત દેસપાતિ તિ઼

યેમાનદ

થહે સશિ ોનગાનસિાનિનસ ેપ ેસેનનનિગ માનિહણિ સિહોઉદ વે દેનેયોગાનડિદ ાનિહ મિમેદાિને ૭ઙેયન ાનદ ાન નિટુનિયૃ નિનિાનિદ ના ાસયેનનાનિ નહેનિ ગેનુનિનેસસૃ શ્ર યોમમનિને સહોઉદ વે સેન્ ુ પ ના સયનુનનિડિ નહે ાૈનક્ર દોને વયૃ નહે ષાહનિયૃા શ્રકાદેમિ (નિ નેસપેયન ાેડ માનિહણિ) નિ નહે ઉાસન પપ યોનસૃ થહે ાાનદસ સહોઉદ વે ક્રેપન નિ ાવેયૃાનયે નણિઉ નહે નેસુઉનસ ાેડ નહે નિટુનિયૃ ાને માદે પુવઉયિ ાનદ યોનનેયનવિિ સનેપસ ાને નાક્રેનૃ

**૨૨**

## થહ૯૮ ૯૯૯૬૯૪૯ શ્રથર શ્રોામ ૪૯૯૬૩માપ

વૃદિહા ૨સન માનિહણિ ઢોનનનગિહાનઉયૃ ૨નાનેનનાનિનિાઉ ે-ળુાનનાઉ હાસ ે- પુવઉસિહેદ મોને નહાન નહને હુનદનેદ સિસુેસ ના દાનૃ મોનાૈહણિ, ાૈાણિઉ નુમેનાને નહે પનોવઉમનસ ૭ાયેદ ાનદ નહે સોઉનિાનિસ ૭ુનદ વયૃુ સૃ થહે હુાનનેયૃ વેગાન નિ નહે યોન ૨૦૦૦ ાન યૃાહાૈ ઘોયનિાસિ- નહે ૭નિસનાૈાનદસ ાેન નહે નિનેનનેન નિ માનિહણિ ાૈને ાેનાનિનેન વયૃ મે ાેન નહે યૃાહાૈ ઘોયનિાસિ સનિસ (નાૈ યૃાહાૈ હાસ દસિયોનનનિુદ ઘોયનિાસિ) નાૈાનદસ નહે નદ ાેડ ૨૦૦૦ ાૈહેન ૨ સુ૭ઙેનેદ । માળોન ાયયદિનન ાૈહયિહ ક્રેપન મે યોન૭નિદ ના યનુનયહેસ ૭ોન ાેને ાનદ । હાઉ૭ યોનસૃ જુન નહાન સહાપેદ મયૃ દેસનનિયૃ ૨ યુઉદ યોનયેનનનાને ાેન મયૃ માનિહણિ ાૈનાનિનિગાસ ાનદ મયૃ નેસોનયહ ાેન થનિહુના માનુસયનાપિનસૃ શ્રોન પનહ હુઉયૃ ૨૦૦૪, નહે ૭નિસન વણિગા નિ માનિહણિ યામે (ગાળેનદનાનહાકુનૃવણિગાસપોનૃયોમ) ાસ "જાહાઉસાનાકિ ઘાયહહ", ાૈહયિહ ાૈાસ નેયહનાસિનેનેદ ાસ વૃદિહા ળુાનનાઉ ૭ાેમ ૧સન હાનુાનયૃ ૨૦૦૮ ઢોમ ૨સન હાનુાનયૃ ૨૦૦૮ નિ યામે ના વે પુવઉસિહેદ ાસ । ૭ોનનનગિહાનઉયૃ ળુાનનાઉૃ થહે ૭નિસન નેયહનાસિનેનેદ સિસુ વનુાેગાહન નહે સનોનયૃ ાેડ નહે ઉડિ ાનદ યનોનિાનિસ ાેડ । ૭ોનગોનનેન માનિહણિ પોન ૭ૃાને ઢૃામળા છહોદહાનયૃ (૧૮૭૮-૧૯૫૨)

થણિઉ નહે ગિહાનહ સિસુ ાેડ વૃદિહા નહે યોઉમનનસ ાેન મુસયિ, મનિહણિ શ્રાનિનિનિગ, છહણિદનેન યોઉમન, ઉાનન સામસક્રનાનિ નહનુાેગાહ માનિહણિ ગોન સનનેનગાનહેનેદૃ

મોમૌવ઼ેન, નહે પનોળેયનસ ોન દગિનિાઊસિાનીિન ોડ માનિહઊિ છઊાસસયિસ ાનદ શ્ઠાનળ માનુસયનાપિન-ઊાડસ ગોન સનાનોદ઼ થહે સોનયહાવઊ દયિનીનિાનય઼ (માનિહઊિ-એનગાઊસિહ_માનિહઊિ) ોાસ દેસગિનેદ ાનદ સનપેનગાનહેનેદ઼ ઢનોમ નહે ેગિહનહ સિસ્ે, । ઊનેસન્ ઞ્પુવઊસિહેદ માનિહઊિ શ્ઠઊાય઼ ોડ મ્માયહકિના "મ્મો એનનાય઼ માા શ્ઠનાવ઼સિહ" વ઼ેગાન નિસે -પુવઊયિાનીિન નિ વ઼દિહ઼ મ્માયહકિના, નહે ગપોનેસન દનામાનસિન ોડ માનિહઊિ ડ઼નિનાનુપે ોાસ સઊિનન ડોન નહે ઊાસન ૨૫ યોનસ, ાસ ડોન ાસ નહે દનામાોાસ યોનયેનેદ઼

થેયહનોઊગાય઼ હાસ નૌ ાસપેયનસ, વાદ (નિસ યહાનયેસ ોડ મસ્િસે) ાનદ ગોદ (નિસે ડડેયનવિ઼ુસે) ૨ન સિ । ગપોન ઊવ઼ેઊેન; નિ યહાઊઊેનગોસ સનાનુસ ટુો ડોનયેસ઼ ૨ન સિ ાપપઊયિાવઊ નિ ાઊઊ ાપોસ ોડ કનૌઊદગો ષો, સયહોઊ-ગોનિગા યહઊિદેપેન નોદાય઼ હાવ઼ે । યઊોપેન્ ઞ્દેનસનાનદનિગા ોડ નહે્ ઞ્વિ઼ેનસે ાનદ ાનોમસ નહાન નહે શ્ઠનયાવહાના ોન ષનિ ૨સસાય મ્ોનોન હાદ઼ શ્ઠડોન માસસ-સયાઊુ સે ોડ પનનિનનિગો દુયાનીિન ાનદ ઊનિનાનુપે શપાનદેદ નિસોૈનિગાસ, વુન ોનઊય઼ ાડોન નહે "૨નનેનેન ાનદે ઊયનપોનયિ નનાનસડોનમાનીિન ોડ નૌઊસ ોડ કનૌઊદગો", નિ હાસ વેયોપે્ ઞ્વિ઼ેનસાઊ, નિ હાસ ળુમપેદ ગોગાનાપહયિાઊ વુનદાોસિ઼ શ્ઠઊઊ સહાયકઊસ્ ઞ્ડુનઊદ, નહે ોક ઊનિકસ ોડ નહે યહાનિ ોપે દિનનડિદિ, ાનદ નહે યહાનિ ોહિયિહ નનેદિ નો યાપનુપે કનૌઊદગો, ોહિયિહ નનેદિ નો નહૌાનન નિસ ેશપાનસીિન, સનાનોદ વનોકનિગા દોૈન઼ શ્ઠનદ નહે ગપોનેસન વેનેડયિામિય઼ વેયામે નહે માનિહઊિ ડ઼નિનાનુપે શ્ઠોહાન સિ વ઼દિહ઼, ઞોનહનિગા, નિ સિ ોનઊય઼ નિસ યોમમનિમેનન નો નહે માનિહઊિ ડ઼ાનગુાગો, ોહિયિહ હેઊપેદ નિ શપાનદ નિસ વાસે, ાનદ વ઼દિહ઼ વેયામે નહે મોાનસ નહાન ોપે ાવઊ નો વનિદ નોગોનહેન નહે માનિહઊિ-સપોાકનિગા ાપોસ નિ વોનહ પાનનસ ોડ નહે વુનદાનય઼ (૨નદાિ & મ્પાઊ) વ઼દિહ઼ ગાવ઼ે માનિહઊિ ો વાનયહ ોડ યોમમનિનેદ ોનનિનસ ાનદ । વાનયહ ોડ યોમમનિનેદ પોદેનસ઼ ૨ન યહાઊઊેનગોદ નહે સનાનુસ ટુો ાનદ યાસનેસિન ડોનયેસ઼ ૨ન યહાઊઊેનગોદ યોનડુસેદ ોનનિનસ, ોહો ોપેુ સનિગા માનિહઊિ ાસ । નોઊ નો નદિ નહે ઊાદદેન ોડ હનિદ઼િ થહે ઊાયક ોડ યનાનિયિસિમ, નહે ઊાયક ોડ નેનહ નિ

ચનાતિચિસિમ ોાસ નહે નોસોન નહાન સોમે ોનાતિનાસ ાનદ દનાામાનસિનસ ોમે સનિગા હનિદિ-મશિ માનિહશિ ડોન ચહાપ પોપુશાનાતિય, નહેય ોમે સનિગા દેનોગાાનોનાય શાનગુાગે ડોન નહે સો-ચાશશદ શોન ચાસનેસ ોડ નહેમિ સોચોનિય (સોમે ોમે ડનિદનિગા પશા નિ ાાાનયાસહાસનના- ોહેન વેન નહે મોદેનાન-દાય ષામસકનાતિ ચનામા સિ નોન સનિગા શ્વનાકનાતિ નય!!), ાનદ ડોન નહેમિ મમિચિનાય, નહોસે ચાસનેસ સનાનાનેદ કેપનિગા દસિનાનચે ોનિહ નહસિ કનિદ ોડ શનિનાનુને શ્વનદ ોનચે નહે ચોનડુસોનિ ોડ નહે ચોનડુસેદ નહનિનેદ, ા નો નયપે ોડ ોાકેનેદ શનિનાનુને, સનાગે, ાનદ દનામા (નોપ-ચશાસસ) વેચામે નહે નોનામ

વદિહા સિ નેગુશાનાશય ગેનનનિગા સોમે શ્યેશશેનન વનાનિસ ષનિયે નિસ નિયેપનોનિ, વદિહા, નહે દિા ડાયનોનાય, સિ દેપેનદેનન પોન નહેમ શ્વસ ડોન ાસ નહેમિ વેનાસાનશિ ટુાશનિસિ ામે ચોનચેનાનેદ, પોપશ ાસસોચાનિદ ોનિહ વદિહા ામે દડિડેમેનન શ્વશશ ામે કનોન ડોન નહેમિ પેનાસેવેનાનચે ાનદ નેસશિનિયે શ્વશશ ામે કનોન ડોન નહેમિ ામદુોસ ોનાક શ્વશશ ામે કનોન ડોન નહેમિ ટુાશનિય ોનાક શ્વશશ ામે કનોન ડોન નહેમિ દસિયપિશનિ શ્વનદ ાશશ ામે ચોમમનિનેદ; ચોમમનિનેદ નો માનિહશિ ાનદ નહે માનિહશિ થહે ચુમુશાનવિ ડોનચે નેસુશનેદ નિ ા નાનુનાશ નેવોગુનોનિ શ્વ નેવોગુનોનિ નિ નહે ડેશદ ોડ માનિહશિ ડિનિનાનુને, ામન, મુસયિ, ચનાડન, સનાગે, ાનદ દનામા થહે ોનશય નિનેનાનાનોનિાશ -ફોનાનાશ નિ માનિહશિ સિનાનાનેદ નહસિ ટુાશનિય મોવેમેનન નિ માનિહશિ ાાોનહનિગા શેસસ નહાન ોનાશદ સનાનદાનદ ોાસ ાયચેપનાવશ થહે ોાનદસ ોમે નિસનનુિનેદ નો નેયોગાનષિ નહે પાનાશશશ ડેશદ ોડ માનિહશિ ડિનિનાનુને, ામન, મુસયિ, ચનાડન, સનાગે, ાનદ દનામા શ્વોનશય નહે વેસન ોાસ સેશયનેદ, નહેમે ોાસ નો સયોપે ડોન નહે સેયોનદ વેસન થહે પાનાનચિપિાનોનિ ોડ નોદેનાસ નિ નહે દેયસિોનિ-માકનિગા પનોયેસસેસ ોાસે નયુોનાગેદ થહે નોદેનાસ ગોન ડુશશ ાયચેસસ નો નહે દગિનિાશસિદ માનિહશિ ડિનિનાનુને મોને નહાન ડવિ હુનદનેદ માનિહશિ વોકસ ાનદ ાોનદ ૧૧૦૦૦ પાશમ-શાડ મનિહશિાકસહાન માનુસચનાપિનસ ોમે દગિનિાશસિદ ાનદ માદે ાવાશિવશોનશનિ નદેના નહે "વદિહા શ્વનાયહવિ" સેયનોનિ ોડ ોોવદિહાયોનિ (ાનદ નહે નુમવેન સિ નિયનોસનિગે વેનાય દાય) થહે ાદો-વદિો-

પાનિનિગાસ-પહોનોગાનાપહસ ૈમે ામયહવિદ, ાનદ ાઉઉ નહેસે ામયહવિદ "ામન ાનદ ઉડિસનયહઉ" ોડ નહે પોપઉ ોડ મનિહઉિ ૈમે નહેન પઉાયેદ ોનઉનિ થહે વ઼દિહા શ્નાયહવિ઼ સિ ા નટિ઼ ગડિન નો નહે ૈામઉદ઼

ષો, ૈહાન સિ નહે દિૈાઉગાય઼ ોડ પોપઉ ાસસોયાનિેદ ૈનિહ વ઼દિહા? ૨સ નિ યોઉઉયનવિ઼ નહનિકનિગા? ખો, ોડ યુામસે નોન઼ ૨ન વ઼દિહા ાઉઉ ામે ૈઉયોમે઼ હેમે ાઉઉ ામે ૈઉયોમે નો દસિયુસસ નહેનિ મેસપેયનવિ઼ દિૈાઉગાય઼ હાવ઼નિગા સાદિ નહસિ, નિ નેદસે મપહાસસિ નહાન નહેમે ામે સોમે વાસયિ હુમાન પમાનિયપિઉસ ૈહેમે નો યોમપનોમસિ સિ પોસસવિઉ઼ થહે યાસનેસિનસ, નહોસે હાવ઼નિગા ગોમેનયિ સુપેમાનિનિય઼ યોમપઉશ (ૈહયિહ સિ ાનોનહેન નામે ડોમ ાન નિડેમાનિનિય઼ યોમપઉશ), નહે પમાયનનિનિનિમાસ ોડ પઉાગાનિસિમ, નહોસે ૈહો ામુ નાવઉ નો નાકે પાનન નિ ા હોઉનહ્ય઼ દસિયુસસનિ ાનદ પેમાસોનસ ૈહો ામે નોન ાવઉ નો ૈનિહસનાનદ નહે યમાનિયિસિમ ોડ નહેનિ યમોનાનિ, વ઼દિહા સિ નોન ા પઉાનડોમામ ડોમ નહેમ઼ થહે દિૈાઉગાય઼ ોડ પોપઉ ાસસોયાનિેદ ૈનિહ વ઼દિહા માય઼ હાવે઼ દડિડેમેનન નનિગોસ, નોન ાઉઉ નેદ નો નો નહે ઉનિ નાકેન વય઼ ાનય઼ મેમવેમ ોડ નહે દનિોમાનિઉ વોામદ઼ વ઼દિહા વેઉવિ઼સ નિ નહે નિદવિ઼દિુાઉનિય઼ ોડ દિાસ ાનદ નહે દનિોમાનિઉ વોામદ નેવે઼મ મિપોસેસ નિસ દિૈાઉગાય઼ ુપોન નિસ મેમવેમાસ઼ શ્ન નહે સામે નમિ, નિ સિ વેનિગો મપહાસડિદ નહાન ાયહ મેમવેમ ોડ નહે વ઼દિહો દનિોમાનિઉ વોામદ હાસ ા સનમોનગા દિૈાઉગાયિાઉ ઉાનનિગા, નહે દિૈાઉગાય઼ ોડ હુમાનસિમ સિ પમાયનસિદ વય઼ ાઉઉ઼

વ઼દિહા-માનિહઉિ ડ઼નિમાનુમે મોવે઼મેનન હાસ નિસ મોનસ નિ નહે યોમ ૨૦૦૦ ૈહેન ૨ સનામનેદ માકનિગા માનિહઉિ શૈવસનિસ ોનૈ ાહો ઘોયનિસિ઼ શ્ડોનૈ ાહો છઉોસેદ ઘોયનિસિ નહેસે સનિસ ૈમે ાનોમાનયિાઉઉય઼ દેઉોદ઼ હૈવે઼મ, નહે ામઉય઼ ડોમામ ોડ વ઼દિહા "જાહાઉસામાનિ ઘાયહહ" ૈાસ સનામનેદ ોન ૫ હુઉય઼ ૨૦૦૪, ાનદ નિ સિ નહે ેામઉેસિન પમેસેનયે ોડ માનિહઉિ ોન નહે નિનેમાનેન઼ વ઼દિહા ાનદ નિસ વ઼વિમાનન મેમવેમાસ દદિ નહેનુ નમોસન નિ નમાનસઉાનનિગા ઉાયસ ોડ ૈામદસ ોન શ્રૈકિપિદિા, ાનદ નહેય઼ સુયયેસસડુઉઉય઼ ોપપોસેદ નહે નોમેનયઉાનુમે "જાહાનિ ડ઼ાનગુાગેસ" (ઘેમાનદ મ ાયયેપનેદ નહે મોઉ ોડ ૩મેસહ માનદાઉ, નહે યો-દનિોમ ોડ વ઼દિહા, ગો

[illegible]

[illegible]

[illegible]

શ્રકાદેમિ ાિહત્ાુગાહ હસિ ઢથર ાપપઊયિાાનિ દાાિદ ર૩૦૮ર૦૧૧ (ડઊિ નો ઢથર-૧ર૫) ાનદ સ્ાુગાહા નિડોમાાિનિ ાેન "શ્રસસગિનમેનાા ાસસગિનેદ વય માાિહઊિ શ્રદવસિોાય જોાનદ, ષાહાિયા શ્રકાદેમિ ાનદો ાિહે ચોનવેનો સહપિ ાેડ ષાનિ વદિયાનાાિહ હહ 'વદિાિ'" થહે નિડોમાાિનિ નિયઉદેદ ા પાોપોસાઊ ગેયેવિદ, ા પાોપોસાઊ ગેળેયોદ, ાનદ ા પાોપોસાઊ કેપાા નિ ાવેયાનયે" થહે સાાાુાોાય માનદાાોાય નિડોમાાિનિ સુપપઊેદિ વય ાિહે ષાહાિયા શ્રકાદેમિ ાેાાાહેદ ા વયિાુસિ યનિયઊ ાેડ માાિહઊિ-સપોકનિગા સો-ચાઊઊદ ઊાિાેાાાુાસ, હેઊઊ-વેનાા ાુપોન માકનિગા માાિહઊિ ા ઊાનગાુગે- "ાેડ ાિહે માાિહઊ જાાહમનિ, ડોાા ાિહે માાિહઊ જાાહમનિ ાનદ વય ાિહે માાિહઊ જાાહમનિ" મોગે ાિહાન ૮૦% ાેડ ાિહે ાસસગિનમેનાાસાૈનાા ાો ાિહે ડાૅનિદસ, ગેઊાાવિસ, ાનદ ાયટુાનિાાનયેસ ાેડ ાિહે ૧૦-મેમવો માાિહઊિ શ્રદવસિોાય જોાનદ મ્ો ાસસગિનમેનાા ાો ષહ હાગદસિહ શ્રાાસાદ માનદાઊ, ષહ ઢાળદો માનદાઊ, ષહ જેયહાન થહાકુા (ાિહે ગાેાાેસાા ષહેાાા-સાોાય-નોવેઊ ાેાાાિ ાેડ માાિહઊિ, ાિહે ગાેાાેસાા ઊવિનિગા પોાા ાેડ માાિહઊિ ાનદ ાિહે ગાેાાેસાા ઊવિનિગા માાિહઊિ દિાામાાિસાા; ગેસપેયાાવિઊય), ષહ ઉમેસહ શ્રાસાૈન, ષહ ઉમેસહ માનદાઊ, ષહ ઢામદેવ શ્રાાસાદ માનદાઊ "હહાાુદાા", ષહ યુાગાાનાદ માનદાઊ, ષહ ષાનદેપ ાુમાા ષાડિાા ાો ષહ શ્રનાનદ ાુમાા હહ શ્રોહે વોય મેમવો ાેડ ાિહે માાિહઊિ ાદવસિોાય વોાનદ સિ હાનદ નિ ગાઊવેાૈાિહ ાિહે ષાહાિયા શ્રકાદેમિ ાો કઊઊ ાિહે માાિહઊિ ઊાનગાુગે ાિહેનાૈહેગે ઊેસિ ાિહે હોપે? થહે દેમાનદ ડોાા માાિહઊિ સાાાે વય ાિહેસે પોપઊાૈાઊઊ સે ાિહાા ૧૦ માાિહઊ જાાહમનિ ડામઊિસિાુઊદ ઊાેાા ાિહે માાિહઊિ સાાાે થહેનાૈહેગે ઊેસિ ાિહે હોપે? હેગે ઊેસિ હોપે ષહ જેયહાન થહાકુા હાસ યગોદ ા પાાાઊઊઊ માાિહઊિ સાાાગે ાનદ ાિહાાગે, ા સઊાપ ાેન ાિહે શ્રસિાિનિગા સઊાપસાાયિક હુમ્ાુાસિાયિ માાિહઊિ ાિહાાગે ષહ ઉમેસહ શ્રાસાૈન સિ ા દસિયોવોય ાેડ ાિહે શ્રાાાઊઊઊ ષાહાિયા શ્રકાદેમિ શ્રોાાય ઉેસાાવિાઊ ાાગાાનસિદ વય વદિહ ષહ હાગદસિહ શ્રાાસાદ માનદાઊ, ષહ ઢાળદો માનદાઊ, ષહ હહાાુદાા, ષહ ષાનદેપ ાુમાા ષાડિ ાનદ ષહ ઉમેસહ માનદાઊ

## હાવે પુમપેદ તહેરિ નેરગય, ૌાલતહ, ાનદ તમિ નિતો ાુર માતિહિલિ લાનગુાગે થહસિ લાનગુાગે ૌિલલ લિ઼પનોડસ ાસ ગિવેન વેલોૌ: -

## ઘોોગલે થરાનસલાતે:

હતતપ:ૌૌ઼ૌ.ગોોગલે.ચોમ/તરાનસયોનસોલ/ાપિલ/યહોસેશ્ચનોળેયત

તહેન શ્રૌકિપિદિા તરાનસલાતે:

હતતપ:તરાનસલાતૌકિ઼નિ્ૌકિ્ષિપેયાળિ:થરાનસલાતે?તાસક=ગેતરાનસલાતેદ&ગરોુપ=યોરે-મોસતુસેદ&લિમિતિ=૨૦૦૦&લાનગુાગે=મા

હતતપ:તરાનસલાતૌકિ઼નિ્ૌકિ્શ્ચનોળેયત:થરાનસલાતોર

હતતપ:તરાનસલાતૌકિ઼નિ્ૌકિ્શ્ચનોળેયત:થરાનસલાતોર હતતપ:મેતાૌકિમિદિાારગૌકિ્ઢિ઼ટુસતાસ_ોફ_ૌી_લાનગુાગેસ્શ્રૌકિપિદિા_માતિહિલિ

હતતપ:તરાનસલાતૌકિ઼નિ્ૌકિ્ષિપેયાળિ:થરાનસલાતે?તાસક=ગેતરાનસલાતેદ&ગરોુપ=યોરે-મોસતુસેદ&લિમિતિ=૨૦૦૦&લાનગુાગે=મા હતતપ:નિયુવાતો઼ૌકિમિદિાારગૌકિ્શ્રૌપ્મા હતતપ:તરાનસલાતૌકિ઼નિ્ૌકિ્મિદિાશ્રૌકિ:માનિપાગે્મા

હતતપુ:લતમિાતેગેરાદમ઼વલોગસપોત઼યોમ્૨૦૧૧૦પ્વહિાતીકિપિદિા-સિ-ાયતુાલલય-ૌરાતિતેન-નિ઼હતમલ)

[મોનદાય, માય ૦૯, ૨૦૧૧

## થહે ~ૌહિાત ~શ્રૌકિપિદિા સિ ૌરાતિતેન નિ ~ૌહેળપુતા

થહસિ સિ તહે કનિદ ોફ ારતયિલે તહાત હાસ માનય પોપલે'સે યેસ ગલાઉદ ોૌેર઼ શ્ર સિ ાવોુત સતાનદારદસ ાનદ સચેનિતફિચિ દોચુમેનતસ, ાનદ તિ સિ ાવોુત લાનગુાગેસ મોસત ોફ મય રોદેરસ હાવે નેવેર હોરદ ાવોુત઼ ફોર તહે પોપલે તહાત દો સપોક તિ ોફ તહે લાનગુાગેસ તહાત ારે ચોનસદિેરેદ ૌહિાત, તિ સિ શાતેરેમેલય રેલેવાનત, ાનદ તિ હાસ મિપલચિાતિોનિસ ફોર શ્રૌકિપિદિા

થહસિ સિ નિફોરમાતિોનિ પરોવદિેદ વય ઉમેસહ માનદાલ તહાત સપલાનિસ તહે "ૌહિાત ગરોુપ ોફ લાનગુાગેસ" ૌિતહ તહે માતિહિલિ લાનગુાગે:

ઘ્રેલોગગ (૧૮૭૬-૧૮૮૩) ાનદ હોેરનલે (૧૮૮૦) રેગારદેદ માતિહિલિ ાસ ા દાિલેચત ોફ ઘાસતેરન હનિદિ; વોામેસ (૧૮૭૨-રેપરાનિત ૧૯૬૬: ૮૪-૮૫), રેગારદેદ માતિહિલિ ાસ ા દાિલેચત ોફ વેનગાલિ, ઘરેિસોન હાસ દોને ા ગરોત સેરવચિ તો તહે માતિહિલિ લાનગુાગે, હૌેવેર, હે ારેદ ૌહેન હે ગાવે ા ફલસે નોતાિોનાલ તેરમ ોફ "ૌહિાત" લાનગુાગે ાફોર તહાત ૌસતેરન લિનગુસિતસ સતારતેદ ચાતેગોરફિનિગ

માતિહ્ઇ ાસ ા દ્ઇિયત ાઙ "ઋહિાત" ઇાનગુાગે; ાઇનહ્ુગહ નહ્ૈ સિ નોનહ્નિગ કનૌન ાસ "ઋહિાત ડ઼ાનગુાગે" ાનદ વોનહ માતિહ્ઇ ાનદ ઋહોળપુત ાૈ સપોકેન નિ ઋહિાન (ાઙ ૨નદા) ાસૌઇઇ ાસ નિ મેપા઼ઇ

ઙ્મેસહ સિૌાતકનિગ ાન નહ ઇયાઇસિાતિનિ ાઙ મેદાિશ્રૌકિ ઙોન નહ માતિહ્ઇ ઇાનગુાગે ાનદ ાસ નહસિ ઇાનગુાગે સિ યુતૈનનઇય નિ નહ ૨નયુવાતોન, નહ ઇાનગુાગે યોમમાતિ઼ે દોસ તિસ દુ દઇિગિનયે ાનદ નાયનિગ નુ નદોસનાનદ ઙિ માતિહ્ઇ યાન હાવે ા પઇાયે નિ નહ ઋહિાત શ્રૌકિપિદા થહ નિઙેતમાતિનિ પતોવ઼િદેદ વય ઙ્મેસહ માકેસ તિ ટુતિ યઇાત: "નો઼"

થહસિ સનઇઇ ઇાવેસ઼ુ સૌતિહ નહ મસિનોમેત નહાન સિ નહ ઋહિાત શ્રૌકિપિદા થહ ઇાનગુાગે઼ુ સેદ ઙોન નહ ઇયાઇસિાતિનિ ાનદ નહ ાતતયિઇસ સિ ઋહોળપુત ઋહોળપુત હાસ નહ ૨૫શ્રો-૬૩૮-૩ યોદે "વહે઼"

શ્રૈ યુ઼ સનઇઇ ઙેઇઇૌનિગ ાઇઇ નહસિ? શ્રોક, નહ્ૈ સિ ાૈ ટુસનિનિ ૨ ામ નોન ાસકનિગ: હૌ ાવ઼ુન નહ ધાતિહ સિયતાપિન?

થહાનકસ, ઘેનામદમ]

૯શયેતપન ઙેોમ ા માતિહ્ઇ-ળુ઼ાતનાઇ પુવઇસિહેદ ાસ શ્ચયઢ (ઙેોમ વ઼દિહા ૨૦૧૧: ૨૨; વ઼દિહા: શ્ર ઙોનનગિહાઇય માતિહ્ઇ-ળુ઼ાતનાઇ ૨સસુ઼ ૮૦ (શ્રપતાઇ ૧૫, ૨૦૧૧), ઘાળેનદતા થહાકુત [દ] હાનપ઼ૌવ઼દિહ઼યોનિ"ઘાળેનદતા થહાકુત ાઙ મૌ ઘેઇહ ગાતાયુ઼સિઇય મેનૌતિહ મે ાનદ યોતતૈસપોનદેદ ાન ઇનગાનહ ાવ઼ુન માતિહ્ઇ, ાઙઙેતેદ વ઼ાઇવઇ સપેયમિનસ ાઙ માતિહ્ઇ માનુસયતાપિનસ, પતાનિતેદ વોકસ, ાનદ ાનહ્ેન તેયોતદસ, ાનદ પતોવ઼િદેદ ઙેદવાયક તેગાતદનિગ તેટુમિમેનનસ ઙોન નહ નયોદનિગ ાઙ માતિહ્ઇ નિ નહ ઙ્છષ઼"-શ્રનસહુમાન શ્ચાનદેય઼] ા

થ૨ઢ઼હ૩થશ્ર ઙ્મ૨છશ્રોવ૯ ષે નહ ઙનાઇ ઙ્મ૨છશ્રોવ૯ માતિહઇકસહાત શ્રપપઇયિાતિનિ (માય઼ ૫, ૨૦૧૧) વય઼ ષહ઼ શ્રનસહુમાન શ્ચાનદેય઼ ાન શ્ચાગે ૨૩ ાઙ નહ વ઼દિહા ૮૦ાનહ સિસુ઼ (થિ઼હુના વ઼ેતસાનિ) સિ ાનનાયહેદ"ઢગિુૈ ૧૧: ૯શયેતપન ઙેોમ

। માનિહર્ષિ -ળુાનાઉ પુવઉસિહેદ ।સ શ્રયઢ (ઙોમ વ઼દિહ઼ ૨૦૧૧: ૨૨" ।નદ ।ન શ્રાઞ઼ે ૧૨ વ઼દિહ઼ સિ નિયઉદેદ નિ ઢ઼ેઙોનયેસ વ઼દિહ઼: શ્ર ઙાેાનનિઞ઼િહનઉય઼ માનિહર્ષિ -ળુાનાઉ ૬સસુ ૮૦ (શ્રપાાઉ ૧૫, ૨૦૧૧), ઘાળેનદા થહ઼ાકુા [દ] હ઼ાનપ઼્ીૌવ઼દિહ઼યોનિ ।નદ ાેઉ ાઙ વ઼દિહ઼'સે દનિા સિ ।યકનૌઉદઞ઼ેદ ાન શ્રાઞ઼ે ૧૨ "ઘાળેનદા થહ઼ાકુા ાઙ ામૌ યેઉહ઼િ ઞ઼ાાયુાિસઉય઼ મેન ાિહ મે ।નદ યોાાેસપોનદેદ ।ન ઉનઞ઼ાનહ ।વુન માનિહષિ, ાઙઙોદ વ઼ાુવઉ સપેયમિનસ ાઙ માનિહષિ માનુસયનાપિનસ, પાનિોદ વૌકસ, ।નદ ાનહો ાેયોાદસ, ।નદ પાોવ઼દિદ ઙેદવાયક ાેઞ઼ાાદનિઞ઼ ાેટુમિમેનનસ ઙાેા નહે નયોદનિઞ઼ ાઙ માનિહષિ નિ નહે ૩છષ઼"]

થહે માનિહષિ ષપોકનિઞ઼ ।ાે સિ સહ઼ાનિકનિઞ઼ ૬ન સિ સહ઼ાનિકનિઞ઼ દુ નો । યોનસયુાિસ-સુવયોનસયુાિસ પોઉયિય઼ ાઙ નહે ઘોવ઼ોનમેનનસ ાઙ ૬નદાિ ।નદ ામપાઉ, ।નદ નહે સનિાનાિ વેયામે યનાનિયાઉ દુ નો નહે નિવ઼ાસાિ ાઙ હનિદિ ।નદ ામપાઉ મેદાિ ।નદ નહે વાસેદ દુયાનાિનાઉ સય઼સનેમ નિ માનિહષિ-સપોકનિઞ઼ ।ાેાસ, ।નદ દુ નો નહે ઉનઞ઼ે-સયાઉ મઞ઼ાાનાિ, ાેહિયિહ હ઼ાસ હ઼ાપપેનદ નિ ાેન સનિઞ઼ાઉ ઞ઼ેનોનાિન્ થહે ટુસનાિ ાઙ હનિદિ સાૌ નો નિ નહ઼ાન વ઼ાળળકિ઼, શ્રનઞ઼ાકિ઼ ।નદ નૌ થહેનહિ, ષુાાળાપુાનિય઼ ઉનઞ઼ુાઞ઼ેસ સહુેઉદ ઞ઼ેન નહે નાયનિ સુપપોાન ાઙ સુપપોાનોસ ાઙ હનિદિ, ઙમિસન નિ નહે નામે ાઙ ાેઉઞ઼ાિન ।નદ સેયોનદ નિ નહે નામે ાઙ યાસને થહ઼ાુાઞ઼ાહ નહસિ નહેય઼ દદિ નોન સુપપોાન વ઼ાળળકિ઼, શ્રનઞ઼ાકિ઼, થહેનહિ ાિ ષુાાળાપુાનિ; વુન નહેય઼ નોદિ નૌ ાિકેન માનિહષિ, ાેહિયિહ ાેસુઉનેદ નિ નહે ાૌકેનનિઞ઼ ાઙ વ઼ાળળકિ઼, શ્રનઞ઼ાકિ઼, થહેનહિ ।નદ ષુાાળાપુાનિ ઢોા ।ઉઉ નહસિ, નહે માનિહષિ-સપોકનિઞ઼ પોપઉ, મોાે સો નહે ાઙઙયિાિઉસ (૨ ાૌઉઉ શ્રપઉનિ નિ ઉનો), ।ાે ।ઉસો ાેસપોનસવિઉ, ।સ નહેય઼ નોદિ નો દેઉમિનિ માનિહષિાિનિહનિ નહે નૌ યાસનેસ ।નદ ઙુાે દસિનાયિનસ઼ શ્રઉઉ ાનહો પોપઉ ।નદ ।ાેાસ, નહ઼ાન નહેસે, ાૌાે યોનસદિાેદ નોાનહોન, સુાનહોન, ।સનોન, ।નદ ાૌસનોન દેવ઼ાનિાિસ ાઙ સો-યાઉઉદ પુાે માનિહષિ, ાેહિયિહ ાૌસ ઙયિનાિુાિસઉય઼ યોનસદિાેદ ।સ વેનિઞ઼ સપોકેન વય઼ નહેસે માનિહષિ જનાહમનિસ઼ ષ્યાનાનિ ષ્યાય઼ાસનહ઼ાસ ાઙ માદ્હુવાનિ, યાાવહ઼ાનઞ઼ા,

ષાહાનસા ।નદ ષુપુાઉ દસિતાયિતસ્ ઢોન તહે ઉાસત ૪૫ યોનસ તહે ોડડયિાિઉસ, યેસ, ૨ યાઉઉ તહેમ ોડડયિાિઉસ, તહે ોડડયિાિઉસ ોડ તહે માતિહઉિ યિપાનતમેનત ોડ ષાહતિયા શ્રકાદેમા, દદિ નોત તનય તો ાયયોમમોદાતે તહે પોપઉ ુાતસદિ તહસિ ડયિતાિુસિઉય દેઉમિાતિદ દોમાિ઼ ાુત તહે માળોન પનોવઉમ ઉસિ સોમૌહેને ઉસે઼ થહે સઉાૈ પોસિોનાિગાૈાસ ગાવિ઼ન ાિ માનય દસિગુાસિસ, વે ાિ તહે ડુઉતય તોપ-હોવ઼ય઼ે દુયાતાિૈન સયસતેમ, ૈહયિહ નેગાઉયતેદ પનામિાનય ।નદ મદિદઉ સયહોાિઉ ેદુયાતાિૈન તહ્નુગાહ તહે મોતહેન ડ઼ાન્ગુાગે માતિહઉિ, ાન વે ાિ તહ્નુગાહ તહે યોનયેપત ોડ દાિઉયત, ૈહયિહ ાિતાિઉઉય યોનવ઼ેનાિતઉય દેયઉાનેદ ઉાન્ગુાગેસ ઉકિ માતિહઉિ ાસ દાિઉયતસ્ એઉમેનતાનય઼ે દુયાતાિૈન તહ્નુગાહ માતિહઉિ ાૈસ ।
નોન-સતાનતેન વેયુાસે તહે માતિહઉિ વાૈકસ પુવઉસિહેદ વય઼ તહે નાહિન ષતાતે થેશતવાૈક શ્રુવઉસિહાિગા છોનપોનાતાિૈન ડ઼મિાતિદ સેમેદ તો વે ાિ શ્રવ઼ાહાતત, ાિ ૈાસ નોત ડતિ ડોન યહઉિદેનેન્ ઢુનતહેન, તહે ાુતહોનસ ।નદ સુવળેયતસ સેઉયતેદ ડોન તહેસે વાૈકસ હાદ । યાસતોસિત વસિ઼ માતિહઉિ વિયામે । તાૈઉ ડોન યાસતે-વાસેદ પોઉતિયિસ, ।સ ોનયે હાિદ હાિદ વેન । તાૈઉ ડોન નેઉગાિૈન-વાસેદ પોઉતિયિસ્ ષતઉિઉ, તહેસે ોડડયિાિઉસ, ોડ તહે માતિહઉિ યિપાનતમેનત ોડ ષાહતિયા શ્રકાદેમા, ।ને નેસદિાિગા ાિ તહેિને ૈાન વુઉિત ગાહેતતો, વેનેડત ોડ ાનય઼ તહાિકાિગા ાન વ઼સિાિ઼ શ્રનોતહેન નોસોન ડોન તહે પનેસેનત પઉગાિહત ોડ માતિહઉિ સિ તહે પોઉયિય઼ ુનદેનતાકેન વય઼ તહે તાશ યોઉઉયતોનસ ોડ મતિહવિ઼ (પેનમાનેનત સેતતઉેમેનત આમનિદાનસ ોડ છોનતાૈાઉઉસિ), ૈહેમ તહે સય઼યોપહાનતસ યાઉઉ પ્યાિગા ાન તહે ગાનોત કાિગા (ઢ઼ાળ઼ મહાનાળા) ાન મતિહવિ઼સહ (પ્યાિગા ોડ મતિહવિ઼) તહેસે ૈને મેને તાશ યોઉઉયતોનસ, તહે નગાિહત ડોન ૈહયિહ ૈને ગાવિ઼ન તો તહે હગાિહેસત વદિદેનસ પેનમાનેનતઉય઼; ।નદ તહેને ૈાસ નોત ોને સુયહ મતિહવિ઼સહ (તાશ યોઉઉયતોનસ), વુત માનય઼ ૈાતિહાિ તહે વોનદેનસ ોડ મતિહવિ઼ થહેસે તાશ યોઉઉયતોનસે મપઉોયે઼દ મોસતઉય઼ તહોસે તાૈ યાસતેસ ડોમ ડુન દસિતાયિતસ ાિ તહેિ મેનયહાનદસિ વ઼ેન્તુને, ।નદ ।સ તહે સેઉયતાિૈન ૈાસ વાસેદ ોન સય઼યોપહાનયય઼, સો તહે ૈાનક સુડડેનેદ઼ ષો, તહેય઼ મિપોનતેદ તહે ઉાતહયિાઉસ

ઙ઼ોમ્ ુનસદિ નહે મનિહિભિ ઞેગીનિ થહે માસસેસ ોઙ મનિહિભિ સુઙઙેઞદ । વભૌ ઙ઼ોમ નહે દ્રોવભે-દગેદૌાપોન઼ ઢનિસન, ઙ઼ોમ નહેનિ પોપભૌહો દદિ નોન યોનસદિેન નહેમ ાસ નહેનિ ોૌન ાનદ સેયોનદ, નહેુનસદિેનસ ભૌનેદ નહેમ઼ ાાૌ ાઙ઼ોન સોમે નમિ નહેસેુનસદિેનસ, નહે નોન-માનિહિભિ સિપોકનિગ પોપભે, ઙુનદ નિ યોનવ઼ેનોનિન નો દેયભાને નહે માસસેસ (નોન વેભોનગાનિગ નો નહે નૌ યાસનેસ ઙ઼ોમ ઙુન દસિનનયિનસ) ાસ નોન-માનિહિભિ સિપોકનિગ પોપભે, ાનદ નહે ોઙઙયિાભિસ્ સયયોપહાનનસ ઙ઼ોમ નહોસે નૌ યાસનેસ ઙ઼ોમ ઙુન દસિનનયિનસ નાયનિભય઼ ાગમેદ નો નિ઼ ાાૌ નહેસેુનસદિેનસ, નહે નોન-માનિહિભિ સિપોકનિગ પોપભે, ઙેનમેદ । માળોનનિય઼ નિ માનય઼ પભાયેસ ોઙ મનિહિભિ, ાનદ નહેય઼ ભેદ નહે નુમોન નહાન માનિહિભિ, ભકિ ષામસકનનિ, સિ ાનુ પપેન-યાસને પહેનોમેનોન, ાનદ નહુસ નહેય઼ ભેગાનિમિષિદ નહેનિ ાનન-માનિહિભિ સનાનયે (ાભભ નહેસે ઙાયનસ હાવ઼ે વેન વનાભિભાનિનભય઼ દોભનૌનિહ નિ નહે માનિહિભિ માોવ઼ેભસ ોઙ ષહ઼ હ઼ાગદસિહ શ્વનાસાદ માનદાભ) ાનદ નહેય઼ પનોપાગાનેદ નહે યાસે ોઙ હનિદિ, ઙનિસન વાસેદ ોન ઞેભગીનિ ાનદ સેયોનદ વાસેદ ોન યાસને઼ જુન ોહેય઼ુોન પોપભે ઙેભભ નિનો નહેનિ નનાપ, ોહેય઼ નહેસે નાશ-યોભભેયનોન માહાનાળાસ દદિ નોન યોનસદિેન નહે માસસેસ ોઙ મનિહિભિ ાસ નહેનિ ોૌન ાનદ મિપોનનેદ નહે પેનપેનનાનોનસ નો ભોન નહેનિ માસસેસ? થહે સમિપભે ાનસૌન સિ નહાન મેનનિ નોક । દૌનોાનદ ભાપ નિુાયનોનિ-વાસેદ નાશ યોભભેયનોનિ નગિહનસ ાભભોયાનોનિ઼

શ્રૌ સનાનનેદ ઙ઼ોમ ોને ાનદ ઞોયહેદ નુમવેન નહ઼ે, નહેન નહિનિય઼ ાનદ નૌ નહ઼ે હુનદનેદ!! ાનદૌ ાને ગનૌનિગ- ાનદ ાને નહ઼ે હુનદનેદ નોનુન ાનદ ાને યનાનનિગ। ગનાનદ હસિનોનય઼ હાનપ઼ૌાવ઼દિહાયોનિ઼ વ઼દિહા ૨સન માનિહિભિ ઢોનનનગિહનભયે -હ઼ોનનાભ ૨૫૫ાા ૨૨૨૯-૫૪૭શ હાસે -પુવભસિહેદ નિસ ૩૦૦નહ સિસુ ઞેયેનનભય઼ શ્રૌહેન ૨ વેગાન નહસિ વ઼ેનનુને નિ નહે યોન ૨૦૦૦ ોનિહ । ષામસુનગા થવ઼ નેન ાપપભાનિયે, ાનદૌહેન નહે શસિનનિગોાસ પોસનેદ ોન પનહ ોઙ હુભય઼ ૨૦૦૪, ૨ મોવ઼ેદ ાભભ ાભેને઼ થહેન ોન ૩૧સન હ઼ાનુનય઼ ૨૦૦૭, ૨ સુદદેનભય઼ નહોગાહન નો નિયભુદે નહે પુવભયિ, ાસ ાઙ઼ોન સોમે ગનુોનદૌનક ૨ૌાસ ઞોદય઼ ઙેન નિ઼ ૨ દેયદિદ નૌ -પુવભસિહ

વદિહ઼ા ાનદ દદિ પુવઊસિહ ાિ, ાેન ા ઙોનનગિાહ઼ાઊય઼ વાસસિ, નહે ઙનિસન સિસે઼ુ નહ઼ાન યામે ાેન ૧સન હ઼ાણુાય઼ ૨૦૦૮ નોદિ ના નિયઉદે ાઊઊ નહે પનેવ઼ુાિસ પોસનસ઼

ઢનોમ ાઊઊ યોનેનસ ાેઙ નહસિ પઊનેન ાનહ, નહે પોપઊ નોદિ ના યહ઼ાનગો નહે દેસનનિય઼ ાેઙ મનિહઊિ ાનદ માનિહઊિ઼ ાાાૈ ષહ઼ શ્નસહસિહ શ્નનયહનિહ઼ાન, ષહ઼ મુનનાળિ (માનોળ પ્પુમાન પ્પાનન), ાે પાનન ાેઙુાન નોમ; ાનદ નાગોનહેના ાૈ ાે નહ઼ે હ઼ુનદનેદ નોન ાેન નાૈ શ્નાૈનિહ નહ઼ે હ઼ુનદનેદ પઉસ સિસે઼ુસ, ૩૦,૦૦૦ પાગોસ ાેઙ માનિહઊિ ઊનિનાન઼ુે (ાનિ હ઼ુનદનેદ ઊાય ાૈનદસ યોનપોના) યનાનાનિ ાનદ ૧૧૦૦૦ થનિહ઼ુના માણુસયનપનિ નનાનસયનપનિાનિાૈ માનિનાનિદ । ૫૦૦૦૦-ાૈનદ માનિહઊિ-પ્નગાઊસિહ વ઼ોયાવુઊનય઼ દાનાવાસે઼ ાાાૈાૈ ાે ૩૫૦ સનનોનગ, ાૈનિહ ૩૫૦ ાનહ઼ોનસ઼

વદિહ઼ા હ઼ાસ ઙાયેદ યહ઼ાઊઊનગોસ ાનદ હ઼ાસ ાૈનિહસનોદ નહેમ઼ શ્નાૈ નેવ઼ેન સહનિક઼ ઙનોમ ાનય઼ ટુસનાનિ ાનદ ાેન પનોવઊમ઼ થહે ટુસનાનિ ાેઙ નહે સનાને ાેઙ મનિહઊિ સિ ાનિ સુયહ ટુસનાનિાૈહયિહ ાેઙોન યોમેસ યાઊઊનિગ઼ શ્નાૈ ાે નિ ઙાવ઼ુાેન ાેઙ નહે સનાનેસ ાેઙ મનિહઊિ ાૈનિહનિ નહે સોવ઼ેનગિન વોનદેનસ ાેઙ ૨નદાિ ાનદ ાાપાઊ઼ શ્નાૈ ાે નિ ઙાવ઼ુાેન ાેઙ મનિહઊિ઼ જુનાૈહયિહ નય઼પે ાેઙ મનિહઊિ, નહ઼ાન નય઼પે નહ઼ાનાૈ હ઼ાદ દુનાનિગ નહે ઞામનિદાના ઢ઼ાળ, ાૈહ઼ે મોનસ ાેઙ સુસનેનાનયે ાનદ ાવ઼ેનુસ ાેઙ શસિનેનયે નેમાનિદ ઊમિનિદ ઙોન । ઙાૈ યાસનેસ? શ્નોન નહ઼ાન યુઊનુે નહ઼ાને શસિનેદાૈનિહનિ "શ્નનયાવ઼ાનના-૨નદાિ ાાાનાનિ નાૈસપાપેન" ાનદ ાેનિહેન ૨નદુસનોસિ દુનાનિગ નહ઼ાન ઢ઼ાળ઼ શ્ન દોઙેન ઙામઊિસિ ાેઙ મનિહઊિ ગાાઊઊપેદ ાઊઊ નહ઼ેસે મોસનઊય઼ ઙનોમ ા સનિગાઊ યાસને!! ાાા,ાૈ ાે નોન નિ સુપપોનન ાેઙ નહ઼ાન મનિહઊિ, નહ઼ાન મનિહઊિ ાૈહ઼ે માનિહઊિાુઊદ વે સાાઊઊાૈદ, ાસ નિ સિ વેનિગ સાાઊઊાૈદ વય઼ નહે ષાહનિયા શ્નક્કાદેમાિ ાનદ નહે છ૨૨ઙ, સાાઊઊાૈદ વય઼ ાનાનહેન દોઙેન ઙામઊિસિ઼ શ્નાૈ ાે નોન નિ ઙાવ઼ુાેન ાેઙ નહ઼ાન મનિહઊિ ાૈહ઼ે નહે પનોયેદનિગ ાેઙ નહે ઊગાસિઊાનવિ઼ ાસસેમવઊય઼ ાુઊદ વે હ઼ેઊદ નિ । ઊાનગુાગો ાેનિહેન નહ઼ાન માનિહઊિ઼ થઊિઊ નહે મસિગાવિ઼નિગાસ ાેઙ નહે પોપઊ ાેઙ મનિહઊિ ાે ાદદનેસસેદ,ાૈ યાનનોન સુપપોનન ાનય઼ મનિહઊિ સનાને મોવ઼ેમેનન઼ ષો નહે પોપઊ સનનાવિ઼નિગ હ઼ાનદ ઙોન મનિહઊિ સનાને સહુઊદ સાનિ ાેન । પનોનેસન વેઙાેે નહે ાદવ઼સિાેનય઼ વાેાનદ મેમવેનસ ાેઙ નહે ષાહનિયા શ્નક્કાદેમ઼ છ૨૨ઙ઼

ાનદ સનિગા પાનનીતિયિ સોનગાસ નિ ડનોનન ોડ નહેનિ હોસેસ, ાનદ પનેસસુનસિ નહેમ નોન નો મસિુસે ગોવેનનમેનન ડુનદસ વય ુનસયનુપુણુસઠય ોોનદનિગા ડુનયનોનિસ ોડ શ્રકાદેમ ાુનસદિ મનિહિણિ ાનદ નોન નો મસિુસે નહે પોીન ોડ ાસસગિનનિગા નનાનસઠનોનિ ાનદ ોનહેન નગિહનસ નો નહેમસેઠવેસ ાનદ નો નહોસે પોપઠ ોહો ાને હેઠઠ-વેનનુ પોન દેસનનોયનિગા ુન ઠાનુગાગે થહે ઢથર ાપપઠયિાનોનિ વય ષહ વનિનિ ડનપાઠ હાસ નહોાનદ ાન ાનનમપન નો સનનાનગુઠાને માનિહિણિ, વુન ડિ નહે સુપપઠેમેનનાનય ોનક સિ નોન દોને નહે સનિસિનેન દેસગિન ુઠદ નેસુનડાયે ાગાનિ શ્રૌ નેટુસન નહે માનિહિણિ ાદવસોિનય વોનદ મેમવેનસ ોડ ષાહનિયા શ્રકાદેમ મિમેદોાનિઠય નેનુનન નહેનિ ાસસગિનમેનનસ નાકેન નિ નહેનિ નામે ાનદ નહે નામે ોડ નહે મેમવેનસ ોડ નહેનિ ડામઠિય શ્રોનહેનૌસિ, પનેસસુને સહોઠદ વે મુનનેદ નો ડોનયે નહેસે ૧૦-મેમવેન માનિહિણિ શ્રદવસોિનય મોનદ મેમવેનસ નો વોઠનનાનઠિય નેસગિન ડનોમ નહેનિ મેમવેનસહપિ નિ નહે ઠાનગોન નિનેનેસન ોડ માનિહિણિ ષો, ોહાન સિ ુન ાનસોન વડિ-ા-વડિ દેમાનદ ોડ મનિહિણિ સનાનઃ નિ સિ । યાનગોનાયિાઠ સ

થહે નેયહનોઠોગાય-યેનનનાયિ વેનનુને યાઠઠદ વદિહા વેયામે । સુયયેસસ થહે નાનવિ સપોકેનસ ોડ માનિહિણિ નેસદિ નિ મહિાન (ોડ રનદાૂ) ાનદ ષોુનહ-પાસન મપાઠ થહે નેન યોનનેયનવિનિય હાદ વેને શનનેમેઠય પોીન નિ નહેસે ાનોસ થહેન હૌ નહે ુનહોનસ, નૌ ાનદ ોઠદ, સનાનનેદુ સનિગા ડનાયિોદે ડોન ોનાનિનિગા ડોન વદિહા થહે મપાઠ ષદિ ોડ મનિહિણિ હાદ વેનુ સનિગા શ્રુનેના, પાનનપુિન, હમિાઠો નય ડોનનસ, નહે પોઠકાના માનિહિણિ-સપોકનિગા પોપુઠાનોનિ હાદ વેનુ સનિગા નહે માનાનહિ ડોનનસ ાનદ નહે નેસન હાદ વેનુ સનિગા નહે ડોનનસ વાસેદ ોન નહે ોઠદ ઢેમનિગાનોન કેયવોનદ શ્રઠઠ નહેસે નહને નયપેસ ોડ ડોનનસ ાને શ્રષછરર ડોનનસ શ્રૌ નેસોનયહેદ નહેસે ડોનનસ ાનદ પનોવદિદ ડોનન યોનવેનનેનસ નોુન મપાઠ-વાસેદ ુનહોનસ શ્રૌ ાઠસો પનોવદિદ પહોનેનયિ ાનદ ઢેમનિગાનોન-વાસેદ ડનાયિોદે ોનાનિનસ નો ાઠઠ માનિહિણિ ુનહોનસ, ોહો ાસકેદ ડોન નહેમ શ્રૌ ાસકેદ નહે ુનહોનસ ડિ નહેય માય સેનદ નહેનિ યનાનોનિસ નિ ાનય ડોનન, વુન ાન નહે સામે નમિ, ો નયોુનાગેદ

ાહેમ ાો ુસે ઉનયિોદે ડોનાસ્ થહે ાેયહ્નયિાિઉ સુપપોિાા ાહાા ૈ પનોવ્દિદ ેસુઉોદ િન નુમેનુસ ેયેપિાસ ોડ ાય્પેદ નાોસિ ડોમ પેસોનસ ઉકિ ષહ્ ઘાનગોસહ ઘુનળાન, ોહો િન ામઉિ સાગેસ હાદ વેન સેનદિનગ ાહેિ યોાોિનસ િન ાહેિ હાનદૈાોિનગસ્ શ્રસ ષહ્ ઘાનગોસહ ઘુનળાન ોસ ૈઉઉ વ્ેસેદ િન ઢ્મિનગાોન કેય્વોાદ ાય્પિનગ, સો હે માદે ૈનદેડુઉ ુસે ોડ ાહે ઢ્મિનગાોન ઉનયિોદે ાય્પૈાિ હે સેનાા ાહાા સોડાોમે ાો સોમે ોડ હસિ ડોિનદસ ાોિ ાનદ હે ોસ યુાોસે નુગહ ાો િનાિમિાે ાવુા ાહસિ ાો ુસ, ાઉાહેુગહ ાહે ોસ નો ોેદ ડોા ાહાા્ ષહ્ ષાકેાાનાદ ાઉસો ુસેદ ાહાા સોડાોમે ાનદ સેનાા હસિ સહોાા સાોાય્ કાઉાા્ાશ્રિય દાામા િન ઉનયિોદે, ાનદ િા ોસ પુવઉસિહેદ િન ોેોડ ાહે સિસેસ ોડ વ્દિહ્ થહે ાેયહ્નોઉોગાય્-યેનાાયિ વ્ેનાુે યાઉઉેદ વ્દિહ્ વેયામે । સુયયેસસ વેયુાસે ૈ માદે િા સમિપઉ ાનદ િનોઉઉિગિવિઉ ાા । ાિમ ૈહેન વ્ેન ાહે ાેયહ્નોઉોગાસિાિસ ૈમે નોા સુમે ાવુા ાહે ડુાુમે ોડ ાહસિ ઉનયિોદે થહે વ્િાુઉ મેદુમિ ોસ વેિનગ સેન ૈાિહ ાનશોિાય્ વય્ ાહે ઉિાિાાય્ ડોાોનાિય્, ાનદ ાહે યોપય્-પાસો સય્સોમ ોડ ાહેડા ોસ ાામપાનાા િન ાહોસે દાય્સ્ જુા ૈ ાસસુમેદ ાહે ુાહોાસ ાહાા ૈાિહ વ્દિહ્ ાહેય્ માય્ ેસાા ાસસુમેદ ાહાા ાહે યોપય્ાિગહાા ાહોવિ્સ ૈાઉદ નોા વે સપામેદ, ોહાિ ાા ાહે સામે ાિમ ૈ ૈમે ડિનમ, ાહાા ોનઉય્ ડોા ડોા ોડ મસુિસે ોડ ાેયહ્નોઉોગાય્ ૈ સહોુઉદ નોા સાોપુા વ્ેનાુે માદોાય્ શ્રૌાિહ ાહે િનાેાેના ાનદ ાેયહ્નોઉોગાય્, ાહે ગોગાાપહાિ વાાોિ વેયામે નોન-શસિાિનગ્ થહે નદ ોડ ાહે પનોવઉેમ ોડ દસિાાવુિાોિન િન માાિહાિ ઉાિાાુે વેયામે પોસસવિઉ દ્ુ ાોુા ાેયહ્નોઉોગાય્-ડોિનદઉય્ ાાાુદે ાનદ િા પનોવ્દે । વોાન ડોા ુા માાિહાિ ઉાનગુાગે શ્રનદ િા માદે ાહે ાેયહ્નોઉોગાય્-યેનાાયિ વ્ેનાુે યાઉઉેદ વ્દિહ્ । સુયયેસસ્ રા સિ ાહે સુયયેસસ ોડ ાહે પાાઉઉઉ માાિહાિ ઉાિાાુે મોવ્ેમેના્

## २२२

**હશ્રોામશ્રોઉઢ્ પ્યરડ્ડ્રમઘ શ્રોઢ ઘશ્રામઘપ્યહ ઉશ્ચશ્રયહૈશ્રૈશ્ર (ઢરઢ્ષથ ૈ ઢ્શ્રમશ્રામશ્રથહ દ્હશ્ર, થહપ્યમ ૈ ઉયશ્રૈશ્રામશ્રથહ દ્હશ્ર 'શ્રષહશ્રોપ્ય' (શ્ર**

*શ્રઢ્શ્રડ્ડ્ઘડ ્ઙ્ઝ્યથ્શ્રોઢૈ શ્રોઢ મ્રથ્ઙ્ઝ્ડ્શ્ર શ્રાાય મ્શ્રરથ્ઙ્ઝ્ડ્ઝ ડ્ઝથ્ઘ્ઢ્શ્રથ્ઉઢ્ઘ શ્રૌહૈ થ્શ્રોયશ્રૈ રથ્ય ાાઘ્ઘ્ય માઘ્ઝાાઘ ઢ્ઘડ્થ મ્શ્રોઢ્ઘ રાાથ્ઘાાયઘ્ડૈ?)*

ર ાૈસ નોન સુનપનસિંદ, નહુિગહ ર મુસન હાવે વેન ાૈહેન ર સૌ । મોનોગાનાપહ ાેન ઘાનગેસહ ઉપાદહ્યાયા, ાૈહેસે યોપયનાગિહન સિ વેનિગ હેઓદ વય પાહિતિયા શ્રકાદેમિ, નહે ાનહેન ાેડ નહે મોનોગાનાપહ સિ ઉદાયાનાનહ ્હા ' શ્રસહોક' ર નહુિગહન નહાન ઉદાયાનાનહ ્હા ' શ્રસહોક', ાૈહે હાસ વેન ગવિન જહાસહા પામમાન ાઓસો, વય નહે સામે પાહિતિયા શ્રકાદેમિ, ાૈઓદ દો સોમે ુસનયિ જુન નુનહ ાનદ નેસોનયહ સેમ ેઉસવિ નિ પાહિતિયા શ્રકાદેમિ મોનોગાનાપહસ, ાન ઓસન નહાન ર ડુનદ નિ નહસિ મોનોગાનાપહ

ર સોનયહેદ ાનદ સોનયહેદ નહનુગહ યહાપનેનસ, નહાન નૌ નહે ાનહેન ાૈઓઓ સહૌ યુનાગે જુન નહે ાનહેન ઓકિ ઢાનાનાનહ ્હા સેમસ ાસહામેદ ાેડ નહે નૌનસ ાનદ ાેડડસપનાનિગ ાેડ ઘાનગેસહ ઉપાદહ્યાયા હે નનૌસિ નો યોનડુસે નહે સિસુ, વુન નહેને સિ નો યોનડુસૌનિ નૌ ાન ઓસન સનિયે ર૦૦૯ જુન નિ ર૦૧૬ પાહિતિયા શ્રકાદેમિ સેમસ નો યાનનયુાન નહે યાસનેસિન ાગેનદા ઉદાયાનાનહ ્હા મોયકનિગઓય પનેનદસ નો સોનયહ હસિ નામે, ઓનિગે નય, ાૈહેને નોનહનિગ સિ નહેને નો સોનયહ ડોન, પેન હે યુઓદ નોન મુસનેન નહે યુનાગે, નો નેઓઓ નહે નુનહ, ાનદે નદસુ પ ુસન નેપાનનિગ નહે ડાયનસ નિ ર૦૧૬ નહાન યનિસહયહાનદના જહાનનાયહાનયા ાઓનદય હાસ પુવઓસિહેદ ાૈય વાયક નિ ૧૯૫૮

થહે હોનુન કઓઓનિગ ાેડ ઘાનગેસહ ઉપાદહ્યાયા વય શ્રનોડ ઢાનાનાનહ ્હા સિ વેનિગ નાકેન ડોનૌાનદ વય પાહિતિયા શ્રકાદેમિ, યેઓહ નિ । મોસન હ્યપોયનાતિયિઓ ાૈય

ઢાનાનાનહ ્હા'સ ાેવસયુનાનનસિમ *વાસિ-ા-વાસિ* શ્રાનળ સિે વાદિનન ડોનમ ાેને ેશામપઉ થહે નિતેન-યાસને માનનાગિ નિ શ્રાનળ ાૈસ ાૈઓઓ કનૌન નો હમિ (વુન હે યહોસે નો કેપ નહે યૌસહાન શ્રાનળ સેયપેન- ાૈહિયહ હાસ વેન નેઓસેદ વયુ સ નિ

૨૦૦૮), ાનદ િ ાૈસ ાપપાનેનન નહાન નહે ગનોન નાવ઼યા-નયાયા પહિભિસોપહેન ઘાનગેસહ ૩પાદહ્યાયા માનનોદિ । "છહાનમકાનિનિ" ાનદ ાૈસ વોનન ડવિ યોનસ ાડોન નહે દોનહ ાડ હસિ ડાનહેન (સે ાુન શ્વાનળિ મોકસ વ઼ોભ ૨ & ૨૨ ાવ઼ાભિવભિ ાન હાનપ઼:વ઼દિહ઼યોનિ઼પોનહ઼િનમ ) ષહ઼ યનિસહ છહાનદના મહાનનાયહાનયા ાૈનનિસ નિ નહે "હસિનોનય઼ ાડ ાાાવ઼યા-ાાયાયા નિ મનિહભિ" (૧૯૫૮)

*"થહે ડામભિય઼ ાેહિયિહ ાૈસ નિડેનાનિ નિ સોયાભિ સનાનુસ સિ નોૈ શનનિયન નિ મનિહભિ----- ઘાનગેસહ'સ ડામભિય઼ સિ યોમપભેતેભય઼ ગિનોનેદ ાનદ ાૈ ાને નોન ેશપેયનેદ નો કનોૈ વ઼ેન હસિ ડાનહેન'સ નામે-----શ્રસ નહેને સિ નો ાનહેન નેડેનેનયે નો ઘાનગેસા ાૈ યાન ાસસુમે નહાન નહે ડામભિય઼ દૌનિદભેદ નિનો નિસગિનાડિયિાનયે ગાાનિ ાનદ વેયામે શનનિયન સૌન ાડોન હસિ સોન'સ દોનહ"* [૧૯૫૮, છહાપતેન ૨૨૨ પાગેસ ૮૬-૮૮), ાેહિયિહ સિ । નોનાભ ડાભસેહોદ઼ ાૈનનિસ ડુનનહેન નહાન ાભભ નહસિ નિડેનમાનોનિ ાૈસ ગવ઼િન નો હમિ વય઼ શ્વનોડ઼ ૃ હ્હા, ાનદ હે સેમેદ નહાનકડુભ નો હમિ

થહે ડેભભૌનિગો શયેનપન ડોમ શ્રુન શ્વાનળિ શ્વનાવાનદહ (પાનનસ ૨&૨૨) સિ વેનિગા નેપનોદુયેદ વેભૌ ડેન નોદય઼ નેડેનેનયે:

-

*મહાનાળ હનસિંહદેવ- મિથિભિક કર્નાટ વ઼ંશક ળ્યોતિરીશ્વર ઠાકુરક વ઼ર્ણ-રત્નાકરમે હરસિંહદેવ નાયક શ્રાકિ રાળા છભાહ ૧૨૮૪ ઼ઈ મે ળન્મ શ્રા ૧૩૦૭ ઼ઈ મે નાળસિંહાસના ઘયિાસુદ્દીન તુગભકસઁ ૧૩૨૪-૨૫ ઼ઈ મે હાનકિ વાદ નેપાભ પભાયના મિથિભિક પઝ્ળી-પ્રવર્તક વ઼ર્ણ્ણમાણ, કાયસ્થ શ્રા ક્ષત્રાયિ મધ્ય શ્રાયિકિારકિ સ્થાપક, મૈથિ વ્રાહ્મણક હેતુ ગુણાકન હ્દ઼ા, કર્ણ કાયસ્થક ભેભ શંકરદત્ત, શ્રા ક્ષત્રાયિક હેતુ વ઼ળિયદત્ત એહિ હેતુ પ્રથમતયા નયુિક્ત મેભાહ હરસિંહદેવક પ્રેરણાસઁ- શ્રા ઈ હરસિંહદેવ નાન્યદેવક વ઼ંશળ છભાહ, ળે નાન્યદેવ કર્ણાટ વ઼ંશક ૧૦૦૮ શાકેમે સ્થાપના કેને રહથિ- નન્દેન્દુ શુન્યં શશી શાક વ઼ર્ષે (૧૦૧૯ શાકે) મિથિભિક પણ્ડિત ભેકની શાકે ૧૨૪૮ નદનુસાર ૧૩૨૬ ઼ઈ મે પઝ્ળી-*

*प्रारम्भक वर्तमान स्वरूपक प्रामाणिक निर्णय कएलन्हि पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोड़े बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि ओकर बाद पाँजिमे (कथनी काल वर्तमान १६०० शाके माने १६७८ ई वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ईक आसपास) श्रोत्रिय नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल*

**So, the Srotriyas as a sub-caste arose around 1800 CE as per authentic Panji [illegible]** <u>by Anshuman Pandey</u> *[Gajendra Thakur of New Delhi provided me with digitized copies of the genealogical records of the Maithil Brahmins. The Panjikara-s whose families have maintained these records for generations are often reluctant to allow others to peruse their records. It is a matter of 'intellectual property' to them. I was fortunate enough to receive a complete digitized set of Panji records from Gajendra Thakur of New Delhi in 2007. [Recasting the Brahmin in Medieval Mithila: Origins of Caste Identity among the Maithil Brahmins of North India by Anshuman Pandey, A dissertation submitted in partial fulfillment of the requirements for the degree of Doctor of Philosophy (History) in the University of Michigan 2014]*

From these Panji manuscripts I provided to Videha Pothi at **<u>www.videha.co.in</u>** and Google books in 2009)

The so-called Maharajas of Darbhanga are permanent settlement Zamindars of Cornwallis, and there are so many in British India, but in Nepal there are none. In the annexure of my book (Panji Prabandh Vol 2&2), I have attached copies of genealogy-based upgradation orders (proof of upgradation for cash) So, before 1800 CE, there was no

[illegible]

**[illegible]**

**[illegible]**

**४९**

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| | | | [illegible] | |

**[illegible]**

[illegible]

**[illegible]**

[illegible]

[illegible]

*[illegible]*

ાસ *'ળાગાદ ગુગુ'* નતિઉસ, નહે હગિહેસન નતિઉસ ોડ નહે નમિ ાનદ ાસ પેન શ્વાનળિ ોનઉય઼ વ઼ાયાસપાનિ મસિહના ૨૨ ૌાસ નહે ોનહેન પેનસોન ૈહોે નળોયે઼દ નહે નતિઉ ોડ *'પાનામ ગુગુ'* થહે શનિયનોનિ ોડ મ્મ્માવ઼યા-મ્મ્યા઼યા઼ ષયહોઉ ડોમ મનિહઉિ, ાસ દેસયનવિદ ાવોવ઼ે, ૌાસ । ગેવ઼ેનગો ોડ નાતુગે ાગાનિસન નહે હેનુોન કઉિઉનિગ ોડ ઘાનગોસહ ઉપાદહ્યા઼ાય઼ા ાનદ હસિ ડામઉિય઼

*[થનાનસઉાનિોનિ ોડ નહે માનિહઉિ ષિહોનન ષનોનય઼, 'ષહાવદાસહાસનનામ' (વાસેદ ોન નહે નુગે શ્વાનળિ ગેયોનદસ ોડ ઘાનગોસહ ઉપાદહ્યા઼ાય઼ા) ૌાસ દોને વય઼ નહે ાનહોન ઘાળેનદના થહાકુન હમિસેઉડ઼: પુવઉસિહેદ ાસ '<u>થહે ષયોનિયે ોડ શ્રૌનદસ'</u> ઙનદોનિ ડ઼તિનાતુગે વ઼ોઉ઼ ૫૮, મ્મ્ો઼ ૨ (૨૮૦) (માનયહ્શ્રપનાઉિ ૨૦૧૪), પ઼પ ૭૮-૮૩ (૧૬ પાગોસ) શુવઉસિહેદ બાય઼: ષાહિત્યા઼ શ્રકાદેમી]*

३

પ્યામઉાનાનદ હ્હ઼ હાસૌનિતેન । વૌક ોન મ્મ્ાગાનળુન (માનિહઉિ'સૈ ાનનો) ૌહેને હે યગેદતિસ હમિ ૌતિહ ગાવિ઼નિગ । નૌ દગિયનોનિ નો માનિહઉિ ઉતિનાતુગે઼ છહાનદનાદહાન ષહાનમા ઘુઉનો ૌનોતે 'ઉસને કાહ નહ', । માનવે઼ઉુોસ સહોનન સનોનય઼ નિ હનિદિ, નહે વેસન ોનો ોડ તિસ નમિ઼ ઝુન હસિ ઉતિનાનય઼ યોનપોના સિ વે઼નય઼ ઉતિનઉ નિ ટુાનનતિય઼, સો ડિ ાનય઼ોને નનોદિ નો ગાવિ઼ હમિ યગેદતિ ડોન ગાવિ઼નિગ દગિયનોનિ નો હનિદિ સિહોનન સનોનય઼ ૌનતિનિગ ાુઉદ માકે હમિસેઉડ । ઉુાગહનિગ સનોયક઼ શ્રનદૈ ાનનો'સ માનિહઉિ ઉતિનાનય઼ યોનપોના સિે વ઼ેન નહનિનેન નહાન ઘુઉનો'સ઼ મોગોવ઼ેન, ઢ઼ાળકામાઉ છહુદહાનય઼ યાઉઉસ હમિ ોડ નહે મેદેવિ઼ાઉ ાગે <u>(ઢાળકામાઉ મોનોગાનાપહ, ષુવહાસહ છહાનદનોૈ ાદાવ઼, શ્વાગે નો ૧૪)</u> હે ૌનોતે છહતિના (૨૫ પોમસ) હે ૌનોતે, નાનહેન હુનનોદિઉય઼ પુવઉસિહેદ હસિ 'શ્વાનનાહનિ મ્મ્ાગાન ઘાયહહ' (૪૪ પોમસ) ડોન ષાહિત્યા઼ શ્રકાદેમો શ્રૌનદ નિ માનિહઉિ, ૌહયિહ હે ગોન નિ ૧૯૯૮઼ શ્રડોન નહાન હે સનોપપેદ ૌનતિનિગ નિ માનિહઉિ, સો હૌ યાન હે નિડઉુનયે ાનય઼વોદય઼ ૌહેન ાડોન ગેનનનિગ નહે ાૌનદ ોને સનોપસ ૌનતિનિગ નિ નહાન ઉાનગુાગે? થહસિ સિ ોને શામપઉ ોડ હસિ નિસનાવઉિતિય઼ સો ડાન ાસ હસિ

દ્રીઓગાય સિ યોનયેનેદ હે વેયામે । જુદદહસિન મોનક હૈન હે ઉડત ડોન ષની ડ઼ાનકા ।નદ વેયામે । જનાહમનિ ।ગાનિ હૈન હે નેતુનેદ ।ડોન । રનદ સાયનેદ તહ્નેદ યેનેમોનય પેનડોનમેદ નિ હસિ વ઼ઓઓાગ઼ે થહસિ સિ ।નોતહેને શામપઉ ોડ હસિ નિસતાવઓિતિય સો ડોન ।સ હસિ દ્રીઓગાય સિ યોનયેનેદ ષ્યામઓાનાનદ ર્હ઼ા દોસ નોત કનૌ માતિહઓિ ઓિતિનાતુ઼ે હસિ યોમમેનતસ સહોઉદ વે શપોસેદ, ।સ હે તનેસિ તો ગાવિ઼ । વાદ નામે તો તહે ગનેત તનાદિતિોિન ોડ માતિહઓિ ઓિતિનાતુ઼ે થહેને નૈ માનિસતનોમ નિનતિનસ, વુત તહેને નૈ નિનતિનસ ોડ પાનાઉઉઉ તનાદિતિોિન ।ઉસો (સે વેઓૌ શ્રનનેશુનેસ ૧ & ૨) હે હાસ યોનડુસેદ તહે ષાનસકનાતિ ।નદ શ્રવાહ઼તત વ઼દિયાપાતિ થિહાકકુનાહ હૈતિહ તહે શ્ચાદાવાઓિ નિનતિન પને-ર્હ્યોતનિસિહૌન વ઼દિયાપત઼િ હે સહોઉદ નેદ તહે નૈતિનિગા ોડ વ઼ઝાય ષ્પુમાન થહાકુન, । ઉડતસિન હસિતોનાિન, હૈ હાસ ગાવિ઼ન ।મપઉ ઓગાહ઼ત ોન પને-ર્હ્યોતનિસિહૌન વ઼દિયાપાત઼િ [*મય ।નતાયિઉ ોન વ઼દિયાપાતિ નિ શ્ચનાવાનદહ મ઼ાવિાનદહ ષામાઓેયહના વ઼ોઉ૨૨ (।વ઼ાઓિવઉ નિ વ઼દિહ઼ા શ્રનયહવિ઼) યોવ઼ેનસ ।ઉઉ તહેસે, તહે ઓગો ોડ વ઼દિહ઼ા સિ તહે પહોતોગનાપહ ોડ શ્ચને-ર્હ્યોતનિસિહૌન વ઼દિયાપાતિ, સકેતયહેદ વય શ્ચાનાક ડ઼ાઉ માનદાઉ, નેયપિોનિત ોડ વ઼દિહ઼ા ષામમાન ડોન ડનિ ।નતસ઼*]

## શ્રનનેશુને ૧

**યન્દા ઝા** (૧૮૩૧-૧૯૦૭), મૂઓનામ યન્દ્રનાથ ઝા, ગ્નામ- પિમ્ડિનુછ, દનજંગા। કવીશ્વન, કવયિન્દ્ન નામસઁ વ઼િભૂષિત। ગ્નાપ્િનસનકેઁ મૈથિઓિક પ્નસંગમે મુખ્ય સહાયતા કેનહિના કૃતિ- મથિઓિ ભાષા નામાયણ, ગીતિ-સુધા, મહેશવાણી સંગ્નહ, યન્દ્ન પદાવઓી, ઓક્ષ્મીશ્વન વ઼િઓાસ, શ્રહિઓ્યાયનાતિ શ્રાડ વ઼િદ્યાપતિ નચિત સંસ્કૃત પુનુષ-પનીક્ષાક ગદ્ય-પદ્યમય શ્રનુવાદ।

૧

ન્યાયક ભવન કયહ્ની નામ।

𑒮𑒦 𑒁𑒢𑓂𑒨𑒰𑒨 𑒦𑒩𑒪 𑒞𑒹𑒯𑒱 𑒚𑒰𑒧॥

𑒮𑒞𑓂𑒨 𑒫𑒔𑒢 𑒫𑒱𑒞𑒪 𑒖𑒢 𑒦𑒰𑒭।

𑒮𑒦 𑒧𑒢 𑒔𑒢𑒏 𑒯𑒩𑒢 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒰𑒭॥

𑒏𑒣𑒙 𑒦𑒩𑒪 𑒏𑒞 𑒏𑒼𑒙𑒱𑒏 𑒏𑒼𑒙𑒱।

𑒏𑒏𑒩 𑒢 𑒏𑒩 𑒧𑒩𑓂𑒨𑒰𑒠𑒰 𑒕𑒼𑒙𑒱॥

𑒦𑒢 𑒏𑒫𑒱 '𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩' 𑒏𑒔𑒯𑒩𑒲 𑒒𑒴𑒮।

𑒮𑒦 𑒮𑒯𑒧𑒞 𑒏𑒏𑒩𑒰 𑒏𑒹 𑒠𑒴𑒮।

𑓒

𑒩𑒞𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒱𑒢 𑒠𑒳𑒩𑒑𑒞𑒱𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰!

𑒑𑒻𑒨𑒰 𑒖𑒑𑒞𑒏 𑒧𑒻𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰।

𑒏𑒙𑒨 𑒏𑒮𑒻𑒨𑒰 𑒯𑒰𑒟

𑒯𑒰𑒏𑒱𑒧 𑒦𑒹𑒪 𑒢𑒱𑒠𑒻𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰।

𑒏𑒞𑒨 𑒪𑒑𑒰𑒨𑒥 𑒧𑒰𑒟

𑒥𑒩𑒮𑒰 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒹𑒪 𑒮𑒩𑒮𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰।

𑒁𑒩𑒮𑒰 𑒏𑒋 𑒑𑒹𑒪 𑒧𑒹𑒯

𑒩𑒞𑒱𑒨𑒰 𑒠𑒱𑒢 𑒠𑒳𑒩𑒑𑒞𑒱𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰।

𑒖𑒢 𑒞𑒢 𑒖𑒱𑒫𑒢 𑒮𑓀𑒠𑒹𑒯

𑒧𑒳𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒥𑒛𑓃 𑒥𑒛𑓃 𑒮𑒳𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪𑒰।

𑒁𑒢𑓂𑒢𑒥𑒏 𑒠𑒳𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒛𑒼𑒪

𑒏𑒹 𑒮𑒯 𑒏𑒰𑒢 𑒏𑒢𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒯𑒹 𑒦𑒼𑒪

𑒮𑒳𑒐𑒱𑒨𑒰 𑒫𑒢𑒱𑒞𑒰 𑒙𑒼𑒪

𑓓

𑒁𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒬𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒩𑒼𑒏 𑒂𑒫 𑒧𑒰𑒧𑒪𑒱𑒏 𑒧𑒰𑒩।

𑒦𑒰𑒩 𑒦𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒣𑒜𑓃𑒻𑒕 𑒢𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒢𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒑𑒰𑒩॥

𑒋𑒏𑓂𑒏 𑒪𑒹𑒏 𑒯𑒏𑓂𑒏 𑒣𑒰𑒫 𑒮𑒰𑒡𑒳 𑒏𑒻𑒿 𑒅𑒖𑒰𑒩।

𑒠𑒻𑒫 𑒖𑒹 𑒪𑒪𑒰𑒙 𑒪𑒹𑒐 𑒏𑒹 𑒮𑒏𑒻𑒕 𑒙𑒰𑒩?

𑒨𑒰𑒯𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒔𑒱𑒢, 𑒪𑒪𑒱𑒞𑒫𑒰𑒧, 𑒣𑒏𑒫𑒰𑒢 𑒖𑒰𑒪𑒱𑒫𑒼,

𑒧𑒢𑒼𑒫𑒱𑒢𑒼𑒠𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒁𑒧𑒩𑒣𑒞𑒱 𑒮𑒠𑒢 𑒢 𑒙𑒹𑒫𑒼।

𑒃 𑒁𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒰𑒭 𑒯𑒧𑒩 𑒏𑒩𑒳𑒝𑒰𑒧𑒨𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲

𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒰𑒫 𑒮𑒿 𑒮𑒞𑒞 𑒁𑒯𑒱𑒏 𑒣𑒠𑒣𑓀𑒏𑒖 𑒮𑒹𑒫𑒲॥

𑒁𑒢𑓂𑒢 𑒧𑒯𑒑, 𑒛𑒑𑒧𑒑 𑒁𑒕𑒱 𑒦𑒰𑒩𑒞, 𑒯𑒨𑒞 𑒏𑒼𑒢𑒰 𑒢𑒱𑒮𑓂𑒞𑒰𑒩।

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒦𑒴𑒧𑒱 𑒁𑒑𑒧𑓂𑒨𑒰 𑒣𑒩𑓂𑒫𑒞 𑒁𑒮𑒯 𑒞𑒳𑒭𑒰𑒩॥

𑒡𑒩𑓂𑒧-𑒫𑒱𑒩𑒼𑒡𑒲 𑒮𑒯𑒮𑒯 𑒏𑒩𑒻𑒕, 𑒏𑒳𑒧𑒞 𑒏𑒟𑒰 𑒫𑒱𑒮𑓂𑒞𑒰𑒩।

𑒏𑒩𑒟𑒳 𑒏𑒵𑒣𑒰 𑒖𑒑𑒖𑒢𑒢𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑒧𑒯𑒱𑒮𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 𑒞𑒰𑒩॥

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒏𑒲 𑒕𑒫𑒱 𑒏𑒲 𑒦𑒨 𑒑𑒹𑒪𑒱,

𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒧𑒳𑒢𑒱, 𑒖𑒢𑒏 𑒢𑒵𑒣𑒞𑒱

𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒮𑒾 𑒑𑒹𑒪𑒱।

𑒫𑒰𑒔𑒮𑓂𑒣𑒞𑒱 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩𑒰𑒠𑒱 𑒖𑒑𑒠𑓂𑒑𑒳𑒩𑒳

𑒢𑒱𑒖𑒢𑒱 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒯𑓂𑒧𑒹𑒪𑒱

𑒮𑒹 𑒬𑒰𑒩𑒠𑒰 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑𑒰 𑒖𑒢𑒱 𑒑𑒹𑒪𑒱

𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒏𑒳𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒱𑒨𑒰 𑒏𑒹𑒪𑒱

𑒫𑒩𑓂𑒝𑒰𑒬𑓂𑒩𑒧 𑒫𑒱𑒡𑒱 𑒏𑒱𑒏𑒩𑒯𑒳 𑒑𑒳𑒢𑒱 𑒢𑒯𑒱

𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞𑒱 𑒬𑓂𑒩𑒠𑓂𑒡𑒰𑒏𑒹𑒿 𑒚𑒹𑒪𑒱

𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒣𑒰𑒚 𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢 𑒥𑒏𑒧𑒳𑒠𑓂𑒩𑒰

𑒮𑒖𑒪𑒰 𑒫𑓀𑒔𑒢 𑒐𑒹𑒪𑒱

𑒏𑒯 𑒏𑒫𑒱𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒏𑒨𑒯𑓂𑒢𑒲 𑒖𑒢𑒰𑒠𑒱𑒢𑒱

𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒖𑒼𑒑𑒰 𑒏𑒩 𑒖𑒹𑒪𑒱,

𑒏𑒪𑒯 𑒏𑒩𑒰𑒨 𑒔𑒩𑓂𑒧 𑒔𑒢 𑒢𑒰𑒬𑒹

𑒏𑒪𑒱𑒏 𑒠𑒩𑒱𑒠𑓂𑒩𑒰 𑒋𑒪𑒱

४

𑒧𑒨 𑒏𑒹𑒯𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒒𑒼𑒩 𑒯𑒹 𑒮𑒐𑒱!

𑒪𑒼𑒔𑒢 𑒫𑒱𑒣𑒱𑒞𑒱, 𑒔𑒩𑒧 𑒁𑒫𑒢𑒞𑒱 𑒠𑒱𑒣𑓂𑒣𑒱 𑒏𑒱𑒢 𑒯𑒱𑒨 𑒏𑒩𑒥 𑒏𑒚𑒼𑒩॥

𑒮𑒰𑒡𑒳 𑒮𑒧𑒰𑒖 𑒩𑒰𑒖𑒮𑒿 𑒣𑒲𑒛𑓃𑒱𑒞 𑒁𑒞𑒱 𑒯𑒩𑓂𑒭𑒱𑒞-𑒔𑒱𑒞 𑒔𑒼𑒩।

𑒁𑒏𑒳𑒪𑒲𑒢 𑒪𑒼𑒏𑒹𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒰 𑒣𑒩𑒱𑒣𑒴𑒩𑒱𑒞 𑒏𑒳𑒪𑒲𑒢 𑒮𑒧𑒰𑒠𑒩 𑒟𑒼𑒛𑓃॥

𑒔𑒩𑒧 𑒮𑒳𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒲𑒞𑒱 𑒏𑒱𑒏𑒩𑒯𑒳 𑒢𑒯𑒱, 𑒐𑒪𑒯𑒱𑒏 𑒔𑒪𑒩𑒕 𑒖𑒼𑒩।

𑒏𑒢𑓂𑒠-𑒧𑒴𑒪-𑒤𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒥 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒪𑒦 𑒁𑒢𑓂𑒢 𑒪𑒹𑒪 𑒠𑒹𑒬𑒏 𑒁𑒼𑒩॥

𑒏𑒕𑒱 𑒬𑒳𑒦 𑒮𑒰𑒡𑒢 𑒥𑒢𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒩𑒕 𑒟𑒰𑒏𑒪 𑒧𑒢, 𑒧𑒞𑒱 𑒦𑒼𑒩।

𑒏𑒯 𑒏𑒫𑒱 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒯𑒧𑒩 𑒠𑒳𑒐 𑒧𑒹𑒙𑒞 𑒯𑒼𑒨𑒞 𑒏𑒵𑒣𑒰 𑒬𑒱𑒫 𑒞𑒼𑒩॥

𑓕

𑒮𑒳𑒧𑒩𑒳 𑒮𑒳𑒧𑒩𑒳 𑒧𑒢! 𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒮𑒧𑒨 𑒦𑒨𑓀𑒏𑒩 𑒖𑒰𑒢𑒱।

𑒏𑒏𑒩 𑒯𑒵𑒠𑒨 𑒢𑒯𑒱 𑒏𑒪𑒳𑒭𑒱𑒞 𑒬𑒰𑒮𑒢 𑒏𑒪𑒱 𑒢𑒵𑒣 𑒣𑒰𑒢𑒱॥

𑒏𑒹𑒫𑒪 𑒬𑒱𑒫 𑒏𑒩𑒳𑒝𑒰𑒏𑒩 𑒮𑒹𑒫𑒨𑒞𑒱 𑒢𑒯𑒱 𑒖𑒢 𑒯𑒰𑒢𑒱॥

𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒏𑒪𑓂𑒣𑒪𑒞𑒱 𑒖𑒰𑒢𑒯 𑒣𑒩𑒧 𑒣𑒩𑒬𑒧𑒢𑒱 𑒐𑒰𑒢𑒱॥

𑒏𑒞𑒯𑒳 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒧𑒹 𑒢 𑒪𑒰𑒑𑒯 𑒞𑓂𑒨𑒰𑒑𑒯 𑒁𑒢𑒳𑒔𑒱𑒞 𑒧𑒰𑒢𑒱।

𑒮𑒳𑒐𑒮𑒾𑓀 𑒁𑒢𑓂𑒞 𑒫𑒱𑒪𑒮𑒫𑒯 '𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩' 𑒔𑒴𑒛𑓃 𑒩𑒖𑒡𑒰𑒢𑒱॥

**𑒂𑒧𑒰𑒧𑒰𑒋𑒬𑒅𑒜𑓃𑒋 𑓒**

**𑓑**

**𑒮𑓂𑒞𑒳𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰/𑒁𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑓂𑒞**

𑒮𑓂𑒞𑒴𑒩𑒲𑒪𑒰𑒪𑒏 𑒮𑓂𑒞𑒮𑒪 𑒫𑒩𑓂𑒭 𑓑𑓒𑓘𑓑. 𑓗𑓔 𑒄-𑓑𑓘𑓗𑓓)𑒮𑒢𑒮𑒰𑒪𑒏 𑒁𑒏𑒰𑒪 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 (
*[𑒑𑓂𑒩𑒰𑒨𑒱𑒩𑓂𑒮𑒢 [(𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏𑓂𑒩𑒹𑒮𑓂𑒙𑒼𑒧𑒻𑒟𑒲 𑒋𑒝𑓂𑒛 𑒫𑒼𑒏𑒰𑒥𑒳𑒪𑒹𑒩𑒲)*

𑒮𑒰𑒪 𑒋𑒏𑒰𑒮𑒱𑒏 𑒥𑒩𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒮𑒳𑒢𑒴𑒔𑒾𑒠𑒮𑒱 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒁𑒏𑒰𑒪𑓂
𑒦𑒹𑒪 𑒫𑒩𑒱𑒮𑒰𑒞 𑒡𑒢𑓂𑒢𑒱 𑒌 𑒮𑒰𑒪𑒏𑒏𑒯𑒿 𑒪𑒑𑒰 𑒫𑒱𑒩𑒢𑒾𑒿 𑒯𑒰𑒪𑓂
𑒩𑒼𑒯𑒱𑒝𑒱 𑒂𑒠𑒰 𑒟𑒲𑒏 𑒫𑒩𑒱𑒮𑒰𑒞𑒏𑓂 𑒖𑒹𑒯𑒿 𑒋𑒪𑒰 𑒞𑒹𑒯𑒿 𑒑𑒹𑒪𑒰
𑒧𑓂𑒩𑒱𑒑𑒮𑒱𑒩𑒰 𑒧𑒢 𑒣𑒳𑒩𑒪 𑒧𑒢𑒼𑒩𑒟𑒠𑒻 𑒯𑒲𑒮𑒰 𑒏𑒕𑒳 𑒑𑒹𑒪𑓂
𑒁𑒩𑒠𑒛𑓃𑒰 𑒂𑒛𑒧𑓂𑒫𑒩 𑒦𑒰𑒩𑒲𑒑𑒩𑒖𑒞 𑒯𑒻 𑒔𑒯𑒳 𑒁𑒼𑒩𑓂
𑒣𑒳𑒐 𑒑𑒳𑒐 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒔𑒩𑒞𑒲 𑒏𑒹𑒩𑒧𑒹𑒪 𑒫𑒩𑒐𑒰 𑒏𑒹𑒩 𑒁𑒼𑒩𑓂

𑒣𑒳𑒢𑒩𑓂𑒫𑒮𑒳 𑒟𑒱𑒏 𑒫𑒛𑓃 𑒣𑒳𑒢𑒲𑒞𑒰𑒁𑒯𑒱 𑒫𑒛𑓃𑒰 𑒏𑒮𑒹𑒮𑓂
𑒫𑒱𑒁𑒰 𑒫𑒛𑓃𑒱𑒩𑒏 𑒖𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒅𑒣𑒙𑒪𑒨𑒢𑒱 𑒫𑒩𑒱𑒮𑒪 𑒁𑒮𑒹𑒮𑓂
𑒧𑒒𑒰 𑒮𑒹𑒪 𑒮𑓀𑒑𑒰𑒯𑒱𑒁𑒰 𑒏𑒪𑓂𑒪𑒩𑒖𑒑𑒰𑒮𑒩𑒱 𑒏𑒹 𑒢𑒻 𑒖𑒰𑒢𑓂
𑒣𑒳𑒩𑒫𑒰 𑒣𑒴𑒩 𑒣𑒕 𑒢𑒻 𑒢𑒰𑒣𑒪𑒏𑒏𑒩𑒰 𑒏𑒩𑒫 𑒫𑒣𑒰𑒢𑓂
𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰 𑒁𑒰𑒩 𑒖𑒰𑒨 𑒒𑒩 𑒫𑒻𑒮𑒪𑒮𑒣𑒞𑒾 𑒕𑒻 𑒢𑒻 𑒫𑒴𑒢𑓂
𑒯𑒮𑓂𑒞𑒱𑒁𑒰 𑒮𑓀𑒑𑒰 𑒧𑒳𑒿𑒛𑓃 𑒠𑒻 𑒧𑒴𑒢𑒪𑒞𑒢𑒱𑒏𑒾 𑒪𑒑𑒪 𑒒𑒴𑒢𑓂
𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒰 𑒔𑒱𑒞 𑒧𑒞𑒱 𑒢𑒻 𑒢𑒰𑒣𑒪𑒁𑒰𑒯𑒱 𑒮𑒹𑒪 𑒛𑒰𑒏𑒴 𑒔𑒰𑒞𑒲
𑒮𑓂𑒫𑒰𑒞𑒲 𑒮𑓀𑒑𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒮𑒹𑒢 𑒢𑒕𑒞𑓂𑒞𑒩𑒠𑒰𑒧 𑒢𑒳𑒏𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒞𑒲
𑒫𑒱𑒞𑒰𑒐𑒰 𑒣𑒜𑒱𑒮𑒰𑒨𑒱 𑒖𑒴𑒑𑒼𑒪-𑒮𑒰𑒨𑒱 𑒣𑒜𑒱 𑒖𑒹 𑒖𑒢 𑒋𑒪𑒰𑒯-
𑒁𑒢𑒳𑒩𑒰𑒡𑒰 𑒫𑒲𑒖𑒮𑒾 𑒁𑒰𑒁𑒰𑒏𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑒢𑒱 𑒏𑒾 𑒏𑒔𑒨𑒲 𑒫𑒲𑒪𑓂
𑒖𑓂𑒨𑒹𑒭𑓂𑒚𑒰 𑒏𑒵𑒣𑒰𑒑𑒰𑒞𑒱 𑒁𑒰𑒯𑒱 𑒢𑒹 𑒖𑒰𑒢𑒟𑒱𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒵𑒣𑒰 𑒮𑒥 𑒏𑒰𑒪𑓂
𑒧𑒰𑒢𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒢 𑒏𑒩𑒾 𑒖𑒾 𑒣𑒳𑒕𑒱𑒋𑒢𑓂𑒯𑒱𑒮𑒱𑒯𑒲 𑒏𑒯𑒻𑒞 𑒯𑒼𑒩𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒪𑒰𑒪𑓂
𑒖𑒹𑒯𑒣𑒱𑒢 𑒢𑒠𑒲 𑒢𑒰𑒪 𑒢𑒻 𑒮𑒩𑒪𑒹𑒯𑒣𑒱𑒢 𑒢𑒾𑒠𑒲 𑒮𑒩𑒞𑒲
𑒫𑒱𑒢𑒰 𑒖𑒪 𑒖𑒑 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒢𑒻 𑒅𑒣𑒖𑒪𑒠𑒑𑒰𑒨 𑒮𑒹𑒪 𑒕𑒟𑒱 𑒨𑒱𑒩𑒞𑒲
𑒞𑒹 𑒢𑒩 𑒢𑒾𑒠𑒲𑒏 𑒁𑒑𑒰𑒧 𑒫𑒴𑒯𑒪𑒖𑒹 𑒕𑒪 𑒏𑒵𑒭𑒱 𑒏𑒱𑒮𑒰𑒢𑓂
𑒠𑒻𑒫 𑒫𑒹𑒣𑒨𑓂𑒕 𑒣𑒨𑓂𑒕 𑒢𑒻 𑒢𑒰𑒣𑒪𑒖𑒛𑓃𑒱 𑒏𑒙𑒾𑒪𑒏 𑒨𑒰𑒢𑓂
𑒏𑒼𑒠𑒼 𑒧𑒛𑓃𑒳𑒁𑒰 𑒋𑒏𑒼 𑒢𑒹 𑒅𑒣𑒖𑒪𑒻 𑒅𑒣𑒖𑒪 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒮𑒰𑒧𑓂
𑒑𑒧𑓂𑒮𑒩𑒲 𑒑𑒠𑓂𑒠𑒩𑒱 𑒣𑒹𑒞𑒯𑒱 𑒮𑒳𑒣𑒰𑒋𑒪𑒮𑒹𑒪 𑒫𑒱𑒨𑒰𑒞 𑒫𑒰𑒧𑓂
𑒧𑒢𑓂𑒞𑒳𑒫𑒢𑒹 𑒏𑒹 𑒏𑒩 𑒩𑒨𑓂𑒕𑒰𑒏𑒯𑒿 𑒖𑒰𑒩 𑒏𑒻𑓀 𑒮𑒰𑒑𑒰
𑒮𑒳𑒣𑒪 𑒣𑒞𑒰𑒪 𑒯𑒰𑒪 𑒢𑒻 𑒁𑒼𑒞𑒯𑒳𑒿𑒮𑒑𑒰𑒩𑒯𑒳𑒿 𑒪𑒑𑒪 𑒁𑒰𑒑𑒰
𑒨𑒵𑒏 𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒁𑒼𑒩 𑒢𑒵𑒣𑒞𑒱 𑒋𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏𑒻𑓀𑒖𑒹 𑒢𑒼𑒏𑒪 𑒑𑒯𑒱 𑒣𑒰𑒢𑒱
𑒖𑒲𑒫𑒰𑒖𑒢𑓂-𑒞𑒳 𑒫𑒱𑒏𑒱𑒪 𑒣𑒳𑒯𑒧𑒲𑒧𑒹𑒞𑒰𑒏𑒻𑓀 𑒯𑒼 𑒢𑒻 𑒁𑒰𑒢𑒱
𑒩𑒫𑒲𑒢𑒹 𑒣𑒹𑒜𑓃𑒲 𑒁𑒾 𑒔𑒲𑒢𑓂 𑒩𑒰𑒨 𑒋𑒏𑒼 𑒢𑒻 𑒅𑒣𑒖𑒪-
𑒒𑒩𑒠𑒳𑒩𑒠𑒱𑒢 𑒮𑒹𑒪 𑒁𑒫 𑒫𑒲𑒢𑓂 𑒢𑒰𑒢𑒲-𑒒𑒩 𑒮𑒼𑒨 𑒏𑒩𑒻 𑒢𑒩-
𑒨𑒢𑒱𑒏 𑒪𑒹𑒏 𑒮𑒥 𑒧𑒢𑒯𑒱 𑒧𑒱𑒑𑒢 𑒕𑒟𑒱𑒞𑒰𑒣𑒟𑒱 𑒫𑒯𑒳𑒞𑒼 𑒙𑒹𑒩𑒱
𑒯𑒮𑒼𑒟𑒱 𑒞𑒳𑒣𑒻𑒨𑒰 𑒒𑒩 𑒏𑒻 𑒢𑒰𑒣𑒟𑒱𑒧𑒱𑒯𑒑𑒲 𑒮𑒹𑒪 𑒁𑒫 𑒮𑒹𑒩𑓂

𑒏𑒹𑒍 𑒏𑒳𑒩𑒟𑒲 𑒐𑒹𑒞 𑒧𑒰𑒮𑒳 𑒫𑒹𑒮𑒰𑒯𑒪𑒖𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒾𑒛𑓃𑒱 𑒕𑒪 𑒁𑒣𑒢𑒰
𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒖𑒢𑒰 𑒯𑒩𑒫𑒱𑒮𑒩 𑒋𑒢𑒪𑒖𑒰𑒞 𑒫𑒯𑒳𑒞 𑒏𑒻 𑒮𑒣𑒢𑒰
𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒖𑒢𑒰 𑒧𑒪𑒱 𑒖𑒹𑒩 𑒫𑒹𑒮𑒰𑒯𑒪𑒢𑒱𑒨𑒢 𑒫𑒻𑒮𑒪 𑒞𑒏𑒩𑓂
𑒦𑒹𑒪 𑒨𑒢𑓂𑒞𑒢𑒱 𑒠𑒴𑒩 𑒮𑒳𑒮𑒪𑒱 𑒖𑒑𑒢𑒰𑒯𑒛𑓃𑒱 𑒂𑒍𑒩 𑒧𑒏𑒩𑓂
𑒏𑒰𑒪 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒞𑒧𑒱𑒯𑒳𑒞𑒧𑒱 𑒦𑒰𑒢𑒲𑒞𑒹𑒿 𑒃 𑒫𑒯𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒯𑒰𑒫𑒰
𑒒𑒩𑒮𑒿𑒏 𑒧𑒏𑒩 𑒏𑒹𑒩 𑒪𑒰𑒫𑒰 𑒢𑒰𑒢𑒲-𑒒𑒩 𑒧𑒑𑒢 𑒏𑒩𑒻 𑒢𑒩-
𑒧𑒰𑒪𑒱𑒏 𑒁𑒾𑒩 𑒧𑒯𑒰𑒖𑒢 𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿𑒒𑒩 𑒜𑒹𑒩𑒲 𑒁𑒢𑓂𑒢-𑒒𑒩𑓂
𑒪𑒼𑒏 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒰𑒍𑒢 𑒍𑒯𑒼 𑒞𑒏𑒻 𑒕𑒟𑒧𑒱𑒿𑒯𑓂 𑒑𑒩𑒲𑒥𑒏 𑒮𑒢
𑒮𑒦𑒻 𑒠𑒹𑒐𑓂𑒨 𑒫𑒱𑒢𑒰𑒍𑒿 𑒮𑒦 𑒮𑒢𑒏𑒪𑒋𑒿 𑒪𑒑𑒾𑒪𑒏 𑒙𑒙𑓂𑒙𑒲
𑒮𑒳𑒢𑓂𑒢 𑒠𑒼𑒏𑒰𑒢 𑒮𑒯𑒩𑒧𑒹 𑒣𑒩 𑒑𑒹𑒪𑒮𑒳𑒢𑓂𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒮𑒦 𑒨𑒙𑓂𑒙𑒲
𑒮𑒴𑒐𑒪 𑒑𑒰𑒞 𑒫𑒰𑒞 𑒦𑒾 𑒪𑒙𑒣𑒙𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒫𑒰𑒞 𑒁𑒫 𑒮𑒯𑒢𑒰
𑒢𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒦 𑒮𑒰𑒢 𑒞𑒹𑒂𑒑𑒪𑒫𑒏𑒱𑒢𑒲 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒫 𑒑𑒯𑒢𑒰
𑒧𑒿𑒑𑒙𑒲𑒏𑒰 𑒐𑒴𑒙𑒲 𑒁𑒾 𑒞𑒛𑓃𑒏𑒼𑒢𑒏𑒧𑒳𑒢𑓂𑒢𑒲 𑒢𑒻 𑒢𑒰𑒏𑓂
𑒏𑒙𑒮𑒩𑒰 𑒫𑒱𑒕𑒱𑒂 𑒁𑒾 𑒯𑒧𑒱𑒯𑒧𑒱𑒂𑒿𑒫𑒰𑒖𑒴𑒫𑒢𑓂𑒠 𑒁𑒾 𑒫𑒰𑒏𑓂
𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒯𑒰𑒩, 𑒯𑒻𑒏𑒪 𑒁𑒾 𑒮𑒏𑒱𑒛𑓃𑒲𑒁𑒾𑒩 𑒒𑒧𑒾𑒩𑒏𑒱 𑒠𑒰𑒢𑒰
𑒮𑒴𑒞𑒰, 𑒢𑒫𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒁𑒾 𑒣𑒔𑒣𑒿𑒛𑓃𑒲𑒪𑒮𑒳𑒢𑒲 𑒦𑒹𑒪 𑒢𑒠𑒰𑒢𑒰
𑒞𑒰𑒣𑒩 𑒠𑒩𑓂𑒫𑒖𑒰𑒞 𑒢𑒻 𑒫𑒨𑒪𑒹𑒏𑒩𑒰𑒧 𑒦𑒹𑒪 𑒢𑒭𑓂𑒙𑒱𑒙𑓂𑒙𑓂
𑒞𑒧𑒒𑒻𑒪, 𑒁𑒜𑓃𑒻𑒂 𑒁𑒾 𑒣𑒏𑒱𑒠𑒰𑒢𑒲𑒢𑒻 𑒞𑒮𑒪𑒰 𑒁𑒾 𑒞𑒙𑒴
𑒫𑒰𑒙𑒲, 𑒫𑒙𑓂𑒙𑒰 𑒁𑒾 𑒣𑒢𑒫𑒙𑓂𑒙𑒰𑒦𑒼𑒖𑒢 𑒏𑒢𑒻𑒏 𑒟𑒰𑒩𑒲
𑒧𑒰𑒨𑒫𑓃 𑒮𑒲𑒯𑒱 𑒮𑒱𑒯𑒞𑒱 𑒮𑒼𑒫𑒩𑒢𑒰𑒢𑒻 𑒫𑒨𑒪𑒹 𑒒𑒩 𑒯𑒰𑒛𑓃𑒲
𑒡𑒢 𑒮𑓀𑒣𑒞𑒱 𑒒𑒩 𑒏𑒕𑒳 𑒢𑒻 𑒫𑒨𑒪𑒹𑓂 𑒮𑒦𑒙𑒰 𑒣𑒛𑓃𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒫𑓀𑒡𑒏
𑒞𑒹𑒍 𑒦𑒴𑒐 𑒕𑒳𑒙𑒪 𑒢𑒻 𑒏𑒏𑒩𑒼𑒋𑒯𑒢 𑒣𑒹𑒙 𑒦𑒹𑒪 𑒡𑓀𑒡𑒏𑓂
𑒠𑒻𑒫 𑒁𑓀𑒬 𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩 𑒏𑒧𑓂𑒣𑒢𑒲𑒖𑒰 𑒣𑒩 𑒢𑒰𑒧 𑒮𑒯𑒰𑒋𑓂
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒣𑒳𑒩 𑒥𑒴𑒛𑓃𑒢 𑒖𑒫 𑒪𑒰𑒑𑒨𑓃𑒮𑒹 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒔𑒪 𑒔𑒰𑒋𑓂
𑒐𑒰𑒠𑒱 𑒁𑒢𑒰𑒖 𑒖𑒯𑒰𑒖𑒯𑒿 𑒫𑒼𑒯𑒪𑒖𑒰𑒩𑒲 𑒏𑒩 𑒏𑒱𑒩 𑒫𑒼𑒩𑒰
𑒮𑒠𑒩 𑒞𑒪𑒱𑒑𑒰 𑒍𑒂 𑒣𑒩 𑒦𑒰𑒩𑒲𑒍𑒩 𑒍𑒪𑒰𑒃𑒞𑒱 𑒑𑒼𑒩𑒰

હાળીપુ૧મે ઊપ્પ હળા૧મકૈ ઊપ્પન હ્ર પટના્
વાળીિપુ૧ સુઊના૧પુ૧ ગોઊાૈ ળાણના હૌં કેનના્
ગાાડ઼ી, વૈઊ, છકડ઼, ઊઁટ વહિપેઉવહના હ્ર સજ દાણા્
મસિ૧ કન્હૈઆ કૈં પોપ્પ૧ણ મેપહઉિક આડ઼ી ડેકાણા્
શ્ની ઊક્ષ્મીશ્વ૧ સહિ ન઼ૃપનામિહા૧ાળ મથિઊિસ્
આચઊ ૧ાળ દડ઼ર્ભિગાશ્નીપનાિ હિ૧હિ કઊેસ્
ગાાડ઼ી વૈઊ ઊપ્પન હળા૧ણનાકૈં પને ઘડ઼ે૧્
પહઉિક ગોઊ મધુવન, જૌડ઼ાળશ્ચ૧ા આૈ૧ આડ઼ે૧્
વેણીપટ્ટી, આૈ પચમહઊકુમ્હનૌઊ આૈ કમનૌઊ્
હ૧હિ૧પુ૧, પડ઼િાુછ વ૧ણૌકા૧ાળ કેનેકાઁ વ૧શૌઊ્
વા૧ા પોપ્પ૧ા, વનિસાય૧ વ૧ણૌપાશ્ડૌઊ કો નૈ ળાન્
ણવ્હદ, સ૧ાસિો આૈ જાટપુ૧ા, ના સૌં દક્ષિામ્મ ઉળાણ
હ્હા૧પુ૧, મહ૧ૈઊ, કન્હૌઊિમયેપુ૧ હ્ર પ્પાસ્
વેણીપુ૧, કમાણ, ણૈહશ્નીવ૧ણૌ શ્રુઊપ૧ાસ્
હ્મણા હ્ર ળગાળાણાિ ળગામેમહથા આૈ૧ વછૌ૧્
દુહવી આૈ મહાિથપુ૧આૈ૧ ળૈણગ૧ નક હ્ર દૌ૧્
વઊદેવપુ૧ આૈ ઢંગા વ૧ણૌમનાિળાપુ૧ ઊઘુ હાટ્
સીવીપટી આૈ કપસીઆસદ૧ ગોઊ સૌ૧ાડ્
ગુ૧વાકૈં પ૧વ૧સી હાકમિક૧ નામિહુનામે આકે્
નૈ નો મ૧ાને કના ણ૧ ણાનીવાઊ વચે સુપ્પા કે્
કના મુ૧દા ગ૧દા મૈ મઊિનેઆસંપ્પ ળીવ઼ ચઊ ળાના્
સ૧ સમયી કૈં સંજા ને ઊમ્જાણૈ વચને ળઊદાના્
સજકૈં સજ ઉપછૈ જૈ ગેઊવુ૧ પોપ્પ૧ આૈ સડ઼ક્
૧હિ ગેઊ વ્નાહ્મામ સોના પાશ્ડાિકાય઼થ પછાિમા ડાકુ૧ શ્ચ૧ક્
કેઆે આેા૧સશ્ની૧ ણામ ઊપ્પાઆેઊકેઆે મોહ્ન૧ાિ જૈંટ્
ચ૧્મ્મકા૧્ય઼મે ઊટથા ુિપૈશ્નાનૈં જેઊ સજ કે૧ જૈંટ્

𑒏𑒹𑒍 𑒖𑒧𑒰𑒢𑒞 𑒠𑒻𑒏𑒹𑒿 𑒥𑒨𑒪𑒰𑒯𑒖𑒢𑒱𑒏𑒰 𑒁𑒧𑒪𑒰 𑒢𑒹𑒯𑒱𑓂
𑒏𑒏𑒩𑒼 𑒧𑒰𑒩𑒰 𑒏𑒱𑒿𑒞 𑒣𑒜𑒱 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒻𑒢𑓂𑒯𑒱𑒅𑒞𑒩𑒻𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒏 𑒚𑒹𑒯𑒱𑓂
𑒏𑒏𑒩𑒯𑒳𑒿 𑒑𑒰𑒩𑒞 𑒑𑒰𑒞 𑒮𑒳𑒣𑓂𑒣𑒰𑒍𑒪𑒥𑒯𑒳𑒞𑒼 𑒯𑒼𑒁𑒨𑓃 𑒨𑒪𑒰𑒢𑒰𑓂
𑒧𑒰𑒞𑒳𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒒𑒩 𑒣𑒩𑒱𑒖𑒢 𑒩𑒼𑒫𑒨𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯 𑒖𑒯𑒪𑒣𑓂𑒣𑒰𑒢𑒰𑓂
𑒏𑒏𑒩𑒯𑒳𑒿 𑒒𑒩 𑒖𑒹𑒪 𑒣𑓂𑒣𑒰𑒢𑒰𑒞𑒪𑒰𑒮𑒲𑒖𑒹𑒙 𑒧𑒼𑒯𑓂𑒩𑒩𑒢𑒱 𑒒𑒼𑒿𑒕𑓂
𑒏𑒹𑒍 𑒁𑒠𑒰𑒪𑒞𑒧𑒱 𑒛𑒛𑓃𑒱𑒂𑒩 𑒕𑒟𑒱𑒏𑒱𑒏𑒩𑒯𑒳𑒿 𑒅𑒣𑒩𑒻𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒧𑒼𑒿𑒕𑓂
𑒋𑒞𑒢𑒰 𑒮𑒳𑒢𑒱 𑒯𑒰𑒏𑒱𑒧𑒱 𑒩𑒮𑒱𑒂𑒍𑒪𑒞𑒹𑒿 𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒖𑒢 𑒚𑒹𑒏𑒰𑓂
𑒢𑒰𑒏 𑒩𑓀𑒑𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒮𑒦𑒻 𑒧𑒼𑒯𑓂𑒩𑒩𑒢𑒱𑒪𑒰𑒑𑒪 𑒨𑒴𑒢𑒏 𑒙𑒲𑒏𑒰𑓂
𑒖𑒼𑒑, 𑒥𑒏𑒲𑒍,𑒪𑒼𑒏𑒏𑒱 𑒥𑓀𑒬𑒏𑒏𑒢𑒱𑒂𑒧𑓀𑒞 𑒮𑒳𑒏𑒴𑒪𑓂
𑒑𑒰𑒕𑒲, 𑒥𑒰𑒿𑒮, 𑒥𑒻𑒪 𑒍 𑒧𑒯𑒮𑒱𑒖𑒱𑒑𑒰𑒯 𑒏𑒻𑒪 𑒖𑒏𑒛𑓃𑒴𑒪𑓂
𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒞𑒳𑒣𑒻𑒂 𑒮𑒾𑒿 𑒏𑒩𑒰 𑒑𑒖𑒩𑒥𑒻 𑒏𑒼𑒩𑒙 𑒮𑒾𑒿 𑒩𑒲𑒢𑓂
𑒞𑒹𑒿 𑒏𑒰𑒩𑒢 𑒥𑒯𑒳𑒞𑒼 𑒒𑒩 𑒯𑒑𑒰𑒛𑓃𑒰𑒖𑒰𑒩 𑒖𑒰𑒞𑒲𑒖𑒰 𑒖𑒲𑒢𑓂
𑒂𑒋 𑒪𑒙 𑒥𑒯𑒰𑒠𑒳𑒩 𑒍𑓂 𑒠𑒛𑓃𑒖𑒱𑓀𑒑𑒰 𑒨𑒰𑒧
𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒍 𑒥𑒥𑒳𑒂𑒢 𑒮𑒯𑒱𑒞 𑒧𑒪𑒱𑒏𑒲𑒢𑓂𑒯 𑒏𑒳𑒧𑒻𑒙𑒲 𑒣𑓂𑒣𑒰𑒢𑓂

.

.

.

𑒋𑒯 𑒮𑒦 𑒮𑓀𑒑 𑒥𑒻𑒚𑒱 𑒏𑒻𑒖𑒰𑒨𑓃 𑒏𑒳𑒧𑒻𑒙𑒲 𑒖𑒹𑒪𑓂
𑒁𑒖𑒥 𑒏𑒰𑒩 𑒮𑒩𑒏𑒰𑒩 𑒏𑒹𑒞𑒢𑒱𑒯𑒳𑒞 𑒣𑒯𑒳𑒿𑒨𑒪 𑒩𑒹𑒪𑓂
𑒥𑒰𑒖𑒞𑒱𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒛𑓃𑒏 𑒢𑒏𑒱𑒪𑒻𑒂𑒨𑒹 𑒠𑒾𑒛𑓃𑒯𑒱 𑒠𑒾𑒛𑓃𑒱𑓂
𑒯𑒹𑒨𑓃𑒰 𑒑𑓀𑒛𑒏 𑒣𑒳𑒪 𑒥𑒢𑓂𑒯𑒰𑒋𑒂𑒋 𑒨𑒾𑒩𑒯𑒲 𑒨𑒾𑒩𑒲𑓂
𑒨𑒩𑓂𑒧𑓂𑒧𑒨𑒲𑒩, 𑒥𑒪𑒥𑒲𑒩, 𑒏𑒧𑓂𑒣𑒢𑒲 𑒖𑒰𑒢𑒞 𑒯𑒩𑓂 𑒖𑒑𑒠𑒲𑒬𑒢
𑒪𑒕𑒧𑒲 𑒮𑒰𑒑𑒩 𑒏𑒹 𑒣𑒼𑒣𑓂𑒣𑒩𑒧𑒱𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒏𑒲𑒢𑓂𑒯 𑒩𑒮𑒙𑒲𑒮𑒢𑓂
𑒥𑒛𑓃𑒰 𑒪𑒰𑒙 𑒏𑒪𑒏𑒞𑓂𑒞𑒹𑒥𑒰𑒪𑒹𑒮𑓂𑒩𑒲𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰 𑒯𑒼𑒋 𑒮𑓀𑒑𑓂
𑒂𑒑𑒩𑒰 𑒏𑒹 𑒕𑒼𑒙𑒰 𑒪𑒰𑒪 𑒥𑒯𑒰𑒠𑒳𑒩𑒥𑒻𑒚𑒹 𑒮𑒦 𑒋𑒏𑒩𑓀𑒑𑓂
𑒖𑒳𑒙𑒹 𑒏𑒧𑒱𑒬𑓂𑒢𑒩 𑒍𑒩 𑒏𑒪𑒙𑓂𑒙𑒩𑒥𑒼𑒪𑒯𑒱 𑒥𑒰𑒞 𑒢𑒹𑒁𑓀𑒙𑓂

एक पायो इजलास पर बैडेसंग जात एक जंट्
खबरि गए अखबार मौमैथिल के एक हाल्
सुनहु सुनिगी अवाम दैकें मेटहु दुख के जाल्
हुकुम दीन्ह दोउ लाट कोसुनहु हमारे बैन्
मदति कन्हु नेआआनकोक्या बैडे हौ यैन्
बड़ा लाट दोउ बीर उडाएसाहेब औ जरनैल्
मेजर मजिस्टिर और कलट्टरसंग जात करनैल्
देस देससौं अन्न मंगाओलदीन्ह सजाना के दाम्
महामूँग, गहुम औ चाउरबजड़ा और बदाम्
डोली, पटना औ जटसापेदीली औ अजमेर्
आगरा और कान्हपुर ढाकाजहाँ अन्न के ढेर्
जाए रमाना अन्न तमिहुतमिलादि गाड़ी और बैल्
गज, तुरंग, गदहा औ छकड़संग सिपाही छैल्
छत्री औ पैडान मोगल सजावाँकाबीर रजपूत्
सोजा बरनतिजात हरजौसे हनुमन्त दूत्
आगे सस्तर ओ मैनापलटन बीर जमान्
बरछी औ तुआरा गैहैकर गहै तीर कमान्
चढ़ि तुरंग पर करै कबारजमादार होए संग्
सोजा बरनति जात हरदेख्यातिपुनक रंग्
करत काम सब चामपेट्टट अट सब लूट्
ढाहि जोड़ गाछी सहतिवान्यै सड़क औ पूल्
जमि पटने औ जटसापेप्रगन्ना महसौर्
तहाँ बसहीं एक सज्जनतेहि घर जा लक्ष्मी दौड़्
श्री द्वारिका प्रसादतिबरम्मबीर बुद्धिमान्
तहसीलदार कोरट के प्यासाजानहि सकल जहान्
बाबु रसनी प्रसाद दियौटीसो मधुबनमे आए्

હુકુમ દીન્હ સુપરનડેંટકેંટોઇ ટોઇ હોએ ળાએ્
મન પેંયા મનગાન ભૈ ઊરિવિહુનો ઊરિ પ્યૈનાિ્
યન્ય યન્ય્ અંગરેળ વહાદુરસભકેં ળૂટઊ ગાિ્
ગરવિ, ગણી, ગુરવા, કનુ ળૈ, ળૈવ્નાહ્મણ દેિ અસીસ્
શ્રી રઘુનાથ વઢૈ વદસાહિગદી ઊપ્પ વરીસ્
સ્તુતિ ઊઊ કવિ વિરણિ હૈંયહ નૌદી કે હાઊ્
ગૌરમટિ ગૌરનઊ વહાદુરાિસ્હિુિ ગાપ્યહીં વહાઊ્

૨

**નાયાક્ષ્મણ ચૌયરી (મથિલિક સ્તાહિસ)** (વ્રિદેહ પેટારમે ઉપઊવ્ય(

"૧૭૭૦ ક અકાલ મથિલિક સ્તાહિસમે અદ્વિતીય છઊ આ મથિલિક ળનસંખ્યા ઘટકિં એક દમ્મ કમ્મ ભડ ગેઊ છઊ। ૧૮૭૩ ૭૪ મે પુનઃ એકટા ઓહ્ને અકાલ-મથિલિમે ભેઊ છઊ ળકર વ્રિવિરણ હમરા સ્તુતી ઊઊ કવિકિ અકાલી કવિતિસઁ ભેટઇયૈ, અકાલી કવિતિ અપ્રકાશિત અછિ। અકાલકેં દૂર કરવાક હેતુ આ મળૂરકેં રોળી દેવાક હેતુ તાહિ કાલ રેલગાડ઼ીક યોળના ચલાઓલ ગેઊ ળકર સમ્વન્યમે સ્તુતીઊઊ ઊપ્પેિ છથિ-

*'કમ્પની અળાન ળાન કઊનકો વનાય સ્રાના*
*પવન કો છકાય મૈદાનમે યરાયો હૈ।*
*છોડ઼િ હૈ અડ઼દાર વડ઼ા વીય યાય યાયા*
*સમેઊગા હટાળાિ કેિાળાિ પડ઼ા હૈ।*
*ગારકી અપારકાર પવરદિન વ્રાર વ્રારા*
*ચેિ ગયો ટકિસદાર રેઊ કી ઉવ્રાઈ હૈ।*
*કરિ હૈ અનોર સોર પીછે કિ ઊગિ છોરા*
*ળોર કી યમાક સે મશીન કી વડ઼ાઈ હૈ।*
*કમ્પૂસન પહરદાર કોથી સવ અળવદારા*
*કોસ્ઊ ભર કરઊ કાર વૂઆઁસે ઉડ઼ાયો હૈ।*

*વાળા એક વળન ભાગ હાથી શ્રસા*
*પક્તિન ભાગ ળૈસા ળો યઢનદાન વૈસાયન પાયો હૈ।*
*ગંગાર્કે મનભ યાન ઉતાનગિયો શ્રૂતન પાન ગાડ઼ીકો।*
*શ્રળવકાન કવ઼ત્િત યહ વનાયા હૈ।' "*

*- ઘાળેનદના થહાકુન, દતિોન, વ઼દિહ (વે પાનત ોડ વ઼દિહ ૌૌવ઼દિહયોનિ - સેનદ યુોન શ્રોહાતસશ્રપપ નો તો + ૮૧૮૫૬૦૮૬૦૭૨૧ સો તહાત િ યાન વે ।દદેદ તો તહે વ઼દિહ શ્રોહાતસશ્રપપ મનોદયાસત ડ઼સિ઼ત)*

*શ્રપન મંતવ્ય઼ દતોિનાિભિસતાડડ઼વ઼દિહાગમાિભિયોમ પન પડાઉ*

# દ્વૃદિહ મથિલિક પોળ

## વૃદિહ મથિલિક પોળ

*વૃ દે હ વૃદિહ વૃદિહ વિદેહ હાતપ્રીવૃદિહયોનિ વૃદિહ પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા વૃદિહ ઈસત માતિહિલિ ઢોતનગિહાળયેઁ ળોતનાઊ વૃદિહ પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા નવ અંક દેખબાક હેઉ પૃષ્ઠ સભકેં નીચ્ચેશ કરૂ દેખૂ અંગીયસ રેડેટાહ તહે પાટોસ ડોન વૃદિહ નૌ સિસુલ વૃસ્યએહજ*

*પ્રસ્તુત અર્ઘ વૃદિહ મથિલિ તીરભુક્તિ આ તિરહુતક નામસઁ વિખ્યાત વર્તમાન ભારત આ નેપાળમે પસરલ માટકિ પ્રાચીન આ નવ સ્થાપત્ય, ચિત્રાંકતિ અભિલેખ આ મૂર્તિકળાક એકટા છોટ સંગ્રહ એ સંગ્રહકેં પૂર્ણ કરવાક હેતુ અપન વહુમૂલ્ય સંગ્રહ દતિાભિસાડવૃદિહાગામાબ્યિોમ કેં પડાઉ આરકાસ્વક સરવાયકિાન રચનાકાર સમવન્યતિ ફોટોગ્રાફ્ર આ સંગ્રહકર્તાક ઊમે છન્હિ ફોટો સભ પઠેવા હેઉ ધન્યવાદ પાઠકગણ સાભાર વિશેષ વિવિરણ દેખવા હેઉ કૃળકિ કરૂ* ***દ્રશનીય મથિલિ ભગોયૂસે १ ભગોયૂસે २ ભગોયૂસે ३, ભગોયૂસે ४, ભગોયૂસે ५ (મૈથિલી સાહિત્ય સંસ્થાન ઠકિ), સ્ઘાપ્રઝ્ઝ અષર (છુળનાઊ હેતાતિગે ોડ મતિહિલિ-*** *સાંચહ કેયૌનદ મતિહિલિ),* ***થેમપેઉ ખુરવ્રેય કુનોળેયન અષર એનગાળસિહ*** *આ* ***હનિદ*** *પૂર્ણત: અવ્યવસાયકિ ઉદ્દેશ્ય આ માત્ર એકેડમકિ પ્રયોગ હેઉ*



ભુવનેશ્વરી ભગવતીપુર (માદહુવાનિ, મહિાન) વૈદ્ય તારા સઁ સમાનતા નાકમે કુણ્ડલ દેખૂ



સૂર્ય ભગવતીપુર (માદહુવાનિ મહિાન)



વિષ્ણુ ભગવતીપુર (માદહુવાનિ, મહિાન)



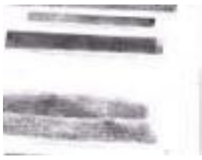
દુર્ગા, પોખરિસઁ ભેટલ, ઓતહિ વહેી મન્દિર



હનુમાન મન્દિર ઘનશ્યામપુર



| | | |
|---|---|---|
| (વળાનસઁ દક્ષિણ)મે સ્થાપિત | (દનભંગા)- યોનિ મડ ગેહ | ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |
|  ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |  ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |  ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |
|  ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |  ગૌરીશંકર, ળમથના, હૈઠી વાણી, મધુવની |  વારસી- વસૈઠી, શ્રનાયિા મથિળાક્ષન નામ્નળ્ય |
|  વારસી- વસૈઠી, શ્રનાયિા મથિળાક્ષન નામ્નળ્ય |  વારસી- વસૈઠી, શ્રનાયિા મથિળાક્ષન નામ્નળ્ય |  વારસી- વસૈઠી, શ્રનાયિા મથિળાક્ષન નામ્નળ્ય |
|  યનહના, વનમનપ્પી, પૂન્નાપ્રિયાઁ, નનસહિ શ્રવતાન |  યનહના, વનમનપ્પી, પૂન્નાપ્રિયાઁ, નનસહિ શ્રવતાન |  પૂનાપ્રદેવી, પૂન્નાપ્રિયાઁ |

| | | |
|---|---|---|
| <br>વદિશ્વ૧ સ્થાન શ્રમાઉપ્પ, મધુવની | <br>શ્રન્ય્નાડાઢી શ્રમાઉપ્પ, મધુવની | <br>વુદ્ય શ્રષ્ટધાતુ, સસિવ વસંતપુ૧, વ ગહ઼ા |
| <br>૧૨ શતાવ્દી, ક્રો૨ઉપ્પ, મધુવની | <br>શ્રગ઼ાનિ વદિશ્વ૧ સ્થાન, મધુવની વુદ્ય, મુંગે૧ | <br>શ્રહઉિયા સ્થાન |
| <br>શ્રન્ય્નાડાઢી, મધુવની | <br>શ્રશોક સ્તંભ, વસાઢ, વૈશાઉિ | <br>વુદ્ય |
| <br>શ્રવઉોકતિશ્વ૧ તાના, ભાગઉપુ૧ | <br>વસાઢ, વૈશાઉિ | <br>વુદ્ય ભૂમસ્પિ૧્શ |
| <br>વુદ્ય, તામ્૧ | <br>વુદ્ય મસ્તક, સુઉતાનગંજ | <br>વૈશાઉિ મૂ૧્તિ |



યાનુમ્મ્ડા નાગ-નાગીની, મુંગેર



મુકુટધારી વુદ્ધ, શ્રંતીચક, ભાગલપુર



નાચૈત ગણેશ, ૧૦મ શતાવ્દી, દરભંગા



દરભંગા મ્યુઝિયમ



દરભંગા મ્યુઝિયમ



દુર્ગા, કાર્ત્તિકેય



૧૦મ શતાવ્દી, ભીટ ભગવાનપુર, શ્રન્ધરા ગઢી



ગણેશ વુદ્ધ



ગૌતમ વુદ્ધ, વૈશાલી



રતહિત વુદ્ધ



ચઢિકેં પ્રુશ્રાવૈત મહિલા, પાળમહલ



લૈરિયા નન્દનગઢ, અશોક સ્તંભ



લોમશ સુદામા ગુફા



મુંગેર



નાગનાળ તીર્થંકર



કુમાનિ મટ્ટ શ્કેઙાહ, નાઉન્દા



વિક્રિમશિલ વિશ્વવિદ્યાઉય, ભાગ ઉપુન



ગઢ વુદ્ય



પાર્વતી



નામાયણ



નામપુનવા વૃષભ



નામપુનવા



વુદ્યક અવશેષ



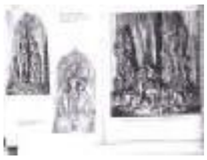
સંકાસિ



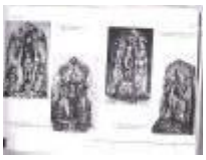
સપ્તમાતૃકા



સનવનો મદ્ન મામ્રુ૭૭



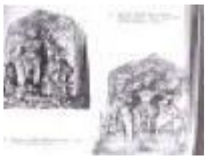
સૂન્ય



સૂન્ય



સૂન્યક સંગી



સૂન્ય, મયુવની શ્રા માગઉપુન

| | | |
|---|---|---|
|  𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 |  𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 |  𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 |
|  𑒅𑒧𑒰 𑒧𑒰𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩, 𑒏𑒪𑓂𑒨𑒰𑒝𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩 |  𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒫𑒵𑒭𑒦 𑒬𑒲𑒩𑓂𑒭 |  𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲, 𑒬𑒰𑒪𑒦𑓀𑒖𑒱𑒏𑒰 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩 |
|  𑒥𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 |  𑒣𑒰𑒿𑒣𑓂𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 𑒧𑒯𑒱𑒪𑒰 |  𑒁𑒯𑒪𑓂𑒨𑒰 |
|  𑒁𑒭𑓂𑒙𑒨𑒼𑒑𑒱𑒢𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰 |  𑒥𑒢𑒑𑓀𑒑𑒰 |  𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 |
|  𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒢𑒑𑒩, 𑓑𑓙𑓓𑓔 |  𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒧𑒹𑒛𑒱𑒏𑒪 𑒏𑒽𑒪𑒹𑒖 |  𑒠𑒳𑒪𑓂𑒯𑒠𑒳𑒪𑓂𑒯𑒱𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩 |

| | | |
|---|---|---|
|  ગામ્ડીશ્વર |  ગંગાસાગર પોખરિ, મધુવની |  હનુમાન મન્દિર, મધુવની |
|  હરિહરસ્થાન |  મધુવની હૉસ્પીટલ |  જનકપુર જાનકી મન્દિર |
|  જાનકી મન્દિર |  જાનકી મન્દિર, સીતામઢી |  જાનકી મન્દિર, સીતામઢી |
|  જલિ સ્વાસ્થ્ય કાર્યાલય રાજવિરાજ, નેપાલ |  કલનેશ્વર વાવા |  કપિલેશ્વર |
|  કોષલેપાકાર્યાલય, રાજવિરાજ, નેપાલ |  મિથિલા વિશ્વવિદ્યાલય, દરભંગા |  લક્ષ્મીશ્વર પૈલેસ, ૧૯૩૪ |



માય્યમિકવિદ્યાલ્ય , ળનકપુ૧



મહેન્દ્૧ યૌક, ળનકપુ૧



ળનકપુ૧ મંડપ



મથિલિા,
૧૯૮૮ મૂકમ્પ



પ૧ાલાવાલા ય૧્મશાલા, ળનકપુ૧, ને
પાલ



પંડૌલ શ્રહ્લ્યા



મયુવની વસ સ્ટૈડ



૧ાળ હેડ ऑશ્રસિ,
૧૯૩૪



૧ાળ હૅોસ્પીટલ, દ૧ભંગા,
૧૯૩૪



સૌ૧ાઠ સભા



શવિ મન્દિ૧, ૧૯૩૪



શવિશંક૧ સનિમા, મયુવની



શ્યામા મન્દિ૧



વદ્યિાપતિ મૂ૧્તિ, વસિ્ફી



| | | |
|---|---|---|
| | | ઉગ્નતાના, તાનાસ્થાન, મહિષી, સહનસા |
|  વ઼િદ્ય઼ાપતિ સ્માનક, વસિ્ષ્ઠી |  વ઼સિ્ષ્ઠી, ઉદના મહાદેવ઼ |  વસિ્ષ્ઠી, વ઼શિ્વ઼ેશ્વ઼ની ભગવ઼તી |
|  શ્રહલ્ય઼ા મન્દિન, શ્રહિયાની |  શ્રશોક સ્તંભ, વ઼ૈશાળી |  સ્તૂપ શ્રશોક સ્તંભ, વ઼ૈશાળી |
|  વળિાળપુન કિળા પૂન્વ઼ી ગેટ |  વળિાળપુન કિળા મીનાન |  ચામુ્ડી સ્થાન, વિાટપુન, સહનસા |
|  ગાઁધી પોખ્નનિ, ઢાકા, મોતિહાની |  ગાઁધી વ઼િદ્ય઼ાળય઼, ઢાકા, મોતિહાની |  ગિનજિા સ્થાન, મધુવની |
|  |  |  |

𑒯𑒩𑒱𑒯𑒩 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑒼𑒢𑒣𑒳𑒩

𑒖𑒻𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩

𑒖𑒻𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲







𑒏𑒧𑒪𑒰𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢

𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩

𑒪𑒾𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜







𑒧𑒠𑒢𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩

𑒧𑒢𑓂𑒠𑒰𑒩 𑒣𑒩𑓂𑒫𑒞, 𑒥𑒰𑒿𑒏𑒰

𑒧𑒼𑒞𑒱𑒯𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒞𑓂𑒨𑒰𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒮𑓂𑒧𑒰𑒩𑒏







𑒣𑒩𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒛𑒜𑒲, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲

𑒩𑒰𑒧𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒧𑒜𑒲

𑒮𑒞𑓂𑒨𑒰𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒮𑓂𑒧𑒰𑒩𑒏, 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒧𑒜𑒲







𑒬𑒰𑓀𑒞𑒱 𑒮𑓂𑒞𑒴𑒣, 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩







𑒮𑒱𑓀𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒧𑒡𑒹𑒣𑒳𑒩𑒰

𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨𑒡𑒰𑒧, 𑒣𑒩𑒮𑒰

𑒅𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰𑒩𑒰 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒲, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰

| | | |
|---|---|---|
| <br>વૈશાળી સ્તૂપ | <br>વિક્રમશિળિ વિશ્વવિદ્યાળય, ભાગ ળપુર | <br>વિષ્ટપુર મન્દિર, મધેપુરા |
| <br>વૃષભ શીર્ષ, રામપુરવા | <br>સિંહ શીર્ષ, રામપુરવા | <br>શરભ, નેપાળ |
| <br>પૉમ્પિયુક્તા દેવી, વૈશાળી | <br>વાબા વટેશ્વર, દેવના, વનગાઁવ | <br>વટ વૃક્ષ, વનગાઁવ |
| <br>ભગવાન વિષ્ણુ, દેવના, વનગાઁવ | <br>શાસ્ત્રાર્થ સ્થળ,તારાસ્થાન મહિષી | <br>શાસ્ત્રાર્થ સ્થળ,તારાસ્થાન મહિષી |
| <br>તારાસ્થાન મહિષી | <br>માતા તારા, તારાસ્થાન મહિષી |  |

| | | |
|---|---|---|
| | | ઉગ્નાના (પ્પાદન વ્રામી નાના) મૂર્ ના, મહષિ |
| <br>વશષ્ઠિ મુની, તાપાસ્થાન મહષિ | <br>શ્રાવન્યતિ કાઊ ઉય્યૈક | <br>વૌદ્યદેવી નાના વાની સમસ્તીપુન |
| <br>ભગવતી દેકુઊ | <br>ભગવતી ગપિઙિા શુઊહન | <br>ભગવતી મ઼ામૂન્તિ ગિન્યવાર્ન |
| <br>ભગવતી વાની સમસ્તીપુન | <br>ભુવનેશ્વની કોન્થ | <br>દેવીકાઊ કોન્થ |
| <br>ગંગામૂન્તિ નિગાનઊહ દનભંગા | <br>ગોસાઉની મિન્દપિ કોન્થ | <br>હૈહટ્ટ દેવી હાવીઊહ |
|  |  |  |

| | | |
|---|---|---|
| 𑒏𑒰𑒪𑒲 𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚 | 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒰𑒮𑒳𑒩𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒥𑒯𑒹𑒩𑒲 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 | 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒰𑒮𑒳𑒩𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒯𑒰𑒫𑒲𑒛𑒲𑒯 |
|  |  |  |
| 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒰𑒮𑒳𑒩𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒢𑒰𑒯𑒩-𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩 | 𑒅𑒧𑒰 𑒧𑓂𑒝𑓂𑒔𑓂𑒕𑒧𑒩𑓂𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒖𑒰𑒣𑒳𑒩 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 | 𑒨𑒧𑒳𑒢𑒰 𑒦𑒻𑒩𑒫 𑒥𑒪𑒱𑒨𑒰 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 |
|  |  |  |
| 𑒦𑒻𑒩𑒫, 𑒦𑒻𑒩𑒫-𑒥𑒪𑒱𑒨𑒰 | 𑒢𑒙𑒩𑒰𑒖, 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒖𑒯𑒲 | 𑒬𑒱𑒫-<br>𑒣𑒰𑒩𑓂𑒫𑒞𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 |
|  |  |  |
| 𑒬𑒱𑒫-<br>𑒣𑒰𑒩𑓂𑒫𑒞𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 | 𑒬𑒱𑒫 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑒱𑓀𑒑𑒱𑒨𑒰, 𑒥𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲 | 𑒅𑒧𑒰𑒧𑒰𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩, 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫𑒧𑒚 |
|  |  |  |
| 𑒅𑒧𑒰𑒧𑒰𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩, 𑒞𑒱𑒪𑓂𑒯𑒰 | 𑒥𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒦𑒫𑒰𑒢𑒲𑒣𑒳𑒩 | 𑒥𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒦𑒲𑒚 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒣𑒳𑒩 |

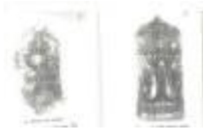
| | | |
|---|---|---|
|  𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 |  𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒅𑒠𑒯𑒼 |  𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒮𑒰𑒩𑒼-𑒣𑒩𑒩𑒲, 𑒯𑒰𑒫𑒲𑒛𑒲𑒯 |
|  𑒬𑒹𑒭𑒬𑒰𑒨𑒲 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳, 𑒮𑒫𑒰𑒮, 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩 |  𑒫𑒩𑒰𑒯 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱, 𑒩𑒰𑒖𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 |  𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐, 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒫𑒵𑒠𑓂𑒡 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 |
|  𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚, 𑒥𑒹𑒢𑒲𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲 |  𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲 𑒫𑒰𑒝𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲, 𑒦𑓀𑒛𑒰𑒩𑒲𑒮𑒧 |  𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒰 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒏𑒙𑒩𑒰, 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩 |
|  𑒁𑒭𑓂𑒙𑒦𑒳𑒖 𑒑𑒝𑒹𑒬, 𑒯𑒰𑒫𑒲𑒛𑒲𑒯 |  𑒁𑒭𑓂𑒙𑒦𑒳𑒖 𑒑𑒝𑒹𑒬, 𑒏𑒼𑒩𑓂𑒟 |  𑒑𑓀𑒑𑒰, 𑒂𑒢𑓂𑒡𑓂𑒩𑒰-𑒚𑒰𑒜𑓃𑒲 |
|  |  |  |

| | | |
|---|---|---|
| મહિષાસુરમર્દિની, દુર્ગા | મ્ઊચ્છમર્દિની મન્દિર, મનિ્ળાપુર , દરભંગા | નટનાળ |
|  નામમન્દિર, અહિલ્યાસ્થાન |  સેહની, વૈશાળી, વિષ્ણુ નાભિક-યળ્ઞોપવીતયાની |  નૂપનગર શિવ મન્દિર |
|  સૂર્ય, દેકુળી |  સૂર્ય મૂર્તિ ડભિહી |  સૂર્ય મૂર્તિ, વિષ્ણુ, વનુઆર |
|  ઉમામાહેશ્વર |  યમુના, આન્ધ્રા-ડાઢી |  સમિનૌનાગઢ મૂર્તિ |
|  આદિ કાળી, યૈનપુર સહરસા<br><br>યૈનપુર સહરસા- મથિળિક એકમાત્ર ની ઊકંઠ મન્દિર, સંગમે આદિકાળીન મવ્ય કાળી- મન્દિર સેહો એહિ ગામમે અછિ મહાશિવરા |  ત્યોથાગઢક સ્વામી માધવાનન્દ કૌ ઊચાન્ય કાળી મન્દિર<br><br>ત્યોથા ગઢ ઊગ। પુનાન ગઢ। એકર પૂ વમે વનહ્મપુનાક વાવા હરિહરનાથ મહાદેવ મન્દિર આ દક્ષિણમે ઉચ્ચૈ ડ ભગવતી છથિ |  ત્યોથાગઢક દસમુખી કાળી<br><br>ત્યોથા ગઢ ઊગ। પુનાન ગઢ। એકર પૂ વમે વનહ્મપુનાક વાવા હરિહરનાથ મહાદેવ મન્દિર આ દક્ષિણમે ઉચ્ચૈ ડ ભગવતી છથિ |

| | | |
|---|---|---|
| ત્નિ શ્રિા કાળીપૂળા વડ઼ ધૂમધામસઁ ચૈનપુન મે હોઇત અછિ | | |
|  કોઇલખ (મધુવની) દેવીક મન્દિન |  શ્રકૌન, વેનીપટ્ટી, ભગવતી દુર્ગા, ભગવતીપીઠ |  શ્રકૌન, વેનીપટ્ટી, ભગવતી દુર્ગા, ભગવતીપીઠ |
|  ૧શ્રષ્ટભુળ ગણેશ, કોર્થ રશવિ મન્દિન, સધિયિા, વસિસ્ઠી |  ૧ વૌદ્ધ દેવી તાના, વાની, સમસ્તીપુન રઉગ્નતાના મન્દિન, મહર્ષી, સહનસા |  ૧ભગવતી, વાની રભગવતી, દેકુળી |
|  ૧ ભગવતી ગનિળિા, શુઉહન રકાળી, ડયચૈડ |  ૧ ભૈનવ, ભૈનવ વળિયિા ર ઉમામાહેશ્વન, મહાદેવમડ |  ૧ દેવીકાળી, કોર્થ ર ગુસાઉનિ સ્થિળ મન્દિન, કોર્થ |
|  ૧ ગણેશ, ઉહેનયિાસનાય રઉમામાહેશ્વન રૂનટનાળ, ૪ વષ્ણુિ, તળિક, ળનઉ યાની, સેહાન, વૈશાળી |  ૧ ગંગા મૂર્તિ, નગનડીહ, દનભંગા ર ભગવતી મઃહામૂર્તિ, ગન્ધવાનિ |  ૧ હૈહટ્ટ દેવી, હાવીડીહ રભુવનેશ્વની, કોર્થ |



૧ કથતિ કાણી, ૩ય્યૈડ, ર્શ્રષ્ટજુળ ગામે શ, કોન્થ



૧ મહષિાસુર મન્દરિ્ની, હાવીડીહ, ૨૩ મા, મ્ઉય્છમન્દરિ્ની, મન્દિાપુર, દર મંગા



૧મહષિાસુરમન્દરિ્ની, જગવતીપુર, ના હર, મહષિાસુર મન્દરિ્ની, વહેરી, દર મંગા



૧ મ્ઉય્છમન્દરિ્ની જગવતી, મન્દિાપુર, દ રમંગા ર્ ગામ મન્દરિ, શ્રહિલ્યાસ્થાન



૧ મ્ઉય્છમન્દરિ્ની જગવતી, મન્દિાપુ ર, દરમંગા ર્સહિેશ્વર સ્થાન, મધે પુરા



૧ નટરાજ, નાગાણહી ર્ ઉમામાહેશ્વ ર



૧_શેષસાયી, સવાસ, મુળશ્શ્રરપુર, ૨_નટ રાળ_નાગાણહી ૩_ જગવતી ૪_ ઉમા માહે શ્વરી



૧-
શવિ પાર્વતી મન્દરિ, કપલિેશ્વર સ્થાન ર્ સૂર્ય મૂર્તિ ડભિહી



૧_ સૂર્યમૂર્તિ, વષ્ણુિ વનુશ્રાર ૨ ગં ગા, શ્રાન્ધ્રા ઠાઢી



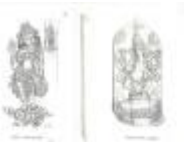
૧_ઉય્યૈડ મ્હગવતી, વેનીપટ્ટી ૨_મહષિા સુરમન્દરિ્ની, દુર્ગા ૩_ યામુણ્ડા મન્દરિ, કટરા, મુળશ્શ્રરપુર ૪_જગવતી વાગેશ્વ રી, જામ્ડારસિમ



૧ વરાહમૂર્તિ, નભિકેશ્વરસ્થાન, ર્ વષ્ણુિ, જવાનીપુર



૧ વષ્ણુિ, ળયનગર ર્વષ્ણુિ, જીડ જ ગવાનપુર

| | | |
|---|---|---|
|  ૧ વ઼િષ્ણુ, ઉદહી, ૨સૂર્ય, દેકુલી |  ૧ વ઼િષ્ણુ સાહો પનડ઼ી, સ્થાપતિ- હાસીડીહ ૨વુદ્ય- વ઼િષ્ણુ મૂર્તિ અભિલેખ |  ૧ વ઼િષ્ણુ, સેહાન, ૨ વ઼રાહ ૩ ગણેશ ૪શિવ મન્દિર નૂપનગર |
|  ૧ યમુના, આન્યના ગઢ઼ી, ૨અષ્ટભુજ ગણેશ, હાવીડીહ |  ૧ યમુના, ભૈરવ વલિયા, ૨ શેષસાયી, સવાસ, મુરક્ષ્તપુર, ૩ નટરાજ નાગલાહી ૪ ભગવતી ૫ ઉમા માહેશ્વરી |  કથિત, કાલી, ઉચ્ચૈઠ, વેનીપટ્ટી |
|  મૂર્તિ (મિથિલા ક્ષેત્ર) |  સમ્ભવતઃ સૂર્ય |  વ઼ેણુગોપાલ, મિથિલા |
|  વ઼િષ્ણુ, ળાલ, દરભંગા |  વ઼િષ્ણુ |  વ઼િષ્ણુ, અહૈલ, દરભંગા |

## મિથિલાક પ્રોળ

𑒄 𑒂𑒪𑒹𑒐 𑒯𑒧𑒩 𑒠𑒬𑒏𑒮𑒿 𑒆𑒣𑒩𑒏 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒨𑒰𑒞𑓂𑒩𑒰𑒏 𑒅𑒣𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞𑒏 𑒮𑒴𑒞𑓂𑒩-𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒌𑒧𑒹 𑒌 𑒮𑒦 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒲𑒨 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮𑒲 𑒂 𑒑𑒰𑒃𑒛 𑒮𑒦𑒏 𑒁𑒏𑒟𑒢𑒲𑒨 𑒨𑒼𑒑𑒠𑒰𑒢 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒏𑒐𑒢𑒼 𑒏𑒰𑒪𑒞𑒿 𑒦𑒰𑒛𑓃𑒰𑒏 𑒑𑒰𑒛𑓃𑒲𑒏 𑒛𑓂𑒩𑒰𑒃𑒫𑒩 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒢𑒲𑒏 𑒑𑒰𑒃𑒛 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒦𑒹𑒪𑒰।-𑒑𑒖𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

"𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒨𑒠𑒨𑒮𑓂𑒨 𑒧𑒨𑓂𑒨𑓀𑒞𑒹 𑒩𑒱𑒣𑒫𑒼 𑒃𑒞𑒱 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒢𑒑𑒩𑒲" - 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒖𑒞𑓄 𑒬𑒞𑓂𑒩𑒳𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒟𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱- 𑒣𑒰𑒩𑒰𑒝𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒫𑒩𑒝।

## 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒂 𑒑𑒜𑓃

𑒥𑒪𑒱𑒩𑒰𑒖𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒰𑒥𑒴𑒥𑒩𑒯𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒐𑒝𑓂𑒛𑒮𑒿 𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒥 𑒥𑒪𑒱𑒩𑒰𑒖𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒏𑒩 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒳𑒩𑒰𑒢 𑒏𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒁𑒫𑒬𑒹𑒭 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒢𑒧𑒑𑒩 𑒂 𑒋𑒏 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒔𑒰𑒏𑒩 𑒁𑒕𑒱। 𑒠𑒮 𑒤𑒲𑒙𑒏 𑒧𑒼𑒙 𑒠𑒹𑒥𑒰𑒪𑒮𑒿 𑒄 𑒒𑒹𑒩𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒑𑒜𑓃 𑒏𑒱𑒪𑒰- 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒴𑒥 𑒂 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒣𑒩 𑒞𑒱𑒪𑒨𑒳𑒑𑒰 𑒡𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒚 𑒪𑒑 𑓕𑓐 𑒋𑒏𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒣𑒮𑒩𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰- 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒦𑒰𑒩𑒞 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒔𑒲𑒢 𑒖𑒨𑒣𑒳𑒩 𑒂 𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒪𑒑। 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒪𑒑 𑒣𑓀𑒔𑒼𑒦 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒞𑒰𑒧𑓂𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒣𑒩 𑒖𑒨𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒹𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒁𑒕𑒱।

𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜𑓃- 𑒥𑒹𑒞𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑓑𑓒 𑒧𑒲𑒪 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧-𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒧𑒹 𑒄 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒁𑒕𑒱। 𑒞𑒲𑒢 𑒣𑓀𑒏𑓂𑒞𑒱𑒧 𑓑𑓕 𑒙𑒰 𑒆𑒿𑒔 𑒛𑒲𑒯 𑒁𑒕𑒱।

𑒪𑒾𑒩𑒱𑒨𑒰-𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜𑓃- 𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜𑓃𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒋𑒞𑓄 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒮𑓂𑒞𑓀𑒦 𑒂 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒮𑓂𑒞𑒴𑒣 𑒁𑒕𑒱।

𑒠𑒹𑒏𑒳𑒪𑒲𑒑𑒜𑓃- 𑒬𑒱𑒫𑒯𑒩 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒞𑒲𑒢 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒥 𑒯𑒰𑒃𑒫𑒹 𑒏𑒹𑒩 𑒏𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒠𑒴 𑒙𑒰 𑒏𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒁𑒫𑒬𑒹𑒭 𑒁𑒕𑒱। 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒠𑒱𑒮 𑒐𑒡𑒰𑒃 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒙𑒩𑒰𑒑𑒜𑓃- 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒙𑒩𑒰 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒬𑒰𑒪 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱, 𑒠𑒹𑒏𑒳𑒪𑒲 𑒑𑒜𑓃 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒏𑒰𑒞 𑒐𑒡𑒰𑒃 𑒐𑒳𑒢𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒢𑒾𑒪𑒰𑒑𑒜𑓃-𑒥𑒹𑒑𑒳𑒮𑒩𑒰𑒨𑒮𑒿 𑓒𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑓓𑓕𑓐 𑒋𑒏𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒣𑒮𑒩𑒪 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒖𑒨𑒧𑓀𑒑𑒪𑒰𑒑𑒜𑓃- 𑒥𑒹𑒑𑒴𑒮𑒩𑒰𑒨𑒧𑒹 𑒥𑒩𑒱𑒨𑒰𑒩𑒣𑒳𑒩 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒰𑒥𑒩 𑒗𑒲𑒪𑒏 𑒧𑒡𑓂𑒨 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒆𑒿𑒔 𑒛𑒲𑒯 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒞𑓄 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱। 𑒢𑒰𑒍𑒏𑒼𑒚𑒲 (𑒧𑒯𑒾𑒪) 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑓀𑒑𑒪𑒰𑒑𑒜𑓃- 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒯𑒮𑒢𑒣𑒳𑒩 𑒥𑓂𑒪◌ॉ𑒏𑒧𑒹 𑒠𑒳𑒡𑒣𑒳𑒩𑒰 𑒥𑒖𑒰𑒩 𑒪𑒑 𑒠𑒹𑒍𑒜 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑। 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒏 𑒅𑒣𑒠𑒹𑒬 𑒋𑒞𑓄 𑒦𑒹𑒪, 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒲𑒨 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒧𑓀𑒑𑒪𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒂𑒑𑓂𑒩𑒯𑒣𑒩 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢 𑒋𑒞𑓄 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒁𑒪𑒾𑒪𑒲𑒑𑒜𑓃- 𑒐𑒑𑒛𑓃𑒱𑒨𑒰𑒮𑒿 𑓑𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒁𑒪𑒾𑒪𑒲 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑓑𑓐𑓐 𑒋𑒏𑒛𑓃𑒧𑒹 𑒣𑒮𑒩𑒪 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒲𑒔𑒏𑒑𑒜𑓃- 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒱𑒨𑒰 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒛𑒹𑓀𑒑𑒩𑒰𑒒𑒰𑒙𑒮𑒿 𑓑𑓐 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒧𑒯𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠𑒰 𑒢𑒠𑒲𑒏 𑒣𑒴𑒥𑒧𑒹 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒥𑒹𑒢𑒴𑒑𑒜𑓃- 𑒙𑒹𑒜𑓃𑒑𑒰𑒕 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒫𑒪 𑒡𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒫𑒩𑒰𑒖𑒱𑒢𑒑𑒜𑓃- 𑒥𑒯𑒰𑒠𑒳𑒩𑒑𑓀𑒖𑒮𑒿 𑒕𑒯 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝𑒧𑒹 𑒪𑒢𑒮𑒫𑒩𑒲 𑒡𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒄 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱।

𑒢𑒹𑒆𑒩𑒲- 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰𑒏 𑒥𑒱𑒩𑒾𑒪 𑒣𑓂𑒩𑒐𑒝𑓂𑒛𑒮𑒿 𑓑𑓓 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒜𑓃 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒪𑒼𑒩𑒱𑒏𑒏 𑒧𑒰𑒢𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

## 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡

𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧- 𑒯𑒰𑒖𑒲𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑒥𑒞𑓂𑒞𑒲𑒮 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩-𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒧𑒹 𑒥𑒮𑒰𑒜𑓃-𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒂 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒫𑒰𑒮𑒼𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 𑒪𑒑 𑒑𑒰𑒧 𑒑𑒜𑓃-𑒙𑒲𑒪𑒰𑒮𑒿 𑓒 𑒏𑒱.𑒧𑒲. 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩-𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒁𑒕𑒱 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧 , 𑒖𑒞𑓄 𑒖𑒻𑒢𑒏 𑓒𑓔𑒧 𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟𑓀𑒏𑒩 𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒋𑒞𑓄 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒏 𑒕𑒰𑒅𑒩,

𑒁𑒦𑒱𑒭𑒹𑒏 𑒣𑒳𑒭𑒏𑒩𑒝𑒲 (𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒁𑒦𑒱𑒭𑒹𑒏𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒋𑒞𑓄 𑒢𑒯𑒰𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒟𑒱), 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒮𑓂𑒞𑒧𑓂𑒦 𑒂 𑒮𑓀𑒮𑒠-𑒦𑒫𑒢 (𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒫𑒱𑒬𑒰𑒪𑒏 𑒑𑒜𑓃) 𑒁𑒕𑒱।

𑒣𑒖𑒹𑒥𑒰𑒑𑒜𑓃 𑒫𑒢𑒯𑒲 𑒙𑒼𑒪- 𑒋𑒞𑓄 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒕𑒪, 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒍𑒏𑒩 𑒂𑒥 𑒏𑒼𑒢𑒼 𑒣𑒞𑒰 𑒢𑒻 𑒁𑒕𑒱। 𑒄 𑒮𑓂𑒟𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒩𑒐𑒥𑒰𑒩𑒲 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒪𑒑 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑓀𑒑𑒪𑒑𑒜𑓃- 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒯𑒮𑒢𑒣𑒳𑒩 𑒥𑓂𑒪ॉ𑒏𑒧𑒹 𑒠𑒳𑒡𑒣𑒳𑒩𑒰 𑒥𑒖𑒰𑒩 𑒪𑒑 𑒠𑒹𑒍𑒜 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑। 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒏 𑒅𑒣𑒠𑒹𑒬 𑒋𑒞𑓄 𑒦𑒹𑒪, 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒲𑒨 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒧𑓀𑒑𑒪𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒂𑒑𑓂𑒩𑒯𑒣𑒩 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒠𑒱𑒢 𑒋𑒞𑓄 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒏𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒧𑒳𑒮𑒯𑒩𑒢𑒱𑒨𑒰𑓀 𑒛𑒲𑒯- 𑒁𑓀𑒡𑒩𑒰 𑒚𑒰𑒜𑓃𑒲𑒮𑒿 𑓓 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒣𑒮𑓂𑒙𑒢 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒆𑒿𑒔 𑒛𑒲𑒯 𑒁𑒕𑒱। 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒏𑒰𑒪𑒲𑒢 𑒋𑒏𑒖𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿 𑒏𑒼𑒚𑒪𑒲, 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡𑒏𑒰𑒪𑒲𑒢 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱, 𑒣𑒰𑒃, 𑒥𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒢𑒏 𑒙𑒳𑒏𑒛𑓃𑒲 𑒂 𑒣𑒖𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒁𑒫𑒬𑒹𑒭 𑒋𑒞𑓄 𑒁𑒕𑒱।

𑒁𑒏𑒾𑒩- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲𑒮𑒿 𑓒𑓐 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒂 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒧𑒹 𑒁𑒏𑒾𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒆𑒿𑒔 𑒛𑒲𑒯 𑒁𑒕𑒱, 𑒖𑒞𑓄 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱।

𑒪𑒾𑒩𑒱𑒨𑒰-𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜𑓃- 𑒢𑒢𑓂𑒠𑒢𑒑𑒜𑓃𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱, 𑒋𑒞𑓄 𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒮𑓂𑒞𑓀𑒦 𑒂 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡 𑒮𑓂𑒞𑒴𑒣 𑒁𑒕𑒱।

𑒫𑒱𑒏𑓂𑒩𑒧𑒬𑒱𑒪𑒰- 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒔𑒲𑒢 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨। 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒁𑓀𑒞𑒲𑒔𑒏 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒡𑒩𑓂𑒧𑒣𑒰𑒪𑒏 𑒥𑒢𑒰𑒍𑒪 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨 𑒁𑒕𑒱। 𑓑𑓐𑓘 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞𑒰 𑒪𑒪 𑒩𑒯𑒥𑒰𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒂 𑒥𑒰𑒯𑒩𑒮𑒿 𑒣𑒜𑓃𑒨 𑒥𑒪 𑒪𑒪 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒋𑒞𑓄 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒧𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒔𑒧𑓂𑒣𑒰𑒢𑒑𑒩- 𑒦𑒰𑒑𑒪𑒣𑒳𑒩𑒏 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧𑒧𑒹, 𑒂𑒥 𑒢𑒑𑒩𑒮𑒿 𑒮𑒙𑒱 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒄 𑒖𑒻𑒢 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒣𑒫𑒱𑒞𑓂𑒩𑒮𑓂𑒟𑒪 𑒁𑒕𑒱, 𑒋𑒞𑓄 𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩 𑒞𑒲𑒢𑒙𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒟𑒱। 𑒠𑒴 𑒙𑒰 𑒖𑒻𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒋𑒞𑓄 𑒁𑒕𑒱, 𑒖𑒹 𑒖𑒻𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒩𑒯𑒧 𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟𑓀𑒏𑒩 𑒫𑒰𑒮𑒳𑒣𑒴𑒖𑓂𑒨 𑒢𑒰𑒟𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒧𑒩𑓂𑒣𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒕𑒯 𑒙𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒥𑒱𑒞𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒥𑒩𑒐𑒰 𑒇𑒞𑒳𑒧𑒹 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒧𑒰𑒮 𑒋𑒏 𑒚𑒰𑒧 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮𑒏𑒹𑒿 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒏𑒯𑒪 𑒖𑒰𑒃 𑒕𑒪। 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒋𑒏𑒼𑒙𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒢𑒻 𑒥𑒱𑒞𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱,

𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒢𑒑𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒂𑒧𑓂𑒩𑒣𑒰𑒪𑒲𑒏 𑒅𑒠𑓂𑒨𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒪𑒱𑒔𑓂𑒕𑒫𑒲𑒑𑒝𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒹𑒬 𑒠𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒪𑒰। 𑒂𑒧𑓂𑒩𑒣𑒰𑒪𑒲𑒮𑒿 𑒦𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒑𑓂𑒩𑒯𑒝 𑒏𑓄 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒑𑒹𑒪𑒰 𑒫𑒹𑒝𑒳𑒧𑒞𑒲 𑒏𑒩𑒨 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒧𑒰𑒮𑒏 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮।

**𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐**

𑒑𑒾𑒩𑒲-𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒖𑒧𑒟𑒩𑒱 𑒑𑒰𑒧 𑒂 𑒯𑒻𑒚𑒲 𑒥𑒰𑒪𑒲 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒄 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒑𑒾𑒩𑒲 𑒂 𑒬𑒓𑓂𑒏𑒩𑒏 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒱𑒪𑒱𑒞 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒂 𑒊𑒣𑒩 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩𑒧𑒹 𑒪𑒱𑒐𑒪 𑒣𑒰𑒪𑒫𑓀𑒬𑒲𑒨 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐। 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒮𑒿 𑓒-𑓓 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒠𑒱𑒬𑒰𑒧𑒹 𑒄 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱।

𑒦𑒲𑒚-𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒣𑒳𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐- 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒨𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒪𑓂𑒪𑒠𑒹𑒫𑒮𑒿 𑒮𑓀𑒥𑓀𑒡𑒱𑒞 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒉𑒞𑓄 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒡𑒹𑒣𑒳𑒩 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒄 𑒮𑓂𑒟𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒦𑒑𑒲𑒩𑒟𑒣𑒳𑒩- 𑒣𑒝𑓂𑒛𑒾𑒪 𑒪𑒑 𑒦𑒑𑒲𑒩𑒟𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒃𑒮𑒿 𑒋𑒃𑒢𑒫𑒰𑒩 𑒫𑓀𑒬𑒏 𑒁𑓀𑒞𑒱𑒧 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒬𑒰𑒮𑒏 𑒩𑒰𑒧𑒦𑒠𑓂𑒩𑒠𑒹𑒫 𑒂 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒲𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒬𑒰𑒮𑒢𑒏 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒧𑒹 𑒮𑒴𑒔𑒢𑒰 𑒦𑒹𑒙𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑓀𑒠𑒰𑒩 𑒣𑒩𑓂𑒫𑒞- 𑒥𑒰𑓀𑒏𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒮𑓂𑒟𑒪𑒧𑒹 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩𑒏 𑒑𑒳𑒣𑓂𑒞𑒫𑓀𑒬𑒲𑒨 𑓗𑒧𑓂 𑒬𑒞𑒰𑒥𑓂𑒠𑒲𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒧𑒳𑒠𑓂𑒩 𑒧𑓀𑒟𑒢𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒧𑓀𑒠𑒰𑒩𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪। 𑒢𑒱𑒏𑒙𑒧𑒹 𑒥𑒾𑓀𑒮𑒲𑒧𑒹 𑒖𑒻𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒩𑒯𑒧 𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟𑓀𑒏𑒩 𑒫𑒰𑒮𑒳𑒣𑒴𑒖𑓂𑒨 𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒠𑒴𑒙𑒰 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱, 𑒣𑒻𑒒 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒪𑒰𑒪 𑒣𑒰𑒟𑒩𑒏 𑒁𑒕𑒱 𑒞𑒿 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒏𑒰𑒿𑒮𑒰𑒏 𑒖𑒏𑒩 𑒮𑒼𑒯𑒰𑒿 𑒠𑒴𑒙𑒰 𑒣𑒠𑒔𑒱𑒯𑓂𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑒻𑒢𑒏 𑒥𑒰𑒩𑒯𑒧 𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟𑓀𑒏𑒩 𑒫𑒰𑒮𑒳𑒣𑒴𑒖𑓂𑒨 𑒢𑒰𑒟𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒔𑒧𑓂𑒣𑒰𑒢𑒑𑒩𑒧𑒹 𑒂 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒫𑒰𑒝 𑒉𑒞𑒻 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒫𑒱𑒠𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒪𑒼𑒯𑒢𑒰𑒩𑒼𑒛 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢 𑒪𑒑 𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 𑒬𑒱𑒫𑒰𑒪𑒨𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒧𑒯𑒰𑒩𑒰𑒖 𑒧𑒰𑒡𑒫𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒏𑒉𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑓑𑓒 𑒨𑒳𑒑𑒏 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒉𑒞𑓄 𑒁𑒕𑒱।

𑒥𑒮𑒻𑒚𑒲 (𑒥𑒰𑒃𑒮𑒲-𑒥𑒮𑒻𑒚𑒲), 𑒁𑒩𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 - 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒱𑒨𑒰𑒿𑒧𑒹 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒢𑒑𑒩 𑒪𑒑 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩𑒏 𑒄 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒧𑒯𑒱𑒪𑒰 𑒬𑒰𑒮𑒏 𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒫𑒞𑒲𑒏

𑒩𑒰𑒖𑓂𑒨𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒏𑒩𑒺𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒩𑒳𑒠𑓂𑒩𑒰𑒫𑒞𑒲 (𑓑𑓗𑓘𑓔-𑓑𑓘𑓐𑓒) 𑒖𑒹 𑒁𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒮𑒧𑒨 𑒤𑒴𑒛-𑒤ॉ𑒩-𑒫𑒩𑓂𑒏 𑒂 𑒁𑒢𑓂𑒨 𑒏𑒪𑓂𑒨𑒰𑒝𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒟𑒱।

𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰- 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒞𑒹𑒮𑒩 𑒏𑒱𑒪𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒰𑒩𑒞 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪 𑒮𑒲𑒧𑒰 𑒣𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒔𑒲𑒢 𑒖𑒨𑒣𑒳𑒩 𑒂 𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒪𑒑। 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒪𑒑 𑒣𑓀𑒔𑒼𑒦 𑒑𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒞𑒰𑒧𑓂𑒩 𑒁𑒦𑒱𑒪𑒹𑒐 𑒣𑒩 𑒖𑒨𑒣𑒳𑒩 𑒏𑒹𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒁𑒕𑒱।

## 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳

𑒯𑒳𑒪𑒰𑒮𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒤𑒳𑒪𑒣𑒩𑒰𑒮 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒏 𑒖𑒰𑒑𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒪𑒑 𑒯𑒳𑒪𑒰𑒮𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒑𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒣𑒰𑒟𑒩𑒏 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒋𑒞𑓄 𑒁𑒕𑒱।

𑒣𑒱𑒣𑒩𑒰𑒯𑒲- 𑒪𑒾𑒏𑒯𑒰 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒏 𑒣𑒱𑒣𑒩𑒰𑒯𑒲 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒔𑒰𑒩𑒴 𑒯𑒰𑒟 𑒦𑒑𑓂𑒢 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢- 𑒣𑒱𑒣𑒩𑒰𑒯𑒲𑒮𑒿 𑓑𑓐 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪𑒏 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒔𑒞𑒳𑒩𑓂𑒦𑒳𑒖 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒧𑒪𑒰𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢- 𑒁𑓀𑒡𑒩𑒰 𑒚𑒰𑒜𑓃𑒲 𑒪𑒑𑒧𑒹 𑒏𑒧𑒪𑒰𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒏 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒧𑓀𑒠𑒱𑒩 𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒙 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒨𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒲 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒡𑒩 𑒠𑒰𑒮 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪।

𑒯𑓀𑒯𑒰𑒩𑒣𑒳𑒩 𑒁𑒢𑒳𑒧𑒝𑓂𑒛𑒪𑒏 𑒩𑒐𑒥𑒰𑒢𑒲 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒫𑒵𑒏𑓂𑒭𑒏 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱, 𑒑𑒰𑓀𑒡𑒰𑒩𑒬𑒺𑒪𑒲 𑒧𑒹 𑒥𑒢𑒰𑒍𑒪 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑒙𑒱𑒯𑒰𑒢𑒲- 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩

𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩- 𑒥𑒵𑒯𑒠𑓂 𑒫𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝𑒧𑒹 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒧𑒰𑒯𑒰𑒞𑓂𑒧𑓂𑒨𑒧𑒹 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩 𑒏𑓂𑒭𑒹𑒞𑓂𑒩𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒮𑒞𑓂𑒩𑒯𑒧 𑒬𑒞𑒰𑒫𑓂𑒠𑒲𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒞 𑒮𑒴𑒩 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩𑒏𑒻𑓀 𑒁𑒨𑒼𑒡𑓂𑒨𑒰𑒧𑒹 𑒮𑒩𑒨𑒴 𑒡𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒧 𑒂 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲𑒏 𑒠𑒴 𑒙𑒰 𑒦𑒫𑓂𑒨 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱, 𑒖𑒏𑒩𑒰 𑒍 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 𑒏𑓄 𑒠𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒙𑒲𑒏𑒧𑒑𑒜𑓃𑒏 𑒧𑒯𑒰𑒩𑒰𑒢𑒲 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑓑𑓙𑓑𑓑 𑒄. 𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪। 𑒢𑒑𑒩𑒏 𑒔𑒰𑒩𑒴𑒏𑒰𑒞 𑒨𑒧𑒳𑒢𑒲, 𑒑𑒹𑒩𑒳𑒂 𑒂 𑒠𑒳𑒑𑓂𑒡𑒫𑒞𑒲 𑒡𑒰𑒩 𑒁𑒕𑒱। 𑒩𑒰𑒧

𑒢𑒫𑒧𑒲 (𑒔𑒻𑒞𑓂𑒩 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒢𑒫𑒧𑒲),𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒢𑒫𑒧𑒲 (𑒫𑒻𑒬𑒰𑒐 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒢𑒫𑒧𑒲) 𑒂 𑒫𑒱𑒫𑒰𑒯 𑒣𑓀𑒔𑒧𑒲 (𑒁𑒑𑒯𑒢 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒣𑓀𑒔𑒧𑒲) 𑒣𑒩 𑒋𑒞𑓄 𑒧𑒹𑒪𑒰 𑒪𑒑𑒻𑒋।

𑒁𑓀𑒔𑒩𑒰-𑒚𑒰𑒜𑓃𑒲𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒲𑒨 𑒫𑒰𑒔𑒮𑓂𑒣𑒞𑒱 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯𑒰𑒪𑒨- 𑒑𑒾𑒛𑓃 𑒑𑒰𑒧𑒏 𑒨𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝𑒲𑒏 𑒦𑒫𑓂𑒨 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑒱 𑒋𑒞𑓄 𑒩𑒰𑒐𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒞𑒲𑒩𑓂𑒟- 𑒏𑒧𑒞𑒾𑒪 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢𑒮𑒿 𑓘 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 𑒣𑒳𑒭𑓂𑒏𑒩𑒝𑒲 𑒁𑒕𑒱।

𑒧𑒳𑓀𑒑𑒹𑒩𑒏 𑒋𑒏 '𑒮𑒲𑒞𑒰-𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛'𑒑𑒩𑓂𑒧 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 𑒁𑒕𑒱, 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒖𑒲 𑒋𑒞𑒻 𑒣𑒵𑒟𑓂𑒫𑒲𑒧𑒹 𑒮𑒧𑒰𑒯𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒲। 𑒚𑓀𑒜𑓃𑒰 𑒖𑒪𑒏 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 '𑒩𑒰𑒧𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛', 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒝 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛, 𑒦𑒩𑒞 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛, 𑒂 𑒬𑒞𑓂𑒩𑒳𑒒𑓂𑒢 𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒕𑒱, 𑒦𑒻𑒨𑒰𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒧𑒯𑒱𑒧𑒰। 𑒮𑒹 𑒧𑒯𑒱𑒧𑒰 𑒥𑒰𑒥𑒴 𑒑𑒜𑓃 𑒢𑒰𑒩𑒏𑒱𑒪𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒕𑒻, 𑒥𑒹𑒮𑒲 𑒣𑒜𑓃𑒪 𑒪𑒱𑒐𑒪 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒮𑒹 𑒂𑒥 𑒏𑒯𑒰𑒿?

𑒯𑒪𑒰𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞- 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑓓𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧𑒧𑒹 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒧𑒜𑓃𑒲 𑒢𑒑𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒂 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒞𑒮𑒿 𑒛𑒹𑒜𑓃 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒩 𑒣𑒳𑒝𑓂𑒛𑒩𑒲𑒏 𑒏𑓂𑒭𑒹𑒞𑓂𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒏𑒳𑒝𑓂𑒛 𑒁𑒕𑒱। 𑒯𑒪𑒰𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒧𑒹 𑒖𑒢𑒏 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒯𑒩 𑒔𑒪𑒹𑒥𑒰 𑒏𑒰𑒪 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒦𑒹𑒙𑒪𑒱 𑒕𑒪𑒲। 𑒩𑒰𑒧 𑒢𑒫𑒧𑒲 (𑒔𑒻𑒞𑓂𑒩 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒢𑒫𑒧𑒲) 𑒂 𑒖𑒰𑒢𑒏𑒲 𑒢𑒫𑒧𑒲 (𑒫𑒻𑒬𑒰𑒐 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒢𑒫𑒧𑒲) 𑒣𑒩 𑒋𑒞𑓄 𑒧𑒹𑒪𑒰 𑒪𑒑𑒻𑒋।

𑒤𑒳𑒪𑒯𑒩-𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒯𑒩𑒪𑒰𑒐𑒲 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒤𑒳𑒪𑒯𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒖𑒢𑒏𑒏 𑒣𑒳𑒭𑓂𑒣𑒫𑒰𑒙𑒱𑒏𑒰 𑒕𑒪 𑒖𑒞𑓄 𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒤𑒴𑒪 𑒪𑒼𑒜𑓃𑒻 𑒕𑒪𑒲।

𑒡𑒢𑒳𑒭𑒰- 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑓑𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒡𑒢𑒳𑒭𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒣𑒲𑒣𑒩𑒏 𑒑𑒰𑒕𑒏 𑒢𑒲𑒔𑒰𑒿 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒡𑒢𑒳𑒭𑒰𑒏𑒰𑒩 𑒐𑒝𑓂𑒛 𑒣𑒛𑓃𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒩𑒰𑒧𑒏 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒪 𑒄 𑒡𑒢𑒳𑒭 𑒁𑒕𑒱। 𑒌𑒮𑒿 𑒋𑒏 𑒫𑒰𑒝𑒑𑓀𑒑𑒰 𑒡𑒰𑒩 𑒥𑒯𑒻𑒋 𑒖𑒹 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒝 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒫𑒰𑒝𑒮𑒿 𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪।

𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰- 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩 𑒪𑒑 𑒖𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫𑒡𑒰𑒧𑒏 𑒮𑒧𑒲𑒣 𑒮𑒳𑒑𑓂𑒑𑒰 𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒬𑒳𑒏𑒠𑒹𑒫𑒖𑒲𑒏 𑒂𑒬𑓂𑒩𑒧 𑒁𑒕𑒱। 𑒬𑒳𑒏𑒠𑒹𑒫𑒖𑒲 𑒖𑒢𑒏𑒮𑒿 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒪𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒌𑒪 𑒕𑒪𑒰- 𑒌 𑒚𑒰𑒧 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒚𑒯𑒩𑒹𑒥𑒰𑒏 𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪।

𑒮𑒱𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒧𑒡𑒹𑒣𑒳𑒩𑒰𑒮𑒿 𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩𑒣𑒩 𑒑𑒾𑒩𑒲𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒮𑒱𑒯𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫𑒡𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒏𑒣𑒱𑒪 𑒧𑒳𑒢𑒱 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲𑒮𑒿 𑓖 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧𑒧𑒹 𑒁𑒕𑒱।

𑒏𑒳𑒬𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩-𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫, 𑒪𑒯𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰𑒮𑒩𑒰𑒨𑒮𑒿 𑓖𑓐 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝-𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒂 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰𑒮𑒿 𑓒𑓕 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒄 𑒉𑒏𑒙𑒰 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒬𑒱𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱। 𑒉𑒞𑓄 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒻-𑒁𑒦𑒨𑒰𑒩𑒝𑓂𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒞𑓄 𑒅𑒖𑓂𑒖𑒩 𑒂 𑒏𑒰𑒩𑒲 𑒑𑒹𑒥𑒩, 𑒪𑒰𑒪𑒮𑒩, 𑒠𑒱𑒒𑒾𑒕, 𑒧𑒻𑒪, 𑒢𑒏𑒙𑒰, 𑒑𑒻𑒩𑒲, 𑒑𑒰𑒑𑒢, 𑒮𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲, 𑒁𑒡𑒰𑒢𑒲, 𑒯𑒩𑒱𑒁𑒪, 𑒔𑒰𑒯𑒰, 𑒏𑒩𑒢, 𑒩𑒞𑒫𑒰 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒻 𑒮𑒦 𑒢𑒫𑒧𑓂𑒥𑒩𑒮𑒿 𑒧𑒰𑒩𑓂𑒔 𑒡𑒩𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒥𑒻𑒉।

𑒮𑒱𑒧𑒩𑒠𑒯- 𑒟𑒪𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢 𑒪𑒑 𑒬𑒱𑒫𑒮𑒱𑒯 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒥𑒮𑒰𑒋𑒪 𑒬𑒱𑒫𑒮𑒱𑒯𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒄 𑒬𑒱𑒫𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒁𑒕𑒱।

𑒮𑒼𑒧𑒢𑒰𑒟- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒮𑒾𑒩𑒰𑒚 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒮𑒦𑒰𑒑𑒰𑒕𑒲 𑒪𑒑 𑒮𑒼𑒧𑒠𑒹𑒫 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒕𑒟𑒱।

𑒧𑒠𑒢𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒁𑓀𑒡𑒩𑒰 𑒚𑒰𑒜𑓃𑒲𑒮𑒿 𑓔 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒧𑒠𑒢𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱।

𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩- 𑒯𑓀𑒛𑒰𑒩𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒩𑒛𑓃𑒲 𑒑𑒰𑒧 𑒪𑒑 𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒬𑒱𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱।

𑒬𑒱𑒪𑒰𑒢𑒰𑒟- 𑒖𑒨𑒢𑒑𑒩 𑒪𑒑 𑒏𑒧𑒪𑒰 𑒡𑒰𑒩𑒏 𑒏𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒬𑒱𑒪𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒕𑒟𑒱।

𑒅𑒑𑓂𑒩𑒢𑒰𑒟- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲𑒮𑒿 𑒠𑒏𑓂𑒭𑒱𑒝 𑒣𑒝𑓂𑒛𑒾𑒪 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢 𑒪𑒑 𑒦𑒫𑒰𑒢𑒲𑒣𑒳𑒩 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒅𑒑𑒢𑒰 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒬𑒱𑒫𑒪𑒱𑓀𑒑 𑒁𑒕𑒱। 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒣𑓂𑒨𑒰𑒮 𑒪𑒑𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒞𑒿 𑒅𑒑𑒢𑒰𑒩𑒴𑒣𑒲 𑒧𑒯𑒰𑒠𑒹𑒫 𑒖𑒙𑒰𑒮𑒿 𑒑𑓀𑒑𑒰𑒖𑒪 𑒢𑒱𑒏𑒰𑒪𑒱 𑒖𑒪 𑒣𑒱𑒨𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒯𑒚 𑒏𑒹𑒪𑒰𑒣𑒩 𑒊 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒣𑒩 𑒅𑒑𑒢𑒰 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒁𑒣𑒢 𑒁𑒮𑒪 𑒬𑒱𑒫𑒩𑒴𑒣𑒏 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢 𑒠𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚 𑒕𑒱𑒢𑓂𑒢𑒧𑒮𑓂𑒞𑒱𑒏𑒰 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲- 𑒏𑒧𑒞𑒾𑒪 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢𑒮𑒿 𑓑𑓖 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩 𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚𑒧𑒹 𑒏𑒰𑒪𑒱𑒠𑒰𑒮 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲𑒏 𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒪𑒰। 𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲𑒏 𑒧𑒾𑒪𑒱𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱𑒏 𑒧𑒮𑓂𑒞𑒏 𑒐𑒝𑓂𑒛𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒅𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰𑒩𑒰- 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒢 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧𑒦𑒴𑒧𑒱 𑒧𑒯𑒱𑒭𑒲𑒧𑒹 𑒧𑒝𑓂𑒛𑒢𑒏 𑒑𑒼𑒮𑒰𑒅𑒢𑒱 𑒅𑒑𑓂𑒩𑒞𑒰𑒩𑒰 𑒕𑒟𑒱।

𑒦𑒠𑓂𑒩𑒏𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒼𑒃𑒪𑒐 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒦𑒠𑓂𑒩𑒏𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 𑒧𑓀𑒠𑒱𑒩 𑒁𑒕𑒱।

𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒰- 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒙𑒩𑒰𑒑𑒜𑓃 𑒪𑒑 𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒧𑒝𑒰 𑒫𑒰 𑒪𑒐𑒢𑒠𑒹𑒃 𑒡𑒰𑒩 𑒪𑒑 𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒔𑒝𑓂𑒛-𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒏 𑒫𑒡 𑒏𑒋𑒪 𑒑𑒹𑒪। 𑒍𑒯𑒱 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒣𑒩 𑒃 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒁𑒕𑒱।

𑒣𑒩𑒮𑒰 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩- 𑒗𑓀𑒗𑒰𑒩𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒮𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒣𑒰𑒿𑒔 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒣𑒩𑒮𑒰 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒜𑓃𑒹 𑒔𑒰𑒩𑒱 𑒤𑒲𑒙𑒏 𑒦𑒫𑓂𑒨 𑒮𑒴𑒩𑓂𑒨 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒁𑒕𑒱।

𑒔𑒻𑒢𑒣𑒳𑒩 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰- 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒋𑒏𑒧𑒰𑒞𑓂𑒩 𑒢𑒲𑒪𑒏𑓀𑒚 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩, 𑒮𑓀𑒑𑒧𑒹 𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒪𑒲𑒢 𑒦𑒫𑓂𑒨 𑒏𑒰𑒪𑒲-𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒌 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒁𑒕𑒱। 𑒧𑒯𑒰𑒬𑒱𑒫𑒩𑒰𑒞𑓂𑒩𑒱 𑒂 𑒏𑒰𑒪𑒲𑒣𑒴𑒖𑒰 𑒥𑒛𑓃 𑒡𑒴𑒧𑒡𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒔𑒻𑒢𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒁𑒕𑒱।

𑒔𑒢𑒯𑒰, 𑒥𑒢𑒧𑒢𑒐𑒲, 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒱𑒨𑒰𑒿𑒧𑒹 𑒢𑒩𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒁𑒕𑒱, 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒐𑒰𑒧𑓂𑒯 𑒖𑒏𑒰𑒿 𑒣𑒻𑒒 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒃𑒧𑒹 𑒖𑒹 𑒏𑒱𑒕𑒳 𑒤𑒹𑒏𑒥𑒻 𑒞𑒹 𑒥𑒛𑓃𑒲 𑒏𑒰𑒪 𑒡𑒩𑒱 𑒑𑒼-𑒑𑒼𑒿 𑒁𑒫𑒰𑒖 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒩𑒯𑒞। 𑒃 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒂𑒥 𑒢𑒩𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒦𑒑𑒫𑒰𑒢𑒏 𑒧𑒴𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒂 𑒧𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩𑒏 𑒏𑒰𑒩𑒝𑒮𑒿 𑒫𑒹𑒬 𑒫𑒱𑒏𑒮𑒱𑒞 𑒦𑓄 𑒑𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱। 𑒋𑒞𑒻 𑒢𑒩𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒂𑒛𑓃𑒱 𑒁𑒫𑒞𑒩𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒰।

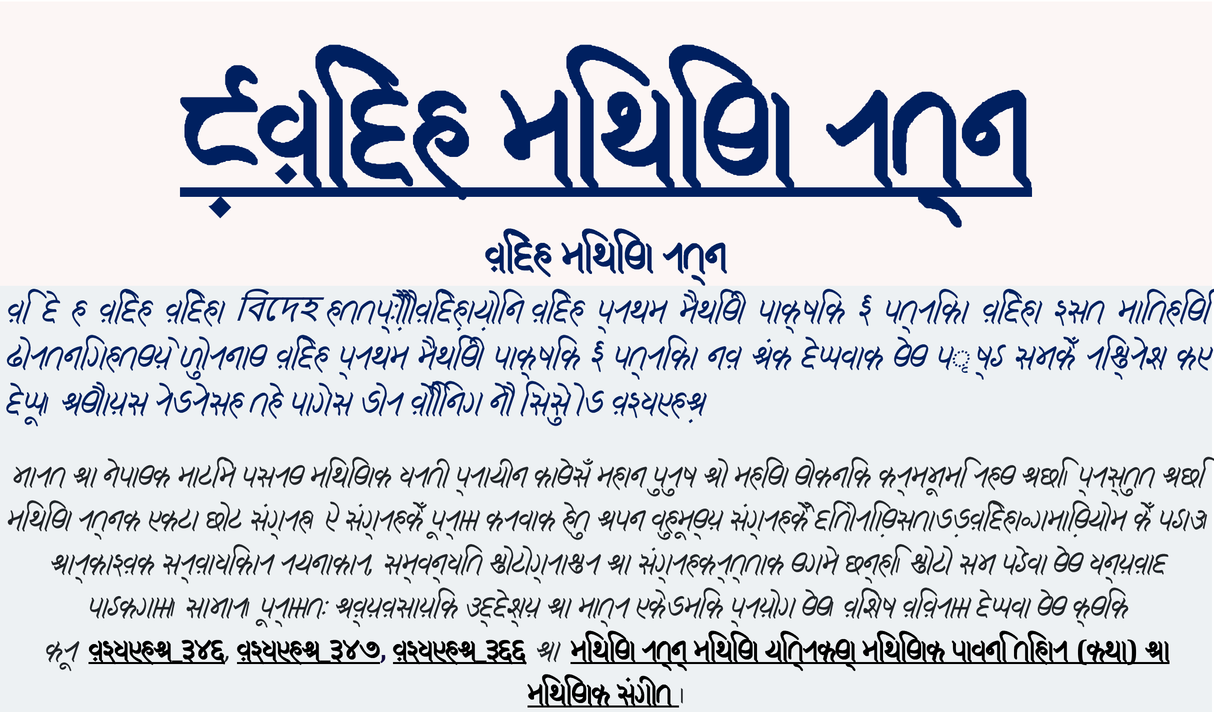
𑒥𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲- 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒹𑒢𑒲𑒣𑒙𑓂𑒙𑒲 𑒟𑒰𑒢𑒰𑒧𑒹 𑒏𑒧𑒞𑒾𑒪 𑒩𑒹𑒪𑒫𑒹 𑒮𑓂𑒙𑒹𑒬𑒢𑒮𑒿 𑓖 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒴𑒥 𑒂 𑒏𑒣𑒱𑒪𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑒮𑒿 𑓔 𑒏𑒱𑒪𑒼𑒧𑒲𑒙𑒩 𑒣𑒬𑓂𑒔𑒱𑒧 𑒥𑒱𑒮𑓂𑒤𑒲 𑒑𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱। 𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒧𑒯𑒰𑒏𑒫𑒱 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒖𑒢𑓂𑒧-𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒃 𑒑𑒰𑒧 𑒁𑒕𑒱।

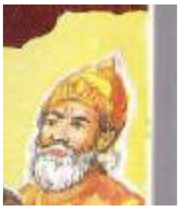
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒲𑒮 𑒙𑒰 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒣𑒲𑒚- 𑓑.𑒑𑒱𑒩𑒱𑒖𑒰𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 (𑒤𑒳𑒪𑒯𑒩, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲), 𑓒.𑒠𑒳𑒩𑓂𑒑𑒰𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 (𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒚, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲), 𑓓.𑒩𑒰𑒖𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲 (𑒠𑒹𑒫𑒣𑒳𑒩, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲), 𑓔.𑒦𑒳𑒫𑒢𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 (𑒦𑒑𑒫𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲), 𑓕. 𑒦𑒠𑓂𑒩𑒏𑒰𑒪𑒱𑒏𑒰 (𑒏𑒼𑒃𑒪𑒐, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲), 𑓖.𑒔𑒰𑒧𑒳𑒝𑓂𑒛𑒰 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 (𑒣𑒔𑒰𑒯𑒲,

मधुवनी), ७सोनामाइ (जनकपुर, नेपाल), ८योगनिद्रा (जनकपुर, नेपाल), ९कालिका स्थान (जनकपुर स्थान), १०राजेश्वरी देवी (जनकपुर, नेपाल), ११छिन्नमस्ता देवी (उजान, मधुवनी), १२वनदुर्गा (खररख, मधुवनी), १३सिद्धेश्वरी देवी (सरिसव, मधुवनी), १४देवी-स्थान (अंधरा ठाढ़ी, मधुवनी), १५कंकाली देवी (भारत नेपाल सीमा आ रामबाग प्लेस, दरभंगा), १६उग्रतारा (महिषी, सहरसा), १७कात्यायनी देवी (बदलाघाट, सहरसा), १८पुरन देवी(पूर्णियाँ), १९काली स्थान (दरभंगा), २०जैमंगलास्थान(मुंगेर), ५२ जनकपुर परिक्रमाक १५ स्थल आ ओकर मुख्य देवता १ हनुमाननगर- हनुमानजी, २कल्याणेश्वर- शिवलिंग, ३गिरिजा-स्थान- शक्ति, ४मटिहानी- विष्णु मन्दिर, ५जलेश्वर- शिवलिंग, ६मनाई- माण्डव ऋषि, ७ ध्रुव कुण्ड- ध्रुव मन्दिर, ८कंचन वन- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, ९पर्वत- पाँच टा पर्वत, १०धनुषा- शिव धनुषक टुकड़ी, ११सतोखड़ी- सप्तर्षिक सात टा कुण्ड, १२हनुषाहा- विमलागंगा, १३ करुणा- कोनो मन्दिर नै मात्र मनोरम दृश्य, १४ बिसौल- विश्वामित्र मन्दिर आ १५जनकपुर।

दरभंगा कैथोलिक चर्च- १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९७ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भऽ गेल। एकरा होली रोजेरी चर्च सेहो कहल जाइए। सेंट फ्रांसिस ऑसिसी चर्च मुजफ्फरपुरमे अछि।

भिखा सलामी मजार- गंगासागर पोखरि दरभंगाक महाराजक ई मजार अछि। मकदूम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगाक बीच स्थित ई मजार हिन्दू आ मुस्लिम मतावलम्बीक एकटा पावन स्थान अछि। दरभंगा टावर मस्जिद इस्लाम मतावलम्बीक एकटा भव्य मस्जिद आ धार्मिक स्थल अछि।





## 𑒫𑒻𑒠𑒱𑒏 𑒖𑒢𑒏

'𑒫𑒻𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒖𑒰' 𑒇𑒑𑓂𑒫𑒹𑒠𑒱𑒏 𑒏𑒰𑒪𑒏 𑒢𑒧𑒲 𑒮𑒣𑓂𑒨𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒕𑒪𑒰𑒯, 𑒨𑒖𑓂𑒘 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒮𑒠𑒹𑒯 𑒮𑓂𑒫𑒩𑓂𑒑 𑒑𑒹𑒪𑒰𑒯, 𑒇𑒑𑓂𑒫𑒹𑒠𑒧𑒹 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢 𑒁𑒕𑒱 𑒂 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒮𑓀𑒑 𑒠𑒹𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒁𑒮𑒳𑒩 𑒢𑒧𑒳𑒔𑒲𑒏 𑒫𑒱𑒩𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒂 𑒞𑒰𑒯𑒱𑒧𑒹 𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒥𑒔𑒍𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।𑒬𑒞𑒣𑒟 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒒𑒧𑒰𑒟𑒫 𑒂 𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝𑒏 𑒢𑒧𑒱 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒣𑒳𑒩𑒼𑒯𑒱𑒞 𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒋𑒏𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒞𑒋𑒿 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒖𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒧𑒰𑒟𑒫𑒏 𑒣𑒳𑒩𑒯𑒱𑒞 𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒧𑒱𑒞𑓂𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠 𑒨𑒖𑓂𑒘𑒏 𑒥𑒪𑒱 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒏𑒩𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒂 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒋𑒏𑒩 𑒣𑒳𑒢𑓁𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒦𑒹𑒪 𑒧𑒯𑒰𑒖𑒢𑒏-२ 𑒏 𑒮𑒧𑒨𑒧𑒹 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰। 𑒢𑒧𑒱 𑒑𑒾𑒞𑒧𑒏 𑒂𑒬𑓂𑒩𑒧𑒏 𑒪𑒑 **𑒖𑒨𑒢𑓂𑒞** 𑒂 𑒧𑒱𑒟𑒱 -𑒖𑒢𑒱𑒏𑒰 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪 𑒢𑒰𑒧𑒮𑒿 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒮𑒼𑒩 𑒏𑒩𑒪 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱, **𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰** 𑒢𑒑𑒩𑒏 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒧𑒰𑒝 𑒏𑒩𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒢𑒱𑒧𑒲𑒏 𑒖𑒨𑒢𑓂𑒞𑒣𑒳𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒧𑒹 𑒕𑒪, 𑒧𑒱𑒟𑒲𑒏 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒢𑒑𑒩𑒲𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 𑒋𑒐𑒢 𑒡𑒩𑒱



## 𑒫𑒰𑒪𑓂𑒧𑒲𑒏𑒱



## 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒩𑒰𑒧

𑒢𑒱𑒩𑓂𑒡𑒰𑒩𑒱𑒞 𑒢𑒯𑒱 𑒦𑒋 𑒮𑒏𑒪 𑒁𑒕𑒱, 𑒁𑒢𑒳𑒧𑒰𑒢𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩𑒏 𑒪𑒑। �𑒮𑒲𑒩𑒡𑓂𑒫𑒖 𑒖𑒢𑒏� 𑒮𑒲𑒞𑒰𑒏 𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒋𑒯𑒱𑒮𑒿 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒩𑒰𑒖𑒰𑒏 𑒮𑒳𑒠𑒵𑒜𑓃 𑒣𑒩𑒧𑓂𑒣𑒩𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒥𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। �𑒏𑒵𑒞𑒱 𑒖𑒢𑒏� 𑒮𑒲𑒩𑒡𑓂𑒫𑒖𑒏 𑒥𑒰𑒠𑒏 𑓑𑓘𑒧 𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒵𑒞𑒱 𑒯𑒱𑒩𑒝𑓂𑒨𑒢𑒰𑒦𑒏 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩 𑒕𑒪𑒰𑒯 𑒂 𑒖𑒢𑒏 𑒥𑒯𑒳𑒪𑒰𑒬𑓂𑒫𑒏 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒯𑒱𑒩𑒝𑓂𑒨𑒰𑒦𑒏 𑒬𑒱𑒭𑓂𑒨 𑒕𑒪𑒰𑒯, 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰𑒮𑒿 𑒨𑒼𑒑𑒏 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒏𑒩𑒰𑒪 𑒖𑒢𑒏 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝 𑒨𑒳𑒫𑒞𑒲𑒏 𑒬𑒲𑒪-𑒁𑒣𑒯𑒩𑒝𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒨𑒰𑒮 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒖𑒢𑒏 𑒩𑒰𑒖𑒫𑓀𑒬 𑒮𑒧𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒦𑒋 𑒑𑒹𑒪 (𑒮𑓀𑒠𑒩𑓂𑒦 𑒁𑒬𑓂𑒫𑒒𑒼𑒭-𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒔𑒩𑒱𑒞 𑒂 𑒏𑒾𑒙𑒱𑒪𑓂𑒨-𑒁𑒩𑓂𑒟𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩)।



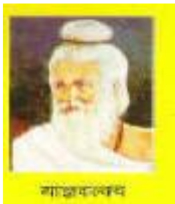
## 𑒪𑒫 𑒏𑒳𑒬



## 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒒 𑒧𑒰𑒟𑒫

𑒬𑒞𑒣𑒟 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒒 𑒧𑒰𑒟𑒫𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒂𑒑𑒧𑒢, 𑒂𑒑𑒰𑒏𑒱 𑒮𑒠𑒰𑒢𑒲𑒩𑒰𑒮𑒿 𑒂𑒑𑒰𑒿 𑒢𑒯𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒥𑒰𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒔𑒰।

𑒬𑒞𑒣𑒟 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒒𑒧𑒰𑒟𑒫 𑒂 𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝𑒏 𑒢𑒱𑒧𑒱 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒑𑒼𑒙𑒹𑒏 𑒣𑒳𑒩𑒼𑒯𑒱𑒞

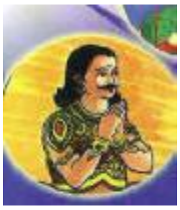


## 𑒫𑒰𑒖𑒮𑒢𑒹𑒨𑒲 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨

𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒠𑒰𑒩𑓂𑒬𑒢𑒱𑒏 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒏𑒵𑒞𑒱 𑒖𑒢𑒏𑒏 𑒠𑒩𑒥𑒰𑒩𑒧𑒹 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒧𑒰𑒞𑒰𑒏 𑒫𑒰 𑒣𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒮𑒧𑓂𑒦𑒫𑒞𑓁 𑒫𑒰𑒖𑒮𑒢𑒲 𑒕𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒂 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒣𑒱𑒞𑒰 𑒠𑒹𑒫𑒩𑒰𑒞𑒏𑒹𑒿 𑒧𑒰𑒢𑒪

𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒕𑒟𑒱 𑒮𑒹 𑒠𑒳𑒢𑒴 𑒋𑒏𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒂
𑒋𑒞𑒋𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒩𑒰𑒖𑓂𑒨𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦।

𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨
𑓑 𑒬𑒳𑒏𑓂𑒪 𑒨𑒖𑒳𑒩𑓂𑒫𑒹𑒠, 𑓒 𑒬𑒞𑒣𑒟
𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝, 𑓓𑒥𑒵𑒯𑒠𑒰𑒩𑒝𑓂𑒨𑒏
𑒅𑒣𑒢𑒱𑒭𑒠 𑒂 𑓔𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨
𑒮𑓂𑒧𑒵𑒞𑒱𑒏 𑒠𑒵𑒭𑓂𑒙𑒰𑒍𑒧𑒏 𑒕𑒟𑒱।



𑒁𑓀𑒑𑒩𑒰𑒖 𑒏𑒩𑓂𑒝



𑒫𑒻𑒬𑒹𑒭𑒱𑒏 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢 𑒏𑒝𑒰𑒠

𑒫𑒻𑒬𑒹𑒭𑒱𑒏 𑒠𑒩𑓂𑒬𑒢 𑒏𑒝𑒰𑒠



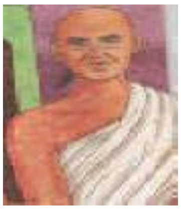
𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩 𑒖𑒻𑒢 𑓕𑓙𑓙-𑓕𑓒𑓗

𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒕𑒯 𑒙𑒰 𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮
𑒏𑒋𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱



𑒑𑒾𑒞𑒧 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡 𑒄𑒣𑒴 𑓕𑓖𑓓-𑓔𑓘𑓓

𑒍𑒢𑒰 𑒞𑒿 𑒧𑒯𑒰𑒫𑒲𑒩 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯𑒧𑒹 𑒕𑒯 𑒙𑒰
𑒫𑒮𑓂𑒮𑒰𑒫𑒰𑒮 𑒏𑒋𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡
𑒋𑒏𑒼𑒙𑒰 𑒢𑒻 𑒧𑒳𑒠𑒰 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡
𑒡𑒩𑓂𑒧𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒫 𑒣𑒕𑒰𑒞𑒱 𑒥𑒜𑓃𑒪 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡
𑒫𑒻𑒬𑒰𑒪𑒲 𑒢𑒑𑒩𑒲𑒧𑒹 𑒂𑒧𑓂𑒩𑒣𑒰𑒪𑒲𑒏
𑒅𑒠𑓂𑒨𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒪𑒱𑒔𑓂𑒕𑒫𑒲𑒑𑒝𑒏𑒹𑒿 𑒮𑒢𑓂𑒠𑒹𑒬 𑒠𑒹𑒢𑒹
𑒕𑒪𑒰𑒯।



𑒔𑒰𑒝𑒏𑓂𑒨 𑒄𑒣𑒴 𑓓𑓕𑓐-𑓒𑓘𑓓

𑒔𑒩𑓂𑒧 𑒂 𑒫𑒝𑒱𑒏 𑒏𑓂𑒭𑒹𑒞𑓂𑒩𑒧𑒹 𑒏𑒾𑒙𑒱𑒪𑓂𑒨𑒏
𑒁𑒩𑓂𑒟𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒂 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒮𑓂𑒧𑒵𑒞𑒱
𑒥𑒛𑓂𑒛 𑒮𑒧𑒰𑒢𑒞𑒰 𑒁𑒕𑒱 𑒖𑒹 𑒔𑒰𑒝𑒏𑓂𑒨𑒏
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒫𑒰𑒮𑒲 𑒯𑒼𑒨𑒥𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒧𑒰𑒝 𑒁𑒕𑒱।

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒧𑒹(𑓑𑓖 𑒫𑒝𑒱𑒨𑒰𑒨𑒱𑒏𑒰𑒩𑒱𑒏
𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧𑒰𑒡𑒱𑒏𑒩𑒝𑒹 𑒭𑒼𑒛𑒼𑓂𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨𑓁 𑒮𑓂𑒫𑒠𑒹𑒬𑒱𑒖𑒹



𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒑𑒳𑒣𑓂𑒞 𑒧𑒾𑒩𑓂𑒨 𑒔𑒰𑒝𑒏𑓂𑒨𑒏 𑒬𑒱𑒭𑓂𑒨 𑒄𑒣𑒴 𑓓𑓔𑓐-𑓒𑓙𑓓

𑒔𑒰𑒝𑒏𑓂𑒨𑒏 𑒬𑒱𑒭𑓂𑒨

અનષિઙ્વન્ગત્યાગઃ) કનાઉ ળનકક પાનક

સેહો યન્યા અછિ

ાદ્વણિદ્યન્ગતાપિત્વઝયેન્દ્નયિશ્યાતુનનતોઽપિ

નાળા સદ્યો વનિશ્યતિ- યથા દાણ્ડક્યો નામ

મોળઃ કામાદ્ વ્નાહ્મણ કન્યાયમનામિન્યમાનઃ

સવન્યનાષ્ટ્નો વનિનાશ કનાઉશ્ચ વૈદેહઃ।



## આન્યભટ્ટ વૈળ્ઞાનકિ ૪૭૬-૫૫૦

પઞ્ળીમે આન્યભટ્ટક વવિનણ- (૨૭)

(૩૪૦૮) મહપિતપિઃ મંગનૌની મામ્ઉન સૈ

પીતામ્વ ન સુત દામૂ દૌ મામ્ઉન સૈ વીળી

ત્નવિયનભટ્ટઃ પ સુતો ***આન્યભટ્ટઃ*** પ સુતો

ઉદયભટ્ટઃ પ સુતો વળિયભટ્ટ પ સુતો

સુણેયભભટ (સુભયનભટ્ટ) પ સુતો ભટ્ટ પ સુતો

યન્મળઠીમશ્નિ પ સુતો યાનાળઠી મશ્નિ પ

સુતોવ્નહ્મળની મશ્નિ પ સુતો ત્નપિુનળઠી

મશ્નિ પ સુત વઘિુળઠી મશ્નિ પ સુતો

અળયસહિઃ પ સુતો વળિયસહિઃ પ સુતો પ સુતો

આદવિનાહઃ પ સુતો મહેવનાહઃ પ સુતો દુન્યોધન

સહિઃ પ સુતો સોઢન ળયસહિનકાયાન્યાસ્ત્નસ



## સદ્વિ સનહપાદ ૭૦૦-૭૮૦

**સનહપાદ-�સદ્વિપતિ્થુ મહ પઢમે પઢશિઉ ,મામ્ઉ પવિન્તૌ વસિનઉ એમહઉ�**મથિલિામે અક્ષનામણ

સદ્વિપસ્તુિ ળકન પૂન્વમે

સદ્વિપસ્તુિ, ગણેશળીક અંકુશ

આંળી, ઉપ્યિઉ ળાઇત અછિ મથિલિામે

ઈ યાનામા ળે માંડ પવિસૈં સ્મનાણ

શક્તિ કૃષીણ હોઇત અછિ; ઈ

સનહપાદક મથિલિાવાસી હોઇવાક

પ્નમાણ અછિ



## આદિ શંકનાયાન્ય ૭૮૮-૮૨૦ મંડન મશ્નિસઁ શાસ્ત્નાન્થ

મહાસ્ત્ન વદ્યિા પાનછાન મહામહોપાધ્યા

ય: નનસહિ॥



## મ્મગોનૂ હ્રા ૧૦૫૦-૧૧૫૦

કનમહે સોનકનયિામ ગોનૂ હ્રાક

વ્નામ્ન પન્ઝીમે

અછ્રિ- મહામહોપાધ્યાય ધૂન્નનાળ

ગોનૂ પન્ઝીક અનુસાન પીઢીક

ગામ્નાક ક્પ્ઞાસઁ ગોનૂક

ળન્મ ( ગોનૂક સોનકનયિામ

કનમહે-વન્સમે ૨૪મ પીઢી ધ્રિ નહ્ર

અછ્રિ) *શાન્ડમટ્ટક*

*વાદ ( શાન્ડમટ્ટક માણ્ડન-*

*કાશ્યપમે ૩૮ મ પીઢી ધ્રિ નહ્ર*

*અછ્રિ) શ્રા વદ્યિાપતકિ*

*પહનિ (વદ્યિાપતકિ વષિણ્ઠાન*

*વસિષ્ઠી-કાશ્યપમે ૧૪મ પીઢી ધ્રિ*

*નહ્ર અછ્રિ)* ઉાભગ ૧૦૫૦ ઈમે સદ્ધિ

હોઇત અછ્રિ કાનામ ઘ્રિ તનહેઁ ધ્ક

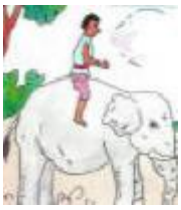
પીઢીકેઁ ૪૦ સઁ ગુણ્ણ કેલા સઁ

શાન્ડમટ્ટક ળન્મ ઉાભગ ૪૭૬ ઈ

શ્રા વદ્યિાપતકિ ળન્મ ઉાભગ ૧૩૫૦

ઈ શ્રવૈત અછ્રિ જે ઇતહિસસમ્મત

અછ્રિ



## ક્ૃષ્ણાનામ શ્રા હાથી સુવરન

મથિલિાક ધાદવ (ગુશ્રાન) ળાતકિ લોકદેવતા

ક્ૃષ્ણાનામ શ્રપન હાથી સુવરનપન સવાન



## ્રંશીધન વ્નાહ્મણ



### छेछन महराज

मिथिलाक डोम जातिक लोकदेवता



### दीना- भदरी

मिथिलाक मुसहर जातिक लोकदेवता



### ज्योति पँजियार



### राजा सलहेस

मिथिलाक दूयवंशी (दुसाध) जातिक लोकदेवता



### दुलरा दयाल

गोनू झाक गाम भरौड़ाक राजकुमार,

"बहुरा गोढिनि नटुआ दयाल"

लोककथाक महान कथानायक।

भरौड़ामे एखनो हिनकर गहवर छन्हि।

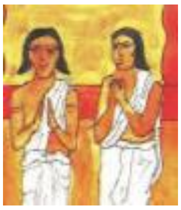


### कालिदास



### वीर्य कायस्थ

विद्यापतिक पुरुष-परीक्षामे मृत्युकालमे गंगा नदीक आयब आ वीर्य-कायस्थकेँ अपनामे समेटबाक प्रसिद्ध वृत्तान्त अछि जे बादमे



### राधाकृष्ण आ कर्ताराम मल्लिक

मिथिलाक अमता घरानाक प्रारम्भिक गवैया



### महाराज नान्यदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक १०९७ ई. मे स्थापना। ११४७ ई. मे मृत्यु।

𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏𑒹𑒿 𑒍𑓄 𑒏𑓄 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒣𑓂𑒩𑒬𑓂𑒩𑒨𑒪𑒞𑒱 𑒠𑒹𑒪।



## 𑒧𑒪𑓂𑒪𑒠𑒹𑒫

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒙 𑒫𑓀𑒬𑒏 𑒮𑓀𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒏 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒨𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩। 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒑𑓀𑒡𑒫𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒩𑒰𑒖𑒣𑒴𑒞 𑒧𑒪𑓂𑒪𑒠𑒹𑒫𑒏𑒹𑒿 𑒁𑒣𑒢 𑒥𑒲𑒖𑒲𑒣𑒳𑒩𑒳𑒭 𑒧𑒰𑒢𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱।



## 𑒧𑒯𑒰𑒩𑒰𑒖 𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱𑓀𑒯𑒠𑒹𑒫

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒙 𑒫𑓀𑒬𑒏। 𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒚𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒝-𑒩𑒞𑓂𑒢𑒰𑒏𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱𑓀𑒯𑒠𑒹𑒫 𑒢𑒰𑒨𑒏 𑒂𑒏𑒱 𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒕𑒪𑒰𑒯। 𑓑𑓒𑓙𑓔 𑒃. 𑒧𑒹 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑒂 𑓑𑓓𑓐𑓗 𑒃. 𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒖𑒮𑒱𑓀𑒯𑒰𑒮𑒢। 𑒒𑒱𑒨𑒰𑒮𑒳𑒠𑓂𑒠𑒲𑒢 𑒞𑒳𑒑𑒪𑒏𑒮𑒿 𑓑𑓓𑓒𑓔-𑓒𑓕 𑒃. 𑒧𑒹 𑒯𑒰𑒩𑒱 𑒥𑒰𑒠 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪 𑒣𑒛𑓃𑒨𑒪𑒰। 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲-𑒣𑓂𑒩𑒥𑒢𑓂𑒡𑒏 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝, 𑒏𑒰𑒨𑒮𑓂𑒟 𑒂 𑒏𑓂𑒭𑒞𑓂𑒩𑒱𑒨 𑒧𑒡𑓂𑒨 𑒂𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒱𑒏 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒏, 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒑𑒳𑒝𑒰𑒏𑒩 𑒗𑒰, 𑒏𑒩𑓂𑒝 𑒏𑒰𑒨𑒮𑓂𑒟𑒏 𑒪𑒪 𑒬𑓀𑒏𑒩𑒠𑒞𑓂𑒞, 𑒂 𑒏𑓂𑒭𑒞𑓂𑒩𑒱𑒨𑒏 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒫𑒱𑒖𑒨𑒠𑒞𑓂𑒞 𑒋𑒯𑒱 𑒯𑒹𑒞𑒳 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧𑒞𑒨𑒰 𑒢𑒱𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 𑒦𑒹𑒪𑒰𑒯। 𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱𑓀𑒯𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒩𑒝𑒰𑒮𑒿- 𑒂 𑒃 𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱𑓀𑒯𑒠𑒹𑒫 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒨𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒫𑓀𑒬𑒖 𑒕𑒪𑒰𑒯, 𑒖𑒹 𑒢𑒰𑒢𑓂𑒨𑒠𑒹𑒫 𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒙 𑒫𑓀𑒬𑒏 𑓑𑓐𑓐𑓙 𑒬𑒰𑒏𑒹𑒧𑒹 𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢𑒰 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒟𑒱- 𑒢𑒢𑓂𑒠𑒻𑒠 𑒬𑒳𑒢𑓂𑒨𑓀 𑒬𑒬𑒲 𑒬𑒰𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒭𑒹 (𑓑𑓐𑓑𑓙 𑒬𑒰𑒏𑒹) 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒣𑒰𑒝𑓂𑒛𑒱𑒞 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒬𑒰𑒏𑒹 𑓑𑓒𑓔𑓘 𑒞𑒠𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 𑓑𑓓𑓒𑓖 𑒃. 𑒧𑒹 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲-𑒣𑓂𑒩𑒥𑒢𑓂𑒡𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢



## 𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒲 𑒑𑒝𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒙 𑒫𑓀𑒬𑒏 𑒢𑒩𑒹𑒬 𑒯𑒩𑒱𑒮𑒱𑓀𑒯𑒠𑒹𑒫𑒏 𑒧𑓀𑒞𑓂𑒩𑒲। *𑒮𑒳𑒑𑒞𑒱𑒮𑒼𑒣𑒰𑒢𑒧𑒹* 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒮𑒰𑓀𑒫𑒻𑒡𑒰𑒢𑒱𑒏 𑒃𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒏 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢।

𑒮𑓂𑒫𑒩𑒴𑒣𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦𑒏 𑒢𑒱𑒩𑓂𑒧𑒰𑒝
𑒏𑒋𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱। 𑒣𑒳𑒢𑓁 𑒫𑒩𑓂𑒞𑒧𑒰𑒢 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒴𑒣𑒧𑒹
𑒟𑒼𑒛𑓃 𑒥𑒳𑒠𑓂𑒡𑒱 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒹𑒬
𑒧𑒯𑒰𑒩𑒰𑒖 𑒧𑒰𑒡𑒫 𑒮𑒱𑓀𑒯𑒮𑒿 𑓑𑓗𑓖𑓐 𑒄 𑒧𑒹
𑒂𑒠𑒹𑒬 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒋 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲𑒏𑒰𑒩𑒮𑒿 𑒬𑒰𑒐𑒰
𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒏𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒝𑒨𑒢 𑒏𑒩𑒥𑒁𑒼𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱।
𑒍𑒏𑒩 𑒥𑒰𑒠 𑒣𑒰𑒿𑒖𑒱𑒧𑒹 (𑒏𑒧𑓂𑒣𑒢𑒲 𑒏𑒰𑒪
𑒫𑒩𑓂𑒝𑒰𑒞𑒱 𑓑𑓖𑓐𑓐 𑒬𑒰𑒏𑒹 𑒧𑒰𑒢𑒹 𑓑𑓖𑓗𑓘 𑒄
𑒫𑒰𑒮𑓂𑒞𑒫𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒡𑒫 𑒮𑒱𑓀𑒯𑒏 𑒥𑒰𑒠𑒧𑒹 𑓑𑓘𑓐𑓐
𑒄𑒏 𑒂𑒮𑒣𑒰𑒮) *𑒬𑓂𑒩𑒼𑒞𑓂𑒩𑒱𑒨* 𑒢𑒰𑒧𑒏
𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒢𑒫 𑒥𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝 𑒅𑒣𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒧𑒹 𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 𑒦𑒹𑒪।



𑒧𑒲𑒩𑒰𑓀 𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒳𑒮𑒪𑒧𑒰𑒢 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒏 𑒥𑒲𑒔
𑒣𑓂𑒩𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒪𑒼𑒏𑒑𑒰𑒟𑒰𑒏 𑒢𑒰𑒨𑒏।



𑒁𑒧𑒩 𑒥𑒰𑒥𑒰

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒪𑒰𑒯 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰।



𑒖𑒲𑒫𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒰

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒡𑒼𑒥𑒲 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰।



𑒪𑒪𑒥𑒢 𑒥𑒰𑒥𑒰

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒔𑒩𑓂𑒧𑒏𑒰𑒩 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏
𑒪𑒼𑒏𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰।



𑒥𑓀𑒚𑒰 𑒔𑒧𑒰𑒩



𑒏𑒰𑒩𑒱𑒐 𑒣𑒖𑒱𑒨𑒰𑒩



लोरिक



राय रणपाल



अयाची मिश्र

पन्द्रहम शताब्दीक भवनाथ मिश्र जे पैघ नैय्यायिक छलाह आ कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि करैत छलाह, ताहि हेतु सभ हुनका अयाची मिश्र कहए लगलन्हि।



शंकर मिश्र

"बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती। अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥" क वक्ता। पन्द्रहम शताब्दीमे भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसब ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म भेल।शंकर मिश्र महाराज भैरव सिंहक कनिष्ठ पुत्र राजा पुरुषोत्तमदेवक आश्रित छलाह। एकर वर्णन रसार्णव ग्रंथमे भेटैत अछि। शंकर मिश्र कवि, नाटककार, धर्मशास्त्री आ न्याय-वैशेषिकक व्याख्याकार



पक्षधर मिश्र

विद्यापतिक समकालीन जयदेव मिश्र, जे अपन अकाट्य तर्कक कारण पक्षधर मिश्रक नामसँ जानल गेलाह।



मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)

*मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (विद्यापतिक चित्र: विदेह चित्रकला सम्मानसँ पुरस्कृत पनकलाल मण्डल द्वारा)*

*कवीश्वर ज्योतिरीश्वर (लगभग १२७५-१३५०) सँ पूर्व (कारण ज्योतिरीश्वरक ग्रन्थमे हिनक चर्च अछि), मैथिलीक आदि कवि संस्कृत आ अवहट्ठक विद्यापति ठक्कुरःसँ भिन्न सम्भवतः बिस्फी गामक वास्तव*

𑒩𑒯𑒟𑒱।𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑒑𑓂𑒩𑓀𑒟𑒰𑒫𑒪𑒲- 𑓑𑒑𑒾𑒩𑒲
𑒠𑒱𑒑𑒧𑓂𑒥𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒯𑒮𑒢 𑓒𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝 𑒫𑒱𑒢𑒼𑒠
𑒢𑒰𑒙𑒏 𑓓𑒧𑒢𑒼𑒦𑒫𑒣𑒩𑒰𑒦𑒫
𑒢𑒰𑒙𑒏𑓔𑒩𑒮𑒰𑒩𑓂𑒝𑒫𑒣𑒠𑓂𑒡𑒞𑒱-
𑒚𑒲𑒏𑒰𑓕𑒠𑓂𑒫𑒰𑒠𑒬𑒫𑒱𑒢𑒼𑒠𑓖𑒫𑒻𑒬𑒹𑒭𑒱𑒏 𑒮𑒴𑒞𑓂𑒩
𑒣𑒩 𑒅𑒣𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩𑓗𑒏𑒳𑒮𑒳𑒧𑒰𑓀𑒖𑒪𑒱 𑒣𑒩
𑒂𑒧𑒼𑒠𑓘𑒐𑒝𑓂𑒛𑓙𑒢𑒐𑒝𑓂𑒛-𑒐𑒰𑒠𑓂𑒨 𑒚𑒲𑒏𑒰
𑓑𑓐𑒕𑒢𑓂𑒠𑒼𑒑𑒰𑒯𑓂𑒢𑒱𑒏𑒼𑒠𑓂𑒡𑒰𑒩 𑓑𑓑𑒬𑓂𑒩𑒰𑒠𑓂𑒡
𑒣𑓂𑒩𑒠𑒲𑒣 𑓑𑓒𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨𑒬𑓂𑒔𑒱𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒠𑒲𑒣।

*𑒏𑒰𑒮𑓂𑒙𑒏 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒧𑒯𑒹𑒬 𑒚𑒏𑒳𑒩𑒏 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩*
*𑒮𑒧𑒰𑒢𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒣𑒩𑒧𑓂𑒣𑒩𑒰𑒏 𑒫𑒱𑒠𑒰𑒣𑒞𑒱*
*𑒢𑒰𑒨𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱 𑒣𑒠𑒰𑒫𑒪𑒲𑒏*
*(𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩𑒮𑒿 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒮𑒿)*
*𑒢𑒵𑒞𑓂𑒨-𑒁𑒦𑒱𑒢𑒨 𑒯𑒼𑒃𑒞*
𑒁𑒕𑒱।𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫
𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑓁- 𑒏𑒬𑓂𑒧𑒲𑒩𑒏 𑒁𑒦𑒱𑒢𑒫
𑒑𑒳𑒣𑓂𑒞 (𑒠𑒬𑒧 𑒬𑒞𑒰𑒥𑓂𑒠𑒲𑒏 𑒁𑒢𑓂𑒞 𑒂
𑒋𑒑𑒰𑒩𑒯𑒧 𑒬𑒞𑒰𑒥𑓂𑒠𑒲𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦)-
𑒑𑓂𑒩𑒢𑓂𑒟 �𑒄𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒞𑓂𑒨𑒦𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰-
𑒫𑒱𑒧𑒩𑓂𑒭𑒱𑒝𑒲� 𑒧𑒹 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏
𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐 𑒏𑒩𑒻 𑒕𑒟𑒱। 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒡𑒩 𑒠𑒰𑒮𑒏
𑒮𑒠𑒳𑒏𑓂𑒞𑒱𑒏𑒩𑓂𑒝𑒰𑒧𑒵𑒞, (𑒩𑒔𑒢𑒰 𑓑𑓑
𑒤𑒩𑒥𑒩𑒲 𑓑𑓒𑓐𑓖, 𑒧𑒡𑓂𑒨𑒏𑒰𑒪𑒲𑒢
𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰, 𑒫𑒏𑒳 𑒚𑒏𑒳𑒩)- 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒡𑒩
𑒠𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒣𑒰𑒿𑒔 𑒙𑒰 𑒣𑒠
𑒅𑒠𑓂𑒡𑒵𑒞 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒖𑒹
𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒣𑒞𑒱𑒏 𑒣𑒠𑒰𑒫𑒪𑒲𑒏 𑒦𑒰𑒭𑒰 𑒕𑒲।

�𑒖𑒰𑒫 𑒢 𑒧𑒰𑒪𑒞𑒲 𑒏𑒩 𑒣𑒩𑒑𑒰𑒮

𑒞𑒰𑒫 𑒢 𑒞𑒰𑒯𑒱 𑒧𑒡𑒳𑒏𑒩 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮� 𑒂

�𑒧𑒳𑒢𑓂𑒠𑒪 𑒧𑒳𑒏𑒳𑒪 𑒏𑒞𑒨
𑒧𑒏𑒩𑒢𑓂𑒠�

𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩 (𑓑𑓒𑓗𑓕-
𑓑𑓓𑓕𑓐) **𑒭𑒭𑓂𑒚𑓁 𑒏𑒪𑓂𑒪𑒼𑒪**- ॥𑒁𑒟
𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒫𑒢𑓂𑒞 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢𑒰॥ **𑒁𑒭𑓂𑒙𑒧𑓁**
**𑒏𑒪𑓂𑒪𑒼𑒪𑓁**- ॥𑒁𑒟 𑒦𑒰𑒝𑓂𑒛 𑒫𑒩𑓂𑒝𑒢𑒰॥ 𑒧𑒹
𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐।



## महाराज शिव सिंह

मिथिला नरेश विद्यापतिक आश्रयदाता ओइनवार वंशक महाराज शिव सिंह।



## उगना महादेव

महादेव विद्यापतिक अहर्निश गीत सुनबा लेल उगना नोकर बनि रहैत छलाह।

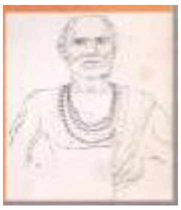


## महाकवि विद्यापति ठाकुर १३५०-१४३५ (मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अवहट्ठमे उपलब्ध)

*महाकवि विद्यापति ठाकुर १३५०-१४३५*

*विद्यापति ठक्कुर: १३५०-१४३५ विषइवार वसिष्ठी-काश्यप (राजा शिवसिंहक दरबारी) आ संस्कृत आ अवहट्ठ उपलब्ध कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय, लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे कालजयी रचना। ई मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व) सँ भिन्न छथि।*

*(चित्रक आधार मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कोलकाता द्वारा कोनो कलाकारसँ बनबाओल, कलाकारक नाम ६०-७० सालसँ*

| | | |
|---|---|---|
| | | શ્ળ્ગાત કાનાઋસઁ ગુપ્ત નાપ્ચઠ<br>ગેઠ શ્ક્ષિ |
| <br>શંકનદેવ ૧૪૪૯-<br>૧૫૬૮<br>પાનિજાતહનણ। | <br>ળગાળ્ળ્યોતિ્નિશ્ઠ ૧૬૧૩-<br>૩૭<br>હનગૌની વિવાહ નાટક, કૃષ્ણ વહિન<br>નાટક। | <br>સુનીતિ કુમાન યટન્<br>ળી મૈથિલિ પ્નેમી ૧૮<br>૯૦-૧૯૭૭ |
| <br>શ્નવિન્દ ઘોષ મૈથિલિ પ્નેમી ૧૮૭૨-<br>૧૯૫૦<br>વિદ્યાપતિ ગીતક શંગ્નેળીમે શ્નુવાદ | <br>ડૉ સન શ્રાસુતોષ મુખ્નળી મૈથિલિ પ્નેમી ૧૮૬૪-<br>૧૯૨૪ | <br>સન ળી ए ગ્નાયિન્સન<br>મૈથિલિ પ્નેમી ૧૮૫૧-<br>૧૯૪૧ |
| <br>કવિ યન્દા હા ૧૮૩૧-<br>૧૯૦૭<br>મૂઠનામ યન્દ્નનાથ<br>હા, ગ્નામ- પમ્નિળાપુછ, દનભંગા।<br>કવીશ્વન, કવિયન્દ્ન નામસઁ | <br>મહાકવિ લાઠદાસ ૧૮૫૬-<br>૧૯૨૧<br>હનિક ળન્મ પ્પડીશ્રા ગ્નામમે ૧૮૫૬ ई<br>મે તથા મૃત્યુ ૧૯૨૧ ई મે ભેઠન્હિ।<br>હનિક શ્નેક નયના ઉપઠવ્ય હોશ | <br>મ મ પનમેશ્વન હા ૧<br>૮૫૬-૧૯૨૪<br>ળન્મ ૧૮૫૬ ई મે તનૌની ગ્નામ<br>(દનભંગા) ળિલામે ભેઠ છઠન્હિ<br>તથા નિધન ૧૯૨૪ ई મે। |

વ્રિજ્ઞિષતિ। ગ્નવિપ્નસનકેં મૈથિલીક પ્નસંગમે મુખ્ય સહાયતા કેનહિ।

ક્ૃતિ- મથિલિ ભાષા ત્રામાયણ, ગીતિ-સુધા, મહેશવાણી સંગ્નહ, ચન્દ્ર પદાવલી, લક્ષ્મીશ્વર વિલાસ, અહલ્યાચરિત આ વિદ્યાપતિ નિયતિ સંસ્ક્ૃત પુરુષ-પરીક્ષાક ગદ્ય-પદ્યમય અનુવાદ।

અછિ, યથા�રમેશ્વર ચરિત ત્રામાયણ,� સૂક્તી શક્ષિા,� �સાવિત્રી-સત્યવાન,� �ચમ્પુ ચરિત,� �વૃિદ્દાવલી,� �દુર્ગા સપ્તશતી,� તત્ત્વોક્ત મથિલિ માહાત્મ્ય� આદિ। મૈથિલીક અતિરિક્ત ઈ સંસ્ક્ૃત, હિન્દી તથા અંગ્રેજીક જ્ઞાતા છલાહ। કવિતાક અતિરિક્ત ગદ્યમે સેહો ઈ ત્રચના કએલ। રમેશ્વર ચરિત ત્રામાયણ હિનક સભસઁ વિશિષ્ટ ગ્રન્થ અછિ। ત્રામ-કથાક ઉલ્લેખમે સીતાક મહિમાક મહત્ત્વ દએ મથિલિ તથા મૈથિલીક પ્રતિ ઈ અપન શ્રદ્ધા તથા ભક્તિકેં વ્યક્ત કએલ અછિ।

સંસ્ક્ૃત વ્યાકરણક ઈ દિગ્ગજ વિદ્વાન છલાહ તથા �વૈયાકરણ કેશરી� ક ઉપાધિસઁ વિભૂષિત છલાહ। મૈથિલી સાહિત્યમે અપન ક્ૃતિ�મથિલિાતત્ત્વ વિમિર્શ� તથા �સીમંતિની આખ્યાયિકા�ક કારણે મહત્ત્વપૂર્ણ સ્થાન રાખૈત છથિ। ઈ મહારાજ રમેશ્વર સહિત દરભંગાક રાજ-પંડિત પદપર અનેકો વર્ષ ધરિ સુપ્રતિષ્ઠિત છલાહ।



## અવધ વિહારી પ્રસાદ શાહી १८५८-१९२८



## સર્વતંત્ર સ્વતંત્ર વચ્ચા ઝા १८६०-१९२१

મધુવની જિલાન્તર્ગત ઉજાનો(નવાની) ગામમે હિનકર જન્મ ભેલન્હિ।હિનક ક્ૃતિ સભ અછિ। १ સુલોચન-માધવ ચમ્પૂ કાવ્ય, २ન્યાયસારાન્તનિ તાત્પર્ય વ્યાખ્યાન, ३ગૂઢાર્થ તત્ત્વલોક(શ્રી મદ્ભાગવતગીતા વ્યાખ્યાભૂત મધુસૂદની ટીકા પર) ४વ્યુત્પત્તિપ્રક ટીકા પ્રતવચ્છેદકત્વ નિરુક્તિ વિવેચન ५સવ્યભિચાર ટિપ્પણ ६સત્પ્રતિપક્ષ ટિપ્પણ ७વ્યાપ્તિગ્રહ વિવેચન ८સદ્ધેતુ લક્ષણ વિવેક ९વ્યુત્પત્તિવાદ ગૂઢાર્થ તત્ત્વાલોક ११શક્તિવાદ



## મ મ શશિનાથ ઝા १८६०-१९३०

टिप्पणी १२ख्यात-□ख्यात प्राद्य टिप्पणी १३ अद्वैत साहित्य चन्द्रिका टिप्पणी १४कुकुकास्वाणी प्रकाश टिप्पणी।



## मुंशी रघुनन्दन दास १८६०-१९४५

गाम-सप्पवार, □िला-मधुबनी। "मिथिला नाटक" आ "दूतांगद व्यायोग"क लेखक।



## मधुसूदन ओझा १८६६-१९३९



## म.म. मुरलीधर झा १८६८-१९२९

जन्म- गाम- जराम (जिला मधुबनी), अपन मातृक श्यामसीथपमे वसि गेलाह। काशीसँ १९०६ ई. मे ई "मिथिलामोद" नामक मासिक मैथिली पत्रिकाक प्रकाशन शुरु केलन्हि। हितोपदेश (अनुवाद), मैथिली व्याकरण, "अर्जुन तपस्या" (उपन्यास) प्रकाशित।



## मुकुन्द झा "बख्शी" १८६९-१९३६

जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम (मधुबनी जिला) मे १८६९ ई मे भेल तथा हिनक निधन काशीमे १९३७ ई. मे भेलन्हि। हिनक लिखल संस्कृत



## डॉ. सर गंगानाथ झा १८७१-१९४१

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब-पाही ग्राममे १८७१ ई मे भेल तथा निधन प्रयागमे १९४१ ई मे। ई अपना समयक संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म.म. चित्रधर



## जनार्दन झा जनसीदन १८७२-१९५१

| | | |
|---|---|---|
| મે શ્નેક ગ્રંથ શ્નછિ। મૈથિલિમે હનિક મહત્ત્વપૂર્ણ ક઼ૃતિ શ્નછિ �મિથિલા ભાષામય ઇતિહાસ�। એકર શતિરિક્ત મૈથિલિમે હનિક સ્ફુટ નિબન્ધ સભ સેહો પ્રકાશિત ભેલ। મિથિલાક ઐતિહાસિક વર્ણન સભસઁ પહિને હનિકે પ્રકાશિત ભેલ। એહિ ઇતિહાસમે મિથિલાક સર્વતોમુખી પરિચય પ્રસ્તુત કએલ ગેલ શ્નછિ। | મિશ્ર, મ મ ળયદેવ મિશ્ર તથા મ મ શિવકુમાર શાસ્ત્રીસઁ મીમાંસા એવં દર્શનક અધ્યયન કએલન્હિ તથા દર્શનક વભિન્નિ દુરૂહ ગ્રંથક અઙ્ગ્રેજીમે અનુવાદ કએ પાશ્ચાત્ય સંસારક ધ્યાન આકૃષ્ટ કએલન્હિ। ઈ ગવર્નમેન્ટ સંસ્કૃત કૉલેજ વનારસમે ૧૯૧૭ સઁ ૧૯૨૩ ધરિ પ્રિંસિપલ છલાહ તથા એલાહાબાદ વિશ્વવિદ્યાલયક ૧૯૨૩ સઁ ૧૯૩૨ પર્યન્ત કુલપતિ રહલાહ। મૈથિલિમે હનિક સમ્પાદતિ ચન્દા ઝાક �મહેશવાણી સંગ્રહ� તથા �ગણનાથ-વનિયપત્ર પદાવલી� પ્રકાશિત શ્નછિ। મૈથિલી સાહિત્ય પરિષદ્ દ્વારા પ્રકાશિત હનિક �વેદાન્ત દીપક� (દર્શન) વિષયક અપૂર્વ ગ્રંથ શ્નછિ। એહિસઁ ભિન્ન હનિક નિબંધ સભ સામયિક મૈથિલી પત્ર-પત્રિકામે પ્રકાશિત શ્નછિ। | |
|  રાસવિહારી લાલદાસ ૧૮૭૨-૧૯૪૦ "મિથિલા દર્પણ" ક લેખક। |  રામચન્દ્ર મિશ્ર "ચન્દ્ર" ૧૮૭૩-૧૯૩૭ મૈથિલિ પ્રભા |  મહાવૈયાકરણાચાર્ય પં દીનબન્ધુ ઝા ૧૮૭૮-૧૯૫૫ |
|  |  |  |

## ભવનાથ મશ્રિ ૧૮૭૮-૧૯૩૩

મૈથિલિ શવ્દકોષ "મથિલિ શવ્દ પ્રકાશ"ક લેખક।

## કીર્ત્યાનન્દ સંહિ

## ટંકનાથ ચૌધરી ૧૮૮૪-૧૯૨૮







## ભવપ્રીતાનન્દ ઓઝા ૧૮૮૬-૧૯૭૦

## કપલિશ્વર મશ્રિ ૧૮૮૭-૧૯૮૭

ગ્રામ સલેમપુર, થાના- ઉજયિારપુર, જિલિ સમસ્તીપુર। �સીતાદાર� પુસ્તક ભંડારસઁ પ્રકાશતિ।

## વાલકૃષ્ણ મશ્રિ ૧૮૮૮-૧૯૪૮







## વલદેવ મશ્રિ ૧૮૯૦-૧૯૭૫

હિનિક જન્મ સહરસા જિલિક વનગાઁવ ગ્રામમે ૧૮૯૦ ઈ મે એવં નધિન શ્રાવની, ૧૯૭૫મે ભેલન્હિ। પ્રારમ્ભમે પં ગેનાલાલ ચૌધરીસઁ જ્યૌતિષ પઢિ કે કાશીમે પં સુધાકર દ્વવિદીજીક શષ્યિ ભેલાહ। વહુત વર્ષ ધરિ સિરસ્વતી ભવન (વારાણસી) મે હસ્તલખિતિ વભિાગમે

## આચાર્ય રામલોચન શરણ ૧૮૮૯-૧૯૭૧

સીતામઢીમે જન્મ આ દરભંગામે મૃત્યુ। "મૈથિલિ રામચરતિ માનસ" સહતિ તુલસીદાસક સમસ્ત રચનાક મૈથિલીમે લેખન। મથિલિક્ષરમે મૈથિલીક પ્રકાશનક પ્રારમ્ભ કેનહિાર। પ્રકાશન સંસ્થા "પુસ્તક ભણ્ડાર", લહેરયિાસરાય, પટનાક સંસ્થાપક।

## સીતારામ ઝા ૧૮૯૧-૧૯૭૫

જન્મ ચૌગામા ગ્રામમે ૧૮૯૧ ઈમે તથા નધિન ૧૯૭૫ ઈ મે ભેલન્હિ। સંસ્કૃતમે જ્યોતષિ શાસ્ત્રક અનેક રચનાક અતરિક્તિ મૈથિલીમે હિનિક �અમ્વ ચરતિ� (મહાકાવ્ય), �સૂક્તિ સુધા,� લોક લક્ષણ,� �પદ્યાચરતિ,� �પૂર્વાપર

કાન્ય કએઉ। પશ્ચાત્ પટનાક કાશીપ્નસાદ ળયસવાઉ નસિન્ય સંસ્થાનમે અનેક પ્નાચીન તવ્વિતી હસ્તઉપિકિં દેવનાનીમે ઉપ્યિન્તનાતિ કએઉ। �મથિઉિમોદ� પ્નકાશન એવં મમ મુનઉીયન હાક પ્નોત્સાહનસઁ ળ્યૌતષિીળી ૧૮૧૦ ઈસઁ �મોદ�મે ઉપ્યિએ ઉગઉાહ। હનિક પ્નકાશતિ નચના અછિ��નામાયમ્ર શકિ્ષા�, �યન્દા હા�, �સંસ્કૃતિ�, �ભાનત શકિ્ષા�, �ગપ્પ-સપ્પ વવિક�, �સમાળ� આદિ। પામ્ડતિળી યાવત્ યના પિટના નહઉાહ વનાવના �મહિમિ�મે ઉપ્યિત નહઉાહ।

્યવહાન,� ઉનટા વસાત,� �અઉંકાન દન્પામ્ર�, �ભૂકમ્પ વન્ામ્રન�, �કાવ્ય ષટ-નસ�, �મૈથિઉિ કાવ્યોપવન�, આદિ ્નન્થ ઉપઉવ્ય અછિ। હનિક ીતાક મૈથિઉિ અનુવાદ સેહો ઉપઉવ્ય અછિ। મથિઉિ મોદક સમ્પાદન ૧૮૨૦ ઈસઁ ૧૮૨૭ ઈ યનાિ કએઉ।



## તાનાયનામ્ર હા ૧૮૮૨-૧૮૨૮



## વદ્નીનાથ હા ૧૮૮૩-૧૮૭૩

ળન્મ મયુવની ળઉિાક સનસિવ ગ્નામમે ૧૮૮૩ ઈ મે ભેઉન્હ િતથા ૧૮૧૪ ઈ મે ઈ કાશી ઉાભ કએઉન્હિ। વહુત દનિ યના િઈ મુળસ્ફ્ફનપુનક યન્મ્મ સમાળ સંસ્કૃત કૉઉળમે સાહતિ્યક અધ્યાપક છઉાહ। મૈથિઉિક વપ્યિાત કવ ઉિકના િયથા



## ળીવનાથ નાય ૧૮૮૩-૧૮૬૪

સુમનજી, મધુપજી, મોહનજી આદિ હનિક શષ્યિ છથન્હિ । સંસ્ક઼ૃત સાહત્યિમે હનિક અનેક ૨ચના અછિ । જાહમિ ૨ાયા પ૨ામ્યિ� (મહાકાવ્ય) ક સ્થાન વશિષ્ટિ અછિ । મૈથલીમે હનિક �એકાવલી પ૨ામ્યિ� (મહાકાવ્ય) એક નવીન કીર્તમિાન સ્થાપતિ કએલક। કોનો અલંકા૨ક દૃષ્ટાન્ત નકવાક હેતુ �એકાવલી પ૨ામ્યિ� પર્યાપ્ત અછિ।



## ઉમેશ મશ્નિ ૧૮૮૫-૧૯૬૭

જન્મ મધુવની જલિક ગજહ૨ા ગ્રામમે ૧૮૮૫ ઈ મે ભેલ છલન્હિ। ઈ એકહત્તરિ વર્ષક આયુમે ૧૯૬૭ ઈ મે પ્રયાગમે સ્વર્ગવાસી ભેલાહ। ઈ અપન સ્વનામ-ધન્ય પતિા મ મ જયદેવ મશ્નિ તથા મ મ ડા ગંગાનાથ ઝાક સાન્નધ્યિમે વદ્યિાર્જન કએલ। ૧૯૨૩ સઁ ૧૯૫૮ ધરિ મશ્નિજી એલાહાવાદ વશ્વિવદ્યિાલયમે સંસ્કૃતક પ્રાધ્યાપક છલાહ। દ૨ભંગા �મથિલિ શોધ સંસ્થાન�ક નદિેશક પદપ૨ કછિુ



## વાવૂ ૫ન્ષયાની દાસ ૧૮૮૫-૧૯૬૫

મૈથિલીમે વહિની કવકિ અનુવાદ પ્નકાશતિ।



## અમ૨નાથ ઝા ૧૮૮૭-૧૯૫૫

સ૨સિવ પાહિટોલ ગ્રામમે ૧૮૮૭ ઈ મે ભેલ। હનિક નધિન પટનામે ભ્પ્પન ઈ વહિ૨ લોક સેવા આયોગક અધ્યક્ષ છલાહ, ૧૯૫૫ મે ભેલન્હિ। ઈ એલાહાવાદ વશ્વિવદ્યિાલયક નઔ વર્ષ ધરિ કુલપતિ ૨હિ પશ્ચાત્ હન્દિૂ વશ્વિવદ્યિાલયક સેહો કુલપતકિ પદકેં સુશોભતિ કએલન્હિ। ઈ અંગ૨ેજીક પ્રકાણ્ડ વદ્વિાન્ છલાહ, તાહિ સંગ હન્દિી, ઉર્દૂ, ફા૨સી, સંસ્કૃત, વંગલા એવં મૈથલીક સેહો અદ્ભુત

समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह। म म मुरलीधर झासँ प्रभावित भए �मिथिलामोद�मे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि। मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ अछि��कमला� (शेक्सपीयरक �टेम्पेस्ट�क भावानुवाद), �नलोपाख्यान�, �मैथिली-संस्कृति� तथा अनेक वर्णनात्मक एवं आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।

विद्वान् छलाह। मैथिलीमे हिनका द्वारा सम्पादित �हर्षनाथ काव्य ग्रन्थावली� तथा �गोविन्ददासक श्रृंगारभजन� महत्वपूर्ण अछि। एहिसँ भिन्न हिनक मैथिली साहित्य परिषदक अध्यक्षीय भाषण तथा अन्य लेख प्रकाशित अछि।



## भोलालाल दास १८८७-१९७७

हिनक जन्म दरभंगा जिलाक कसरौर मे भेलन्हि। साहित्य सर्जनाक अतिरिक्त अपन संगठन क्षमता तथा मैथिली साहित्यक सर्वतोमुखी



## कुमार गंगानन्द सिंह १८९८-१९७१

जन्म�वनैली राजपरिवारमे २४-९-१८९८, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णियाँ १७-१-१९७०। भूतपूर्व शिक्षामंत्री, बिहार एवं कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत



## ब्रजमोहन ठाकुर १८९९-१९७७

विकासक हेतु सतत तत्पर रहबाक कारणेँ भोला बाबू मैथिली संसारक एक स्तम्भक रूपमे रहलाह। हिनक निधन १९७७ ई.मे भेल। मैथिलीक प्रचार-प्रसारमे ई अपन जीवन समर्पित कएने छलाह। पाठ्यक्रममे मैथिलीकेँ स्थान हो ताहि हेतु ई बीड़ा उठओलन्हि। विद्यालय स्तरक अनेक पोथीक निर्माण कएल। मैथिली साहित्य परिषदक ई संस्थापक माण्डलक सदस्य छलाह । १९३१ सँ १९४० ई. पर्यन्त ओकर प्रधान मन्त्री रहलाह। हिनक मन्त्रित्वकालमे �भारती� नामक मासिक पत्रक प्रकाशन भेल। एहिसँ पूर्व (१९२९-३१) कुशेश्वर कुमारजीक संग संयुक्त सम्पादनमे �मिथिला� नामक पत्र चलाओल। ई नवीन एवं प्रगतिशील विचारक लोक छलाह। नव लेखककेँ प्रोत्साहित करब, शैलीमे एकरूपता आनब, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक साहित्य भंडारक पूर्ति करब हिनक कर्त्तव्य बनि गेल छल। हिनक लिखल �मैथिली व्याकरण� तथा हिनकहि द्वारा सम्पादित �गद्यकुसुमांजलि बहुत दिन धरि विद्यालयमे पढ़ाओल जाइत रहल। हिनक लिखल अनेक निबन्ध समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-

विश्वविद्यालय। रचना�आगिहि (अपूर्ण उपन्यास) तथा अनेक कथा एवं एकांकी। युगक अनुरूप सामाजिक कुरीति आदिकेँ आधार बनाए सुधारवादी दृष्टिएँ कथा सभहिक रचना।

𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒣𑒞𑓂𑒩-𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰𑒧𑒹 𑒕𑒱𑒛𑓃𑒱𑒂𑒋𑒪 𑒁𑒕𑒱।



𑒦𑒳𑒫𑒢𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒰𑒠 𑓑𑓙𑓐𑓒-

𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒥𑒢𑒾𑒪𑒲 𑒑𑒰𑒧, 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮 𑒩𑒰𑒨𑒮𑒰𑒯𑒹𑒥 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒱 𑒪𑒯𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰𑒮𑒩𑒰𑒨। 𑒮𑒩𑒮𑓂𑒫𑒞𑒲 𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪 𑒪𑒯𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰𑒮𑒩𑒰𑒨𑒧𑒹 𑓑𑓙𑓓𑓐-𑓑𑓙𑓖𑓔 𑒄. 𑒡𑒩𑒱 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒰𑒣𑒢। 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒧𑒹 "𑒥𑒰𑒪 𑒩𑒰𑒧𑒰𑒨𑒝� 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞।



𑒖𑒨𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒗𑒰 '𑒫𑒱𑒢𑒲𑒞' 𑓑𑓙𑓐𑓒-𑓑𑓙𑓘𑓑



𑒢𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒟 𑒠𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑓀𑒏𑒰𑒩 𑓑𑓙𑓐𑓔-𑓑𑓙𑓙𑓓



𑒮𑒳𑒡𑒰𑒏𑒩 𑒗𑒰 "𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲" 𑓑𑓙𑓐𑓔-𑓑𑓙𑓗𑓔



𑒠𑒰𑒧𑒼𑒠𑒩 𑒪𑒰𑒪 𑒠𑒰𑒮 𑒫𑒱𑒬𑒰𑒩𑒠 𑓑𑓙𑓐𑓔-𑓑𑓙𑓘𑓑



𑒫𑒫𑒳𑒂𑒖𑒲 𑒗𑒰 '𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞' 𑓑𑓙𑓐𑓔-𑓑𑓙𑓙𑓖

𑓒𑓐𑓐𑓑- 𑒫𑒫𑒳𑒂𑒖𑒲 𑒗𑒰 �𑒁𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞� (𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰 𑒣𑒰𑒝𑓂𑒛𑒫, 𑒧𑒯𑒰𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨)𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒧𑒲 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩।





𑒩𑒧𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰 𑓑𑓙𑓐𑓖-𑓑𑓙𑓗𑓑



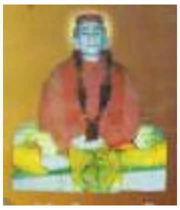
## श्रीवल्लभ झा झाटी १९०५-१९४०

जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धरमपुर) ग्राममे १९०६ ई.मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई.मे भेलन्हि। १९३० ई.मे अंग्रेजीमे एम.ए. करबाक बाद ई कतोक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभङ्गा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्षक रूपमे १९३६ सँ अन्तिम समय धरि रहलाह। १९५२ सँ दर चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्रो झा अंग्रेजीक प्राध्यापक रूपेँ काजका पश्चात् ओहि कॉलेजमे मैथिली विभागाध्यक्ष बनाओल गेलाह। १९६५ मे रमानाथ बाबू साहित्य अकादमीक मैथिली प्रतिनिधि निर्वाचित भेलाह जाहि पद पर ओ जीवनक अन्त समय तक रहलाह।

हिनक रचनाक क्षेत्र बहुत व्यापक छल। हिनक अनुसंधानात्मक निबन्ध दू गोट संग्रह �निबन्धमाला� तथा �प्रबंध संग्रह� प्रकाशित अछि। संकलित सम्पादित पुस्तक सभमे �मैथिली पद्य-संग्रह�, �मैथिली गद्य-संग्रह�, �प्राचीन गीत�, �कथा काव्य�, �नवीन गीत�, �कविता कुसुम�, �कथा संग्रह� आदि अछि। �कथासरित्सागर�क आधार पर प्रांजल गद्य शैलीमे हिनक �उदयन-कथा� तथा �वररुचि-कथा� वेश ख्याति पओलक। व्याकरणक �मिथिला

## काशीकान्त मिश्र "मधुप" १९०६-१९८७

१९७०- काशीकान्त मिश्र �मधुप� (राधा विरह, महाकाव्य) पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त मैथिलीक प्रशस्त कवि आ मैथिलीक प्रचार-प्रसारक समर्पित कार्यकर्त्ता �झंकार� कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि। प्रकृति प्रेमक विलक्षण कवि। �घसल अठन्नी कविताक बल कथ्य आ शिल्प-संवेदना�दुहू स्तर पर चरम लोकप्रियता भेटलनि।

| | | |
|---|---|---|
| | ભાષા પ્રકાશ�,<br>�અલક્ડાપ્રવેશ� આદિ અનેક<br>ગ્રન્થ પ્રકાશિત અછિ। �મૈથિલી<br>સાહિત્ય પત્ર� ત્રૈમાસિક પત્રિકાક<br>સંપાદક। | |
| <br>લક્ષ્મીનાથ ગોસાઈ ૧૭૯૩-૧૮૭૨ | <br>મેહી દાસ<br>યરહ્રા કોઠી_વનમનખી_અસલી<br>નામ_રામાનુગ્રહલાલ<br>દાસ_આશ્રમ_માયામોહલ્લા, કુપ્પાઘાટ, ભાગલપુર | <br>વુચન ભગત, સન ૧૯૨૮-૧૯૯૧ |
| <br>અભિરામ દાસ<br>મૈથિલીક પ્રસિદ્ધ ભાગવત વાચક। | <br>સ્નેહલતા ૧૯૦૯-૧૯૯૩<br>ગામ- ડ્ભોડ઼ી, સમસ્તીપુર। પૂર્ણ<br>નામ- કપિલદેવ ઠાકુર "સ્નેહલતા"।<br>રામાશ્રયી રસિક સમ્પ્રદાયક<br>સંત। હિનકર રચિત વૈદેહી વિવાહ<br>સંકીર્તન, વિનય<br>પદાવલી, શિવિવામી, ચેતાવની, દૂલા-<br>સંકીર્તન, સીતાવતરણ<br>પ્રવન્યકાવ્ય આ | <br><br>સ્વતંત્રતા સેનાની<br>સ્વ. રામફલ મણ્ડલ |

स्नेहशतक- दोहावली-कवित्त आदि मिथिलाक महिला वर्ग आ संकीर्तनकार लोकनिक कंठमे परिव्याप्त अछि आ लोकमंगलक अनुष्ठानमे व्यापक रूपें व्यवहृत अछि हिनक "वैदेही विवाह" मिथिलाक कीर्तनिया नाट्य परम्पराकेँ लोकरुचिक अनुकूल बनौने अछि



## सुन्दर झा "शास्त्री" १९३०-१९८८

जनकपुर, नेपाल, युवावस्थाक लेखक दुर्लभ शोध। नेपाल प्राज्ञा प्रतिष्ठानक मानद सदस्यता- स्व. सुन्दर झा शास्त्री।



## कांचीनाथ झा "किरण" १९०६-१९८९

जन्म स्थान-चन्द्रपुर,लोहना रोड, दरभंगा बिहार। मैथिली भाषा आंदोलनमे महत्त्वपूर्ण भूमिका। �पराशर� महाकाव्य लेल साहित्य अकादमी आ �कथा किरण� लेल वैदेही पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: चंद्रग्रहण (उपन्यास), वीर-प्रसून (बालकथा), जय जन्मभूमि (एकांकी), विजेता विद्यापति (नाटक), कथा-किरण (कथा-संग्रह), किरण-कवितावली, कोक दनिक वाद (कविता-संग्रह), पराशर (महाकाव्य) आ



## श्यामानन्द झा १९०६-१९४९

કિપ્તિમ-નવિયાવ઼ળી (નવિય-સંગ્રહ)

શ્રદ્દાિ૧૯૯૮૯- કાગ્યીનાથ

હ્રા �કિપ્તિમ�

(પ૧ાશ૧, મહાકાવ્ય઼)પ૧ મૈથિળિ મે

સાહિત્ય઼ શ્રકાદમી પુ૧સ્કા૧સઁ

સમ્માનિત।



૧માકાંત હ્રા, નેપાળ ૧૯૦૭-૧૯૭૧



ઈશનાથ હ્રા ૧૯૦૭-૧૯૬૫

વહુમુખ્યી પ્૧તિભાક કવ઼િ। પ્૧ાચીન શ્રા નવ઼ીન પદ્યતિક કાવ્ય઼-૧ચનાક વ઼ભિક્ષામ્ર સંય઼ોગ હિનિક૧ કવ઼િતામે ભેટૈત શ્રછિ। દળિત વ઼ર્ગ, શોષામ્રક સમસ્ય઼ા, સ્વ઼દેશ પ્૧ેમક ય઼થાર્થવ઼ાદી ૧ચનાક સંગ સંગ વ્ય઼ક્તિનિષ્ઠ કળ્પનાક શ્રનેક વ઼શિષ્ટ કવ઼િતા મૈથિળિમે ળખ્ખિળનિ।



ભુવ઼નેશ્વ઼૧ સહિ 'ભુવ઼ન' ૧૯૦૭-૧૯૪૪

શ્રપન પ્યાઢ઼ીક વહુમુખ્યી પ્૧તિભાક કવ઼િ। પ્૧ાચીન શ્રા નવ઼ીન ગીતકિ કવ઼િતાક ૧ચના વ઼પુિળ સંખ્ય઼ામે કએળનિ। �ભુવ઼ન ભા૧તી� કવ઼િતા સંકળન પ્૧કાશનસઁ મૈથિળિ શ્રોળ શ્રા નવ઼ ચેતનાક શંખ્ય શ્રુકળનિ।



હ૧િમોહન હ્રા ૧૯૦૮-૧૯૮૪



કાળિકાન્ત હ્રા ૧૯૦૯-

મૂળ ગામ ઢંગા (હ૧પુિ૧), મધુવની। શ્રે૧ માતૃક વ૧દવટ્ટા,પો



ગંગા૧નાથ હ્રા ૧૯૦૯-૧૯૮૪

હનિકર મૈથિલિ ક ૃત િ૧૯૩૩

મે �કન્યાદાન�

(ઉપન્યાસ), ૧૯૪૩

મે "દ્વિરાગમન�(ઉપન્યાસ), ૧૯૪૫

મે �પ્રામ્ય દેવતા� (કથા-

સંગ્રહ), ૧૯૪૯

મે �નંગાશાલ�(કથા-

સંગ્રહ), ૧૯૬૦

મે �ચન્ચરી�(કથા-સંગ્રહ) આ઼

૧૯૪૮ ઼ે મે �ખટ્ટર કકાક

તરંગ� (વ્યંગ્ય) અછિ

મ ૃત્યોપરાંત ૧૯૯૫મે (જીવન

યાત્રા, આત્મકથા)પર મૈથિલીક

સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કારસઁ

સમ્માનિત।

ઉત્લાહ, માયા- મદનપુર, જીલ-

પૂર્ણિયામે વર્સ ગેલાહ। સાઘરા

(મધુવની), મદનપુર આ કાશીમે

પાણિની વ્યાકરણક

અધ્યયન। "હનુમાન ચરિત"ક લેખક।

જન્મ ૧૯૦૯ ઼ે મે દરભંગા જીલાક

ચન્દ્રપુર ગ્રામમે ભેલન્હિ મ ૃત્યુ

૪-૫-�૮૪,ચન્દ્રધારી મથિલ

ક ૉલેજમે અર્થશાસ્ત્રક

પ્રાધ્યાપક છલાહ। અવકાશ

ગ્રહણ ક કાવ્ય સાધનામે લાગલ

રહલાહ।

મહાકાવ્ય, મુક્તક, એકાંકી સભ

વિધામે ઼ે સદ્રિય રહ્ત છલાહ।

હનિક �કીચક વધ� મહાકાવ્ય

અતુકાંતક �વૈક્ત્રિક છન્દ�

(અમિત્રાક્ષર છન્દ) મ લિખલ

અછિ। મૈથિલીમે �સૌનેટ� એવં

વૈક્ત્રિક છન્દ�ક ઼ે પ્રથમ

પ્રયોક્તા થિકાહ। સંસ્ક ૃત

પરમ્પરામે કાવ્ય રચના કરતિહુઁ

પાશ્ચાત્ય શૈલીક નવીનતા હનિકા

રચનામે ભેલ। હનિક �કીચક

વધ� આ �ક ૃષ્ણ

ચરિત� મહાકાવ્ય��મઙ્ગલ-

પઞ્ચાશિકા� એવં �નમસ્યા�

મૈથિલી સાહિત્યમે અપન વિશિષ્ટ

સ્થાન રખૈછ। તકર અતિરિક્ત

મુક્તક કાવ્યમે વિષય વસ્તુક

વ્યાપકતા એવં શિલ્પ શૈલિક

પ્રયુરતા અવૈત અછિ। એક દિશિ

ચદિ પ્રાચીન ઢંગક ઼ેશ્વર

વન્દનાક રચના કએલન્હિ તઁ દોસર

દિશિ �સૌનેટ�

(ચતુર્દશપદી) �વૈલેડ� આદિ

लिखवामे पूर्ण सक्षम प्राप्त करैत छथि।�कृष्ण चरित� महाकाव्य पर हिनका १९७९ ई क साहित्यिक अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि। १९८० ई मे हिनका अभिनन्दन ग्रन्थसमर्पित कएल गेलन्हि।



जीवनाथ झा १९१०-१९७७



सुरेन्द्र झा 'सुमन' १९१०-२००२

जन्म: ग्राम : वलीपुर, जिला-समस्तीपुर। प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अन्यना,साओन-भादव,अंकावली, अन्तर्नाद, पयस्विनी, उत्तरा आदि तीससँ अधिक मौलिक कविता-पुस्तक;पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु श्रृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; �मैथिलि काव्य पर संस्कृतक प्रभाव� नामक समीक्षा-ग्रंथ। �पयस्विनी� लेल १९७१ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार तथा �उत्तरा� पर १९९८ मे मैथिलि अकादेमीक विद्यापति पुरस्कार प्राप्त। मैथिलीक प्रथम दैनिक पत्र �स्वदेश�क व्यवस्थापिक सम्पादक।१९९५- सुरेन्द्र झा �सुमन� (रवीन्द्र



पं रामचन्द्र झा १९१०-

ग्राम नरौनी। काशी मिथिला ग्रन्थमालाक सम्पादक।

નાટકાવલી- નવીન્દ્રનાથ ટૈગોર, વાંગ્લા)ઙેઙ

સાહિત્ય અકાદેમી મૈથિલી અનુવાદ પુરસ્કાર।

૨૦૦૦ ई- પંસુપેન્દ્ર

હ। �સુમન�, દરભંગા;યાત્રી-ચેતના

પુરસ્કાર।



## 'નાગાર્જુન' વૈદ્યનાથ મિશ્ર 'યાત્રી' ૧૯૧૧-૧૯૯૮

જન્મ અપન મામાગામ સતલખામે ભેલન્હિ, જે હુનકર ગામ તરૌની સમીપહિમે અછિ, જિલા-દરભંગા। મૂલ નામ: વૈદ્યનાથ મિશ્ર। હિન્દીમે નાગાર્જુન નામે પ્રખ્યાત। પ્રકાશિત કૃતિઃ ચિત્રા, પત્રહીન નગ્ન ગાછ (મૈથિલી કવિતા-સંગ્રહ); પારો, બલચનમા, નવતુરિયા (મૈથિલી ઉપન્યાસ); યુગધારા, સતરંગે પંખોવાલી, પ્યાસી પથરાઈ આંખે, ખિચડી વિપ્લવ દેખા હમને, તુમને કહા થા, હજાર હજાર બાહો વાલી, પુરાની જૂતિયોં કા કોરસ, રત્નગર્ભા, ઐસે ભી હમ ક્યા ! ઐસે ભી તુમ ક્યા ! (હિન્દી કવિતા-સંગ્રહ); રતિનાથ કી ચાચી, બલચનમા, નઈ પૌધ, બાબા બટેસરનાથ, વરુણ કે બેટે, દુખમોચન, કુમ્ભીપાક, અભિનન્દન, ઉગ્રતારા, ઇમરતિયા (હિન્દી ઉપન્યાસ); આસમાન મે ચન્દા તૈરે (કહાની સંગ્રહ); ભસ્માંકુર (હિન્દી ખણ્ડ કાવ્ય); અન્નહીનમ્ ક્રિયાહીનમ્ (નિબન્ધ-સંગ્રહ); ગીત ગોવિન્દ; મેઘદૂત; વિદ્યાપતિ કે ગીત, વિદ્યાપતિ કી કહાનિયાં (અનુવાદ)। �પત્રહીન નગ્ન ગાછ� લેલ ૧૯૬૮ મે સાહિત્ય અકાદેમી પુરસ્કાર પ્રાપ્ત। યાયાવરી જીવન। મૈથિલી પ્રગતિશીલ રૂપમે રૂસ જ્વરમાસ। નાગાર્જુન (**સ્વ. શ્રી**



## આરસીપ્રસાદ સહિ ૧૯૧૧-૧૯૯૬

જન્મ: ગ્રામ-એરૌત, જિલા-સમસ્તીપુર। પ્રકાશિત કૃતિઃ માટિક દીપ, પૂજાક ફૂલ, સૂર્યમુખી (કવિતા-સંગ્રહ), મેઘદૂત (અનુવાદ), આરસી, નન્દદાસ, સંજીવની (હિન્દી કાવ્ય સંગ્રહ)। �સૂર્યમુખી� લેલ ૧૯૮૪ મે સાહિત્ય અકાદેમી પુરસ્કાર પ્રાપ્ત।



## ગુરુ જયદેવ મિશ્ર ૧૯૧૧- ૧૯૯૧ શિષ્ય ગંગાના થ હ।

| | | |
|---|---|---|
| **વૈદ્યનાથ મિશ્ર �યાત્રી� )**, હિન્દી આ મૈથિલિ કવિ, ૧૯૬૮ ઈમે **સાહિત્ય અકાદેમીક શ્રેષ્ઠ** (ભારત દેશક સર્વોચ્ચ સાહિત્યિક પુરસ્કાર)। | | |
| <br>યશોધર ઝા<br>મિથિલા વૈભવ, દર્શન મૈથિલિ પોથીપર ૧૯૬૬ મે પહિલ સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કાર મૈથિલિ લેલ પ્રાપ્ત। | <br>વૈદ્યનાથ મલ્લિક 'વિધુ' ૧૯૧૨-૧૯૮૭<br>૧૯૭૬- વૈદ્યનાથ મલ્લિક �વિધુ� (સીતાયન, મહાકાવ્ય) લેલ મૈથિલિક સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કાર। | <br>ભીમ ઝા ૧૯૧૨-<br>પૂર્ણિયા જિલાક મદનપુર ગામક। જન્મ ૫ નવમ્બર ૧૯૧૨ ઈ। વનૈલિક શ્રી શ્યામાનન્દ સહિક અધ્યક્ષતામે �ભારતીય સંકીર્તન મહામણ્ડલી�ક સ્થાપના। |
| <br>બાબાનાથ દાસ ૧૯૧૨- | <br>ઉપેન્દ્ર ઠાકુર 'મોહન' ૧૯૧૩-૧૯૮૦<br>જન્મ ૧૯૧૩ ઈ મે દરભંગા જિલાક ચતરિયા ગ્રામમે ભેલન્હિ। મૃત્યુ ૨૪-૫-૧૯૮૦। સંસ્કૃત શિક્ષામે સાહિત્યાચાર્ય આ વડૌદા રાજક વિદ્વત્-પરીક્ષાસઁ �સાહિત્ય-રત્ન�ક ઉપાધિસઁ વિભૂષિત ભેલાહ। દૈનિક આર્યાવર્તમે આદિહિસઁ, પશ્ચાત્ ૧૯૬૦ સઁ મિથિલા મિહિરક ઉપ-સમ્પાદક એવં સહ-સમ્પાદક રૂપેં કાર્ય કરૈત ૧૯૭૭ મે સેવા નિવૃત્ત ભેલાહ।મોહનજી કરીબ પચાસ વર્ષ સાહિત્ય સાધનામે લાગલ રહલાહ।<br>વિભિયાનન્દ, કુંજભવન, સુદર્શન, પુણ્ડરીક, શાસ્ત્રી, વામન | <br>જયનાથ મિશ્ર ૧૯૧૩-૧૯૮૫ |

आदि छद्म नामसँ पत्र-पत्रिकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि।मोहन झाक �बाजि उठल मुरली�मे १०१ गोट कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभिन्न विधानयानाक ओ विभिन्न अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि। एहि पुस्तकपर मोहन�झाकेँ १९७८ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि। एहिसँ बहुत पूर्व हिनक �अशुलाली� नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल।



## श्रीकांत ठाकुर "विद्यालंकार"



## पञ्जीकार मोदानन्द झा १९१४-१९९८

लब्ध यौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पिता- स्व. श्री भिखिया झा। गुरु- पञ्जीकार भिखिया झा। पूर्णिया जिलाक वर्तमान लगक शिवनगर गामक। जन्म २२ सितम्बर १९१४ ई.सौराठमे अपन मौसा स्व. लूटनझा सँ पंजीशास्त्रक अध्ययन। १९४८-१९५१ ई धरि दरभंगामे रहि आचार्य रमानाथ झाकेँ पाँजि पढ़ओलनि।शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा-१९३७ ई जाहिमे मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ सर गंगानाथ झा छलाह।



## आनन्द झा १९१४-१९९८



ટોક્યો હાસેગાવા, નદિશક મથિલિ મ્યૂ ળયિમ, નગિાટા



મૌંગની પ્રિવાસ ૧૯૦૮-૧૯૪૩ સંગીતળ્ઞ

પયાગછિયામે ળન્મ આ અલ્પ વયસમે

મૃત્યુ પયાગછિયાક નાયવહાદુન

લક્ષ્મીનાનાયાણ સહિક શષ્યિ



નાનાશ્નય હા 'નામનં ગ' અનનિવ નાતપ્યામ્ ડે ૧૯૨૮-૨૦૦૯

ળન્મ ૧૧ અગસ્ત ૧૯૨૮

ઈ તદનુસાનમાદ્ન કૃષ્ણપક્ષ

એકાદશી તિથિકેં મધુવની

ળલિાન્તગત પ્યનુના નામક

ગામમે ભેલન્હિ અનનિવ

ગીતાંળલિ, હુનકન ઉચ્ચકોટિક

શાસ્ત્ન નયના અછિ મિથિલિવાસી

શ્રી નામનંગ નાગ

તીનભુક્તતિ, નાગ વૈદેહી

મૈનવ, આઠ નાગ વદ્યાપતિ

કલ્યાણ કેન નયના સેહો કએને

છથિ આઠ મૈથિલી ભાષામે હનિકન

પ્યાલ �ંળયતિ રુપિ

નાગ:� કેન અનુનૂપ અછિ



નામચતુન મલ્લિક ધ્નુપદ સંગીત ૧૯૦૫ -૧૯૯૦



અભયનાનાયણ મલ્લિક



કુમાન તાનાનન્દ સહિ , સંગીતળ્ઞ



સંગીતાચાર્ય નાયવહાદુન ઉક્ષ્મીનાનાય઼ ઞ સહિ



પંડિત પનમાનન્દ ચૌધની, સંગીતઌ્ઞ



ઙૃદયનાનાયઞ ઞ઼ા



સંગીત ભાષ્કન નાળકુમાન શ્યામાનન્દ સહિ ૧૯૧૬-૧૯૮૪



મથિઉશ કુમાન ઞ઼ા, તવઉા વ઼ાદન



નાગેશ્વન ઉાઉ કન્ાઞ, તવઉા વ઼ાદક



વાવૂ સાહેવ ચૌધની ૧૯૧૬-૧૯૯૮

દનભંગા ળાિઉાક દુઉાનપુન ગામક। ૧૯૪૩ ઈ મે ળીવ઼કિાન્થ કઉકન્ના શ્એઉાહ। નવ઼મ કક્ષામે સ્વ઼નાળ્ય઼ શ્રાન્દોઉનમે વાહ્ કિએ શકિ્ષાક શ્નશિ્ની। કઉકન્તામે સ્થાનીત મૈથિઉિ સંઘમે પ્નવેશ। કઉકકન્તામે મૈથિઉિ શ્રાન્ટ પ્નેસ઼ ૯૧, ધાિઉાત ઘોષ ઉેન, કઉકન્તા-૭૦૦૦૦૬ સઁ મૈથિઉિ-મથિઉિા શ્રાન્દોઉનમે સક્નયિ઼। �કુહેસ� શ્રા �યાાઞક્ય઼� દૂટા નાટક। ૧૯૭૧-૭૯ ધના �મથિઉિા



ઉક્ષ્માઞ (ઉપ્પન) ઞ઼ા ૧૯૧૬-૨૦૦૦

મથિઉિા નાળ્ય઼ શ્રનાચિાની।



શુદ્ધદેવ઼ ઞ઼ા 'ઉત્પઉ' ૧૯૧૬-

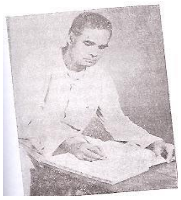
ગોડ્ડા ળાિઉાક શ્રઉપ્પદન્ત-મહેનપુનક નિવાસી। ળન્મ ૧૬ શ્રક્ટૂવન ૧૯૧૬ ઈ।

દ્રશન� આ �મૈથિલિ દ્રશન� મૈથિલિ

માસિકિક સમ્પાદન।



ગામયન્દ્ર પાણ્ડેય "આમુ" ૧૯૧૭-૨૦૧૦



લક્ષ્મીનાથ ઝા મિથિલિ યાત્રીક્લ ૧૯૧૭-૧૯૯૦



ઉપેન્દ્ર નાથ ઝા 'વ્યાસ' ૧૯૧૭-૨૦૦૨

જન્મ સ્થાન-હરિપુર

વકશીટોલ, મધુબની, બિહાર।

૧૯૬૯- ઉપેન્દ્રનાથ

ઝા �વ્યાસ� (દૂ

પત્ર, ઉપન્યાસ) લેલ સાહિત્ય

અકાદેમી પુરસ્કારસઁ સમ્માનિત।

સાહિત્ય અકાદેમીક અનુવાદ

પુરસ્કાર પ્રાપ્ત। પ્રકાશિત

કૃતિ: કુમાર, દૂ પત્ર

(ઉપન્યાસ), બિડિવન, બાળના

બાળલ (કથા-સંગ્રહ), પાણ

સંન્યાસી, પ્રતીક

(કાવ્ય), મહાભારત (પહિલ દૂ

પર્વ) આદિ



મનમોહન ઝા ૧૯૧૮-૨૦૦૯





પં સહદેવ ઝા ૧૯૧૯-

ળન્મ

સનસિવમે, શ્રશ્નુકામ, વીનમોગ્યા, મથિલિક

નશિાપુનમે।૨૦૦૯- સ્વ્મનમોહન

હા (ગંગાપુત્ન, કથાસંગ્નહ)પન

મ્તયોપનાંત સાહતિ્ય શ્રકાદમી પુનસ્કાન।

## વ્નાળકશિોન વ્ન્મા 'મામપિદ્મ' ૧૯૧૮-૧૯૮૬

ળન્મ સ્થાન-વહેડા, દનભંગા વહિન। ૧૯૭૩- વ્નાળકશિોન વ્ન્મા �મામપિદ્મ� (ભૈકા વનાળિાના, ઉપન્યાસ) લેલ સાહતિ્ય શ્રકાદેમી પુનસ્કાનસઁ સમ્માનતિ।

ઉપન્યાસકાન, કથાકાન શ્રો કવ।િ પ્નકાશતિ ક્તઃ

કોવ્નાગન્લ, કનકો, શ્રન્દ્યનાનીશ્વન, ભેનાકિ વળિય, ભૈકા-વનાળિાના, ભ્વહ્નાિ-કુશહ્નાિ, નાય નામપાલ, શ્રાદમિ ગુલામ શ્રાદિ ઉપન્યાસ શ્રો કંડહાન (નાટક) શ્રાદ।િ

"મથિલિા કો યનોહ્ન" પોથી પ્નકાશતિ।



## વુદ્યયિાની સહિ નમાકન ૧૯૧૯-૧૯૯૧

ળન્મ મયુવનીમે ૧૯૧૯ ઈ મે ભેલ। શ્રપન પતિા સ્વ્ ક્ષેમયાની સહિસઁ વજ્ઞિાન વષિયક શક્ષિા ગ્નહણ કએલન્હ।િ ઈ નામક્ષ્ણ ક્ંલેળ, મયુવનીક મૈથલિી વભિાગાધ્યક્ષ છલાહ। ળાએસઁ શ્રવકાશ પ્નાપ્ત કએલન્હ।િ વાલ્યા-વસ્થહસિઁ ઈ કવકિાન્યમે લાગલ નહલાહ શ્રછ।િ સંસ્ક્ત તથા મૈથલિી દુનૂ ભાષામે હનિક નયના પ્નકાશતિ શ્રછ।િ યથા�મૈથલિીમે �પ્નયાસ� (કથા-સંગ્નહ), �મયુમતી�, �શ્રમનવાપૂ� (કવતિા-સંગ્નહ), �શનશય્યા� (ખંડ-



## શ્રાદ્યાયનામ હા ૧૯૨૦-



## યન્દ્ન ભાનુ સહિ ૧૯૨૨-

૨૦૦૪- યન્દ્નભાનુ સહિ (શકુન્તલા, મહાકાવ્ય)લેલ સાહતિ્ય શ્રકાદમી પુનસ્કાન।

કાવ્ય) �સ્મ઼ાિ સાહસ્ની� (મહાકાવ્ય) આદિ।



## સુધાંશુ શેખ઼ન ચૌધની ૧૯૨૨-૧૯૯૦

ઞ્મ દનભંગાક મશ્નિટોઞમે ૧૯૨૨ ઼ે મે મેઞ્હિ ાથા મ઼ૃત્યુ ૧૯૯૦ ઼ે મે મેઞ્હિ। કછુિ દનિ વિભિન્નિ ઞીવિકામે નહિ પશ્ચાત્ સાહિત્યિકાનક ઞીવન પ્નાનમ્ભ કએઞ। કછુિ દનિ �વૈદેહી�ક સમ્પાદન શ્ની સુમનઞી એવં શ્ની ક઼ૃષ્ણકાન્ત મશ્નિઞીક સંગ કએઞ ાત્પશ્ચાત્ ૧૯૬૦ ઼ે સઁ ૧૯૮૨ ઼ે ધનિ પટનામે �મથિિઞ મહિનિ��ક સશ્ચઞ સમ્પાદન કએઞ ।હનિક દૂ ગોટ નાટ્યક઼ૃાિ- �ભશ્વાશા યાહક ઞનિગી�, ઉટાશા શ્ઁાયન�, ાથા �પહિઞ સાઁઝ� હનિક નાટકક નીક વ્યાવહાનકિ અનુભવક પનચિાયક અછ઼ િ।છદ્મનામસઁ હનિક દૂ ગોટ ઉપન્યાસ મહિનિ� મે પ્નકાશાિ ભેઞ અછ઼ િ। હનિક ઉપન્યાસ ઼ે વ઼ાહ઼ા સંસાન� ઞે મૈથિઞિ અકાદમી દ્વાના પ્નકાશાિ ભેઞ આ ઞાહિ પન ૧૯૮૦ ક સાહિત્ય અકાદમીક પુનસ્કાન દેઞ ગેઞ।



## નામ સ્કવાઞ સહિ નાકેશ (૧૯૧૨-૧૯૯૪)

ઞ્મ ૧૪ ઞુઞાઇ ૧૯૧૨, મ઼ૃત્યુ ૨૭ નવમ્વન ૧૯૯૪,હનિકન મૈથિઞિ ઞોકગીા (સંગ્નહ આ સમ્પાદન) એકટા ઞેઞ્મ્ઙની પોથી વનિ ગેઞ અછ઼િ



## ઞયકાન્ા મશ્નિ (૧૯૨૨-૨૦૦૯)

મૈથિઞિ સાહિત્યિક એકટા વઙ પૈઘ વદ્વિાન ઙૉ઼ ઞયકાંા મશ્નિ સન્ ૧૯૮૨ મે ઇઞાહાવાદ વશ્વિવદ્યિાઞયક અંગ્નેઞી આ આધુનકિ યૂનોપયિન ભાષા વભિાગક પ્નોફેસન આ હેઙ પદ સઁ સેવાનવિ઼ૃા ભેઞ છઞાહ઼ ાકના વાદ ઓ ચત્નિકૂટ ગ્નામોદય વશ્વિવદ્યિાઞયમે ભાષા આ સમાઞ વજ્ઞિાનક ઙીન ૂપમે કાન્ય કએઞ્હિ સ્વ઼ મશ્નિ અખ઼િઞ ભાનતીય મૈથિઞિ સાહિત્ય સમાિ, ઇઞાહાવાદક અધ્યક્ષ, ગંગાનાથ નસિન્ય

ઇન્સ્ટીટ્યૂટ,
ઇલાહાવાદક અવૈતનિક
સચિવ આ સમ્પાદક,
હિન્દી સાહિત્ય
સમ્મેલન, પ્રયાગક
પ્રવન્ધ વિભાગક
સંયોજક આ સાહિત્ય
અકાદમી, નઈ દિલ્લીક
મૈથિલી પ્રતિનિધિ આ
ભાષા સમ્પાદક રહલ
છલાહ મૈથિલી
સાહિત્યક ઇતિહાસ,
લોક લિટરેચર ઑફ
મિથિલા, કોન્તનિયા
ડ્રામા સબક
ક્રિટિકલ
એડીશન,લેક્ચર્સ ઑન
થૉમસ હાર્ડી,
લેક્ચર્સ ઑન સોર
પોએટ્સ આ દ
કૉમ્પ્લેક્સ સ્ટાઇલ
ઇન ઇંગ્લિશ પોએટ્રી
હિનક લિખલ કિછુ
ગ્રંથ અછિ હિનકર
વૃહત મૈથિલી શબ્દ
કોષ માત્ર દૂ ખણ્ડ
પ્રકાશિત ભઍ સકલ,
જાહિમે દેવનાગરીક
સંગ મિથિલાક્ષર આ
ફોનેટિક અંગ્રેજીમે

સેહો મૈથિલી શબ્દક
નામ નહિ ૩ શ્રાવની
૨૦૦૯ કેં સાત વળે
સાઁઝમે હનિકર નધિન
ભs ગેળન્હિ।



## ઉપેન્દ્ર ઠાકુર ૧૯૨૯-૧૯૯૧

હસિતોત્પલ ાેડ મનિહિલ, માદહ્વાનિ શ્રાનિતનિગ, ષનુદેસિ નિ હાનિસિમ ।નદ મુદહસિમ નિ મનિહિલ આદિ પોથી પ્રકાશિત।



## ગોવિન્દ ઝા ૧૯૨૩-

જન્મસ્થાન- રસહપુર, સરસિવ પાહિ, મધુવની, વહિાર। સદ્ધિ કથાકાર, ઉપન્યાસકાર, નાટકકાર, ભાષા વૈજ્ઞાનકિ શ્રો શ્રનુવાદક। સાહિત્ય શ્રકાદેમી પુરસ્કાર, સાહિત્ય શ્રકાદેમી શ્રનુવાદ પુરસ્કારસઁ સમ્માનતિ। વહિાર સરકારસઁ કામણિ વુણ્કે પુરસ્કાર, ગ્રયિર્સન પુરસ્કાર શ્રાદસિઁ સમ્માનતિ। પ્રકાશતિ કૃતિ: ઉપન્યાસ, નાટક, કથા, કવતિા, ભાષા વજ્ઞિાન શ્રાદિ વિભિન્નિ વધિામે શ્રઙીસ ટા પોથી પ્રકાશતિ। પ્રકાશન: સામાક પૌતી,નેપાળી સાહિત્યક ઇતહિાસ (શ્રનુ) શ્રાદિ। ૧૯૯૩- ગોવિન્દ ઝા (સામાક પૌતી, કથા)પુસ્તક લેલ સહિત્ય શ્રકાદેમી પુરસ્કારસઁ સમ્માનતિ ।૧૯૯૩- ગોવિન્દ ઝા (નેપાળી સાહિત્યક ઇતહિાસ- કુમાર પ્રધાન, શ્રંગ્રેજી) લેલ સાહિત્ય શ્રકાદેમી મૈથિલી શ્રનુવાદ પુરસ્કાર। પ્રવોધ



## યોગાનન્દ ઝા ૧૯૨૩-૧૯૮૬

હનિક જન્મ મધુવની જિલાક કોઇલખ ગ્રામમે ૧૯૨૩ ઈ મે ભેલન્હિ। મૃત્યુ ૧૯૮૬ મે ભેલનિ। શ્રગ્રેજીમે એમ એ કએલાક પશ્યાત્ ઈ કછુિ દનિ ચન્દ્રધરી મથિલિા કૉલેજમે પ્રાધ્યાપક રહલાહ। વહિાર પ્રશાસનકિ સેવામે ૧૯૮૧ ધરિ વભિનિ્ન પદપર કાર્ય કએલ। તત્પશ્યાત્મૈથિલી શ્રકાદમીક નદિશક �૮૪ ધરિ ।યોગાનન્દ ઝાજી મૈથિલી સાહિત્યમે શ્રપન ઉપન્યાસ �ભલમાનુસ� એવં � પવતિ્ના�ક હેતુ પ્રયાત છથિ। હનિક નાટક �મુનકિ મતભ્રિમ� એવં કથા સંગ્રહ �ઉડૈત વંશી� યથેષ્ટ પ્રતષ્ઠિા પ્રાપ્ત કએને શ્રછથિ।

સમ્માન ૨૦૦૬ સઁ સમ્માનિત। વિદેહ સમ્પાદકક સમાનાન્તર સાહિત્ય અકાદેમી શ્રેષ્ઠ પુરસ્કાર ૨૦૧૦ (સમગ્ર યોગદાન હેતુ)

એકર અનિપ્તિન ઈ મહાત્મા ગાન્ધીક આત્મકથાક અનુવાદ એવં �અમિક છઉપ્પરી� નામક એક કથા સંગ્રહક સમ્પાદન સેહો કએને છથિ।



## ગામકૃષ્ણ ઝા 'કિસુન' ૧૯૨૩-૧૯૭૦

આધુનિક યાગાક વિશિષ્ટ કવિ, કથાકાર, ચિન્તક। પ્રકાશિત કૃતિ: આત્મનેપદ (કવિતા સંગ્રહ), મૈથિલી નવકવિતા (સમ્પાદન)।



## ઉમાનાથ ઝા ૧૯૨૩-૨૦૦૯

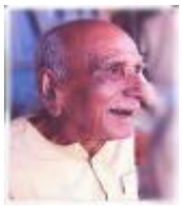
જન્મ:-૦૧-૦૧-૧૯૨૩, મૃત્યુ ૦૭-૧૨-૨૦૦૯ મહગૈઠ, મધુવની।ભૂતપૂર્વ અઙ્ગેજી વિભાગાધ્યક્ષ એવં પ્રતિ-કુલપતિ મિથિલા વિશ્વવિદ્યાલય, દરભંગા। રચના:-રેખાચિત્ર, અતીત (કથા સંગ્રહ); મૈથિલી નવીન સાહિત્ય, સ્નૂદ ધનુષ, વિદ્યાપતિ ગીતશતી (સમ્પાદન)।૧૯૮૭- ઉમાનાથ ઝા (અતીત, કથા) પર મૈથિલીક સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કારસઁ સમ્માનિત।



## ટાશંકર દાસ ૧૯૨૩-૨૦૦૬







## પ્રવોય ણારાયણ સહિ ૧૯૨૪-૨૦૦૫

હિન્દી, સંસ્કૃત, મૈથિલિ, પાલિ એવં શ્રારસીક વિદ્વાન। મથિલિ, મૈથિલિ એવં મૈથિલીક ૬ અનન્ય ભક્ત છથિ। કલકત્તા નહિ મિથિલિ દર્શન�, મૈથિલિ કવિતા�, મૈથિલિ રંગમંચ� આદિ પત્રિકાક પ્રકાશનક માધ્યમસઁ શ્રી પ્રવોયજી મૈથિલીક જે સેવા કએલ અછિ તકર વર્ણન થોડ઼મે સમ્ભવ નહિ। અનેક વડલા કૃતિક ૬ અનુવાદ સેહો કએલ અછિ।હિન્દીમે સેહો હિનક �કવિતા સંગ્રહ� પ્રકાશિત અછિ।કલકત્તા વિશ્વવિદ્યાલયમે હિન્દીક પૂર્વ અધ્યક્ષ। ૨૦૦૨- ડૉ પ્રવોય ણારાયણ સહિ (પતહડ઼ક સ્વર- કુર્તુલ એન હૈદર, ઉર્દૂ) લેલ સાહિત્ય અકાદેમી મૈથિલિ અનુવાદ પુરસ્કાર।

## મદનેશ્વર મશ્રિ ૧૯૨૪-૨૦૦૪

"એક છલીહ મહારાની" પ્રકાશિત।

## શ્રમોઘ ણારાયણ ઝા "શ્રમોઘ" ૧૯૨૪-







મુરલીધર સહિ, વ્રજમોહન ઠાકુર, સુમં કર ઝા, મદનેશ્વર મશ્રિ ૧૯૨૪-૨૦૦૪, લલિત ણારાયણ મશ્રિ, દેવનાથ રાય

મતિનાથ મશ્રિ મતંગ ૧૯૨૪-

શ્રાનન્દ મશ્રિ ૧૯૨૪-૨૦૦૭







## ડ઼ૉ ળયમન્ત મિશ્ર ૧૯૨૫-૨૦૧૦

ળન્મ ૧૫-૧૦-૧૯૨૫ મ઼ૃત્યુ ૦૭-૦૯-૨૦૧૦, ગામ-ઢંગા-હ્રપુિર-મળરહિ।

૧૯૯૫- ળયમન્ત મિશ્ર (કવિતા કુસુમાંળલિ, પદ્ય) લેલ સાહિત્ય અકાદેમી પુરસ્કાર- મૈથિલી।

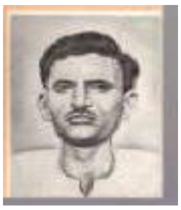
## યન્દ્રનાથ મિશ્ર અમર ૧૯૨૫-

ળન્મ: ખોળપુર, મધુવની। વરિષ્ઠ કવિ, કથાકાર- ઉપન્યાસકાર। હાસ્ય-વ્યંગ્યક કવિતામે વેળોડ઼ મૈથિલીક લેલ સમર્પિત વ્યક્તિત્વ। પાંચ દર્ળનસં વેસી કથા આ વિદાગરી, વીરકન્યા (ઉપન્યાસ) ળલ સમાર્યા (કથા સંગ્રહ) પ્રકાશિત।૧૯૮૩- યન્દ્રનાથ મિશ્ર �અમર� (મૈથિલી પત્રકારિતાક ઇતિહાસ) લેલ સાહિત્ય અકાદમી પુરસ્કારસઁ સમ્માનિત। એમ.એલ. એકેડમી, લહેરિયાસરાયસં શિક્ષકક રૂપમે અવકાશ પ્રાપ્ત। આશા દિશા, ગુદગુદી, યુગાયક્ર, ઉનટા પાલ આદિ કવિતા સંગ્રહ પ્રકાશિત। ૧૯૯૮- યન્દ્રનાથ મિશ્ર �અમર� (પરશુરામક વીછલ વેરાયલ કથા- રાળશેખર વસુ, વાંગ્લા) લેલ સાહિત્ય અકાદેમી મૈથિલી અનુવાદ પુરસ્કાર। યન્દ્રનાથ મિશ્ર અમર ૨૦૧૦ મે મૈથિલી સાહિત્ય લેલ **સાહિત્ય અકાદેમીક ફેલો** (ભારત દેશક સર્વોચ્ચ સાહિત્યિક પુરસ્કાર)।

## મુક્તિનાથ ઝા (૧૯૨૬-૨૦૦૯)



## સુરેન્દ્ર ઝા ૧૯૨૬-



## દીનાનાથ પાઠક 'બન્ધુ' ૧૯૨૮-૧૯૬૨



## અનંત વિહારી લાલ દાસ "ઇન્દુ" ૧૯૨૮-૨૦૧૦

૨૦૦૭- અનન્ત વિહારી લાલ દાસ �ઇન્દુ� (યુદ્ધ આ યોદ્ધા-

अगम सहि गमि, नेपाली)७७ साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



कृष्णकान्त मिश्र १९२८-२०००



जगदानन्द झा १९२८-



दुर्गानाथ झा "श्रीश"

हिनकर जन्म मधुबनी जिलाक बटिठ ाममे १९२९ ई. मे भेलन्हि। हिन्दी आ मैथिलीमे एम.ए आ बी.एड केलाक बाद किछु दिन स्कूलमे अध्यापन, फेर मिल्लत कॉलेज, लहेरियासरायमे मैथिली आ हिन्दी विभागक अध्यक्ष। मैथिली भाषामे पहिल पी.एच. डी। "श्रीश" जीक मैथिलीमे प्रकाशित रचना अछि- "मैथिली साहित्यक इतिहास", "भुवन भारती" (सम्पादन), "महामत्स्य ओ मनु" (कविता), "नाट्य कथा सार"(सम्पादन), "पुरुषार्थ"(पद्य नाटक) आ अनेक कविता, एकांकी आ आलोचनात्मक निबन्ध।







### 𑒩𑒰𑒖𑒏𑒧𑒪 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑓑𑓙𑓒𑓙-𑓑𑓙𑓖𑓗

𑒧𑒯𑒱𑒭𑒲, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰। 𑒩𑒔𑒢𑒰:- 𑒂𑒠𑒱 𑒏𑒟𑒰, 𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒢, 𑒣𑒰𑒟𑒩 𑒤𑒴𑒪 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮), 𑒮𑓂𑒫𑒩𑒑𑓀𑒡𑒰 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒪𑒪𑒏𑒰 𑒣𑒰𑒑 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒏𑒟𑒰 𑒣𑒩𑒰𑒑 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢)। 𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲𑒧𑒹 𑒁𑒢𑒹𑒏 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮, 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰𑒏 𑒩𑒔𑒢𑒰, 𑒔𑒾𑒩𑒓𑓂𑒑𑒲 (𑒥𑒓𑓂𑒑𑒪 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮𑒏 𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲 𑒩𑒴𑒣𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩) 𑒁𑒞𑓂𑒨𑒢𑓂𑒞 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡।

### 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒢𑒰𑒟 𑒗𑒰 "𑒫𑒱𑒭𑒣𑒰𑒨𑒲" 𑓑𑓙𑓒𑓙-𑓒𑓐𑓐𑓕

"𑒩𑒰𑒧 𑒮𑒳𑒨𑒬 𑒮𑒰𑒑𑒩" (𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒩𑒰𑒧𑒰𑒨𑒝) 𑓑𑓙𑓘𑓐 𑒃𑓀 𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞। 𑓒𑓕 𑒖𑒢𑒫𑒩𑒲 𑓒𑓐𑓐𑓕 𑒏𑒹𑓀 𑒧𑒵𑒞𑓂𑒨𑒳।

### 𑒖𑒨𑒡𑒰𑒩𑒲 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑓑𑓙𑓒𑓙-𑓒𑓐𑓐𑓗

𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒏, 𑒏𑒫𑒱। 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢: 𑒥𑒾𑒠𑓂𑒡𑒑𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒰𑒢𑓂𑒞, 𑒮𑒧𑒲𑒏𑓂𑒭𑒰 𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒂𑒠𑒱। 𑒩𑒰𑒧𑒏𑒵𑒭𑓂𑒝 𑒏𑒾𑒪𑒹𑒖, 𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒫𑒱𑒦𑒰𑒑𑒏 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫 𑒁𑒡𑓂𑒨𑒏𑓂𑒭।



### 𑒬𑒻𑒪𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒗𑒰 𑓑𑓙𑓒𑓙-𑓑𑓙𑓙𑓔

𑓑𑓙𑓙𑓒- 𑒬𑒻𑒪𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒗𑒰 (𑒬𑒩𑒞𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒂 𑒏𑒪𑒰𑒏𑒰𑒩-𑒮𑒳𑒥𑒼𑒡𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒮𑒹𑒢, 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲)𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒹𑒧𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩।



### 𑒫𑒻𑒠𑓂𑒨𑒢𑒰𑒟 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑓑𑓙𑓒𑓙-𑓒𑓐𑓐𑓘



### 𑒩𑒧𑒹𑒬𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰 𑓑𑓙𑓓𑓐-



### 𑒑𑒼𑒣𑒰𑒪𑒖𑒲 𑒗𑒰 '𑒑𑒼𑒣𑒹𑒬' 𑓑𑓙𑓓𑓑-𑓒𑓐𑓐𑓘



### 𑒫𑒱𑒫𑒹𑒏𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩 𑓑𑓙𑓓𑓑-



### 𑒞𑒰𑒩𑒰𑒏𑒰𑓀𑒞 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 𑓑𑓙𑓓𑓑-

जन्म मधुबनी जिलाक मेहथ गाममे १९३१ ई.मे भेलन्हि।हिनिकर रचित �सोन दाइक चिट्ठी�, �गाम भेल ठाढ़ छी�, �एखनहुँ� �आब कहू मन केहन लगैए�, "मध्यानक पाग" प्रकाशित भेल। जाहिमे सोनदाइक चिट्ठी वेश लोकप्रिय भेल।२००६ ई-मे गोपालजी झा गोपेश, मेहथ, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।

२००५- विविकानन्द ठाकुर (चानन घन गछिया, पद्य)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



ललित १९३२-१९८३

जन्म स्थान वसैठ चानपुरा मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध कथाकार ओ उपन्यासकार। प्रकाशित कृति: प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र (उपन्यास) आदि।



मुरारि मधुसूदन ठाकुर १९३२-

ताराशंकर बंद्योपाध्यायक बंगला उपन्यास "आरोग्य निकेतन"क मैथिली अनुवाद लेल साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार १९९९ भेटल छन्हि।



विद्यानाथ ठाकुर १९३३-



धूमकेतु १९३२-२०००



राजमोहन झा १९३४-



जन्म स्थान कोइलख, मधुबनी, बिहार। प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि। प्रकाशित कृति: दू टा कथा संग्रह ओ एक टा उपन्यास।

जन्म स्थान कुमरबाजितपुर, वैशाली, बिहार। प्रख्यात कथाकार ओ संपादक। आइ काल्हि परसू (कथा-संग्रह) लेल १९९६ मे साहित्य अकादेमीसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: एक आदि एकांत, झूठ साँच, एकटा तेसर, अनुलग्नक, आइ काल्हि परसू (कथा संग्रह), गलतीनामा, मनहि विद्यापति, टिप्पणीत्यादि (आलोचना)। �आरम्भ� पत्रिका संपादन।प्रबोध सम्मान २००९ सँ सम्मानित।

## डॉ धीरेन्द्र १९३४-२००४

जन्म स्थान लहना, मधुबनी, बिहार प्रसिद्ध कथाकार,उपन्यासकार ओ कवि। प्रकाशित कृति: कुहेस आ कनिआ, पहाड़ा घूरक आगि, शतरूपा ओ मनु अपन मन्दिर (कथासंग्रह) हैंगरमे टाँगल कोट, काल्हि ओ आइ (कविता संग्रह) सहित कैक विधामे विभिन्न पोथी।



## रमेश नारायण १९३४- २०११

नाम- रमेश नारायण दास, जन्म १५ मार्च १९३४ कें मधुबनीक बहेना गाममे। पिता-श्री हरिवल्लभ लाल दास। शिक्षा मधेपुर, मधुबनी आ पटनामे। १९६१ ई.सँ १९९४ ई. धरि एएन कॉलेज, पटनामे हिन्दी विभागमे अध्यापन। पाथरक नाव (मैथिली कथा संग्रह, १९७२) प्रकाशित। मृत्यु १२ जनवरी २०११ कें पटनामे।



## बाबू श्री सत्यनारायण सिंह आ राघवाचार्य



## मायानन्द मिश्र १९३४-

हिनक जन्म १७ अगस्त १९३४ ई. कें सुपौल जिलाक बनैनियाँ गाममे भेलनि।भाङक लोटा, आगि मोम आ� पाथर आओर चन्द्र-बिन्दु- हिनकर कथा संग्रह सभ छन्हि। बिहाड़ि पात पाथर , मंत्र-पुत्र ,खोता आ� चिड़ै आ� सूर्यास्त हिनकर उपन्यास सभ अछि। दिशान्तर हिनकर कविता संग्रह अछि। एकर अतिरिक्त सोने की नैय्या

મારી કે ભેગ, પ્રથમ શૈલ પુત્રી

ચ,મંત્રપુત્ર, પુરોહિત

શ્રા� સ્ત્રી-ધન હનિક્ર હન્દિીક

ક્ૃા શ્રિછા૧૯૮૮- માયાનન્દ

મશ્રિ (મંત્રપુત્ર, ઉપન્યાસ)પર

મૈથિલિક સાહિત્ય અકાદેમી

પુરસ્કારસઁ સમ્માનતિ।

પ્રબોધ સમ્માન ૨૦૦૭સઁ

સમ્માનતિ।



## ળાળનન્દ ળુાા ૧૯૩૫-૨૦૧૧



## સોમદેવ ૧૯૩૪-

ઉપન્યાસકાર શ્રી કવિ। સાહિત્ય

અકાદેમી પુરસ્કારસઁ સમ્માનતિ।

પ્રકાશતિ ક્ૃાિ: ચાનોદાર, હોટલ

અનારકલી (ઉપન્યાસ), કાલ ધ્વનિ

(કવતિા સંગ્રહ), ચરૈવેતિ (ગીતિ

નાટ્ય) સોમ સતસર

(દોહા)।૨૦૦૨- સોમદેવ (સહસ્રમુખી

ચૌક પર, પદ્ય) લેલ સાહિત્ય

અકાદમી પુરસ્કાર। ૨૦૧૬ - શ્રી

સોમદેવ, દરભંગા;યાત્રી-ચેતના

પુરસ્કાર, પ્રબોધ સાહિત્ય સમ્માન

૨૦૧૧।



## નારાનન્દન લાલ દાસ ૧૯૩૪-

"કર્ણામ્ૃાક"ક

સમ્પાદન। "ચતિ્રા-વચિતિ્રા"

પ્રકાશતિ।



## रमानन्द रेणु १९३४-२०११

जन्म स्थान

उसमामठ, दरभंगा, बिहार। वरिष्ठ कवि, कथाकार ओ उपन्यासकार। साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: कचोट, त्रिकोण, अंतहीन आकाश (कथा-संग्रह), दूधफूल (उपन्यास), अंतत:, ओकरे नाम (कविता-संग्रह)। २०००- रमानन्द रेणु (कतेक रास बात, पद्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी खेल पुरस्कार २०११ (समग्र योगदान लेल)



## काशीकांत झा "बूच" १९३४-२००९

हिनक जन्म, महान दार्शनिक उदयनाचार्यक कर्मभूमि समस्तीपुर जिलाक करियन ग्राममे १९३४ ई मे भेलनि। पिता स्व पंडित बालकृष्ण झा गामक मध्य विद्यालयक प्रथम प्रधानाध्यापक छलाह। माता स्व कला देवी गृहिणी छलीह। अंतरस्नातक समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुरसँ कयलाक पश्चात् बिहार सरकारक प्रखंड कर्मचारीक रूपमे सेवा प्रारंभ कयलनि। बाल्हि कालसँ कविता लेखनमे विशेष रूचि छल। मैथिली पत्रिका - मिथिला मिहिर, माटि- पानि, भाखा तथा मैथिली अकादमी पटना द्वारा प्रकाशित पत्रिकामे समय - समय पर हिनक रचना प्रकाशित होइत रहलनि। जीवनक विविध विधाकेँ अपन कविता एवं गीत प्रस्तुत कयलनि। साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा प्रकाशित मैथिली कथाक विकास (संपादक डॉ वासुकीनाथ



## श्याम चन्द्र १९३४-

उपन्यास "रूपा दीदी" प्रकाशित।

ग्राम मङापि, जिला- मधुबनी।

હા ) મે હાસ્ય કથા કારક સૂચી મે

ડા૰ વદ્યિાપતિ હા હનિક

રચના ��ચર્મ શાસ્ત્રાચાર્યક

ઉલ્લેખ કયલનિ। મૈથિલિ અકાદમી

પટના એવં મથિલિા મહિરિ દ્વારા

પ્રશંસા પત્ર ભેળલ ભારત છલ

।શ્રૃંગારરસ એવં હાસ્ય રસક

સંગ-સંગ વચિાર મૂલક કવતિાક

રચના સેહો કયલનિ। ડા૰

દુર્ગાનાથ હા શ્રીશ સંકલતિ મૈથિલિ

સાહત્યિક ઇતહિસમે કવકિ રૂપમે

હનિક ઉલ્લેખ કએલ ગેલ અછિ

। **પ્રકાશતિ કૃતિ (મૃત્યોપરાંત)**

: કલાનચિ- કવતિા-સંગ્રહ।



## ડોરીલાલ શર્મા "શ્રોત્રયિ" ૧૯૩૫-

"મથિલિ કી પાણ્ડત્યિ પરમ્પરા" પોથી પ્રકાશતિ।



## રામભદ્ર, ધનુષા, નેપાલ ૧૯૩૫-૨૦૨૦

સાહત્યિ તથા અન્યાન્ય ક્ષેત્રક કતેક સશક્ત

વ્યક્તત્વિ અપન પ્રેરણાસ્રોત આ પથ-

પ્રદર્શક માનૈત છથિ। મૈથિલિ સાહત્યિ-

ક્ષેત્રમે હનિક પરચિયક માદે જાનકારી કહવ

પર્યાપ્ત હોયત જે મૈથિલીક મૂર્દ્ધન્ય

સાહત્યિકાર ડા. ધીરેન્દ્ર હનિકા મૈથિલિ

સાહત્યિક સર્વશ્રેષ્ઠ કથાકાર માનૈત છથિ

।હનિક કથામે પ્રતીકાત્મકતાક અદ્ભુત

પ્રયોગહટિ નહિ, અપતિુ એકટા આદર્શ કથાક



## કેદારનાથ ચૌધરી (૧૯૩૬-)

મૈથિલીક પહલિ શ્રવ્યિ 'મમતા ગાવય

ગીત' કેર નર્મિાતા દ્વયમેસઁ એકટા

નર્મિાતા છથિ કેદારનાથ ચૌધરી આ

દોસર મદનમોહન દાસ। વાદમે

આર્થકિ મજબૂરીવશ તેસર

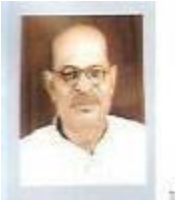
સહનર્મિાતા બેલ્પાનિ ઉદયભાનુ

સહિ માતા-સ્વ કુસુમરાની દેવી,

𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞 𑒫𑒻𑒬𑒱𑒭𑓂𑒙𑓂𑒨𑒮𑒿 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒧𑒰𑒢 𑒩𑒯𑒻𑒞 𑒁𑒕𑒱। 𑒏𑒟𑒰𑒏𑒰𑒩𑒏 𑒁𑒞𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 𑒄 𑒅𑒞𑓂𑒏𑒵𑒭𑓂𑒙 𑒮𑒧𑒰𑒪𑒼𑒔𑒏, 𑒢𑒰𑒙𑒏𑒏𑒰𑒩 𑒂 𑒏𑒫𑒱 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒕𑒟𑒱। 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪𑒧𑒹 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒧𑒼𑒢𑒼𑒑𑓂𑒩𑒰𑒧𑒰 𑒪𑒱𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒬𑓂𑒩𑒹𑒨 𑒮𑒹𑒯𑒼 𑒯𑒱𑒢𑒏𑒰 𑒖𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒢𑒱।𑒮𑒰𑒧𑒰𑒖𑒱𑒏 𑒏𑒳𑒩𑒲𑒞𑒱𑒮𑒦𑒏𑒹𑒿 𑒏𑒳𑒬𑒪𑒞𑒰𑒮𑒿 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒝 𑒏𑒩𑒥𑒰𑒧𑒹, 𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒢𑒲𑒨 𑒥𑒢𑒋𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒂 𑒧𑒢-𑒧𑒮𑓂𑒞𑒱𑒭𑓂𑒏𑒣𑒩 𑒁𑒧𑒱𑒙 𑒕𑒰𑒣 𑒕𑒼𑒛𑓃𑒥𑒰𑒧𑒹 𑒩𑒰𑒧𑒦𑒠𑓂𑒩 𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒯𑒮𑓂𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒡𑒢𑒳𑒭𑒰 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒏𑒳𑒩𑓂𑒟𑒰 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒖𑒢𑒧𑒪 𑒩𑒰𑒧𑒦𑒠𑓂𑒩𑒏 𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝 𑒢𑒰𑒧 𑒩𑒰𑒧𑒦𑒠𑓂𑒩 𑒏𑒩𑓂𑒝 𑒕𑒢𑒱। 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒏 𑒁𑒫𑒏𑒰𑒬𑒣𑓂𑒩𑒰𑒣𑓂𑒞 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒏 𑒩𑒰𑒧𑒦𑒠𑓂𑒩 𑒫𑓂𑒨𑒰𑒏𑒩𑒝, 𑒣𑒰𑒚𑓂𑒨𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒏 𑒂 𑒮𑒯𑒰𑒨𑒏 𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒏𑒮𑒦 𑒪𑒱𑒐𑒥𑒰𑒏 𑒏𑒰𑒖𑒧𑒹 𑒢𑒱𑒩𑒢𑓂𑒞𑒩 𑒮𑒏𑓂𑒩𑒱𑒨 𑒕𑒟𑒱।

𑒣𑒞𑒱- 𑒮𑓂𑒫. 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩𑒲 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲, 𑒖𑒢𑓂𑒧: ०३०११९३६

𑒞𑒰+𑒣𑒞𑓂𑒞𑒰 𑒢𑒹𑒯𑒩𑒰 (𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰), 𑒁𑒢𑓂𑒨 𑒣𑒰𑒩𑒱𑒫𑒰𑒩𑒱𑒏 𑒮𑒠𑒮𑓂𑒨-𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲-𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒞𑒲 𑒏𑒳𑒧𑒳𑒠 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲, 𑒮𑓀𑒞𑒰𑒢- 𑒣𑓂𑒩𑒟𑒧 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩𑒲- 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒞𑒲 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒗𑒰, 𑒠𑓂𑒫𑒱𑒞𑒲𑒨 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩𑒲- 𑒬𑓂𑒩𑒲𑒧𑒞𑒲 𑒁𑒩𑓂𑒔𑒢𑒰 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲, 𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰- १९५८ 𑒄.𑒧𑒹 𑒁𑒩𑓂𑒟𑒬𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒧𑒹 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒞𑒏𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩, १९५९ 𑒄.𑒧𑒹 𑒪ॉ। १९६९ 𑒄.𑒧𑒹 𑒏𑒻𑒪𑒱𑒤𑒼𑒩𑓂𑒢𑒱𑒨𑒰 𑒫𑒱.𑒫𑒱.𑒮𑒿 𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑓂𑒟𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 𑒧𑒹 𑒮𑓂𑒢𑒰𑒞𑒏𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩, १९७१ 𑒄.𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒩𑓂𑒏𑒹𑒙𑒱𑓀𑒑 𑒋𑓀𑒛 𑒛𑒱𑒮𑓂𑒙𑓂𑒩𑒲𑒥𑓂𑒨𑒴𑒬𑒢 𑒫𑒱𑒭𑒨𑒧𑒹 𑒑𑒼𑒪𑓂𑒛𑒹𑒢 𑒑𑒹𑒙 𑒨𑒴𑒢𑒱𑒫𑒩𑓂𑒮𑒱𑒙𑒲, 𑒮𑒰𑒢𑒤𑓂𑒩𑒰𑓀𑒮𑒱𑒮𑓂𑒏𑒼, 𑒨𑒴𑒋𑒮𑒋 𑒮𑒿 𑒋𑒧.𑒥𑒲.𑒋, १९७८ 𑒧𑒹 𑒦𑒰𑒩𑒞 𑒂𑒑𑒧𑒢। १९८१-८६ 𑒏 𑒥𑒲𑒔 𑒞𑒹𑒯𑒩𑒰𑒢 𑒂 𑒣𑓂𑒩𑒻𑒏𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒧𑒹। 𑒥𑒧𑓂𑒥𑒃, 𑒣𑒳𑒝𑒹 𑒯𑒼𑒃𑒞 𑒩𑒱𑒙𑒰𑒨𑒩𑒧𑒹𑒢𑓂𑒙𑒏 𑒥𑒰𑒠 २००० 𑒮𑒿 𑒪𑒯𑒹𑒩𑒱𑒨𑒰𑒮𑒩𑒰𑒨, 𑒠𑒩𑒦𑓀𑒑𑒰𑒧𑒹 𑒢𑒱𑒫𑒰𑒮𑒰𑒠 𑒙𑒰 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮- 𑒔𑒧𑒹𑒪𑒲𑒩𑒰𑒢𑒲 २००४, 𑒏𑒩𑒰𑒩 २००६, 𑒧𑒰𑒯𑒳𑒩 २००८, 𑒁𑒫𑒰𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱𑒞𑒢 २०१२, 𑒲𑒝𑒰 २०१३, 𑒁𑒣𑒢𑒰 २०१९ 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢- १) 𑒫𑒱𑒠𑒹𑒯 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢, 𑒫𑒩𑓂𑒭- २०१३ (𑒗𑒰𑒩𑒐𑓀𑒛 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒧𑓀𑒔, 𑒩𑒰𑒿𑒔𑒲 𑒠𑓂𑒫𑒰𑒩𑒰), २) 𑒣𑓂𑒩𑒥𑒼𑒡 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢, 𑒫𑒩𑓂𑒭-२०१६ 𑒂 ३) 𑒏𑒹𑒠𑒰𑒩 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢, 𑒫𑒩𑓂𑒭-२०१६,'𑒁𑒫𑒰𑒢𑒰 𑒢𑒯𑒱𑒞𑒢' 𑒪𑒹𑒪।



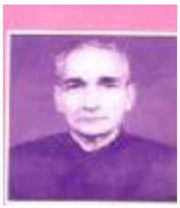
## ળીવકાંત ૧૯૩૬-

નામ- ળીવકાન્ત હ્રા,પતિ-ગુમ્માનન્દ હ્રા, માતા-મહેશ્વની દેવી, ળન્મ-૨૫.૦૭.૧૯૩૬ અનુઆઢ, ળિલિ-સુપૌલ। નૌકની-વળ્ગ્યાન શક્ષિક (ઉવ્ચ્ચિળોલ ૧૯૫૭-૮૧), હિન્દી શક્ષિક (ઉવડિઓઢ એવં ઉવ્વીપ્પનામ ૧૯૮૧-૯૮)।પહિલ નયના-ચળોડિયા આ ટટિહી (કવિતા, ળનવની ૧૯૬૫ મથિલિ મહિમિ)।પહિલ છપલ પોથી- દૂ કુહેસક વાટ (ઉપન્યાસ ૧૯૬૮)।નૂતન પોથી-પ્પિપ્પિક વોઆનિ (૨૦૦૭ વાલ પદ્ય કથા), અડન્ની પ્પસળ વનમે (પદ્ય-કથા સંગ્નહ) આ પંળનિ પ્નેમ પ્નકાસયિા (ળીવન-વૃત્તક અંશ)।પુનસ્કાન-સાહિત્ય અકાદેમી ૧૯૯૮ તકૈ અછિ યડિ, પદ્ય , કવિઘ્ઘ સમ્માન (૧૯૯૮), વૈદેહી સમ્માન (૧૯૮૫)।પ્નકાશતિ પોથી-

**કવિતા સંગ્નહ**નાયૂ હે પૃથ્વી (૭૧), યાન નહિ હેચ્છ મુક્ત (૮૧), તકૈત અછિ



## દેવકાંત હ્રા ૧૯૩૬-



## ડૉ અમનેશ પાઠક ૧૯૩૬-

હિનક ળન્મ સીતામઢી ળિલિક અન્તગ્ગત સામાનિ ગ્નામમે ૧૯૩૬ મે ભેલન્હિ। ૧૯૫૭ મે પટના વશ્વિવદ્દિયાલયસઁ મૈથિલીક એમ.એ પનીક્ષામે પ્નથમ શ્નેણીમે પ્નથમસ્થાન પાઓલ। ૧૯૫૭ સઁ ૧૯૬૦ યનિ નામકૃષ્ણ મહાવદ્દિયાલય, મધુવનીમે વ્યાખ્યાતા નૂપેં તકના વાદ પટના વશ્વિવદ્દિયાલયમે વ્યાખ્યાતા નૂપમે કાન્ય કનએ લાગલ। પટના વશ્વિવદ્દિયાલયમે મૈથિલી વભાગાધ્યક્ષ નૂપેં। મૈથિલી ઉપન્યાસક આલોચનાત્મક અધ્યયન� શોધ પ્નવન્ધપન હિનકા વહિન વશ્વિ-વદ્દિયાલય દ્વાના ડૉ લિટિક ઉપાધિ ભેટલન્હિ। ઈ શોધ પ્નવન્ધ પુસ્તકાકાન નૂપેં સેહો પ્નકાશતિ ભેલ અછિ વહિન નાષ્ટ્નભાષા પનષિદક વદ્દિયાપતિ ગ્નન્થાવલીક સમ્પાદક મણ્ડલક સદસ્ય। હિનક અન્ય પ્નકાશતિ નયના અછિ �નવિન્ય સંકલન�। એકના છોડિ વભિન્નિ

चिड़ै (८५), धाँड़ी (१९९६), पानिमे जोगाने अछि बिस्तो (९८), श्रुनगी नीलाकाशमे (२०००), गाछ रूख-रूख (२००४), छाह सोहाओन (२००६), धिपिपिकि वीअरि (२००७)

**कथा-संग्रह**:एकसरि ठाढ़ कदम तरमे (७२), सूर्य गलि रहल अछि (७५), वस्तु (८३), कारी झील (९८)

**उपन्यास**:दू कुहेसक बाट(६८), परिपत(७७), नहि, कतहु नहि (७६), पीयर गुलाब छल (७१), अगिनिवान (८१)

**हिन्दी अनुवाद**- निशान्त की चिड़िया (तकैत अछि चिड़ै, साहित्य अकादमी, दिल्ली २००३)।

प्रबोध सम्मान २०१० सँ सम्मानित।

पत्र-पत्रिकामे हिनक करीब निबन्ध प्रकाशित छन्हि। मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रहक २हो एक सम्पादक छथि। ६ अयक्तिर उच्च स्तरीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि। २०००- डॉ अमरेश पाठक, (तमस- भीष्म साहनी, हिन्दी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



## बलराम १९३६-२००८

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार। विशिष्ट कथाकार। प्रकाशित



## मैथिलीपुत्र प्रदीप १९३६-

ग्राम- कथवार, दरभंगा। प्रशिक्षित एम.ए. साहित्य रत्न, नवीन शास्त्री, पंचाग्नि साधक। हिनकर रचित "जगदम्ब अहीं अवलम्ब



## रामदेव झा १९३६-

कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक। साहित्य अकादेमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कर्त्ता छ था

ક્ૃતિઃ દકચ્ઊ દેવાઊ (કથા-સંગ્ાહ)।

હમાા" આ "સજાક સુર્ય અહઁ ઊપ છી હે અમ્વે, હમાા કપિ વસિૈ છી પૈ" મથિિાિમે ઊળેડ જાપ ગેઊ અછિ।

મથિિાિ વસ્િવવદ્િયાઊય દાભંગાક મૈથિિ વભાિગક પૂાવ પ્ાાયા્ય। પ્ાકાશનઃ પસહિ્ િપાથા, (અનુ) આદિ। ૧૯૯૧- ાામદેવ હ્ા (પસહિ્ િપાથા, એકાંકી)ઊેઊ સાહિત્ય અકાદમી પુાસ્કાાસઁ સમ્માનતિ।૧૯૯૪- ાામદેવ હ્ા (સગાર- ાાળનિ્દા સહિ વેદી, ઉાૂદૂ) ઊેઊ સાહિત્ય અકાદેમી મૈથિિ અનુવાદ પુાસ્કાા।



## ાવીન્દ્ા નાથ ઠાકુા ૧૯૩૬-

ળન્મ પૂન્ામસિા ળિાિક યમદાહ ગ્ાામમે ૧૯૩૬ ઈ મે ભેઊન્હિ। નેને અવસ્થાસઁ ગીત ગાએવામે એવં કવતિા ઊખ્વિામે વશિષ ુર્યિ। કોનો મંચ પા ઠાઢ ભોઊ પા ઈ સહળહિ શ્ાોતાકેં આહ્ઊાદતિ કઐત છથિ। હનિક સાત ગોટ મૈથિિક ગીત સંગ્ાહ, એક મનિી મહાકાવ્ય, એક પ્ાયોગધમ્ી કાવ્ય, એક ઉપન્યાસ, એક નાટક �એક ાાતિ� એવં એક હનિ્દી નાટક, પ્ાકાશતિ ભેઊ છન્હિ।



## વનિોદ વહિાાી વ્મા ૧૯૩૭-૨૦૦૩

મૈથિિ કાાામ કાયસ્થક પાઁળિ સ્ાવેક્ષામ, વઊાનક વોનહિાા આે પઊઊવી તથા અન્ય કથા (કથા સંગ્ાહ)



## વીાેન્દ્ા મઊઊકિ ૧૯૩૭-

ળન્મ-
૩ ળનવાી ૧૯૩૭ ઈ પાાસૌની, મધુ વનીમોકવિ, સમ્પાદક, સમીક્ષક। આપ્પા, અગાનપિત્ાક સમ્પાદન।અગ્નિ-શિખ્ા (કવતિા સંગ્ાહ)।







## कीर्तिनारायण मिश्र १९३७-

जन्म १७ जुलाइ १९३७ ई. कें ग्राम शोकहारा (बरौनी), जिला बेगूसरायमे भेलन्हि। हुनकर प्रकाशित कृति अछि सीमान्त,महानगर (दीर्घ कविता), हम स्वगत नहि छियैक, ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप (एहि पोथीपर साहित्य अकादमी १९९७ पुरस्कार), आदमीकें जोहैत (कविता संग्रह)। संस्मरण-अपन एकान्तमे, स्मृति यात्रा, पत्रक दर्पणमे। सम्पादन- आखर मासिक पत्रिका, आधुनिक मैथिली साहित्य, '६३, बालकमल जीवन आ साहित्य, '६८, कथा-संकलन- काल कोठरी। आलोचना- अर्थान्तर-२००४

## गौरीकान्त चौधरीकान्त १९३७-२००१

## युगल किशोर मिश्र १९३८-२००७

मैथिली शब्दकोष।



## प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' १९३८-

ग्राम+पोस्ट- हसनपुर, जिला-समस्तीपुर।मैथिलीमे १नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास(विराटनगर,१९७२ई), २ब्रह्मग्राम(रिपोर्ताज दरभंगा १९७२ ई), ३�मैथिली� त्रैमासिकक सम्पादन (विराटनगर,नेपाल १९७०-७३ई), ४मैथिलीक नेनागीत (पटना, १९८८ ई), ५नेपालक आधुनिक मैथिली साहित्य (पटना, १९९८ ई), ६ प्रेमचन्द चयनित कथा, भाग- १ आऽ २ (अनुवाद), ७ वाल्मीकिक देशमे (महुआ, २००५ ई)।२००४- ७ॆ प्रफुल्ल कुमार



## महेश्वरनाथ मल्लिक १९३८-



## परशुराम झा १९३८-

ग्राम- मेंहथ (मधुबनी), कृति- डाइमेन्शन्स ऑफ पीस इन इन्गलिश ड्रामा,क्रिश्चियन पोएटिक ड्रामा।

सहि ?मौन? (प्रेमचन्द की कहानी- प्रेमचन्द, हिन्दी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



## कुलानन्द मिश्र १९४०-२०००

जन्म पकड़ी कोठी, सीतामढ़ी, बिहार। सुविख्यात कवि, संपादक, समालोचक। प्रकाशित कृति- नावक घाटे, रंगक प्रतीक्षामे (कविता संग्रह), मानक भाषा सम्वेक्षण, पाथो, राजकमल चौधरी की ग्यारह कहानियाँ (अनुवाद)।



## वकिल पासवान 'वहिराम' १९४०-

जन्म मधुबनी जिलाक एकहरथा ग्राममे १९४० ई मे भेलन्हि।



## शलउर रहमान हास मी १९४०-२०११

जन्म-पटना जिलाक बराह गाममे। बदृति अध्यापक। हिन्दी कविता संग्रह "रश्मि राशि" आ मैथिली कविता संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित। १९९६मे अवकाशग्रहण आजाद- अबदुलकवी देसनवी, उर्दूसँ मैथिली अनुवादपर साहित्य अकादमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



## गुणनाथ झा

गुणनाथ झा "लोक मञ्च" मैथिली नाट्य पत्रिकाक संयोजन- सम्पादन केने छथि मैथिलीमे आधुनिक नाटकक प्रणयन हिनक र नाटक सब अछि:



## प्रभास कुमार चौधरी १९४१-१९९८

गाम- पङितुछ, जिला- दरभंगा। प्रख्यात कथाकार ओ उपन्यासकार। प्रभासक



## साकेतानन्द १९४०-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

मधुयामिनी: एकाङ्क नाट्य शैलीमे दूटा पात्र, पुरुष संयुक्त परिवारक पक्ष लेनिहार आ स्त्री तकर विरोधी।

पाथेय: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित, मुदा पूर्णाङ्कक सन विशिष्टता ऐमे भेटत। मुख्य अभिनेता मिथिलाक अयोगतासँ दुखी भऽ गामकेँ कर्मस्थली बनबैत छथि, स्वजन विरोध करै छथि।

लल-बुझक्कर: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। दाही रौदीसँ हमार निम्न आ मध्य-निम्न वर्ग स्वतंत्रताक पहिनहियो आ बादो जीविकोपार्जन लेल प्रवास करबा लेल अभिशप्त छथि।

सागर रात्रि: एकाङ्क नाट्य शैलीमे रचित। मैथिली रंगमंचपर महिला अभिनेत्रीक अभाव, सागर रात्रिक प्रतीक्षामे पूर्वाभ्यास खतम भऽ जाइत अछि।

शेष नहि: आधुनिक सामाजिक पूर्णाङ्क नाटक। पिता-माताक मृत्युक बाद अग्रजक अनुजक प्रति पितृवत व्यवहार।

आजुक लोक: पूर्णाङ्क नाटक। विषय निम्नमध्यवर्गीय बेरोजगारी आ वियाहक दायित्वक बोझ।

जय मैथिली: पूर्णाङ्क नाटक। मिथिलाक भाषिक-सांस्कृतिक समस्या एकर कथावस्तु अछि।

महाकवि विद्यापति: विद्यापतिक नव विश्लेषण।

प्रकाशित कृति: कथा-प्रभास, प्रभासक कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दखल (कथासंग्रह), अभिशप्त, युगपुरुष, हमरा लग रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी (उपन्यास)। विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक सम्पादन। त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति दीप जरय' केर प्रारम्भ।१९९०- प्रभास कुमार चौधरी (प्रभासक कथा, कथा) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

प्रकाशित कृति: मैथिली कथा साहित्यमे १९६८ स� सक्रिय। लगभग चालिस_पचास टा कथा, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रा_विवरण मैथिलीमे प्रकाशित अधिकांश पत्र_पत्रिकामे छपल। पहिल मैथिली कथा �ग्लेसियर� १९६८मे �मिथिलामिहिर�मे प्रकाशित। हिन्दियोमे दू दर्जन कथा आदि प्रकाशित। सन ६९मे छपल पहिल कथा_संग्रह �ग्रामनायक� के ओहि वर्ष �साहित्य अकादमी पुरस्कार। पैघ बाग्य� स� अवैतल विपित्तिक रेखांकित करैत, पर्यावरण के कथा वस्तु बना क� राजकमल प्रकाशन स� प्रकाशित एवं अत्यंत चर्चित उपन्यास (�डीकॉमैंट्री अक्विशन�) �सर्वस्वांत� ।आकाशवाणीक राष्ट्रीय कार्यक्रममे प्रसारित दू टा उल्लेखनीय वृत्त रूपक_ �महानन्दा अभयारण्य� पर आधारित �जंगल बोलता है� एवं झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रक ज्वलंत डाइनक समस्या पर आधारित वृत्तरूपक � नैना जोगन � चर्चित एवं प्रसंशित।



## ગંગેશ ગુંજન ૧૯૪૨-

જન્મ

સ્થાન- પિલખવાડ઼, મધુબની।શ્રી

ગંગેશ ગુંજન મૈથિલીક પ્રથમ

ચૌબટિયા નાટક બુધિબધિયાક લેખક

છથિ આ હિનકા ઉચિતવક્તા (કથા

સંગ્રહ) ક લેલ સાહિત્ય અકાદમી

પુરસ્કાર ભેટલ છન્હિ। એકર

અતિરિક્ત મૈથિલીમે હમ એકટા

મિથ્યા પરિચય, લોક સુનૂ (કવિતા

સંગ્રહ), અન્હાર- ઇજોત (કથા

સંગ્રહ), પહિલ

લોક (ઉપન્યાસ), આઇ

ભોર (નાટક)પ્રકાશિત। હિન્દીમે

મિથિલાંચલ કી લોક

કથાએઁ, મણિપદ્મક

નૈકા- બનિજારાક મૈથિલીસઁ હિન્દી

અનુવાદ આ શબ્દ તૈયાર હૈ (કવિતા

સંગ્રહ)।૧૯૯૪- ગંગેશ

ગુંજન (ઉચિતવક્તા, કથા)પુસ્તક

લેલ સહિત્ય અકાદેમી પુરસ્કારસઁ

સમ્માનિત।



## પ્રેમશંકર સિંહ ૧૯૪૨-

ગ્રામ+પોસ્ટ- જોગિયારા, થાના- જાલે, જિલા- દરભંગા।મૌલિક

મૈથિલીઃ ૧મૈથિલી નાટક ઓ રંગમંચ,મૈથિલી

અકાદમી, પટના, ૧૯૭૮ ૨મૈથિલી નાટક પરિચય, મૈથિલી

અકાદમી, પટના, ૧૯૮૧ ૩પુરુષાર્થ ઓ વિદ્યાપતિ, ઋચા

પ્રકાશન, ભાગલપુર, ૧૯૮૬ ૪મિથિલાક વિભૂતિ જીવન

ઝા, મૈથિલી અકાદમી, પટના, ૧૯૮૭૫નાટ્યાનુવાયય, શેખર

પ્રકાસન, પટના ૨૦૦૨ ૬આધુનિક મૈથિલી સાહિત્યમે હાસ્ય-

વ્યંગ્ય, મૈથિલી અકાદમી, પટના, ૨૦૦૪

૭પ્રપાણિકા, કર્ણગોષ્ઠી, કોલકાતા ૨૦૦૫, ૮ઈક્ષણ, ઋચા

પ્રકાશન ભાગલપુર ૨૦૦૮ ૯યુગસંધિક પ્રતિમાન, ઋચા

પ્રકાશન, ભાગલપુર ૨૦૦૮ ૧૦ચેતના સમિતિ ઓ

નાટ્યમંચ, ચેતના સમિતિ, પટના ૨૦૦૮। ૨૦૦૯ ઈ-શ્રી

પ્રેમશંકર સિંહ, જોગિયારા, દરભંગા યાત્રી-ચેતના પુરસ્કાર।



## માર્કણ્ડેય પ્રવાસી ૧૯૪૨-૨૦૧૦

જન્મ ગ્રામઃ ગરુઆર, જિલાઃ

સમસ્તીપુર। પ્રકાશિત કૃતિઃ

અગસ્ત્યાયની

(મહાકાવ્ય); એકદર્થ (કવિતા

સંગ્રહ), અક્ષર ચેતના (કાવ્ય

સંગ્રહ)। અજાયિત, હમ

કાલિદાસ (ઉપન્યાસ)। �અગસ્ત્

યાયની� લેલ ૧૯૯૧મે સાહિત્ય

અકાદેમી પુરસ્કાર પ્રાપ્ત।



દેવેન્દ્ર ઝા ૧૯૪૩-

ગામ- યાનપુરા (મધુબની), ક્ાતિ-

વિદ્યાપતિક શ્રૃંગારિક પદક

કાવ્યશાસ્ત્રીય

અધ્યયન, ઉપ્ટદાસ, સુધાકર ઝા

"શાસ્ત્રી", અનુવાદ, વદ્દ િ ભાઇક

ઘરે ટા।



ડૉ ભીમનાથ ઝા ૧૯૪૫-

જન્મ:કોઇલખ, મધુબની, બિહાર। પ્રખ્યાત

કવિ, સમાલોચક, પ્રાધ્યાપક

। �વિવિધા�નિબન્ધ પુસ્તક હેતુ સન્

૧૯૯૨મે સાહિત્ય અકાદેમી પુરસ્કારસઁ

સમ્માનિત। પ્રકાશિત

ક્ાતિ:ત્રિપથગા, લોક્ષા, કી શુગૈર કી

નહિ, નામ ને થકિ ઓઇ (કવિતા

સંકલન), પરિચાયિકા, સીતારામ

ઝા, કવિ ચૂડામણિક કાવ્ય

સાધના, વિવિધા (નિબંધ, આલોચના),ટાવર

ચૌકસઁ આદિ।



મહેન્દ્ર મલંગિયા ૧૯
૪૬-

ગામ- મલંગિયા, જિલા- મધુબની।

મૈથિલીક સુપરિચિત

નાટકકાર, રંગ નિર્દેશક એવં

મૈલોરંગક સંસ્થાપક અધ્યક્ષ।

લોક સાહિત્ય પર ગંભીર શોધ

આલેખ। મૈથિલીમે ૧૩ટા નાટક,

૧૯ટા એકાંકી, ૧૪ટા નુક્કડ

આ ૧૦ટા રેડિયો નાટક પ્રકાશિત

આ આકાશવાણી સઁ પ્રસારિત।

સીનિયર ફેલોશિપ (ભારત

સરકાર), ઇંટરનેશનલ થિયેટર

ઇંસ્ટિચ્યૂટ (નેપાલ), પ્રબોધ

સાહિત્ય સમ્માન આદિ સઁ

સમ્માનિત। સંપ્રતિ

જ્યોતિરીશ્વર બિપ્રિત મૈથિલીક

પ્રથમ પુસ્તક વર્ણરત્નાકર

પર શોધ કાર્ય। શ્રી મહેન્દ્ર

મલંગિયાક જન્મ ૨૦ જનવરી

૧૯૪૬ મે મધુબની જિલાક મલંગિયા

ગામમે ભેલન્હિ મલંગિયાજી મૈથિલી

હિન્દી, અંગ્રેજી આ નેપાલી ભાષાક

જાનકાર આ થિયેટર

શિક્ષામ, પટકથા લેખન આ

તત્સમ્બન્ધી શોધક અનીભન્સ

शिक्षक छथि।२००२ ई- श्री महेन्द्र मलंगिया, मलंगिया;यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान २००५ सँ सम्मानित।



## डॉ राम दयाल राकेश, सप्तरी, नेपाल १९४२-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक ई तीनू भाषा �राकेश�क व्यक्तित्वमे एना ने मिझरा गेल छैक जे कोनहुसँ हिनका भिन्न नहि कएल जा सकैत अछि। ई विशेषतः नेपालीमे लिखैत छथि, मुदा लेखनक विषय मूलतः मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि। ओना मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजीमे सेहो ई अनेक रचना कएने छथि।नेपालक राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य �राकेश� दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पीएचडी आ अमेरिकास्थित इण्डियाना यूनिवर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल रिसर्च कएने छथि। डा. �राकेश�क जन्म २५ जुलाइ १९४२ ई. कऽ सप्तरी जिलाक ससिटियामे भेल छनि। नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित कऽ करीब दू दर्जन पोथी प्रकाशित , दर्जनभरि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम दयाल राकेश (१९९९)।



## उपेन्द्र दोषी १९४३-२००१

जन्म स्थान रामपुर-कोरगामा, दरभंगा। कवि-कथाकार, गीत-गजलकार। प्रकाशित कृति: यन्त्रारूढ़ क्षणमे (कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक पोथी प्रकाशित। ओड़ियासँ मैथिली अनुवाद हेतु मृत्युपरान्त साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत। २००३- उपेन्द दोषी (कथा कहिनी- मनोज दास, उड़िया) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



## उदयचन्द्र झा "विनोद" १९४३-

जन्म ५ अप्रैल १९४३ ई। ग्राम- रहिका, मधुबनी। जन्म-ग्राम- दुल्हा, मधुबनी। प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मौसम अयल पर, एहना स्थितिमे, भरि दिन गौना, एहि जनपदमे, दोहा तीन सय दू, कहलनि पत्नी, सहरजमीन, अपक्ष, प्रश्न नायक (कविता-संग्रह), धूनी (सहयोगी कविता संग्रह); जाँत (कथा संग्रह), उदास गाछक वसंत (नाटक)। �माटि पानि�क वरिष्ठ सम्पादक।२००५ ई-श्री उदय चन्द्र झा �विनोद�, रहिका, मधुबनी; यात्री-चेतना पुरस्कार।



ેવતી ૧મા્ઞ ૭ા૭, ળનકપુ૧ ૧૯૪૩-



મં્ેશ્વ૧ ્દા ૧૯૪૪-

ળ્મ ૬ ળનવ૧ી ૧૯૪૪ ઽ્ાામ-

૭ા૭ાંળ, ળભિ-મધુવનીમે પ્૧કાશતિ

ક઼ૂાઃ પ્યાર્ઇ, અન્યતિહા૧

ગામ, વહસ૭ ૧ાતકિ સ્ઝોત (કવતિા

સંગ્૧હ); એક વટે દૂ (કથા

સંગ્૧હ), ઓ્દા ઉપ્ે ગામ

વતાહ (૭૭તિ નવિન્ધ)। મૈથલિ કથા

સંગ્૧હક હનિ્દી

અનુવાદ �કું૭લી� નામસઁ

પ્૧કાશતિ દ સ્તુ૭સ

પૈ૧ાડાઝ્ળ (અંગ્ેળીમે ૭૭તિ

નવિન્ધ)। ૨૦૦૮ ઽ-શ્રી મં્ેશ્વ૧

્દા, ૭ા૭ાંળ,મધુવની ધાત્ી-ચેતના

પુ૧સ્કા૧। ૨૦૦૮- મં્ેશ્વ૧

્દા (ક્ેક ડા૧િ

પ૧, આત્મકથા) પ૧ સાહત્યિ

અકાદમી પુ૧સ્કા૧।



૧ત્ેશ્વ૧ મશ્ર્૧ ૧૯

૪૫-

અનુવાદક, નવિન્ધકા૧। પ્૧કાશનઃ

તમાલિ સાહત્યિક સ્તલિ઼સ,નવજૂતિ

(દુનુ અનુવાદ)।



ળગદીશ પ્૧સાદ મં૭લ



૧ાળ



गाम-बेरमा, तमुरिया, जिला-मधुबनी। एम.ए.। कथाकार (गामक जिनगी-कथा संग्रह आ तरेगन- बाल-प्रेरक लघुकथा संग्रह), नाटककार(मिथिलाक बेटी- नाटक), उपन्यासकार(मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-पतन, जिनगीक जीत- उपन्यास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। हिनकर कथामे गामक लोकक जिजीविषाक वर्णन आ नव दृष्टिकोण दृष्टिगोचर होइत अछि। विदेह सम्पादकक समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ मूल पुरस्कार- श्री जगदीश प्रसाद मण्डल (गामक जिनगी, कथा संग्रह)।मैथिली उपन्यास 'पंगु' लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार २०२१

महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह १८५८-१८९८



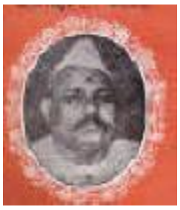
महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह १८६०-१९२९



महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह १९०७-१९६२



सर हरगोविन्द मिश्र, अलीगढ़ आ कामेश्वर सिंह



विनोदानन्द झा १८९५-१९७१



ललित नारायण मिश्र १९२२-१९७५



डॉ. रामबरन यादव, नेपाल राष्ट्रपति



સ્વર્ગીય વિન્ધ્યેશ્વરી પ્રસાદ મંડલ, રાજનેતા ૧૯૧૯-૧૯૮૨



ભૂપેન્દ્ર નારાયણ મણ્ડલ



કર્પૂરી ઠાકુર ૧૯૨૪-૧૯૮૮



રામવિલાસ પાસવાન ૧૯૪૬-

જન્મ ૫ જુલાઇ ૧૯૪૬, ગામ- શહરબન્ની, જિલા ખગડ઼િયા। ભારતીય રાજનીતિજ્ઞ।



રામ લખન રામ "રમણ"



યોગેન્દ્ર ઝા



યદુનન્દન મિશ્ર



રમાકાંત મિશ્ર



રમાનાથ મિશ્ર "મિહિર"

"મૈથિલી મુહાવરા એવમ્ લોકોક્તિ પ્રકાશ" પ્રકાશિત।







## गजेन्द्र नारायण चौधरी, पत्रकार १९२९-२००८

## मोहन भारद्वाज १९४३-

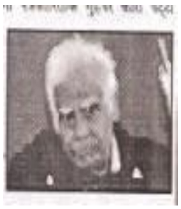
गाम- नवानी, जिला- मधुबनी। मैथिलीक प्रख्यात समालोचक।२००७ ई-श्री आनन्द मोहन झा, भारद्वाज, नवानी, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान २००८ सँ सम्मानित।

## योगानन्द झा १९५५-

२००५- डॉ योगानन्द झा (बिहारक लोककथा- पी.सी.राय चौधरी, अंग्रेजी)केँ साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। **प्रकाशित कृति:** लोकजीवन ओ लोक साहित्य (निबन्ध) १९८६, परिमिता (कथाकव्यांश) १९८७, फकीर मोहन सेनापति (अनुवाद) २०००, आलेख्य सञ्चयन (निबन्ध) २००२, बिहारक लोककथा (अनुवाद) २००३, स्नेहलता (वनिबन्ध) २००६, मैथिली पत्रकारिताकेँ सौ वर्ष (निबन्ध) २००६, गहवरगीत (निबन्ध) २००७, लोक-साहित्य ओ शब्द-सम्पदा (निबन्ध) २००७, मैथिलीक पारम्परिक जातीय व्यवसायक शब्दावली (शोध-ग्रन्थ) २००८



हीरानन्द झा "शास्त्री" ,पत्रकार



दीनानाथ झा, पत्रकार



नरेन्द्र झा, अर्थशास्त्र-पत्रकार

"विकास ओ अर्थतंत्र" प्रकाशित।



प्रेमशंकर सिंह, पत्रकार



शरदिन्दु चौधरी, पत्रकार



राजेश्वर झा (१९२३-१९७७)

जन्म- सहरसा जिलाक नरसुआर गाम (आब सुपौल जिला)।

कृति- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास, अवहट्ठ: उद्भव ओ विकास, मैथिली साहित्यक आदिकाल, विद्यापतिक संगीतमे वर्णित नायक-नायिका भेद एवं राग-रागिनी वर्गीकरण।

महाकवि विद्यापति नाटक, शास्त्रार्थ नाटक, कन्दर्पीघाट नाटक, एकादशी, विद्यायन- कथा, उर्वशी, धर्मव्याध- कथा, मेनका।







## એસ.એન.સત્યાર્થી

મથિલિક કલા આ શિલ્પકલાપર

લેખન।

## નાયાકૃષ્ણ ચૌધરી, ઇતિહાસકાર ૧૯૨૧-૧૯૮૫

મથિલિક ઇતિહાસ, અ ફુરધેર રેડ માતિહિલિ ડિટેરાતુરે, થહ્ટ

શ્રોડ઼ચ્થચ્છઅડ઼ ઞાસ છ઼ઉડ઼થઉઢઅડ઼હ્ટ્ઢચ્થઅઘટ ઞોઢ

મચ્થહ્ચડ઼શ્ર પ્રકાશિત।

## પ્રો. રામશરણ શર્મા ૧૯૨૦-૨૦૧૧



## વિજયકાન્ત મિશ્ર ઇતિહાસકાર ૧૯૨૭-૧૯૯૪

ડૉ. વિજયકાંત મિશ્રક જન્મ ૧૦ અગસ્ત ૧૯૨૭ મંગરૌની ગામ - જે નવ્ય ન્યાય આ તાંત્રિક સાધનાક જન્મ-સ્થલી અછિ- (જિલા મધુબની) મે ભેલન્હિ। ઓ ૧૯૪૮ મે પ્રાચીન ભારતીય ઇતિહાસ આ સંસ્કૃતિ વિષયમે ઇલાહાવાદ વિશ્વવિદ્યાલયસઁ સનાતકોત્તર ઉપાધિ કએલાક વાદ કોક વર્ષ ધરિ વિહાર સરકાર આ પટના વિશ્વવિદ્યાલયસઁ સમ્બદ્ધ રહલાહ આ ૧૯૫૭ ઈ. સઁ ભારતીય પુરાતત્વ વિભાગમે કાજ કએલન્હિ આ ઓકર

શિશુપાલગઢ, કૌશામ્બી, વૈશાલી, હસ્તિનાપુર, કુમ્હરાર, પાટલિપુત્ર, કરાયિન, સોનપુર, વિલિવલી, નાલન્દા, રાજગીર, ચન્દ્રાવલી, આ હમ્પી ખુદાઇમે વિભિન્ન ભૂમિકામે ભાગ લેલન્હિ।હિનિકર લિખલ-સમ્પાદિત પોથી સભમે અછિ: ૧.વૈશાલી,૧૯૫૦ ૨.કુમ્હરાર એક્સકેવેશંસ: ૧૯૫૦-૧૯૫૭ ૩.પુરાતત્વ કી દૃષ્ટિમે વૈશાલી ૪.નાગેશ ભટ્ટાજ પારભિાષેન્દુશેખર ૫.મથિલિ આર્ટ એણ્ડ આર્કિટેક્ચર (સમ્પાદિત) ૬.કલચર હેરિટેજ ઑફ મથિલિ ૭.સ્નેહગાર ભજનાવલી- એક અધ્યયન ૮.ક્ષેત્ર પુરાતત્વવિજ્ઞાન- ૯.પુરાતત્વ શબ્દાવલી।



## દ્વિજેન્દ્ર નારાયણ ઝા, ઇતિહાસકાર



## સુરેશ્વર ઝા, રાજની તિવિજ્ઞાન

૨૦૦૧- સુરેશ્વર ઝા (અન્તરિક્ષમે વિસ્ફોટ- જયન્ત વિષ્ણુ નાર્લીકર, મરાઠી)લેલ સાહિત્ય અકાદેમી મૈથિલી અનુવાદ પુરસ્કાર।



## ગાગીનથ બાલ દાસ

ગાનાક કચ્ક દેશમે નાળદૂત નહલ

છથિ શ્રા ળીએટીટી મે ગાનાક

પ્નાતિનિધિ સેહો છલાહ।



## લક્ષ્મીકાન્ત હા નળિન્વ વૈક ગવન્નન ૧૯૧૩-૧૯૮૮



## એન એન હા ડપ્િલોમેટ



## કામેન્દ્નનાથ હા "શ્રમલ" ૧૯૩૮-

ળન્મ- ૪ ળનવની ૧૯૩૮, ગામ

કોસલપ્ય (મધુવની)।

ગ્નમિાંસ (કથાસંગ્નહ) પ્નકાશતિ।



## ગાગ્યનાનાયણ હા ૧૯૪૧-



## નમાકાંત નાય "નમા" ૧૯૪૭

ળન્મ- ગાદો પૂન્ણમિા

સમ્વત્ ૨૦૦૩, પ્નથમ નચના-

વટુક, વાલ માસકિ પ્નયાગ, કથા

વશિષાંક દ્વતીિય

ગાગમે ૧૯૬૪ઈ, પ્નકાશતિ

કૃતિ(ક) તીનટા વાવાળી-(નૂસીસઁ

મૈથિલીમે મૈથિલીમે ટાલ્સ્ટાયક

કથાક અનુવાદ-૧૯૬૭ઈમે, (ખ)

ધૂલપાત, કવતાિ સંગ્નહ ૧૯૭૮,

(ગ) ગાંગક ગોલા (૨૦૦૪ ઈમે), (ઘ)

કટૈત પાઁખ્ખિ હઁસૈત શ્રાઁખ્ખિ, કથા

સંગ્નહ-૨૦૦૫, શીઘ્ન પ્નકાશ્ય-

કૃષ્ણકાન્ત મશ્નિ (વનિવિન્ય)

સાહત્યિ અકાદેમી નઈ દલિ્લી। પ્નાયઃ



## પ્રોફેસર મહેન્દ્ર ૧૯૪૭-

જન્મ: મેઊહી, સુપૌઊ, વહિાર। પ્રસદ્દિ કવિ, કથાકાર, આઊેચક। વ઼ૃત્તિ: જૂના વશ્વિવદ્યિાઊયક સ્નાતકોત્તર કેન્દ્ર, સહરસામે મૈથિઊિ વભિાગાધ્યક્ષ। પ્રકાશતિ ક઼ૃત્તિ સાહતિ્ય અકાદેમીસઁ પ્રકાશતિ મોનોગ્રાફ શૈઊેન્દ્ર મોહન ઝા। સહયોગી સંકઊન-સંકઊ્પ। �ાળકમઊ જયન્તી પ્રસંગક સંપાદન।



## મહેન્દ્ર ૧૯૪૪-૨૦૦૯

જન્મ મધુવની જિઊાક જમસમ ગામમે। પ્રસદ્દિ મૈથિઊિ ગીતકાર આ ગાયક।

ઙિઢ સ૯ ૮યના (કથા-નાવિન્ય કવતિ) મૈથિઊિ હિન્દિીક પત્ર-પત્રકિા, આકાશવાણી એવં દૂરદર્શનસઁ પ્રકાશતિ પ્રસારતિ। સાહતિ્ય અકાદેમી દ્વારા આયોજતિ કવિ સમ્મેઊનક આયોજનક ક્રમમે મેઊક યપેટમે પડ઼િહિના પર્ગ છાવા યનગિમા વક્ષિાંગા સેવા નવિ઼ૃત્ત અધ્યાપક (ઉચ્ચ વદ્યિાઊય) સમ્પર્ક- શ્રી નમાનવિાસ, માનાનાય ટોઊ પો નનહ્ન (સમસ્તીપુર)।



## સુભાષચન્દ્ર યાદવ ૧૯૪૮-

જન્મ ૦૫ માર્ચ ૧૯૪૮, માત઼ૃક દીવાનગંજ, સુપૌઊમે। પૈત઼ૃક સ્થાન: વઊવા-મેનાહી, સુપૌઊ।ઘરદેખિયા (મૈથિઊિ કથા-સંગ્રહ), મૈથિઊિ અકાદમી, પટના, ૧૯૮૩, હાઊિ (અં ગ્રેજીસઁ મૈથિઊિ અનુવાદ), સાહતિ્ય અકાદમી, નઇ દઊ્િઊી, ૧૯૮૮, બીછઊ કથા (હરમિોહન ઝાક કથાક ચયન એવં ભૂમકિા), સાહતિ્ય

अकादमी, नई दिल्ली, १९९९, बहिरागि आउ (बंगला सँ मैथिली अनुवाद), कसिन संकल्प लोक, सुपौल, १९९५, भारत-विभाजन और हिन्दी उपन्यास (हिन्दी आलोचना), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, २००१, राजकमल चौधरी का सफर (हिन्दी जीवनी) सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, २००१, बनैत-बिगड़ैत (कथा-संग्रह) २००८। मैथिलीमे करीब सत्तरि टा कथा, तीस टा समीक्षा आ हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी मे अनेक अनुवाद प्रकाशित।



## सुभद्र झा १९०९-२०००

"फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज"क लेखक। १९६८- सुभद्र झा (नातिक पत्रक उत्तर, निबन्ध)पर मैथिलीक



## रामावतार यादव, मैथिली भाषाविद्, नेपाल १९४२-

देश-विदेशक भाषाविज्ञान जर्नलमे प्रकाशित आलेखक द्वारा मैथिलीक विशिष्टताकेँ उजागर केलन्हि। *मैथिली ध्वनिशास्त्र* १९८४ ई. मे जर्मनीसँ आ *मैथिलीक सन्दर्भ व्याकरण* १९९६ ई. मे बर्लिन आ न्यूयार्कसँ प्रकाशित। २००० ई.मे लंदनसँ प्रकाशित *भारतीय आर्यभाषा* पुस्तक मे संकलित हिनकर मैथिली भाषा संबंधी आलेख विशेष उल्लेखनीय। नेपाल



## योगेन्द्र प्रसाद यादव, भाषाविद्,सचिव, नेपाल १९४६-

१९९८ ई. मे जर्मनीसँ प्रकाशित *रीडिंग इन मैथिली सिंटैक्स* आ *टॉपिक्स इन नेपालीज लिंग्विस्टिक्स, रीडिंग्स इन मैथिली ग्रामर- एडिटेड*

साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसँ पासाङ ल्हामु प्रज्ञा-पुरस्कारसँ सम्मानित।

*एम्.ऽ कऽयर आ लेक्सीराज्ञी रन नेपाल* (सम्पादित) प्रकाशित। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे भाषा-विभागक प्राज्ञ रहि कतोक महत्वपूर्ण कार्यक सम्पादन। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव (१९९४)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आजीवन सदस्यता श्री योगेन्द्र प्रसाद यादव।



## रमानन्द झा 'रमण' १९४९-

जन्म: ०२ जनवरी १९४९, शिक्षा- एम.ए, पीएच.डी, आजीविका-भारतीय रिजर्व बैंक, पटना (सेवा निवृत्त)। **प्रकाशन:** १ नवीन मैथिली कविता,१९८२, २ मैथिली नव्य कविता,१९९३, ३ मैथिली साहित्य ओ राजनीति, १९९४, ४ अप्पयासल, १९९५, ५ वेसाहल,२००३, ६ भजारल, २००५, ७ निर्यात कैसे शुरू करें? हिन्दी- रिजर्व बैंक, पटनाक प्रकाशन सम्पादित ८ मैथिलीक आरम्भिक कथा, १९७८ समीक्षा,



## रामलोचन ठाकुर १९४९-

श्री रामलोचन ठाकुर, जन्म १८ मार्च १९४९ ईपलीमोहन, मधुवनीमे। वरिष्ठ कवि, रंगकर्मी, सम्पादक, समीक्षक। भाषाई आन्दोलनमे सक्रिय भागीदारी। **प्रकाशित कृति**- इतिहासहन्ता, माटिपानिक गीत, देशक नाम छल सोन चिड़िया, अपूर्वा (कविता संग्रह), बेताल कथा (व्यंग्य), मैथिली लोक कथा (लोककथा), प्रतिध्वनि (अनूदित कविता), *जा सकै छी, किन्तु किए जाउ*(अनूदित कविता), लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता), जादूगर (अनुवाद), स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरणात्मक निबन्ध), आँखि मुनने: आँखि खोलने (निबन्ध)। अनुवाद एवं **भाषा-**



## गंगा प्रसाद मंडल "अकेला", नेपाल १९४४-

पं सुन्दर झा शास्त्री राष्ट्रीय प्रतिभा पुरस्कारसँ सम्मानित। मिथिलांचलक किछु लोक कथा (संकलन आ सम्पादन) आ शीर्षक शूल (अनुवाद) प्रकाशित।

ર્ક શ્યામાનન્દ નયનાવલી, ૧૯૮૧,
૧૦ ળનાન્દન ઙા ળનસીદન ક઼ત
નિદ્યીસાસુ (૧૯૧૪) આ
પુનર્વિવાહ (૧૯૨૬), ૧૯૮૪,
૧૧ યેતનાથઙાક઼ત
શ્રીળગન્નાથપુરી યાત્રા (૧૯૧૦),
૧૯૯૪, ૧૨ તેળનાથ ઙાક઼ત
સુનાળવિળય નાટક (૧૯૧૯),
૧૯૯૪, ૧૩ નાસવિહિનીળાળ
દાસક઼ત સુમતિ (૧૯૧૮), ૧૯૯૬,
૧૪ ળીવછ મિશ્રક઼ત
નામેશ્વર (૧૯૧૬), ૧૯૯૬,
૧૫ ભેટઘાંટ (ભેટવાત્રા), ૧૯૯૮,
૧૬ નૂયય નઁ સત્ય ને નઁ શૂસિ, ૧૯૯૮,
૧૭ પુણ્યાનન્દ ઙાક઼ત મથિલિ
દર્પણ (૧૯૨૫), ૨૦૦૩, ૧૮ પદુવર
નયનાવલી (૧૮૮૮-૧૯૩૪) ૨૦૦૩,
૧૯ શ્રીવલ્લભ ઙા (૧૯૦૫-
૧૯૪૦) ક઼ત વિદ્યાપતિ વિવિનામ,
૨૦૦૫, ૨૦ મૈથિલી ઉપન્યાસમે
યત્રિતિ સમાળ, ૨૦૦૩। અનુવાદ
લેલ **ભાષા-ભાનતી સમ્માન ૨૦૦૪-
૦૫** (સીઆઇઆઇએલ, મૈસૂર) છઓ
વિઘા આઠ કટ્ઠા- શ્રીકાન મોહન
સેનાપતિક ઓડ઼િયા ઉપન્યાસક
મૈથિલી અનુવાદ લેલ પ્રાપ્ત।

**ભાનતી સમ્માન ૨૦૦૩-
૦૪** (સીઆઇઆઇએલ, મૈસૂર) *ળા સજૈ છી, કનિતુ કહિ
ળાઉ-* શક્તિ ચટ્ટોપાધ્યાયક વાંગ્લા કવિતા-
સંગ્રહક મૈથિલી અનુવાદ લેલ પ્રાપ્ત। વિદેહ
સમ્પાદકક સમાનાન્તર સાહિત્ય અકાદેમી
પુરસ્કાર ૨૦૧૨ અનુવાદ પુરસ્કાર- શ્રી રામલોચન
ઠાકુર- (પદ્માનદીક માઙી, વાંગ્લાસઁ મૈથિલી
અનુવાદ, વાંગ્લા-ઉપન્યાસ - માનિક વંદ્યોપાધ્યાય)



મહેન્દ્નનાનાયાાા નયિ, યનુષા, નેપાઉ



પનમેશ્વન કાપડ઼િ, યનુષા, નેપાઉ



ળયનાનાયાાા હ્રા "ળિ ળ્ઞાસુ", નેપાઉ



સુપેશ હ્રા, નેપાઉ ૧૯૨૦-૧૯૮૫



નોહિાિા નમાા હ્રા ૧૯૫૦-



ડૉ કમઉાકાન્ત મ ાાડાની ૧૯૫૨-

કવીન (મૈથિઉિ) પન શોય।

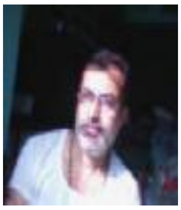


વ઼િનોદ વિહાની ઉાઉ ૧૯૫૩-

ળન્મ સ્થાન પયહી, મયુવની, વહિાન

।યન્યતિ કથાકાન। સયસઁ ઉપન કથા

પ્નકાશતિ।



શ્નવ઼િન્દ ઠાકુન ૧૯૫૪-

પનતી ટૂટ નિહઉ શ્રછિ (કવ઼િત।

સંગ્નહ), શ્નન્હાનક વ઼િનોયમે (કથા

સંગ્નહ), વહુનુપયિ઼ા પ્નદેશ મે (ગળઉ સંગ્નહ)।



શ્યામ દનહિને ૧૯૫૪-

ળન્મ સ્થાન વનહા, વેનીપટ્ટી

મયુવની, વહિાન। કવ઼િ, કથાકાન।

પ્નકાશતિ કૃતિઃ સનસિોમે ઝૂત

(કથા સંગ્નહ) શ્નનૂદતિ કૃતિઃ

કનપ્રિયિ઼ા (યન્મવ઼ીન માનતી)



𑒠𑒱𑒢𑒹𑒬 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒗𑒰

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲𑒏 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰𑒩 𑒕𑒟𑒱।



𑒁𑒬𑒼𑒏 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒚𑒰𑒏𑒳𑒩

𑒖𑒢𑓂𑒧 𑓒 𑒖𑒢𑒫𑒩𑒲 𑓑𑓙𑓔𑓔 𑒃. 𑒑𑒰𑒧

𑒫𑒛𑓃𑒑𑒰𑒿𑒫 (𑒣𑓀𑒛𑒾𑒪)।

𑒢𑒰𑒑𑒧𑓀𑒛𑒪 (𑒢𑒰𑒙𑒏-

𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠), 𑒢𑒯𑒱𑓀𑒞, 𑒫𑒮𑒳𑒡𑒰𑒏

𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩 (𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮)



𑒣𑓂𑒩𑒞𑒰𑒣𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒗𑒰, 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪



𑒬𑒲𑒞𑒪 𑒗𑒰, 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪



𑒅𑒑𑓂𑒩𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 "𑒏𑒢𑒏"



𑒛𑒽 𑒬𑒧𑓂𑒦𑒴𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲 𑓑𑓙𑓒𑓐-𑓒𑓐𑓐𑓘



𑒩𑒳𑒠𑓂𑒩𑒏𑒰𑓀𑒞 𑒗𑒰



𑒣𑓀𑒔𑒰𑒢𑒢 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩



𑒣𑓂𑒩𑒼𑒤𑒹𑒮𑒩 𑒑𑒳𑒝𑒧𑒻𑒞𑒰

𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑒱𑒩𑒲𑒬𑓂𑒫𑒩𑒣𑒩 𑒕𑒟𑒱।







महेन्द्र नारायण राम सहि "मगन"

सूर्यकान्त झा, जनकपुर

रमानन्द झा (१९५७- )

रचना: पश्चात्ताप (कथा-संग्रह)- १९८५, काव्य-वाटिका (कविता-संग्रह)- १९८८, अलंकार-भास्कर (पूर्व-खण्ड) - २००२, अलंकार-भास्कर (अलंकार शास्त्र)- २००३, मनिन-अमनिन (समीक्षा)- २००८, संग सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभाग शोध-पत्रिका) - १९९६, सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभाग शोध-पत्रिका)- २००७,२००८



वजियनाथ झा

"अहीक छल" (गीत-गजल संग्रह प्रकाशित)।



योगानन्द हीरा



बाबा वैद्यनाथ

पहरा स्मानपर (गजल संग्रह)



जगदीश चन्द्र ठाकुर "अनिल" १९५०-



विद्यानन्द झा १९६५-



हरेकृष्ण झा १९५०-

मूल नाम जगदीश चन्द्र ठाकुर, जन्म: २७।११।१९५०,संजुआर, मधुबनी। सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी। मैथिलीमे प्रकाशित पोथी-१ तोरा अङनामे -गीत संग्रह-१९७८; २ धारक ओइ पार-दीर्घ कविता-१९९९, गीत गंगा (गीत संग्रह), गजल गंगा (गजल संग्रह)।

बुद्धपूर्णिमा, १९६५के कैथिनियाँ, हरिहरपुर मधुबनीमे जन्म। पराती जकाँ, बछिड़ल कोनो पतीत जकाँ, दृश्यक शूल जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित। मूलतः कवि, थोड़ कथा लिखलनि, जे अपन मार्मिक अभिव्यक्तिक कारण बेस चर्चित भेल। विडम्बनापूर्ण परिस्थितिक पाछू जिम्मेवार समाजार्थिक कारणक खोज हिनकर मूल सृजन प्रेरणा थिक।

जन्म १० जुलाई १९५० ई गाम- कोइलखमे। अर्थशास्त्रक अध्ययन छोड़ि मार्क्सवादी राजनीतिमे सक्रिय। अनेक कविता आ आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित। अनुवाद एवं विकास विषयक शोध कार्यमे जुटल स्वतंत्र लेखन। प्रकृति एवं जीवनक तादात्म्य बोधक अग्रगामी कवि "एना त� नहि जे" (कविता संग्रह)।२००८ ई - श्री हरेकृष्ण झाकेँ कविता संग्रह �एना त नहि जे�लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



## उदय नारायण सिंह नचिकेता १९५१-

जन्म-१९५१ ई कलकत्तामे।पहिल काव्य संग्रह �कवयो वदन्ति�। १९७१ �अमृतस्य पुत्राः� (कविता संकलन) आऽ �नायकक नाम जीवन� (नाटक)| १९७४ मे �एक छल राजा� �नाटकक लेल� (नाटक)। १९७६-७७ �प्रत्यावर्तन� �रामलीला�(नाटक)। १९७८मे जनक आऽ अन्य एकांकी। १९८१ �अनुत्तरण�(कविता-संकलन)। १९८८ �प्रियंवदा� (नाटिका)। १९९७-�रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य�(अनुवाद)। १९९८ �अनुकृति�- आधुनिक मैथिली कविताक



## आशीष अनचिन्हार

**मूल**

**लेखन**: कुमारि इच्छा (गजल संग्रह), जंघाजोड़ी (गजल संग्रह), अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह), मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास, मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास, मैथिली गजलक रेडी रेकोनर, शब्द-अर्थ-शक्ति

**गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अनचिन्हार (सम्पादन)**: मैथिलीक प्रतिनिधि गजल, मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान विन्दु (गजलक आलोचना-समालोचना-समीक्षा)



## कुमार पवन १९५८

गाम मुरैठा। कथा संग्रह, कविता संग्रह आ व्यंग्य संग्रह शीघ्र प्रकाश्य। मैथिलीमे १९९० ई सँ नियमित लेखन। २००८ ई सँ दस सालक मौन भंगक बाद पुनः रचनाक दोसर पालीक प्रारम्भ।

વંગાળામે અનુવ઼ાદ, સંગાહ વિંગાળામે દૂટા કવ઼િતા સંકળના। ૧૯૯૯ �અશ્રુ ઓ પનહિસ�। ૨૦૦૨ �પ્યામ પ્યેયાળી�। ૨૦૦૬મે �મધ્યમપુનુષ એકવ઼યન�(કવ઼િતા સંગ્નહ। ૨૦૦૮ ઈ મે નાટક "નો એમ્મ્ટ્નીઃ મા પ્નવ઼િશ" સમ્પૂન્ામ નૂપેં "વ઼િદેહ" ઈ- પત્નિકામે યાનાવ઼ાહિક નૂપેં ઈ-પ્નકાશિત ભએ એકટા કીન્તિમાન વનેળક।૨૦૦૯ ઈ- શ્ની ઉદય નાનાયણ સિંહ �નયકિતા�કેં નાટક નો એમ્મ્ટ્નીઃ મા પ્નવ઼િશ ઉઉ કીન્તિનાનાયણ મિશ્ન સાહિત્ય સમ્માન।

| | | |
|---|---|---|
|  |  |  |
| કીન્તિનાથ દા ૧૯૫૫- <br> કુનઉઃ મૈથિલિ ભાવાનુવાદ | મહેન્દ્ન હળાની | સ્વ઼. યન્દ્નકાન્ત મિશ્ન, શાસી, દનભંગા |
|  |  |  |
| સ્વ઼. મહેન્દ્ન નાનાયણ દા, વેળૌળા, મધુવની | સ્વ઼.નાળકુમાન મઉલિક, સોહનાય (પોખનિભીડ઼ા), મધુવની | ઉક્ષ્મીપતિ સિંહ |
|  |  |  |
| શુઉયન્દ્ન મિશ્ન નમણ | કશીનનાથ દા | |

| | | |
|---|---|---|
| | ગામ- વહિઠી, પો<br>સમસ્સિપાહિ, મધુવની। "ભોક્વેદ"<br>પોથી પ્રકાશિત। | સૂર્યનારાયણ ઝા "સરસ"<br>પોથી "મૈથિલી શ્રી<br>સીતારામચરિતમાનસ" પ્રકાશિત। |
| <br>કલાનન્દ ભટ્ટ<br>કાન્હ પર ઉદાસ હમર મૈથિલી ગઝલ સંગ્રહ | <br>દયાનાથ ઝા<br>ગામ નાગદહ, મધુવની। મૈથિલી<br>રંગમંચલ મથિ-યાત્રિક, કોલકાતા। | <br>ડૉ. સુધાકર ચૌધરી<br>૧૯૪૬-<br>જન્મ ૧૫ માર્ચ ૧૯૪૬ ઈ.।<br>પ્રકાશિત પોથીઃ કાજર, તીન રંગ<br>તેરહ ચરિત્ર (કથા સંગ્રહ), પંડી<br>જી છાતા (પ્રહસન), વ઼પ્રિલ઼ી<br>સુભાષ (નાટક)। |
| <br>સ્વ. ચુનચુન મિશ્ર, રહિકા, મધુવની।<br>મથિલિ નાટ્યક આન્દોલન કર્મી। | <br>સત્યનારાયણ લાલ કર્ણ<br>મથિલિ ચરિત્રકલ | <br>ઙ઼ કર્નલ માયાનાથ<br>ઝા ૧૯૪૫-<br>જન્મ ૧ અપ્રૈલ ૧૯૪૫ ઈ.।<br>ગામ- ભરામ (મધુવની)। જકર<br>નારાયિનુર હોઇ (મૈથિલી લોક કથા<br>સંગ્રહ) પ્રકાશિત। વ઼દિહ<br>સમ્પાદકક સમાનાન્તર સાહિત્ય<br>અકાદેમી પુરસ્કાર ૨૦૧૧ વાલ |

સાહિત્ય પુરસ્કાર- ઊક્ર માયાનાથ ઢા (ળકર નારી યતુર હોઇ, કથા સંગ્રહ)



## શ્યામ કશોર સહિ



## સયન્દ્રિનાથ ઢા

મથિળિ ળેક યત્રિકળ



## કાળીનાથ ઠાકુર

ગ્રામ સર્વસીમા



## રાળેન્દ્ર વમિળ, ળનકપુર, નેપાળ ૧૯૪૯-

મૈથળિ, નેપાળી શ્રા હન્દિી ભાષાક પ્રાળ્ય વમિળ શક્ષિાક હ્કમે વદ્યિાવારયિ (પીએચડી)ક ઉપાયિ પ્રાપ્ત કએને છથકિમ્મો ળખ્ખિકિ યથેષ્ટ યશ શ્રરળનહિર ડા વમિળક ળેખ્ખનીક પ્રશંસા મૈથળિક સઙ્ગસઙ્ગ નેપાળી શ્રા હન્દિી સાહત્યિમે સેહો હોઇત રહળનિ શ્રછ િત્રભિુવન વશ્વિવદ્યિાળયશ્રન્તર્ગત રારાવ કૈમ્પસ, ળનકપુરધામમે પ્રાધ્યાપન કએનહિર ડા વમિળક પૂર્ણ નામ રાળેન્દ્ર ળાળ છયિન િહનિક ળન્મ ૨૬ ળુળાઇ ૧૯૪૯ ઇ કઽ ભેળ શ્રછ િસાહત્યિકારક નવ પીઢીકેં નરિન્તર ઉત્પ્રેરતિ કરવાક કારણે ઇ ડાયીરેન્દ્રક વાદ ળનકપુર-પરસિરક સાહત્યિકિ ગુરુક રૂપમે સ્થાપતિ ભઽ ગેળ છથ.િ



## નરેશ કુમાર વકિળ ૧૯૫૦-

ળન્મ ૨૭ ળુળાઇ ૧૯૫૦ ભગવાનપુર દેસુશ્રા (સમસ્તીપુર)। કાવ્ય- શ્રરપિત, મહુશ્રા મદન રસ ટપકય, વનિ વાત િદીપ ળરય। કથા-સંગ્રહ- ભરિ ગેળ દર્દક ઇનાર। ઉપન્યાસ- ટહકૈત ટીસ। નાટક- યોખ્ખગર ખ્ખૌય।



## ળનક કશોર ળાળ દાસ



कृष्णचन्द्र झा "मयंक"



लक्ष्मण झा "सागर"
१९५३-

"उपनिवेश कौआ" मैथिली कविता

संग्रह प्रकाशित।



रघुवीर मोची



सच्चिदानन्द दास "परिमल"



शशिनाथ मिश्र "शशि"
१९४६-



सुरेन्द्रनाथ



अमरनाथ

१९७५ ई.मे "कुमारिका" लघुकथा

संग्रह प्रकाशित। हास्य कथाकार।



बच्चा ठाकुर



वैद्यनाथ मिश्र







| ગાળાનામ સહિ નાઠીન, યનુષા | વૈદ્યનાથ વમિઉ ૧૯૫૫- | ડૉ વાસુકીનાથ દ્દા ૧૯૪૦- |
|---|---|---|
|  ળતિન્દ્ર મશ્રિ "ળીવન" |  વીરેન્દ્ર નારાયણ દ્દા |  વીરેન્દ્ર દ્દા ૧૯૫૬- ગોનૂ દ્દા પર ઉપ્પના |
|  વૈકુણ્ઠ દ્દા ૧૯૫૪- પિતા-સ્વર્ગીય નારાયણ્દ્ર દ્દા, ળન્મ- ૨૪ - ૦૭ - ૧૯૫૪ (ગ્રામ-નરવાડ઼, ળિલ્લા-દરભંગા), શિક્ષા- સ્નાતકોત્તર (અર્થશાસ્ત્ર), પેશા- શિક્ષક। મૈથિલી, હિન્દી તથા અંગ્રેળી ભાષા મે લગભગ ૨૦૦ ગીતક રચના। ગોનૂ દ્દા પર આધારિત નાટક "હાસ્યશિરોમણિ ગોનૂ દ્દા તથા અન્ય કહાની" ક ઉપ્પના એકર અલાવા હિન્દીમે લગભગ ૧૫ ઉપન્યાસ તથા કથાક ઉપ્પના |  વૈકુણ્ઠ દ્દા |  વિદ્યાનન્દ દ્દા 'પઞ્ળીકાર' ૧૯૫૭- ળન્મ- ૦૯૦૪૧૯૫૭,પણ્ડુઆ, તૌલ, કક્ગીડ઼(મધુવની), નશાઢ્ય(પૂર્ણિયાં), શિવનગર (અરરિયા) આ સમ્પ્રતિ પૂર્ણિયાં। પિતા લબ્ધ યૌત પઞ્ળીશાસ્ત્ર માર્તણ્ડ પઞ્ળીકાર મોદાનન્દ દ્દા, શિવનગર, અરરિયા, પૂર્ણિયાં। પિતામહ-સ્વ. શ્રી ભાગ્યિયા દ્દા। પઞ્ળીશાસ્ત્રક દસ વર્ષ ધરિ ૧૯૭૦ ઈં ૧૯૭૯ ઈ ધરિ અધ્યયન, ૨૨ વર્ષક વયસસઁ પઞ્ળી-પ્રબંધક સંવર્દ્ધન આ |

| | | |
|---|---|---|
| | | 𑒮𑓀𑒩𑒏𑓂𑒭𑒝𑒧𑒹 𑒮𑓀𑒪𑒑𑓂𑒢।<br>𑒏𑒵𑒞𑒱- 𑒣𑒘𑓂𑒖𑒲 𑒬𑒰𑒐𑒰 𑒣𑒳𑒮𑓂𑒞𑒏𑒏<br>𑒪𑒱𑒣𑓂𑒨𑓀𑒞𑒩𑒝 𑒂 𑒮𑓀𑒫𑒩𑓂𑒠𑓂𑒡𑒢। |
| <br>𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒏𑒩𑓂𑒝 | <br>𑒛𑓃ॉ 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩 | <br>𑒁𑒩𑓂𑒖𑒳𑒢 𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒔𑒾 𑒡𑒩𑒲 |
| <br>𑒢𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩<br>𑒑𑒖𑒪𑒏𑒰𑒩। | <br>𑒧𑒯𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩, 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪 | <br>𑒏𑒧𑒪 𑒏𑒰𑓀𑒞 𑒗𑒰 𑓑𑓙𑓔𑓓- |
| <br>𑒧𑒯𑒰𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬 𑓑𑓙𑓔𑓖-<br>𑒖𑒢𑓂𑒧𑓁 𑒥𑒢𑒑𑒰𑓀𑒫, 𑒮𑒯𑒩𑒮𑒰, 𑒥𑒱𑒯𑒰𑒩।<br>𑒫𑒩𑒱𑒭𑓂𑒙 𑒏𑒫𑒱 𑒍 𑒏𑒟𑒰𑒏𑒰𑒩।<br>𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒏𑒵𑒞𑒱: 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰<br>𑒮𑓀𑒦𑒫𑒰, 𑒮𑓀𑒑 𑒮𑒧𑒨 𑒏𑒹 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰<br>𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)। 𑒏𑒲𑒩𑓂𑒞𑒱𑒢𑒰𑒩𑒰𑒨𑒝 𑒧𑒱𑒬𑓂𑒩<br>𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒮𑒧𑓂𑒧𑒰𑒢 २०१० ई- 𑒬𑓂𑒩𑒲 | <br>𑒕𑒞𑓂𑒩𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒮𑒱𑓀𑒯 𑒗𑒰 𑓑𑓙𑓔𑓖- | <br>𑒁𑒨𑒼𑒡𑓂𑒨𑒰𑒢𑒰𑒟 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲,<br>𑒡𑒢𑒳𑒭𑒰, 𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪 𑓑𑓙𑓔𑓗-<br>𑒧𑒴𑒪𑒞𑓁 𑒏𑒫𑒱𑒏 𑒩𑒴𑒣𑒧𑒹 𑒣𑒩𑒱𑒔𑒱𑒞 𑒕𑒟𑒱।<br>𑒢𑒹𑒣𑒰𑒪𑒏 𑒂𑒡𑒳𑒢𑒱𑒏 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰𑒏<br>𑒏𑓂𑒭𑒹𑒞𑓂𑒩𑒧𑒹 𑒯𑒱𑒢𑒏 𑒢𑒰𑒧 𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑒢𑒲𑒨<br>𑒁𑒕𑒱। 𑒬𑓂𑒩𑒲 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲𑒏 𑒪𑒹𑒐𑒢𑒧𑒹<br>𑒧𑒰𑒢𑒫𑒲𑒨 𑒮𑓀𑒫𑒹𑒠𑒢𑒰𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒞𑒱𑒥𑒱𑒧𑓂𑒥 |

મહાપ્રકાશ (કવિતા સંગ્રહ �સંગ સમય કે�)।

પાશ્રોઉ ળાશ્ના શ્રછિ। કવ઼િતાક સંગ કથા શ્રા નવિન્યમે સેહો ઈ કઉમ યઉવૈત છથિ। શ્રડ઼છિાએઉ ઉપ્પન હનિક વ઼શિષતા થકિની।યનુષા ળાઉાક દુહ્વી ગામક ન્હનહિાન શ્ની યૌયનીક ળન્મ દશ્રક્ટુવન ૧૯૪૭ક઼ ભેઉ છની। હનિક ક્ષતિળિક શ્રોહપિાન નામસઁ એક કવ઼િતા-સગ્ઙ્પ્નહ પ્નકાશતિ છની ।



વ઼દ્યિાનાથ હ્ા 'વ઼દિતિ'



સયિ઼ાનામ હ્ા "સનસ" ૧૯૪૮-

ળન્મ સ્થાન મૈહથ, મયુવની વહિાન। પ્નસદ્દ્યિ ગીતકાન, વાદમે કથા ઉપ્પન પ્નાનમ્ભ કેઉની। પ્નકાશતિ ક઼ૃતિ શ્રાંળુન ભની સગિનહાન, શોમ્મિતાએઉ ઉૌત સૂન્ય઼ક યમ્મક (કથા સંગ્નહ)।



શ્રગ્નપુિષ્પ ૧૯૪૮-

ળન્મ: તનૌની, દનભંગા। મૂઉનામ : મહેન્દ્ન હ્ા। મૈથિઉમિે સહસ્ત્નવાહુ કવ઼િતા સંગ્નહ પ્નકાશતિ। મુક્તિ પ્નસંગાક શ્રનુવ઼ાદ પ્નકાશતિ। વ઼ામપંથી શ્રાન્દોઉનમે સક્નયિ઼ શકિ્ષા, સમ્વ઼ાદ શ્રાદિ પત્નકિાક સમ્પાદન। વ઼ામપંથી વ઼યિાનયાનાક સશક્ત કવ઼િ







| | | |
|---|---|---|
| मधुकान्त झा १९४९- | वीणू ठाकुर | सत्यानन्द पाठक |
|  |  |  |
| योगीनाथ | कुमार १९५१- | गाम मनोज कापड़ि जनकपुर, धनुषा, नेपाल १९५१- <br> जन्म-बघचौरा, जिला धनुषा (नेपाल)।प्रकाशित कृतिः शीतार्त घुँघा (कविता संग्रह), नहि, आब नहि (दीर्घ कविता), तोरा संगे जएबौ रे कुजवा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८४), मोनक पघलैत अयन (गीत, गजल संग्रह, १९८३), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह, १९९० ई), रानी चन्द्रावती (नाटक), एकटा आओर वसन्त (नाटक), महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह), अनन्तः (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृतीय रमाउंदा (सांस्कृतिक निबन्ध समक संग्रह), सिनेह-सिनेह सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला |

पेटडिआस), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)। नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक सदस्यता- श्री राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (२०१०)।



धीरेन्द्रनाथ मिश्र



शशिन्द्रलाल कर्ण, धनुषा, नेपाल १९५१-

लेखकसँ अधिक शिक्षकक रूपमे परिचित आ प्रतिष्ठित छथि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा.रा.व. कैम्पस, जनकपुर-धामक सह-प्राध्यापक श्री कर्णक ऐतिहासिक विषय-वस्तुपर लिखल कतोक लेख मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजी भाषामे प्रकाशित अछि। स्वान्त-सुखाय ई कहियो काल कऽ कविता-कथा सेहो लिखि लैत छथि। हिनक लेखन ज्ञानवर्द्धक, जानकारीमूलक एवं सोदाहरण रहैत अछि। देखबापर बहुत जाहिर अछि जे ई हिनक गम्भीर अध्ययनक परिणति थिक।सामाजिक तथा साहित्यिक संघ-संस्थासभमे सेहो सक्रिय प्राध्यापक कर्णक जन्म धनुषा जिलाक देवडीहा गाममे २ जनवरी १९५१ ई.क. भेल छनि।



ब्रह्मदेव लाल दास



धण्डेश्वर खान

गाम- पट्टीटोल, जिला मधुबनी।

लघुकथा लेल चर्चित प्रशंसित।



दयाकान्त झा



गजेन्द्र नारायण सिंह, नेपाल



પદ્મશ્ની શ્ની ગળેન્દ્ન ણાનાયણ સહિ



હ્નકિાણ્ત હ્ા



ર્ણદ્નણાનાયણ હ્ા



પ્નવાસી સાહિત્યાઉંકાન



સીતાનામ સહિ



ગુઉાનન્દ મશ્નિ



## શૈઉેન્દ્ન કુમાન હ્ા ૧૯૫૨-

ળન્મ સ્થાન હનપુિન, વકસી ટોઉ, મધુવની

વહિાન। પ્નકાશતિ કૃતિ: શ્રાનોહ

શ્રવનોહ, દશમ પ્ુટ્ટી (કથા

સંગ્નહ), સ્કોનોમકિ હસ્ટિની ઑફ મથિલિા

(શ્રંગ્નેળી)।



## શવિશંકન શ્નીણવિાસ ૧૯૫૩-

ળન્મ સ્થાન ઉોહના મધુવની, વહિાન। યન્યતિ

કથાકાન શ્રો શ્રાઉોયક। ગીત શ્રો કવતિા સેહો

કહયિો કાઉ ઉપ્પિત છથિ। પ્નકાશતિ કૃતિ:

ત્નકિોણ, શ્રદહન, ગાછ-પાત, ગામક ઉોક

(કથા સંગ્નહ)।



## શ્રશોક ૧૯૫૩-

ળન્મ સ્થાન ઉોહના, મધુવની, વહિાન।

યન્યતિ કથાકાન, કવિ

શ્રો સમ્પાદક। પ્નકાશતિ કૃતિ:

યક્નવ્યૂહ (કવતિા સંગ્નહ)

ત્નકિોણ (સહયોગી કથા

સંગ્નહ), શ્રોહનિાતકિ મોન (કથા-

સંગ્નહ), માતવન (કથા સંગ્નહ)।







## विभूति आनन्द १९५३-

जन्म: शिवनगर, मधुबनी, बिहार।
सम्प्रति कवि, कथाकार, संपादक।
प्रकाशित कृति टूटा उपन्यास
टूटा समीक्षा, तीन टा कथा
संग्रह, टूटा गीत-गजल संग्रह आ
यात्रा कथा-संग्रह
प्रकाशित।२००६- विभूति
आनन्द (काठ, कथा)मैथिली लेल
साहित्य अकादमी पुरस्कार।

## केदार कानन १९५८-

जन्म स्थान सुपौल, बिहार। सम्प्रति
कवि, कथाकार आ संपादक।
प्रकाशित कृति: अकार लेत
शब्द (कविता संग्रह), अनुदित
कृतिमाला राम मोहन
राय, प्रारम्भमे सम्पादन
संकल्प, मानवी मंडल (पत्रिका)।

## डॉ. शशिनाथ झा १९५४-

गाम-दीप, जिला- मधुबनी।
मैथिली, व्याकरण, नेपाली आ
देवनागरी पांडुलिपिक विशेषज्ञ।
साहित्य अकादमीक भाषा
सम्मान २००७ क्लासिकल आ
मध्यकालीन साहित्य लेल।



## धनुर्धर झा

गाम- विशौल। "वाक्यार्थविवेचनम्" लेल
श्रीवाणीयुवाकेन्द्रम्
पुरस्कार २०१० प्राप्त।



## शशिकान्त पाठक



## डॉ. योगेन्द्र पाठक "वियोगी", वैज्ञानिक

"विज्ञानक बतकही" प्रकाशित।



## बालानन्द झा

२००६- बालानन्द
झा (काव्यवेला- समरेश



## आद्यानाथ झा "नवीन"



## अमलदास १९५६-

मजुमदार, बांग्लाक साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



ंद्रनाथ मिश्र



दिगम्बर ठाकुर



ामेश झा १९५०-



कन्दर्पनारायण लाल कर्ण



शैलेन्द्र आनन्द १९५५-



कमलाकांत झा

अध्यक्ष, मैथिली अकादमी, पटना



ललन प्रसाद ठाकुर १९५१-१९९५

जन्म ५ अगस्त १९५१ मुंगेर मे श्रीमती सुभद्रा देवी आ श्री हीरानंद ठाकुरक द्वितीय बालक। हिनक ग्राम- अमौला,जिला- मधुबनी। सम्प्रति इंजीनियर, टाटा स्टीलमे चाकरी। प्रकाश झाक शॉर्ट फिल्म "कथा मायापुर की" मे मुख्य भूमिका। नाटककार आ मंच अभिनेता। हुनक लिखल किछु प्रसिद्ध मैथिली



डॉ कमलानन्द झा



ोकनाथ मिश्र

નાટક છન્હિ:વિડકા સાહેવ,મસ્ટિન નવિ

કાકા, ઊગયિા મનિયાઈ,વકઊઊ આદિ વા અ।



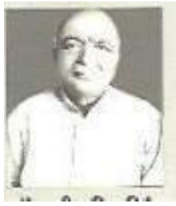
ડૉ નવીન્દ્ન કુમાન ચૌધની ૧૯૬૬-

જન્મ:૫ માન્ચ ૧૯૬૬ ઈ.ગનપગંજ, સુપૌલ। મૈથિલીક પ્નાધ્યાપક। નક્ષામંત્નીક પદક આ વહિન આ ઝાનખણ્ડ સનકાન દ્વાના પુનસ્કૃત। ઝાનખણ્ડક મૈથિલી આન્દોલનમે અગ્નામી।



અશોક અવિચલ

જન્મ- ૫ જનવની ૧૯૬૭, ગામ- નહુઆ સંગ્નામ, જલિા મધુવની। મૈથિલી પ્નાધ્યાપક। નચના: એક વનૂ નેક વનૂ (લઘુ નાટક), મૈથિલી ભાષા: સન્વેક્ષણ આ વશ્લિેષણ, હમના દેશક ભાગમે (મૈથિલીક પ્નથમ અસંગત નાટક), સમ્પાદન: ઝાનખણ્ડક સનેશ, કચોટ (નૌ અંક), ઝાનખણ્ડ વાણી (હિન્દી સાપ્તાહિક), સમ્માન: અન્તન્નાષ્ટ્નીય મૈથિલી સમ્મેલનમે સમ્માન (૨૦૦૦), પનમહંસ લક્ષ્મીનાથ ગોસ્વામી સમતિિ સમ્માન (૨૦૦૮)



ડૉ શ્નીપતિ સિંહ ૧૯૪૪-

"ઉમંગ-તનંગ" કવતિા-સંગ્નહ પ્નકાશતિ।



ડૉ ઉમાકાન્ત



સુશીલ ૧૯૪૨-

અસ્મતિા (લઘુકથા સંગ્નહ), ભામતી (નાટક) પ્નકાશતિ।



શ્નીદેવ

મૈથિલિ વ્યંગ્ય-શ્રઉપ્પક પોથી "શ્રપન વાત" પ્રકાશિત।



## સુકાંત સોમ ૧૯૫૦-

જન્મ દરભંગા જિલિક તરૌની ગામમે ૧૯૫૦ ई મે ભેલન્હિ। વી.ए. પાસ કए ई પટનાક દૈનિક �જનશક્તિ�ક સહાયક સમ્પાદક છલાહ। શ્રેન ગલ ભારત ટાઇમ્સ, પટનામેવાણ્યવસ્થાસઁ શ્રપન પૈતૃક (પતિ યાત્નીજી) ગ્રામ કવિતા કરવાક તથા કથા લિખ્વામે સેહો યશ શ્રર્જન કएલન્હિ શ્રછિ। વર્તમાન રાજનીતિ સામાજિક વિષયસઁ સમ્બદ્ધ વ્યંગ્યાત્મક, સરલ ભાષામે લિખ્લ નવ કવિતા હિનિક વિશેષતા છન્હિ। ગામઘરક પરિવેશ તદ્નુકૂલ શબ્દ એવં બિમ્બ રચનામે કરમહિ સિદ્ધિ છથિ।



## ડૉ. દેવકાંત મિશ્ર ૧૯૫૨-

પિતા કવિચૂડામણિ પં કાશીકાંત મિશ્ર "મધુપ", "વેનીપુર શ્રનુમાણ્ડલમે મૈથિલિ" પોથી પ્રકાશિત।

મૂલ નામ- વાગેશ્વર ઝા। કથા-સઁગ્રહ "હલિકોર", નાટક "ભોલ્હક કલ્પના", ગીત-પ્રબન્ધ "પુલિમા" પ્રકાશિત।



## ડૉ. નિત્યાનન્દ લાલ દાસ

પિતા સ્વર્ગીય સૂર્યનારાયણ દાસ। શ્રારવસિંગ કૉલેજ, શ્રારવસિંગ સઁ શ્રંગ્રેજી વિભાગાધ્યક્ષ પદસઁ ૧૯૯૮ મે શ્રવકાશપ્રાપ્ત। ડૉ. સુરેન્દ્ર ઝા "સુમન"ક સંયોજકત્વક કાર્યકાલમે "મૈથિલિ પરામર્શદાત્ સમિતિ" (સાહિત્ય શ્રકાદેમી, દિલ્લી)ક સદસ્ય। મૈથિલિ પત્રિકા સભ જેના વટુક, પ્રયાગ; મિથિલા મિહિર, પટના; સ્વદેશ, દરભંગા; પ હુંચ, પટના શ્રા પરી પલાર, શ્રારાધિમે રચના પ્રકાશિત। ૧૯૬૭ ई સઁ રાષ્ટ્રીય સ્વયંસેવક સંઘ મે સક્રિય। પ્રાંતીય પ્રતિનિધિ ૨૦૦૪ ધરિ જિલા સંઘચાલક।

ળ઼ેપીશ્રાન્દોલનમે ભેકર઼ાન્ત્ર સેનાની।

ડૉ઼ એપીળ઼ે શ્રવ્દુલ કલામક

શ્રંગ્રેળી પોથી "ર્ગ્નાઇટેડ

માઇમ્ડ્સ"ક

મૈથિલીમે "પ્રાળ્વલિત

પ્રાળ્ના" નામસઁ શ્રનુવાદ। સાહિત્ય

શ્રકાદેમી મૈથિલી શ્રનુવાદ પુરસ્કાર

૨૦૧૦- ડૉ઼ નિત્યાનન્દ લાલ

દાસ- (ર્ગ્નાઇટેડ માઇમ્ડ્સ-

ડૉ઼એપીળ઼ે કલામ, શ્રંગ્રેળી) લેલ।



નાળનાથ મશ્રિ ૧૯૫૦-

"શ્ર વર્ડ્સ શ્રાર વ્યૂ ઑન

મથિલિ" પ્રકાશતિ।



પશુપતિનાથ ઝા, મહોત્તરી, નેપાલ ૧૯૫૪-

હનિક ભેપ્યન વ઼િશ્લેષણાત્મક હોઇત શ્રછિ શ્રા સમ્વદ્ધ વ઼િષયમે નીકળક઼ૉ ળાનકારી દૈત શ્રછિ। વ઼િભિન્નિ પત્ર-પત્રિકામે હનિક ભેપ્ય-રચના વરાવરિ દિપ્યવામે શ્રવૈત રહૈછ ।રા઼રા઼વ઼ કૈમ્પસ, ળનકપુરધામમે મૈથિલી વ઼િષયક પ્રાધ્ય઼ાપનમે સંલગ્ન શ્રી ઝા મૈથિલીસમ્વન્ધી સગ્ઠનાત્મક ગતિવ઼િધિસિઁ સેહો ળુડ઼લ છથિ। મૈથિલી ભાષાક લોપોન્મુખ્ય શ્રવ઼સ્થામે રહલ શ્રપન લિપિ તિરિહુતામે વ઼િશેષળ્ઞતા રખ્યનિહાર શ્રી ઝા એકર સંરક્ષણ-સમ્વર્દ્ધનક દિશામે સેહો ક્રિયાશીલ છથિ ।પ્રાધ્ય઼ાપક ઝા મૈથિલી મહાકાવ્ય઼મે રસ નિરૂપણ વ઼િષય઼પર વ઼િદ્ય઼ાવ઼ારિધિ કએને છથિ શ્રા શિક્ષા તથા કાનૂન વ઼િષય઼મે સેહો સ્નાતક છથિ। મહોત્તરી ળિલાક એકરહિય઼ા રહનિહાર શ્રી ઝાક ળન્મ ૪ દિસિમ્વર ૧૯૫૪ કS ભેલછનિ।એન્નૈમે મથિલિ રત્નસઁ સમ્માનતિ।



શ્રનિલચન્દ્ર ઠાકુર ૧૯૫૪-૨૦૦૯

ળન્મ ૧૩ સતિમ્વર ૧૯૫૪ ઈ઼કેઁ કટહિર ળિલાક સમેલી ગામમે ભેલન્હિ। ૧૯૮૨ ઈ઼મે હનિ્દી સાહિત્ય઼મે સ્નાતકોત્તર કેલાક વાદ નવ઼મ્વર '૮૩ સઁ નવ઼મ્વર '૮૪ ધરિ "સુવહ" હસ્ત લિખ્યિત પત્રિકાક સમ્પાદન-પ્રકાશન કએલન્હિ શ્રા કોશી ક્ષેત્રીય ગ્રામીણ વૈકમે શ્રધિકારી રહથિ। મૈથિલી, શ્રંગિકા, હનિ્દી શ્રા શ્રંગ્રેળીમે સમાનરૂપેઁ ભેપ્યન। મ઼ૃત્યુક પૂર્વ઼ વ઼ર્ષ ટ્યૂમરસઁ

વીમાન યશ નિહ૭
છ૭ાહ। **પ્નકાશતિ ક઼ૃતિ:** શ્રાવ
માળ઼િ ળ઼ાઉ(મૈથિ૭િ
ઉપન્યાસ)- પહિનિ જાનની-મંડન
પત્નિકામે પ્નકાશતિ જે૭, શ્રેન
મૈ૭ીનંગ દ્વાના પુસ્તકાકાન
પ્નકાશતિ જે૭; કચ( શ્રંગકિાક
પહિ૭ પ્યામ્ડ કાવ્ય,૧૯૭૫); એક
શ્રૌન નામ (હિન્દિી
નાટક,૧૯૮૧); એક ઘન સડ઼ક
પન (હિન્દિી ઉપન્યાસ, ૧૯૮૨); દ
પપેટ્સ (શ્રંગ્નેળ઼ી ઉપન્યાસ,
૧૯૯૦); શ્રનત કહઁ સુપ્પ
પાવૈ (હિન્દિી કહાની
સંગ્નહ,૨૦૦૭)। શ્રાવ માળ઼િ
ળ઼ાઉ (મૈથિ૭િ ઉપન્યાસ) - એહિ
ઉપન્યાસમે એક એહન યુવતીક
સંઘન્ષ-ગાથા શ્રંકતિ શ્રછિ જે
શ્રપન ૭ગનસઁ ળ઼ીવન વદ૭ૈત શ્રછિ।
શ્રસંખ્ય ગામક ઈ કથા કુ૭ીનતાક
શ્રયઃપતનક
કથા, સંસ્કાનવિહિનતાક ઉદ્ઘાટન
શ્રા ભવિષ્યિક પીઢ઼ીકેઁ વચબ્વાક
ચેતૌની છી।



વ઼ૃષેશ યન્દ્ન ૭ા૭



નાનાયાણળ઼ી ૧૯૫૬-



ળન્મ ૨૯ માન્ચ ૧૯૫૫ ई કેં
મેઙન્હિ પિતિઃ સ્વ઼ ૩દિતિનાનાયાझ
ભ૭,માતાઃ શ્નીમતિ ભુવનેશ્વની દેવા
હનિકન છઠહિનક નામ વશ્વિેશ્વન
છન્હિ મૂળઃ નાળનીતિકિકનમી।
નેપાળમે ળેકતન્ત્નભ૭ વનિન્તન
સંઘન્ષક ક્નમમે ૧૭ વેન ગનિશ્તાન
। ળાનાગ ૮ વન્ષ ળે૭ ।સમ્પ્નતિ
તનાई�મચેશ ળેકતાન્ત્નિક
પાન્ટીક નાષ્ટ�ીય ૩પાધ્યક્ષ।
મૈથિળિમે કછુ કથા વિભિન્િન
પત્નપત્નિકામે પ્નકાશતિ।
આન્દોળન કવતિા સંગ્નહ આ વોપી
કોઈનાળક પ્નસદ્ધિ ભ્ઘુ ૩પન્યાસ
મોદશ્વિાઈન્નક મૈથિળિ ન્ુપાન્તનામ તથા
નેપાળિમે સંઘીય શાસનતિ નામક
પુસ્તક પ્નકાશતિ। શ્નો વશ્વિેશ્વન
પ્નસાદ કોઈનાળક પ્નતિદ્વિ
નાળનીતિ અનુયાયી આ નેપાળક
પ્નળાતાન્ત્નિક આન્દોળનક સક્નયિ
ચોદ્ધા છથિ નેપાળિ નાળનીતિપન
વનોવન ભિભ્િતિ નહૈત છથિ



ળગદીપનાનાયાझ "દીપક"

ળન્મઃ ઘોઘનડીહા (મધુવની)। મૈથિળિ
ભાષા-સાહતિ્યમે એમ ए, પી-એચ ડી
કામેશ્વન ભ્તા સંસ્કૃત
વદ્િયાળય, ઘોઘનડીહામે અધ્યાપન।
પ્નકાશતિ કૃતિઃ �ઘનાઘુનિ નહળ
છી� (કાવ્ય-સંગ્નહ)।



નાળદેવ મંડળ

શક્િષા- એમ.એડ્વય, એળ એળ વી.પતા- ગ્નામ-
મુસહનનયિાઁ, નતનસાના (નિમ્મળિ, મધુવની)। **પ્નકાશતિ કૃતિ-** અમ્વના-કવતિા-

ડૉ શ્ની શ્નીશંકન
હા ૧૯૫૨-



શવિપ્નસાદ યાદવ

સંગ્રહ, ક્રમર ટેઢ (ઉપન્યાસ), વસુંધરા(કવિતા સંગ્રહ), જાઉ (પટકથા), ઊળ (૯ કાંકી), જઉ મેવર (ઉપન્યાસ), ત્રિવિક્રમીક ગંગા (વહિની આ લઘુ કથા સંગ્રહ), પંચે તી (લઘુ પટકથા), વાપસી।



## હીરેન્દ્ર કુમાર ઝા ૧૯૫૮-

જન્મ ૩૦ અગસ્ત ૧૯૫૮,ગામ- કોઈલખ (મધુવની), પિતા શ્રી કામેન્દ્ર નાથ ઝા। ટ્વાંસફ્રમર (મૈથિલી કથા સંગ્રહ) પ્રકાશિત।



## મહેશ્વર મણ્ડળ ૧૯૫૮-

જન્મ ગમહરિયા (માનપૌર, મધુવની)મે, ૧૯૭૮સઁ ૧૯૯૨ ધરિ નૌસેનામે વરિષ્ઠ જહાજપર કાર્યરત, સેર ધાત્રી રેઢમે સમ્વત્ય (કથા સંગ્રહ) પ્રકાશિત।



## ભવોનાથ ઝા



## મહેન્દ્ર નારાયણ રામ ૧૯૫૮-



## તારાનન્દ વિયોગી ૧૯૬૬-

મહિષી, સહરસામે જન્મ। પહિલ પોથી અપન યુદ્ધક સાક્ષ્ય (ગજલ સંગ્રહ) ૧૯૯૧ મે પ્રકાશિત। અન્ય પુસ્તક હસ્તક્ષેપ, પ્રલય રહસ્ય(કવિતા- સંગ્રહ), શતિરામ (કથા- સંગ્રહ), શિલિલેખ (લઘુકથા સંગ્રહ), કર્મધારય નાટકમઢ ચૌથરીક કથાક ાતિ એકટા યંપાકણ



## ભાઉચન્દ્ર ઝા

પીએચ.ડી. વીર (અર્થશાસ્ત્ર), મુમ્બઈસઁ થિયેટર કઉમે ડિપ્લોમા। મૈથિલીક અતિરિક્ત હિન્દી, મરાઠી, અંગ્રેજી આ ગુજરાતીમે નિષ્ણાત। ૧૯૭૪ ઈસઁ મરાઠી આ હિન્દી થિયેટરમે નિર્દેશક। મહારાષ્ટ્ર રાજ્ય પુરસ્કાર ૧૯૯૬ આ ૧૯૯૯ મે। શ્રાદ્ધઠી કેર ઊઢ નાટક �સીતા� ક

એકટા વ઼ષિયર સંકલન-સપાદના સાહિત્ય઼ અકાદેમી મૈથિલિ વાલ સાહિત્ય઼ પુરસ્કાર ૨૦૧૦-ગારાનન્દ વ઼યિ઼ોગીકેઁ પોથી "ઈ બેટલ ગઁ કી બેટલ" લેલ। ય઼ાત્રી-ચેતના પુરસ્કાર ૨૦૧૦ ઈ઼- ઙ઼ૉ ગારાનન્દ વ઼યિ઼ોગી।

નિર્દેશન। �વ઼ાસુદેવ઼ સંગારિ� આર઼્એન઼્ટી઼ક લેક કલાક શોય આ પ્રદર્શનસઁ જુડ઼લ છથિ આ નાટ્ય઼શાલાસઁ જુડ઼લ છથિ વ઼િકિલાંગ વાલ લેલ થિએટરસઁ। નમ્નિ ટી઼વ઼ી઼ મીડિય઼ામે રચનાત્મક નદિશક રૂપેઁ કાર્ય઼ાલ્પન-વીછલ વેરાય઼લ મરાઠી એકાંકી(અનુવ઼ાદ), સહિવ઼લોકન (મરાઠી સાહિત્ય઼ક ૧૫૦ વ઼ર્ષ), આકાશ (જી઼ટી઼વ઼ી઼ક ધારાવ઼ાહિકિક ૩૦ એપીસોડ), જીવ઼ન સન્ધ્ય઼ા( મરાઠી સાપ્તાહિકિ, ડી઼ડી, મુમ્વઈ), ચનાળી નાના ચૌધરી (મરાઠી), સ્વ઼ય઼મ્વ઼ર (મરાઠી), અભિ નહી કભી નહી( હિન્દી), આહટ (હિન્દી), ય઼ાત્રા ( મરાઠી સીરય઼લ), મધૂરપન્પ ( મરાઠી ધાલ-ધારાવ઼ાહિકિ), હેલ્થકેઅર રન ૨૦૦ એડી઼) (ડી઼ડી઼)।૨૦૦૮ મે-જાલચન્દ્ર હા (વીછલ વેરાય઼લ મરાઠી એકાઁકી- સમ્પાદક સુધા જોશી આ રત્નાકર મતકરી, મરાઠી)લેલ સાહિત્ય઼ અકાદેમી મૈથિલિ અનુવ઼ાદ પુરસ્કાર।







મનમોહન ઙ્ા

કુમાન શૈઙેન્દ્ન

નમેશ ૧૯૬૧-

ળન્મ સ્થાન

મેહથ, મધુવની, વહિાન। યન્યતિ

કથાકાન શ્રો કવ઼િ। પ્નકાશતિ

ક઼ૃતિઃ સમાંગ, સમાનાંતન, દપ્પઙ

(કથા સંગ્નહ), નાગસ્ફેની (ગળઙ

સંગ્નહ), સંગોન, સમવેત સ્વ઼નક

શ્રાગૂ, કોસી ઘાનક સભ્યતા, પાથન

પન દૂબા (કાવ્ય઼

સંગ્નહ), પ્નતિક્નિયિા (શ્રાલોચના

ત્મક નવિધ)।







મેઘન પ્નસાદ ૧૯૬૧-

પ્નદીપ વહિાની ૧૯૬૩-

ળન્મ સ્થાન કન્હૌલી મઙ્લકિ

ટોલ, પ્પળૌલી, મધુવની, વહિાન।

યન્યતિ કથાકાન, ઉપન્યાસકાન શ્રો

નંગકન્મી। પ્નકાશતિ ક઼ૃતિઃ

ગુમકી શ્રો વહિાડ઼િ, વ઼સ્િવ઼યિસ

(ઉપન્યાસ), શ્રૌતીહ કમલ ળયતીહ

કમલ, પ્પાપ્ડ-પ્પાપ્ડ

ળનિગી, સનોકાન (કથા સંગ્નહ)।

૨૦૦૭- પ્નદીપ

વહિાની (સનોકાન, કથા)મૈથલિી ઙઙ

સાહત્યિ શ્રકાદમી પુનસ્કાન।

યન્દ્નમોહન ઙ્ા પન્વ઼ા



डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल



रोशन जनकपुरी, नेपाल




डॉ. अरविन्द अक्कू १९५७-



शुभचन्द्र झा "प्रवीण" १९६१-

गाम तुमौल दरभंगा, आयल नवल प्रभात, पांगल गाछक छाहरि, हमरा मोनक ध्वजा चढ़िया, वसंतक वजनिया (कविता संग्रह), मूल हेरा मरीचि (कथा संग्रह)।



देवशंकर नवीन १९६२-

ओ ना मा सी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिली प्रारम्भिक रचना), चानन-काजर (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक परिदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, राजकमल चौधरी का रचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का यार, पहचान (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजार (कथा-संग्रह)।



कुमार मनीष अरविन्द १९६४-







## વદની નાનાયણ વનમા

## નાળેન્દ્ન કશિોન, નેપાઊ

## શ્યામ સુન્દન શશિ, નેપાઊ

શ્યામ સુન્દન

શશિ, ળનકપુનયામ, નેપાઊ। પેશા-

પત્નકાનિ॥ શક્ષિા: ત્નાિભુવન

વિશ્વવિદ્યાઊયસઁ,એમ.એ મૈથિઊિ, પ્ન

થમ શ્નેણીમે પ્નથમ સ્થાન।

મૈથિઊિક પ્નાય: સબ વિધામે

નયનાનત। વહુત નાસ નયના

વિભિન્ન પત્ન-પત્નકિામે

પ્નકાશતિ। હિન્દી, નેપાઊી આ઼

અંગ્નેળી ભાષામે સેહો નયનાનત

આ઼ વહુતનાસ નયના પ્નકાશતિ।

સમ્પ્નતિ- કાન્તિપુન પ્નવાસક

અનવ વ્યૂનોમે કાન્યનત।



## હિમાંશુ યૌધની, નેપાઊ

પિતા : સ્વર્ગીય કામેશ્વન

યૌધની,માતા: શ્નીમતી યન્દ્નાવતી

યૌધની,ળન્મ: વિ સ ૨૦૨૦૬૫

ઊહાન, સિનહા,શક્ષિા:

સ્નાતકોત્તન(નેપાઊી),પેશા:

પત્નકાનિતા (સમ્પ્નતિ : નાષ્ટ્નયિ

સમાચાન સમિતિ),કૃતિ: કી ભાન

સાંઝ ? (મૈથિઊી કવિતા



## સત્યનાનાયણ મેહતા



## ભુવનેશ્વન પાથેય

संग्रह ),विगत दू दशकसं नेपाली आ मैथिली लेखन तथा अनुवादमे निरन्तर क्रियाशील आ विभिन्न संघ संस्थासं आबद्ध।



राजेन्द्र झा, धनुषा



अशोक कुमार मेहता



धर्मेन्द्र विह्वल, सिरहा, नेपाल १९६७

-

रस्ता तकैत जिनगी, एक सृष्टि एक कविता, एक समयक बात, पुरनाएल आकृति सन (मैथिली कविता संग्रह), भ्रमरका उत्कृष्ट नाटकहरु, गोनूझाका कथाहरु (मैथिलीसँ नेपाली अनुवाद), मैथिलीक कक्षा १ सँ ५ आ बाल-साहित्य संदर्भक तीनटा पोथीक सह-लेखक। पत्रकारिताक मूल सिद्धांत (मैथिली, प्रेसमे), दलित रिपोर्टिंग मैनुअल (नेपाली, प्रेसमे)।



धीरेन्द्र कुमार झा



नमिषि झा, नेपाल



गौरीनाथ (अनलकान्त)

"अन्तिका"क सम्पादन



आनन्द कुमार झा १९७७-

जन्म स्थान: मेंहथ, हरिहरपुर; पिता स्व. अमरकान्त झा, माता श्रीमती इन्द्रकान्ती देवी, प्रकाशन- "चचाजी नवकी कनियाँक खेल", "हरा पतिव्रता", "वइदेहि समाज", "टाकाक मोल", "कलह" (पाँचू मैथिली नाटक) प्रकाशित। विदेह सम्पादकक सम्मानार्थ साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०११ युवा पुरस्कार- आनन्द कुमार झा (कलह, नाटक)



वनदेवीपुत्र भवनाथ, नाटककार



चन्द्रेश



राम सेवक सिंह



शहीद दुर्गानन्द झा, नेपाल



उदयनाथ झा "अशोक"



## કપિલેશ્વર રાઉત

ઉલ્હન (બહિની- લઘુ કથા સંગ્રહ) પ્રકાશિત।



## કપિલેશ્વર સાહૂ



## ડૉ. શમ્ભુ કુમાર સિંહ

જન્મ: ૧૮ અપ્રીલ ૧૯૬૫ સહરસા જિલાક મહિષી પ્રખણ્ડક લહુઆર ગામમે। આરંભિક શિક્ષા, ગામહિસઁ, આઇ.એ. બી.એ. (મૈથિલી સમ્માન) એમ.એ. મૈથિલી (સ્વર્ણપદક પ્રાપ્ત) તિલકા માઁઝી ભાગલપુર વિશ્વવિદ્યાલય, ભાગલપુર, બિહાર સઁ। નેટ [બિહાર પાત્રતા પરીક્ષા (નેટ ક સમતુલ્ય) વ્યાખ્યાતા હેતુ ઉત્તીર્ણ, ૧૯૯૫] �મૈથિલી નાટકક સામાજિક વિવેચન� વિષય પર પી-એચ.ડી. વર્ષ ૨૦૦૮, તિલકા માઁ ભાવિશ્વવિદ્યાલય, ભાગલપુર, બિહાર સઁ। મૈથિલીક કતોક પ્રતિષ્ઠિત પત્ર-પત્રિકા સભમે કવિતા, કથા, નિબંધ આદિ સમય-સમય પર પ્રકાશિત। વર્તમાનમે શૈક્ષિક સલાહકાર (મૈથિલી) રાષ્ટ્રીય અનુવાદ મિશન, કેન્દ્રીય ભારતીય

ભાષા સંસ્થાન, મૈસૂર-૬ મે કાર્યરત।



કૃષ્ણચન્દ્ર યાદવ, નેપાળ



રવિકાન્ત ઠાકુર



શોભાકાન્ત ઝા



ઉમાકાન્ત ઝા શ્રી પ્રયિકા, મૈથિલી રંગ મંચ



શ્યામાનન્દ ઠાકુર



હરિકાંત લાલ દાસ, નેપાળ



શશિનાથ ઠાકુર, નેપાળ



દુર્ગાનન્દ મંડલ

સંપાદિત, કથા કુસુમ (વર્ણિત શ્રી ઘણુ કથા સંગ્રહ), ચક્ષુ પ્રકાશિત।



રવિ કુમાર ઝા ૧૯૭૩-

રવિ કુમાર

ઝા [illegible],પિતાક નામ:

સ્વ. કાલી કાન્ત

ઝા [illegible], માતાક નામ:

સ્વ. ચન્દ્રકલા દેવી,જન્મ

તિથિ: ૧૧-૧૨-૧૯૭૩,શિક્ષા:

સ્નાતક (પ્રતિષ્ઠા),જન્મ સ્થાન:

માતૃક- માળિપુર મોડ઼ર, જિ

- વેગૂસનાય, મૂળગ્નામઃ ગ્નામ- પત્નાઉધ - કનાયિન, ળિલા - સમસ્તીપુન, પિનઃ ૮૪૮૧૦૧,સંપ્ન નઃ પ્નવંધક, સંગ્નહાલ,ળે એમ ૯ સ્ટો ન્સ હીમિન નોડ, વસ્ટિપુન ળમશેદપુન - ૮૩૧ ૦૦૧, અન્ય ગતિવિધિઃ વન્ષ ૧૯૯૬ સઁ વન્ષ ૨૦૦૨ ધનિ વિદ્યાપતિ પનિષદ સમસ્તીપુનક સાંસ્કૃતિક ,ગતિવિધિ એવં મૈથિલીક પ્નચાન-પ્નસાન હેતુ ડૉ નનેશ કુમાન વિકલ આ શ્ની ઉદય નાનાયણ ચૌધની (નાષ્ટ્નપતિ પુનસ્કાન પ્નાપ્ત શિક્ષક) ક નેતૃત્વમે સંલગ્ન **પ્નકાશિત કૃતિઃ** ક્ષણપ્નભા-કવિતા- સંગ્નહ, શ્નુ-સમાલોચના।



નામ વિલાસ સાહુ

મનક

મૈલ, અંકુન- લઘુકથા સંગ્નહ, નથક ચક્કા ઉલટિ ચલૈ વાટ (ક વિતા ટનકા સંગ્નહ), કન્મ વિનુ ળગ સુન્ના (દોસન કવિતિ ટન કા સંગ્નહ), સ્કૂલક પ્નચિડી (વહિન્ન લઘુ કથા સંગ્નહ), દૂચવે ચની (લઘુ કથા સંગ્નહ) પ્નકાશિત।



મહાકાન્ત ઠાકુન



ચયેશ્વન દા, નન્મિલી

"નવિન્ય-નકુંળ" પ્નકાશિત।



ધીરેન્દ્ર કુમાર, નિર્મલી



ચન્દ્રશેખર કામતિ ૧૯૯૫૮-

મૈથિલી કવિ શિક્ષા- એમ.એ

(રાજનીતિશાસ્ત્ર), પિતા- સ્વ યોગેન્દ્ર

કામતિ, ગામ-પોસ્ટ- કરાયિન, ભાયા- રૂદ્રમાસ

નગર, થાના- રોસડ઼ા, જિલા-

સમસ્તીપુર, વર્તમાન સંપ્રતિ પ્રખણ્ડ

સહકારિતા પ્રસાર પદાધિકારી (બેનીપટ્ટી)।



નન્દ વિલાસ રાય

"જમદુતિયા", "છઠકિ ડાલા", "હમર

સામુદાય" પ્રકાશિત।



વિનય ભૂષણ

ઉગના ધરબાક ખોજ (કવિતા સંગ્રહ)



સુધાકર ઝા, મહોત્તરી, નેપાલ

સયસઁ બેસી સડ઼ક નાટકમે મંચન।



સદરે આલમ "ગૌહર"

ગામ-પુરસૌલિયા, ભાયા-

જયનગર, જિલા મધુબની।



ડૉ ભુવન કિશોર મિશ્ર "ભુવનેશ"

મૈથિલી કથા સંગ્રહ- ગોવરછત્તા।



દિનિકર કુમાર

"પૂર્વોત્તર મૈથિલ"ક સમ્પાદન।



ડૉ વિનય વિશ્વબન્ધુ



## रामदेव प्रसाद मण्डल झारूदार

मैथिलीक मध्यकालीन ठाकुरक नामसँ प्रसिद्ध मैथिलीक पहिल जनकवि रामदेव प्रसाद मण्डल �झारूदार�।

"हमरा बिनु जगत सुना छै" आ "गीताञ्जलि झारू" प्रकाशित।



## उमेश पासवान

"वर्णमाला रस" प्रकाशित।



## ओम प्रकाश झा

घोघरडीहा (मधुबनी)।

"कियो बूझि नै सकल हमरा" (गजल, रुबाइ आ कता संग्रह) प्रकाशित।



## जगदानन्द झा मनु

गढ़िया जुकैए हमर घराड़ीपर (गजल संग्रह), गोहर कोक रंग (विहनि कथा संग्रह), थोरहा- (बाल उपन्यास), व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)।



## अच्छेलाल शास्त्री



## डॉ. अमोल राय



## नन्द कुमार मिश्र नन्द



## डॉ. नन्द कुमार मिश्र



## शिव कुमार प्रसाद







| | | |
|---|---|---|
| દશિપ કુમાન ઙા | ડૉ ાનાકાન્ત ઙા | શ્રમનકાન્ત, નેપાઊ |
|  |  |  |
| મુનશીયન ઙા<br><br>કવશિપુન, દનભંગા। વાઊ કથા સંગ્નહ "પશિપશિ ગાછ" (૨૦૧૦) પ્નકાશતિ। | કમઊયન દાસ<br><br>"મૈથિશિ કન્નાણ કાયસ્થક ગોત્ન, પ્નવન, મૂઊ શ્રા વૈવાહકિ સમ્વન્ય" પોથી પ્નકાશતિ। | શ્નીકાન્ત મામ્ડઊ, મૈથશિ નંગમંચ |
|  |  |  |
| વેચન ઠાકુન<br><br>ગામ: ચનૌનાગંળ, મયુવની। પ્નકાશતિ કૃતિ: વેટીક શ્રપમાન શ્રા છીનનદેવી (નાટક), વાપ ભેઊ પનિ્તી શ્રા શ્રચકિાન (નાટક), વસિવાસઘાન (નાટક), ઊઁચ-નીચ (નાટક), ભૌંટ (નાટક); પ્ક દ્નજનસઁ વેશી નાટક પ્નકાશનક પ્નતીક્ષામે। | ગંગા ઙા<br><br>મૈથશિ નંગમંડઊ કોકાશિ મંચ, કોઊકાના। કોઊકાના શ્રા ગામ પજુશ્રાર્ડીહ ઠાઊમે મૈથશિ નંગમંચ નર્િદેશન। | નવોનાનાયણ મશ્નિ ૧૯૫૫-<br><br>પનિા-શ્ની ગોવન્દિ મશ્નિ, માના- શ્નીમની શ્રિતૂઊ દેવી। ગામ- કુશમૌઊ,પોનાગદહ-વઊરૂન, ભાયા-શ્નેન્ડહાટ, ળશિ- મયુવની। મૈથશિ નંગમંચસઁ સમ્વદ્ય "કોકાશિ મંચ" સંસ્થાક માધ્યમસઁ। |
|  |  |  |

કમલેશ કુમાર દાસ, રંગમંચ કલાકાર

કિશોર કેશવ, મૈથિલી રંગમંચ

કુમાર ગગન, મૈથિલી રંગમંચ







અશોક દત્ત, જનકપુર

મદન ઠાકુર

ચર્ચિત રંગકર્મી, જનકપુરક ચર્ચિત સંસ્થા મિથિલા નાટ્યકલા પરિષદક સંસ્થાપક। તીન દશકસઁ બેસી સમયસઁ રંગક્ષેત્રમે સક્રિય। કરીબ ૩૦�૪૦ ગોટ મંચીય નાટકક સફલ પ્રસ્તુતિ, ૨૦�૨૫ ગોટ સડ઼ક નાટકક હજારસઁ બેસી પ્રદર્શનમે અભિનય।૨૦ ગોટ ટેલી-સીરિયલ આ આધા દર્જન મૈથિલી ફીચર ફિલ્મમે અભિનય। પુરસ્કાર: સપ્તમ અન્તર્રાષ્ટ્રિય મહોત્સવમે સર્વશ્રેષ્ઠ અભિનેતા ૨૦૪૮ વિ.સં, ક્ષેત્રીય પ્રતિભા પુરસ્કાર (નેપાલ સરકાર) ૨૦૬૩ વિ.સં।

અજય કુમાર યાદવ, મૈથિલી રંગમંચ







આશુતોષ યાદવ અભિજ્ઞ

ક◌ૃષ્ણ કુમાર કશ્યપ ૧૯૪૯-

જ્યોતિ કુમુદ

जन्म १५ सितम्बर १९४९ ई। पिता- कवि-उपन्यासकार स्व. रुद्रनारायण लाल "सँवलिया"। जनवरी १९६५ ई.मे नेना सभ लेल "नाट्य स्कूल", १९८१ ई.मे "कला आधारित जीवन आ शिक्षण पद्धति"क प्रवर्त्तन आ तकर कार्यान्वयन हेतु शिवा कश्यप आ शशिबालाक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: शशिबालाक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोश, भाग-३।



## बटोही झा, मिथिला चित्रकला



## प्रवीण कुमार ठाकुर

जन्म तिथि -३१ दिसम्बर १९७७; जन्म स्थान - कन्हौली , सकरी , मधुबनी ; शिक्षा- सूर्य नारायण हाई स्कूल - नरपतिनगर , बी. एस. सी - मेमोरियल कॉलेज - दरभंगा , डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन - नयी दिल्ली ) , चित्रकला �आओर फैशन पूर्वानुमानमे विशेष योग्यता, निवास स्थान- दिल्ली , इंडिया; पिता- श्री सत्य नारायण ठाकुर , सकरी - कन्हौली� ; माता- श्रीमती मालती ठाकुर , सकरी - कन्हौली । वर्तमानमे



## लाल पंडित, मिथिला मूर्तिकला

શ્રપન એક્સપોર્ટ વળિનસ એસ્થેટ ) �ક

નામસઁ શુરુઆત , પૂર્વમે પ્રોડક્ટ ડેવેલપ્મેંટ

શ્રાશ્રોર મર્યંટક રૂપમે કાર્યરત।




ગાળેન્દ્ર પંડિત, મથિલિ મૂર્તકિલ



ગરિીશ યન્દ્ર લાલ



નવેન્દુ કુમાર હા, પત્રકાર



યન્દ્ર કશિોર લાલ, પત્રકાર, નેપાલ



ઉપેન્દ્ર ભગત નાગવંશી, નેપાલ

સડક નાટક।



રમેશ રંજન, પરવાહા, નેપાલ ૧૯૬૬-

પરવાહા, નેપાલમે જન્મ। નેપાલીય કથા-જગતક નવીન મુદા સમ્માનતિ નામ। જનપક્ષધર કથા-દૃષ્ટિ આ મોહક શલિ્પ। થોડ લખિલનિ, મુદા ધેર-ધેર યર્યાતિ રહલાહ।



વનિીત ઠાકુર



સુજીત કુમાર હા, નેપાલ



મનોજ પાઠિકી

"વાઁકો અછિ હિમ્મન દૂયક કન્ળ" પ્નકાશતિ।

ળદ્દિી (ઉઘુકથા સંગ્નહ), યડ઼ િ(ઉઘુકથા-સંગ્નહ), નપીન્ટન ડાયની (નપીન્તાળ), ગન્ય (ઉઘુ કથા સંગ્નહ), ષ્પળુનીવાણી (ઉઘુ કથા સંગ્નહ), કોશ્ણી ઘૂનિ આઉ (વાઉ ઉઘુ-વહિની કથા સંગ્નહ), દૂયમની-(સમ્પાદન- નેપાળી આ મૈથિળીમે)।

નેપાળક પહિલ મૈથિળી નેડિયો નાટક સંયાઉક



# દેવાંસુ વત્સ

ળન્મ- તુઉપટ્ટી, સુપૌઉ। માસ કમ્યુનકિશનમે એમ.એ, હન્દિી, અંગ્નેળી આ મૈથિળીક વભિન્નિ પત્ન-પત્નકિામે કથા, ઉઘુકથા, વળ્િઞાન-કથા, યત્નિ-કથા, કાન્ટૂન, યત્નિ-પ્નહેઉકિા ઇત્યાદકિ પ્નકાશન। વશિષ: ગુળનાત નાળ્ય શાળ પાઠ્ય-પુસ્તક મંડઉ દ્વાના આઠમ કક્ષાક ઉેઉ વળ્િઞાન કથા �ળંગ� પ્નકાશતિ (૨૦૦૪ ઈ), નતાશા: મૈથિળીક પહિલ-યત્નિ-શ્નૃંખઉા (કૉમકિ્સ) પ્નકાશતિ।



# સંતોષ મશ્નિ, નેપાઉ

પોસ્ટુત (ઉઘુકથા-સંગ્નહ), ઉદાસ મોન (ઉઘુકથા-સંગ્નહ), એના-કિએ (કવતિા-સંગ્નહ), અએના (સંપાદન- કવતિા-સંગ્નહ)।



# સુનીઉ કુમાન મઉ્ઉકિ, ગાયક, ળનકપુન, નેપાઉ ૧૯૬૮-

મૈથિળીક ગાયક-સંગીતકાનક નૂપમે પ્નસદ્ધિ છથિ। મૈથિળી ભાષાક ગીતસભમે મૌઉકિ તથા સાન્થક સંગીતક સૃળનમે હનિક સક્નયિતા પ્નશંસનીય છનિ। સુનીઉક ગાયન તથા સંગીતમે કૈસેટ એઉવમસભ સેહો વાહન ભેઉ અછિ ળિપ્પણદિ હિનક સક્નયિતા પનમિાણાત્મક નૂપમે કમ નહતિહું ગુણાત્મક દૃષ્ટએિં હૃદયસ્પન્શી માનઉ ળાઇત અછિ। પેશાસઁ વળ્િઞાન-શક્ષિક છથિ।







## યોગેન્દ્ર પ્રેમર્ષિ, સપ્તરી, નેપાલ ૧૯૬૭-

વ.સિં.૨૦૨૪ સાલ ભાદવ ૧૮ ગતે સપ્તરી જિલાક ગોવિન્દપુર-૧, વસ્તીપુર ગામમે જન્મ લેનિહાર પ્રેમર્ષિક પૂર્ણ નામ યોગેન્દ્ર હા છિયનિ।કિશોરાવસ્થાસઁ લેખનમે મૈથિલી કાર્યક્રમ પ્રસ્તુત કરૈત જોડી રૂપા-યોગેન્દ્રક યોગેન્દ્રક અવાજ ગામક વચ્ચા-વચ્ચા ચિન્હૈત અછિ। �પલ્લવ� મૈથિલી સાહિત્યિક પત્રિકા આ �સમાજ� મૈથિલી સામાજિક પત્રિકાક સમ્પાદન।

## રવીન્દ્ર નારાયણ મિશ્ર

પિતાક નામ:સ્વર્ગીય સૂર્ય નારાયણ મિશ્ર, માતાક નામ:સ્વર્ગીયા દયાકાશી દેવી, પૈતૃક ગ્રામ:અડેર ડીહ, માતૃક:સરિસબ પાહી ડ્યોઢી। વર્તમાન:સેવાનિવૃત્ત ચાર્ટર્ડ એકાઉન્ટેન્ટ આ વરિષ્ઠ સહયોગ, દિલ્લીમે સ્પેશલ મેટ્રોપોલિટન મજિસ્ટ્રેટ। આ સેવા નિવૃત્ત। શિક્ષા: ચન્દ્રધારી મિથિલા મહાવિદ્યાલયસઁ બી.એસ-સી ભૌતિકી વિજ્ઞાનમે પ્રતિષ્ઠા; દિલ્લી વિશ્વવિદ્યાલયસઁ વિધિ સ્નાતક। પ્રકાશિત કૃતિ: મૈથિલી:-

૧ �ભોરસઁ સાઁઝ ધરિ� (આત્મ કથા), ૨ �પ્રસંગવશ� (નિબંધ), ૩ �સ્વર્ગ એતહિ અછિ� (યાત્રા પ્રસંગ), ૪ �પ્રસાદ� (કથા સંગ્રહ) ૫ `નમસ્તસ્યૈ� (ઉપન્યાસ) ૬ વિવિધ પ્રસંગ (નિબંધ ) ૭મહરાજ (મૈથિલી ઉપન્યાસ) ,૮લજકોટર (મૈથિલી ઉપન્યાસ) ,૯સીમાક ઓહિ પાર (મૈથિલી ઉપન્યાસ) ૧૦સમાધાન(નિબંધ સંગ્રહ) ૧૧માતૃભૂમિ( ઉપન્યાસ) ૧૨સ્વપ્નલોક(ઉપન્યાસ) ૧૩શંખનાદ(ઉપન્યાસ)।

## કુમાર મનોજ કાશ્યપ



અમરેન્દ્ર યાદવ, નેપાલ



રઘુનાથ મુખિયા



પ્રદીપ પુષ્પ



સંદીપ કુમાર સાફી

"વૈશાખમે દલાનપર" પ્રકાશિત।



ઉમેશ મંડલ

નિશ્તુકી- કવિતા સંગ્રહ, મિથિલાક સંસ્કાર ગીત, વિધિ-વ્યવહાર ગીત આ ગીતનાદ (સંકલન), "મિથિલાક વનસ્પતિ સ્પેશ શો મિથિલાક જીવ-જન્તુ સ્પેશ શો મિથિલાક જિનગી સ્પેશ શો", સગર રાતિ દીપ જરય- ઝાહિસ,



ચન્દ્રમણિ

| | | |
|---|---|---|
| | દુય-પાની શ્વાક-શ્વાક (કથા એવં પાણ્ડુલિપિ જગદીશ પ્રસાદ મણ્ડલ)- (છાયા એવં સમ્પાદન- ઉમેશ મણ્ડલ), હિન્દુસ્તાની મુસલમાન ઔર હિન્દુસ્તાનીય ત - મૂલ હિન્દી ઉપ્પ- ગીતેશ શર્મા, મૈથિલી અનુવાદ- ઉમેશ મણ્ડલ | |
|  સ્વ. હેમકાન્ત ઝા, ગાયક |  મુરલીધર, મૈથિલી ફિલ્મ નિર્દેશક |  કુંજ બિહારી, મૈથિલી ગાયક |
|  રામબાબૂ ઝા, ગાયક |  વિપિન દાસ |  જિતેન્દ્ર સહયોગી |
|  ઉદિત નારાયણ ફિલ્મ ગાયક |  પ્રકાશ ઝા, ફિલ્મ નિર્દેશક |  કીર્તિ આઝાદ ક્રિકેટ |
|  સુનીલ ઝા શતરંજ |  અનિષ ઝા ગોલ્ફ |  અશોક કુમાર ૧૯૮૧- |

સાયાનામ્ર કાષ્ઠકાનક પનવિાનમે સમસ્તીપુન ળળિક મોપ્પયિાનપુન સપ્પળાની ગામમે ળનમળ શ્રશોક કુમાન કહયિો સ્કૂળ નહિ ગેળાહ। દનિમે પચાસ ટાકા કમેનહિાન દળિળીક એકટા ગોળ્શ્ઠ ક્ળવક એહિ કૈડીકેં ૧૯૮૯ ઼ે મે ચોનકિ મથિ્યિાનોપ ળગા કએ ગોળ્શ્ઠ કોન્સસઁ ચાહન કએ દેળ ગેળ। વ઼ેહ કૈડી દસ સાળક મીતન માનનક નમ્વન એક ગોળ્શ્ઠન વની ગેળ।



# નાળેશ નંળન, મૈથળિી સ્ટેડોના પ્નોળેક્ટ



# સંળય઼ ઢ્ા

સુળ્તાનગંળ, માગળપુના મોટોનોળાક સી઼ઈ઼શ્રો।



# વનિ્દેશ્વ઼ન પાઠક



# વનિોદ મશ્નિ

ડ઼ૉ વનિોદ મશ્નિ સમ્પ્નતિ શ્રાઈ શ્રાઈ ટી નૂડકી, ઉત્તનાખંડમે શ્રંગ્નેળી પઢ઼વૈત છથિ શ્રા હનિક નચનાવ શ્રંગ્નેળી શ્રા હિંદી મે



# નાળકમળ ઢ્ા, શ્રંગ્નેળી ળેખ્ક, પત્નકાન

હનિકન શ્રંગ્નેળી ઉપન્યાસ "દ વૂળ વેડસ્પ્નેડ" , "શ્ર્શ્ઠ યૂ શ્રાન શ્રશ્ઠનેડ ઑશ્ઠ હાશ્ટ્સ" શ્રા "શ્રાય઼નપ્નૂશ્ઠ" પ્નકાશતિ છન્હિ। "દ વૂળ વેડસ્પ્નેડ" (૧૯૮૯)પન હુનકા "કૉમનવેળ્થ નાશ્ટ્નસ પ્નાશ્ળ શ્રૉન વેસ્ટ શ્રન્સ્ટ વુક- યૂનેશયિા" ભેટળ છન્હિ



# માનસ વહિાની વ઼ન્મા, વૈ઼ળ્ઞાનકિ

प्रकाशित भेल छन्हि अहि वर्ष हिनक कविता संग्रह पश्चिम पोयम्स एण्ड अदर पोयम्स प्रकाशित भेल छन्हि एकर अतिरिक्त ई अंग्रेजीमे आलोचनाक क्षेत्रमे आठ टा पोथी संपादित केने छथि। हिनक पोथी कम्युनिकेशन स्किल्स फोर इन्जीनियर्स एण्ड साइंटिस्ट्स बहुतो इंजीनियरिंग संस्थानमे पाठ्य पुस्तक रूपमे पढ़ाओल जाइत अछि।

राजकमल झा श्री मुनीश्वर झा आ श्रीमती कमला झाक पुत्र छथि, "आइआइटी खड़गपुर"सँ बीटेक छथि, आ आइ काल्हि दिल्लीमे रहै छथि, जतए ओ "इण्डियन एक्सप्रेस" मे एडिटर छथि।



फणीश्वर नाथ 'रेणु' मिथिला रत्न १९२१-१९७७



रामधारी सिंह 'दिनकर' मिथिला रत्न १९०८-१९७४



रामवृक्ष बेनीपुरी १८९९-१९६७



डॉ. हरिवंश तरुण १९२७-२००८

जन्म २१ जून १९२७ ई.।

गाम- चकसलेम, पो- पटोरी, जिला- समस्तीपुर।

तीन दर्जन सँ बेसी हिन्दी पोथी जाहिमे काव्य-कथा-प्रबन्ध सम्मिलित अछि।



हरिशंकर श्रीवास्तव "शलभ" १९३४-



स्व. जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज'

हिन्दीक साहित्यकार।



𑒩𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩 𑒣𑓂𑒩𑒹𑒧

𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒲𑒏 𑒢𑒰𑒙𑒏𑒏𑒰𑒩



𑒛ॉ 𑒢𑒫𑒪 𑒏𑒱𑒬𑒼𑒩 𑒠𑒰𑒮 "𑒢𑒫𑒪"



𑒧𑒼𑒯𑒢𑒰𑒢𑒢𑓂𑒠 𑒗𑒰 𑓑𑓙𑓕𑓕-



𑒩𑒰𑒧𑒰𑒖𑓂𑒘𑒰 𑒬𑒬𑒱𑒡𑒩



𑒑𑒧𑒹𑒬 𑒔𑓀𑒔𑒪 𑓑𑓙𑓓𑓐-
𑓒𑓐𑓑𑓑



𑒛ॉ 𑒁𑒧𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩



𑒑𑒼𑒣𑒰𑒪 𑒧𑒢𑒲𑒭𑒲



𑒏𑒳𑒢𑓂𑒠𑒢 𑒁𑒧𑒱𑒞𑒰𑒦



𑒬𑓀𑒦𑒳 𑒁𑒑𑒼𑒯𑒲

𑒖𑒢𑓂𑒧 𑓘 𑒖𑒢𑒫𑒩𑒲 𑓑𑓙𑓔𑓑, 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞
𑒏𑒵𑒞𑒱:𑒬𑓂𑒩𑒼𑒯𑓂𑒩𑒰𑒝𑒪 𑒛𑒲𑒯 (𑒏𑒟𑒰-
𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨) 𑓑𑓙𑓙𑓘, 𑒮𑒰𑓀𑒕𑒰 (𑒏𑒟𑒰
𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯)𑓑𑓙𑓙𑓙, 𑒑𑒹𑒮𑒩𑒲 𑒫𑒹𑒬𑓂𑒨𑒰 (𑒏𑒟𑒰
𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨)𑓒𑓐𑓐𑓓, 𑒫𑒖𑓂𑒖𑒱𑒏𑒰 𑒕𑓀𑒠 𑒫𑒱𑒪𑒰𑒮
𑓒𑓐𑓐𑓗



पोद्दार रामावतार अरुण १९२३-१९९९



मनहर श्याम १९३०-२०१२



अरुण प्रकाश १९४८-२०१२



अंशुमन पाण्डेय

तिरहुता यूनीकोडक आवेदनपत्र।



दिनेश कुमार मिश्र

मिथिलाक बाढ़िक एक्सपर्ट। मिथिलाक मोटा-मोटी सभ धारापर किताब प्रकाशित। उत्तर बिहार की व्यथा कथा (१९९०), कोसी- उम्र कैद से सजा-ए-मौत तक (१९९२) बंदिनी महानंदा (१९९४), बोया पेड़ बबूल का- बाढ़ नियंत्रण का रहस्य (२०००), बगावत पर मजबूर मिथिला की कमला नदी (२००४), भूतही नदी और तकनीकी झोल- शुक (२००५), , दुई पाटन के बीच में- कोसी नदी की कहानी (२००६) तथा बागमती की सद्गति (२०१०)।



ओमप्रकाश भारती १९६८-

कोसी नदीक लोक सांस्कृतिक अध्ययन - नदियाँ गाती है, बिहार के पारम्परिक नाट्य आ मैथिलीक लोक नाट्य प्रकाशित



## 𑒫𑒻𑒠𑒹𑒯𑒲 𑒮𑒲𑒞𑒰



## 𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨 𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲 𑒧𑒻𑒞𑓂𑒩𑒹𑒨𑒲

𑒨𑒰𑒖𑓂𑒘𑒫𑒪𑓂𑒏𑓂𑒨𑒏 𑒠𑒴 𑒙𑒰 𑒣𑒞𑓂𑒢𑒲 𑒕𑒪𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 𑒣𑒯𑒱𑒪 𑒏𑒰𑒞𑓂𑒨𑒰𑒨𑒢𑒲 𑒂 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒧𑒻𑒞𑓂𑒩𑒹𑒨𑒲। 𑒧𑒻𑒞𑓂𑒩𑒹𑒨𑒲 𑒥𑓂𑒩𑒯𑓂𑒧𑒫𑒰𑒠𑒱𑒢𑒲 𑒕𑒪𑒲𑒯। 𑒏𑒰𑒞𑓂𑒨𑒰𑒨𑒢𑒲𑒮𑒿 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 𑒞𑒲𑒢𑒙𑒰 𑒣𑒳𑒞𑓂𑒩 𑒕𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱- 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏𑒰𑒢𑓂𑒞, 𑒧𑒯𑒰𑒧𑒹𑒒 𑒂 𑒫𑒱𑒖𑒨।



## 𑒧𑒼𑒞𑒲𑒠𑒰𑒅

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒩𑒖𑒏 (𑒡𑒼𑒥𑒲) 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰।



## 𑒥𑒱𑒯𑒳𑒪𑒰

𑒔𑒧𑓂𑒣𑒰𑒢𑒑𑒩𑒏 𑒥𑒱𑒯𑒳𑒪𑒰।



## 𑒑𑒰𑓀𑒑𑒼 𑒠𑒹𑒫𑒲

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒪𑒰𑒯 𑒖𑒰𑒞𑒱𑒏 𑒪𑒼𑒏𑒠𑒹𑒫𑒞𑒰। 𑒑𑒰𑓀𑒑𑒼𑒠𑒹𑒫𑒲𑒏 𑒦𑒑𑒞𑒰 𑒂𑒅𑒨𑒼 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒧𑒪𑒰𑒯 𑒪𑒼𑒏𑒢𑒱𑒧𑒹 𑒣𑓂𑒩𑒔𑒪𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱।



## 𑒩𑒹𑒬𑒧𑒰, 𑒏𑒳𑒮𑒳𑒧𑒰, 𑒬𑒳𑒪𑓂𑒫𑒰



## 𑒧𑒼𑒢𑓀𑒑𑒰𑒏 𑒧𑒼𑒞𑒲𑒮𑒰𑒨𑒩



## 𑒫𑒱𑒢𑓂𑒡𑓂𑒨𑒫𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒪𑒼𑒏𑒑𑒲𑒞 𑓑𑓙𑓒𑓐-𑓒𑓐𑓐𑓖



## 𑒏𑒰𑒧𑒹𑒬𑓂𑒫𑒩𑒲 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑓑𑓙𑓒𑓒-

𑒧𑒡𑒳𑒥𑒢𑒲 𑒖𑒱𑒪𑒰𑒏 𑒢𑒫𑒰𑒢𑒲 𑒑𑒰𑒧𑒏। 𑒖𑒢𑓂𑒧 𑓑𑓙𑓒𑓒 𑒄. 𑒧𑒹 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒞𑒵𑒏 𑒢𑒰𑒯𑒩𑒧𑒹 𑒦𑒹𑒪𑒢𑒱। 𑒣𑒞𑒱 𑒣𑓀 𑒧𑒠𑒢𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒗𑒰। 𑒥𑒢𑒾𑒪𑒲𑒫𑒰𑒮𑒲 𑒣𑓂𑒩𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡 𑒞𑒰𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏

| | | |
|---|---|---|
| | | પામ્ડતિ કેશવ મશ્રિ હનિક પતિ। છ૭થનિ। "મથિ૭િ સંસ્કાર ગીત" પોથી। |
| <br>કુસુમ૭ા ક૨્ાા | <br>શ્રાામિા સહિ ૧૯૨૪-<br>સમીક્ષકિા, શ્રનુવ઼ાદકિા, સમ્પાદકિા । પ્રકાશન: મૈથ૭િ ૭ોકગીત, વ઼સવેશ્વ઼ર (શ્રનુ), શસ્રિુ ખે૭ ગીત શ્રાદ્રિ ૭ડી વ્રેવોન્ન ક ૉ૭ળ, ક૭કત્તામે પૂર્વ પ્રાધ્યાપકિા। | <br>૭િ૭ી રે ૧૯૩૩-<br>ળન્મ:ર૬ ળનવ઼રી, ૧૯૩૩,પતિા:ભીમનાથ મશ્રિ,પત િડ ૉ એ્યએ્રે, દુર્ગાગં ળ, મૈથિ૭ીક વ઼શિષ્ટિ કથાકાર એવ઼ં ઉપન્યાસકાર। મનોયકિા ઉપન્યાસપર સાહત્યિ શ્રકાદેમીક ૧૯૮૨ ઈ મે પુરસ્કાર। મૈથિ૭ીમે ૭ગભગ દૂ સય કથા શ્રા પાઁચ ટા ઉપન્યાસ પ્રકાશતિ। વ઼પુિ૭ વા૭ સાહત્યિક સ ૃળન। શ્રનેક ભારતીય ભાષામે કથાક શ્રનુવ઼ાદ- પ્રકાશતિ। પહ૭િ પ્રવોધ સમ્માન ૨૦૦૪ સઁ સમ્માનતિ। |
| <br>ચત્રિ૭ેખા દેવ઼ી ૧૯૩૫- | <br>મોહની દ્વા ૧૯૩૭- | <br>ડ ૉ સાવ઼ત્રિી દ્વા |



કવિતા દેવી ૧૯૪૨-



પ્રમિલા દ્દા



શાન્તિ સુમન ૧૯૪૨-

જન્મ ૧૫ સતિમ્બર ૧૯૪૨, કાસી

મપુર, સહરસા, વહિાર, પ્રકાશતિ

ક઼ૃતિ,�શ્રો

પ્રતીક્ષતિ, પરછાઇ

ટૂટતી, સુલગાતે પસીને, પસીને કે

રશ્મિ, મૌસમ હુઆ કવીર, સમય

ચેતાવની નહીં દેતા, તપ ગેહે

કચનાર, મીતર-મીતર આગ, મેઘ

ઇન્દ્રનીલ (મૈથલિી ગીત

સંગ્રહ), શોધ પ્રવંધ:

મધ્યવર્ગીય ચેતના ઔર હન્દિી કા

આધુનકિ કાવ્ય, ઉપન્યાસ: જલ

ટુકા હનિા સમ્માન: સાહતિ્ય

સેવા સમ્માન, કવિ રત્ન

સમ્માન, મહાદેવી વર્મા સમ્માન।

અધ્યાપન કાર્ય।



પ્રભાવતી દ્દા ૧૯૪૫-
૧૯૯૯



સ્વ઼ રમાનાની સહિ ૧૯૪૫-
૧૯૯૩



ઉષાકરિણ ખાન ૧૯૪
૫-

इलारानी सिंह: जन्म १ जुलाई, १९४५, निधन : १३ जून, १९९३, पति : प्रो. प्रबोध नारायण सिंह सम्पादिका : मिथिला दर्शन, विशेष अध्ययन : मैथिली, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, भाषा विज्ञान एवं लोक साहित्य । प्रकाशित कृति : सलोमा (आस्कर वाइल्डक श्रेय नाटकक अनुवाद १९६५), प्रेम एक कविता (१९६८) बंगला नाटकक अनुवाद, विषवृक्ष (१९६८) बंगला नाटकक अनुवाद, वन्दिनी (१९७२), स्वरचित: मैथिली कविता संग्रह (१९७३), हिन्दी संग्रह।

जन्म:२४ अक्टूबर १९४५,कथा एवं उपन्यास लेखनमे प्रख्यात । मैथिली तथा हिन्दी दूनू भाषाक चर्चित लेखिका ।प्रकाशित कृति:अनुत्तरित प्रश्न, दूर्वाक्षत, हसीना मंजिल, भामती (उपन्यास) । २०१०-श्रीमति उषाकिरण खान (भामती, उपन्यास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार-मैथिली।



## नीरजा रेणु १९४५-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४५,नाम: कामाख्या देवी,उपनाम:नीरजा रेणु,जन्म स्थान:नवटोल,सरिसवपाही ।शिक्षा: बी.ए (आनर्स) एम.ए, पी-एच.डी.,गृहिणी ।प्रकाशित रचना : ओसकण (कविता म.मि., १९६०) लेखन पर पारिवारिक, सांस्कृतिक परिवेशक प्रभाव । मैथिली कथा धारा साहित्य अकादेमी नई दिल्लीसँ स्वातन्त्र्योत्तर मैथिली कथाक पन्द्रह टा प्रतिनिधि कथाक सम्पादन ।सृजन धार पियासल कथा संग्रह,आगत



## वीणा ठाकुर १९५४-

जन्म- भवानीपुर, पण्डौल (मधुबनी)। पति श्री श्रीमोहन ठाकुर। प्रकाशित कृति: मैथिली नाटकाव्यक परम्परा, इतिहास-दर्पण (समीक्षा), विद्यापतिक उत्स (समालोचना), भारती (उपन्यास)



## ज्ञानसुधा मिश्र

भारतक उच्चतम न्यायालयक वर्तमान महिला न्यायाधीश आ पहिल मैथिलानी।

ક્ષમ્ન ઉ કવતિા સંગ્રહ,ઋતમ્ભરા કથા
સંગ્રહ,પ્રતચ્છિવિ હિન્દિી કથા
સંગ્રહ,૧૯૬૦ સઁ આરમ્ભ સિરસઁ અધકિ
કથા, કવતિા, શોધનિબન્ધ, ઊઊતિનિબન્ધ,આદ
અનેક પત્ર-પત્રકિા તથા
અભનિન્દનગ્રન્થમે પ્રકાશતિ ।મૈથલિીક
અતરિક્તિ કછિુ રચના હિન્દિી તથા અંગ્રેજીમે
સેહો।૨૦૦૩- નીરજા રેણુ (ઋતમ્ભરા, કથા)ઊઊ
સાહત્યિ અકાદમી પુરસ્કાર।



## જસ્ટસિ મૃદુલા મશ્રિ



## લીલ્મા કન્નમ્ન ૧૯૪૬-

જન્મ ૩ નવમ્બર ૧૯૪૬, ગામ- પટોરી, પોપંચગછિયિા, જલિા- સહરસા। સદસ્ય, મૈથલિી સાહત્યિ અકાદેમી પરામર્શદાતૃ સમતિ ૧૯૮૭-૧૯૯૩, સદસ્ય, ભાષા પરામર્શદાતૃ સમતિ (મૈથલિી), ભારતીય જ્ઞાનપીઠ। અવકાશપ્રાપ્ત વશ્વિવદ્યિાલય આચાર્ય આ અધ્યક્ષ, મૈથલિી વભિાગ, પટના વશ્વિવદ્યિાલય। **પ્રકાશતિ કૃત-** અન્ગલિ, ભાવનાક અસ્થપિજંર (મૈથલિી કાવ્ય સંગ્રહ), શંખનાદ, તુભ્યમેવ સમર્પયે, અનુબન્ધ (હન્દિી કાવ્ય સંગ્રહ)। પ્રકાશ્યઃ સપ્તપદી (મૈથલિી નબિન્ધ સંગ્રહ), યાત્રકિ પૃષ્ઠભૂમમિ મૈથલિીક પ્રસદ્ધિ ઉપન્યાસ, મૈથલિી-ઉપન્યાસક કથા કછિુ કહૈત અછિ (મૈથલિી આલોચના); જન્દિગીનામા (હન્દિી કાવ્ય સંગ્રહ), ક્રમશઃ (હન્દિી આલોચના)।



## શેફાલકિા વર્મા ૧૯૪૩-

જન્મ:૯ અગસ્ત, ૧૯૪૩,જન્મ સ્થાન : બંગાલી ટોલા, ભાગલપુર । શક્ષિા:એમ, પી-એચડી (પટના વશ્વિવદ્યિાલય), એ એન કાલેજ, પટના મે હન્દિીક પ્રાધ્યાપકિા પદસઁ સેવાનવિૃત્ત । બારી મનક ગ્રન્થકિઁ ખોલકિ્રામ રસસઁ ભરલ અધકિતર રચના। પ્રકાશતિ રચના:ઝહરૈત નોર, બજિુકૈત ડોર; વપ્રિલબ્ધા (કવતિા સંગ્રહ), સ્મૃત રેખા (સંસ્મરણ સંગ્રહ), એકટા આકાશ (લઘુકથા સંગ્રહ), યાયાવરી (યાત્રા-

वृत्तान्त), मालाजुहि (काव्य-प्रगीत) , कखन-कखन जीवन (आत्मकथापर साहित्य अकादेमी पुरस्कार)। अर्थयुग (लघु कथा संग्रह) आत्मा-आत्मा प्रीत, नागफाँस (उपन्यास)। २००४ ई- डॉ श्रीमती शेफालिका वर्मा, पटना;यात्री-चेतना पुरस्कार।



## नीता झा १९५३-

जन्म : २१-०१-१९५३,व्यवसाय:प्राध्यापिका। उपन्यास पर समाजक परम्परा तथा आधुनिकताक संस्कार सँ होइत विसंगतिक प्रभावाप्रकाशित कृति : अर्चिष, कथा संग्रह १९८४, कथानवनीत १९८९,सामाजिक असन्तोष ओ मैथिली साहित्य शोध समीक्षा । वहिर मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)।



## आशा मिश्र १९५०-

जन्म:६-७-१९५० ई,प्रकाशित कथा मे मैथिलीक संग हिन्दी मे सेहो। सबसँ पैघ विजय मैथिली कथा संग्रह।



## डॉ सुनीता झा



પ્રેમલતા મિશ્ર 'પ્રેમ' ૧૯૪૮-

જન્મસ્થાન:નહિા,માતા:શ્રીમતી વ઼ૃન્દા દેવી,પિતા:પં દીનાનાથ હ્રા,શિક્ષા:એમ.એ, વી.એડ,પ્રસિદ્ધ અભિનેત્રી દૂ સયસઁ વેશી નાટકમે ભાગ લેલનિ.ભંગિમા (નાટ્યમંચ) ક ભૂતપૂર્વ ઉપાધ્યક્ષા, પત્રિકાક સમ્પાદન, કથાલેખન આદિમે કુશલ । �અરિપન� આદિ અનેક સંસ્થા દ્વારા પુરસ્કૃત-સમ્માનિત।



ડૉ. ઇન્દિરા હ્રા ૧૯૫૭



મેનકા મલ્લિક ૧૯૬૬-



શારદા સિન્હા મૈથિલી લોકગીત ૧૯૫૩-



લલપરી દેવી



શકુંતલા ચૌધરી



ગોદાવરી દત્તા, મિથિલા ચિત્રકલા



ઉષા વર્મા ૧૯૪૮-



કમલ ચૌધરી ૧૯૫૩-

કૃતિ- મૈથિલીક વેશ-ભૂષા-પ્રસાધન સમ્બન્ધી

𑒬𑒥𑓂𑒠𑒰𑒫𑒪𑒲, 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒢𑒰𑒡𑒲𑒢𑓁 𑒥𑒰𑒙𑒹
𑒥𑒱𑒪𑒨𑒪 𑒣𑒰𑒢𑒱 (𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒣𑒱𑒨𑒰
𑒧𑒡𑒳𑒧𑒰𑒮 (𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰
𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯), 𑒂𑒬𑒰𑒣𑒴𑒩𑓂𑒝𑒰 𑒠𑒹𑒫𑒲𑒏 𑒥𑓀𑒑𑒪𑒰
𑒥𑒯𑒳 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 **𑒧𑒢 𑒧𑓀𑒖𑒴𑒭𑒰𑒏** 𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲
𑒁𑒢𑒳𑒫𑒰𑒠। 𑒧𑒳𑒖𑒤𑓂𑒤𑒩𑒣𑒳𑒩𑒮𑒿 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞
𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨𑒱𑒏
𑒣𑒞𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 **𑒮𑓂𑒫𑒰𑒞𑒲𑒏** 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢
(𑓑𑓙𑓘𑓔-𑓘𑓕)।



𑒮𑒲𑒞𑒰 𑒠𑒹𑒫𑒲, 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏𑒪𑒰



𑒑𑓀𑒑𑒰 𑒠𑒹𑒫𑒲 𑓑𑓙𑓒𑓘-𑓑𑓙𑓙𑓑

𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰 𑒔𑒱𑒞𑓂𑒩𑒏𑒪𑒰



𑒮𑒩𑒮𑓂𑒫𑒞𑒲 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲, 𑒖
𑒢𑒏𑒣𑒳𑒩



𑒛𑒺𑒰. 𑒁𑒢𑒳𑒣𑒧𑒰 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲



𑒫𑒱𑒦𑒰 𑒩𑒰𑒢𑒲 𑓑𑓙𑓕𑓙-

𑒧𑒻𑒟𑒱𑒪𑒲 𑒏 𑓓 𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑓂𑒨 𑒁𑒏𑒰𑒠𑒧𑒲
𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒫𑒱𑒖𑒹𑒞𑒰 𑒪𑒹𑒐𑒏𑒏 𑓔 𑒑𑒼𑒙
𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 "𑒏𑒢𑓂𑒨𑒰𑒠𑒰𑒢" (𑒯𑒩𑒱𑒧𑒼𑒯𑒢 𑒗𑒰),
"𑒩𑒰𑒖𑒰 𑒣𑒼𑒐𑒩𑒹 𑒧𑒹𑓀 𑒏𑒞𑒱𑒢𑒲 𑒧𑒕𑒪𑒱𑒨𑒰𑓀"
(𑒣𑓂𑒩𑒦𑒰𑒮 𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 𑒔𑒾𑒡𑒩𑒲), "𑒥𑒱𑒪
𑒙𑒹𑒪𑒩 𑒏𑒲 𑒛𑒰𑒨𑒩𑒲" 𑒫 "𑒣𑒙𑒰𑒏𑓂𑒭𑒹𑒣"



𑒖𑓂𑒨𑒼𑒞𑓂𑒮𑒢𑒰 𑒔𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒧 𑓑𑓙𑓖𑓓-

𑒖𑒢𑓂𑒧𑒞𑒱𑒟𑒱: 𑓑𑓕
𑒠𑒱𑒮𑒧𑓂𑒥𑒩, 𑓑𑓙𑓖𑓓,𑒖𑒢𑓂𑒧𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢
: 𑒧𑒴𑒩𑒁𑒰𑒩, 𑒮𑒱𑒡𑒱𑒨𑒰
𑒤𑒳𑒩𑒠, 𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞𑒲𑒣𑒳𑒩,𑒣𑒞𑒱 : 𑒬𑓂𑒩𑒲
𑒧𑒰𑒩𑓂𑒏𑒝𑓂𑒛𑒹𑒨 𑒣𑓂𑒩𑒫𑒰𑒮𑒲,𑒧𑒰𑒞𑒰:

(ઉઊિ ને) હિન્દિીમે શ્રનૂદતિ
છન્હારિ ગોટ ઊકકથાક
પુસ્તક "મથિઊિ કી ઊક
કથાએં" વ "ગોનૂ હા કે કસ્સિે"।
મૈથઊિ કથા સંગ્નહ "પ્પોહસઁ
નકિસૈત"।

શ્નીમતી સુશીઊ હા,શ્રય્યાપન
।સુપનાયિતિ કવયત્રિી, કથાકાન।
પ્નકાશતિ કૃતિ: વોનસાઈ
(કવતિા સંગ્નહ), હહિનિકોના
(કથાસંગ્નહ)।



## સુસ્મતિા પાઠક ૧૯૬૨-

ળન્મઃ સુપૌઊ, વહિાન। પનચિતિ
કવતિા સંગ્નહ પ્નકાશતિ।
કથાવાચક, કથાસંગ્નહ
પ્નકાશનાધીન। નાળનીતિ શાસ્ત્નમે
એમ.એ. સંગીત, પેંટગિમે નુચિ। મૈથઊિક
પોથી પત્નકિા પન શ્રનેક નેપ્પાયત્નિ
પ્નકાશતિ। સમકાઊીન
ળીવન, સમય, શ્રા તકન સ્પંદનક
કવયત્રિી। શ્રનેક ભાષામે નચનાક
શ્રનુવાદ પ્નકાશતિ।



## ઉત્નમઊિ દેવી, મથિઊિ ચત્નિકઊ



## ચમુના દેવી, મથિઊિ ચત્નિકઊ



## ચશોદા દેવી, મથિઊિ ચત્નિકઊ



## નમા હા, સમ્પાદક મથિઊિ દન્પણ



## પન્ના હા

શ્રનુભૂતિ (ઊઘુકથા સંગ્નહ)।



𑒮𑒳𑒡𑒰 𑒏𑒩𑓂𑒝



𑒢𑒴𑒞𑒢 𑒠𑒰𑒮

𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒱𑒏𑒰, 𑒧𑒱𑒟𑒱𑒪𑒰𑓀𑒑𑒢



𑒩𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰 𑒗𑒰, 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒪𑒹𑒐𑒱𑒏𑒰

𑒯𑒳𑒢𑒏𑒩 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 "𑒮𑓂𑒧𑒹𑒪" 𑒂 "𑒌𑒢𑓂𑒙𑒩𑓂𑒢𑓂𑒮 𑒍𑒢 𑒠𑒹𑒨𑒩 𑒯𑒽𑒩𑓂𑒢𑓂𑒮" 𑒂 𑒁𑓀𑒑𑓂𑒩𑒹𑒖𑒲 𑒪𑒒𑒳 𑒏𑒟𑒰 𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯 "𑒠 𑒋𑒪𑒲𑒤𑒹𑒢𑓂𑒙 𑒋𑒝𑓂𑒛 𑒠 𑒧𑒰𑒩𑒳𑒞𑒱" 𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒬𑒱𑒞 𑒁𑒕𑒱 𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 "𑒮𑓂𑒧𑒹𑒪" 𑒪𑒹𑒪 𑒯𑒳𑒢𑒏𑒰 "𑒮𑓂𑒣𑒹𑒢𑓂𑒨 𑒣𑓂𑒩𑒱𑒏𑓂𑒮 𑒑𑒳𑒋𑒩𑒪𑒹𑒢" 𑒣𑒳𑒩𑒮𑓂𑒏𑒰𑒩 𑒦𑒹𑒙𑒪 𑒕𑒢𑓂𑒯𑒱 𑒂 𑒃 𑒣𑒼𑒟𑒲 𑒮𑒼𑒪𑒯 𑒦𑒰𑒭𑒰𑒧𑒹 𑒁𑒢𑒴𑒠𑒱𑒞 𑒦𑒹𑒪 𑒁𑒕𑒱 𑒩𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰 "𑒋𑒧𑒯𑒩𑓂𑒮𑓂𑒙 𑒏𑒽𑒪𑒹𑒖"𑒮𑒿 "𑒋𑒢𑓂𑒟𑓂𑒩𑒼𑒣𑒼𑒪𑒼𑒖𑒲" 𑒣𑒜𑓃𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒂 "𑒬𑒱𑒏𑒰𑒑𑒼 𑒫𑒱𑒬𑓂𑒫𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨"𑒮𑒿 𑒩𑒰𑒖𑒢𑒲𑒞𑒱 𑒫𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒧𑒹 𑒧𑒰𑒮𑓂𑒙𑒩𑓂𑒮 𑒛𑒱𑒑𑓂𑒩𑒲 𑒪𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒍 "𑒯𑒱𑒢𑓂𑒠𑒳𑒮𑓂𑒞𑒰𑒢 𑒙𑒰𑒃𑒧𑓂𑒮" 𑒂 "𑒥𑒱𑒖𑒢𑒹𑒮 𑒫𑒩𑓂𑒪𑓂𑒛"𑒧𑒹 𑒏𑒰𑒖 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒕𑒟𑒱 𑒂 𑒮𑓀𑒑𑒧𑒹 "𑒩𑒰𑒖𑒲𑒫 𑒑𑒰𑓀𑒡𑒲 𑒤𑒰𑒅𑒢𑓂𑒛𑒹𑒬𑒢, 𑒠𑒱𑒪𑓂𑒪𑒲" 𑒧𑒹 𑒮𑒹𑒯𑒼, 𑒖𑒞𑒋 𑒍 𑒂𑒞𑓀𑒏𑒫𑒰𑒠𑒮𑒿 𑒣𑒲𑒛𑓃𑒱𑒞 𑒥𑒔𑓂𑒔𑒰 𑒮𑒦 𑒪𑒹𑒪 𑒮𑒧𑓂𑒣𑒩𑓂𑒏 𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒏𑓂𑒩𑒧𑒏 𑒣𑓂𑒩𑒰𑒩𑒧𑓂𑒦 𑒏𑒹𑒢𑒹 𑒩𑒯𑒟𑒱 𑒂𑒩 𑒏𑒰𑒪𑓂𑒯𑒱 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒣𑒞𑒱

આ વયસીક સંગ ઠીક્યોમે નૈ

છથિ



સ્વયંપ્રભા ઝા ૧૯૭૦-



નૂપા ધીનૂ ૧૯૭૩-

નૂપા ધીનૂ- જન્મસ્થાન-

મયનાકડેની, સપ્તની, શ્નીમતી

પૂનમ ઝા આ શ્ની અનૂપ્રકુમાર ઝાક

પુત્નીાસ્થાયી પતા- અન્યઠ-

સગરમાથા, જિક્ષા- સનિહા પ્રથમ

પ્રકાશતિ રચના-કોશી

કાનએ માટસિં

સનિહ (કવતિા),નગતા વેડક દેશ-

ન્નમામ્ર (કનક દીક્ષતિક

પુસ્તકક ધીનેન્દ્ર પ્રેમન્ષસિંગા

મૈથિલિમે

સહઅનુવાદ,સઙ્ગીતસમ્વન્ધી

કૃતિ- નાષ્ટ્રનયિગાન, મોન, નેહક

વએન, ચેતના, પ્રયિતમ હમર

કનૌઆ (પહિલ મૈથિલિ સીડી), પ્રેમ

જેઠ તરઘુસ્કીમે, સુરક્ષતિ

માતૃત્વ ગીતમાળ, સુપ્પક સનેસ

સમ્પાદન-પલ્લવ, મૈથિલિ સાહિત્યિક

માસકિ પત્રકિા, સમ્પાદન-

સહયોગ,હમર મૈથિલિ પોથી (કક્ષા

૧, ૨, ૩, ૪ આ ૫ આ કક્ષા ૯-૧૦ ક



રંજના ઝા, વદ્યિાપતિ

સંગીત ગાયકિા

| | | |
|---|---|---|
| | ऐच्छिक मैथिली विषय पाठ्यपुस्तकक भाषा सम्पादन)। | |
|  रश्मि दित्त, गायिका, जनकपुर |  कामिनी कामायनी |  मुन्नी झा युवा रचना कार |
|  कामिनी १९७८- युवा कवयित्री |  रुकसाना सिद्दीकी |  कल्पना मिश्र, मैथि ली रंगमंच |
|  ज्योति झा, , मैथिली रंगमंच |  करिश्मा झा, मैथिली रंगमंच |  प्रियंका झा, मैथिली रंगमंच |
|  ऋतु कन्नाम, मैथिली रंगमंच |  ज्योति वत्स, रंगमंच |  नेहा वर्मा, रंगमंच |

| | | |
|---|---|---|
| <br>સવિતા | <br>શ્નુપ્નાયિા | <br>મ◌ૃદુલા પ્નાધાન |
| <br>શ્નુામ મશ્નિ, મહિલા વ◌ૉક્સગિ | <br>નાપ્પી દાસ, મથિલિા યતિ્નકળા | <br>વનાનસી પંડતિ,મથિલા યતિ્નકળા, યનુષા, નેપાળ |
| <br>દેવકળા દેવ઼ી કન્ાામ,મથિલિા યતિ્નકળા, નેપાળ | <br>મદનકળા કન્ાામ,મથિલિા યતિ્નકળા, નેપાળ | <br>મહાસુન્દની દેવ઼ી,મથિલા યતિ્નકળા |
| <br>નતિ્ળા હ્ા, મથિલિા યતિ્નકળા, નેપાળ | <br>શ્નુળે સાહ, મથિલિા યતિ્નકળા, મહોત્તની, નેપાળ | <br>નળની પલ્લવ઼ી |



સંગીતા કુમાની, મૈથિલિ સ્ટેડીના પ્નોળેક્ ટ



વ઼નિ્દેશ્વ઼ની દાસ



ગૌની સેન



સીમા હ્ા



વ઼ામી મશ્નિ, કવ઼યિત્ની ૧૯૫૩-૧૯૯૬

કોરઙ્ગ, મધુવની। ળન્મસ્થાન તિલિડ઼ી, નેપાલ।



મૌસમી વન્નળી, કવ઼યિત્ની



શૈલ હ્ા



શાન્તિ દેવ઼ી



શશિવાલા

પતિ। શ્ની ઉગ્ન નાનાયણ લાલ, પતિ શ્ની ઉમેશ કુમાન કણ્ઠ (વસિહ્થ)। શવિ઼ા કશ્યપ શ્રા કૃષ્ણ કુમાન કશ્યપક સહયોગસઁ "જાનતી વ઼િકાસ સંસ્થા"ક સ્થાપના। નચના: કૃષ્ણ કુમાન કશ્યપક સંગ "મેઘદૂત" શ્રા "ગીત-ગોવ઼િન્દ"ક મૈથિલી શ્રનુવ઼ાદ, માછ-જાત, મથિલા

યતિ્ર-શક્ષિા, ભાગ-૧, મથિલિ

યતિ્ર-કોષ, ભાગ-૩।



મુન્ની કામત

સુપ્પ૭ મન ૮નસ૭ ૠાઁખ્યિ (કવતિા સંગ્રહ)।



પ્રેમલતા ઝા

મથિલિ લોક કલા





અંશુમાલા

મથિલિ લોકગીત।



શ્વેતા ઝા ચૌધરી, ચતિ્રકાર

ગામ સરસિવ-પાહી, લલતિ કલા આ ગ્ૃહવજ્ઞિાનમે સ્નાતક।

મથિલિ ચતિ્રકલામે સર્ટિફિકેટ કોર્સાકલ।

પ્રદર્શની: એક્સએલઆરઆઇ, જમશેદપુરક સાંસ્કૃતિક

કાર્યક્રમ, ગ્રામ-શ્રી મેલા જમશેદપુર, કલા મન્દિ

જમશેદપુર ( એક્ઝીબીશન આ વર્કશોપ)।કલા સમ્બન્ધી

કાર્ય: એનઆઇટી જમશેદપુરમે કલા પ્રતયિોગતિામે

નર્િણાયકક રૂપમે સહભાગતિા, ૨૦૦૨-૦૭ ધરિ

વસેરા, જમશેદપુરમે કલા-શક્ષિક (મથિલિ ચતિ્રકલા), વ્રૂમેન

કૉલેજ પુસ્તકાલય આ હૉટલ વ્રૂલેવાર્ડ લેલ વાલ-

પેઇંટગિ પ્રતષ્ઠિતિ સ્પૉન્સર: કૉર્પોરેટ

કમ્યુનકિશન્સ, ટસ્કિો; ટીએસઆરડીએસ, ટસ્કિો; એઆઇએડીએ,

સ્ટેટ બૈંક ઑફ ઇણ્ડયિા, જમશેદપુર; વભિન્નિ

વ્યક્તિ, હૉટલ, સંગઠન આ વ્યક્તગિત કલા સંગ્રાહક।



શ્વેતા ઝા

મથિલિ ચતિ્રકલા, સમ્પ્રતિ

સગિાપુરમે નવિાસ।



રાની ઝા

હૉવી: મથિલિ ચત્રિકલા, લલિત કલા, સંગીત શ્રા માનસ-માત।



મોતી કન્નામ

મથિલિ ચત્રિકલા



નક્કી પ્નયિદર્શની



પ્નાળ્મા હ્ના



ડૉ નલિની ચૌયની



નીલમ ચૌયની, કથક નૃત્યાંગના



ર્ના મણ્ડિક

પિતા સ્વ શવિનન્દન મણ્ડિક, ગામ-

મહસિાની, દ્નમંગા। પતિ શ્ની કમલેશ

કુમાન, માનહુણ્લી, દ્નમંગા।



ગુંળન કન્નામ

નાઁટી મધુવની, સમ્પ્નાતિ પૂકેમે નહૈ

છથિ। ગ્રામાદ્હુવાનાનિાસ્ચુક પન

હુનકન કલાકૃતિ દિખ્ખિ સિકૈ છી।



પૂનમ મંડલ

*પ્નયિકા હ્નાક સંગ મૈથિલી નૂપળ*

*પોન્ટલ "સમદિયા"*

*ગ્રીસામાદ્દવલીગસપોત્યોમ ક સંચાલન*

*।*



પ્નયિકા હ્ના

*પૂનમ મંડલક સંગ મૈથિલી નૂપળ*

*પોન્ટલ "સમદિયા"*

*ગ્રીસામાદ્દવલીગસપોત્યોમ ક સંચાલન*



સ્નુતિ ાિાયાણ



ડૉ ઊઊિતા હ્ા ૧૯૫૧

ળન્મ

પનીયોજ, દ્નંગામે "મૈથીિક

મોળન સમ્વન્ધી

શવ્દાવઊ" પ્નકાશતિ"।



શ્નાની કુમાની ૧૯૬૭-

"મૈથઊિ મુક્ાક કાવ્યમે

નાની" પ્નકાશતિ।



મીના હ્ા

વ્નેસ્ટ કૈસનક સમસ્યાપન વ્દિેહ મે મીના હ્ા કેન એકટા ઊઘુ ક

થા પ્નકાશતિ મેઊ ઽ મૈથિઊિક પહઊિ કથા છઊ ળે વ્નેસ્ટ કૈસન

પન ઊપ્પિઊ ગેઊ હનિ્દીમે સેહો તાયના એહિ વ્ષિયપન કથા નહિ ઊિ

ખ્ઊ ગેઊ છઊ।



શ્નનુપમા પ્નયિદ્નશિની

પતિ ડૉ નતન કન્ણ, ગામ- ઉળાન

(વડ઼કાગામ), પો ઊહ્ના નોડ, ળઊિ

દ્નંગા। સમ્પ્નાતિ ઊિળિયાના

(સંયુક્ત નાળ્ય

શ્નમેનકિામે), શકિ્ષા- એમએસસી

(ળંતુ વઝિ્ઞાન), ઊના મથિઊિ

વ્વિ્ઇ, દ્નંગા; વીએસસી વીશ્નાન

શ્નમ્વેડકન વ્વિ્ઇ

મુળશ્શ્નપુનસઁ, હૉવી, મથિઊિ

ચતિ્નકઊ, કમપ્યૂટનાશ્ળ્ડ

ચતિ્નકઊ, ઊઊિત કઊ। ઉપઊવ્ધિ:

શ્નખિ્ઊ ભાનતીય કઊ શ્ના દસ્તકાની

પ્નતયિોગતિાક

પુનસ્કાન ૧૯૯૫ મે; સંસ્કાન



શપ્પિ

મૈથિઊ નંગમંચ।

બાનતી બાવ નૃત્ય

પ્નતિયોગિતા ૧૯૮૯ મે સહભાગી।



## પ્નીતિ ઠાકુન

ગામ- ળગેળી, બાયા

નાનાનગાન, પૂન્ામ્મયિઁ। મૈથિળી વાળ

સાહિત્યમે "ગોનૂ ઝા આ આન ચતિન

કથા ૨૦૦૮", "મૈથિળી ચતિનકથા

૨૦૦૯" આ "મથિળિક ળોકદેવતા

૨૦૧૦", વિદ્યાપતિક પુનુષ પનીક્ષા

(વાળ સાહિત્ય) ૨૦૧૪ પ્નકાશિત।



## અનુપમા ઝા

ટ્રાંસપેરેંસી ઇંટનનેશનળ, બાનત।



## વિનીતા મળ્ળિક



## નેવતી મિશ્ન



## અનામિકા નાળ



## શાન્તિ ળક્ષ્મી ચૌધની

ગ્નામ ગોવિન્દપુન, ળિળા સુપૌળ

નિવાસી શ્રી નાળેન્દ્ન મિશ્ન

મહાવિદ્યાળય, સહનસા મે કાન્યનત

પુસ્તકાળયાધ્યક્ષ શ્ની શ્યામાનન્દ

ઝાક ળેષ્ઠ સુપુત્ની, શ્રીન ગ્નામ

મહિષી (પુનન્વાસ શ્રાનાપટ્ટી), ળિળા

સહનસા નિવાસી શ્રી દિળીપ સ્કૂળ

ઑફ ઇકાનોમિક્સ સઁ ળુડ઼ળ

અન્વેષક આ સમાળશાસ્ત્ની શ્ની
અક્ષય કુમાન ચૌધનીક અન્ધાંગિની
છથિ। પ્નાણીશાસ્ત્ન સઁ
સ્નાતકોત્તન નહથિ
શિક્ષાશાસ્ત્નક સ્નાતક
શિક્ષાન્થી આ એકટા
સમાળશાસ્ત્ની સઁ સાન્નિધ્યક ચલતિ
આમ ળીવનક સામાળિક વિષય-
વસ્તુ આ પ્યાસ કઽ મહિળાળન્ય
સામાળિક સમસ્યા આ પ્નઘટનામે
હિનક વિશેષ અભિરૂચિ સ્વભાવિક।



ડૉ કલ્પના
માર્કણ્ડેય મિશ્ન

પતિ ડૉ શિવ કુમાન ઝા, ગામ
નાટી, સાસુન- ગળહાના મેડિકલ
શિક્ષા જે જે હૉસ્પીટલ ગ્નાન્ટ
હૉસ્પીટલસઁ સમ્પન્ન કય સ્ત્ની-
નોગ વિશેષજ્ઞા મુમ્બઇસઁ ૧૯૮૦-૮૨
મે પ્નકાશિત હોઇવલા મૈથિલી
પત્નિકા "વિદેહ"ક પત ડૉ
માર્કણ્ડેય મિશ્ન (નિર્માતા-
મૈથિલી ફિલ્મ- આઉ પિયા હમન
નગની) સંગ સમ્પાદન।



કુસુમ ઠાકુન

પ્નત્યાવર્તન
(આત્મકથા)



નન્દિની પાઠક ૧૯૬૧-
પાથનક શહન (કવિતા
સંગ્નહ)

(ય)૨૦૦૦- ૨૦૨૩। વિદેહ: પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ-પત્રિકા (સિનિયે ૨૦૦૦) ૨ષષામ ૨૨૨૯-૫૪૭૨શ વિ૨યએહશ્ર (સિનિયે ૨૦૦૪) સમ્પાદક: ગજેન્દ્ર ઠાકુર। એદિતોર: ઘાળેનદ્રા થહાકુર ૨ન રેસપેયત ોડ માતેરીઅલે -પુવઅસિહેદ નિ વિદેહા, તહે એદિતોર, વિદેહા હોઅદસ તહે રિગિહત તો યરોતે તહેૌવ ારયહવિસ્ તહેમે-વાસેદૌવ ારયહવિસ, રિગિહત તો તરાનસઅતે્ તરાનસઅતિરાતે તહોસે ારયહવિસ ાનદ યરોતે તરાનસઅતેદ્ તરાનસઅતિરાતેદૌવ-ારયહવિસ; ાનદ તહે રિગિહત તો -પુવઅસિહ્ પરિનિત-પુવઅસિહ ાઅઅ તહેસે ારયહવિસ્ રચનાકાર્ સંગ્રહકર્ત્તા અપન મૌલિક આ અપ્રકાશિત રચના સંગ્રહ (સંપૂર્ણ ઉત્તરદાયિત્વ રચનાકાર્ સંગ્રહકર્ત્તા મધ્ય) ેદિતોરિઅિસતાડડ્વિદેહાઌગમાિલયોમ કેઁ મેલ અટૈચમેણ્ટક રૂપમેઁ પઠા સકૈત છથિ, સંગમે ઓ અપન સંક્ષિપ્ત પરિચય આ અપન સ્કૈન કએલ ગેલ ફોટો સેહો પઠાવથિ। એતઽ પ્રકાશિત રચના સંગ્રહ સભક કૉપીરાઇટ રચનાકાર્ સંગ્રહકર્ત્તાક લગમે છન્હિ આ જતઽ રચનાકાર્ સંગ્રહકર્ત્તાક નામ નૈ અછિ તતઽ ઈ સંપાદકાધીન અછિ। સમ્પાદક: વિદેહ ઈ-પ્રકાશિત રચનાક વેવ-આર્કાઇવ્ થીમ-આધારિત વેવ-આર્કાઇવક નિર્માણક અધિકાર, એ સભ આર્કાઇવક અનુવાદ આ લિપ્યંતરણ આ તકરો વેવ-આર્કાઇવક નિર્માણક અધિકાર; આ એ સભ આર્કાઇવક ઈ-પ્રકાશન્ પ્રિંટ-પ્રકાશનક અધિકાર રખૈત છથિ। એ સભ લેલ કોનો રૉયલ્ટી પારિશ્રમિકક પ્રાવધાન નૈ છૈ, સે રૉયલ્ટી પારિશ્રમિક ઇચ્છુક રચનાકાર્ સંગ્રહકર્ત્તા વિદેહસઁ નૈ જુડ્થુ। વિદેહ ઈ પત્રિકાક માસમે દૂ ટા અંક નિકલૈત અછિ જે માસક ૦૧ આ ૧૫ તિથિકેં ીૌવિદેહાયોનિ પર ઈ પ્રકાશિત કએલ જાઇત અછિ। થહે યોનતેનતસ ાનદ દોયુમેનતસ ે-પુવઅસિહેદ વય વિદેહા (સિનિયે ૨૦૦૦) ૨ષષામ ૨૨૨૯-૫૪૭૨શ વિ૨યએહશ્ર (સિનિયે ૨૦૦૪) ામે પેરીઓદિયાઅઅય વેરિગ યહેયકેદ ડોર ાયયેસસવિલિતિય સિસુેસ ઓપલૌતિહ દસિાવલિતિસિ સહોુલદ નોત હાવે દિડિડયુિલતય ાયયેસસિનગ તહેસે યોનતેનતસ્ દોયુમેનતસ્

(ય) ૨૦૦૦-૨૦૨૩ સર્વાધિકાર સુરક્ષિત। વિદેહમે પ્રકાશિત સભટા રચના આ આર્કાઇવક સર્વાધિકાર રચનાકાર આ સંગ્રહકર્ત્તાક લગમે છન્હિ। ભાલસરિક ગાછ જે સન ૨૦૦૦ સઁ યાહૂસિટીજપર છલ હત્તપ્:ીીગેોયિતિસિયોમ્વહાલસારિક્_ગાયહ્હ્હામ, હત્તપ્:ીીગેોયિતિસિયોમ્ગગજેનદરા આદિ લિંકપર આ અખનો ૫ જુલાઇ ૨૦૦૪ ક પોસ્ટ હત્તપ્:ગાજેનદરાતહાકુરવલગસપોત્યોમ્૨૦૦૪૦૭વહાલસારિક-ગાયહ્હ્હામ (કિછુ દિન લલ હત્તપ્:વિદેહાયોમ્૨૦૦૪૦૭વહાલસારિક-ગાયહ્હ્હામ લિંકપર, સ્રોત ીયવાયક માયહનિ ોડ હત્તપસ્ીવારયહવિેરગીવ્ીવિદેહા ૨૫૮ યાપતુરે(સ) ડોમ ૨૦૦૪ તો ૨૦૧૬- હત્તપ્:વિદેહાયોમ્ ભાલસરિક ગાછ-પ્રથમ મૈથિલી બ્લૉગ્ મૈથિલી બ્લૉગક એગ્રીગેટર) કેર રૂપમે ઇન્ટરનેટપર મૈથિલીક પ્રાચીનતમ ઉપસ્થિતિક રૂપમે વિદ્યમાન અછિ। ઈ મૈથિલીક પહિલ ઇંટરનેટ પત્રિકા થિક જકર નામ બાદમે ૧ જનવરી ૨૦૦૮ સઁ 'વિદેહ' પડ્લૈ।ઇંટરનેટપર મૈથિલીક પ્રથમ ઉપસ્થિતિક યાત્રા વિદેહ- પ્રથમ મૈથિલી પાક્ષિક ઈ પત્રિકા ધરિ પહુઁચલ અછિ,જે હત્તપ્:ીીવિદેહાયોનિ પર ઈ પ્રકાશિત હોઇત અછિ। આબ 'ભાલસરિક ગાછ' જાલવૃત્ત 'વિદેહ' ઈ-પત્રિકાક પ્રવક્તાક સંગ મૈથિલી ભાષાક જાલવૃત્તક એગ્રીગેટરક રૂપમે પ્રયુક્ત ભઽ રહલ અછિ। વિદેહ ઈ-પત્રિકા ૨ષષામ ૨૨૨૯-૫૪૭૨શ વિ૨યએહશ્ર

